रजिस्ट्री सं. डी. (डी. एन.)—73

REGISTERED NO. D. (D. N.)—73

सत्यमेव जयते

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 10] नई दिल्ली, शनिवार, मार्च 9, 1985/ फाल्गुन 18, 1906
No. 10] NEW DELHI, SATURDAY, MARCH 9, 1985/PHALGUNA 18, 1906

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़ कर) भारत सरकार के मंत्रालयों द्वारा जारी किये गये सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं
Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (Other than the Ministry of Defence)

गृह मंत्रालय

नई दिल्ली, 21 फरवरी, 1985

का. आ. 936.—राष्ट्रपति संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एतद्द्वारा निदेश देते हैं कि अन्डमान और निकोबार समूह के उप राज्यपाल, अपने प्रशासनिक नियंत्रणाधीन केन्द्रीय सिविल सेवाएं और श्रेणी "क" और "ख" के पद, जिनका अधिकतम 2000 रुपए से अधिक नहीं होता है, के संबंध में नियम बनाने की शक्ति का प्रयोग करेंगे ।

2. इस निदेश के अनुसरण में बनाए गए कोई भर्ती नियम, जिसमें परिवीक्षा, पुष्टि, वरीयता और पदोन्नति से संबंधित कोई नियम भी सम्मिलित है, संघ लोक सेवा आयोग के पूर्व परामर्श के अधीन होंगे ।

3. ऐसे पद के संबंध में जिस पर नियुक्ति करने से पहले केन्द्रीय सरकार का पूर्व अनुमोदन अपेक्षित है ऐसे पदों के लिए भर्ती नियमावली के विषय में संघ लोक सेवा आयोग के साथ पूर्व परामर्श करने के अलावा, केन्द्रीय सरकार का पूर्व अनुमोदन भी लिया जाएगा ।

[संख्या यू० 14039/2/83-ए एन एल]

सुरेन्द्र कुमार, उपसचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi, the 21st February, 1985

S.O. 936.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby directs that the Lt. Governor, Andaman and Nicobar Islands shall exercise the powers to make Rules in regard to the Central Civil Services and Posts in Group 'A' and 'B' the maximum of which does not exceed Rs. 2,000/-, under his administrative control.

2. Any Recruitment Rules, including any Rule relating to probation, confirmation, seniority and promotion made in pursuance of this direction shall be subject to previous consultation with the Union Public Service Commission.

3. In case of a post, appoint to which requires the prior approval of the Central Government, prior approval of Central Government shall be obtained also in respect of the Recruitment Rules for such posts, in addition to the previous consultation with the Union Public Service Commission regarding such Recruitment Rules.

[No. U-14039/2/83-ANL]

SURENDRA KUMAR, Dy. Secy.

कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग

नई दिल्ली, 25 फरवरी, 1985

का. आ. 937.—राष्ट्रपति संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक और अनुच्छेद 148 के खण्ड (5) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और भारतीय लेखापरीक्षा और लेखा विभाग में कार्य कर रहे व्यक्तियों के संबंध में भारत के नियंत्रक महालेखापरीक्षक से परामर्श करने के पश्चात् साधारण भविष्य निधि (केन्द्रीय सेवा) नियम, 1960 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम साधारण भविष्य निधि (केन्द्रीय सेवा) (संशोधन) नियम, 1985 है ।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे ।

2. साधारण भविष्य निधि (केन्द्रीय सेवा) नियम, 1960 के नियम 15 के उपनियम (1) के खण्ड (ख) में "पन्द्रह वर्ष" शब्दों के स्थान पर "दस वर्ष" शब्द रखे जाएंगे ।

[संख्या फा. 13(4)-पेंशन/84]
एस. आर. अहीर, उपसचिव

टिप्पण:—साधारण विष्य निधि (केन्द्रीय सेवा) नियम, 1960 का.आ. 3000 तारीख 1-12-60 के रूप में प्रकाशित हुए थे । उनका तीसरा मुद्रण (30-11-78 तक संशोधित) 1979 में मुद्रित किया गया था । तत्पश्चात् नियमों का निम्नलिखित अधिसूचनाओं द्वारा संशोधन किया गया :—

1. एफ. 13(8)/77-ई वी (बी) तारीख 13-12-1978
2. एफ. 13(5)/78 ई वी (बी) तारीख 23-4-1979
3. एफ. 13(11)/78-ई वी (बी) तारीख 30-5-1979
4. एफ. 13(7)/78-ई वी (बी) तारीख 18-6-1979
5. एफ. 17(5)/78-ई वी (बी) तारीख 18-6-1979
6. एफ. 19(15)-पेन./76-जी पी एफ तारीख 9-8-1979
7. एफ. 9(2)-ई वी (बी)/पेन/78 जी पी एफ तारीख 13-11-1979
8. एफ. 10(10)-पेन/79 जी पी एफ तारीख 3-3-1980
9. एफ. 20(22) ई वी (बी)/पेन/79 जी पी एफ तारीख 18-4-1980
10. एफ. 13(6)-पेन/79 जी पी एफ तारीख 18-4-1980
11. एफ. 16(2)-पेन/79-जी पी एफ तारीख 12-6-1980
12. एफ. 11(1) पेन/77 जी पी एफ तारीख 1-10-1980
13. एफ. 16(3)-पेन/79 जी पी एफ तारीख 13-10-1980
14. एफ. 10(2)-पेन/81 जी पी एफ तारीख 21-12-1981
15. एफ. 13(1)-पेन/82 तारीख 8-9-1982
16. एफ. 13(3)-पेन/82 तारीख 30-4-1983
17. एफ. 19(2)-पेन/80 जी पी एफ तारीख 10-5-1983
18. एफ. 16(3)-पेन/77 जी पी एफ तारीख 19-5-1983
19. एफ. 13(2)-पेन/80 तारीख 20-5-1983
20. एफ. 19(1)-पेन/83 जी पी एफ तारीख 20-5-1983
21. एफ. 20(10)-पेन/81 जी पी एफ तारीख 30-7-1983
22. एफ. 13(1)-पेन/84 जी पी एफ तारीख 19-3-84

DEPARTMENT OF PERSONNEL AND ADMINISTRATIVE REFORMS

New Delhi, the 25th February, 1985

S.O. 937.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 and clause (5) of article 148 of Constitution, the President after consultation with the Comptrollor and Auditor-General in relation to persons serving in the Indan Audit and Accounts Department, hereby makes the following rules further to amend the General Provident Fund (Central Services) Rules, 1960, namely :—

1. (1) These rules may be called the General Provident Fund (Central Services) (Amendment) Rules, 1985.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the General Provident Fund (Central Services) Rules, 1960, in rule 15, in sub-rule (1), in clause (B), for the words "fifteen years", the words "ten years" shall be substituted.

[No. F. 13/4/84-PU(GPF)]
S. R. AHIR, Dy. Secy.

NOTE.—General Provident Fund (Central Services) Rules, 1960, were published as S.O. No. 3000 dated 1-12-1960. The Third re-print (corrected upto 30-11-1978) of the rules was printed in 1979. The rules were subsequently amended vide notifications mentioned below :—

1. F. 13(8)/77-EV(B), dated 13-12-1978.
2. F. 13(5)/78-EV(B), dated 23-4-1979.
3. F. 13(11)/78-EV(B), dated 30-5-1979.
4. F. 13(7)/78-EV(B), dated 18-6-1979.
5. F. 17(5)/EV(B)/78 dated 18-6-1979.
6. F. 19(15)-Pen/76-GPF dated 9-8-1979.
7. F. 9(2)-EV(B)/Pen/78-GPF, dated 13-11-1979.
8. F. 10(10)-Pen/79-GPF, dated 3-3-1980.
9. F. 20(22)-EV(B)/Pen/79-GPF, dated 18-4-1980.
10. F. 13(6)-Pen/79-GPF, dated 18-4-80.
11. F. 16(2)-Pen/79-GPF, dated 12-6-80.
12. F. 11(1)-Pen/77-GPF, dated 1-10-1980.
13. F. 16(3)-Pen/79-GPF, dated 13-10-1980.
14. F. 10(2)-Pen/81-GPF, dated 21-12-1981.
15. F. 13(1)-Pen/82-GPF, dated 30-4-1982.
16. F. 13(3)-Pen/82-GPF, dated 30-4-1983.
17. F. 19(2)-Pen/80-GPF, dated 10-5-1983.
18. F. 16(3)-Pen/77-GPF, dated 19-5-83.
19. F. 13(2)/80-Pen dated 20-5-1983.
20. F. 19(1)-Pen/83-GPF, dated 20-5-1983
21. F. No. 20(10)/81-Pension Unit-GPF, dated 30-7-83.
22. F. 13(1)-Pen/84, dated 19-3-1984.

नई दिल्ली, 28 फरवरी, 1985

आदेश

का. आ. 938.—केन्द्रीय सरकार, दिल्ली विशेष पुलिस स्थापन अधिनियम 1946 (1946 का 25) की धारा 6 के साथ पठित धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राजस्थान सरकार की सहमति से भारतीय दंड संहिता, 1860 (1860 का 45) की धारा 147, 148, 149, 302 और 323 के अधीन दण्डनीय अपराधों के और उक्त अपराधों के संबंध में या उनसे संबंधित प्रयत्नों, दुष्प्रेरणों और षड्यंत्रों के तथा श्री मानसिंह विधान सभा सदस्य और दो अन्य व्यक्तियों की अभिकथित हत्या से संबंधित भरतपुर जिला (राजस्थान) के पुलिस थाना डीग में रजिस्ट्रीकृत अपराध मामला सं. 38/85 तारीख 23 फरवरी, 1985 के संबंध में वैसे ही संव्यवहार के अनुक्रम में किए गए किसी अन्य अपराध के अन्वेषण के लिए दिल्ली विशेष पुलिस स्थापन के सदस्यों की शक्तियों और अधिकारिता का विस्तारण संपूर्ण राजस्थान राज्य पर करती है ।

[संख्या 228/6/85-ए.वी.डी. (II)]
एम. एस. प्रसाद, अवर सचिव

New Delhi, the 28th February, 1985

ORDER

S.O. 938.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5 read with section 6 of the Delhi Special Police Establishment Act, 1946 (25 of 1946), the Central Government with the consent of the Government of Rajasthan hereby extends the powers and jurisdiction of the members of the Delhi Special Police Establishment to the whole of the State of Rajasthan for the investigation of offences punishable under sections 147, 148, 149, 302 and 323 of the Indian Penal Code, 1860 (45 of 1860) and attempts, abetments and conspiracies in relation to or in connection with the said offences and any other offence committed in the course of the same transaction arising out of the same facts in regard to Crime Case No. 38/85 dated 23rd February, 1985 registered Police Station Deeg, District Bharatpur, (Rajasthan) in connection with the alleged murder of Shri Man Singh, M.L.A. and 2 others.

[No. 228|6|85-AVD-II]

M. S. PRASAD, Under Secy.

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 17 जनवरी, 1985

(आयकर)

का. आ. 939.—सर्वसाधारण की जानकारी के लिए एतद्द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि विहित प्राधिकारी, अर्थात् विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली ने निम्नलिखित संस्था को आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के साथ पठित आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खंड (2) के प्रयोजनों के लिए अन्य प्राकृतिक तथा अनुप्रयुक्त विज्ञानों के क्षेत्र में "संगम" प्रवर्ग के अधीन निम्नलिखित शर्तों पर अनुमोदित किया है, अर्थात् :—

1. यह कि अमाला केन्सर रिसर्च सोसायटी, वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए उसके द्वारा प्राप्त राशियों का पृथक लेखा रहेगा ।

2. यह कि उक्त सोसायटी अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी क्रियाकलापों की वार्षिक विवरणी, विहित प्राधिकारी को प्रत्येक वित्तीय वर्ष के संबंध में प्रति वर्ष 30 अप्रैल तक ऐसे प्ररूप में प्रस्तुत करेगी जो इस प्रयोजन के लिए अधिकथित किया जाए और उसे सूचित किया जाए ।

3. यह कि उक्त सोसायटी, अपनी कुल आय तथा व्यय दर्शाते हुए अपने संपरीक्षित वार्षिक लेखों की तथा अपनी परिसंपत्तियां, देनदारियां दर्शाते हुए तुलन-पत्र की एक-एक प्रति, प्रतिवर्ष 30 जून तक विहित प्राधिकारी को प्रस्तुत करेगी तथा इन दस्तावेजों में से प्रत्येक की एक-एक प्रति संबंधित आयकर आयुक्त को भेजेगा ।

संस्था

अमाला केन्सर रिसर्च सोसायटी, त्रिचूर

यह अधिसूचना 20-11-84 से 31-3-86 तक की अवधि के लिए प्रभावी है ।

[सं० 6111/फा० सं० 203/190/84-आ.क.नि.-II]

गीरंश दवे, अवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 17th January, 1985

INCOME-TAX

S.O. 939.—It is hereby notified for general information that the Institution mentioned below has been approved by Department of Science Technology, New Delhi, the prescribed authority for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 read with Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962 under the Category "Association" subject to the following conditions :—

(i) That the Tmala Cancer Research Centre Society will maintain a separate account of the sums received by it for scientific research.

(ii) That the said Society will furnish annual returns of its scientific research activities to the Prescribed Authority for every financial year in such forms as may be laid down and intimated to them for this purpose by 30th April each year.

(iii) That the said Association will submit to the Prescribed Authority by 30th June each year a copy of their audited annual accounts showing their total income and expenditure and balance sheet showing its assets liabilities with a copy of each of these documents to the concerned Commissioner of Income-tax.

INSTITUTION

Amala Cancer Research Centre Society, Trichur.

This notification is effective for a period from 20-11-84 to 31-3-86.

[No. 6111/F. No. 203/190/84-ITA-II]

GIRISH DAVE, Under Secy.

नई दिल्ली, 18 जनवरी, 1985

(आयकर)

का०आ० 940.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खण्ड (23ग) के उप-खण्ड (5) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एतद्द्वारा, उक्त धारा के प्रयोजनार्थ "जगद्गुरू श्री शंकराचार्य स्वामी गल श्रीमातम संस्थानम, कांचीपुरम" को कर निर्धारण वर्ष 1985-86 से 1987-88 तक के अन्तर्गत आने वाली अवधि के लिये अधिसूचित करती है ।

[सं० 6114/फा०सं० 197-क/289/82-आ०क० (नि०-1)]

आर० के० तिवारी, अवर सचिव

New Delhi, the 18th January, 1985

(INCOME-TAX)

S.O. 940.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (v) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Jagadguru Sri Sankaracharya Swamigal Srimatam Samasthanam, Kanchipuram" for the purpose of the said section for the period covered by the assessment years 1985-86 to 1987-88.

[No. 6114/F. No. 197-A/289/82-IT(AI)]

R. K. TEWARI, Under Secy.

(सीमा शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्ता का कार्यालय)

मदुरै, 17 मई, 1984

अधिसूचना सं० 1/84

का. आ. 941.—सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 8 के तहत प्रतिपादित शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं घोषित करता हूं कि 'हेअर द्वीप' में अवस्थित न्यू लाईट हाऊस का 3.850 वर्ग मीटर क्षेत्र सीमा शुल्क विभाग के क्षेत्र है।

अन्य विवरण निम्नानुसार है :—

लंबाई—मीटर

चौड़ाई—110 मीटर

सीमाएं:—

उत्तरी क्षेत्र—खुला मैदान

दक्षिणी क्षेत्र—(पुराना) नोट जेट्टी का क्षेत्र

पूर्वी क्षेत्र—नया लाईट हाऊस

पश्चिमी क्षेत्र—छिछला पानी

[सी. सं. 8/48/58/83-सी.शु.-1]

(OFFICE OF THE COLLECTOR OF CUSTOMS AND CENTRAL EXCISE)

Madurai, the 17th May, 1984

NOTIFICATION NO. 1|84

S.O. 941.—In exercise of the powers conferred on me under Section 8 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), I declare the area measuring 3,850 Sq.m. located off the New Light House in the Hare Island" as Customs Area as per details given below :

The dimensional area is as follows :

Length : 35 Metres.

Breadth : 110 Metres.

BOUNDARIES :

North : Open Land

South : Old Boat Jetty.

East : New Light House.

West : Shallow water.

[C. No. VIII|48|58|83-Cus. I]

मदुरै, 15 अक्तूबर, 1984

अधिसूचना सं० 2/84

का. आ. 942.—सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 8(ए) सं. प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, मैं निम्नांकित विवरणानुसार तुतिकोरिन पोर्ट के दक्षिणी बांध के साथ-साथ एल. एस. 2183 मीटर में, अतिरिक्त बर्थ सं. 1 के अनुबद्ध, अवस्थित बर्थ सं० 2 को, माल या माल की किसी भी श्रेणी के लदाने और उतारने के उचित स्थान के रूप में घोषित करता हूं।

2. बर्थ सं. 2 का परिमाण निम्नांकित है।

लंबाई : 243 मीटर

चौड़ाई : 130 मीटर

ढांचा : 10.1 मीटर

सीमाएं:—

दक्षिण में: अतिरिक्त बर्थ सं० 1 तथा दक्षिणी बांध—रेलवे लाइन और सड़क सहित

उत्तर में: पोर्टबेसिन

पूरब में : पोर्ट बेसिन

पश्चिम में : वी ओ सी वार्फ तथा अतिरिक्त बर्थ से लगा हुआ पोर्ट बेसिन

[सी० सं. 8/40/4/83-सी० शु०-1]

के० शंकररामन, समाहर्ता

Madurai, the 15th October, 1984

NOTIFICATION NO. 2|84

S.O. 942.—In exercise of the powers conferred by Section 8(a) of the Customs Act, 1962 (52 of 1962) I declare Berth No. 2 located at LS. 2183 metres along the South Break Water Tuticorin Port in continuation of Additional Berth No. 1 as per details given below, as proper place for the loading and unloading of goods or for goods of any class.

2. The dimensional area, in which the Berth No. 2 located is as follows :

Length : 243 metres.

Breadth : 130 metres.

Draught : 10.1 metres.

BOUNDARIES :

On the South : Additional Berth No. 1 and South Break Water with railway lines and road.

On the North : Port basin.

On the East : Port Basin.

On the West : Port busin enclosed between V.O.C. wharf and Additional berths.

[C. No. VIII|40|4|83-Cus. I]

K. SANKARARAMAN, Collector

वित्त मन्त्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

(बैंकिंग प्रभाग)

नई दिल्ली, 11 फरवरी, 1985

का. आ. 943—प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) की धारा 11 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा श्री देवब्रत पाल को प्राग्ज्योतिष गांवोलिया बैंक, नलबाड़ी (असम) का अध्यक्ष नियुक्त करती है तथा 30-11-1984 से प्रारम्भ होकर 30-11-1987 को समाप्त होने वाली अवधि को उस अवधि के रूप में निर्धारित करती है जिसके दौरान श्री पाल अध्यक्ष के रूप में कार्य करेंगे।

[संख्या एफ. 2-20/82-आर. आर. बी.]

(Department of Economic Affairs)

(Banking Division)

New Delhi, the 11th February, 1985

S.O. 943.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 11 of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976) the Central Government hereby appoints Shri Debabrata Paul as the Chairman of the Pragjyotish Gaonlia Bank, Nalbari (Assam) and specifies the period commencing on the 30-11-1984 and ending with the 30-11-1987 as the period for which the said Shri Paul shall hold office as such Chairman.

[No. F. 2-20/82-RRB]

नई दिल्ली, 15 फरवरी, 1985

का. आ. 944.—प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) की धारा 11 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा श्री जीवन रंजन बख्शी को सागर ग्रामीण बैंक, आमतला, 24 परगना का अध्यक्ष नियुक्त करती है तथा 2-11-1984 से प्रारम्भ होकर 30-9-1987 को समाप्त होने वाली अवधि को उस अवधि के रूप में निर्धारित करती है जिसके दौरान श्री जीवन रंजन बख्शी अध्यक्ष के रूप में कार्य करेंगे।

[संख्या एफ. 2-83/84-आर. आर. बी.]

New Delhi, the 15th February, 1985

S.O. 944.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 11 of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976), the Central Government hereby appoints Shri Jiban Ranjan Bakshi as the Chairman of the Sagar Gramin Bank, Amtal, 24-Parganas and specifies the period commencing on the 2-11-1984 and ending with the 30-9-1987 as the period for which the said Shri Jiban Ranjan Bakshi shall hold office as such Chairman.

[No. F. 2-83/84-RRB]

का. आ. 945.—प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) की धारा 11 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा श्री के. के. सिंह को हिमाचल प्रदेश ग्रामीण बैंक, मंडी का अध्यक्ष नियुक्त करती है तथा 23-10-84 से प्रारम्भ होकर 31-10-87 को समाप्त होने वाली अवधि को उस अवधि के रूप में निर्धारित करती है जिसके दौरान श्री के. के. सिंह अध्यक्ष के रूप में कार्य करेंगे।

[संख्या एफ. 2-39/84-आर. आर. बी.]

S.O. 945.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 11 of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976), the Central Government hereby appoints Shri K. K. Singh as the Chairman of the Himachal Gramin Bank, Mandi and specifies the period commencing on the 23-10-84 and ending with the 31-10-87 as the period for which the said Shri Singh shall hold office as such Chairman.

[No. F. 2-39/84-RRB]

नई दिल्ली, 16 फरवरी, 1985

का. आ. 946.—प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा भारत सरकार (तत्कालीन राजस्व और बैंकिंग विंग) दिनांक 4 जून, 1977 की अधिसूचना सं. का. आ. (ई.) (सं. एफ. 1-1/77-आर. आर. बी. (1) में निम्नलिखित संशोधन करती है :—

उक्त अधिसूचना में "हरदोई उन्नाव जिले" में लखनऊ शब्द जोड़ा जाएगा ताकि उसे "उत्तर प्रदेश राज्य के हरदोई, उन्नाव और लखनऊ जिले" पढ़ा जा सके।

[सं. एफ. 1(27)/84-आर.आर.बी.]

New Delhi, the 16th February, 1985

S.O. 946.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976) the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India (in the then Department of Revenue and Banking (Banking Wing) S.O. 382(E) (No. F. 1-1/77-RRB (1) dated the 4th June, 1977, namely.

In the said notification for the words "districts of Hardoi Unnao" the word Lucknow shall be added to read "districts of Hardoi, Unnao & Lucknow in the State of Uttar Pradesh".

[No. F. 1(27)/84-RRB]

नई दिल्ली, 21 फरवरी, 1985

का. आ. 947.—भारतीय निर्यात-आयात बैंक अधिनियम, 1981 (1981 का 28) की धारा 6 की उपधारा (1) के खण्ड (ङ) के उप-खण्ड (1) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा श्री प्रेम कुमार, सचिव, वाणिज्य मंत्रालय, नई दिल्ली को श्री आबिद हुसैन के स्थान पर भारतीय निर्यात-आयात बैंक के निदेशक मण्डल में निदेशक के रूप में मनोनीत करती है।

[संख्या 7/5/85-बी. ओ.-1]

New Delhi, the 21st February, 1985

S.O. 947.—In pursuance of sub-clause (i) of clause (e) of sub-section (1) of section 6 of Export-Import Bank of India Act, 1981 (28 of 1981), the Central Government hereby nominates Shri Prem Kumer, Secretary, Ministry of Commerce, New Delhi as a Director of the Board of Directors of the Export-Import Bank of India vice Shri Abid Hussain.

[No. F. 7/5/85-BO. I]

नई दिल्ली, 22 फरवरी, 1985

का. आ. 948.—राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबंध और प्रकीर्ण उपबंध) स्कीम, 1980 के खंड 9 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार निदेश देती है कि भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (बैंकिंग प्रभाग) की दिनांक 8 मार्च, 1982 के का. आ. संख्या 1255 (सं. एफ. 9/41/81-बी. ओ.-1) के तहत जारी की गयी अधिसूचना के अनुसार चौधरी नसीम अहमद, स्टेशन रोड, राय बरेली (उत्तर प्रदेश), जो न्यू बैंक आफ इंडिया के निदेशक नियुक्त किये गए थे, 8 मार्च, 1985 से निदेशक नहीं रहेंगे ।

[संख्या एफ. 9/2/85-बी. ओ.-1(1)]

New Delhi, the 22nd February, 1985

S.O. 948.—In exercise of the powers conferred by clause 9 of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1980, the Central Government is pleased to direct that Shri Chaudhary Naseem Ahmad, Station Road, Rae Bareli (U.P.) appointed as Director of the New Bank of India under notification of the Government of India in the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (Banking Division) S.O. 1255 (No. 9/41/81-BO.I) dated 8th March, 1982 shall cease to hold the office of Director with effect from 8th March, 1985.

[No. 9/2/85-BO.I(1)]

का. आ. 949.—राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबंध और प्रकीर्ण उपबंध) स्कीम, 1980 के खंड 9 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार निदेश देती है कि भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (बैंकिंग प्रभाग) की दिनांक 8 मार्च, 1982 के का. आ. संख्या 1254 (संख्या एफ. 9/40/81-बी. ओ.-1) के तहत जारी की गयी अधिसूचना के अनुसार श्री राजेन्द्र प्रताप सिंह, 4, चांदपुर हाउस, राय बरेली (उत्तर प्रदेश) जो पंजाब एंड सिंध बैंक के निदेशक नियुक्त किये गए थे, 8 मार्च, 1985 से निदेशक नहीं रहेंगे ।

[संख्या एफ. 9/2/85-बी. ओ.-1(2)]

S.O. 949.—In exercise of the powers conferred by clause 9 of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1980, the Central Government is pleased to direct that Shri Rajendra Pratap Singh, 4, Chandpur House, Rae Bareli (U.P.) appointed as Director of the Punjab and Sind Bank under notification of the Government of India in the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (Banking Division) S.O. 1254 (No. F. 9/40/81-BO.I) dated 8th March, 1982 shall cease to hold the office of Director with effect from 8th March, 1985.

[No. F. 9/2/85-BO. I(2)]

का. आ. 950.—भारतीय निर्यात-आयात बैंक अधिनियम, 1981 (1981 का 28) की धारा 6 की उपधारा (1) के खण्ड (क) और उपधारा (2) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा श्री कल्याण बनर्जी को 22 फरवरी, 1985 से आरम्भ होकर 21 फरवरी, 1988 को समाप्त होने वाली अवधि के लिए भारतीय निर्यात-आयात बैंक का प्रबंध निदेशक नियुक्त करती है ।

[संख्या एफ० 7/2/85-बी०ओ०-1(1)]

S.O. 950.—In pursuance of clause (a) of sub-section (1) of sub-section (2) of section 6 if the Export-Import Bank of India Act, 1981 (28 of 1981), the Central Government hereby appoints Shri Kalyan Banerji as Managing Director of the Export-Import Bank of India for the period commencing on February 22, 1985 and ending with February 21, 1988.

[No. F. 7/2/85-BO. I(1)]

का. आ. 951.—भारतीय निर्यात-आयात बैंक अधिनियम, 1981 (1981 का 20) की धारा 6 की उपधारा (1) के खंड (क) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार, एतद्द्वारा श्री कल्याण बनर्जी को, जो कि 22 फरवरी, 1985 से भारतीय निर्यात-आयात बैंक के प्रबंध निदेशक नियुक्त किए गए हैं, उसी तारीख से भारतीय निर्यात-आयात बैंक के निदेशक मंडल का अध्यक्ष नियुक्त करती है ।

[संख्या एफ. 7/2/85-बी. ओ.-1(2)]

S.O. 951.—In pursuance of clause (a) of sub-section (1) of section 6 of the Export-Import Bank of India Act, 1981 (28 of 1981), the Central Government, hereby appoints Shri Kalyan Banerji, who has been appointed as Managing Director of the Export-Import Bank of India with effect from February 22, 1985 to be the Chairman of the Board of Directors of the Export-Import Bank of India with effect from the same date.

[No. F. 7/2/85-BO. I(2)]

का. आ. 952.—राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबंध और प्रकीर्ण उपबंध) स्कीम, 1970 के खंड 8 के उपखंड (1) के साथ पठित खंड 3 के उपखंड (क) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक से परामर्श करने के पश्चात् श्री जे. एस. वार्ष्णेय को 22 फरवरी, 1985 से आरम्भ होने वाली और 21 फरवरी, 1988 को समाप्त होने वाली अवधि के लिए पंजाब नेशनल बैंक के प्रबंध निदेशक के रूप में नियुक्त करती है ।

[सं. एफ. 9/7/85-बी.ओ.-1 (1)]

S.O. 952.—In pursuance of sub-clause (a) of clause 3 read with sub-clause (1) of clause 8 of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970 the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India, hereby appoints Shri J. S. Varshneya as the Managing Director of Punjab National Bank for a period commencing on February 22, 1985 and ending with February 21, 1988.

[No. F. 9/7/85-BO. I(1)]

का. आ. 953.—राष्ट्रीकृत बैंक (प्रबंध और प्रकीर्ण उपबंध) स्कीम 1970 के खण्ड 7 के साथ पठित खण्ड 5 के उपखण्ड (1) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक से परामर्श करने के पश्चात् श्री जे. एस. वार्ष्णेय को, जिन्हें 22 फरवरी, 1985 से पंजाब नेशनल बैंक के प्रबंध निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया है, उसी तारीख से पंजाब नेशनल बैंक के निदेशक बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त करती है ।

[संख्या एफ. 9/7/85-बी. ओ.-1(2)]

एस० एस० हसूरकर, निदेशक

S.O. 953.—In pursuance of sub-clause (1) of clause 5, read with clause 7, of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970, the Central Government after consultation with the Reserve Bank of India, hereby, appoints Shri J. S. Varshneya, who has been appointed as Managing Director of Punjab National Bank with effect from Febraury 22, 1985 to be the Chairman of the Board of Directors of Punjab National Bank with effect from the same date.

[No. F.9/7/85-BO. I(2)]

S. S. HASURKAR, Director

नई दिल्ली, 16 फरवरी, 1985

का. आ. 954:—प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा भारत सरकार वित्त कार्य विभाग (बैंकिंग प्रभाग) की दिनांक 22 मार्च, 1983 की अधिसूचना सं. का. आ. (अ) (संख्या एफ. 1-28/82-आर.आर. बी.) में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में "राजगढ़ जिला" शब्दों के स्थान पर "राजगढ़ और सिहोर जिले" शब्द रखे जाएंगे।

[संख्या एफ. 1-28/82-आर. आर. बी.]

एन. दास, अवर सचिव

New Delhi, the 16th February, 1985

S.O. 954.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section (3) of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976), the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Department of Economic Affairs (Banking Division) S.O. 198(E) (No F. 1-28/82-RRB) dated 22-3-1983, namely :—

In the said notification for the words "district of Rajgarh" the words "district of Rajgarh and Sehore" shall be substituted.

[No. F. 1-28/82-RRB]

N. DAS, Under Secy.

नई दिल्ली, 21 फरवरी, 1985

का. आ. 955 :—बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 56 के साथ पठित धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिश पर, एतद्द्वारा, यह घोषणा करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 11, उपधारा (1) के उपबंध राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से 31 मार्च, 1986 तक डाल्टन गंज सेंट्रल को-आपरेटिव बैंक लि. पर लागू नहीं होंगे।

[एफ. संख्या 8-1/85-ए. सी.]

New Delhi, the 21st February, 1985

S.O. 955.—In exercise of the powers conferred by Section 53 read with Section 56 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government on the recommendations of the Reserve Bank of India, hereby declares that the provisions of sub-section (1) of the Section 11 of the said Act shall not apply to the Daltonganj Central Co-operative Bank Ltd. for a period from the date of publication of this notification in the Official Gazette to 31st March, 1986.

[F. No. 8-1/85-AC]

का. आ. 956.—बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 56 के साथ पठित धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिश पर, एतद्द्वारा, यह घोषणा करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 11, उपधारा (1) के उपबंध राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से 31 मार्च, 1986 तक व्यावसायिक एवं औद्योगिक सहकारी बैंक लि. मुरैना पर लागू नहीं होंगे।

[एफ. संख्या 8/1/85-ए. सी.]

अमर सिंह, अवर सचिव

S.O. 956.—In exercise of the powers conferred by Section 53 read with Section 56 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, on the recommendation of the Reserve Bank of India, hereby declares that the provisions of Sub-Section (1) of Section 11 of the said Act shall not apply to the Vyavasayaik Evam Audyogik Sahakari Bank Ltd., Morena for the period from the date of publication of this notification in the Gazette of India to 31st December, 1986.

[F. No. 8-1/85-AC]

AMAR SINGH, Under Secy.

नई दिल्ली, 22 फरवरी, 1985

का. आ. 957.—प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) की धारा 11 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा श्री सी. एन. शाह को बनासकांठा-मेहसाणा ग्रामीण बैंक, पाटन का अध्यक्ष नियुक्त करती है तथा 29-11-1984 से प्रारम्भ होकर 28-11-1986 को समाप्त होने वाली अवधि को उस अवधि के रूप में निर्धारित करती है जिसके दौरान श्री सी. एन. शाह अध्यक्ष के रूप में कार्य करेंगे।

[संख्या एफ. 2-106/84-आर. आर .बी.]

च. वा. मीरचन्दानी, निदेशक

New Delhi, the 22nd February, 1985

S.O. 957.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 11 of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976) the Central Government hereby appoints Shri C. N. Shah as the Chairman of the Banskantha-Mehsana Gramin Bank, Patan and specifies the period commencing on the 29-11-84 and ending with 28-11-86 as the period for which the said Shri C. N. Shah shall hold office as such Chairman.

[No. F. 2-106/84-RRB]

C. W. MIRCHANDANI, Director

नई दिल्ली, 23 फरवरी, 1985

का. आ. 958.—राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक अधिनियम, 1981 (1981 का 61) की धारा 19 के खण्ड (क) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक द्वारा 18 और 19 मार्च, 1985 की अवधि के दौरान 100 रुपए प्रतिशत मूल्य पर, 15 वर्ष की परिपक्वता अवधि वाले जारी किए जाने वाले 55 करोड़ रुपए (पचपन करोड़ रुपए केवल) के बांडों पर देय ब्याज की दर 9% (नौ प्रतिशत) तय करती है। राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक को उक्त अभिनिश्चित राशि से 10 प्रतिशत अधिक तक अभिदान की राशि अपने पास रख लेने का अधिकार होगा।

[संख्या 10(27)/85-ए. सी.]

कमल कांत मिश्र, निदेशक

New Delhi, the 23rd February, 1985

S.O. 958.—In pursuance of clause (a) of Section 19 of the National Bank of Agriculture and Rural Development Act, 1981 (61 of 1981), the Central Government hereby fixes 9% (nine per cent) per annum as the rate of interest payable on the bonds of Rs. 55 crores (Rupees fiftyfive crores only) to be issued at Rs. 100.00% during the period from 18th and 19th March, 1985 with right to retain subscriptions received upto 10% in excess of notified amount with a maturity period of 15 years by the National Bank for Agriculture and Rural Development.

[No. 10(27)/85-AC]

K. K. MISRA, Director

केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड

नई दिल्ली, 28 जनवरी, 1985

का. आ. 959.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 122 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इस संबंध में इसे समर्थ बनाने वाली अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड एतद्द्वारा बोर्ड के दिनांक 19/12/84 की अधिसूचना संख्या 6074 (फा. सं. 261/84-आ.क. न्या.) से संलग्न अनुसूची में निम्नलिखित संशोधन करता है :—

उक्त अनुसूची में अपीलीय सहायक आयुक्त, रेंज-X, कलकत्ता के क्षेत्राधिकार के सामने,

"5) जिला II (2) कलकत्ता"

जोड़ा जाए।

यह अधिसूचना 1/1/85 से लागू होगी।

[संख्या 6118/फा. सं. 261/1/84-आ. क. न्या.]

CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES

New Delhi, the 28th January, 1985

S.O. 959.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 122 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and all other powers enabling it in this behalf, the Central Board of Direct Taxes, hereby makes the following amendment to the schedule appended to the Board's Notification No. 6074 (F. No. 261/1/84-ITJ) dated 19-12-84.

In the said schedule against the jurisdiction of AAC, Range-X, Calcutta, add

"5) Dist. II(2). Calcutta".

This notification shall take effect from 1-1-85.

[No. 6118/F. No. 261/1/84-ITJ]

का. आ. 960.—बोर्ड के दिनांक 7/3/84 की अधिसूचना संख्या 5673 (फा. सं. 261/9/83-आ. क. न्या.) के अन्तर्गत आयकर आयुक्त (अपील-1) के क्षेत्राधिकार के अंतर्गत कॉलम संख्या 1 की वर्तमान प्रविष्टियों में निम्नलिखित को जोड़ा जाएगा :—

अनुसूची

मुख्यालय सहित अधिकार क्षेत्र	आयकर वार्ड/परिमण्डल और जिले	निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त का रेंज
1	2	3
आयकर आयुक्त (अपील-1), मद्रास।	न्यास परिमण्डल, मद्रास निरीक्षी सहायक आयुक्त, कर निर्धारण रेंज-IV, मद्रास	निरीक्षी सहायक आयुक्त, रेंज-V, मद्रास।

2. यह अधिसूचना 15/1/85 से लागू होगी।

[संख्या 6119/फा. सं. 261/16/84-आ. क. न्या.]

S.O. 960.—In the existing entries in col. No. 1 of Board's Notification No. 5673 (F. No. 261/9/83-ITJ) dated 7-3-84, under the jurisdiction of Commissioner of Income-tax (Appeals-I) the following shall be included :—

SCHEDULE

Charge with H. Qrs.	IT Wards/Circles & Districts	Range of IACs of Income-tax
CIT (Appeals-I), Madras.	Trust Circle, Madras. IAC, Asst. Range-IV, Madras.	IAC, Range-V, Madras.

2. This notification will take effect from 15-1-85.

[No. 6119/F. No. 261/16/84-ITJ]

का. आ. 961.—बोर्ड की दिनांक 13/11/84-अधिसूचना संख्या 4304 (फा. सं. 261/4/81-आ. क. न्या.) में क्रमांक 4 (अपीलीय सहायक आयुक्त "घ" रेंज, मद्रास) के सामने कालम संख्या 3 में क्रमांक 6 और 7 के रूप में निम्नलिखित को जोड़ा जाए :—

6. न्यास परिमण्डल I (1) मद्रास

7. न्यास परिमण्डल I (2) मद्रास

यह अधिसूचना 15/1/85 से लागू होगी।

[संख्या 6119-क/फा. सं. 261/16/84-आ. क. न्या.]

कल्याण चन्द, अवर सचिव

केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड

S.O. 961.—In the Board's notification No. 4304 (F. No. 261/4/81-ITJ) dated 13-11-84 against S. No. 4 (AAC 'D' Range, Madras), the following may be included as S. Nos. 6 and 7 in Column No. 3 :—

6. Trust Circle I(1) Madras

7. Trust Circle I(2) Madras.

This notification shall take effect from 15-1-85.

[No. 6119-A (F. No. 261/16/84-ITJ)]

KALYAN CHAND, Under Secy.

Central Board of Direct Taxes

वाणिज्य मंत्रालय

नई दिल्ली, 9 मार्च, 1985

का. आ 962.—निर्यात (क्वालिटी नियंत्रक और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा मैसर्स हैबलेस पेस्ट कन्ट्रोल सर्विसेज, 11-8-23, कमर्शियल रोड, पोस्ट बोक्स नं.-81, काकीनाडा-533007 को एल्यूमीनियम फोसफाइड का निम्नलिखित मदों के लिए धूम्र के रूप में प्रयोग करते हुए धूम्रीकरण के लिए अभिकरण के रूप में 17 फरवरी 1985 से एक और वर्ष की अवधि के लिए मान्यता देती है :—

1. तेल रहित चावल की भूसी, और
2. पिसी हुई हड्डियां, खुर और सींग ।

[फा. सं. 5(1)/84-ईआई एण्ड ईपी]

MINISTRY OF COMMERCE

New Delhi, the 9th March, 1985

S.O. 962.—In exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of Section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government hereby recognises for a further period of one year with effect from 17th February, 1985 M/s. Heble's Pest Control Services, 41-8-23, Commercial Road, P. B. No. 81, Kakinada-533007, as an agency for the fumigation using Aluminium Phosphide as a fumigant for the following items :—

1. De-oiled Rice Bran; and
2. Crushed Bones, Hooves and Horns.

[F. No. 5(1)/84-EI&EP]

आदेश

का. आ. 963.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि भारत के निर्यात व्यापार के विकास के लिए ऐसा करना आवश्यक तथा समीचीन है कि निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, वैक्यूम फ्लास्कों का निर्यात से पूर्व क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण किया जाए :—

और केन्द्रीय सरकार ने उक्त प्रयोजन के लिए नीचे विनिर्दिष्ट प्रस्ताव बनाए हैं और उन्हें निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1964 के नियम 11 के उपनियम (2) की अपेक्षानुसार निर्यात निरीक्षण परिषद् को भेज दिया है ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त उप-नियम के अनुसरण में, और अधिसूचना सं. का. आ. 1616 तारीख 7 मई, 1968 को अधिक्रान्त करते हुए उक्त प्रस्तावों को उन लोगों की जानकारी के लिए प्रकाशित करती है जिनके उनसे प्रभावित होने की संभावना है ।

2. सूचना दी जाती है कि उक्त प्रस्तावों के बारे में कोई आक्षेप या सुझाव भेजने का इच्छुक कोई व्यक्ति उन्हें इस आदेश के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से पैंतालीस दिन के भीतर निर्यात निरीक्षण परिषद, 11वीं मंजिल, प्रगति टावर, 26 राजेन्द्र प्लेस, नई दिल्ली-110008 को भेज सकता है ।

प्रस्ताव

(i) यह अधिसूचित करना कि वैक्यूम फ्लास्क का निर्यात से पूर्व क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण किया जाएगा ;

(ii) इस आदेश के उपाबंध-II में दिये गये वैक्यूम फ्लास्क (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1964 के अनुसार क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण के प्रकार को निरीक्षण के ऐसे प्रकार के रूप में विनिर्दिष्ट करना जो ऐसे वैक्यूम फ्लास्क को निर्यात से पूर्व लागू होंगे;

(iii) (क) सुसंगत भारतीय मानक विनिर्देशों या अन्य राष्ट्रीय मानकों को ;

(ख) इस बात के अधीन रहते हुए कि उत्पाद इस आदेश के उपाबंध-I में विनिर्दिष्ट विशेषताओं में से न्यूनतम को विनिर्दिष्ट करता है, संविदात्मक विनिर्देशों को ;

(ग) निर्यातकर्ता द्वारा घोषित ऐसे विनिर्देशों को जो निर्यातकर्ता और विदेशी क्रेता के बीच निर्यात संविदा के लिए विनिर्देशों के रूप में करार पाए हैं ऐसी निर्यात संविदाओं के लिए जो राजपत्र में इस आदेश के प्रकाशन की तारीख से पूर्व पुष्ट कर दी जाती हैं और उस तारीख से साठ दिन की अवधि के भीतर निर्यात कर दी गयी है; वैक्यूम फ्लास्क के लिए मानक विनिर्देशों के रूप में मान्यता देना ।

(iv) अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के अनुक्रम में ऐसे वैक्यूम फ्लास्क के निर्यात को तब तक प्रतिषिद्ध करना जब तक कि उसके साथ निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 के अधीन स्थापित निर्यात निरीक्षण अभिकरणों में से किसी एक के द्वारा जारी किया गया इस आशय का प्रमाण-पत्र न हो कि वैक्यूम फ्लास्क निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1984 के अनुसार निर्यात योग्य हैं ।

3. इस आदेश की कोई भी बात भावी क्रेताओं को समुद्र, भूमि या वायु मार्ग द्वारा वैक्यूम फ्लास्कों के ऐसे नमूनों के निर्यात को लागू नहीं होगी जिनका पोत पर्यन्त निःशुल्क मूल्य 125/- रुपए से अधिक न हो ।

4. इस अधिसूचना में, वैक्यूम फ्लास्क से अभिप्रेत है :—

(i) कोई भी संयुक्त पात्र जिसमें बाहरी सुरक्षात्मक केस है जिस पर संवरण की व्यवस्था है और उसे ले जाने के लिए उपयुक्त साधन है बाहरी केस में दोहरे कांच की दीवार वाला डाट सहित पात्र (जिसे रिफिल कहा जाता है) रखा जाएगा, जिसकी दीवारें रजतित होगी और उनके बीच के स्थान को निर्वात रखा जाएगा जिससे कि उसमें रखे गए पदार्थों से कम से कम गर्मी बाहर जा सके या बाहर से अंदर आ सके ।

(ii) उक्त वैक्यूम फ्लास्कों के लिए रिफिल ।

उपाबंध-I

"वैक्यूम फ्लास्कों के लिए विनिर्देश"

क. रिफिलों के लिए विनिर्देश :—

1. रिफिलों का आकार, आकृति और धारिता क्रेता और विक्रेता के बीच हुए करार के अनुसार होगी ।
2. रिफिल अच्छी प्रकार से अनील किए हुए कांच से बना होगा और उनकी सतह चिकनी होगी ।
3. सिल्वर पालिश एक सार होगी और धब्बों से मुक्त होगी ।
4. स्पेसर यदि कोई हो, दीखी नहीं होगी ।

5 रिफिल का तापीय प्रघात प्रतिरोध तब पर्याप्त समझा जाएगा जब सिफारिश को निम्नलिखित परीक्षण के करने पर कोई हानि न हो, रिफिल को गर्दन तक $27° + 2°$ सी पर 3 मिनट तक पानी डालें। रिफिल को खाली करें और उबलता हुआ (100° सेंटीग्रेड) पानी तुरन्त डालें तथा 3 मिनट तक रखें। रिफिल खाली करें और $7° + 2°$ सेंटीग्रेड पर पानी तुरंत डालें तथा 3 मिनट के लिए रखें। अन्दर और बाहर पानी डालने की क्रिया प्रत्येक मामले में 15 सैकेण्ड से अधिक नहीं होगा।

6 उष्मा धारण क्षमता निम्नलिखित रूप से परीक्षित की जाएगी 95 सेंटीग्रेड पर गरम किये गये जल का तापमान जब वह नीचे विनिर्दिष्ट रीति से रिफिल में रखा जाए, तो नीचे उपदर्शित से कम नहीं होगा —

रिफिल का प्रकार	प्राप्त तापमान कम नहीं होगा एक घंटे के परीक्षण के पश्चात	24 घंटों के परीक्षण के पश्चात	पांच घंटों के परीक्षण के पश्चात स्तम्भ (2) से हर तीसरा
(1)	(2)	(3)	(4)
1. 1/2 लीटर से अन्यून अंकित धारिता का संकीर्ण मुख (आंतरिक मुख का व्यास 45 मिलीमीटर तक होगा)	91° सेंटीग्रेड	50° सेंटीग्रेड	78° सेंटीग्रेड
2 1/2 लीटर से तथा अधिक अंकित धारिता का चौड़ा मुख (आन्तरिक मुख का व्यास 45 मि. मी. से ऊपर होगा)	85° सेंटीग्रेड	42° सेंटीग्रेड	70° सेंटीग्रेड
3 250 मि. ली. अंकित धारिता (आन्तरिक मुख का व्यास 30 मिलीमीटर तक होगा)	88° सेंटीग्रेड	40° सेंटीग्रेड	70° सेंटीग्रेड
4. 250 मिलीलिटर अंकित धारिता (आन्तरिक मुख का व्यास 30 मि. मी. से ऊपर किन्तु 45 मि. मीटर से कम होगा)	85° सेंटीग्रेड	38° सेंटीग्रेड	68° सेंटीग्रेड
5. अन्य प्रकार के रिफिल जो गिलास बर्फ के कटोरे आदि के रूप में प्रयोग के लिए आशयित हैं	निर्यातकर्ता द्वारा कोटित के अनुसार		

प्रक्रिया : उबलते हुए जल में रिफिल खंगोल, जहां तक संभव हो अधिक से अधिक जल निकाल लें। शीघ्र ही 95° सें ग्रे. पर उबलता जल इसके गले तक भर दें, डाट से मुंह बंद कर दें और समय नोट कर लें।

7 मुख तक क्षमता : जब तक क्रेता और प्रदायकर्ता के बीच करार न पाए तत्स्थानी साधारण क्षमता वाले रिफिलों की मुख तक क्षमता निम्नलिखित होगी :

साधारण क्षमता मिलिलिटर	मुख तक क्षमता मिलिलिटर
250	260+30
500	510+60
750	770+60
1000	1020+60
1350	1380+100
1500	1530+100
1750	1780+125
2750	2780+150

7.1 उपरोक्त वर्णित आकारों से भिन्न की मुख तक क्षमता निर्यातकर्ता और विदेशीक्रेता के बीच हुए करार के अनुसार होगी।

8. वैक्यूम फलास्क के बाहरी संघटकों के लिए विनिर्देश।

8.1 सामग्री

(क) बाहरी सुरक्षात्मक केस और उप-साधन-बाहरी सुरक्षात्मक केस और उपसाधन ऐसी सामग्री का बना होगा जो उपभोग की स्थिति में रिफिल को सुरक्षित रखने के लिए पर्याप्त रूप से पक्का और साधारण उठाई-धराई में नुकसान से बचा सके।

(ख) रिफिल का डाट अविषैला, जंगरोधी और टिकाऊ होगा। जब रिफिल में फिट किया जाए तो यह फिसलेगा नहीं और उसकी रिसाव रोधी फिटिंग होगी।

(ग) पेय कप के समान प्रयोग के लिए आशयित सहायक संवरण अविषैले, जंगरोधी होंगे और प्रयोग की सामान्य स्थिति में विकृत नहीं होंगे।

(घ) वैक्यूम फलास्क का बाहरी सुरक्षात्मक केस, सहायक संवरण और अन्य संघटक क्रेता और विक्रेता के बीच हुए करार के अनुसार होंगे।

(ङ) टिन प्लेट की मोटाई किसी भी दशा में 0.27 मि. मी. से कम नहीं होगी।

8.2 कर्मकौशल और फिनिश

(क) बाहरी सुरक्षात्मक केस आधार और गले पर सहायक संघटकों द्वारा रिफिल को सुरक्षित रखेगा।

(ख) रिफिल की गर्दन को धारण करने वाले इस प्रकार से डिजाइन किए जाएंगे संघटक कि वे सुरक्षात्मक केस और रिफिल के बीच के खाली स्थान में तरल पदार्थ को आने से रोक सकें।

(ग) सुरक्षात्मक केस का रिंग और तली यदि टिन की बनी है तो दोनों ओर से लेकर किया जाएगा तथा आन्तरिक सतह पर लेकर केवल जंग से बचाने के लिए किया जाएगा बाहरी सजावट को बचाने के लिए डिब्बे को भली प्रकार से पेंट और वार्निश किया जाएगा।

टिप्पण : सुरक्षात्मक केस भी टिन प्लेट के भिन्न सामग्री से भी बनाया जा सकता है परन्तु यह तब जब कि ऊपर वर्णित अपेक्षाओं को पूरा करते हों।

(घ) निलम्बन के लिए उचित हैंडल या व्यवस्था वैक्यूम फलास्क पर की जा सकती है।

(ङ) सजावट पर आपत्तिजनक कोई भी दरारें नहीं होगीं।

(च) वैक्यूम फलास्क का आधारस्थायी होगा ताकि उसे लुढ़कने से बचाया जा सके।

8.3 रिसाव रोध

"दबाने" और "घुमाने" दोनों प्रकार के डाट पात्र की गर्दन पर कसकर फिट किया गया होना चाहिए जिसमें कि रिसाव रोधी हो जाए।

ठंडे पानी से आधे भरे हुए रिफिल और डाट लगे हुए तैयार वैक्यूम फलास्क एक मिनट के लिए जब उन्हें भली प्रकार से उलटाया और हिलाया जाए तब उससे पानी का रिसाव नहीं हो।

उपाबंध—II

का०आ० —निर्यात, (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 17 के अधीन बनाये जाने वाले प्रस्तावित नियमों का प्रारूप :

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ

इन नियमों का संक्षिप्त नाम वैक्यूम फलास्क निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1984 है।

2. परिभाषाएं : इन नियमों में जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो, —

(क) "अधिनियम" से निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) अभिप्रेत है;

(ख) "अभिकरण" से अधिनियम की धारा 7 के अधीन स्थापित निर्यात निरीक्षण अभिकरणों में से कोई एक अभिकरण अभिप्रेत है;

(ग) "परिषद्" से अधिनियम की धारा 3 के अधीन स्थापित निर्यात निरीक्षण परिषद अभिप्रेत है ;

(घ) "वैक्यूम" फ्लास्क से अभिप्रेत है:

(i) कोई भी संयुक्त पात्र जिसमें बाहरी सुरक्षात्मक केस है जिस पर संवरण की व्यवस्था है और उसे ले जाने के लिये उपयुक्त साधन है । बाहरी केस में दोहरे कांच की दीवार वाला डाट सहित पात्र (जिसे रिफिल कहा जाता है रखा जायेगा), जिसकी दीवारें रजतित होंगी और उनके बीच के स्थान को निर्यात में रखा जायेगा जिससे कि उसमें रखे गये पदार्थों से कम से कम गर्मी बाहर जा सके या बाहर से अन्दर आ सके।

(ii) उक्त वैक्यूम फलास्को के लिये रिफिल;

(ङ) "अनुसूची" से इन नियमों से संलग्न अनुसूची अभिप्रेत है :

3. निरीक्षण का आधार : वैक्यूम फलास्क का निरीक्षण यह सुनिश्चित करने की दृष्टि से किया जायेगा कि उसकी क्वालिटी केन्द्रीय सरकार द्वारा अधिनियम की धारा 6 के अधीन मान्यता प्राप्त विनिर्देशों के अनुरूप है, अर्थात् :—

(क) सुसंगत भारतीय मानक या अन्य राष्ट्रीय मानक;

(ख) इस बात के अधीन रहते हुए कि उत्पाद इस आदेश के उपाबंध-I में विनिर्दिष्ट विशेषताओं को विनिर्दिष्ट करते हुए संविदात्मक विनिर्देश को;

(ग) निर्यातकर्ता द्वारा घोषित ऐसे विनिर्देश जो निर्यातकर्ता और विदेशी क्रेता के बीच निर्यात संविदा के लिये विनिर्देशों के रूप में करार पाये हैं, ऐसे निर्यात संविदाओं के लिये जो राजपत्र में इस आदेश की तारीख के पूर्व पुष्ट कर दी जाती हैं और उस तारीख से साठ दिन की अवधि के भीतर निर्यात कर दी गयी है ।

या

(क) ऐसा यह सुनिश्चित करके किया जायेगा कि उत्पादों का विनिर्माण उपाबन्ध-क में यथा विनिर्दिष्ट उत्पादन के दौरान आवश्यक क्वालिटी नियंत्रण का प्रयोग करके किया गया है।

(ख) उपाबंध-ख में विनिर्दिष्ट ढंग से किये गये निरीक्षण और परीक्षण के आधार पर किया गया है।

4. निरीक्षण की प्रक्रिया—

(1) वैक्यूम फलास्क/रिफिलों के परेषण का निर्यात करने का इच्छुक निर्यातकर्ता/निर्यात संविदा या आदेश या प्रत्यक्ष पत्र की एक प्रति के साथ संविदात्मक विनिर्देशों का ब्यौरा देते हुए। अभिकरण को लिखित सूचना देगा जिससे अभिकरण नियम 3 के अनुसार निरीक्षण कर सके।

(2) ऐसे वैक्यूम फलास्कों/रिफिलों के निर्यात के लिये जिनका विनिर्माण उपाबंध-"क" में अधिकथित उत्पादन के दौरान पर्याप्त क्वालिटी नियंत्रण का प्रयोग करके और अभिकरण द्वारा इस प्रयोजन के लिये गठित विशेषज्ञों के पैनल द्वारा यह न्याय निर्णित करके कि उत्पादन के दौरान यूनिट में पर्याप्त क्वालिटी नियंत्रण ड्रिलें हैं, किया गया है, निर्यातकर्ता उपनियम (1) में उल्लिखित सूचना के साथ यह घोषणा भी देगा कि निर्यात के लिये आशयित यथास्थिति, वैक्यूम, फलास्कों/रिफिलों के परेषण का विनिर्माण उपाबंध-"क" में अधिकथित पर्याप्त क्वालिटी नियंत्रणों का प्रयोग करके किया गया है और परेषण इस प्रयोजन के लिये मान्यता प्राप्त मानक विनिर्देशों के अनुरूप है।

(3) निर्यातकर्ता अभिकरण को निर्यात किये जाने वाले परेषण पर लगाये जाने वाला पहचान चिन्ह भी देगा।

(4) उपनियम (1) के अधीन प्रत्येक सूचना विनिर्माता के परिसर से परेषण के भेजे जाने से कम से कम सात दिन पूर्व दी जायेगी । उपनियम (2) के अधीन घोषणा सहित सूचना विनिर्माता के परिसर से परेषण के भेजे जाने से कम से कम तीन दिन पूर्व दी जायेगी।

(5) उपनियम (1) के अधीन सूचना और उपनियम (2) के अधीन घोषणा, यदि कोई हो, प्राप्त होने पर अभिकरण :—

(क) (1) अपना यह समाधान कर लेने पर कि विनिर्माण की प्रक्रिया के दौरान विनिर्माता ने पर्याप्त क्वालिटी नियंत्रणों का प्रयोग किया है, जो उपाबंध-I में अधिकथित है और इस प्रयोजन के लिये मान्यताप्राप्त मानक विनिर्देशों के अनुरूप उत्पादन का विनिर्माण करने के परिषद द्वारा इस प्रयोजन के लिये जारी किये गये अनुदेशों को, यदि कोई हों, पालन किया गया है तीन दिन की अवधि के भीतर यह घोषणा करते हुए; प्रमाण-पत्र जारी करेगा कि वैक्यूम फलास्कों/रिफिलों का परेषण निर्यात योग्य है ;

(2) उन दशाओं में जहां विनिर्माता निर्यातकर्ता नहीं है परेषण को भौतिक रूप से सत्यापन किया जायेगा और ऐसा सत्यापन तथा निरीक्षण, जो आवश्यक हो, अभिकरण द्वारा यह सुनिश्चित करने के लिये किया जायेगा कि उपरोक्त शर्तों का पालन किया गया है।

(3) अभिकरण निर्यात के लिये आशयित कुछ परेषणों की स्थल पर जांच करेगा और यूनिट द्वारा अपनाई गयी उत्पादन के दौरान क्वालिटी नियंत्रण ड्रिलों की पर्याप्तता के अनुरक्षण का सत्यापन करने के लिये नियमित अन्तरालों पर यूनिटों में भी जायेगा।

(4) यदि यह पाया जाता है कि विनिर्माण यूनिट विनिर्माण में के किसी भी प्रक्रम पर अपेक्षित क्वालिटी नियंत्रण उपायों का प्रयोग नहीं करता है या परिषद/अभिकरण की सिफारिशों का पालन नहीं करता है तो वह घोषित किया जायेगा कि यूनिट के पास उत्पादन के दौरान पर्याप्त क्वालिटी नियंत्रण ड्रिल नहीं है ऐसी दशाओं में यदि यूनिट चाहे तो वह उत्पादन के दौरान पर्याप्त क्वालिटी नियंत्रण ड्रिलों की पर्याप्तता के अनुरक्षण के न्याय निर्णयन के लिये नये सिरे से आवेदन करेगा।

(ख) उस दशा में जहां निर्यातकर्ता ने उपनियम (2) अधीन यह घोषित नहीं किया है कि उपाबंध "क" में अधिकथित पर्याप्त क्वालिटी नियंत्रण का प्रयोग किया गया है वहां उपाबंध "ख" में अधिकथित निरीक्षण/परीक्षण के आधार पर या दोनों के आधार पर अपना यह समाधान कर लेने पर कि वैक्यूम फलास्कों/रिफिलों का परेषण इस प्रयोजन के लिये मान्यता प्राप्त मानक विनिर्देशों के अनुरूप है ऐसा निरीक्षण करने के सात दिन के भीतर यह घोषित करते हुए प्रमाण-पत्र जारी करेगा कि वैक्यूम फलास्कों/रिफिलों का परेषण निर्यात योग्य है :

परन्तु जहां अभिकरण का इस प्रकार समाधान नहीं होता है वहां वह निर्यातकर्ता को, यह घोषणा करने वाला प्रमाण-पत्र कि वैक्यूम फलास्कों/रिफिलों का परेषण निर्यात योग्य है, जारी करने से इंकार कर देगा और ऐसे इंकार की सूचना सात दिन के भीतर उसके कारणों सहित निर्यातकर्ता को देगा ।

(ग) (1) उस दशा में जहां विनिर्माता उपनियम (5)(क) के अधीन निर्यातकर्ता नहीं है या परेषण का निरीक्षण उपनियम (5)(ख) के अधीन किया जाता है वहां अभिकरण निरीक्षण की समाप्ति के तुरन्त पश्चात् परेषण में पैकेजों को यह सुनिश्चित करने के लिये इस रीति से मुहरबंद करेगा कि मुहरबंद पैकेजों के साथ छेड़छाड़ नहीं की जा सकती।

(2) परेषण के नामंजूर किये जाने की दशा में यदि निर्यातकर्ता ऐसा चाहे तो परेषण, अभिकरण द्वारा मुहरबंद नहीं किया जायेगा, किन्तु ऐसी दशाओं के निर्यातकर्ता नामंजूरी के विरुद्ध अपील करने का हकदार नहीं होगा।

5. निरीक्षण का स्थान—इन नियमों के अधीन प्रत्येक निरीक्षण या तो (क) ऐसे उत्पादों के विनिर्माता के परिसर पर किया जायेगा या (ख) उस परिसर पर किया जायेगा जहां निर्यातकर्ता द्वारा माल प्रस्थापित किया जाता है परन्तु यह तब जब कि वहां निरीक्षण के लिये पर्याप्त सुविधाएं उपलब्ध हों ।

6. निरीक्षण फीस :—निर्यातकर्ता अभिकरण को निरीक्षण फीस निम्नलिखित के अनुसार देगा :—

(1)(क) उत्पादन के दौरान क्वालिटी नियंत्रण स्कीम के अधीन निर्यात करने के लिये प्रति परेषण कम से कम 20 रुपये के अधीन रहते हुए, पोत पर्यन्त निःशुल्क मूल्य के 0.2 प्रतिशत की दर से।

(ख) परेषणानुसार निरीक्षण के अधीन निर्यात के लिये प्रति परेषण कम से कम 20 रुपये के अधीन रहते हुए, पोत पर्यन्त निःशुल्क मूल्य के 0.4 प्रतिशत की दर से।

(2) उन विनिर्माताओं/निर्यातकर्ताओं के लिये जो राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों की संबंधित सरकारों के पास लघु उद्योग एककों के रूप में रजिस्ट्रीकृत हैं, प्रति परेषण कम से कम 20 रुपये के अधीन रहते हुए (क) और (ख) के लिये क्रमशः 0.18 प्रतिशत और 0.36 प्रतिशत की दर से होगी ।

7. अपील—(1) नियम 4 के उपनियम (5) के अधीन अभिकरण द्वारा प्रमाण-पत्र देने से इंकार किये जाने से व्यथित कोई भी व्यक्ति ऐसे इंकार की सूचना प्राप्त होने से दस दिन के भीतर केन्द्रीय सरकार द्वारा इस प्रयोजन के लिये नियुक्त कम से कम तीन और अधिक से अधिक व्यक्तियों के पैनल को अपील कर सकता है

(2) विशेषज्ञों के पैनल की कुल सदस्य संख्या के कम से कम दो तिहाई सदस्य गैर सरकारी होंगे

(3) पैनल की गणपूर्ति तीन सदस्यों से होगी।

(4) अपील का निपटारा उसके प्राप्त होने के पन्द्रह दिन के भीतर किया जायेगा।

परिशिष्ट "क"

[नियम 3 (क) देखिए]

क्वालिटी नियंत्रण :

वैक्यूम फलास्कों/रिफिलों का क्वालिटी नियंत्रण विनिर्माता द्वारा इससे संलग्न अनुसूची में दिये गये नियंत्रण के स्तरों सहित नीचे अधिकथित उत्पादों के विनिर्माण, परिरक्षण और पैकिंग के विभिन्न स्तरों पर निम्नलिखित नियंत्रणों का प्रयोग करके सुनिश्चित किया जायेगा :

(1) क्रय विनिर्देश और कच्ची सामग्री नियंत्रण :

(क) प्रयोग की जाने वाली कच्ची सामग्री के गुण समाविष्ट करते हुए क्रय विनिर्देश विनिर्माण द्वारा अधिकथित किये जायेंगे।

(ख) स्वीकृत परेषण के साथ क्रय विनिर्देशों की अपेक्षाओं को संपुष्टि करते हुए या तो प्रदायकर्ता का परीक्षण या निरीक्षण प्रमाण-पत्र होगा जिस दशा में क्रेता द्वारा किसी विशेष प्रदायकर्ता के 10 परेषणों में से कम से कम एक बार कालिक जांच पूर्वोक्त परीक्षण या निरीक्षण प्रमाण-पत्रों की शुद्धता को सत्यापित करने के लिये की जायेगी या क्रय की गयी सामग्री का या तो कारखाने की प्रयोगशाला में या किसी बाहरी प्रयोगशाला या परीक्षण गृहों में परीक्षण या निरीक्षण किया जायेगा ।

(ग) निरीक्षण या परीक्षण के लिये नमूनों का लिया जाना लेखबद्ध अन्वेषण पर आधारित होगा।

(घ) निरीक्षण या परीक्षण किये जाने के पश्चात् स्वीकृत और अस्वीकृत माल के पृथक्करण के लिये अस्वीकृत सामग्री का निपटान करने के लिये व्यवस्थित पद्धतियां अपनाई जायेंगी।

(ङ) उपरोक्त नियंत्रणों के संबंध में विनिर्माता द्वारा अभिलेख नियमित और व्यवस्थित ढंग से रखे जायेंगे।

(2) प्रक्रिया नियंत्रण :

(क) विनिर्माता द्वारा विनिर्माण के विभिन्न प्रक्रमों के लिए ब्यौरेवार प्रक्रिया विनिर्देश अधिकथित किए जाएंगे ।

(ख) प्रक्रिया विनिर्देशों में अधिकथित प्रक्रियाओं के नियंत्रण के लिए उपकरण और उपस्कर सुविधाएं होंगी ।

(ग) विनिर्माता द्वारा विनिर्माण की प्रक्रिया के दौरान प्रयुक्त नियंत्रणों का सत्यापन करने की संभावना को सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त अभिलेख रखे जाएंगे ।

(3) उत्पाद नियंत्रण :

(क) विनिर्माता के पास यह जांच करने के लिए उत्पाद अधिनियम की धारा 6 के अधीन मान्यता प्राप्त विनिर्देशों के अनुरूप है जांच के लिए या तो अपनी परीक्षण सुविधाएं होंगी या उसकी पहुंच वहां तक होगी जहां ऐसी परीक्षण सुविधाएं विद्यमान हों ।

(ख) परीक्षण या निरीक्षण करने के लिए नमूनों का लिया जाना लेखबद्ध अन्वेषणों पर आधारित होगा ।

(ग) परीक्षण के लिए नमूने लेने और किए गए निरीक्षण के बारे में पर्याप्त अभिलेख नियमित और व्यवस्थित रूप से रखे जाएंगे।

(घ) उत्पादों की जांच करने के लिए नियंत्रण के न्यूनतम स्तर अनुसूची में विनिर्दिष्ट के अनुसार होंगे ।

(4) परिरक्षण नियंत्रण :—उत्पादों को भंडारकरण और अभिवहन दोनों के दौरान अच्छी तरह से परिरक्षित किया जाएगा।

(5) पैकिंग नियंत्रण :—पैकेज देखने में सुन्दर होंगे और अभिवहन के दौरान उठाई-धराई सहन करने के लिए पर्याप्त रूप से मजबूत होंगे ।

अनुसूची

क्रम सं.	अपेक्षाएं	संदर्भ	नमूनों की संख्या	आवृत्ति	टिप्पणियां
(क)	रिफिलों के लिए विनिर्देश				
(1)	चाक्षुष विशेषताएं	इस प्रयोजन के लिए मान्यता-प्राप्त मानक विनिर्देशों के अनुसार	सभी	—	—
(2)	अनीलन	इस प्रयोजन के लिए मान्यता-प्राप्त मानक विनिर्देशों के अनुसार	30 मिनट के उत्पादन के 5 टुकड़े	—	—
(3)	बिमा अपेक्षाएं आकृति और आकार आदि	इस प्रयोजन के लिए मान्यता-प्राप्त मानक विनिर्देशों के अनुसार	सारणी-II में दिए गए उपाबंध के अनुसार	प्रत्येक पारी का उत्पादन	—
(4)	क्षमता	इस प्रयोजन के लिए मान्यता-प्राप्त मानक विनिर्देशों के अनुसार	5 प्रतिशत	प्रत्येक पारी का उत्पादन	—
(5)	नापीय प्रघात	इस प्रयोजन के लिए मान्यता-प्राप्त मानक विनिर्देशों के अनुसार	1 प्रतिशत	प्रत्येक पारी का उत्पादन	—
(6)	ऊष्मा प्रतिधारण परीक्षण	इस प्रयोजन के लिए मान्यता-प्राप्त मानक विनिर्देशों के अनुसार	सभी	—	—
(7)	क्षारीयता परीक्षण	इस प्रयोजन के लिए मान्यता-प्राप्त मानक विनिर्देशों के अनुसार	0.5 प्रतिशत	—	—
(ख)	वैक्यूम फ्लास्कों के अन्य संघटकों के लिए विनिर्देश				
(1)	चाक्षुष विशेषताएं जिनके अंतर्गत संघटकों और डाटों की फिटिंग है।	इस प्रयोजन के लिए मान्यता-प्राप्त मानक विनिर्देशों के अनुसार	सभी	प्रत्येक पारी का उत्पादन	—
(2)	संघटकों की विमाएं	इस प्रयोजन के लिए मान्यता-प्राप्त मानक विनिर्देशों के अनुसार	10 प्रतिशत	प्रत्येक पारी का उत्पादन	—
(3)	पालिश करना/वार्निश करना, लेकर करना	इस प्रयोजन के लिए मान्यता-प्राप्त मानक विनिर्देशों के अनुसार	10 प्रतिशत	प्रत्येक पारी का उत्पादन	—
(4)	आपत्तिजनक खरोंचों का अवरोध	इस प्रयोजन के लिए मान्यता-प्राप्त मानक विनिर्देशों के अनुसार	10 प्रतिशत	प्रत्येक पारी का उत्पादन	—
(5)	खाद्य उत्पादों की विषाक्तता का अवरोध	इस प्रयोजन के लिए मान्यता-प्राप्त मानक विनिर्देशों के अनुसार	1 प्रतिशत	प्रत्येक पारी का उत्पादन	—
(6)	रिसाव परीक्षण	इस प्रयोजन के लिए मान्यता-प्राप्त मानक विनिर्देशों के अनुसार	5 प्रतिशत	प्रत्येक पारी का उत्पादन	—
(7)	अन्य कोई अपेक्षाएं	इस प्रयोजन के लिए मान्यता-प्राप्त मानक विनिर्देशों के अनुसार	5 प्रतिशत	प्रत्येक पारी का उत्पादन	—

परिशिष्ट "ख"

1. परेषणानुसार निरीक्षण

1.1 वैक्यूम फलास्कों या रिफिलों के परेषण का निरीक्षण और परीक्षण यह सुनिश्चित करने के लिए किया जाएगा कि वे अधिनियम की धारा 6 के अधीन मान्यता प्राप्त मानक विनिर्देशों के अनुरूप हैं ।

1.2 संविदात्मक विनिर्देशों में नमूना मानदंड की बाबत विनिर्दिष्ट अनुबंध के अभाव में नीचे दी गयी सारणी-1 में यथा अधिकथित लागू होंगे ।

सारणी

नमूना मानदंड

लाट में डिब्बों की संख्या	चुने जाने वाले डिब्बों की संख्या
1	2
10 तक	2
11 से 50	5
51 से 200	10
201 से 500	15
501 से 1000	20
1001 और अधिक	25

लाट :—एक परेषण में एक ही प्रकार और क्षमता तथा समान परिस्थितियों के अधीन विनिर्मित एकत्रित सभी वैक्यूम फलास्क या रिफिल एक लाट होंगे ।

1.3 उपरोक्त सारणी-1 के अनुसार सहसा चुने गए प्रत्येक डिब्बे में से सारणी-II के अनुसार सहसा चुने गए वैक्यूम फलास्कों/रिफिलों की लगभग समान संख्या ।

सारणी –II

लाट आकार	चाक्षुष अपेक्षाएं				रिसाव रोध ऊष्मा प्रति धारण और तापीय प्रघात परीक्षण		क्षारता परीक्षण के लिए रिफिलों की संख्या
	नमूना आकार	संचयी नमूना आकार	स्वीकृति सं.	अस्वीकृति सं.	नमूना आकार	स्वीकृत सं.	
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)
500 तक	20	30	1	4	5	0	1
501 से 1000	32	32	3	5	8	0	1
1001 से 3000	50	50	3	7	13	0	2
3001 से 10000	80	80	5	9	20	1	2
10001 से 35000	125	125	7	11	32	2	3
35001 और अधिक	200	200	11	16	50	3	4

2. परीक्षणों की संख्या और अनुरूपता के लिए मानदंड

2.1 सारणी 2 के स्तम्भ 3 के अनुसार नमूने के लिए फलास्कों रिफिलों की संख्या का चाक्षुष अपेक्षाओं के लिए परीक्षण किया जाएगा। ऐसी किसी भी अपेक्षा को पूरा न करने वाली प्रत्येक फलास्क/रिफिल को दोषपूर्ण माना जाएगा ।

2.2 यह माना जाएगा कि लाट इन अपेक्षाओं को संतोषजनक रूप से पूरा करता है यदि नमूनों में त्रुटि की संख्या सारणी-2 के स्तम्भ 5 में दी गयी तत्स्थानी स्वीकृति संख्या से कम या बराबर है ।

2.3 लाट को संतोषजनक पाए जाने पर उसे रिसाव रोधन ऊष्मा-रोधन, तापीय प्रघात और क्षारता के लिए जांच की जाएगी । इस प्रयोजन के लिए फलास्कों/रिफिलों की आवश्यक संख्या उनमें से ली जाएगी जो पहले जांच करके संतोषजनक पाए गए है ।

2.4 रिसाव रोधन की जांच के लिए लिए जाने वाले वैक्यूम फलास्कों की संख्या सारणी-2 के स्तम्भ 7 के अनुसार होगी । यह माना जाएगा कि लाट रिसाव रोधन की अपेक्षा को संतोषजनक रूप से पूरा करता है यदि नमूनें में त्रुटियों की संख्या सारणी-2 के स्तम्भ 8 में दी गई तत्स्थानी स्वीकृति संख्या से कम या बराबर हैं ।

2.5 उष्म प्रतिधारण की जांच के लिए लिए जाने वाले रिफिलों की संख्या सारणी 2 के स्तम्भ 7 के अनुसार होगी । यह माना जाएगा कि लाट तापीय प्रघात की अपेक्षा को संतोषजनक रूप से पूरा करता है यदि नमूनें में त्रुटियों की संख्या सारणी-2 के स्तम्भ 8 में दी गई तत्स्थानी स्वीकृति संख्या से कम या बराबर हैं ।

2.6 तापीय प्रघात की जांच के लिए लिए जाने वाले रिफिलों की संख्या सारणी-2 के स्तम्भ 7 के अनुसार होगी । यह माना जाएगा कि लाट तापीय प्रघात की अपेक्षाओं को संतोषजनक रूप से पूरा करता है यदि नमूनें में त्रुटियों की संख्या सारणी-2 के स्तम्भ 8 में दी गई तत्स्थानी स्वीकृत संख्या से कम या बराबर है।

2.7 क्षारता की जांच के लिए, लिए जाने वाले रिफिलों की संख्या सारणी-2 के स्तम्भ 8 के अनुसार होगी । यह माना जाएगा कि लाट क्षारता की अपेक्षाओं का संतोषजनक रूप से पूरा करता है यदि नमूनें में कोई भी रिफिल त्रुटिपूर्ण नहीं पाया जाता है ।

2.8 यह घोषित किया जाएगा कि लाट इस विनिर्देश की अपेक्षाओं को पूरा करता है ।

[फाइल सं. 6(29) 79-ई आई एण्ड ई पी]

एन. एस. हरिहरन, निदेशक

ORDER

S.O. 963.—Whereas the Central Government is of opinion that it is necessary and expedient so to do for the development of the export trade of India that in exercise of the powers conferred by section 6 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Vacuum Flasks shall be subject to quality control and inspection prior to export;

And whereas the Central Government has formulated the proposals specified below for the said purpose and has forwarded the same to the Export Inspection Council as required by sub-rule (2) of rule 11 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964;

Now, therefore, in pursuance of the said sub-rule, and in supersession of the notification No. S.O. 1616, dated the 7th May, 1968, the Central Government hereby published the said proposals for the information of the public likely to be affected thereby.

2. Notice is hereby given that any person desiring to forward any objections or suggestions with respect to the said proposals may forward the same within forty-five days of the date of publication of this order in the Official Gazette to the Export Inspection Council, of India, 11th Floor, Pragati Tower, 26, Rajendra Place, New Delhi-110008, thermal shock if the number of defectives found in the sample is less than or equal to the corresponding acceptance number given in column 8 of Table 2.

PROPOSALS

(i) To notify that Vacuum Flasks shall be subject to quality control and inspection prior to export;

(ii) To specify the type of quality control and inspection in accordance with the draft Export of Vacuum Flasks (Quality Control and Inspection) Rules, 1984 set out in Annexure-II to this order as the type of inspection which shall be applied to such Vacuum Flasks prior to export;

(iii) To recognise :—

(a) relevant Indian Standard or any other national standard;

(b) contractual specifications subject to the product specifying the minimum of the characteristics specified in Annexure-I to this order;

(c) the specifications declared by the exporter to be the agreed specifications of the export contract between the foreign buyer and the exporter, for such export contracts as are confirmed prior to the date of publication of this order in the Official Gazette and exported within a period of sixty days from that date; as the standard specifications for vacuum flasks.

(iv) To prohibit the export in the course of international trade of vacuum flasks unless the same is either accompanied by a certificate of inspection issued by any of the Export Inspection Agencies established under section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), to the effect that the Vacuum Flasks are export-worthy in accordance with the Export of Vacuum Flasks (Quality Control and Inspection) Rules, 1984.

3. Nothing in this order shall apply to the export by sea, land or air of samples of Vacuum Flasks not exceeding Rs. 125.00 only in Free on Board value to the prospective buyers.

4. In this notification, 'Vacuum Flasks' means :—

(i) Any composite container consisting of an outer protective case provided with a closure and suitable means for its carrying. The outer case shall house a stoppered double walled glass container (called the refill); with the walls silvered and the space in between maintained under vacuum to reduce to a minimum the transfer of heat to and from the contents placed in it.

(ii) Refills meant for the said vacuum flasks.

ANNEXURE-I

'SPECIFICATIONS FOR VACUUM FLASKS'

A. Specifications for refills

1. The size, shape and the capacity of the refills shall be as agreed to between the buyer and the seller.

2. The refills shall be made of well annealedglass and shall have smooth surface.

3. The silvering shall be uniform and free from flakes.

4. The spacers, if any, shall not be loose.

5. The thermal shock resistance of the refill shall be considered adequate if the refill suffers no damage when subjected to the following test;

Pour water at 27° ± 2°C upto the neck of the refills and allow to stand for 3 minutes. Empty therefill and pour boiling water (100°C) immediately and allow to stand for 3 minutes. Empty the refill and pour water at 27° ± 2°C immediately and allow to stand for 3 minutes. The time for pouring water in and out shall not exceed 15 second in each case.

6. The heat retention capacity shall be tested as follows:

The temperature of water heated to 95°C and when kept in refill in the manner specified below shall not be less than those indicated below :—

Types of Refills	Temperature attained not less than		After five hours test alternative to column (2)
	After one hour test	After 24 hour test	
1. Narrow mouth of nominal capacity not less than 1/2 litre (internal mouth diameter upto 45 mm).	91°C	50°C	78°C
2. Wide mouth of nominal capacity 1/2 litre and above (internal mouth diameter about 45 mm)	85°C	42°C	70°C
3. 250 ml. nominal capacity (internal mouth diameter upto 30 mm)	88°C	40°C	70°C
4. 250 ml. nominal capacity (internal mouth diameter above 30 mm but below 45 mm)	85°C	38°C	68°C
5. Other types of refills meant for use as tumblers, ice bowls etc.	As declared by the exporters		

Procedure.—Rinse the refills with boiling water, draining out as much of water as possible. Quickly fill it up to the neck with water at 95°C, close the mouth with stopper and note the time.

7. Brimful capacities.—Unless otherwise agreed to between the purchaser and the supplier, brimful capacities of refills of corresponding nominal capacities shall be follows:—

Nominal Capacity ml	Brimful Capacity ml
250	260± 30
500	510± 60
750	770± 60
1000	1020± 60
1350	1380±100
1500	1530±100
1750	1780±125
2750	2780±150

7.1 The brimful capacity of sizes other than mentioned above shall be as agreed to between the exporter and foreign buyer.

8. Specification for the outer components of Vacuum Flasks.

8.1 Materials

(a) Outer Protective case and Accessories—Outer protective cases and accessories shall be of materials which shall be rigid enough to hold the refill securely under conditions of use and protect it from damage in normal handling.

(b) The stopper of the refill shall be non-toxic, corrosion-resistant and durable. When fitted to the refill it shall not slip off and shall provide a leak-proof fitting.

(c) The auxiliary closure(s), also intended for use as drinking cup(s), shall be non-toxic, corrosion-resistant and shall not deform under normal conditions of use.

(d) The outer protective case, auxiliary closures and other components of vacuum flasks shall be as agreed to between the buyers and seller.

(e) The thickness of the tin plate shall in no case be less than 0.27 mm.

8.2 Workmanship and Finish

(a) The outer protective case shall hold the refill securely by suitable supporting components at the base and the neck.

(b) The component holding the neck of the refill shall be so designed as to prevent entry of any liquid into the space in between the protective case and the refill.

(c) The ring and bottom of the protective case if made out of tin shall be lacquered on both sides and the body lacquered on the inside only for protection against corrosion. The body shall be suitably painted and varnished to protect the outside decoration.

Note.—The protective case may also be made of materials other than tinplate provided they satisfy the requirements mentioned above.

(d) Suitable handle or arrangement for suspension may be provided on a vacuum flask.

(e) There shall be no objectionable scratches on the decoration.

(f) The base of vacuum flasks shall be stable so as to prevent tipping.

8.3 Leak-Proofness.—The stopper both 'push in' type and the 'screw on' type should fit snugly in the neck of the container so that it shall be leak proof.

Assembled vacuum flask with refill half-filled with cold water and stoppered, when inverted and shaken well for one minute, shall not show any leakage of water.

ANNEXURE-II

Draft rules proposed to be made under section 17 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963):—

1. Short title and commencement.—These rules may be called the Export of Vacuum Flasks (Quality Control and Inspection) Rules, 1984.

2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires :—

(a) "Act" means the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963);

(b) "Agency" means any of the Export Inspection Agencies established under section 7 of the Act;

(c) "Council" means Export Inspection Council established under section 3 of the Act;

(d) Vacuum Flask means :—

(i) Any composite container consisting of an outer protective case provided with a closure and suitable means for its carrying. The outer case shall house a stoppered double walled glass container (called the refill); with the walls silvered and the space in between maintained under vacuum to reduce to a minimum the transfer of heat to and from the contents placed in it.

(ii) refills meant for the said Vacuum Flasks;

(e) "Schedule" means the Schedule appended to these rules.

3. Basis of Inspection.—Inspection of Vacuum Flasks shall be carried out with a view to ensure that the quality of the same conforms to the specifications recognised by the Central Government under section 6 of the Act, namely :—

(a) relevant Indian Standard or any other national standard;

(b) Contractual specifications subject to the product specifying the minimum of the characteristics specified in Annexure-I to this order;

(c) the specifications declared by the exporter to be the agreed specifications of the export contract between the foreign buyer and the exporter, for such export contracts as are confirmed prior to the date of publication of this order in the official gazette and exported within a period of sixty days from the date, as the standard specifications for vacuum flasks.

either

(a) By ensuring that the products have been manufactured by exercising necessary inprocess quality control as specified in Appendix-A.

or

(b) On the basis of the inspection and testing carried out in the manner specified in Appendix-B.

4. Procedure of Inspection.—(1) An exporter intending to export a consignment of vacuum flasks/refills shall give an intimation in writing to the agency furnishing therein details of the contractual specifications alongwith a copy of the export contract or order or letter of Credit to enable the agency to carry out inspection in accordance with rule 3.

(2) For export of vacuum flasks/refills manufactured by exercising adequate inprocess quality control as laid down in Appendix 'A' and the manufacturing unit adjudged as having adequate inprocess quality control drills by the Panel of Experts constituted by the Agency for this purpose, the exporter shall also submit alongwith the intimation mentioned in sub-rule (1) a declaration that the consignment of vacuum flasks or refills, as the case may be, intended for export has been manufactured by exercising adequate quality control as laid down in Appendix 'A' and that the consignment conforms to the standard specifications recognised for the purpose.

(3) The exporter shall furnish to the agency the identification mark applied on the consignment to be exported.

(4) Every intimation under sub-rule (1) shall be given not less than seven days prior to the despatch of the consignment from the manufacturer's premises and the intimation alongwith the declaration under sub-rule (2) shall be given not less than three days prior to the despatch of the consignment from the manufacturer's premises.

(5) On receipt of the intimation under sub-rule (1) and the declaration, if any, under sub-rule (2), the agency:—

(a) (i) On satisfying itself, that during the process of manufacture, the manufacturer had exercised adequate quality control as laid down in Appendix 'A' and followed the instructions, if any, issued by the Agency/Council in this regard to manufacture the product to conform to the standard specifications recognised for the purpose shall, within three days, issue a certificate declaring the consignment of vacuum flask/refills as exportworthy;

(ii) In case where the manufacturer is not the exporter, however, the consignment shall be physically verified and such verification and inspection as is necessary shall be carried out by the agency to ensure that the above conditions are complied with;

(iii) The Agency shall, however, conduct spot checks of some of the consignments meant for export and also visit the units at regular intervals to verify the maintenance of the adequacy of improcess quality control drills adopted by the unit.

(iv) If the manufacturing unit is found not adopting the required quality control measures at any stage of manufacture or does not comply with the recommendations of the Council or Agency, the unit shall be declares as not having adequate inprocess quality control drills, and in such cases the unit if so desires shall apply afresh for adjudgement of the maintenance of adequacy of in-process quality control drills.

(b) In case where the exporter has not declared under sub-rule (2) that adequate quality control as laid down in Appendix 'A' had been exercised, on satisfying itself that the consignment of vacuum flasfls/refills conform to the standard specifications recognised for the purpose, on the basis of inspection/testing carried out as laid down in Appendix 'B' or on the basis of both, shall within seven days of carrying out such inspection issue a certificate declaring the consignment of vacuum flasks/refills as exportworthy:

Provided that where the agency is not so satisfied, it shall refuse to issue a certificate to the exporter declaring the consignment of Vacuum Flasks/refills as exportworthy and shall communicate such refusal within seven days to the exporter alongwith the reasons therefor.

(c) (i) In case where the manufacturer is not the exporter under sub-rule (5) (a) or consignment is inspected under sub-rule (5) (b), the Agency shall, immediately after completion of the inspection, seal the packages in the consignment in the manner so as to ensure that the sealed packages cannot be tampered with.

(ii) In case of rejection of the consignment, if the exporter so desires the consignment may not be sealed by the Agency but in such cases, however, the exporter shall not be entitled to prefer any appeal against the rejection.

5. Place of Inspection.—Every inspection under these rules shall be carried out either (a) at the premises of the manufacturer of such products, or (b) at the premises at which the goods are offered by the exporter, provided adequate facilities for inspection exists therein.

6. Inspection Fee.—Inspection Fee shall be paid by the exporter to the Agency as under :—

(i) (a) For exports under inprocess quality control scheme at the rate of 0.2 per cent of the F.O.B. value subject to minimum of Rs. 20 per consignment.

(b) For exports under consignmentwise inspection at the rate of 0.4 per cent of the F.O.B. value subject to a minimum of Rs. 20 per consignment.

(ii) Subject to a minimum of Rs. 20/- per consignment the rate shall be 0.18 per cent and 0.36 per cent for (a) and (b) respectively, for manufacturers/exporters who are registered as Small Scale Manufacturing Units with the concerned Governments of State/Union Territories.

7. Appeal.—(1) Any person aggrieved by the refusal of the Agency to issue a certificate under sub-rule (5) of rule 4, may within ten days of the receipt of the communication of such refusal by him, prefer an appeal to a Panel of Experts consisting of not less than three but not more than seven persons appointed for the purpose by the Central Government.

(2) The Panel shall consist of atleast two thirds of non-officials of the total membership of the Panel of Experts.

(3) The quorum for the Panel shall be three.

(4) The appeal shall be disposed of within fifteen days of its receipt.

APPENDIX 'A'

[See rule 3(a)]

Quality Control.—The Quality Control of the Vacuum Flasks/refills shall be ensured by the manufacturer by effecting the following controls at different stages of manufacture, preservation and packing of the products as laid down below together with levels of controls as set out in the schedule appended thereto.

(i) Purchase specifications and raw materials control:—

(a) Purchase specifications shall be laid down by the manufacturer incorporating the properties of raw materials to be used.

(b) Either the accepted consignments shall be accompanied by a supplier's test and inspection certificate corroborating the requirements of the purchase specifications, in which case occasional checks shall be conducted at least once in 10 consignments by the purchaser for a particular supplier to verify the correctness of the aforesaid test or inspection certificates or the purchased material shall be regularly tested and inspected either in the laboratory within the factory or in an outside laboratory or test houses.

(c) The sampling for inspection or test to be carried out shall be based on the recorded investigation.

(d) After the inspection or test is carried out, systematic methods shall be adopted in segregating the accepted and rejected materials and for disposal of the rejected materials.

(e) Adequate records in respect of the aforesaid controls shall be regularly and systematically maintained by the manufacturer.

(ii) Process Control:

(a) Detailed process specifications shall be laid down by the manufacturer for different stages of manufacture.

(b) Equipment and instrumentation facilities shall be adequate to control the process as laid down in the process specifications.

(c) Adequate records shall be maintained by the manufacturer to ensure the possibility of verifying the controls exercised during the process of the manufacture.

(iii) Product Control :—

(a) The manufacturer shall have either his own testing facilities or shall have access to such testing facilities existing elsewhere to check up whether the product conforms to specifications recognised under section 6 of the Act.

(b) Sampling for test and inspection to be carried out shall be based on the recorded investigation.

(c) Adequate records in respect of sampling and test carried out shall be regularly and systematically maintained.

(d) The minimum levels of control to check the products shall be as specified in schedule.

(iv) Preservation Control.—The products shall be well preserved both during the storage and the transit.

(v) Packing Control.—The packages shall have a good presentability and sufficient strength to stand handling during transit.

SCHEDULE

LEVELS OF CONTROL

Sl.	Requirements	Reference	No. of Samples	Frequency	Remarks
(a)	Specification for refills				
	(1) Visual Characteristics	As per standard specifications recognised for purpose.	All		—
	(2) Annealing	-do-	5 pcs. every 30 minutes production	—	—
	(3) Dimensional requirements shape and size etc.	-do-	As per Table II given in Annexure	Per Shift production	—
	(4) Capacity	-do-	5%	-do-	—
	(5) Thermal Shock	-do-	1%	-do-	—
	(6) Heat Retention Test	-do-	All	—	—
	(7) Alkalinity Test	-do-	0.5%	—	—
(B)	Specifications for the other components of vacuum flasks:—				
	(1) Visual characteristics, including fittings of components & Stoppers	-do-	All	Per Shifts' production	—
	(2) Dimensions of components	-do-	10%	-do-	—
	(3) Polishing/Varnishing Lacquering	-do-	10%	-do-	—
	(4) Resistance to objectionable scratches	-do-	10%	-do-	—
	(5) Resistance to toxicity on food products.	-do-	1%	-do-	—
	(6) Leakage Test	-do-	5%	-do-	—
	(7) Any other requirements.	-do-	5%	-do-	—

APPENDIX-B

1. Consignmentwise inspection.

1.1. The consignment of vacuum flasks or refills as the case may be shall be subjected to inspection and testing to ensure conformity of the consignment of to the standard specification recognised under Section 6 of the Act.

1.2 In the absence of specific stipulation in the contractual specifications as regards sampling criteria the same laid down in Table I given below shall become applicable.

TABLE-I

SCALE OF SAMPLING

No. of Cartons in the Lot	No. of cartons to be Selected
Upto 10	2
11 to 50	5
51 to 200	10
201 to 500	15
501 to 1000	20
1001 and above	25

LOT.—In a single consignment all the vacuum Flasks or refills of the same type and capacity and manufactured under similar conditions shall be grouped together to constitute a lot.

1.3 From each of the cartons selected at random as per Table I above, selected at random an equal number of pieces of vacuum flasks/refills from each of the cartons, in accordance with Table-II.

TABLE-II

Lot Size	Visual Requirements: Sample Size	Commulative Sample Size	Acceptance No.	Rejection No.
1	2	3	4	5
Upto 500	20	20	1	4
501 to 1000	32	32	2	5
1001 to 3000	50	50	3	7
3001 to 10000	80	80	5	9
10001 to 35000	125	125	7	11
35001 and above	200	200	11	16

Leak Proofness, Heat Retention and Thermal Shock Tests: Sample Size	Acceptance No.	No. of Refills for Alkalinity test
6	7	8
5	0	1
8	0	1
13	0	2
20	1	2
32	2	3
50	3	4

2. Number of tests and criteria for conformity.

2.1 The number of flasks|refills given for the sample in column 3 of Table 2 shall be examined for visual requirements. A flasks/refill failing in any of these requirements shall be considered as defective.

2.2 The lot shall be considered to have satisfied these requirements if the number of defectives found in the sample is less than or equal to the corresponding acceptance number given in Column 5 of Table 2.

2.3 The lot having been found satisfactory shall be simultaneously tested for leak-proofness, heat retention, thermal shock and alkalinity. For this purpose required number of flasks|refills shall be taken from those already examined and found satisfactory.

2.4 The number of vacuum flasks to be tested for leak-proofness shall be as given in Column 7 of Table 2. The lot shall be considered to have satisfied the requirement of leak-proofness if the number of defectives found in the sample is less than or equal to be corresponding acceptance number given in Column 8 of Table 2.

2.5 The number of refills to be tested for heat retention shall be as given in Column 7 of Table 2. The lot shall be considered to have satisfied the requirement of

2.6 The number of refills to be tested for thermal shock shall be as given in column 7 of Table 2. The lot shall be considered t ohave satisfied the requirement of thermal shock if the number of defectives found in the sample is less than or equal to the corresponding acceptance number given in Column 8 of the Table 2.

2.7 The number of refills to be tested for alkalinity shall be as given in Column 8 of Table 2. The lot shall be considered to have satisfied the requirements of alkalinity if no refill is found to be defective in the sample.

2.8 The lot shall be declared as conforming to the requirements of this specification.

[F. No. 6(29)/79-EI&EP]
N. S. HARIHARAN, Director

वाणिज्य और पूर्ति मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

नई दिल्ली, 25 फरवरी, 1985

(इलायची नियंत्रण)

का.आ. 964.—केन्द्रीय सरकार, इलायची नियम, 1966 के नियम 3 और 5 के साथ पठित इलायची अधिनियम, 1965 (1965 का 42) की धारा 4 की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, श्री ई. वेलप्पन निदेशक, खोपरा, सुपारी और मसाले विकास निदेशालय कालीकट को श्री सी. के. जार्ज के स्थान पर इलायची बोर्ड का सदस्य नियुक्त करती है और भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय की अधिसूचना सं. का.आ. 809 (अ) तारीख 17 नवंबर, 1982 का निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना के नीचे सारणी में, क्रम सं. 6 और पहले स्तम्भ में उससे संबंधित प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात् :—

"श्री ई. वेलप्पन, निदेशक, खोपरा, सुपारी और मसाले विकास निदेशालय, कालीकट ।"

[फाइल सं. 32/31/81-संयंत्र (बी)]
बी. एम. एस. नेगी, अवर सचिव

MINISTRY OF COMMERCE & SUPPLY
(Department of Commerce)
New Delhi, the 25th February, 1985
(CARDAMOM CONTROL)

S.O. 964.—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of section 4 of the Cardamom Act, 1965 (42 of 1965), read with rules 3 and 5 of the Cardamom Rules, 1966, the Central Government hereby appoints Shri E. Velappan, Director, Directorate of Copra, Arecanut and Species Development, Calicut, as a member of the Cardamom Board Vice Shri C. K. George, and makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Commerce No. S.O. 809(E), dated the 17th November, 1982, namely :—

In the Table under the said notification against serial No. 6 the entry relating thereto in the first column, the following entry shall be substituted, namely :—

"Shri E. Velappan, Director, Directorate of Copra, Arecanut and Species Development, Calicut."

[File No. 32/31/81-Plant(B)]
B.M.S. NEGI, Under Secy.

(मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात का कार्यालय)

नई दिल्ली, 30 जनवरी, 1985

आदेश

का. आ 965.—मैसर्स सालगोकर इंजीनियर्स प्रा. लि., वास्को-डी-गामा, गोआ को फालतू पुर्जों के आयात के लिए केवल 4,91,934 रु. का आयात लाइसेंस सं. पी/एफ/2030882, दिनांक 4-1-84 दिया गया था जिसका मूल्य बाद में बढ़ाकर 15,72,665 रुपये कर दिया गया था।

2. अब फर्म ने उपर्युक्त लाइसेंस की अनुलिपि मुद्रा-विनिमय नियंत्रण प्रति जारी करने के लिए इस आधार पर अनुरोध किया है कि मूल मुद्रा-विनिमय नियंत्रण प्रति दिल्ली के सीमा-शुल्क प्राधिकारी के पास पंजीकृत कराने के बाद खो गई/अस्थानस्थ हो गई है और उसका 3,41,129 रु. की सीमा तक उपयोग कर लिया गया है। अब फर्म सहमत है और वचन देती है कि यदि बाद में मूल विनिमय नियंत्रण प्रति मिल गई तो इस कार्यालय को रिकार्ड के लिए लौटा देंगे।

3. अपने तर्क के समर्थन में, मैसर्स सालगोकेर इंजीनियर्स प्रा. लि., गोवा ने 1984-85 की आयात-निर्यात क्रियाविधि हैंडबुक के अध्याय 15 के पैरा 353 के अंतर्गत यथा अपेक्षित एक शपथ-पत्र दाखिल किया है। अधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि आयात लाइसेंस सं. पी/एफ/2030882 दिनांक 4-1-84 की मूल मुद्रा-विनिमय नियंत्रण प्रति खो गई है और निदेश देता है कि आवेदक को अनुलिपि मुद्रा-विनिमय नियंत्रण प्रति जारी की जाए। मूल मुद्रा-विनिमय नियंत्रण प्रति को एतद्द्वारा रद्द समझी जाए।

4. आयात लाइसेंस की अनुलिपि मुद्रा-विनिमय नियंत्रण प्रति अलग से जारी की जा रही है।

[फा. सं. 6-एस/स्पेयर्स/84/जी एल एस]
पाल बैक, उप-मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात
कृते मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

(Office of the Chief Controller of Imports & Exports)

New Delhi, the 30th January, 1985

ORDER

S.O. 965.—M/s. Salgaocar Engineers Pvt. Ltd., Vasco-DA-Gama, Goa was granted an Import Licence No. P/F/2030882 dated 4-1-84 for Rs. 4,91,934 only later on enhanced to Rs. 15,72,665 for the import of spares.

2. The firm have now requested for issue of Duplicate Exchange Control Copy of the above licence on the ground that the original Exchange Control Copy has been lost/misplaced having being registered with the Custom Authority Delhi and utilised the same to the extent of Rs. 3,41,129.

Now the firms agrees and undertakes to return the original exchange control copy, if traced later on, to this office for record.

3. In support of their contention, M/s. Salgaocar Engineers Pvt. Ltd., Goa and have filed an affidavit as required in terms of Para 353 of Chapter XV of Hand Book of Import-Export Procedures for 1984-85. The undersigned is satisfied that the original Exchange Control Copy of Import Licence No. P/F/2030882 dated 4-1-84 has been lost and directs that duplicate exchange control copy may be issued to the applicant. The original exchange control copy is hereby treated as cancelled.

4. The duplicate Exchange Control Copy of the Import Licence is being issued separately.

[F. No. 6-S|Spares|84|GLS]

PAUL BECK, Dy. Chief Controller of Imports & Exports
for Chief Controller of Imports & Exports

(बी. एल. अनुभाग)

नई दिल्ली, 20 फरवरी, 1985

आदेश

का. आ. 966.—श्रीमती शकुन्तला कौरा, एन-178, पंचशील पार्क, नई दिल्ली को इसूज अस्का 4 डोर सेदन, 4 सिलिंडर 2000 सीसी डीजल आर एच डी एल टी के डीलक्स माडल को आयात करने के लिए केवल 55,000 रुपये का एक सीमा शुल्क निकासी परमिट सं. पी/जे/3072933, दिनांक 1-8-1984 दिया गया था। आवेदक ने सूचित किया है कि ऊपर उल्लिखित सीमा-शुल्क निकासी परमिट अस्थानस्थ/खो गया है। आगे यह भी बताया गया है कि मूल सीमा-शुल्क निकासी परमिट किसी भी सीमा शुल्क प्राधिकारी के पास पंजीकृत नहीं कराया गया था और इस प्रकार सीमा-शुल्क निकासी परमिट का मूल्य बिल्कुल भी उपयोग में नहीं लाया जाता है।

2. लाइसेंसधारी ने अपने दावे के समर्थन में उचित न्यायिक प्राधिकारी के सम्मुख विधिवत शपथ लेते हुए एक शपथ-पत्र दाखिल किया है। तदनुसार, मैं सन्तुष्ट हूं कि मूल सीमा-शुल्क निकासी परमिट सं. पी/जे/3072933, दिनांक 1-8-1984 आवेदक से खो गया है। समय-समय पर यथा संशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश 1955 दिनांक 7-12-1955 की उप-कंडिका 9 (सीसी) के अंतर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, श्रीमती शकुन्तला कौरा को जारी किया गया मूल सीमा-शुल्क निकासी परमिट सं. पी/जे/3072933 दिनांक 1-8-1984 एतद्द्वारा रद्द किया गया है।

[फाइल न. ए/के-10/84-85/बी एल एस/3446]

[एन. एस. कृष्णामूर्ति, उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात
कृते मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

(B. L. Section)

New Delhi, the 20th February, 1985

ORDER

S.O. 966.—Mrs. Shakuntla Kaura, N-178, Panchsheela Park, New Delhi-110017, was granted a Customs Clearance Permit No. P/J/3072933 dated 1-8-84 for Rs. 55,000 only for import of Isuzu Aska 4 door Sedan 4 Cyclinder 2000 CC Diesel RHD LT deluxe Model. The applicant has informed that above mentioned Customs Clearance Permit has been misplaced/lost. It has further been stated that the original CCP was not registered with any Customs authority and such the value of the CCP has not been utilised at all.

2. In support of her contension, the licensee has filed an affidavit duly sworn before appropriate judicial authority. I am accordingly satisfied that the original CCP No. P/J/3072933 dated 1-8-84 has been lost by the applicant. In exercise of the powers conferred under Sub-Clause 9(cc) of the Import (Control) Order, 1955 dated 7-12-1955 as amended from time to time, the said original CCP No. P/J/3072933 dated 1-8-84 issued to Mrs. Shakuntla Kaura is hereby cancelled.

[F. No. A|K-10|84-85|BLS|3446]

N. S. KRISHNAMURTHY, Dy. Chief Controller of Imports & Exports
for Chief Controller of Imports & Exports

उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

नई दिल्ली, 7 फरवरी, 1985

का०आ० 967.—केन्द्रीय सरकार, सरकारी स्थान (अप्राधिकृत अधिभोगियों की बेदखली), अधिनियम, 1971 (1971 का 40) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, नीचे की सारणी के स्तम्भ (1) में उल्लिखित अधिकारी को, जो सरकार का राजपत्रित अधिकारी है, उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिये, संपदा अधिकारी नियुक्त करती है, जो उक्त सारणी के स्तम्भ (2) में की तत्स्थानी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट सरकारी स्थानों की बाबत अपनी अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के भीतर उक्त अधिनियम द्वारा उसके अधीन संपदा अधिकारी को प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करेगा और उन पर अधिरोपित कर्तव्यों का पालन करेगा।

सारणी

अधिकारी का पदाभिधान	सरकारी स्थानों के प्रवर्ग और अधिकारिता की स्थानीय सीमा
महाप्रबंधक, पांडिचेरी इन्डस्ट्रियल परमोशन डवलपमेंट एण्ड इन्वैस्टमेंट कारपोरेशन पांडिचेरी	पांडिचेरी इन्डस्ट्रियल परमोशन डवलपमेंट एण्ड इन्वैस्टमेंट कारपोरेशन पांडिचेरी के स्वामित्वाधीन/उसके द्वारा अर्जित या किराए पर लिये गये सरकारी स्थसुन।

[फा०सं० एस एस आई (पी) 1-17(1)/84]

आर०बी० अजवानी, अवर सचिव

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

New Delhi, the 7th February, 1985

S.O.—997.—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Public Premises (Eviction of Unauthorised Occupants Act, 1971 (40 of 1971), the Central Government hereby appoints the Officers mentioned in column (1) of the Table below, being gazetted officer of Government, to be Estate Officer for the purpose of the said Act, who shall exercise the powers conferred and perform the duties impose on Estate Officer by or under the said Act within the local limits of his jurisdiction in respect of Public Premises specified in the corresponding entry in the column (2) of the said Table:—

TABLE

Designation of Officer	Category of Public Premises and local limits of jurisdiction
(1)	(2)
General Manager, Pondicherry Industrial, Promotion Development and Investment Corporation, Pondicherry.	Public Premises owned/acquired or hired by the Pondicherry Industrial Promotion Development and Investment Corporation Pondicherry.

[F. No. SSI(P)-17(1)/84]

R.B. AJWANI, Under Secy.

पेट्रोलियम मंत्रालय

नई दिल्ली, 25 फरवरी, 1985

का. आ. 968.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 2112 तारीख 15-6-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने, उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निदेश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

हजीरा से बरेली, से जगदीशपुर तक पाइप लाइन बिछाने के लिए
राज्य :– गुजरात जिला:– बड़ौदा तालुका:– करजन

गांव	सर्वे नं.	हेक्टेयर	एआरई	सेन्टीयर
निशालिया	184	0	25	76
	187	0	07	84
	186	0	32	96
	190	0	06	72
	190 बी	0	05	36
	190 ए	0	07	36
	191	0	10	40
	192	0	08	80
	192/2	0	09	92
	192/1	0	09	28
	193	0	05	60
		0	08	96

[सं. O-12016/43/84/ओ एन जी/डी 4]

MINISTRY OF PETROLEUM

New Delhi, the 25th February, 1985

S.O. 968.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 2112 dated 15-6-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Limited free from encumbrances.

SCHEDULE

Pipeline from Hajira-Bareilly-Jagdishpur

State : Gujarat District : Baroda Taluka : Karjan

Village	Survey No.	Hectare	Are	Centiare
Vishaliya	184	0	25	76
	187	0	07	84
	186	0	32	96
	190	0	06	72
	190/B	0	05	36
	190/A	0	07	36
	191	0	10	40
	192	0	08	80
	192/2	0	09	92
	192/1	0	09	28
	193	0	05	60
	Cart track	0	08	96

[No. O-12016/43/84/ONG-GP]

का. आ. 969.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 2106 तारीख 14.6.74 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में, सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

हजीरा से बरेली से जगदीशपुर तक पाइप लाइन बिछाने के लिए

राज्य— गुजरात जिला— बड़ोदा तालुका— करजण

गांव	कोकण	हेक्टयर	आर	सेन्टीयर
1	2	3	4	5
वेमार	266	0	05	60
	267	0	21	76
	268	0	23	20
	269	0	07	36
	282	0	15	04
	295	0	00	96
	296	0	34	56
	297	0	37	76
	306	0	28	64
	305	0	22	08
	304	0	00	08
	311	0	12	32
	312	0	25	12
	361	0	05	44
	362	0	41	44
	364	0	20	32
	371	0	11	04
	356	0	01	12
	357	0	30	56
	349	0	35	36
	355	0	00	16
	422	0	28	64
	419पी	0	06	56
	421	0	43	52
	423	0	03	20
	457	0	34	24
	458	0	04	16
	459	0	44	80
	456	0	00	32
	462	0	01	12
	463	0	07	52
	464	0	13	60
	465	0	07	36
	466	0	44	32
	467	0	15	36

[सं. O-12016/46/84-ओ एन जी-डी 4]

S.O. 969.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of petroleum S. O. 2106 dated 14-6-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (I) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Limited free from encumbrances.

SCHEDULE

Pipeline from Hajira-Bareilly-Jagdispur

State : Gujarat District : Baroda Taluka : Karjan

Village	Block No.	Hectare	Are	Centiare
1	2	3	4	5
Vemar	266	0	05	60
	267	0	21	76
	268	0	23	20
	269	0	07	36
	282	0	15	04
	295	0	00	96
	296	0	34	56
	297	0	37	76
	306	0	28	64
	305	0	22	08
	304	0	00	08
	311	0	12	32
	312	0	25	12
	361	0	05	44
	362	0	41	44
	364	0	20	32
	371	0	11	04
	356	0	01	12
	357	0	30	56
	349	0	35	36
	355	0	00	16
	422	0	28	64
	419/P	0	06	56
	421	0	43	52
	423	0	03	20
	457	0	34	24
	458	0	04	16
	459	0	44	80
	456	0	00	32
	462	0	01	12
	463	0	07	52
	464	0	13	60
	465	0	07	36
	466	0	44	32
	467	0	15	36

[No. O-12016/46/84-ONG-DG]

का. आ. 970.— यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 3722 तारीख 30-10-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइन को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उक्त धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय भारत गैस प्राधिकरण में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख से निहित होगा।

अनुसूची

विजयपुर (म. प्र.) से सवाई माधोपुर (राज.) तक पाइप लाईन बिछाने के लिए

राज्य राजस्थान जिला कोटा तहसील— बांरा

गांव	खसरा नं.	हेक्टर	आर	सेन्टीआर
कल्याणपुरा	18	0	21	80
	72	0	06	50
	70	0	19	50
	74	0	38	70
	16	0	00	60
	163	0	01	50
	162	0	60	00
	212	0	55	20
	205	0	27	30
	211	0	28	50
	214	0	53	70
	224	0	15	60
	215	0	10	20
	309	0	22	20
	306	0	49	20
	313	0	42	90
	134	0	04	80
	17	0	01	40
	19	0	09	60
	71	0	16	70
	73	0	15	30
	206	0	12	60
	308	0	03	30

[स. O-14016/212/84-जी पी]

S.O. 970.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S. O. 3722 dated 30-10-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of user in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the land specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipelines;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, threfore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests from this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India free from encumbrances.

SCHEDULE

Pipeline from Vijai Pur (M.P.) to Sawai Madhopur (Raj.)

State : Rajasthan District Kota Tehsil : Baran

Village	Survey No.	Hectare	Are	Centiare
Kalyanpura	18	0	21	80
	72	0	06	50
	70	0	19	50
	74	0	38	70
	16	0	00	60
	163	0	01	50
	162	0	60	00
	212	0	55	20
	205	0	27	30
	211	0	28	50
	214	0	53	70
	224	0	15	60
	215	0	10	20
	309	0	22	20
	306	0	49	20
	313	0	42	90
	134	0	04	80
	17	0	01	40
	19	0	09	60
	71	0	16	70
	73	0	15	30
	206	0	12	60
	308	0	03	30

[No. O-14016/212/84-GP]

का. आ. 971:— यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. 5450 स. तारीख 3-11-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि० में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख से निहित होगा।

अनुसूची

हजीरा बरेली-जगदीशपुर पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं.	लिया गया रकबा	विवरण
1	2	3	1	5	6	7
कानपुर शहर	कानपुर शहर	कानपुर शहर	अहिरवां	675	0-9-4	
				696	0-11-8	
				697	0-1-15	
				698	0-8-0	
				701	0-17-10	
				702	0-8-0	
				712	0-2-5	
				713	0-2-4	
				714	0-10-0	
				717	0-11-6	
				718	0-2-0	
				719	0-6-0	
				726	0-16-00	
				728	0-11-5	
				729	0-17-0	
				763	0-6-10	
				764	0-4-16	
				765	0-6-10	
				787	0-2-16	
				818	0-15-0	
				819	0-3-0	
				823	0-18-18	
				828	0-5-0	
				829	0-10-11	
				838	0-15-0	
				843	0-10-14	
				844	0-10-0	
				851	0-15-0	
				852	0-1-0	
				855	0-13-2	
				948	0-10-0	
				949	0-1-10	
				974	0-2-10	
				975	0-8-0	
				980	0-18-0	
				981	0-3-4	
				982	0-4-0	
				983	0-1-12	
				984	0-4-1	

1	2	3	4	5	6	7
				985	0-10-0	
				986	0-2-0	
				987	0-4-1	
				988	0-1-0	
				989	0-2-11	
				990	0-9-0	
				993	0-2-0	
				999	0-4-16	
				1001	0-3-16	
				1420	0-4-16	
				1421	0-17-00	
				1422	0-17-0	
				973	0-0-16	
				979	0-3-12	
				1423	0-0-0	
				1424	0-9-0	
				1425	0-4-16	
				1426	0-14-15	
				1428	0-2-16	
				1429	0-14-16	
				1432	0-15-0	
				1433	0-0-16	
				1440	0-14-17	
				1441	0-3-6	
				1455	0-3-5	
				1456	0-19-15	
				1457	0-14-0	
				1458	0-00-10	
				1459	0-9-0	
				1460	1-4-0	
				1461	0-4-0	
				1475	0-18-0	
				1476	0-3-7	
				1477	0-1-0	
				1478	0-6-0	
				1479	0-5-2	
				1480	0-15-0	
				1045	0-6-10	
				1046	0-2-8	
				1047	0-6-10	
				692	0-1-10	

[सं. O—14016/116/85-जी पी]

S.O. 971.—Whereas notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 3450 dated 3-11-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land, Act 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Limited free from encumbrances.

SCHEDULE

Hajira Bareily Jagdishpur Pipeline Project.

Distt.	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area Acquired	Remarks
1	2	3	4	5	6	7
Kanpur City	Kanpur City	Kanpur City	Ahirwa	675	0-9-4	
				696	0-14-8	
				697	0-1-15	
				698	0-8-0	
				701	0-17-10	
				702	0-8-0	
				712	0-2-5	
				713	0-2-4	
				714	0-10-0	
				717	0-11-6	
				718	0-2-0	
				719	0-6-0	
				726	0-16-00	
				728	0-11-5	
				729	0-17-0	
				763	0-6-10	
				764	0-4-16	
				765	0-6-10	
				787	0-2-16	
				818	0-15-0	
				819	0-3-0	
				823	0-18-18	
				828	0-5-0	
				829	0-10-11	
				838	0-15-0	
				843	0-10-14	
				844	0-10-0	
				851	0-15-0	
				852	0-1-0	
				855	0-13-2	
				948	0-10-0	
				949	0-1-10	
				974	0-2-10	
				975	0-8-0	
				980	0-18-0	
				981	0-3-4	
				982	0-4-0	
				983	0-1-12	
				984	0-4-1	
				985	0-10-0	
				986	0-2-0	
				987	0-4-1	
				988	0-1-0	
				989	0-2-11	
				990	0-9-0	
				993	0-2-0	
				999	0-4-16	
				1001	0-3-16	
				1420	0-1-16	

1	2	3	4	5	6	7
				1421	0-17-00	
				1422	0-17-0	
				976	0-0-16	
				979	0-3-12	
				1423	0-0-0	
				1424	0-9-0	
				1425	0-4-16	
				1426	0-14-15	
				1428	0-2-16	
				1429	0-14-16	
				1432	0-15-0	
				1433	0-0-16	
				1440	0-14-17	
				1441	0-3-6	
				1455	0-3-5	
				1456	0-19-15	
				1457	0-14-0	
				1458	0-00-10	
				1459	0-9-0	
				1460	1-4-0	
				1461	0-4-0	
				1475	0-18-0	
				1476	0-3-7	
				1477	0-1-0	
				1478	0-6-0	
				1479	0-5-2	
				1480	0-15-0	
				1045	0-6-10	
				1046	0-2-8	
				1047	0-6-10	
				692	0-1-10	

[No. O-14016/116/85-GP]

का. आ. 972—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962, (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. 3693 तारीख 17-11-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाईन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

हाजिरा बरेली जगदीशपुर पाइपलाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	परगना	ग्राम का नाम	गाटा सं.	लिया गया विवरण रकबा	
1	2	3	4	5	6	7
कानपुर शहर	कानपुर शहर	कानपुर शहर	बिल्होर	308	2-1-13	
				309	0-11-12	
				316	2-13-19	
				317	2-19-16	
				319	2-0-6	
				320	2-2-18	
				431	2-2-0	
				432	3-4-0	
				378	1-5-13	
				175	0-16-5	
				177	0-0-10	
				380	0-0-10	
				647	0-15-2	
				377	0-0-5	
				382	0-0-5	
				1526	1-12-16	
				775	0-8-2	
				390	0-0-5	
				389	0-0-5	
				1234	0-8-3	
				247	0-14-19	
				404	0-0-10	
				403	0-0-7	
				10	0-4-6	
				114	0-10-0	
				730	0-16-10	
				480	0-2-0	
				818	0-3-18	
				46	0-16-5	
				345	0-3-9	
				1297	1-10-17	
				825 885 886 887	1-2-15	
				826	0-8-0	
				157	0-17-0	
				1081	0-3-12	
				797	0-12-0	
				1520	1-2-2	
				1635	0-2-10	
				584	0-16-0	
				1778	0-15-16	
				1243	0-17-18	
				361	0-1-0	
				1583	1-5-0	
				1792	0-15-0	
				952	0-1-0	
				367	0-3-0	

1	2	3	4	5	6	7
				31	0-16-5	
				1051	0-5-0	
				1050	0-1-0	
				1140	0-12-0	
				1818	0-10-16	
				1846	0-2-18	
				1340	0-9-5	
				279	1-2-19	
				1823	0-3-7	
				1694	0-3-12	
				1210	2-11-5	
				1249	0-1-12	
				1788	0-4-14	
				1248	1-15-8	
				1786	0-9-0	

[सं. O-14016/117/85-जी पी]

S.O. 972.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S. O. 3693 dated 17-11-84 under sub-section (I) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipeline (Acquisition of Right of User in Land, Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India free from encumbrances.

SCHEDULE

Hajira Bareily Jagdish pur Pipeline Project.

Distt.	Tehsil	Pargana	Vill.	Plot No.	Area Acquired	Re-marks
1	2	3	4	5	6	7
Kanpur City	Kanpur City	Kanpur	Binnore.	308	2-1-13	
				309	0-11-12	
				316	2-13-19	
				317	2-19-16	
				319	2-0-6	
				320	2-2-18	
				431	2-2-0	
				432	3-4-0	
				378	1-5-13	
				175	0-16-5	
				177	0-0-10	
				380	0-0-10	
				647	0-15-2	
				377	0-0-5	
				382	0-0-5	
				1526	1-12-16	
				775	0-8-2	
				390	0-0-5	
				389	0-0-5	
				1234	0-8-3	
				247	0-14-19	
				404	0-0-10	
				403	0-0-7	
				10	0-4-6	
				114	0-10-0	
				730	0-16-10	
				480	0-2-0	
				818	0-3-18	
				46	0-16-5	
				345	0-3-9	
				1297	0-10-17	
				825 885 886 887	1-2-15	
				826	0-8-0	
				157	0-17-0	
				1081	0-3-12	
				797	0-12-0	
				1520	1-2-2	
				1635	0-2-10	
				584	0-15-0	
				1778	0-15-16	
				1243	0-17-18	
				361	0-1-0	
				1583	1-5-0	
				1792	0-15-0	
				952	0-1-0	
				357	0-3-0	
				31	0-16-5	
				1051	0-5-0	
				1050	0-1-0	
				1140	0-12-0	
				1818	0-10-16	
				1846	0-2-18	
				1340	0-9-5	
				279	1-2-19	
				1823	0-3-7	
				1694	0-3-12	
				1210	2-11-5	
				1249	0-1-12	
				1788	0-4-14	
				1248	1-15-8	
				1786	0-9-0	

[No. O-14016/117/85-GP]

का. आ. 973.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. 3449 तारीख 3-11-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाईन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

हाजिरा बरेली जगदीशपुर पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं.	लिया गया रकबा	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
कानपुर शहर	कानपुर शहर	कानपुर शहर	सेन पश्चिम पारा	1301	0-3-10	
				1302	4-0-0	
				1303	0-1-5	
				1304	0-7-5	
				1305	1-2-0	
				1306	0-0-10	
				1307	0-7-12	
				1308	0-15-12	
				1320	0-5-8	
				1347	0-13-0	
				1348	1-4-7	
				1350	1-1-0	
				1363	0-17-10	
				1365	0-1-0	
				1366	0-18-0	
				1375	0-2-0	
				1379	0-1-16	
				1388	1-5-0	
				1389	1-5-0	
				1390	1-7-0	
				1453	1-17-0	
				1454	0-17-0	
				1455	0-9-10	
				1456	0-1-0	
				1457	0-2-0	
				1462	1-5-0	
				1468	0-8-00	
				1469	0-11-0	
				1470	0-1-6	
				1471	1-6-8	
				1482	0-4-0	
				1483	0-1-0	
				1484	0-11-0	
				1485	1-11-0	

[सं. O-14016/118/85-जी पी]

S.O. 973.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 3449 dated 3-11-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land, Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Limited free from encumbrances.

SCHEDULE

Hajira Barreily Jagdishpur Pipeline Project

Distt.	Tehsil	Pargana	Vill.	Plot No.	Area Acquired	Re-marks
1	2	3	4	5	6	7
Kanpur City	Kanpur City	Kanpur City	Sen Paschim Para	1301	0-3-10	
				1302	4-0-0	
				1303	0-1-5	
				1304	0-7-5	
				1305	1-2-0	
				1306	0-0-10	
				1307	0-7-12	
				1308	0-15-12	
				1320	0-5-8	
				1347	0-13-0	
				1348	1-4-7	
				1350	1-1-0	
				1363	0-17-10	
				1365	0-1-0	
				1366	0-18-0	
				1375	0-2-0	
				1379	0-1-16	
				1388	1-5-0	
				1389	0-8-0	
				1390	1-7-0	
				1453	1-17-0	
				1454	0-17-0	
				1455	0-9-10	
				1456	0-1-0	
				1457	0-2-0	
				1462	1-5-0	
				1468	0-8-00	
				1469	0-11-0	
				1470	0-1-6	
				1471	1-6-8	
				1482	0-4-0	
				1483	0-1-0	
				1484	0-11-10	
				1485	1-11-0	

[No. O-14016/118/85-GP]

का. आ. 974.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय विभाग की अधिसूचना का.आ. 3451 तारीख 3 नवंबर 1984 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाईपलाईन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि० में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

हाजिरा बरेली जगदीशपुर पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	परगना	ग्राम का नाम	गाटा सं.	लिया गया रकबा	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
कानपुर शहर	कानपुर शहर	कानपुर शहर	कटरी जाना	46	3-17-0	
				47	1-6-0	
				48	0-15-0	

[सं. O-14016/119/85-जीपी]

S.O. 974.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 3451 dated 3-11-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land, Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Limited free from encumbrances.

SCHEDULE

Hajira Barriely Jagdishpur Pipeline Project.

Distt.	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Acquired Area	Remarks
1	2	3	4	5	6	7
Kanpur City	Kanpur City	Kanpur City	Katri Jan	46	3-17-0	
				47	1-6-0	
				48	0-15-0	

[No. O-14016/119/85-G P]

का. आ. 975.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. 3694 तारीख 17 नवम्बर 1984 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाईन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा:

अनुसूची

हाजिरा बरेली जगदीशपुर पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं.	लिया गया रकबा	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
कानपुर शहर	कानपुर शहर	कानपुर शहर	मवईया	281/3	1-2-0	
				294	0-1-10	
				295	0-13-0	
				296	0-2-0	
				297	0-17-0	
				298	0-1-15	
				299	0-0-10	
				300	0-19-0	
				301	0-3-0	
				316	0-1-0	
				319	0-1-0	
				320	0-8-0	

1	2	3	4	5	6	7
मवईया				321	1-1-0	
				323	0-1-0	
				328/1	1-10-0	
				329/1	0-2-0	
				330	0-19-1	
				331	0-9-0	
				332	0-6-10	
				333	3-6-10	
				459	0-1-0	
				472	0-1-10	
				592	1-2-10	
				593	1-0-0	
				595	0-11-0	
				596	1-18-0	
				598	1-4-0	
				631	0-1-0	
				633/1	0-13-15	
				634/1	0-15-5	
				635/1	0-1-0	
				636	0-6-10	
				642	0-0-10	
				643	0-0-10	
				645	0-17-0	
				646	0-12-0	
				647	0-0-10	
				649	1-0-0	
				650	0-7-5	
				654	0-1-0	
				1206/1	0-10-0	
				1206/3	0-18-0	
				1207	0-6-10	
				1203	0-7-15	
				1209	0-5-0	
				1227	0-4-0	
				1228/1	0-6-5	
				1228/2	0-9-0	
				1229	0-6-10	
				1426	0-1-0	
				1427	0-16-0	
				1429	0-2-0	
				1430	0-8-0	
				1431	0-11-15	
				1432	0-3-0	
				1433	0-5-0	
				1483	0-5-15	
				1483	0-3-0	
				1484	0-6-0	
				1485	0-2-10	
				1495	0-0-10	
				1498	0-0-10	
				1499	0-1-15	
				1500	0-8-5	
				1501	0-6-0	
				1509	0-8-0	
				1510	0-12-10	
				1511	0-7-5	
				1512	0-1-15	
				1514	0-3-05	
				1518	0-2-0	
				1516	0-2-10	
				1519	0-2-15	
				1544	0-2-15	
				1502	0-1-5	
				1564	0-7-10	
				1528	0-12-0	
				1465	0-5-0	
				1466	0-5-10	
				1520	0-0-10	
				1467	0-0-10	
				1482	0-2-10	
				1546	0-0-10	
				632	0-14-0	

[सं. O—14016/120/85-जी पी]

S.O. 975.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 3694 dated 17-11-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipeline (Acquisition of Right of User in Land, Act, 1962 (50 of 1962); the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquire for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Limited free from encumbrances.

SCHEDULE

Hajira Bareilly Jagdishpur Pipeline Project.

Distt.	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Acquired Area	Remarks
Kan-pur City	Kan-pur City	Kan-pur City	Maviya	281/3	1-2-0	
				294	0-1-10	
				295	0-13-0	
				296	0-2-0	
				297	0-17-0	
				298	0-1-15	
				299	0-0-10	
				300	0-19-0	

	5	6	7
Maivya	301	0-3-0	
	316	0-1-0	
	319	0-1-0	
	320	0-8-0	
	321	1-1-0	
	323	0-1-0	
	328/1	1-10-0	
	329/1	0-2-0	
	330	0-19-1	
	331	0-9-0	
	332	0-6-10	
	333	0-0-10	
	459	0-1-0	
	472	0-1-10	
	592	1-2-10	
	593	1-0-0	
	595	0-11-0	
	596	1-18-0	
	598	1-4-0	
	631	0-1-0	
	633/1	0-13-15	
	634/1	0-15-5	
	635/1	0-1-0	
	636	0-6-10	
	642	0-0-10	
	643	0-0-10	
	645	0-17-0	
	646	0-12-0	
	647	0-0-10	
	649	1-0-0	
	650	0-7-5	
	654	0-1-0	
	1206/1	0-10-0	
	1206/3	0-18-0	
	1207	0-6-10	
	1208	0-7-15	
	1209	0-5-0	
	1227	0-4-0	
	1228/1	0-6-5	
	1228/2	0-9-0	
	1229	0-6-10	
	1426	0-1-0	
	1427	0-16-0	
	1429	0-2-0	
	1430	0-8-0	
	1431	0-11-15	
	1432	0-3-0	
	1433	0-5-0	
	1483	0-5-15	
	1483	0-3-0	
	1484	0-6-0	
	1485	0-2-10	
	1495	0-0-10	
	1498	0-0-10	
	1499	0-1-15	
	1500	0-8-5	
	1501	0-6-0	
	1509	0-8-0	
	1510	0-12-10	
	1511	0-7-5	
	1512	0-1-15	
	1514	0-3-05	
	1518	0-2-0	
	1516	0-2-0	
	1519	0-2-15	
	1544	0-2-15	
	1502	0-1-5	
	1564	0-7-10	
	1528	0-12-0	
	1465	0-5-0	
	1466	0-5-10	
	1520	0-0-10	
	1467	0-0-10	
	1482	0-2-10	
	1546	0-0-10	
	632	0-14-0	

[No. O-14016/120/85- GP]

का०आ० 976:—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली-जगदीशपुर तक पैट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइप लाइन तेल तथा भारतीय गैस प्राधिकरण लि० द्वारा बिछाई जानी चाहिये।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाईनों को बिछाने का प्रयोजन के लिये एतदुपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पैट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिये आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग बी-58 बी, अलीगंज, लखनऊ-226020 यू०पी० को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टता यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

हाजिरा-बरेली-जगदीशपुर गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जनपद	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं	रकबा	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
बदायूं	दातागंज	सलेमपुर	रसूलपुर	193	0 0 18	

[सं O-14016/97/85-जी० पी०]

S.O. 976.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajra-Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Limited;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition if Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority Oil & Natural Gas Commission, H.B.J. Pipeline Project B-38/B, Aliganj Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

Hazira-Bareilly-Jagdishpur Gas Pipeline Project.

Distt.	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Acquired Area	Remarks
1	2	3	4	4	6	7
Badaun	Data-ganj	Salem-pur	Rasul-pur	193	0-0-18	

[No. O-14016/97/85-GP]

का०आ० 977.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि राजस्थान राज्य में बिजयपुर (म०प्र०) से सवाई माधोपुर तक पैट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइप लाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि० द्वारा बिछाई जानी चाहिये।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतदुपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पैट्रोलियम और खनिज पाइन लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि मे हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइन लाइन बिछाने के लिये आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग, सी एण्ड एम प्रभाग, एच०बी०जे० गैस पाइप लाइन परियोजना 49, इन्द्रा कालोनी, सवाई माधोपुर की इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि वह क्या यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप मे हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

बिजयपुर (म०प्र०) से सवाई माधोपुर (राज०) तक पाईप लाईन बिछाने के लिये राज्य : राजस्थान जिला : कोटा तहसील : छबड़ा

गांव	खसरा नं	हैक्टर	आर	सेन्टीआर
बटावदा पार	533	1	22	95
	534	0	35	05
	524	0	31	96
	525	0	06	95
	521	0	24	95
	543	0	02	08
	542	0	15	83
	567	0	03	35
	568	0	29	48
	569	0	07	73
	570	0	11	57
	619	0	15	44
	618	0	02	82
	615	0	03	71
	572	0	15	00
	574	0	02	97
	603	0	17	23
	602	0	18	71
	600	0	24	23
	596	0	01	10
	597	0	20	15
	771	0	18	71
	773	0	18	71
	802	0	02	08
	832	0	20	15
	834	0	10	40
	833	0	04	44
	846	0	10	40
	844	0	27	92
	871	0	01	27
	870	0	29	63
	874	0	11	70
	907	0	09	68
	906	0	37	27
	904	0	19	60
	912	0	35	17
	917	0	36	83
	916	0	03	41
	930	0	06	05
	950	0	58	51
	913	0	01	66
	848	0	04	02
	929	0	39	09
	850	0	00	78
	598	0	01	53
	599	0	00	39
	595	0	00	08
	600/972	0	00	04
	541	0	02	88

[सं० O-14016/98/85-जी पी]

S.O. 977.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Bijaipur (M.P.) to Sawai Madhopur in Rajasthan State pipeline should be laid by the Gas Authority of India Limited;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, H.B.J. Gas Pipeline Project, 49, Indra Colony, Sawai Madhopur.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

Pipeline from Bijaipur (M.P.) to Sawai Madhopur (Raj.)

State : Rajasthan District : Kota Tehsil : Chabra

Village	Survey No.	Hectare	Are	Centiare
Batawada Par	533	1	22	95
	534	0	35	05
	524	0	31	96
	525	0	06	95
	521	0	24	95
	543	0	02	08
	542	0	15	83
	567	0	03	35
	568	0	29	48
	569	0	07	73
	570	0	11	57
	619	0	15	44
	618	0	02	82
	615	0	03	71
	572	0	15	00
	574	0	02	97
	603	0	17	23
	602	0	18	71
	600	0	24	23
	596	0	01	10
	597	0	20	15
	771	0	18	71
	773	0	18	71
	802	0	02	08
	832	0	20	15
	834	0	10	40
	833	0	04	44
	846	0	10	40
	844	0	27	92
	871	0	01	27
	870	0	29	63
	874	0	11	70
	907	0	09	68
	906	0	37	27
	904	0	19	60
	912	0	35	17
	917	0	36	83
	916	0	03	41
	930	0	06	05
	950	0	58	51
	913	0	01	66
	848	0	04	02
	929	0	39	09
	850	0	00	78
	598	0	01	53
	599	0	00	39
	595	0	00	08
	600/972	0	00	04
	541	0	02	88

[No. 0-14016/98/85-GP]

का० आ० 978.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि राजस्थान राज्य में बिजयपुर म० प्र० से सवाई माधोपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप लाइन बिछाई जानी चाहिए ।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाईनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतदुपावद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः अब पैट्रोलियम और खनिज पाईप लाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाईप लाईन बिछाने के लिये आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग, सी एण्ड एम प्रभाग, एच बी जे गैस पाईप लाईन परियोजना 49, इन्द्रा कालोनी, सवाई माधोपुर की इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुसूची

बिजयपुर (म०प्र०) से सवाई माधोपुर (राज०) तक पाइप लाइन बिछाने के लिये

राज्य : राजस्थान जिला : कोटा तहसील : छाबड़ा

गांव	खसरा नं	हैक्टर	आर	सेन्टीआर
भूलोन	3	0	11	72
	4	0	55	85
	5	0	01	18
	16	0	13	07
	15	0	22	57
	13	0	31	04
	10	0	26	73
	9	0	31	96
	112	0	04	01
	113	0	22	54
	109	0	07	41
	114	0	14	89
	108	0	07	42
	125	0	39	20
	152	0	32	37
	153	0	02	38
	156	0	38	01
	163	0	03	05
	162	0	14	85
	164	0	26	14
	202	0	01	08
	166	0	18	71
	198	0	02	97
	207	0	23	46
	205	0	03	71
	204	0	10	69
	203	0	26	24
	211	0	09	50
	212	0	02	98
	214	0	00	06
	216	0	24	56
	218	0	31	63

1	2	3	4	5
भूलोन जारी—	219	0	02	97
	220	0	14	11
	212/607	0	13	19
	6	0	23	76
	208	0	01	04
	108/575	0	01	02
	108/576	0	09	80
	125/579	0	24	21

[सं O-14016/99/85-जी०पी०]

S.O. 978.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Bijaipur (M.P.) to Sawai Madhopur in Rajasthan State pipeline should be laid by the Gas Authority of India Limited;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore in exercise of the powers conferred by subsection (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, H. B. J. Gas Pipeline Project, 49, Indra Colony, Sawai Madhopur;

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

Pipeline from Bijaipur (M.P.) to Sawai Madhopur (Raj.)

State : Rajasthan District : Kota Tehsil : Chabra

Village	Survey No.	Hectare	Are	Centiare
1	2	3	4	5
Bhuloan	3	0	11	72
	4	0	55	85
	5	0	01	18
	16	0	13	07
	15	0	22	57
	13	0	31	04
	10	0	26	73
	9	0	31	96
	112	0	04	01
	113	0	22	54
	109	0	07	41
	114	0	14	89
	108	0	07	42
	125	0	39	20
	152	0	32	37
	153	0	02	38
	156	0	38	01
	163	0	05	05
	162	0	14	85
	164	0	26	14
	198	0	02	97
Bhuloan—Contd.	207	0	23	46
	205	0	03	71
	204	0	10	69
	203	0	26	24
	211	0	09	50
	212	0	02	98
	214	0	00	06
	216	0	34	56
	218	0	31	63
	219	0	02	97
	220	0	14	11
	212/607	0	13	19
	6	0	23	76
	208	0	01	04
	108/575	0	01	02
	108/576	0	09	80
	125/579	0	24	21
	202	0	01	08
	166	0	18	71

[No. O-14016/99/85-GP]

का०आ० 979.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि राजस्थान राज्य में बिजयपुर (म०प्र०) से सवाई माधोपुर तक पैट्रोलियम के परिवहन, के लिये पाईप लाईन भारतीय गैस प्राधिकरण लि०, द्वारा बिछाई जानी चाहिये।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाईनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्पाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ;

अतः अब पैट्रोलियम और खनिज पाईप लाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 [1962 का 50] की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है :

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाईप लाईन बिछाने के लिये आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग, सी० एण्ड एम प्रभाग, एच०बी०जे० गैस पाईप लाईन परियोजना 49, इन्द्रा कालोनी, सवाई माधोपुर को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा ;

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि वह यह क्या चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

बिजयपुर (म०प्र०) से सवाई माधोपुर (राज०) तक पाईप लाईन बिछाने के लिये राज्य राजस्थान जिला कोटा तहसील छबड़ा

गांव	खसरा नं	हैक्टर	आर सेन्ट आर
1	2	3	4 5
बायखा	599/770	0	05 68
	599	0	28 31
	602	0	28 81
	609	0	01 65
	610	0	06 07
	611	0	23 16
	612	0	04 16
	613	0	53 16

1	2	3	4	5
बाबचा-जारी	614	0	16	63
	615	0	09	80
	616	0	49	01
	638	1	34	24
	639	0	42	47
	640	0	02	67
	641	1	89	79
	681	0	32	97
	682	0	34	70
	685	1	03	07
	686	0	00	04
	692	0	01	10
	69/853	0	14	12
	693	0	46	71
	694	1	20	73
	607	0	02	23
	608	0	28	07
	600	0	00	16

[सं० O-14016/100/85-जी०पी०]

S.O. 979.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Bijaipur (M.P.) to Sawai Madhopur in Rajasthan State pipeline should be laid by the Gas Authority of India Limited;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, H. B. J. Gas Pipeline Project, 49, Indra Colony, Sawai Madhopur

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

Pipeline from Bijaipur (M.P.) to Sawai Madhopur (Raj.)

State : Rajasthan District : Kota Tehsil : Chabra

Village	Survey No.	Hectare	Are	Centiare
1	2	3	4	5
BABCHA	599/770	0	05	6
	599	0	28	31
	602	0	28	81
	609	0	09	65
	610	0	06	07
	611	0	23	16
	612	0	04	16
	613	0	53	16
	614	0	16	63
	615	0	09	80
	616	0	49	01
	638	1	34	24
	639	0	42	47
	640	0	02	67
	641	1	89	79
BABCHA-Contd	681	0	32	97
	682	1	34	70
	685	0	03	07
	686	0	00	04
	692	0	01	10
	693/850	0	14	12
	693	0	46	71
	694	1	20	73
	607	0	02	23
	608	0	28	07
	600	0	00	16

[No. O-14016/100/85-GP]

का० आ० 980.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि राजस्थान राज्य में बिजयपुर (म०प्र०) से सवाई माधोपुर तक पैट्रोलियम के परिवहन के लिये पाईप लाईन भारतीय गैस प्राधिकरण द्वारा बिछाई जानी चाहिये ;

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाईनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्पाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ;

अतः अब पैट्रोलियम और खनिज पाईप लाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 [1962 का 50] की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ;

अशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाईप लाईन बिछाने के लिये आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग, सी. एण्ड एम प्रभाग, एच बी जे गैस पाईप लाईन परियोजना 49 इन्द्रा कालोनी, सवाई माधोपुर को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा ;

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतया यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुसूची

बिजयपुर (म.प्र.) से सवाई माधोपुर (राज.) तक पाईप लाईन बिछाने के लिए राज्य राजस्थान जिला कोटा तहसील छबड़ा

गांव	खसरा नं.	हैक्टर	आर	सेन्ट-आर
1	2	3	4	5
छबड़ा खास	59	0	45	44
	60	0	05	05
	48	0	34	90
	49	0	01	33
	44	0	06	90
	43	0	22	50
	42	0	02	97
	27	0	08	02
	26	0	57	62
	104	0	14	26
	30	0	14	55
	105	0	01	78
	106	0	08	02
	51	0	00	04
	102	0	19	60
	101	0	27	41
	99	0	04	67

1	2	3	4	5
छाबड़ा खास—जारी	97	0	34	61
	94	0	04	74
	95	0	39	84
	165	0	04	16
	164	0	17	52
	162	0	94	15
	168	0	16	63
	169	0	90	29
	157	0	14	85
	156	0	29	70
	619	0	27	32
	620	0	60	75
	618	0	03	48
	608	0	09	06
	708	0	03	56
	709	0	38	02
	710	0	04	90
	712	0	66	84
	713	0	06	37
	721	0	18	48
	715	0	47	92
	720	0	21	42
	727	0	92	37
	690	0	06	00
	688	0	05	59
	719	0	07	89
	170	0	02	82
	605	0	02	52
	607	0	02	74
	722	0	00	47
	728	0	16	04
	50	0	33	53
	92	0	03	53
	158	0	07	28
	604	0	00	16
	729	0	02	37
	716	0	03	61

[सं. ओ-14016/101/85-जी.पी.]

S.O. 980.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Bijaipur (M.P.) to Sawai Madhopur in Rajasthan State pipeline should be laid by the Gas Authority of India Limited;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction and Maintenance Division, H.B.J. Gas Pipeline Project, 49, Indra Colony, Sawai Madhopur;

And every person making such an objection shall also state specically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

Pipeline from Bijaipur (M.P.) to Sawai Madhopur (Raj.)

State : Rajasthan District : Kota Tehsil : Chabra

Village	Survey No.	Hectare	Are	Centiare
Chabra Khas	59	0	45	44
	60	0	05	05
	48	0	34	90
	49	0	01	33
	44	0	06	90
	43	0	22	50
	42	0	02	97
	27	0	08	02
	26	0	57	62
	104	0	14	26
	30	0	14	55
	105	0	01	78
	106	0	08	02
	51	0	00	04
	102	0	19	60
	101	0	27	41
	99	0	04	67
	97	0	34	61
	94	0	04	74
	95	0	39	84
	165	0	04	16
	164	0	17	52
	162	0	94	15
	168	0	16	63
	169	0	90	29
	157	0	14	85
	156	0	29	70
	619	0	27	32
	620	0	60	75
	618	0	03	48
	608	0	09	06
	708	0	03	56
	709	0	38	02
	710	0	04	90
	712	0	66	84
	713	0	06	37
	721	0	18	48
	715	0	47	92
	720	0	21	42
	727	0	92	37
	690	0	06	00
	688	0	05	59
	719	0	07	89
	170	0	02	82
	605		02	52
	607	0	02	74
	722	0	00	47
	728	0	16	04
	50	0	33	53
	92	0	03	53
	158	0	07	28
	604	0	00	16
	729	0	02	37
	716	0	03	61

[No. O-14016/101/85-GP]

का०आ० 981.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि राजस्थान राज्य में बिजयपुर (म० प्र०) से सवाई माधोपुर तक पैट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइप लाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि० द्वारा बिछाई जानिये

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्‌पाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ;

अतः अब पैट्रोलियम और खनिज पाईप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्‌द्वारा घोषित किया है ;

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिये आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग, सी एण्ड एम प्रभाग, एच० बी० जे० गैस पाइप लाइन परियोजना 49, इन्द्रा कालोनी, सवाई माधोपुर को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा ;

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतया यह कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुसूची

बिजयपुर (म०प्र०) से सवाई माधो पुर (राज०) तक पाईप लाइन बिछाने के लिये राज्य : राजस्थान जिला : कोटा तहसील : छबड़ा

गांव	खसरा नं०	हैक्टर	आर	सेन्टीआर
1	2	3	4	5
शकूरपुरा उर्फ मोतीपुरा	2	0	15	47
	6	0	13	51
	7	0	21	98
	11	0	26	14
	10	0	21	98
	14	0	17	82
	50	0	05	94
	15	0	15	44
	18	0	16	04
	19	0	14	26
	23	0	46	33
	22	0	10	69
	46	0	17	82
	45	0	34	90
	54	0	36	83
	56	0	47	22
	55	0	03	46
	60	0	12	62
	62	0	25	90
	61	0	02	88
	64	0	05	44
	65	0	00	24
	79	0	05	88
	135	0	00	53
	134	0	00	98
	132	0	20	05
	123	0	00	35
	131	0	26	73

1	2	3	4	5
शकूरपुरा उर्फ मोतीपुरा —जारी	129	0	01	92
	128	0	08	91
	176	0	16	93
	173	0	20	80
	168	0	12	77
	170	0	00	98
	207	0	08	59
	206	0	45	68
	203	0	01	88
	216	0	10	69
	217	0	11	58
	218/266	0	10	99
	218	0	30	75
	205	0	07	39
	204	0	08	92
	174	0	00	35
	213	0	01	02
	169	0	03	14
	3	0	04	88

[सं० O-14016/102/85-जी०पी०]

S.O. 981.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Bijaipur (M.P.) to Sawai Madhopur in Rajasthan State pipeline should be laid by the Gas Authority of India Limited;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein:

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, H.B.J. Gas Pipeline Project, 49, Indra Colony, Sawai Madhopur;

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

Pipeline from Bijaipur (M.P.) to Sawai Madhopur (Raj.)

State : Rajasthan District : Kota Tehsil : Chabra

Village	Survey No.	Hectare	Are	Centiare
1	2	3	4	5
Shakur Pura Alias Moti Pura	2	0	15	47
	6	0	13	51
	7	0	21	98
	11	0	26	14
	10	0	21	98
	14	0	17	82
	50	0	05	94
	15	0	15	44
	18	0	16	04
	19	0	14	26
	23	0	46	33

1	2	3	4	5
	22	0	10	69
	46	0	17	82
	45	0	34	90
	54	0	36	83
	56	0	47	22
	55	0	03	46
	60	0	12	62
	62	0	25	90
	61	0	02	88
	64	0	05	44
	65	0	00	24
	79	0	05	88
	135	0	00	53
	134	0	00	98
	132	0	20	05
	133	0	00	35
	131	0	26	73
	129	0	01	93
	128	0	08	91
	176	0	16	93
	173	0	20	80
	168	0	12	77
	170	0	00	98
	207	0	08	59
	206	0	45	68
	203	0	01	88
	216	0	10	69
	217	0	11	58
	218/266	0	10	99
	218	0	30	75
	205	0	07	39
	204	0	08	92
	174	0	00	35
	213	0	01	02
	169	0	03	14
	3	0	04	88

[No. O-14016/102/85-GP]

का०आ० 982.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि राजस्थान राज्य में बिजयपुर (म०प्र० से सवाई माधोपुर तक पैट्रोलियम के परिवहन के लिये पाईप लाईन भारतीय गैस प्राधिकरण लि० द्वारा बिछाई जानी चाहिये ।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतदुपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः अब पैट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि मे उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के पाइप लाइन बिछाने के लिये आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग, सी एण्ड एम प्रभाग, एच०बी०जे० गैस पाइप लाइन परियोजना 49, इन्द्रा कालोनी, सवाई माधोपुर की इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतया यह कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुसूची

बिजयपुर (म०प्र०) से सवाई माधोपुर (राज०) तक पाइप लाइन बिछाने के लिये—

राज्य : राजस्थान	जिला : कोटा	तहसील : छबड़ा		
गांव	खसरा न०	हैक्टर	आर	सेन्टीआर
राहरोन	131	1	27	80
	138/234	0	45	14
	138/206	0	01	08
	138	0	39	78
	146	0	05	40
	147	0	18	40
	148/233	0	00	59
	145	0	09	21
	145/200	0	34	16
	92	0	00	65
	93	0	19	54
	91	0	09	80
	90	0	07	72
	89	0	08	61
	88	0	08	32
	87	0	05	35
	86	0	07	65
	85	0	06	99
	73	0	01	41
	71	0	12	70
	70	0	01	18
	42	0	03	61
	41	0	52	38
	34	0	33	26
	39	0	11	88
	40	0	37	62
	40/223	0	06	41
	40/224	0	00	92
	154	0	00	61
	131/239	0	00	08

[सं० —14016/103/85-जी.पी.]

S.O. 982.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Bijaipur (M.P.) to Sawai Madhopur in Rajasthan State pipeline should be laid by the Authority of India Limited;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore in exercise of the powers conferred by subsection (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction and Maintenance Division, H.B.J. Gas Pipeline Project, 49, Indra Colony, Sawai Madhopur;

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

Pipeline from Bijaipur (M.P.) to Sawai Madhopur (Raj.)

tate : Rajasthan District : Kota Tehsil : Chabra

Village	Survey No.	Hec-tare	Are	Cen-tiare
Rahroan	131	1	27	80
	138/234	0	45	14
	138/206	0	01	08
	138	0	39	78
	146	0	05	49
	147	0	18	40
	148/233	0	00	59
	145	0	09	21
	145/200	0	34	16
	92	0	00	65
	93	0	19	54
	91	0	09	80
	90	0	07	72
	89	0	08	61
	88	0	08	32
	87	0	05	35
	86	0	07	65
	85	0	06	99
	73	0	01	41
	71	0	12	70
	70	0	01	18
	42	0	03	61
	41	0	52	38
	34	0	33	26
	39	0	11	88
	40	0	37	26
	40/223	0	06	41
	40/224	0	00	96
	154	0	00	12
	131/239	0	00	08

[No. O-14016/103/85-GP]

का. आ. 983:—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि राजस्थान राज्य में बिजयपुर (म. प्र.) से सवाई माधोपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप लाइन तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए ।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतदुपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग, सी एण्ड एम प्रभाग, एच. बी. जे. गैस पाइप लाइन परियोजना, 49, इन्द्रा कालोनी, सवाई माधोपुर की इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतया यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुसूची

बिजयपुर (म प्र.) से सवाई माधोपुर (राज.) तक पाइप लाइन बिछाने के लिए

राज्य	राजस्थान	जिला : कोटा	तहसील : चंबला		
	गांव	खसरा नं.	हेक्टर	आर	सेन्टीआर
रीछा		1/229	0	05	05
		1/228	1	17	91
		1	0	24	68
		33	0	34	45
		32	0	34	45
		45	0	16	19
		49	0	31	78
		48	0	00	62
		17	0	72	44
		59	0	29	11
		60	0	06	53
		63	0	34	45
		64	0	15	02
		65	0	04	53
		80	0	08	36
		146	0	08	32
		144/216	0	12	47
		114	0	69	80
		143	0	42	17
		143/221	0	05	35

[सं. ओ.-14016/104/85- जी पी]

S.O. 983.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Bijaipur (M.P.) to Sawai Madhopur in Rajasthan State pipeline should be laid by the Gas Authority of India Limited;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, H.B.J. Gas Pipeline Project, 49, Indra Colony, Sawai Madhopur.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

Pipeline from Bijaipur (M.P.) to Sawai Madhopur (Raj.)

State : Rajasthan District : Kota Tehsil : Chabra

Village	Survey No.	Hectare	Are	Centiare
Rijha	1/229	0	05	05
	1/228	1	17	91
	1	0	24	65
	33	0	34	45
	32	0	34	45
	45	0	16	19
	49	0	31	78
	48	0	00	62
	47	0	72	44
	59	0	29	11
	60	0	06	53
	63	0	34	45
	64	0	15	02
	65	0	04	53
	80	0	08	36
	146	0	08	32
	144/216	0	12	47
	144	0	69	80
	143	0	42	17
	143/221	0	05	35

[No. O-14016/104/85-GP]

का. आ. 984.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि राजस्थान राज्य में बिजयपुर (म. प्र.) से सवाई माधोपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप लाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए ।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतदपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग, सी एण्ड एम प्रभाग, एच. बी. जे. गैस पाइप लाइन परियोजना, 49, इन्द्रा कालोनी, सवाई माधोपुर की इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतया यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुसूची

बिजयपुर (म. प्र.) से सवाई माधोपुर (राज.) तक पाइप लाइन बिछाने के लिए

राज्य : राजस्थान जिला : कोटा तहसील : छबड़ा

गांव	खसरा नं.	हेक्टर	आर	सेन्टीआर
गोडिया मेहर	1	0	04	19
	170	0	03	78
	179	0	37	75
	178	1	12	56
	180/1	0	10	12
	177	1	25	63
	19	0	03	04
	22	0	11	96
	169	0	21	81
	157	0	01	96
	158	0	11	48
	164	0	24	35
	161	0	15	96
	162	0	01	19
	184	0	14	11
	185	0	02	68
	186	0	42	91
	218	0	01	96
	219	0	04	82
	220	0	02	23
	225	0	02	03
	226	0	09	09
	227	0	04	17
	235	0	14	03
	234	0	00	97
	237	0	05	64
	260	0	15	52
	261	0	03	70
	262	0	17	69
	330	0	16	34
	757	0	02	72
	756	0	01	65
	758	0	06	37
	759	0	01	53
	770	0	62	44
	825	0	22	58
	827	0	20	96
	835	0	08	44
	836	0	10	99
	837	0	20	49
	838	0	33	86
	845	0	02	78
	846	0	10	99
	866	0	06	68
	865	0	07	27
	864	0	03	29
	875	0	56	88
	760	0	09	94
	176	0	07	00
	153	0	00	41
	265	0	00	35
	266	0	00	35
	156	0	20	73
	329	0	00	16
	155	0	01	80
	216	0	00	12
	217	0	00	90
	259	0	00	16
	771	0	01	78
	839	0	01	08
	867	0	01	65
	868	0	29	38
	325	0	06	32

[सं. ओ. 14016/105/85-जी. पी.]

S.O. 984.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Bijaipur (M.P.) to Sawai Madhopur in Rajasthan State pipeline should be laid by the Gas Authority of India Limited;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction and Maintenance Division, H.B.J. Gas Pipeline Project, 49, Indra Colony, Sawai Madhopur.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

Pipeline from Bijaipur (M.P.) to Sawai Madhopur (Raj.)

State : Rajasthan District : Kota Tehsil : Chabra

Village	Survey No.	Hectare	Are	Centiare
1	2	3	4	5
Godia Mehar	1	0	04	19
	170	0	03	78
	179	0	37	75
	178	1	12	56
	180/1	0	10	12
	177	1	25	63
	19	0	03	04
	22	0	11	96
	169	0	21	81
	157	0	01	96
	158	0	11	48
	164	0	24	35
	161	0	15	96
	162	0	01	19
	184	0	14	11
	185	0	02	68
	186	0	42	91
	218	0	01	96
	219	0	04	82
	220	0	02	23
	225	0	02	03
	226	0	09	09
	227	0	04	17
	235	0	14	03
	234	0	00	97
	237	0	05	64
	260	0	15	52
	261	0	03	70
	262	0	17	69
	330	0	16	34
	757	0	02	72
	756	0	01	65
	758	0	06	37
	759	0	01	53
	770	0	62	44
	825	0	22	58
	827	0	20	96
	835	0	08	44
	836	0	10	99
Godia Mehar	837	0	20	49
	838	0	33	86
	845	0	02	78
	846	0	10	99
	866	0	06	68
	865	0	07	27
	864	0	03	29
	875	0	56	88
	760	0	09	94
	176	0	07	00
	153	0	00	41
	265	0	00	35
	266	0	00	35
	156	0	20	73
	329	0	00	16
	155	0	01	80
	216	0	00	12
	217	0	00	90
	259	0	00	16
	771	0	01	78
	839	0	01	08
	867	0	01	65
	868	0	29	38
	325	0	06	32

[No. O-14016/105/85-GP]

का. आ. 985 :—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा–बरेली–जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप लाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए ।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदुपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग बी-58/बी, अलीगंज लखनऊ-226020 यू.पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतया यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुसूची

हाजिरा–बरेली–जगदीशपुर तक गैस पाइप लाइन बिछाने हेतु

जिला	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा संख्या	क्षेत्रफल एकड़	क्षेत्रफल सेंटिमल
1	2	3	4	5	6	7
फर्रुखाबाद	छिबरामऊ	लालग्राम	नमियामऊ	238	0	27
				239	0	30
				246	0	02

1	2	3	4	5	6	7
फरुखाबाद	छिबरामऊ	तालग्राम	तमियामऊ	247	0	60
				251	0	12
				390	0	02
				419	0	13
				378	0	04
				379/1	0	22
				379/2	0	30
				379/3	0	26
				384	0	02
				396	0	02
				397	0	38
				398	0	08
				399	0	10
				400	0	33
				405	0	60
				406	0	40
				407	0	33
				409	0	04
				410	0	08
				411	0	10
				413	0	02
				414	0	14
				487	0	39
				489	0	20
				610	0	50
				611	0	40
				615	0	20
				616	0	16
				617	0	40
				642	0	14
				643	0	21
				644	0	18
				645	0	14
				646	0	27
				649	0	03
				650	0	25
				655	0	33
				657	0	55
				658	0	03
				660	0	21
				661	0	03
				729	0	03
				733	0	03
				734	0	05
				735	0	30
				748	0	30
				749	0	24
				750	0	02
				757	0	33
				758	0	11
				759	0	08
				760	0	30
				761	0	30
				809	0	03
				810	0	30
				846	0	30
				847	0	18
				848	0	18
				849	0	25
				850	0	18
				851	0	30
				934	0	04
				936	0	06
				937	0	18
				938	0	25
				933	0	08
				940	0	03
				941	0	25
				942	0	20
				852	0	04
				853	0	20
				965	0	03
				970	0	02
				971	0	04
				972	0	45
				973	0	13
				974	0	03
				975	0	17
				415	0	21
				987/611	0	10

[सं. O-14016/106/85-जी. पी.]

S.O. 985.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajra—Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Limited;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, it exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil and Natural Gas Commission, H.B.J. Pipeline Project B-58/B, Aliganj, Lucknow-226020, U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

INDEX

Gas Pipe Line From Hajira-Barielly to Jagdishpur Project

District	Tahsil	Pargana	Village	Plot No.	Area	
					Acre	Decimal
1	2	3	4	5	6	7
Farrukhabad	Chhibramau	Talgram	Tamiamau	238	0	27
				239	0	30
				246	0	02
				247	0	60
				251	0	12

1	2	3	4	5	6	7
Farrukha-bad	Chhibra-mau	Tal-gram	Tamia-mau	390	0	02
				419	0	13
				378	0	04
				379/1	0	22
				379/2	0	30
				379/3	0	26
				384	0	02
				396	0	02
				397	0	38
				398	0	08
				399	0	10
				400	0	33
				405	0	60
				406	0	40
				407	0	33
				409	0	04
				410	0	08
				411	0	10
				413	0	02
				414	0	14
				487	0	39
				489	0	20
				610	0	50
				611	0	40
				615	0	20
				616	0	16
				617	0	40
				642	0	14
				643	0	21
				644	0	18
				645	0	14
				646	0	27
				649	0	03
				650	0	25
				655	0	33
				657	0	55
				658	0	03
				660	0	21
				661	0	03
				729	0	03
				733	0	03
				734	0	05
				735	0	30
				748	0	30
				749	0	24
				750	0	02
				757	0	33
				758	0	11
				759	0	08
				760	0	30
				761	0	30
				809	0	03
				810	0	30
				846	0	30
				847	0	18
				848	0	18
				849	0	25
				850	0	18
				851	0	30
				934	0	04
				936	0	06
				937	0	18
				938	0	25
				933	0	08
				940	0	03
				941	0	25
				942	0	20
				852	0	04
				853	0	20
				965	0	03
				970	0	02
				971	0	04
				972	0	45
				973	0	13
				974	0	03
				975	0	17
				415	0	21
				987/611	0	10

[No. O-14016/106/85-GP]

का. आ. 986.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा—बरेली से जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन तेल तथा भारतीय गैस प्राधिकरण लि० द्वारा बिछाई जानी चाहिए ।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने का प्रयोजन के लिए एतदुपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, बी-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-226020 यू. पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतया यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुसूची

हजिरा—बरेली से जगदीशपुर तक गैस पाइप लाइन बिछाने हेतु

जिला	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा संख्या	क्षेत्रफल	
					एकड़	डिसमल
1	2	3	4	5	6	7
फरुखाबाद	छिबरामऊ	तालग्राम	रायपुर	335	—	33
				337	—	31
				338	—	29
				339	—	29
				340	—	27
				346	1	08
				355	—	41
				356	—	41
				357	—	15

1	2	3	4	5	6	7
फरुखाबाद	छिबरामऊ	तालग्राम	रायपुर	358	—	24
				359	—	07
				360	—	01
				368	—	41
				370	—	58
				371	—	02
				372	—	45
				373	—	29
				374	—	07
				377	—	02
				382	—	14
				416	—	12
				417	—	10
				418	—	05
				419	—	07
				421	—	08
				425	—	10
				315	—	12
				426	—	12
				427	—	34
				431	—	11
				432	—	14
				435	—	24
				437	—	21
				446	—	30
				447	—	16
				448	—	28
				449	—	10
				450	—	19
				454	—	02
				456	—	15
				457	—	16
				463	—	70
				464	—	51
				466	—	07

[सं. O-14016/107/85-जी. पी.]

S.O. 986.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajra—Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Limited;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subseqtion (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, H.B.J. Pipeline Project B-58/B, Aliganj, Lucknow-226020, U.P

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

INDEX

Gas Pipeline From, Hajira-Bareilly to Jagdishpur Project

District	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area Acre	Area Disl.	Remarks
1	2	3	4	5	6	7	
Farrukhabad	Chhibramau	Talgram	Raipur	335	—	33	
				337	—	31	
				338	—	29	
				339	—	29	
				340	—	27	
				346	1	08	
				355	—	41	
				356	—	41	
				357	—	15	
				358	—	24	
				359	—	07	
				360	—	01	
				368	—	41	
				370	—	58	
				371	—	02	
				372	—	45	
				373	—	29	
				374	—	07	
				377	—	02	
				382	—	14	
				416	—	12	
				417	—	10	
				418	—	05	
				419	—	07	
				421	—	08	
				425	—	10	
				315	—	12	
				426	—	12	
				427	—	34	
				431	—	11	
				432	—	14	
				435	—	24	
				437	—	21	
				446	—	30	
				447	—	16	
				448	—	28	
				449	—	10	
				450	—	19	
				454	—	02	
				456	—	15	
				457	—	16	
				463	—	70	
				464	—	51	
				466	—	07	

[No. O-14016/107/85-GP]

का. आ. 987.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली से जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन तेल तथा भारतीय गैस प्राधिकरण लि० द्वारा बिछाई जानी चाहिए ।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने का प्रयोजन के लिए एतदुपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय

सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, बी-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-226020 यू. पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत

(अनुसूची)

हाजिरा-बरेली से जगदीशपुर तक पाइपलाइन बिछाने हेतु

जिला	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा संख्या	क्षेत्रफल एकड़	क्षेत्रफल डिसमिल
1	2	3	4	5	6	7
फर्रुखाबाद	छिबरामऊ	तालग्राम	मलिकपुर	1405	—	20
				1407	—	07
				1408	—	45
				1411	—	60
				1415	—	06
				1506	—	09
				1515	—	11
				1510	—	18
				1517	—	36
				1539	—	60
				1542	—	21
				1543	—	09
				1546	—	04
				1547	—	06
				1548	—	07
				1549	—	14
				1550	—	12
				1551	—	06
				1552	—	33
				1665	—	58
				1666	—	05
				1667	—	10
				1677	—	06
				1679	—	34
				1681	—	90
				1682	—	10
				1713	—	27
				1714	—	34
				1715	—	02
				1721	—	45
				1722	—	50
				1723	—	21
				1724	—	09
				1725	—	27
				1810	—	35
				1812	—	21
				1813	—	15
				1814	—	14
				1815	—	01
				1816	—	03
				1820	—	78

[सं. O-14016/108/85-जी. पी.]

S.O. 987.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajra—Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Limited;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, H.B.J. Pipeline Project, B-58/B, Aliganj, Lucknow-22620, U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

INDEX

Gas Pipeline from Hajira-Bareilly to Jagdishpur Project

District	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area Acd.	Area Disl.
1	2	3	4	5	6	7
Farrukhabad	Chhibramau	Talgram	Malikpur	1405	—	20
				1407	—	04
				1408	—	45
				1411	—	60
				1415	—	06
				1506	—	09
				1515	—	11
				1510	—	18
				1517	—	36
				1539	—	60
				1542	—	21
				1543	—	09
				1546	—	04
				1547	—	06
				1548	—	07
				1549	—	14
				1550	—	12
				1551	—	06
				1552	—	33
				1665	—	58
				1666	—	05
				1667	—	10
				1677	—	05
				1679	—	34
				1681	—	90
				1682	—	10
				1713	—	27

1	2	3	4	5	6	7
Fasru khabad	Chhibramua	Talgram	Malikpur	1714	—	34
				1715	—	02
				1721	—	45
				1722	—	50
				1723	—	21
				1724	—	09
				1725	—	27
				1810	—	35
				1812	—	21
				1813	—	15
				1814	—	14
				1815	—	01
				1816	—	03
				1820	—	78

[No. O-14016/108/85—GP]

का. आ. 988.—यत केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा—बरेली—जगदीशपुर तक पैट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने का प्रयोजन के लिए एतद्पाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पैट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा 1 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग बी-58/बी अलीगंज, लखनऊ 226020 यू. पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतयः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत

अनुसूची

हजिरा—बरेली—जगदीशपुर तक गैस पाइप लाइन बिछाने हेतु

जिला	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा संख्या	क्षेत्रफल एकड़	बिसमिल	विवरण
1	2	3	4	5	6		7
फरूखाबाद	छिबरमाऊ	तालग्राम	मरमऊ	53	—	06	
				.55	—	51	
				75	—	12	
				76	—	15	
				77	—	01	
				79	—	06	
				81	—	07	
				82	—	06	
				83	—	15	
				85	—	04	
				90	—	02	
				91	—	20	
				92	—	12	
				96	—	05	
				97	—	13	
				98	—	24	
				100	—	30	
				101	—	15	
				102	—	03	
				103	—	04	
				108	—	51	
				109	—	75	
				114	—	42	
				142	1	62	
				197	—	07	
				198	—	20	
				199	—	18	
				203	—	21	
				212	—	36	
				213	—	04	
				216	—	27	
				220	—	23	
				417	—	25	
				307	—	10	
				308	—	30	
				317	1	00	
				320	—	70	
				327	—	41	
				331	—	30	
				332	—	40	
				334	—	32	
				342	1	15	
				348	—	45	
				355	—	33	
				57	—	04	
				80	—	15	

[सं. O-14016/109/85-जीपी]

S.O. 988.—whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajra—Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Limited;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority Oil & Natural Gas Commission, H.B.J. Pipeline Project B-58/B, Aliganj, Lucknow-226020, U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

INDEX

Gas Pipe Line From Hajira—Bareilly—Jagadishpur Project

District	Tehsil	Paragana	Village	Plot No.	Area Acd.	Area Dicl.	Remarks
1	2	3	4	5	6		7
Farrukhabad	Chhibramau	Talgram	Narmau	53	—	06	
				55	—	51	
				75	—	12	
				76	—	15	
				77	—	01	
				79	—	06	
				81	—	07	
				82	—	06	
				83	—	15	
				85	—	04	
				90	—	02	
				91	—	20	
				92	—	12	
				96	—	05	
				97	—	13	
				98	—	24	
				100	—	30	
				101	—	15	
				102	—	03	
				103	—	04	
				108	—	51	
				109	—	75	
				114	—	42	
				142	1	62	
				197	—	07	
				198	—	20	
				199	—	18	
				203	—	21	
				212	—	36	
				213	—	04	
				216	—	27	
				220	—	23	
				417	2	25	
				307	—	10	
				308	—	30	
				317	1	00	
				320	—	70	
				327	—	41	
				331	—	30	
				332	—	40	
				334	—	32	
				342	1	15	
				348	—	45	
				355	—	33	
				57	—	04	
				80	—	15	

[No. O-14016/109/85-GP]

का. आ. 989.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा—बरेली—जगदीशपुर तक पैट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन तेल तथा भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिये ।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने का प्रयोजन के लिए एतद्पाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः अब पैट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने इस में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग बी-58/बी अलीगंज, लखनऊ 226020 यू. पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतया: यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुसूची

हाजिरा—बरेली—जगदीशपुर तक गैस पाइप लाइन बिछाने हेतु

जिला	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा संख्या	क्षेत्रफल एकड़	क्षेत्रफल हेक्टेयर	विवरण
1	2	3	4	5		6	7
फर्रुखाबाद	छिबरा मऊ	तालग्राम	भूमी-नागर	473	—	02	
				476	—	48	
				477	—	12	
				478	—	55	
				479	—	05	
				491	—	12	
				492	—	42	
				495	—	30	
				496	—	51	
				479	—	03	
				498	—	57	
				499	—	78	
				500	—	45	
				506	—	80	
				493	—	12	
				494	—	02	
				509	—	15	

[सं O-14016/110/85-जी पी]

S.O. 989.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajira—Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Limited;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its Intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority Oil & Natural Gas Commission, H. B. J. Pipeline Project B-58/B, Aliganj Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

INDEX

Gas Pipe Line From Hajira-Bareilly-Jagdishpur Project.

District	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area Acd.	Area disl.	Remarks
1	2	3	4	5	6		7
Farrukhabad	Chhibramau	Taltram	Jhunsinagar	473	—	02	
				476	—	48	
				477	—	12	
				478	—	55	
				479	—	05	
				491	—	12	
				492	—	42	
				495	—	30	
				496	—	51	
				497	—	03	
				498	—	57	
				499	—	78	
				500	—	45	
				506	—	80	
				493	—	12	
				494	—	02	
				509	—	15	

[No. O-14016/110/85—GP]

का. आ. 990—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोक हित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा—बरेली—जगदीशपुर तक पैट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप लाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने का प्रयोजन के लिए एतत्पाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग बी-58/बी अलीगंज, लखनऊ 326020 यू० पी० को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतय. यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

हाजिरा—बरेली—जगदीशपुर पाइप लाइन बिछाने हेतु

जिला	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा संख्या	क्षेत्रफल एकड़	क्षेत्रफल डिसमिल	विवरण
1	2	3	4	5	6		7
फर्रुखाबाद	छिबरा	मऊ	तालग्राम बदौरा	15	—	33	
				18	—	18	
				19	—	97	
				23	—	78	
				41	—	60	
				48	—	30	
				52	—	36	
				51	—	15	
				53	—	05	

[सं O-14016/111/85-जी पी]

S.O. 990.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajira-Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Limited;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority Oil & Natural Gas Commission, H. B. J. Pipeline Project B-58/B, Aliganj Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

INDEX

Gas Pipe Line From Hajira-Bareilly-Jagdishpur Project.

District	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area Acd.	Area Sisl.	Remark
1	2	3	4	5	6		7
Farrukhabad	Chhibramau	Talgram	Badora	15	—	33	
				18	—	18	
				19	—	97	
				23	—	78	
				41	—	60	
				48	—	30	
				52	—	36	
				51	—	15	
				53	—	05	

[No.O-14016/111/85—GP]

का० आ० 991.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा—बरेली—जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन तेल तथा भारतीय गैस प्राधिकरण लि० तक बिछाई जानी चाहिए।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने का प्रयोजन के लिए एतत्पाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पैट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग बी-58/बी, अलीगंज, लखनऊ 226020 यू० पी० को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतयः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

हाजिरा—बरेली—जगदीशपुर तक गैस पाइप लाइन बिछाने हेतु

जिला	तहसील	परगना	ग्राम	प्लाट न.	अर्जित एकड़	रकबा में	विवरण
1	2	3	4	5	6	7	
जालौन	जालौन	जालौन	सलेमपुर कालपी	1	0	03	
				4	0	40	
				5	0	04	
				6	0	21	
				7	0	70	
				14	0	85	
				15	0	75	
				21	0	02	
				24	0	45	
				25	0	08	
				31	0	02	
				32	0	02	
				33	0	23	
				24	0	01	
				35	0	01	
				37	0	16	
				38	0	02	
				41	0	55	

[सं० O-14016/112/85-जी.पी.]

S.O. 991.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interst that for the transport of Petroleum from Hajra-Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Limited;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority Oil & Natural Gas Commission, H. B. J. Pipeline Project B-58/B, Aliganj Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

Gas Pipe Line From Hajira-Bareilly-Jagdishpur Project.

Dist.	Tahsil	Pargana	Village	Plot No.	Area in acers	Remark
1	2	3	4	5	6	7
Jalaun	Jalaun	Jalaun	Salem Pur Kalpi	1	0—03	
				4	0—40	
				5	0—04	
				6	0—21	
				7	0—70	
				14	0—85	
				15	0—75	
				21	0—02	
				24	0—45	
				25	0—08	
				31	0—02	
				32	0—02	
				33	0—23	
				24	0—01	
				35	0—01	
				37	0—16	
				38	0—02	
				41	0—55	

[No. O-14016/112/85—GP]

का. आ. 992.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा—बरेली—जगदीशपुर तक पैट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप लाइन तेल तथा भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने का प्रयोजन के के लिए एतद्पाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पैट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग बी-58/बी अलीगंज, लखनऊ 226020 यू. पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतयः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से की या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

गैस पाइप लाइन हाजिरा—बरेली—जगदीशपुर प्रोजेक्ट

जयवादा	तहसील	परगना	ग्राम	खेत नं.	एकड़ में रकबा	विवरण
1	2	3	4	5	6	
जालौन	जालौन	जालौन	धराना	1/3	0 01	
				1/4	0 50	
				1/5	0 80	
				1/6	0 40	
				1/7	0 50	
				8	0 04	
				9	0 10	
				11	0 04	
				16	0 03	
				17/1	0 35	
				17/2	0 60	
				18	1 00	
				7	0 15	
				10	0 08	

[सं. O-14016/113/85-जी.पी.]

S.O. 992.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajra-Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Limited;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein:

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority Oil & Natural Gas Commission, H. B. J. Pipeline Project B-58/B, Aliganj Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

Gas Pipe Line From Hajira—Bareily-Jagdishpur Project.

Distt.	Tahsil	Pargana	Village	Plot No.	Area in Acres	Remarks
1	2	3	4	5	6	7
Jalaun	Jalaun	Jalaun	Dharana	1/3	0—01	
				1/4	0—50	
				1/5	0—80	
				1/6	0—40	
				1/7	0—50	
				8	0—04	
				9	0—10	
				11	0—04	
				16	0—03	
				17/1	0—35	
				17/2	0—60	
				18	1—00	
				7	0—15	
				10	0—08	

[No. O-14016/113/85-GP]

का. आ. 993.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोक हित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा—बरेली—जगदीशपुर तक पैट्रोलियम तक के परिवहन के लिए पाइपलाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने का प्रयोजन के लिए एतद्पाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पैट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग बी–58/बी अलीगंज, लखनऊ-226020 यू. पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

हजिरा—बरेली—जगदीशपुर तक गैस पाइपलाइन बिछाने हेतु

जिला	तहसील	परगना	ग्राम	प्लाट नं.	अर्जित रकबा एकड़ में		विवरण
1	2	3	4	5	6		7
जालौन	कौंच	कौंच	भदेवरा	364	0	02	
				408	0	03	
				406	0	05	
				409	0	60	
				407	1	21	
				402	0	03	
				400	0	66	
				399	0	10	
				398	0	25	
				397	0	30	
				396	0	03	
				380	0	80	
				377	0	90	
				378	0	03	
				362	0	15	
				363	0	35	
				361	0	32	
				337	0	03	
				328	0	15	
				336	0	50	
				334	0	10	
				331	0	03	
				309	1	77	
				310	0	03	
				91	1	05	
				98	0	02	
				101	0	05	
				102	0	56	
				103	0	92	
				104	0	03	
				64	0	01	
				68	0	75	
				67	0	60	
				66	0	60	
				65	0	03	
				60	0	46	
				59	0	39	
				61	0	10	
				63	0	02	
				58	0	28	
				62	0	21	
				44	0	20	
				48/582	0	05	
				48/588	0	08	
				46	0	05	
				48	0	10	
				45	0	36	
				47	0	21	
				38	0	03	

1	2	3	4	5	8	7
				23	0	70
				24	0	10
				22	1	05
				21	0	03
				20	0	60
				19	0	60
				17	0	03

[सं० O- 14016/114/85-जी पी]

S.O. 993.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajra-Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Limited;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority Oil & Natural Gas Commission, H. B. J. Pipeline Project B-58/B, Aliganj Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

Gas Pipe Line From Hajira—Bareily—Jagdishpur Project.

Dist.	Tahsil	Pargana	Village	Plot No.	Area in acres	Remark
1	2	3	4	5	6	7
Jalaun	Konch	Konch	Bhade-wara	364	0—02	
				408	0—03	
				406	0—05	
				409	0—60	
				407	1—21	
				402	0—03	
				400	0—66	
				399	0—10	
				398	0—25	
				397	0—30	
				396	0—03	
				380	0—80	
				377	0—90	
				378	0—03	
				362	0—15	
				363	0—35	
				361	0—32	
				337	0—03	
				328	0—15	
				336	0—50	
				334	0—10	
				331	0—03	
				309	1—77	
				310	0—03	
				91	1—05	
				98	0—02	
				101	0—05	
				102	0—56	
				103	0—92	
				104	0—03	
				64	0—01	
				68	0—75	
				67	0—60	
				66	0—60	
				65	0—03	
				60	0—46	
				59	0—39	
				61	0—10	
				63	0—02	
				58	0—28	
				62	0—21	
				44	0—20	
				48/582	0—05	
				48/588	0—08	
				46	0—05	
				48	0—10	
				45	0—36	
				47	0—21	
				38	0—03	
				23	0—70	
				24	0—10	
				22	1—05	
				21	0—03	
				20	0—60	
				19	0—60	
				17	0—03	

[No. O-14016/113/85-GP]

का. आ. 994.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा—बरेली—जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए ।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने का प्रयोजन के लिए एतद्पाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग बी-58/बी अलीगंज, लखनऊ-226020 यू. पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतयः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

हाजिरा-बरेली-जगदीशपुर तक गैस पाइप लाइन बिछाने हेतु

जिला	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा संख्या	क्षेत्रफल एकड़	क्षेत्रफल डेसिमल
1	2	3	4	5	6	7
फरुखाबाद	छिबरामऊ	सौरिख	नादेमऊ	1727	0	22
				1728	0	03
				1739	0	39
				1773	0	27
				1774	0	02
				1775	0	21
				1806	0	10
				1814	0	20
				1815	0	14
				1816	0	30
				1817	0	12
				1828	0	15
				1825	0	21
				1826	0	21
				1868	0	07
				1869	0	10
				1870	0	06
				1871	0	10
				1872	0	18
				1875	0	21
				1879	0	58
				1880	0	18
				1881	0	18
				1902	0	02
				1903	0	36
				1904	0	06
				1905	0	0
				1928	0	15
				1929	0	50
				1938	0	12
				1940	0	30
				1941	0	60
				1943	0	18
				1945	0	27
				1946	0	32
				1947	0	04
				1948	0	51
				2008	0	12
				2281	0	07
				2282	0	19
				2283	0	18
				2284	0	54
				2286	0	11
				2287	0	29
				2288	0	32
				2292	0	10
				2293	0	50
				2294	0	45
				2296	0	81
				2295	0	12
				2307	0	08
				2340	0	10
				2341	0	29
				2349	0	08
				2351	0	48
				2352	0	48
				2355	0	39
				2801	0	18
				2850	0	05
				2859	0	33
				2862	0	08
				2861	0	18
				2867	0	24
				1776	0	06
				1901	0	10
				1876	0	03
				1926	0	41
				1930	0	15
				1937	0	12

[सं. O—14016/115/85—जी पी]

S.O. 994.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajra-Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Limited;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority Oil & Natural Gas Commission, H. B. J. Pipeline Project B-58/B, Aliganj Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

INDEX

Gas Pipe line From Hajira—Barielly—Jagdishpur Project

Distt.	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area Acre	Area Decimal
1	2	3	4	5	6	7
Frrukha bad	Chhibra Mau	Saurikh	Nademau	1727	0	22
				1728	0	03
				1739	0	39
				1773	0	27
				1774	0	02
				1775	0	21
				1806	0	10
				1814	0	20
				1815	0	14
				1816	0	30
				1817	0	12
				1828	0	15

1	2	3	4	5	6	7
Farrukhabad	Chhibramau	Saurikh	Nademau			
				1825	-	21
				1826	-	21
				1868	—	07
				1869	—	10
				1870	—	06
				1871	—	10
				1872	—	18
				1875	—	21
				1879	—	58
				1880	—	18
				1881	—	18
				1902	—	02
				1903	—	36
				1904	—	06
				1905	—	06
				1928		15
				1929	-	50
				1938	-	12
				1940	-	30
				1941	-	60
				1943	—	18
				1945	—	27
				1946	—	32
				1947	—	04
				1948	—	51
				2008	—	12
				2281	—	07
				2282	—	19
				2283	—	18
				2284	—	54
				2286	—	11
				2287	—	29
				2288	—	32
				2292	—	10
				2293	-	50
				2294	—	45
				2296	—	81
				2295	—	12
				2307	—	08
				2340	—	10
				2341	—	29
				2349	-	08
				2351	-	48
				2352	—	48
				2355	—	39
				2801	—	18
				2850	—	05
				2859	-	33
				2862	-	08
				2861	—	18
				2867	—	24
				1776	—	06
				1901	—	10
				1876	-	03
				1926	—	41
				1930	—	15
				1937	—	12

[No.O-14016/115/85-GP]

का. आ. 995.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली-जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए ।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने का प्रयोजन के लिए एतद्पाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग बी-58/बी अलीगंज, लखनऊ-226020 यू. पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

हाजिरा—बरेली—जगदीशपुर गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं.	रकबा	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
बदायूं	वातागंज	सलेमपुर	बराही	महोरा	बी.बि.बि.	
				488	0-13-0	
				488/689/1	0-1-2	
				488/689/3	0-6-5	
				488/689/4	0-11-10	
				488/689/5	0-8-15	

[सं. O-14016/121/85-जी पी]

S.O. 995.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajra-Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Limited;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority Oil & Natural Gas Commission, H. B. J. Pipeline Project B-58/B, Aliganj Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHDULE

Hazira-Bareilly-Jadishpur-Gas pipeline project

Distt.	Tehsil	Pargana	Vill.	Plot No.	Acquired Area	Remarks
1	2	3	4	5	6	7
Badaun	Dataganj	Salempur	Barahi Sahora	488	0-13-0	
				488/689	10-1-2	
				488/689	30-6-5	
				488/689	40-11-10	
				488/689	50-8-5	

[No.O— 14016/121/85— GP]

का. आ. 996.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली-जगदीशपुर पाइप लाइन तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि० द्वारा बिछाई जानी चाहिए ।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदुपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकारों का अर्जन (अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उस में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग बी-58/बी, अलीगंज लखनऊ-226020 यू. पी. को इस अधिसूचना की तारीख के 21 दिन के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुसूची

हाजिरा-बरेली-जगदीशपुर गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं.	रकबा	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
बदायूं	दातागंज	सलेमपुर	लहडीरा		बी.वि.वि.	
				254	1-8-2	
				257	0-0-18	
				265	0-18-0	
				264	0-6-0	
				266	0-19-0	
				267	0-6-0	
				272	0-9-3	
				268	0-1-0	
				चैकमार्ग	0-1-0	

[सं. 0-14016/122/85—जी पी]

S.O. 996.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajra Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Limited;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority Oil & Natural Gas Commission, H. B. J. Pipeline Project B-58/B, Aliganj Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

Hazira-Bareilly-Jagdishpur Gas Pipeline Project

Distt.	Teesil	Pargana	Village	Plot No.	Aquired Area	Remarks
1	2	3	4	5	6	7
Badaum	Data-ganj	Salempur	Lahdaura	254	1-8-2	
				257	0-0-18	
				265	0-18-0	
				264	0-6-0	
				266	0-19-0	
				267	0-6-0	
				272	0-9-3	
				268	0-1-0	
				Chakmarg	0-1-0	

[No. O-14046/122/85-GP]

का. आ. 997.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली-जगदीशपुर तक पाइप लाइन तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए ।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने का प्रयोजन के लिए एतदुपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अर्जित का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग बी-58/बी अलीगंज लखनऊ-226020 यू. पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुसूची

हाजिरा-बरेली-जगदीशपुर गैस पाइपलाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	परगना	ग्राम का नाम	गाटा सं.	रकबा	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
बदायूं	दातागंज	सलेमपुर	अमरौली		बी. बि. वि.	
				425	0-1-5	
				424	1-2-2	
				415	0-6-5	
				416	0-7-16	
				417	0-12-16	
				411	0-12-0	
				403	0-0-5	
				410	0-9-7	
				404	0-16-0	
				407	0-3-5	
				406	0-3-15	
				405	0-2-10	
				386	1-5-5	
				383	0-1-4	
				323	2-0-16	
				325	0-17-3	
				326	1-9-10	
				327	1-4-4	
				297	1-15-9	
				309	0-1-5	

[सं. O-14016/123/85-जी पी]

S.O. 997.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajra-Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Limited;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority Oil & Natural Gas Commission, H. B. J. Pipeline Project B-58/B, Aliganj Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

Hazira-Bareilly-Jagdishpur Gas Pipeline Project

Distt.	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Acquired Area	Remarks
1	2	3	4	5	6	7
Badaun	Dataganj	Salempur	Amrauli	425	0-1-5	
				424	1-2-2	
				415	0-6-5	
				416	0-7-16	
				417	0-12-16	
				411	0-12-0	
				403	0-0-5	
				410	0-9-7	
				404	0-16-0	
				407	0-3-5	
				406	0-3-15	
				405	0-2-10	
				386	1-5-5	
				383	0-1-4	
				323	2-0-16	
				325	0-17-3	
				326	1-9-10	
				327	1-4-4	
				297	1-15-9	
				309	0-1-5	

[No. O-14016/123/85-GP]

का. आ. 998.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली-जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए ।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदुपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग बी-58/बी अलीगंज, लखनऊ-226020 यू. पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुसूची

हाजिरा : बरेली : जगदीशपुर पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं.	रकबा	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
बदायूं	दातागंज	सलेमपुर	चुरमुरी		बी.बि.बि.	
				540	0-1-16	
				541	0-3-10	
				542	0-1-16	
				539	0-7-5	
				538	0-1-16	
				537	1-4-0	
				471	0-0-6	
				498	0-3-6	
				497	1-12-0	
				496	0-10-8	
				495	0-15-0	
				501	0-1-0	
				452	1-15-15	
				451	0-6-12	
				448	0-3-12	
				437	2-18-0	
				436	1-6-15	
				435	0-5-0	
				433	0-7-10	
				392	0-7-16	
				393	0-1-5	
				394	0-17-0	
				395	1-5-5	
				373	0-7-15	
				372	0-8-0	
				381	1-5-5	
				369	0-14-5	
				368	0-15-0	
				367	0-16-15	
				351	0-9-0	
				352	0-12-0	
				353	0-11-0	
				354	0-3-15	
				316	1-9-15	
				315	1-19-15	
				311	0-0-13	
				306	0-10-17	
				305	0-10-10	
				304	0-1-5	
				285	1-1-0	
				290	0-18-10	
				289	0-18-0	
				292	0-0-15	
				294	0-16-10	
				295	0-0-7	
				296	0-15-0	

[सं. 0-14016/124/85-जीपी०]

S.O. 998.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajra-Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Limited;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority Oil & Natural Gas Commission. H. B. J. Pipeline Project B-58/B, Aliganj Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

Hazira-Bareilly-Jagdishpur Gas Pipeline Project

Distt.	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Acquired Area	Remarks
1	2	3	4	5	6	7
Badaun	Data-ganj	Salem-pur	Chut-muri	540	0-1-16	
				541	0-3-10	
				542	0-1-16	
				539	0-7-5	
				538	0-1-16	
				537	1-4-0	
				471	0-0-6	
				498	0-3-6	
				497	1-12-0	
				496	0-10-8	
				495	0-15-0	
				501	0-1-0	
				452	1-15-15	
				451	0-6-12	
				448	0-3-12	
				437	2-18-0	
				436	1-6-15	
				435	0-5-0	
				433	0-7-10	
				392	0-7-16	
				393	0-1-5	
				394	0-17-0	
				395	1-5-5	
				373	0-7-15	
				372	0-8-0	
				381	1-5-5	
				369	0-14-5	
				368	0-15-4	
				367	0-16-15	
				351	0-9-0	
				352	0-12-0	
				353	0-11-0	
				354	0-3-15	
				316	1-9-15	
				315	1-19-15	
				311	0-0-13	

1	2	3	4	5	6	7
Badan	Data Ganj	Salem pur	Chutmuri	306	0-10-17	
				305	0-10-10	
				304	0-1-5	
				285	1-1-0	
				290	0-18-10	
				289	0-18-0	
				292	0-0-15	
				294	0-16-10	
				295	0-0-7	
				296	0-15-0	

[No. O—14016/124/85-GP]

का. आ. 999.—यत: केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली—जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए;

और यत: प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने का प्रयोजन के लिए एतद्पाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ;

अत: अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग बी-58-बी, अलीगंज, लखनऊ-226020 यू. पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा ;

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टत: यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ;

अनुसूची

हाजिरा-बरेली—जगदीशपुर गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं०	रकबा	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
बदायूं	दातागंज	सलेमपुर	सीरजपलाल		बी.बि.बि.	
				28	0—10—0	
				3	1—1—16	
				5	0—0—12	
				6	1—15—0	
				7	0—0—4	
				2	0—7—14	
				8	0—1—0	
				1	0—5—10	

[सं० O-14016/125/85—जी० पी०]

S.O. 999.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajira—Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Limited;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of uesr in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority Oil & Natural Gas Commission, H.B.J. Pipeline Project B-58/B, Aliganj, Lucknow-226020, U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

Hazira-Bareilly-Jagdishpur Gas Pipeline Project

Distt.	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Acquired Area	Remarks
1	2	3	4	5	6	7
Badaun	Data-ganj	Salem-pur	Shir-jallal	28	0-10-0	
				3	1-1-16	
				5	0-0-12	
				6	1-15-0	
				7	0-0-4	
				2	0-7-14	
				8	0-1-0	
				1	0-5-10	

[No. O-14016/125/85-GP]

का० आ० 1000.—यत: केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा—बरेली—जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए ;

और यत: प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने का प्रयोजन के लिए एतद्पाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ;

अत: अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ;

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग बी-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-226020 यू. पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टत: यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ;

अनुसूची

हाजिरा-बरेली—जगदीशपुर पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं.	रकबा	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
बदायूं	दातागंज	सलेमपुर	विपुर्नी		बी.बि.बि.	
				686	0-16-10	
				687	0-14-10	
				684	0-7-5	
				683	0-11-10	
				681	0-5-15	
				682	0-19-17	
				680	0-0-15	
				679	0-16-4	
				668	0-18-12	
				450	0-4-0	
				448/744	0-0-2	
				667	0-0-2	
				666	0-0-2	
				314	0-0-15	
				449	1-9-14	
				313	1-0-8	
				312	1-5-16	
				309	1-5-4	
				307	0-15-12	
				305	1-3-8	
				304	0-0-5	
				303	0-15-12	
				चाकमार्ग	0-0-15	
				460	0-13-10	
				461	0-0-15	
				459	0-13-5	
				458	1-1-12	
				457	0-3-0	
				456	0--10	
				455	1-8-15	
				500	0-9-0	
				499	0-3-10	
				498	0-4-0	
				689	0-0-2	

[सं. O-14016/126/85—जी पी]

S.O. 1000.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajira—Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Limited;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority Oil & Natural Gas Commission, H. B. J. Pipeline Project B-58/B, Aliganj, Lucknow-226020, U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

Hazira—Bareilly—Jagdishpur Gas Pipeline Project.

Distt	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Acquired Area	Remarks
1	2	3	4	5	6	7
Badaun	Deta-ganj	Salem-pur	Deoni	686	0-16-10	
				687	0-14-10	
				684	0-7-5	
				683	0-11-10	
				681	0-5-15	
				682	0-19-17	
				680	0-0-15	
				679	0-16-4	
				668	0-18-12	
				450	0-4-0	
				448/744	0-0-2	
				667	0-0-2	
				666	0-0-2	
				314	0-0-15	
				449	1-9-14	
				313	1-0-8	
				312	1-5-16	
				309	1-5-4	
				307	0-15-12	
				305	1-3-8	
				304	0-0-5	
				303	0-15-12	
				Chakmarg	0-0-15	
				460	0-13-10	
				461	0-0-15	
				459	0-13-5	
				458	1-1-12	
				457	0-3-0	
				456	0-4-10	
				455	1-8-15	
				500	0-9-0	
				499	0-3-10	
				498	0-4-0	
				689	0-0-2	

[No. O—14016/126/85—G.P.]

का॰आ॰ 1001:—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा—बरेली—जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी नाइनों को बिछाने का प्रयोजन के लिए एतदुपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में, उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी तेल तथा प्राकृतिक

गैस आयोग बी-58/बी अलीगंज लखनऊ-226020 यू.पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

हाजिरा-बरेली—जगदीशपुर पाइप लाइन प्रोजेक्ट्स

जिला	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं.	रकबा	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
बदायूं	दातागंज	सलेम-पुर	कनेई		वि.वि.वि.	
				389	0-2-10	
				388	0-13-5	
				387	0-8-10	
				386	0-14-10	
				385	0-17-0	
				383	0-15-0	
				380	0-11-10	
				379	0-10-15	
				376	0:17-0	
				374	0-9-10	
				375	0-0-15	
				373	0-0-15	
				366	0-9-0	
				365	0-16-15	
				362	0-15-0	
				363	0-6-5	
				360	0-5-15	
				359	0-2-5	
				315	0-2-10	
				299	0-1-5	
				310	0-4-0	
				297	0-15-0	
				296	0-0-10	

[सं. O-14016/127/85-जी पी.]

S.O.1001.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajira-Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Limited;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipeline (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority Oil & Natural Gas Commission, H.B.J. Pipeline Project B-58/B, Aliganj, Lucknow-226020, U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

Schedule

Hazira-Bareilly—Jagdishpur Gas Pipeline Project

Distt.	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Acquired Area	Remarks
1	2	3	4	5	6	7
Badaun	Dataganj	Salempur	Kanei	389	0-2-10	
				388	0-13-5	
				387	0-8-10	
				386	0-14-10	
				385	0-17-0	
				383	0-15-0	
				380	0-11-10	
				379	0-10-15	
				376	0-17-0	
				374	0-9-10	
				375	0-0-15	
				373	0-0-15	
				366	0-9-0	
				365	0-16-15	
				362	0-15-0	
				363	0-6-5	
				360	0-5-15	
				359	0-2-5	
				315	0-2-10	
				299	0-1-5	
				310	0-4-0	
				297	0-15-0	
				296	0-0-10	

[No. O—14016/127/85—GP]

का.आ. 1002:--यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली—जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदुपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग बी-58/बी अलीगंज लखनऊ-226020 यू.पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत

अनुसूची

हाजिरा-बरेली—जगदीशपुर पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं.	रकबा	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
बदायूं	दातागंज	सलेमपुर	धनेली		वि.वि.वि.	
				69	0-8-10	
				71	0-3-12	
				70/1	0-1-5	
				68	0-6-0	

1	2	3	4	5	6	7
				67	1-17-0	
				66	2-5-10	
				65	0-5-0	
				45	0-1-15	
				47	0-0-10	

[सं. O-14016/128/85-जीपी]

S.O. 1002.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum Hajira-Bareilly to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Limited;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority Oil & Natural Gas Commission, H. B. J. Pipeline Project B-58/B, Aliganj, Lucknow-226020, U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

Hazira-Bareilly—Jagdishpur Gas Pipeline Project

Distt.	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Acquired Area	Remarks
1	2	3	4	5	6	7
Badaun	D-ta-ganj	Salem-pur	Dhaneli	69	0-8-10	
				71	0-3-12	
				70/1	0-1-5	
				68	0-6-0	
				67	1-17-0	
				66	2-5-10	
				65	0-5-0	
				45	0-1-15	
				47	0-0-10	

[No. O—14016/128/85—GP]

का०आ० 1003:—यत: केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली—जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यत: प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदुपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अत: अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग बी-58/बी अलीगंज लखनऊ-226020 यू.पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टत: यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

हाजिरा-बरेली—जगदीशपुर पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं.	रकबा	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
बदायूं	दातागंज	सलेमपुर	कमा		बी.बि.बि.	
				1168	2-4-2	
				1169	1-8-4	
				1172	0-19-16	
				1171	0-13-0	
				1158	0-2-14	
				1148	0-10-6	
				1150	0-8-0	
				1149	1-19-0	
				1151	0-8-0	
				1100	0-15-0	
				1097	0-1-0	
				1099	0-0-2	
				1013	0-0-4	
				1014	0-8-0	
				1015	0-0-3	
				1016	0-5-0	
				1004	0-7-18	
				1003	0-1-10	
				1017	0-6-10	
				1098	0-2-2	
				1002	0-16-0	
				1000	0-0-12	
				1023	1-2-16	
				1029	0-2-10	
				1024	1-1-9	
				1026	0-9-7	
				1027	0-1-10	
				1053	0-10-0	
				528	0-8-4	
				529	1-7-0	
				526	0-1-0	
				524	0-1-5	
				523	0-2-0	
				522	0-4-10	
				532	0-16-0	
				533	0-13-5	
				534	0-1-4	
				537	2-4-16	
				463	1-10-0	
				464	1-6-8	
				498	0-8-8	
				495	0-8-8	
				494	0-10-16	
				486	0-0-8	

1	2	3	4	5	6	7
				492	0-2-6	
				491	0-7-12	
				487	0-4-0	
				489	0-9-0	

[सं. O-14016/129/85-जीपी]

S.O. 1003.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajra Bareilly to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Limited;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority Oil & Natural Gas Commission, H. B. J. Pipeline Project B-58|B, Aliganj, Lucknow-226020, U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

Schedule

Hazira—Bareilly—Jagdishpur Pipeline Project

Distt.	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Acquired Area	Remarks
1	2	3	4	5	6	7
Bodaun	Data-ganj	Salem-pur	Kama	1168	2-4-2	
				1169	1-8-4	
				1172	0-19-16	
				1171	0-13-0	
				1158	0-2-14	
				1148	0-10-6	
				1150	0-8-0	
				1149	1-19-0	
				1151	0-8-0	
				1100	0-15-0	
				1097	0-1-0	
				1099	0-0-2	
				1013	0-0-4	
				1014	0-8-0	
				1015	0-0-3	
				1016	0-5-0	
				1004	0-7-18	
				1003	0-1-10	
				1017	0-6-10	
				1098	0-2-2	
				1002	0-16-0	
				1000	0-0-12	
				1023	1-2-16	
				1029	0-2-10	
				1024	1-1-9	
				1026	0-9-7	
				1027	0-1-10	
Badaun	Data-ganj	Salem-pur	Kama	1053	0-10-0	
				528	0-8-4	
				529	1-7-0	
				526	0-1-0	
				524	0-1-5	
				523	0-2-0	
				522	0-4-10	
				532	0-16-0	
				533	0-13-5	
				534	0-1-4	
				537	2-4-16	
				463	1-10-0	
				464	1-6-8	
				498	0-8-8	
				495	0-8-8	
				494	0-10-16	
				486	0-0-8	
				492	0-2-6	
				491	0-7-12	
				487	0-4-0	
				489	0-9-0	

[No. D-14016/129/85-GP]

का.आ. 1004.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली-जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदुपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग बी-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-226020 यू.पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

हाजिरा-बरेली—जगदीशपुर पाइपलाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं.	रकबा	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
बदायूं	दातागंज	सलेमपुर	खुकड़ी	910	0-15-0	
				911	1-0-15	
				908	0-0-8	
				909	0-18-16	
				878	0-5-10	
				879	1-3-10	
				883	1-17-10	
				884	0-8-10	
				525	0-19-4	

1	2	3	4	5	6	7
बदायूं	दातागंज	सलेमपुर	फुकड़ी	526	1-1-5	
				541	0-18-5	
				542	0-14-0	
				543	0-0-13	
				544	1-5-0	
				548	0-0-15	
				558	0-15-10	
				552	0-11-11	
				554	0-3-5	
				555	0-15-5	
				556	0-1-5	
				832	0-7-0	
				696	0-5-5	
				695	0-4-0	
				729	0-5-0	
				694	0-11-7	
				693	0-1-0	
				573	0-10-0	
				576	0-12-0	
				577/1	0-1-10	
				577/2	0-3-15	
				578	0-6-10	
				579	0-0-5	
				586	0-8-10	
				581	0-0-2	
				585	0-8-10	
				587	0-11-0	
				589	0-5-0	
				593	0-5-0	
				592	0-5-16	
				591	0-8-0	
				590	0-5-0	
				600	0-2-15	
				601.	0-2-5	
				603	0-1-15	
				609	0-12-0	
				612	1-6-12	
				613	0-18-15	
				614	0-12-0	
				615	0-5-10	
				624	2-6-15	
				633	0-3-0	
				632	0-2-0	
				627	0-0-15	
				625	0-0-5	
				623	0-0-12	
				622	0-19-0	
				871	0-1-5	
				617	0-2-5	

[सं. O-14016/130/85-जीपी]

S.O. 1004.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum for Hajira Bareilly to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Limited;

And whereas it appears that for the purupose of laying such pipeline, it is necesary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority Oil & Natural Gas Commission, H. B. J. Pipeline Project B-58/B, Aliganj, Lucknow-226020, U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

Hazira—Bareilly—Jagdishpur Gas Pipeline Project

Distt.	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Acquired Area	Remarks
1	2	3	4	5	6	7
Budaun	Dataganj	Salempur	Khukrhi	910	0-15-0	
				911	1-0-15	
				908	0-0-8	
				909	0-18-16	
				878	0-5-10	
				879	1-3-10	
				883	1-17-10	
				884	0-8-10	
				525	0-19-4	
				526	1-1-5	
				541	0-18-5	
				542	0-14-0	
				543	0-0-13	
				544	1-5-0	
				548	0-0-15	
				558	0-15-10	
				553	0-11-11	
				554	0-3-5	
				555	0-15-5	
				556	0-1-5	
				832	0-7-0	
				696	0-5-5	
				695	0-5-0	
				729	0-5-0	
				694	0-11-7	
				693	0-1-0	
				573	0-10-0	
				576	0-12-0	
				577/1	0-1-10	
				577/2	0-3-15	
				578	0-6-10	
				579	0-0-5	
				586	0-8-10	
				581	0-0-2	
				585	0-8-10	
				587	0-11-0	
				589	0-5-0	
				593	0-5-0	
				592	0-5-16	
				591	0-8-0	
				590	0-5-0	
				600	0-2-15	
				601	0-2-5	

1	2	3	4	5	6	7
Badaun	Data-ganj	Salem-pur	Khu-karhi	603	0-1-15	
				609	0-12-0	
				612	1-6-12	
				613	0-18-15	
				614	1-12-0	
				615	0-5-10	
				624	2-6-15	
				633	0-3-0	
				632	0-2-0	
				627	0-0-15	
				625	0-0-5	
				623	0-0-12	
				622	0-19-0	
				871	0-1-5	
				617	0-2-5	

[No. O-14016/130/85-GP]

का.आ. 1005.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली-जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदुपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार करना आवश्यक है।

अतः, अब, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग बी-58/बी, अलीगंज-लखनऊ 226020 यू.पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

हाजिरा—बरेली—जगदीशपुर पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं.	रकबा	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
बदायूं	दातागंज	सलेमपुर	खुर्दी		बी.घि.वि.	
				8	2-4-10	
				59	0-1-5	
				56	1-6-8	
				35	0-11-15	
				36	1-5-5	
				24	0-1-16	
				98	0-2-8	
				99	2-1-10	
				102	1-18-0	
				103	0-14-8	
				105	0-1-5	
				109	0-0-5	
				110	1-1-0	
				157	0-6-7	
				158	0-2-5	
				111	0-0-5	
				112	0-16-5	
				113	0-15-5	
				146	0-1-0	
				126	0-18-5	
				130	2-8-0	
				140	0-7-10	
				141	0-0-10	
				139	0-13-12	

[सं० O 14016/121/85-जी.पी.]

S.O. 1005.—Whereas it apears to the Central Government that it is necessary in the puublic interest that for the transport of Petroleum from Hajra Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Limited;

And, whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schtdule annexed hereto;

Now, threfore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority Oil & Natural Gas Commission, H.B.J. Pipeline Project B-58/B, Aliganj, Lucknow-226020, U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

Hazira—Bareilly—Jagdishpur Gas Pipeline Project

Distt.	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Acquired Area	Remarks
Badaun	Data-ganj	Salam-pur	Khur-di	8	2-4-10	
				59	0-1-5	
				56	1-6-8	
				35	0-11-15	
				36	1-5-5	
				24	0-1-16	
				98	0-2-8	
				99	2-1-10	
				102	1-18-0	
				103	0-14-8	
				105	0-1-5	
				109	0-0-5	
				110	1-1-0	
				157	0-6-7	
				158	0-2-5	
				111	0-0-5	
				112	0-16-5	
				113	0-15-5	
				146	0-1-0	
				126	0-18-8	
				130	2-8-0	
				140	0-7-10	
				141	0-0-10	
				139	0-13-12	

[No. O-14016/131/85-GP]

का. आ. 1006.—यत: केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश राज्य में हजीरा-बरेली से जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप लाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और, यत:, यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्पाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अत:, अब, पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग, बी-58/बी., अलीगंज, लखनऊ-226020 यू.पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टत: यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

हजीरा—बरेली—जगदीशपुर पाइप लाइन प्रोजेक्ट :—

जिला	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं.	रकबा	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
बदायूं	दातागंज	सलेमपुर	पढ़ोली-बझेड़ा		ही.ए.सि.	
				745	0-10-0	
				744	0-16-15	
				740	0-12-10	
				738	0-0-15	
				706	1-1-15	
				707	1-17-5	
				716	0-19-0	
				717	0-13-5	
				718	0-12-0	
				720	0-7-15	
				722		
				357	1-16-0	
				358	0-16-0	
				338	1-12-10	
				335	0-0-15	
				310	2-4-10	
				306	0-3-5	

[सं. O-14016/132/85-जीपी]

S.O. 1006.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajira—Bareilly to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Limited;

And, whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, it exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority Oil & Nautral Gas Commission, H.B.J. Pipeline Project B-58/B, Aliganj, Lucknow-226020, U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

Hajira—Bareilly—Jagdishpur Gas Pipeline Project.

Distt.	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Acquired Area	Remarks
1	2	3	4	5	6	7
Badaun	Data-ganj	Salem-pur	Pareli Bajhera	745	0-10-0	
				744	0-16-15	
				740	0-12-10	
				738	0-0-15	
				706	1-1-15	
				707	1-17-5	
				716	0-19-0	
				717	0-13-5	
				718	0-12-0	
				720	0-7-15	
				722		
				357	1-16-0	
				358	0-16-0	
				338	1-12-10	
				335	0-0-15	
				310	2-4-10	
				306	0-3-5	

[No. O-14016/132/85-GP]

का.आ. 1007.—यत: केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजिरा—बरेली—जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और, यत:, प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्पाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अत:, अब, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग बी-58-बी, अलीगंज, लखनऊ-226020 यू०पी० को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टत: यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

हाजिरा–बरेली–जगदीशपुर पाइपलाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं.	रकबा	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
बदायूं	दातागंज	सलेम-पुर	बिहारी-पुर हंसराज		बी.वि.वि.	
				1	0–3–8	
				6	0–5–0	
				7	0–4–5	
				5	0–7–10	
				8	0–10–10	
				चाकमार्ग	0–0–15	
				21	0–6–0	
				22	1–12–8	
				23	0–4–10	
				24	0–9–10	
				25	0–7–10	
				28	0–9–0	
				27	0–1–5	
				30	0–2–4	
				31	0–4–19	
				32	0–4–19	
				33	0–1–2	
				36	0–2–5	
				37	0–1–16	

[सं. O–14016/133/85–जीपी]

S.O. 1007.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajira—Bareilly to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Limited;

And, whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority Oil & Natural Gas Commission, H.B.J. Pipeline Project B-58|B, Aliganj, Lucknow-226020, U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

Hazira-Bareilly-Jagdishpur Gas Pipeline Project

Distt.	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area acquired	Remarks
1	2	3	4	6	6	7
Badaun	Data-ganj	Salem-pur	Bihari-pur Hansraj	1	0–3–8	
				6	0–5–0	
				7	0–4–5	
				5	0–7–10	
				8	0–10–10	
				Chak-marg	0–0–15	
				21	0–6–0	
				22	1–12–8	
				23	0–4–10	
				24	0–9–10	
				25	0–7–10	
				28	0–9–0	
				27	0–1–5	
				30	0–2–4	
				31	0–4–19	
				32	0–4–19	
				33	0–1–2	
				36	0–2–5	
				37	0–1–16	

[No. O–14016/133/85-GP]

का.आ. 1008. —यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा–बरेली–जगदीशपुर तक पेट्रोलियम परिवहन के लिए पाइपलाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लिए द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और, यतः, प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदुपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः, अब, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग वी-58 बी, अलीगंज, लखनऊ-226020 यू.पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

हाजिरा–बरेली–जगदीशपुर पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं.	रकबा	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
बदायूं	दातागंज	सलेम-पुर	लहडेरी पोखता		बी.वि.वि.	
				168	0–15–8	
				100	2–8–0	
				172	0–1–2	
				171	0–1–2	

[सं. O–14016/134/85–जी. पी.]

S.O. 1008.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajra—Bareily to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Limited;

And, whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petrolum and Minerals

Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority Oil & Natural Gas Commission, H.B.J. Pipeline Project B-58/B, Aliganj, Lucknow-226020, U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

Hazira-Bareilly-Jagdishpur Gas Pipeline Project

Distt.	Tehsil	Pargana	Village	Plot no.	Acquired Area	Remarks
1	2	3	4	5	6	7
Badaun	Data-ganj	Salem-pur	Lahderi Pokhta	168	0-15-8	
				170	2-8-0	
				172	0-1-2	
				171	0-1-2	

[No. O-14016/134/85-GP]

का.आ. 1009.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोक-हित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली-जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि० द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने का प्रयोजन के लिए एतदुपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) (अधिनियम, 1962) (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण लि० बी-58/बी अलीगंज लखनऊ-226020 यू. पी., को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतया यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

हाजिरा-बरेली-जगदीशपुर तक गैस पाइप लाइन बिछाने हेतु

जिला	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं.	अर्जित रकबा एकड़ में	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
जालौन	जालौन	जालौन	राज-पुरा	302	0-03	
				385	0-02	
				386	0-60	
				387	0-02	
				388	0-70	
				389	0-05	
				390	0-05	
				391	0-10	
				392	0-02	
				395	0-15	
				396	0-15	
				397	0-15	
				398	0-17	
				399	0-22	
				400	0-04	
				416	0-15	
				417	0-10	
				418	0-10	
				419	0-15	
				420	0-02	
				423	0-10	
				424	0-05	
				425	0-03	
				426	0-07	
				427	0-09	
				428	0-15	
				430	0-15	
				431	0-30	
				441	0-02	
				448	0-02	
				449	1-06	
				452	0-02	
				453	0-33	
				455	0-01	
				456	0-02	
				582	0-60	
				583	0-01	
				584	1-17	
				587	0-02	
				591	0-20	
				592	1-12	
				612	0-03	
				588	0-16	

[सं. O-14016/135/85-जी. पी.]

S.O. 1009.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajira—Bareilly to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Limited;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority Gas Authority of India Limited, H.B.J. Pipeline Project B-58/B, Aliganj, Lucknow-226020, U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

Gas Pipe Line from Hajira-Bareilly-Jagdishpur Project

Distt.	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area in acres	Remarks
1	2	3	4	5	6	7
Jalaun	Jalaun	Jalaun	Rajpura	382	0-03	
				385	0-02	
				386	0-60	
				387	0-02	
				388	0-70	
				389	0-05	
				390	0-05	
				391	0-10	
				392	0-02	
				395	0-15	
				396	0-15	
				397	0-15	
				398	0-17	
				399	0-22	
				400	0-04	
				416	0-15	
				417	0-10	
				418	0-10	
				419	0-15	
				420	0-02	
				423	0-10	
				424	0-05	
				425	0-03	
				426	0-07	
				427	0-09	
				428	0-15	
				430	0-15	
				431	0-30	
				441	0-02	
				448	0-02	
				449	1-06	
				452	0-02	
				453	0-33	
				455	0-01	
				456	0-02	
				582	0-60	
				583	0-01	
				584	1-17	
				587	0-02	
				591	0-20	
				592	1-12	
				612	0-03	
				588	0-16	

[No. O-14016/135/85-GP]

का. आ. 1010.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा—बरेली—जगदीशपुर पाइप लाइन तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि० द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) (अधिनियम 1962) (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण लि० बी-58/बी, अलीगंज-226020 यू. पी., को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतया यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

चीअनुसू

हाजिरा—बरेली—जगदीशपुर तक गैस पाइप लाइन बिछाने हेतु

जिला	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं.	अर्जित करवा विस्तार एकड़ में
1	2	3	4	5	6 7
जालौन	कोंच	कोंच	कोंच	80	0-65
				82	0-75
				83	0-22
				84	0-03
				86	0-58
				87	0-60
				101	0-60
				103	0-15
				145	0-05
				151	1-05
				167	0-55
				168	0-03
				169	0-03
				171	0-70
				176	1-00
				177	0-55
				200	0-65
				201	0-90
				203	1-40
				224	0-15
				228	0-02
				229	0-30
				230	1-15
				246	1-50
				247	0-75
				248	0-10
				249	0-50
				250	0-65
				265	1-00
				268	1-35
				274	0-02
				275	0-85
				276	0-98
				2290	
				201	0-21
				2291	
				203	0-35

[सं. O-14016/136/85-जी. पी.]

S.O. 1010.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajira—Bareilly to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Limited;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority Gas Authority of India Ltd., H.B.J. Pipeline Project B-58/B, Aliganj, Lucknow-226020, U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

Gas Pipe line from Hajira-Bareilly-Jagdishpur Project

District	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area in acres	Remarks
Jalaun	Konch	Konch	Konch	80	0-65	
				82	0-75	
				83	0-22	
				84	0-03	
				86	0-58	
				87	0-60	
				101	0-60	
				103	0-15	
				145	0-05	
				151	1-05	
				167	0-55	
				168	0-03	
				169	0-03	
				171	0-70	
				176	1-00	
				177	0-55	
				200	0-65	
				201	0-90	
				203	1-40	
				224	0-15	
				228	0-02	
				229	0-30	
				230	1-15	
				246	1-50	
				247	0-75	
				248	0-10	
				249	0-50	
				250	0-65	
				265	1-00	
				268	1-35	
				274	0-02	
				275	0-85	
				276	0-98	
				2290	0-21	
				201		
				2291	0-35	
				203		

[No. O-14016/136/85-GP]

का. आ. 1011—यत : केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली-जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि० द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यत : प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदुपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अत : अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण लि० बी.-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-226020 यू. पी., को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतया यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

गैस पाइप लाइन हाजिरा-बरेली-जगदीशपुर तक बिछाने हेतु

जिला	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं.	अर्जित रकबा एकड़ में	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
जालौन	जालौन	जालौन	गोरामु-बका	822	0-48	
				823	0-48	
				826	0-03	
				842	0-90	
				843	0-02	
				846	0-75	
				847	0-03	
				852	0-08	
				853	0-30	
				854	0-03	
				872	0-35	
				873	0-90	
				874	0-02	
				875	0-02	
				876	0-02	
				881	0-54	
				882	0-30	
				885	0-70	
				912	1-05	
				913	0-02	
				914	0-04	
				915	0-08	
				916	0-16	
				917	0-02	
				918	0-02	
				938	0-06	
				941	0-03	
				954	0-40	
				955	0-60	
				956	0-03	
				957	0-05	
				981	0-09	

1	2	3	4	5	6	7
				1008	0–18	
				1009	0–60	
				1010	0–03	
				1011	0–15	
				1014	0–30	
				1015	0–30	
				1016	0–03	
				1018	0–20	
				1019	1–05	
				1021	1–00	
				1031	0–03	
				1036	0–30	
				1039	0–02	
				1040	0–54	
				1041	0–03	
				1045	0–20	
				1046	0–50	
				1081	0–03	
				1086	0–75	
				1088	0–03	
				1090	0–75	
				1091	0–03	
				1111	0–68	
				1113	0–02	
				1114	0–02	
				1115	0–02	
				1116	0–65	
				1117	0–02	
				1118	0–02	

[सं. O-14016/137/85-जी. पी.]

S.O. 1011.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajira—Bareilly to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Limited;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority Gas Authority. of India Ltd., H.B.J. Pipeline Project B-58/B, Aliganj, Lucknow-226020, U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practtioner.

SCHEDULE

Gas Pipe Line from Hajira-Bareilly-Jagdishpur Project

District	Tehsil	Pargana	Village	Flat No.	Area in acres	Remarks
1	2	3	4	5	6	7
Jalaun	Jalaun	Jalaun	Gora Bubka	822	0–48	
				823	0–48	
				826	0–03	
				842	0–90	
				843	0–02	
				846	0–75	
				847	0–03	
				852	0–08	
				853	0–30	
				854	0–03	
				872	0–35	
				873	0–90	
				874	0–02	
				875	0–02	
				876	0–02	
				881	0–54	
				882	0–30	
				885	0–70	
				912	1–05	
				913	0–02	
				914	0–04	
				915	0–08	
				916	0–16	
				917	0–02	
				918	0–02	
				938	0–06	
				941	0–03	
				954	0–40	
				955	0–60	
				956	0–03	
				957	0–05	
				961	0–09	
				1008	0–18	
				1009	0–60	
				1010	0–03	
				1011	0–15	
				1014	0–30	
				1015	0–30	
				1016	0–03	
				1018	0–20	
				1019	1–05	
				1021	1–00	
				1031	0–03	
				1036	0–30	
				1039	0–02	
				1040	0–54	
				1041	0–03	
				1045	0–20	
				1046	0–50	
				1081	0–03	
				1086	0–75	
				1088	0–03	
				1090	0–75	
				1091	0–03	
				1111	0–68	
				1113	0–02	
				1114	0–02	
				1115	0–02	
				1116	0–65	
				1117	0–02	
				1118	0–02	

[No. O-14016/137/85—GP]

का.आ. 1012.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा—बरेली—जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि० द्वारा तक बिछाई जानी चाहिए।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने का प्रयोजन के लिए एतद्पाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग बी-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-226020 यू. पी., को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतया यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

हाजिरा–बरेली–जगदीशपुर तक गैस पाइप लाइन बिछाने हेतु

जिला	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं.	अर्जित किया जाने वाला क्षेत्रफल एकड़ में	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
जालौन	जालौन	जालौन	नैना-पुर	5	0–03	
				8	0–50	
				13	0–15	
				14	0–21	
				16	0–35	
				23	0–80	
				69	0–05	
				71	0–02	
				72	0–16	
				89	0–80	
				93	0–20	
				94	0–11	
				95	0–04	
				100	0–01	
				129	0–01	
				130	0–20	
				132	0–25	
				136	0–25	
				137	0–07	
				138	0–15	
				139	0–30	
				140	0–03	
				146	0–05	
				148	0–05	
				150	0–03	
				151	0–35	
				154	0–03	
				182	0–20	
				283	0–01	
				284	0–18	
				285	0–08	
				292	0–50	
				294	0–03	
				307	0–10	
जालौन	जालौन	जालौन	नैनापुर	308	0–70	
				309	0–35	
				314	0–01	
				313	0–10	
				318	0–04	
				91	0–02	

[सं. 0-14016/138/85-जी. पी.]

एम. एस० श्रीनिवासन, उप सचिव

S.O. 1012.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajira—Bareilly to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Limited;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority Oil & Natural Gas Commission, H.B.J. Pipeline Project B-58/B, Aliganj, Lucknow-226020, U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

Gas Pipe Line from Hajira-Bareilly-Jagdishpur Project

District	Tahsil	Pargana	Village	Plot No.	Area in acres	Remarks
1	2	3	4	5	6	7
Jalaun	Jalaun	Jalaun	Naira Pur	5	0-03	
				8	0-50	
				13	0-15	
				14	0-21	
				16	0-35	
				23	0-80	
				69	0-05	
				71	0-02	
				72	0-16	
				89	0-80	
				93	0-20	
				94	0-11	
				95	0-04	
				100	0-01	
				129	0-01	
				130	0-20	
				132	0-25	
				136	0-25	
				137	0-07	
				138	0-15	
				139	0-30	
				140	0-03	
				146	0-05	
				148	0-05	
				150	0-03	
				151	0-35	

1	2	3	4	5	6	7
Jalaun	Jalaun	Jalaun	Naina Pur	154	0–03	
				182	0–20	
				283	0–01	
				284	0–18	
				285	0–08	
				292	0–50	
				294	0–03	
				307	0–10	
				308	0–70	
				309	0–35	
				314	0–01	
				313	0–10	
				381	0–04	
				91	0–02	

[No. O-14016/138/85—GP]
M. S. SRINIVASAN, Dy. Secy.

खाद्य और नागरिक पूर्ति मंत्रालय

(नागरिक पूर्ति विभाग)

भारतीय मानक संस्था

नई दिल्ली, 7 फरवरी, 1985

का. आ. 1013:—भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम 1955 के नियम 3 के उपविनियम (2) तथा विनियम 3 के उपविनियम (2) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि जिन भारतीय मानकों के ब्यौरे अनुसूची में दिये गये हैं तिथि 1981-11-30 को निर्धारित किये गये हैं।

अनुसूची

क्रम संख्या	निर्धारित भारतीय मानकों की पदसंख्या एवं शीर्षक	नये भारतीय मानक द्वारा अतिक्रमित भारतीय मानक या मानकों यदि कोई हो की पदसंख्या एवं शीर्षक	अन्य विवरण
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	*IS : 158-1981 बुरूश द्वारा लगाने के बिटूमनी काला, सीसा रहित, अम्ल क्षार और ऊष्मा प्रतिरोधी तैयार मिश्रित काले रोगन की विशिष्टि	IS : 158-1968 बुरूश द्वारा लगाने के बिटूमनी, सीसा युक्त अम्ल, क्षार, पानी और ऊष्मा प्रतिरोधी, सामान्य कार्यों के लिये तैयार मिश्रित काले रोगन की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	1981-08-31 को स्थापित *भारतीय मानक संस्था प्रमाणन चिह्न योजना हेतु IS : 158-1981 तिथि 1982-04-15 से लागू होगा।
2.	IS : 397 (भाग 3)-1980 उत्पादन के दौरान सांख्यिकीय गुणता नियंत्रण की पद्धति भाग 3 विशेष नियंत्रण सारणियां	—	—
3.	IS : 879-1981 सोडियम नाइट्रेट की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 879-1958 सोडियम नाइट्रेट तकनीकी की विशिष्टि	—
4.	IS : 1343-1980 पूर्वप्रतिबलित कंक्रीट निर्माण की रीति संहिता (पहला पुनरीक्षण)	IS : 1343-1960 पूर्व प्रतिबलित कंक्रीट निर्माण की रीति संहिता	—
5.	IS : 1403-1981 धातुओं की उल्टा मोड़कर परीक्षण की पद्धति (पहला पुनरीक्षण)	IS : 1403-1959 3 मिमी मोटाई से कम की इस्पात की चद्दर एवं पत्ती को उल्टा मोड़कर परीक्षण की पद्धति	—
6.	IS : 1448 (भाग 102)-1981 पेट्रोलियम और उसके उत्पादों की परीक्षण पद्धतियां (भाग : 102) वायुमोचन वाल्व का निर्धारण	—	—
7.	IS : 1448 (भाग 105)-1981 पेट्रोलियम और उसके उत्पादों की परीक्षण पद्धतियां (पी : 105) पेट्रोलियम उत्पादों का परावैंगनी (यू वी) अवशोषण कि और अवशोषकता	—	—
8.	*IS : 1626 (भाग 1)-1980 भवन निर्माण के लिये एस्बेस्टास सीमेन्ट के पाइप और पाइप फिटिंग, नालियां और नाली फिटिंगों एवं छत की फिटिंगों की विशिष्टि भाग 1 पाइप एवं पाइप फिटिंगें (पहला पुनरीक्षण)	IS : 1626-1960 भवन निर्माण के लिये एस्बेस्टास सीमेन्ट के पाइप नालियों एवं फिटिंगों (स्पीगाट एवं साकेट टाइप वाली) की विशिष्टि	1981-08-31 को स्थापित *भारतीय मानक संस्था प्रमाणन चिह्न योजना हेतु IS : 1626 (भाग 1) 1980 तिथि 1982-04-15 से लागू होगा।
9.	IS : 2333-1981 मृत्तिका उद्योग के लिये पैरिस-प्लास्टर की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 2333-1963 पैरिस-प्लास्टर की विशिष्टि	—

(1)	(2)	(3)	(4)
10.	IS : 2460-1981 व्यायाम में प्रयुक्त पामल्ड हार्स, वाल्टिंग हार्स एवं वाल्टिंग बक की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 2460-1963 व्यायाम में प्रयुक्त पामल्ड हार्स, वाल्टिंग हार्स एवं वाल्टिंग बक की विशिष्टि	—
11.	IS : 2693-1980 पावर प्रेषण के लिये बुश टाइप के सुनम्य युग्मन की विशिष्टि . (पहला पुनरीक्षण)	IS : 2693-1964 ढलवाँ लोहे के सुनम्य युग्मन की की विशिष्टि	1981-08-31 को स्थापित
12.	IS : 3144-1981 खनिज उन की ताप रोधन सामग्रियों की परीक्षण पद्धतियां (पहला पुनरीक्षण)	IS : 3144-1965 खनिज उन की ताप रोधन सामग्रियों की परीक्षण पद्धतियां	—
13.	IS : 3650-1981 संयोजन पार्श्व कर्तक प्लासों की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	IS : 3650-1973 संयोजन पार्श्व, कर्तक प्लासों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	1981-09-31 को स्थापित
14.	IS : 3898-1981 जिमेय, तकनीकी की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 3898-1966 जिमय, तकनीकी की विशिष्टि	—
15.	IS : 4493 (भाग 2)-1981 खोखले धात्विक तरंग गाईड की विशिष्टि भाग 2 साधारण, कठोर, आयताकार तरंग गाइड		—
16.	IS : 5167-1981 छेदित खुले जबड़े वाले रिन्च (स्पैनर्स) (पहला पुनरीक्षण)	IS : 5167-1969 चाबलों एवं डिबरियों के लिये छेदवार खुले जबड़े वाले स्पैनरों की विशिष्टि, (एम. 1.6 से एम 5 तक के	—
17.	IS : 5927-1981 स्लीवस 7/24 टेपर्स से मार्स टेपर्स के लघुकरण की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 5927-1970 रिडक्सन स्लीव 7/24 टेपर्स से मोर्स टेपर की विशिष्टि	—
18.	IS : 5939-1981 खोलदार औजारों के लिये मोर्स टेपर शैंक वाले आर्बर की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 5939-1970 खोलदार औजारों के लिये मोर्स टेपर शैंक वाले आर्बर की विशिष्टि	
19.	IS : 6157-1981 वाल्व निरीक्षण एवं परीक्षण (पहला पुनरीक्षण)	S : 6157-1971 तरल पदार्थों के नियंत्रण कार्यों के लिये वाल्वों एवं टोंटियों के निरीक्षण के सामान्य नियम	
20.	IS : 6312-1980 सामान ढोने के लिये पालि-एथाइलीन के डिब्बों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 6312-1971 तरल पदार्थ (5 लीटर और उससे अधिक) ढोने के लिये पालिएथाइलीन के डिब्बों की विशिष्टि	1980-09-30 को स्थापित
21.	IS : 6403-1981 कमगहरी नीवों के सहन क्षमता ज्ञात करने की रीति संहिता (पहला पुनरीक्षण)	IS : 6403-1971 कम गहरी नीवों पर अनुज्ञेय सहन दाब ज्ञात करने की रीति संहिता	—
22.	IS : 6429-1981 हेप्टाक्लोर धूलन चूर्ण की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 6429-1972 हेप्टाक्लोर धूलन चूर्ण की विशिष्टि	1981-10-31 को स्थापित
23.	IS : 7200 (भाग 1)-1981 सांख्यिकीय आकड़ों का प्रस्तुतिकरण भाग 1 सारणीकरण एवं संक्षेपण	IS : 7200 (भाग 1)-1974 सांख्यिकीय आकड़ों का प्रस्तुतीकरण : सारणीकरण एवं संक्षेपण	—
24.	IS : 7785-(भाग 5/खंड 1)-1981 उत्थापित नमूने की हवाई अड्डे की प्रकाश फिटिंगों की विशिष्टि भाग 5 आगमन प्रकाश फिटिंगें खंड 1 उच्च क्षमता वाली उत्थापित आगमन प्रकाश फिटिंगे	—	—
25.	IS : 7809 (भाग 3 खण्ड 3)-1981 विद्युत कार्यों के लिये दाब संवेदनशील चेपदार टेपों की विशिष्टि भाग 3 अलग-अलग सामग्रियों की विशिष्टियां	—	—

(1)	(2)	(3)	(4)
26.	IS : 8161 (भाग 5)-1981 उपकरण विश्व-सनीयता परीक्षण की मार्गदर्शिका भाग 5 सफलता अनुपात के लिये अनुपालन परीक्षण योजनाएं	—	—
27.	IS 9001(भाग 9)-1981 पर्यावरण परीक्षण के लिए मार्गदर्शन भाग 9 झलाई योग्यता एवं झलाई ऊष्ण प्रतिरोधिता	—	—
26.	IS :9281 (भाग 3)-1981 इलेक्ट्रोनी तोल तंत्रों की विशिष्टि भाग 3 अपेक्षाएं	—	1981-10-31 को स्थापित
29.	IS : 9694 (भाग 1)-1980 कृषि प्रयोग के लिये ऊर्ध्व अपकेन्द्री पम्पों के चयन, संस्थापन, संचालन और रख रखाव की रीति संहिता भाग 1 चयन	—	—
30.	IS :9702-1980 ध्वनि रिकार्ड करने और 7 दुबारा बजाने के कैसेटों के चुम्बकीय टेपों की विशिष्टि	—	—
31.	IS :9706-1980 सामान परिवहन के लिये आकाशीय रज्जुमार्ग के निर्माण की रीति संहिता	—	—
37.	IS : 9731-1980 सामान्य इंजीनियरी कार्यों के लिये इस्पात की ढलाई की विशिष्टि	—	—
33.	IS :9779-1981 ध्वनि स्तर मापी की विशिष्टि	(1) IS : 3931-1966 मोटर वाहन द्वारा उत्सर्जित शोर मापन के लिये ध्वनि स्तर मापी की विशिष्टि (2) IS : 3932-1966 सामान्य प्रयोग हेतु ध्वनि स्तर मापी की विशिष्टि	1981-09-30 को स्थापित
34.	IS : 9789-1891 द्रवित पट्रोलियम गैस (एल-पीजी) मिश्रण के साथ प्रयोग के लिये अल्प दाब रेगुलेटरों की विशिष्टि	—	—
35	IS : 9812-1981 डिम्बावन्द पालक की विशिष्टि	—	1981-10-31 को स्थापित
36	IS : 9814-1981 समुद्री प्रयोग के लिये सीमा-अम्ल संग्राही बैट्रियों की विशिष्टि	—	—
37.	IS : 9819 (भाग 1)-1981 दरदर्शन की चित्र ट्यूबों के साथ प्रयुक्त लाइन निर्गत परिवर्तकों की विशिष्टि भाग 1 सामान्य अपेक्षाएं एवं परीक्षण	—	—
38.	IS : 9831-1981 प्रसाधन सामग्री उद्योग के लिये सोडियम हाइड्रोक्साइड की विशिष्टि	—	—
39.	IS : 9853-1981 दुग्ध एकत्र करने की तस्तरियों की विशिष्टि	—	—
40.	IS : 9855-1981 बोने, रोपण करने, उर्वरक एवं खाद डालने के प्रयोग उपस्करों सम्बन्धी परिभाषिक शब्दावली	—	—
41.	IS : 9861-1981 सामान्य इंजीनियरी प्रयोग हेतु पिटवां तांबा एवं तांबा मिश्रित धातु के तारों के माप	—	—
42.	IS : 9872-1981 पूर्वनिर्मित कंक्रीट के सेप्टिक टैंकों की विशिष्टि	—	—

(1)	(2)	(3)	(4)
43.	IS : 9874-1981 गृह कार्यों के लिये सिलाई मशीन की हत्थी एवं तल संयोजन की विशिष्टि	—	—
44.	IS : 9875-1981 लिपिस्टिक की विशिष्टि	—	—
45.	IS : 9881-1981 श्रेणी 1 सी और 1 सी सी आई एस ओ भाड़ा डिब्बों के लिये विस्तारित्रों की विशिष्टि	—	—
46.	IS : 9889-1981 रेशम एवं ऊन अथवा बालों के युग्म मिश्रिणों के मात्रात्मक रासायनिक विश्लेषण की पद्धति	—	—
47.	IS : 9890-1981 सामान्य प्रयोग हेतु गोला बाल्बों की विशिष्टि	—	—
48.	IS : 9892-1981 प्रस्तरण छड़ की विशिष्टि	—	—
49.	IS : 9895-1981 खींचने वाले वाहनों एवं अनुवाहनों में विद्युतीय कनेक्सन परीक्षण पद्धतियां एवं अपेक्षाएं	—	—
50.	IS : 9898-1981 सर्वेक्षण के लिये हीलियोट्रोप की विशिष्टि	—	—
51.	IS : 9410 (भाग 3-1981 चांदी के बिलप सेट की विशिष्टि भाग 3 रेक, बिलप	—	—
52.	IS : 9903-1981 कपास बन्धनी की विशिष्टि	—	—
53.	IS : 9904-1981 स्थिर हुकों की विशिष्टि	—	—
54.	IS : 9906-1981 धुलाई स्टार्च की विशिष्टि	—	—
55.	IS : 9907-1981 500 मिली की क्षमता की दुग्ध बोतलों हेतु उच्च घनत्व वाले पालिएथाइलीन (एच डी पी ई) के क्रेट्रों की विशिष्टि	—	—
56.	IS : 9915-1981 स्थिर कैमरों के लेन्स छिद्र चिह्नाकनों की विशिष्टि	—	—
57.	IS : 9916-1981 फोटोग्राफी लेन्सों के दूरी स्केल चिह्नाकनों की विशिष्टि	—	—
58.	IS : 9918-1981 शीशा रेशा तुल्य प्रबलित डामर से स्वस्थान जलसह एवं सील-सह उपचार की रीति संहिता	—	—
59.	IS : 9920 (भाग 1)-1981 1100 वो की वोल्टता से अधिक के लिये प्रत्यावर्ती करन्ट स्विचों की विशिष्टि भाग 1 सामान्य एवं परिभाषाएं	—	—
60.	IS : 9922-1981 खुली नालियों में प्रवाह मापन पद्धति के चयन की मार्गदर्शिका	—	—
61.	IS : 9923-1981 बिजली मुलम्मा हेतु पैलेडियम लवणों की विशिष्टि	—	—
62.	IS : 9924-1981 बिजली मुलम्मा हेतु रोडियम लवणों की विशिष्टि	—	—
63.	IS : 9925-1981 सोना एवं चांदी के माला और काशीदाकारी सामान में सोना एवं चांदी के ज्ञात करने की पद्धिति	—	—

1	2	3	4
64.	IS : 9927-1981 समायोग शिकंजों की विशिष्टि डेल फेमोरल पापलिटील नमूने के	—	—
65.	IS : 9928-1981 महाधमनी शिकंजें की विशिष्टि डीबैकी के नमूने का (चम्मच के आकार के कोणीय मुख वाले)	—	—
66.	IS : 10001-1981 सामान्य कार्यों के लिय सतत गति के सम्पीड्क प्रज्वलन (डीजल) इंजनों (20 किवा तक के) की कार्यकारिता अपेक्षाओं की विशिष्टि	—	1981-07-31 को स्थापित *भारतीय मानक संस्था प्रमाणन चिन्ह योजना हेतु IS : 10001-1981 तिथि 1982-07-01 से लागू होगा।

इन भारतीय मानकों की प्रतियां भारतीय मानक संस्था, मानक भवन, 9 बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002 और अहमदाबाद, बम्बई, बंगलोर, भुवनेश्वर, कलकत्ता, चंडीगढ़, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर मद्रास, पटना एवं तिरुवेन्द्रम स्थित कार्यालयों से बिक्री के लिये उपलब्ध हैं।

[सं० सी एम डी/13 : 2]

MINISTRY OF FOOD AND CIVIL SUPPLIES

(Deptt. of Civil Supplies)

INDIAN STANDARDS INSTITUTION

New Delhi the 7th February, 1985

S.O. 1013 .—In pursuance of sub-rule (2) of Rule 3 and Sub-regulations (2) and (3) of regulation 3 of Indian Standards Institution (Certification Marks) Rules and Regulations, 1955, the Indian Standards Institution hereby notifies that the Indian Standard(s), particulars of which are given in the Schedule hereto annexed, have been established on 1981-11-30 :

SCHEDULE

Sl. No. and No.	Title of the Indian Standards Established	No. and Title of the Indian Standard or Standards, if any, superseded by the new Indian Standard	Remarks, if any
1	2	3	4
1.	*IS : 158—1981 Specification for ready mixed paint, brushing, bituminous, black, lead free, acid, alkali and heat resisting (Third revision)	IS : 158-1968 Specification for ready mixed paint, brushing, bituminious, black, lead-free, acid alkali, water and heat resisting for general purposes (second Revision)	Established on 1981-08-31 *For purposes of ISJ certif catin Marks Scheme; I : 158—1981 shall come into force with effect from 1982-04-15
2.	IS : 397 Pt. III)—1980 Method for statistical quality control during production Part III Special Control Charts	—	—
3.	IS : 879—1981 Specification for Sodium Nitrite (First Revision)	IS : 879—1956 Specification for Sodium Nitrite technical	—
4.	IS : 1343—1980 Code of practice for prestressed concrete (First Revision)	IS : 1343—1960 Code of practice for prestressed concrete	—
5.	IS : 1403—1981 Method for reverse bend testing of metals (First Revision)	IS : 1403—1959 Method for reverse bend test for steel test and stripless than 3 mm thick	—
6.	IS : 1448 (P : 102)—1981 Methods of test for petroleum and its products (P : 102) Determination of air release valve	—	Established on 1981-09 30
7.	IS : 1448 (P : 105)—1981 Methods of test for petroleum and its products (P : 105) Ultravialet (UV) absorbance and absorptivity of petroleum products	—	—

1	2	3	4
8.	*IS : 1626 (Part-I)—1980 Specification for asbestos cement building pipes and pipe fittings, gutters and gutter fittings and roofing fittings Part I Pipes and Pipe fittings (First Revision)	IS : 1626—1960 Specification for asbestos cement building pipes, gutters and fittings (Spigot and socket types)	Established on 1981-08 31 *For purpose of ISI Certification Marks Scheme; IS : 1626 Part-I)—1980 shall come into force with effect from 1982-04-15
9.	IS : 2333—1981 Specification for plaster of paris for ceramic industry (First Revision)	IS : 2333—1963 Specification for plaster of paris	——
10.	IS : 2460—1981 Specification for pommelled horse, vaulting horse and vaulting buck used in gymnastics (First Revision)	IS : 2460—1963 Specification for pommelled horse, vaulting horse buck used in gymnastics	——
11.	IS : 2693—1980 Specification for bush type flexible couplings for power transmission (First Revision)	IS : 2693—1964 Specification for cast iron flexible couplings	Established on 1981-08-31
12.	IS : 3144—1981 Methods of test for mineral wool thermal insulation materials (First Revision)	IS : 3144—1965 Methods of test for mineral wool thermal insulation materials	——
13.	IS : 3650—1981 Specification for combination side cutting pliers (Second Revision)	IS : 3650—1973 Specification for combination side cutting pliers (First Revision)	Established on 1981-09-30
14.	IS : 3898—1981 Specification for Zineb, technical (First Revision)	IS : 3898—1966 Specification for Zineb, technical	——
15.	IS : 4493 (Part II—1981 Specification for hollow metallic waveguides Part II ordinary rigid rectangular wave guides	——	——
16.	IS : 5167—1981 Specification for punched open-jaw wrenches (Spanners) (First Revision)	IS : 5167—1969 Specification for punched open-jaw spanners for bolts and nuts M 1.6 toM 5	——
17.	IS : 5927—1981 Specification for reduction sleeves 7/24 tapers to morse tapers (First Revision)	IS : 5927—1970 Specification for reduction sleeves 7/24 tapers to morse tapers	——
18.	IS : 5936—1981 Specification for arbors with morse taper shan s for shell tools (First Revision)	IS : 5936—1970 Specification for arbors with morse taper shanks for shell tools	——
19.	IS : 6157—1981 Valve inspection and test (First Revision)	IS : 6157—1971 General rules for inspection of valves & cocks for fluid control purposes	——
20.	IS : 6312—1980 Specification for polyethylene containers for the transport of materials (First Revision)	IS : 6312—1971 Specification for polyethylene containers for transporting liquids (5 litres and above)	Established on 1980-09-30
21.	IS : 6403—1981 Code of practice for determination of bearing capacity of shallow foundations (First Revision)	IS : 6403—1971 Code of practice for determination of allowable bearing pressure on shallow foundations	——
22.	IS : 6429—1981 Specification for heptachlor dusting powders (First Revision)	IS : 6429—1972 Specification for heptachlor dusting powders	Established on 1981-10-31
23.	IS : 7200 (Part I)—1981 Presentation of statistical data Part I tabulation and summarization (First Revision)	IS : 7200 (Part I)—1984 Presentation of statistical data : tabulation and and summarization	——
24.	IS : 7785 (Part V/Sec I)—1981 Specification for elevated tape aerodrome lighting fittings Part V Approach lighting fittings Section I high intensity elevated approach lighting fittings	——	——
25.	IS : 7809 Part III/Sec 3)—1981 Specification for pressure sensitive adhesive tapes for electrical purposes Part III specification for individual materials Section 3 polyster film tapes (PETP) with Non-thermosetting adhesive	——	——

1	2	3	4
26.	IS : 8161 (Part V)—1981 Guide for equipment reliability testing Part V compliance test plans for success ratio	—	—
27.	IS : 9001 (Part IX)—1981 Guidance for environmental testing Part IX solderability and resistance to soldering heat	—	—
28.	IS : 9281 (Part III)—1981 Specification for electronic weighting systems Part III requirements	—	Established on 1981-10-31
29.	IS : 9694 (Part I)—1980 Code of practice for the selection, installation, operation and maintenance of horizontal centrifugal pumps for agricultural applications Part I selection	—	—
30.	IS : 9702—1980 Specification for magnetic tapes for cassettes for sound recording and reproduction	—	—
31.	IS : 9706—1980 Code of practice for the construction of aerial ropeways for the transportation of material	—	—
32.	IS : 9731—1980 Specification for steel castings for general engineering purposes	—	—
33.	IS : 9779—1981 Specification for sound level meters	(i) IS : 3931—1966 Specification for sound level meters for the measurement of noise emitted by motor vehicle (ii) IS : 3932—1966 Specification for sound level meters for general purpose use	Established on 1981-09-30
34.	IS : 9798—1981 Specification for low pressure regulators for use with liquified petroleums gas (LPG) mixtures	—	—
35.	IS : 9812—1981 Specification for canned spinach	—	Established on 1981-10-31
36.	IS : 9814—1981 Specification for lead-acid storage batteries for mrine use	—	—
37.	IS : 9819 (Part I)—1981 Specification for line output transformers (EHT) used with TV picture tubes Part I general requirements and tests	—	—
38.	IS : 9831—1981 Specification for sodium hydroxide for cosmetic industry	—	—
39.	IS : 9853—1981 Specification for milk collection trays	—	—
40.	IS : 9855—1981 Glossary of terms relating to sowing, planting, fertilizer and manure application equipment	—	—
41.	IS : 9861—1981—Dimensions for wrought copper and copper alloy wires for general engineering purposes	—	—
42.	IS : 9872—1981 Specification for precast concrete septic tanks	—	—
43.	IS : 9874—1981 Specification for arm and bed assembly for sewing machines for household purpose	—	—
44.	IS : 9875—1981 Specification for lipstick	—	—
45.	IS : 9881—1981 Specification for spreaders for series 1 C and 1 C ISO freight containers	—	—
46.	IS : 9889—1981 Method for quantitative chemical analysis of binary mixtures of silk and wool or hair	—	—
47.	IS : 9890—1981 Specification for general purpose ball-valves		—

(1)	(2)	(3)	(4)
48.	IS : 9892—1981 Specification for subtense bar	—	—
49.	IS : 9895—1981 Electrical connections between towing vehicles and trailers—test methods and requirements	—	—
50.	IS : 9898—1981 Specification for heliotrope, surveying	—	—
51.	IS : 9410 (Part III)—1981 Specification for silver clip set Part III rack, clip	—	—
52.	IS : 9903—1981 Speciafication for brace, skull	—	—
53.	IS : 9904—1981 Specfiication for hooks, dural	—	—
54.	IS : 9906—1981 Specification for laundry starch	—	—
55.	IS : 9907—1981 Specification for high density polyethylene (HDPE) crates for 500-ml glass milk bottles	—	—
56.	IS : 9915—1981 Specifiication for lens aperture markings, still cameras	—	—
57.	IS : 9916—1981 Specification for distance scale markings of photographic lenses	—	—
58.	IS : 9918—1981 Code of practice for IN-SITU waterproofing and damp-proofing treatment with glass fibre tissue reinforced bitumen	—	—
59.	IS : 9920 (Part-I)—1981 Specification for alternating current switches for voltages above 1000 V Part I general and definitions	—	—
60.	IS : 9922—1981 Guide for selection of method of measuring flow in open channels	—	—
61.	IS : 9923—1981 Specification for palladium salts for electroplating	—	—
62.	IS : 9924—1981 Specification for rhodium salts for electroplating	—	—
63.	IS : 9925—1981 Method for determination of gold and silver in gold and silver thread and embroidery materials	—	—
64.	IS : 9927—1981 Specification for clamp, anastamosis Dale-Femoral Popliteal pattern	—	—
65.	IS : 9928—1981 Specification for clamp, aortic, De Bakey's pattern (Spoon shaped angled jaw)	—	—
66.	IS : 10001—1981 Specification for performance requirements for constant speed compressor ignition (diesel) engines for general purposes (upto 20 kw)	—	Established on 1981-07-31 *For purposes of ISI certification marks scheme; IS 10001—1981 shall come into force with effect from 1982-07-01

Copies of these Indian Standards are available for sale with the Indian Standards Institution, Manak Bhavan, 9, Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110002 and also from its branch offices at Amedabad, Bombay, Bangalore, Bhopal, Bhubaneshwar, Calcutta, Chandigarh, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Madras, Patna and Trivandrum.

[No. CMD/13: 2]

का. आ. 1014 :— समय-समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम, 1955 के विनियम 8] उपविनियम (1) के अनुसार अधिसूचित किया जाता है कि नीचे अनुसूची में विवरण सहित दिये गए 46 लाइसेंस मास अक्तूबर, 1981 में स्वीकृत किये गये और लाइसेंसधारियों को प्रमाणन चिह्न प्रयोग करने का अधिकार दिया गया।

अनुसूची

क्रम संख्या	लाइसेंस संख्या (सी एम/एल–)	वैधता की तिथि से	तक	लाइसेंसधारी का नाम एवं पता	लाइसेंस के अधीन वस्तु/प्रक्रिया एवं तत्संबंधी : पदनाम
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1	सी एम/एल–10011 08 1981 10 03	81-10-18	82-10-15	सुरेखा स्टील लि., 7 श्रीराम कृष्ण मन्दिर पथ, नार्थ बनला, हावड़ा (कार्यालय: 23-ए, नेताजी सुभाष रोड, सातवीं मंजिल कमरा नं. 1, कलकत्ता– 700001)	कंक्रीट प्रबलन के लिए ठंडी मुड़ी इस्पात की उच्च शक्ति वाली विकृत सरिया IS : 1786–1979
2.	सी एम/एल– 10012 09 1981 10 13	81-10-16	82-10-16	वही	संरचना इस्पात (मानक किस्म)– IS : 226-1975

(1) (2)	(3)	(4)	(5)	(6)
3. सी एम/एल– 10013 10 1981 10 13	81-10-16	82-10-15	इलेक्ट्रो लिंक इंडस्ट्रीज, एयर स्ट्रिप्स, चोरहाटा रीवां– 486001 (म. प्र.)	शिरोपरि प्रेषण कार्यों के लिए जस्तीकृत इस्पात प्रबलित एलुमिनियम के लड़दार चालक और एलुमिनियम चालक– IS : 398 (भाग 1 एवं 2)- 1978
4. सी एम/एल– 10014 11 1981 10 15	81-10-16	82-10-15	मित्रसेन इंडस्ट्रीज, देहली– मेरठ रोड, डाकघर रीथानी – 250105 (मेरठ)	शिरोपरि प्रेषण कार्यों के लिए जस्तीकृत इस्पात प्रबलित एलुमिनियम के लड़दार चालक और एलम्यूनियम चालक IS : 398 (भाग 1 एवं 2)– 1976
5. सी एम/एल –10015 12 1981 01 15	81-11-01	82-10-15	दी टाटा आयरन एण्ड स्टील कं. लि. (एग्रिको डिविजन), जमशेदपुर	फावड़ा – कृषि टाइप अकठोरीकृत अवस्था में IS : 1759-1961
6. सी एम/एल–10016 13 1981 10 16	81-10-16	82-10-15	यूनिवर्सल केबल्स लि., पोस्ट बाक्स नं. 9, बिरला कालोनी, सतना (म. प्र.)	कोयला खानों में प्रयुक्त रबड़ रोधित सुनम्य पाश्व केबल, IS : 691–1966
7. सी एम/एल– 10017 14 1981 10 16	81-10-16	82-10-15	तलेरा कंडक्टर मैन्यूफैक्चरिंग कं., निकट रामधाम, हमीरगढ़ रोड, भीलवाड़ा–311001 (राजस्थान)	7 लड़ तक के शिरोपरि प्रेषण कार्यों के लिए जस्तीकृत इस्पात प्रबलित एलुमिनियम के लड़दार चालक और एलुमिनियम चालक– IS : 398 (भाग 1 एवं 2)– 1976
8. सी एम/एल– 10018 15 1981 10 16	81-10-16	82-10-15	सूर्य केबल्स, गली नं. 9, समयपुर बादली, दिल्ली– 110042	मोटर वाहनों में प्रयोग हेतु अन्य खोल रहित हल्के कार्य के पीवीसी रोधित केबल— IS : 2465 – 1969
9. सी एम/एल– 10019 16 1981 10 16	81-11-01	82-10-31	एग्रोमेटल एण्ड स्प्रे इक्विपमैन्ट कार्पोरेशन, गोहाना रेलवे क्रासिंग, दिल्ली रोड, रोहतक (हरियाणा)	हस्त– चालित निरन्तर नैप्सैक फुहारा, क्षमता 16 लीटर; पिस्टन टाइप-- IS : 3906 (भाग 1)- 1974
10. सी एम/एल– 10020 09 1981 10 20	81-11-01	82-10-31	फरीदाबाद गैस गजेट्स प्रा. लि., प्लाट सं. 369, सेक्टर 24, फरीदाबाद– 121005 (कार्यालय : एन–96, ग्रेटर कैलाश 1, नई दिल्ली– 110048)	द्रवित पेट्रोलियम गैस के साथ प्रयोग के घरेलू चूल्हे— IS : 4246– 1978
11. सी एम/एल– 10021 10 1981 10 20	81-11-01	82-10-31	पापुलर इंजिनियरिंग कारपोरेशन, मावड़ी प्लाट, नवरंगपुरा मैन रोड, राजकोट– 360 004 (गुजरात)	निम्नलिखित वर्ग का ऊर्ध्व, एक सिलिंडर, चार स्ट्रोक, जल शीतित, डीजल इंजिन : निर्गत – 5.88 केडब्ल्यू (8 बी एच पी) गति 850 आर पी एम गतिनियंत्रक– श्रेणी "बी" एस एफ सी–- 390 ग्रा./ वा घंटा IS : 1601– 1960
12 सी एम/एल– 10022 11 1981 10 22	81-11-01	82-10-31	शाह टीन फैक्ट्री, सी–20 एम. पी. शाह उद्योगनगर, सारु सेक्शन रोड, जामनगर– 361002 (गुजरात)	18 लीटर के वर्गाकार टीन— IS : 916 – 1975
13. सी एम/एल– 10023 12 1981 10 22	81-11-01	82-10-31	अमी इसेन्स एण्ड परफ्यूमर्स, प्लाट सं. 5, सदकेश्वर महादेव सोसायटी, अमलसाड, जिला बलसाड (गुजरात)	खाने के कोलतार रंग की निर्मितियां और मिश्रण— IS : 5346–1975
14. सी एम/एल–10024 13 1981 10 22	81-11-01	82-10-31	ट्रिकेम्स कैमके इंडस्ट्रीज प्रा. लि., 19 बी, एम आई डी सी केमिकल जोन, जूना मेंडीपाडा, अम्बरनाथ– 421501 (महाराष्ट्र) साऊथ रोड नं. 6, विले पारले, बम्बई– 400 056)	एलुमिनियम सल्फेटन, नान– फेरिक, केवल तकनीकी ग्रेड–- IS : 260–1969
15. सी एम/एल–10025 14 1981 10 22	81-11-01	82-10-31	श्री फार्माके केमिकल्स (प्रा.) लि, 434–ए, पेरिचेरला, गुन्टूर (आं. प्र.) (कार्यालय : सं. 18, यूनिटी हाऊस, दूसरी मंजिल, आबिद रोड हैदराबाद)	डी डी टी, ई सी– IS : 633–1975

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
16. सी एम/एल– 1981-10-22	10026 15	81-11-01	82-10-31	भरावनी केमिकल्स लैबोरेट्रीज (प्र.) लि., जी– 464 विश्वकर्मा इंडस्ट्रियल एरिया, जयपुर– 302013	औद्योगिक कार्यों के लिए संश्लिष्ट प्रक्षालक प्रक्षालक टाइप – 3– IS : 4956– 1977
17. सी एम/एल– 1981-10-22	10027 16	81-11-01	82-10-31	कोरोमैंडल एन्डेग प्रोडक्ट्स (प्रा.) लि., 28 इल्लुपायोपु फर्स्ट स्ट्रीट, कलाडीपेट, मद्रास– 600014 (कार्यालय : 14, व्हाइट रोड, सुवर्शन बिल्डिंग, मद्रास– 600014)	डिकाफोल, ईसी– IS : 5279– 1969
18. सी एम/एल– 1981-10-22	10028 17	81-11-01	82-10-31	– वही –	कार्बोरिल 50 प्रतिशत डब्ल्यू डी पी सी (भूमि पर छिड़कने वाले ग्रेड का) IS : 7121– 1973
19. सी एम/एल– 1981-10-22	10029 18	81-11-01	92-10-31	मनसुख लाल प्रेम चन्द एण्ड ब्रादर्स, 7 पुहाराम इस्टेट, बाल भवालत के पीछे, गोंडल रोड, राजकोट– 360002 (गुजरात)	निम्नलिखित वर्ग का उर्ध्व, एक सिलिंडर, जल– शीतित 4 स्ट्रोक वाला डीजल इंजन निर्गत– 5.88 के डब्ल्यू (8 बी एचपी) गति– 850 चक्कर प्रति मिनट गतिनियंत्रक श्रेणी "बी" एस एफ सी– 309 ग्रा/ किवा घंटा IS : 1601– 1960
20. सी एम/एल– 1981-10-22	10030 11	81-11-01	82-10-31	माल इंडिया मेडिकल कारपोरेशन, बी–13, 14 एण्ड 15, जी आई डी सी नरोडा इंडस्ट्रियल इस्टेट, जिला अहमदाबाद (गुजरात)	जस्ता फॉस्फाइड, तकनीकी– IS : 1251– 1973
21. सी एम/एल 1981-10-22	10031 12	81-11-01	62-10-31	हीरा केबल वर्क्स, (दी आई. डी. सी. आफ उड़ीसा लि.) डाकघर हीराकुड, जिला सम्बलपुर (उड़ीसा)	अधिकृत ताप के लिए (तांबे एवं एलुमिनियम के) वाइंडिंग के मुलम्मा चढ़े गोल तार– टाइप। IS : 4800(भाग 5) – 1968
22. सी एम/एल– 1981-10-22	10032 13	81-11-01	82-10-21	टाटा प्राडेक्ट्स, ई– 19, डी एम आई डी सी इंडस्ट्रियल कम्प्लैक्स, रोहतक रोड, नांगलोई, दिल्ली– 110041	स्वचालित लाइन वोल्टता शोधक (स्टेप टाइप) IS : 8448– 1977
23. सी एम/एल– 1981-10-22	10033 14	81-11-01	82-10-31	दी हैदराबाद ऑलविन मेटल वर्क्स लि, सनात नगर, हैदराबाद– 500018	60 लीटर की भंडारण क्षमता के और 40 लीटर प्रति घन्टा की शीतन क्षमता वाले स्वयं– पूर्ण पीने के पानी के कूलर IS : 1475– 1978
24. सी एम/एल– 1981-10-22	10034 15	81-11-01	82-10-31	विनयल केबल्स इंडस्ट्रीज, एफ 17, इंडस्ट्रियल इस्टेट, अम्बत्तूर, मद्रास– 600058	एक मध्य खाल रहित पी वी सी रोधित (हल्के कार्य के) केबल– IS : 2465–– 1969
25. सी एम/एल– 1981-10-22	10035 16	81-11-01	82-10-31	दी मैच हाउस, ट्रिची सलेम मेन रोड, थोट्टियाम– 621215 जिला तिरुचि (तमिलनाडु)	डिब्बी बन्द माचिस, लकड़ी की तिल्लियां––– IS : 2653– 1964
26. सी एम/एल– 1981-10-6	10036 17	81-11-01	82-10-31	श्री विजय दुर्गा पल्वराइजिंग मिल्स, ग्रवम्मा– भावी सिरूगप्पा रोड, बेल्लारी–583101	मिथाईल पैराथियॉन 50 प्रतिशत ईसी– IS : 2865– 1978
27. सी एम /एल– 1981-10-26	10037 18	81-11-01	82-10-31	मिल्टन कार्बन एंड रिबन मैन्युफैक्चरिंग कं. प्रा. लि. 12 राधानाथ चौधरी रोड, कलकत्ता– 700015 (कार्यालय : 43– पार्क मेन्शन्ज, पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता—700016)	दो सिलिंडरों वाली घूर्णी मशीन के लिए प्रतियां निकालने की स्याही––– IS : 1222– 1973
28. सी/एम/एल-1003819 1981-10-26		81-11-01	82-10-31	प्रकाश पल्वराइजिंग मिल्स, 1, इंडस्ट्रियल एरिया, रेलवे गड्स गेड के सामने, अलवर-301 001 (राजस्थान)	डी डी टी 50 प्रतिशत डब्ल्यू डी पी सी––– IS : 565-1975
29. सी/एम/एल-10039 20 1981-10-26		81-11-01	82-10-31	बेल्लोना निटिंग मिल्स, 70 ईश्वरन्न कोविल स्ट्रीट, तिरूपुर-638 604 (तमिलनाडु) कार्यालय : मिशन स्ट्रीट, कामबाई गार्डन, तिरूपुर-638 604)	सादा बुनी सूती बनियाने प्रकार : आरएम एंड आरएनएस आकार : 75 से 100 माप : 26–– IS : 4964.1980

1	2	3	4	5	6
30.	सं/मएल-10040 13 1981-10-26	81-11-01	82-10-31	कमशियल ट्रेडिंग कं., 18-बी, भवनार्गी रोड, तिरुपुर-638 603 (तमिलनाडु)	सादी बुनी सूती बनियानें प्रकार: आरन एवं आरएनएस आकार: 75 से 100 सें म नाप: 26— IS: 4964-1980
31.	सीएम/एल-10041 14 1981-10-26	81-11-01	82-10-31	मेनन डीजल, प्लाट नं० 35, वाटर टेंक के सामने एम आई डी सी एरिया, इंडस्ट्रियल इस्टेट, शिरोली, कोल्हापुर-116 122 (महाराष्ट्र) कार्यालय : शिरोली, जिला कोल्हापुर	वेट टाइम और "एक्स" टाइम के 80 मिमि बोर के आकार वाले आंतरिक दहन इंजनों के लिये सिलिंडर लाइनें— IS: 6750-1975
32.	सं.एम/एल-10042 15 1981-10-26	81-11-01	82-10-31	बैस्को रोलिंग मिल्स, 28-29 बी, इंडस्ट्रियल एरिया I/ए, गोविंदपुरा, भोपाल	संरचना इस्पात मानक किस्म)— IS: 226-1975
33.	सीएम/एल-1043 16 1981-10-26	81-11-01	82-10-31	नेशनल इंडस्ट्रियल कार्पोरेशन, 99 100, लाल बहादुर शास्त्री मार्ग, भान्डुप, बम्बई-400 078	संरचना इस्पात (मानक किस्म) IS : 226-1975
34.	सी.एम)एल-10044/17 1981-10-26	81-11-01	82-10-31	-वही-	संरचना इस्पात (साधारण किस्म) IS : 1977-1975
35.	सीएम/एल-10045 18 1981-10-26	81-11-01	82-10-31	मैनुलसन्स इंडस्ट्रीज, पुनकुन्नम, त्रिचूर-680 002 (केरल स्टेट)	टिम्बर निविष्टों वाले इमारती लकड़ी के पिल्लेदार कपाट— IS : 1003 (भाग 1)—1977
36.	सी एम/एल-10046 19 1981-10-28	81-11-16	82-11-15	रिलाएबल प्लास्टिक्स एन्ड इंडस्ट्रियल कार्पोरेशन प्लाट सं० एफ-286 विश्वकर्मा इंडस्ट्रियल एरिया (14वें रोड के निकट(जयपुर-302013	शौचकुण्ड के लिए "ए" टाइप कब्जा युक्तियों वाली ठोस प्लास्टिक की सीट और ढक्कन IS : 2548-1967
37.	सीएम/ल-10047 20 1981-10-29	81-11-16	82-11-16	सीमेंट कार्पोरेशन ऑफ इंडिया लि., कुरकुंटा सीमेंट फैक्ट्री जिला गुलबर्गा-585 210 (करनाटक)	पोर्टलैंड पोजलाना सीमेंट— IS : 1489-1976
38.	सीएम/एल-10048 21 1981-10-29	81-11-16	82-11-15	आंध्र स्टील कार्पोरेशन लि., मलकापुरम, विशाखापटनम—530 011	धमकोर्ल छड़ें— IS : 7270-1974
39.	सं.एम/एल-10049 22 1981-10-29	81-11-16	82-11-15	वेलवर्थ इंसुलेटिड केबल कं., 22 इंडस्ट्रियल एरिया, यथायवि, मंगलोर-575 006	1100 वोल्ट तक की कार्यकारी वोल्टता के एलमिनियम चालक वाले पीवीसी रोधित, पीवीसी केबल (बाहरी प्रयोग के और अल्प ताप में उपयोग होने वाले केबल के अतिरिक्त)— IS: 694-1977
40.	सं.एम-10050 15 1981-10-31	81-11-16	82-11-15	सागर मैन्यफैक्चरर्स, 10, भक्तिनगर स्टेशन, प्लाट, राजकोट-360 002 (गुजरात)	निम्नलिखित वर्ग के ऊर्ध्व, एक सिलिंडर, चार स्ट्रोक वाले जल शीतित, डीजल इंजन निर्गत: 3.88 किवा (8 बीएचपी) गति: 850 चक्कर प्रति मिनट गति-नियमन: श्रेणी "बी" एस एफ सी : 309 ग्राम किवाघंटा IS : 1601-1960
41.	सं.एम एल-10051 16 1981-10-31	81-11-16	82-11-15	स्टार स्टील प्रा. लि., माधवपुरा के सामने रेलवे स्टेशन, ग्राम अनेजा, बड़ौदा-390 013	स्वचल निलम्बन के लिये इस्पात की सपाट पत्तियां— IS : 3431-1975
42.	सं.एम/एल-10052 17 1981-10-31	81-11-16	82-11-15	गारवेयर प्लास्टिक्स एंड पालिस्टर लि., 50 स्वामी नित्यानंद मार्ग, विल्लेपार्ले, (पूर्व), वेस्टर्न एक्सप्रैस हाईवे बम्बई-400 057	पानी की सप्लाई के लिये होलवेंट सीमेंट वाले इन्जेक्शन ढालित पीवीसी साकेट की फिटिंग एल्बो साकेट और टी IS : 7834-1975
43.	सीएम/एल-10053 18 1981-10-31	81-11-16	82-11-15	एस टी एंटरप्राइजिज एफ-28, सूर्योदय इस्टेट, ताड़देव, बम्बई-400 034 (कार्यालय : शालीमार हरिद्वार, 138, जैर महल धोबी तालाब, बम्बई-400 002)	टाइप 3 तालों के साथ प्रयोग के लिए अलौह धातु के सरकवां किवाड़ की चटखनियां (एल्ड्राप्स) IS : 2681-1979

1	2	3	4	5	6
44.	सीएम/एल-10054 19 1981-10-31	81-11-16	82-11-15	यूरमानो कैबल्स प्रा० लि०, 11 देवमुन्दरा इंडस्ट्रियल इस्टेट, महादेवपुरा, बंगलौर-560 048	मोटर वाहनों के लिये पी वी सी रोधित, हल्के कार्य के एक कोर वाले केबल (मध्य खोल रहित)— IS : 2465-1969
45.	सीएम/एल-10055 20 1981-10-31	81-11-16	82-11-15	आई डी एस इंजीनियरिंग कं., आई डी एस कंपाउंड, हफनिया, डाकघर प्रमानलो, अगरतला (त्रिपुरा)	उच्च घनत्व के पॉलिएथाइलीन पाइप, श्रेणी 4 एवं 5,63 से 110 मिमी, प्रो डा के— IS : 4984-1978
46.	सीएम/एल-10056 21 1981-10-31	81-11-16	82-11-15	काम्पटन ग्रीव्स लि., कनजूर, भनडुप, बम्बई-400 078	बिजली के निम्नलिखित सामान के ज्वालासह खोल. क्रम सं. विवरण वर्ग 1. तीन फेजी, स्क्विरल प्रेरण मोटर ए एवं फ्रेम ई 355 एवं ई 355 एम की 6.6 किवा, 375 किवा और 300 चक्कर प्रति मिनट तक 2. तीन फेजी, वायु शीतित, शुष्क-प्रकार के ट्रांसफारमर टी-250 और टी-315 टाइप के 250— एवं 315 किवा ए वाले, 6.6 किवा तक की प्राथमिक वोल्टता के— IS : 2148-1969

[सं० सीएमडी/13 : 11]

S. O. 1014 : —Inpursuance of sub-regulation (1) of Regulation 3 of the Indian Standards Institution (Certification Marks Regulation, 1955, as amended from time to time, the Indian Standards Institution, hereby, notifies that forty-six licences particulars of which are given in the following Schedule have been granted during the month of October, 1981 authorising the licensees to use the Standards Marks

SCHEDULE

Sl. No.	Licence No. (CM/L—)	Period of Validity From	To	Name and Address of the licensee	Article/Process covered by the Licensee and the Relevant IS : Designation
1	2	3	4	5	6
1.	CM/L—10011 08 1981-10-03	81-10-16	82-10-15	Sureka Steels Ltd., 7 Shree Ram Krishna Mandir Path, North Bantra, Howrah (office : 23 A, Netaji Subh .s Road, 7th Floor, Room No. 1., Calcutta-700001)	Cold-worked steel high strength deformed bars for concrete reinforcement. IS : 1786-1979
2.	CM/L—10012 09 1981-10-13	81-10-16	82-10-15	-do-	Structural steel (standard quality) IS : 226—1975
3.	CM/L—10013 10 1981-10-13	81-10-16	82-10-15	Electro Links Industries, opposite Air Strips, Chorhata, Rewa-486001 (M.P.)	Aluminium stranded conductors and aluminium conductors galvanised steel reinforced for overhead transmission purposes— IS : 398 (Part I & II)—1976
4.	CM/L-10014 11 1981-10-15	81-10-16	82-10-15	Mittersain Industris, Delhi-Meerut Road, P.O. Rithani-250105 (Meerut)	Aluminium stranded conductors and aluminium conductors galvanized Steel reinforced for overhead transmission purposes— IS : 398 (Part I & II)—1976
5.	CM/L-10015 12 1981-10-15	81-11-01	82-10-31	The T. ta Iron & Steel Co Ltd., (Agrico Division), Jamshedpur	Powrah—Agri Type in unhardende condition IS : 1759-1961

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
6. CM/L-10016 1981-10-16	13	81-10-16	82-10-15	Universal Cables Limited, Post Box No. 9, Birla Colony, Satna (M.P.)	Rubber insulated flexible trailing cables for use in coal mines, Type FT 6 IS : 691-1966
7. CM/L-10017 1981-10-16	14	81-10-16	82-10-15	Talera Conductor Mfg., Co., Near Ramdham, Hamirgarh Road, Bhilwara-311001 (Rajasthan)	Aluminium stranded conductors and aluminium conductors galvanized steel reinforced for overhead transmission purposes up to 7 strand— IS : 398(Part 1 & II)—1976
8. CM/L-10018 1981-10-16	15	81-10-16	82-10-15	Surya Cables, Gali No. 9 Samepur, Badli, Delhi-110042	PVC insulated light duty cables without further covering for use in motor vehicles— IS : 2465—1969
9. CM/L—10019 1981-10-19	16	81-11-01	82-10-31	Agrometal & Spray Equipment Corpn., Gohana Railway Crossing, Delhi Road Rohtak (Haryana)	Hand-operated continuous knapsack Sprayer, capacity 16 litres : piston type— IS : 3906 (Part I)—1974
10. CM/L—10020 1981-10-20	09	81-11-01	82-10-31	Faridabad Gas Gadgets P. Ltd., Plot No. 369, Sector 24, Faridabad-121005 (Office N-96, Greater Kailash I, New Delhi-110048	Domestic gas stoves for use with liquefied petroleum gases— IS : 4246—1978
11. CM/L—10021 1981-10-20	10	81-11-01	82-10-31	Popular Engg. Corporation, Mavdi Plot, Navrangpura Main Road, Rajkot-360004 (Gujrat)	Vertical, Single cylinder, four stroke, water cooled, diesel engine of the following rating : Output—5.88 Kw (8 bhp) speed—850 RPM governing—Class 'B' SFC—390 g/Kwh— IS : 1601—1960
12. CM/L-10022 1981-10-22	11	81-11-01	82-10-31	Shah Tin Factory, C-20 MIP Shah Udyog Nagar, Saru Section Road, Jamnagar-361002 (Gujarat)	18-litre square tins— IS : 916-1975
13. CM/L-10023 1981-10-22	12	81-11-01	82-10-31	Ami Essence & Perfumers, Plot No. 5 Tadkeswer Mahadev Society, Abrama Distt. Valsad (Guajrat)	Coaltar Food colour preparations and Mixtures— IS : 5346—1975
14. CM/L—10024 1981-10-22	13	81-11-01	82-10-31	Trifam's Chemache Industries (P) Ltd., 19-B MIDC Chemical Zone, Zuna Bhendipada, Ambarnath-421501 (Maharasthtra) (Office : 23 Hatkesh, North South Road No 6. Vile Parele (W) Bombay-400056	Aluminium sulphate, non ferric, technical grade only IS : 260—1969
15. CM/L—10025 1981-10-22	14	81-11-01	82-10-31	Shree Farm Chemicals (P) Ltd., 434-A, Perecherla, Guntur (A.P) (Office : No. 18, Unity House, 2nd floor, Abid Road, Hyderabad)	DDT EC— IS : 633—1975
16. CM/L—10026 1981-10-22	15	81-11-01	82-10-31	Araveli Chemicals Laboratories (Pvt) Ltd., G-464 Vishwakarama Indl. Area, Jaipur—302013	Synthetic detergents for industrial purposes, type 3— IS : 4956—1977
17. CM/L—10027 1981-10-22	16	81-11-01	82-10-31	Coromandel Indag Products (P) Ltd., 28, Illuppathoppu Ist Street, Kaladipet, Madras—600019 (Office : 14, Whites Road, Sudarsan Building, Madras-600014)	Dircofol EC— IS : 5279—1969
18. CM/L—10028 1981-10-22	17	81-11-01	82-10-31	-do-	Carbaryl 50% WDPC (Ground spray grade)— IS : 712—1973

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
19.	CM/L—10029 18 1981-10-22	81-11-01	82-10-31	Mansukhlal Premchand & Bros., 7, Puharam Estates, Behind Bal Adalat, Gondal Road, Rajkot-360002 (Gujarat)	Vertical, single cylinder, water cooled, Four-stroke, diesel engine of the follwing rating : Output—5.88 kw (8bhp) speed—850 RPM governing—Class 'B' SFC—309 g/Kwh— IS : 1601—1960
20.	CM/L—10030 11 1981-10-22	81-11-01	82-10-31	All India Medical Corporation B-13, 14 & 15, GIDC Narodha Indl. Estate, Ahmedabad Distt. (Gujarat)	Zinec phosphide, technical— IS : 1251—1973
21.	CM/L—10031 12 1981-10-22	81-11-01	82-10-31	Hira Cables Works, (The I.D.C. of Orissa Ltd.) P.O. Hirakund, Distt, Sambalpur (Orissa)	Enamelled round winding wire (copper & aluminium) for elevated temperature Type I— IS : 4800 (Part V)—1968
22.	CM/L—10032 13 1981-10-22	81-11-01	82-10-31	Tara Products, E-19, DSIDC Indl. Complex. Rohtak Road, Nagloi, Delhi-110041	Automotic line voltage correctors (step type)— IS : 8448—1977
23.	CM/L—10033 14 1981-10-22	81-11-01	82-10-31	The Hyderabad Allwyn Metal Works Ltd., Sanatnagar, Hyderabad-500018	Self contained drinking water coolers for 40 l clooling capacity and 60 l storage capacity— IS : 1475—1978
24.	CM/L—10034 15 1981-10-22	81-11-01	82-10-31	Vinyl Cables Industries, F-17, Indl. Estate, Ambattur, Madras-600058	PVC insulated (light duty) cables without further covering— IS : 2465—1969
25.	CM/L—10035 16 1981-10-22	81-11-01	82-10-31	The Match House, 125, Trichy Salem Main Road, Thottiam-621215 Dist. Tiruchy (Tamil Nadu)	Safety Matches in boxes, wooden sticks— IS : 2653—1964
26.	CM/L—10036 17 1981-10-26	81-11-01	82-10-31	Sri Vijayadurga Pulverising Mills, Avammabhavi, Siruguppa Road, Bellary-583101	Methyl parathion 50% EC— IS : 2865—1978
27.	CM/L—10037 18 1981-10-26	81-11-01	82-10-31	Milton Carbon & Ribbon Mfg. Co. Pvt. Ltd., 12, Radhanath Chowdhury Road, Calcutta-700015 (Office : 43, Park Mansions, Park Street, Calcutta 700016)	Ink, duplicating, for twin cylinder rotary machines— IS : 1222—1973
28.	CM/L—10038 19 1981-10-26	81-11-01	82-10-31	Prakash Pulverising Mills, 1, Indl, Area, Opp. Railway Goods Shed, Alwar-301001 (Rajasthan)	DDT 50% WDPC— IS : 565—1975
29.	CM/L—10039 20 1981-10-26	81-11-01	82-10-31	Bellona Knitting Mills, 70, Eswaran Kovil Street, Tirupur-638604 (T.N.) (Office : Mission Street, Kombai Garden, Tirupur 638604)	Plain knitted cotton vests Type : RN & RNS Size : 75 to 100 Gauge : 26— IS : 4964—1980
30.	CM/L—10040 13 1981-10-26	81-11-01	82-10-31	Commercial Trading Co., 18-B, Avanashi Road, Tirupur-638603 (T.N.)	Plain knitted cotton vests Type : RN & RNS Size : 75 to 100 CM Gauge: 26— IS : 4964—1980
31.	CM/L—10041 14 1981-10-26	81-11-01	82-10-31	Menon Diesela, Plot No. 35, Oppl. Water Tank, MIDC Area, Industrial Estate, Shiroli, Kolhapur-416122 (MS) (Office : Shiroli, Dist. Kolhapur)	Cylinder liners for internal combustion engines size 80 mm bore, wet type and 'X' type— IS : 6750—1972
32.	CM/L—10042 15 1981-10-26	81-11-01	82-10-31	Vamco Rolling Mills, 28-29 B, Industrial Area, I/A, Govindpura, Bhopal	Structural steel (standard quality)— IS : 226—1975
33.	CM/L—10043 16 1981-10-28	81-11-01	82-10-31	National Industrial Corpn., 99/100, Lal Bahadur Shastri Marg, Bhandup, Bombay 400078	Structural steel (standard quality)— IS : 226—1975
34.	CM/L—10044 17 1981-10-26	81-11-01	82-10-31	-do-	Structural steel (ordinary quality)— IS : 1977—1975

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
35.	CM/L—10045 18 1981-10-26	81-11-01	82-10-31	Manuelsons Wood Industries, Punkunnam, Trichur-680002 (Kerala State)	Timber panelled door shutters with timber insert— IS : 1003 (Part I)—1977
36.	CM/L-10046 19 1981-10-26	81-11-16	82-11-15	Reliable Plastics & Indl. Corpn., Plot No. F-286, Vishwakarma Indl, Area, (Near 14th Road), Jaipur-302013	Solid plastic WC seats and covers with type 'A' hinging device— IS : 2548—1967
37.	CM/L—10047 20 1981-10-29	81-11-16	82-11-15	Cement Corporation of India Ltd., Kurkunta Cement Factory, Gulbarga Distt-585210 Karnataka	Portland pozzolana cement— IS : 1489—1976
38.	CM/L—10048 21 1981-10-29	81-11-16	82-11-15	Andhra Steel Corpn. Ltd., Malkapuram, Visakhapatnam-530011	Bright bars— IS : 7270—1974
39.	CM/L—10049 22 1981-10-29	81-11-16	82-11-15	Welworth Insulated Cable Co., 22, Indl. Area, Yayyadi, Mangalore-575008	PVC insulated, PVC sheathed/unsheathed cables with aluminium conductor, for working voltages upto and including 1100 volts, excluding cables for out door use and low temperature applications— IS : 694—1977
40.	CM/L—10050 15 1981-10-31	81-11-16	82-11-15	Sagar Manufacturers, 10, Bhaktinagar Station, Plot, Rajkot -360002(Gujarat)	Vertical, single cylinder, four stroke, water cooled, diesel engines of the following rating: Output 3.88 kw (8bhp) Speed 850 RPM Governing Class 'B' SFC 309g/kwh IS : 1601—1960
41.	CM/L—10051 16 1981-10-31	81-11-16	82-11-15	Star Steel Pvt. Ltd. Opp. Makarpura, Railway Station, Village Maneja, Baroda 390013	Steel flats for automotive suspension— IS : 3431—1975
42.	CM/L—10052 17 1981-10-31	81-11-16	82-11-15	Garware Plastics & Polyester Ltd., 50 A, Swami Nityanand Marg, Vile Parle (East) Western Express Highway, Bombay 400057	Injection moulded PVC socket fittings with solvent cement for water supplies elbows socket & tees— IS : 7834—1975
43.	CM/L—10053 18 1981-10-31	81-11-16	82-11-15	Eltee Enterprises, F-28, Suryodaya Estate, Tardeo, Bombay 400034 (Office : C/o Shalimar Hardwar, 138, Jer Mehal, Dhobi Talao, Bombay 400002)	Non-ferrous metal sliding door bolts (aldrops) for use with padlocks Type 3— IS : 2681—1979
44.	CM/L—10054 19 1981-10-31	81-11-16	82-11-15	Doorvani Cables Pvt. Ltd., 11, Dyavasandra Industrial Estate, Mahadevapura, Bangalore-560048	PVC insulated, light duty, single core cable (without further covering for motor vehicles)— IS : 2465—1969
45.	CM/L—10055 20 1981-10-31	81-11-16	82-11-15	IDS Engineering Co., IDS Compound, Hafania, P.O. Amatali, Agartala (Tripura)	High density polythylene pipes class 4 & 5, 63 to 110 mm OD— IS : 4984—1978
46.	CM/L—10056 21 1981-10-31	81-11-16	82-11-15	Crompton Greaves Ltd. Kanjur, Bhandup, Bombay-400078	Flameproof enclosures of the following electrical appratus : Sl. No. Description Group 1. 3 phase squirrel cage induction motor frame E 355 L and E 355 M upto 6.6 KV, 375 KW, and 300 rpm — I, IIA & IIB 2. 3 phase aircooled, dry type transformers of types T-250 and T-315; with 250 and 315 KVA, upto 6.6 KV primary voltage— IS : 2148—1968 — I, IIA & IIB

[No. CMD / 13 : 11]

का. ग्रा. 1015.—समय-समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम, 1955 के विनियम 8 के उपविनियम (1) के अनुसार अधिसूचित किया जाता है कि नीचे अनसूची विवरण सहित दिये गये 82 लाइसेंस मास सितम्बर 1981 स्वीकृत किये गये और लाइसेंसधारियों को मानक चिह्न प्रयोग करने का अधिकार दिया गया है।

अनसूची

क्रं सं.	लाइसेंस संख्या (सी एम/एल)	वैधता की तिथि से	तक	लाइसेंसधारी का नाम एवं पता	लाइसेंस के अधीन वस्तु प्रक्रिया एवं तत्संबंधी पदनाम
1	2	3	4	5	6
1.	सीएम/एल-0992976 1981 09 03	81-09-16	82-02-15	तेजपाल एंड कं०, वाक्स रिफाइनर्स, 33 गंदज रोड, मद्रास-600012 (कार्यालय : 113 नयनी-अप्पा नायक स्ट्रीट, मद्रास)	पैराफिन मोम टाइप-3- IS : 4654-1974
2.	सीएम/एल-0993069 1981 09 03	81-09-16	82-09-16	वैंकटेश्वर इलेक्ट्रीकल इंडस्ट्रीज, कुंद्राथुर रोड, पेरूर-602104, मद्रास	तीन फेजी, 100 किवा/433 वा. 200 किवाए बिजली के ट्रांसफार्मर— IS : 2026 (भाग 1)—1977
3.	सीएम/एल-0993170 1981-09-03	81-09-16	82-09-15	टोवु एंटरप्राइजिज प्रा. लि., 8 29, इंडस्ट्रियल एरिया कीर्ती नगर, नई दिल्ली-110015	शौचकुंड के लिये प्लास्टिक की सीट और ढक्कन (पालिसट्रीन की ठोस सीट) टाइप "ए' कब्जों वाली— IS : 2548-1967
4.	सीएम/एल-0993271 1981-09-04	81-09-16	82-09-15	जेम सैनिट्री एप्लाएन्सेस प्रा लि., ए-5, वजीरपुर इंडस्ट्रियल एरिया, दिल्ली-110052	जल सेवा लिये ढलवां तांबा मिश्रधातु की 5 मिमी साइज की बढ़िया टोंटियां एवं स्टाप वाल्व IS : 8931-1978
5.	सीएम/एल-0993372 1981-09-04	81 09 16	82-09-15	कार्तिकेय इंजीनियरिंग एंटरप्राइजिज, 49-ए अवनाशी रोड, पी० एम० पलायम, कोयम्बतूर-641037 (तमिलनाडु)	3.7 किवा पावर उत्पादन एवं "ए" श्रेणी रोधन तीन फेजी प्रेरणा मोटरें— IS : 325-1978
6	सीएम/एल-0993473 1981-09-04	81-09-16	82-09-15	—वही—	3.7 किवा पावर उत्पादन एवं "ए" श्रेणी रोधन वाली कृषि में उपयोग हेतु अपकेन्द्री पम्पों के लिये तीन-फेजी गिलहरी पिंजरा-नुमा प्रेरण मोटरें IS : 7538-1975
7.	सीएम/एल-0993574 1981-09-04	81-09-16	82-09-15	करेक्ट-अस, जी. 1-36, जी०टी० करनाल रोड आजादपुर दिल्ली-110033	750 वाट निर्धारित निवेश वाले बिजली के गैर स्वचालित टोस्टर-- IS : 1287-1965
8.	सीएम/एल-0993675 1981-09-04	81-09-16	82-09-15	जैम सैनिट्री एप्लाएंसिस प्रा. लि., ए-57, वजीरपुर इंडस्ट्रियल एरिया, दिल्ली-110052	जल सेवा के लिये ढलवां तांबा मिश्रधातु के 5 मिमी आकार के खड़े नल-- IS : 8934-1978
9.	सीएम/एल-0993776 1981-09-07	81-09-16	82-09-15	शिवशंकर रोलिंग मिल्स, डाकघर बहादुरपुर सेंट्रल जेल रोड, भागलपुर (बिहार) (कार्यालय : डी. एन. सिंह रोड, भागलपुर)	कंक्रीट प्रबलन के लिये ठंडी मुड़ी इस्पात की उच्च शक्ति की विकृत सरिया— IS : 1786-1979
10.	सीएम/एल-0993877 1981-09-07	81-09-16	82-09-15	साहू गुप्ता इंडस्ट्रीज, डाकघर महीलोंग, तातीसिलवाई रांची	संरचना इस्पात (मानक किस्म) IS : 226-1975
11.	सीएम/एल-0993978 1981-09-08	81-09-16	82-09-15	यूनियन पेस्टीसाइड्स श्रीराम नगर, विदिशा (मध्य प्रदेश)	कारबोरिल डब्ल्यू डी पी सी केवल भूमि पर छिड़कने वाला ए ग्रेड-- IS : 7121-1973
12.	सीएम/एल-0994071 1981-09-09	81-09-16	82-09-15	जनरल इंजीनियरिंग वर्क्स इंडस्ट्रियल एरिया, भरतपुर-321001	पूर्व प्रतिबलित कंक्रीट के लिये दांतेदार तार— IS : 6003-1970
13.	सीएम/एल-0994172 1981-09-09	82-09-16	82-09-15	भारत इंडस्ट्रियल कार्पोरेशन झालुकबाड़ी, गोहाटी-781014 (असम) (कार्यालय बी. आर. फूकन रोड, भरालुमुख, गोहाटी-781009)	पैराफिन मोम टाइप 3— IS : 4654-1974

1	2	3	4	5	6
14.	सीएम/एल-0994373 1981-09-09	81-09-16	82-09-15	ट्रावनकोर केमिकल्स एंड मैन्युफैक्चरिंग कं. लि. फैक्ट्री रोड,,, उद्योगमंडल, जिला एर्नाकुलम, एल्लूर (केरल) (कार्यालय : पोस्ट बाक्स सं. 19, कालमासेरी-683104)	कापर आक्सीक्लोराइड 50 प्रतिशत डब्ल्यू IS : 1507-1977
15.	सीएम/एल-0994374 1981-09-10	81-09-16	82-09-15	श्री गणेश फोर्जिग कं., 2, हरेन मुखर्जी रोड, बेलूर-711202 (हावड़ा)	कंक्रीट प्रबलन के लिये ठंडी मुड़ी इस्पात की उच्च शक्ति वाली विकृत छड़ें/तार— IS : 1786-1979
16.	सीएम/एल-0994475 1981-09-11	81-10-01	82-09-30	अनु केबल्स, ग्राम गगवाना, जिला अजमेर, अजमेर-जयपुर रोड पर राजस्थान	शिरोपरि प्रेषण कार्यों हेतु जस्तीकृत इस्पात प्रबलित एलुमिनियम चालक एवं एलुमिनियम के लड़दार चालक— IS : 398 (भाग 1 और 2)—1976
17.	सीएम/एल-0994576 1981-09-12	81-10-01	82-09-30	शंकर केबल इंडस्ट्रीज, बैंक रोड (एम. बी. आई. के सामने) गोरखपुर (उ.प्र.)	1100 वोल्ट तक की कार्यकारी वोल्टता के एलुमिनियम चालकों वाले पीवीसी रोधित खोल चढ़े और खोल रहित केबल (अल्प ताप अवस्था में और बाह्य प्रयोग के केबल के अतिरिक्त) IS : 694-1977
18.	सीएम/एल-0994677 1981-09-12	81-10-01	82-09-30	इंडियन केमिकल एंड फर्टीलाइजर इंडस्ट्रीज, डाकघर बहादुरपुर, माबोर रोड, भागलपुर (बिहार)	एल्ड्रिन डी पी केवल 5 प्रतिशत— IS : 1308-1974
19.	सीएम/एल-0994778 1981-09-17	81-10-01	82-09-30	गुजरात फार्म केमिकल्स, 66/9 जी० आई० डी० 65/9, जी०आई०डी०सी० इंडस्ट्रियल इस्टेट फेज 1 वटवा, अहमदाबाद-382440 (गुजरात)	डी डी टी डब्ल्यू डी पी सी— IS : 565-1975
20	सीएम/एल-0993879 1981-09-17	81-10-01	82-09-30	गुजरात एग्रो केमिकल्स मैन्युफैक्चरिंग कं., 151-153/1, नरोवा इंडस्ट्रियल इस्टेट, नरोवा अहमदाबाद (गुजरात)	डी डी डी टी डब्ल्यू डी पी सी— IS : 565-1985
21.	सीएम/एल-0994980 1981-09-17	81-10-01	82-09-30	—वही—	मिथाइल पैराथियान डी पी— IS : 8960-1980
22.	सीएम/एल-0995073 1981-09-17	81-10-01	82-09-30	केमेट केमिकल्स (प्रा.) लि., 82/1 जी. आई. डी. सी. इस्टेट वटवा, अहमदाबाद (गुजरात)	डी डी टी, ई सी— IS : 633-1975
23.	सीएम/एल-0995174 1981-09-17	81-10-01	82-09-30	ऑल इंडिया कार्पोरेशन, बी/15 जी. आई. डी. सी., नरोवा इंडस्ट्रियल इस्टेट नरोवा अहमदाबाद	मिथाइल पैराथियान डी पी— IS : 8960-1980
24.	सीएम/एल-0995275 1981-09-17	81-10-01	82-09-30	लक्ष्मी मिल्क टेस्टिंग मशीनरी कं., ए-90 वजीरपुर ग्रुप इंडस्ट्रियल एरिया वजीरपुर-110052 (कार्यालय : 137, राजेंद्र मार्किट, तीस, हजारी, दिल्ली-110054)	लाक स्टापर— IS : 1223 (भाग) 1)-1970
25.	सीएम/एल-0995376 1981-09-17	81-10-01	82-09-30	रघुराज इंडस्ट्रीज, ए-61/5 जी.टी. करनाल रोड, इंडस्ट्रियल एरिया, दिल्ली-110033	कृषि कार्यों के लिये साफ, ठंडे और ताजा पानी के क्षैतिज अपकेन्द्री पम्प:— आकार-80 मिमि 65 मिमी गति-1500 चक्कर प्रति मिनट कार्य बिंदु-15 मी उठाने पर, निकास—17.5 प्रति सैकंड दक्षता 70 प्रतिशत एवं पावर निवेश 3.6 किवा— IS: 6592-1972
26.	सीएम/एल-0995477 1981 09 17	81-10-01	82-09-30	नार्दर्न मिनरल्स प्रा. लि., दौलताबाद रोड, गुड़गांव (हरियाणा)	मानोक्रोटोफास डब्ल्यू एस सी— IS: 8074-1976

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
27.	सीएम/एल-0995578 1981-09-17	81-10-01	82-09-30	एटलस केबल इंडस्ट्रीज, पेटलाड कैम्बे रोड, धार्मज-388430, जिला केरा (गुजरात) (कार्यालय : रणछोड़ कृपा, धारमज-388430-जिला केरा)	1100 वाल्ट तक की कार्यकारी वोल्टता के लिये तांबा चालकों वाले पीवीसी रोधित (भारी कार्य के) कवचित एवं अकवचित केबल IS : 1554 (भाग-1)—1976
28.	सी एम/एल—0995679 1981-09-17	81-10-01	82-09-30	अल्फा डायनेमिक प्रोडक्टस प्रा. लि., प्लाट नं. 5 एवं 6, रोड नं. 14, उद्योग नगर, उधना-394210	3.7 किवा "बी" श्रेणी रोधन वाली कृषि में उपयोग हेतु अपकेन्द्रीय पंपों के लिए तीन फेजी पिलहरी पिंजरानुमा प्रेरण मोटरें— IS: 7538—1974
29.	सी एम/एल—0995780 1981-09-18	81-09-16	82-09-15	भारत बेरल एण्ड ड्रम मैन्युफैक्चरिंग कं. प्रा० लि., 95 गणपतराव कदम मार्ग, लोअर परेल, बम्बई-400013 (महाराष्ट्र)	बड़े ड्रम, स्थाई छोर वाले ग्रेड 'बी'— IS: 1783—1974
30	सी एम/एल-0995881 1981-09-18	81-10-01	82-09-30	सहारा केमिकल्स, 34, पशुपति भट्टाचार्जी मार्ग, कलकत्ता-700041	सीमेंट का जलसह समेकित ममाला— IS: 2645—1975
31.	सी एम/एल—0995982 1981-09-18	81-10-01	82-09-30	कोहिनूर प्लाईवुड प्रा. लि., छोटा हैपजन, डाकघर हैपजन, जिला डिब्रूगढ़ (असम)	प्लाईवुड की चाय की पेटियां के वर्ते— IS: 10(भाग 2)—1976 IS: 10(भाग 2)—1976
32.	सी एम/एल-0996075 1981-09-18	81-10-01	82-09-30	प्रिसिजन गेलवानाइजिंग वर्क्स, 14/4, मथुरा रोड, फरीदाबाद (हरियाणा)	खोलदार केबलों के लिए मृदु इस्पात के तार एवं पत्तियां— IS: 3975—1979
33.	सी एम/एल-0996176 1981-09-18	81-10-01	82-09-30	सुपिरियर इलेक्ट्रिक क०, डी-35/10, जी.टी. करनाल रोड, इंडस्ट्रियल एरिया, दिल्ली (कार्यालय : 17 नेताजी सुभाष मार्ग, नई दिल्ली-110002)	450 मि०मी०, एक फेजी 'ई' श्रेणी रोधन वाला नोदक टाइप के ए.सी संवाती पंखे— IS: 2312—1967
34.	सी एम/एल-0996277 1981-09-18	81-10-01	82-09-30	हिन्दुस्तान इन्सुलेशन्स (प्रा.) लि., 31-ए, एन.आई.टी., फरीदाबाद, (हरियाणा)	तांबे के चालकों वाले पी. वीसी रोधित, खोलदार केबल और सुनम्य (डोरिया) (अल्प अवस्था में एवं वाह्य प्रयोग होने वाले केबलों के अतिरिक्त— IS: 694—1977
35.	सी एम/एल—0996378 1981-09-18	81-10-01	82-09-30	फ्लिक्सोपेन इंजीनियर्स प्रा. लि., डी-174, ओखला इंडस्ट्रियल एरिया, फेज I, नई दिल्ली-110020 (कार्यालय : गुरु अंगद भवन, पहली मंजिल, 71, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली-110019)	पेय जल पूर्ति, मल जल एवं औद्योगिक निस्रावियों हेतु उच्च घनत्व के पालिएथाइलीन के पाइप श्रेणी 4 आकार 110 मिमी तक— IS: 4984—1978
37.	सी एम/एल—0996479 1981-09-18	81-10-01	82-09-30	गुजरात एग्रो कैमिकल्ज मैन्युफैक्चरिंग कं., 151—153/1, नरोदा इंडस्ट्रियल इस्टेट, नरोदा, अहमदाबाद जिला (गुजरात)	कार्बोरिल, डी पी— IS: 7122—1973
38.	सी ए/एल—0996580 1981-09-21	81-10-01	82-09-30	जयहिन्द इनवेस्टमेंट एण्ड इंडस्ट्रीज लि., प्लाट सं. 137, सैक्टर, 24 फरीदाबाद-121005 (हरियाणा)	सिरोपरि पावर कर्षण एवं दूर-संचार लाइनों के लिए पूर्व प्रतिबलित कंक्रीट के खम्बे श्रेणी 7 से 12— IS: 1678—1978
38.	सी एम/एल—0996681 1981-09-21	81-10-16	82-09-15	भारत बैरल्स एण्ड ड्रम मैन्युफेक्चरिंग कं. प्रा. लि 95, गणपतराव कदम मार्ग, लोअर परेल, बम्बई-400013, (महाराष्ट्र)	ड्रमों के लिए पेचदार ढक्कन (फ्लैंजएवं प्लग) आकार केवल 50 मिमी एवं 20 मिमी— IS: 1784—1977

1	2	3	4	5	6
39.	सी एम/एल-0996782 1981-09-21	81-10-01	82-09-30	इमको इस्टा कॅपेसिटर्स लि., प्लाट सं० 11, कलवा इंडस्ट्रियल एरिया, थाणे, बेलापुर रोड, कलवा जिला-थाणे (कार्यालय : 106 इंडस्ट्रियल एरिया, सायन बम्बई-400022)	15 किवा ए आर, 415 और 440 वलट तक की रेटिंग की विद्युत व्यवस्था के लिए पर्षवाही संरित्र- IS : 2834-1964
40.	सी एम/एल-0996883 1981-09-21	81-10-01	82-09-30	जलगांव री-रोलिंग इंडस्ट्रीज लि., 18-27, इंडस्ट्रियल इस्टेट, अजन्ता रोड, जलगांव-425001 (महाराष्ट्र)	संरचना इस्पात (मानक किस्म)- IS : 226-1975
41.	सी एम/एल/0996984 1981-09-21	81-10-01	82-09-30	-वही-	संरचना इस्पात (साधारण किस्म)-- IS : 1977-1975
42.	सी एम/एल-0997077 1981-09-21	81-10-01	82-09-30	अर्जेन्ट इंडस्ट्रीज, 267, ओखला इंडस्ट्रियल इस्टेट, नई दिल्ली-110020	सरकवां किवाड़ों के लिए टाइप 3 पडलाक के साथ प्रयुक्त अलोह धातु की (एल्ड्राप्स) चटखनियां— IS : 2681-1979
43.	सी एम/एल-0997178 1981-09-21	81-10-01	82-09-30	इन्डो नेशनल लि., टाडा, सुलुर पेट तालुक, जिला नेल्लोर, आन्ध्र प्रदेश, पिन-524401	बहुप्रयोजी शुष्क बैट्रियां, पदनाम आर 20- IS : 8144-1976
44.	सी एम/एल-0997279 1981-09-21	81-10-01	82-09-30	गेरीज फ्रेरीस, 1-12, डीएसआईडीसी, इंडस्ट्रियल कमपलक्स, रोहतक रोड नांगलोई-110041	कागज स्टेंसिल की त्रुटियां सुधारने का द्रव- IS : 4175-1967
45.	सी एम/एल-0997380 1981-09-21	81-10-01	82-09-30	ओरियन्टल स्पोर्टस, सूरजकुंड रोड, मेरठ-250001 (उ.प्र.)	फुटबाल एवं वालीवाल— IS : 417 (भाग 1 एवं 2)—1974
46.	सी एम/एल-0997481 1981-09-21	81-10-01	82-09-30	ओलम्पिक स्पोर्ट्स, सूरजकुंड रोड, मेरठ-250001 (उ.प्र.)	फुटबाल एवं वालीवाल— IS : 417 (भाग 1 एवं 2)—1974
47.	सी एम/एल-0997582 1981-09-21	81-10-01	82-09-30	कन्नूर स्पिनिंग एण्ड वीविंग मिल्स, कक्कट, कन्नूर-670005 (केरल)	सफेद सूती धागा ग्रेड बी, बुना हुआ काउण्ट: 60 एम— IS : 1971-1973
48.	सी एम/एल-0997683 1981-09-21	81-10-01	82-09-30	केनोडिया कैमिकल्स एण्ड इंडस्ट्रीज लि., लुडलो जूट, मिल्स, डिवीजन चेंगली, जिला हावड़ा, (कार्यालय : 16 ए, ब्राबोर्न रोड, कलकत्ता-700001)	ए-ट्वील के पटसन के बोरे— IS : 1943-1964
49.	सी एम/एल-0997784 1981-09-21	81-10-01	82-09-30	फाइन इंक वर्क्स, सी. 94, डीडी रोड, ओखला इंडस्ट्रियल एरिया, फेज 1, नई दिल्ली-110020 (कार्यालय ओ-15, जंगपुरा एक्सटेंशन, नई दिल्ली-110014)	दो सिलिण्डरों वाली घूर्णी मशीनों की प्रति निकालने की स्याही — IS : 1222—1973
50.	सी एम/एल-0997885 1981-09-21	81-10-01	82-09-30	भारत ट्यूब्ज लि., गन्नौर-151101, जिला सोनीपत, (हरियाणा) (कार्यालय : 17 पार्लियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली-110001)	पानी, गैस और मलजल के लिए विद्युत वेल्ड किये इस्पात के पाइप टाइप ई आर डब्ल्यू ग्रेड 320, आकार-200 मिमी तक एनबी— IS : 3589-1966
51.	सी एम/एल-0997986 1981-09-21	81-10-01	82-09-30	श्री राघवेन्द्र केमिकल्ज, रोड नं. 5 ए, प्लाट सं. 37, इंडस्ट्रियल इस्टेट, कर्नूल-516003 (आन्ध्र प्रदेश)	नीला थोथा, तकनीकी ग्रेड— IS : 261-1966
52.	सी एम/एल-0998079 1981-09-21	81-10-01	82-09-30	किलपेस्ट प्रा. लि., 7-सी, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविन्दपुरा, भोपाल-462023 (मध्य प्रदेश)	मालाथियान, ई सी- IS : 2567-1978

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
53.	सी एम/एल-0998180 1981-09-24	81-10-01	82-09-30	जय एन्टरप्राइजिज 18/19, पटेल इंडस्ट्रियल इस्टेट, यूनिट नं. 3, एस वी रोड, दोहिस्सार (पूर्व), बम्बई-400068 (कार्यालय : 7, गुरु छाया बिल्डिंग, रेलवे स्टेशन के सामने, दोहिस्सार (पूर्व), बम्बई-400068)	द्रवित पेट्रोलियम गैस के साथ प्रयोग हेतु घरेलू चूल्हे IS : 4246-1978
54.	सी एम/एल-0998281 1981-09-24	81-10-01	82-09-30	ग्लुसोल बिस्कुट कं., ए फ-65-66, आर. आई. एस. डी. सी. इंडस्ट्रियल एरिया परबतपुर, अजमेर (राजस्थान)	निम्नलिखित किस्म के बिस्कुट— (1) सुपर ग्लुकोज, (2) ग्लुकोज सौरभ, (3) सौर मक्सिर IS : 1011-1968
55.	सी एम/एल-0998382 1981-09-24	81-10-01	82-09-30	प्रकाश पल्वराइजिंग मिल्स, आल्ड इंडस्ट्रियल एरिया, रेलवे गोदाम रोड के सामने, अलवर-301001 (राजस्थान)	बी एच सी (एच सी एच) डब्ल्यू डी पी सी— IS : 562-1978
56.	सी एम/एल-0998483 1981-09-24	81-10-01	82-09-30	दी महावीर जूट मिल्स लि., शहजानवा, जिला गोरखपुर (उत्तर प्रदेश)	380 ग्राम मी², 68×39 मिमी (14 औंस 45 इंच 8×10) तिरपाल के कपड़े से बने हुए पटसन के परतदार बोरे— IS : 7406 (भाग 2)-1980
57.	सी एम/एल-0998584 1981-09-24	81-10-01	82-09-30	मूनलाइट पेन्ट इंडस्ट्रीज, 11 ईस्ट मोहन नगर, सुल्तानविंड गेट के बाहर, अमृतसर (पंजाब)	सीमेन्ट रोगन, वांछित रंग का— IS : 5410-1069
58.	सी एम/एल-0998685 1981-99-24	81-10-01	82-09-30	प्रकाश ट्यूब्स लि., प्रकाशनगर, सांखोल, बहादुरगढ़-124507 (हरियाणा)	शिरोपरि पावर लाइनों के लिये इस्पात के नलिकाकार खम्बे टाइप : ठप्पेदार पदनाम : 410 एस पी (42 किग्रा बल/मिमी²)— IS : 2713-1980
59.	सी एम/एल-0998786 1981-09-24	81-10-01	82-09-30	आशा राम खन्ना एण्ड संस, 308/1 ई, सहजादा बाग, आल्ड रोहतक रोड, दिल्ली-110035	15 मी.मी एच पी एच एल पी बाल वाल्वों के साथ प्रयुक्त गोले— IS : 1703-1977
60.	सी एम/एल-0998887 1981-09-24	81-10-01	82-09-30	एटलस केबल इंडस्ट्रीज, पेटलेड केमबे रोड, धारमज-388430 (जिला केरा, गुजरात) (कार्यालय : रणछोड़ कृपा, धारमज-388430, जिला केरा)	1100 वोल्ट तक की कार्यकारी वोल्टता के लिये तांबे और एलुमिनियम के चालकों वाले पी वी सी रोधित खोलदार और खोल-रहित केबल (वाह्य और अल्प ताप में प्रयोग होने वाले केबलों के अतिरिक्त—; IS : 694-1977
61	सी एम/एल-0998988 1981-09-24	81-10-01	82-09-30	श्री मेटल कन्टेनर्स, 231-232, न्यू ओखला इंडस्ट्रियल कॉम्प्लेक्स, फेज 1, नई दिल्ली-110020	इस्पात के ड्रम, बिना जस्ता चढ़े केवल ग्रेड बी-2— IS : 2552-1979
62.	सी एम/एल-0999081 1981-09-24	81-10-01	82-09-30	इलेक्ट्रिक केबल इंडस्ट्रीज, पंचायतघर के सामने, बाबरपुर, शाहदरा, दिल्ली-110032	1100 वाल्ट तक की कार्यकारी वोल्टता के लिये तांबा एवं एलुमिनियम चालकों वाले पी वी सी रोधित (भारी कार्य के बिजली के कवचित और अकवचित केबल IS : 1554 (भाग 1)-1976
63.	सी एम/एल-0999182 1981-09-24	81-10-01	82-09-30	प्रकाश पाइप्स एण्ड इंडस्ट्रीज लि., ब्लाक नं. 1, ग्राम मायर, जिला हिसार (हरियाणा) (कार्यालय : 109, न्यू माडल टाउन हिसार)	मेय जल पूर्ति के लिये अनम्यकृत पी वी सी पाइप— आकार : 110 मिमी-2.5 किग्रा बल/सेमी² आकार : 110 मिमी से 180 मिमी 4 किग्रा बल/ सेमी² आकार : 125 मिमी से 180 मिमी 6 किग्रा बल/सेमी² IS : 4985-1963

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
64.	सी एम/एल-0999283 1981-09-28	81-10-16	82-10-15	शम्भुनाथ केमिकल वर्क्स, पुरानी जेल रोड, अमृतसर (पंजाब)	सोडियम थायोसल्फेट क्रिस्टलीय, तकनीकी एवं फोटोग्राफी ग्रेड-- IS. 246-1972
65.	सी एम/एल-0999384 1981-09-30	81-10-01	82-09-30	पंजाब आनन्द मीटर्स प्रा. लि., ए-9 एण्ड 10, इंडस्ट्रियल इस्टेट, एस. ए. एस. नगर (मोहाली), जिला रोपड़ (पंजाब) चन्डीगढ़ के निकट-160051	पानी के मीटर (बरेल टाइप) शुष्क डायल वाले, अनुमानिक टाइप "ए" आकार 15 मिमी IS : 779-1978
66.	सी एम/एल-0999485 1981-09-30	81-10-16	82-10-15	धोराजी मेकेनिकल वर्क्स, 6 भक्ति नगर, स्टेशन प्लाट, राजकोट-360002 (गुजरात)	निम्नलिखित वर्ग के उर्ध्व, एक सिलिंडर, चार स्ट्राक वाले जलशीतित डीजल इंजन- निर्गत-5.88 किवा (8 बी एच पी) गति 850 चक्कर प्रति मिनट गति नियंत्रण श्रेणी "बी" एस एफ सी-309 ग्राम किवा घंटा-- IS : 1601-1960
67.	सी एम/एल-0999586 1981-09-30	81-10-16	82-10-15	विकिंग निटसी, 19-बी (7), अवनाशी रोड, तिरूपुर-638603 (तमिलनाडु)	सादा बुनी सूती बनियाने : प्रकार : गोल गले तथा गोल गले और बाजू वाली आकार : 75 से 100 सेमी माप : 24-- IS : 4964-1980
68.	सी एम/एल-0999687 1981-09-30	81-10-16	82-10-15	मोनसनटो केमिकल्स आफ इंडिया लि., 50/51 लोनावला इंडस्ट्रियल इस्टेट नगरगांव, लोनावला-410401 जिला पुणे (महाराष्ट्र) कार्यालय : वेकफील्ड हाउस, स्प्रोट रोड बेलार्ड इस्टेट, बम्बई-400038	ब्यूटाक्लोर, ईसी-- IS : 3956-1980
69.	सी एम/एल-0999788 1981-09-30	81-10-16	82-10-15	किसान केमिकल्स, 52, इंडस्ट्रियल एरिया, चन्डीगढ़	डी डी. टी, ई सी-- IS : 633-1975
70.	सी एम/एल-0999889 1981-09-30	81-10-16	82-10-15	--वही--	एंडोसल्फान, ई सी-- IS : 3423-1980
71.	सी एम/एल 0999990 1981-09-30	81-10-16	82-10-15	अन्नापूर्णा पल्वराइजिंग मिल्स, इंडस्ट्रियल इस्टेट, एलुरु डब्ल्यू जी जिला (आ. प्र.)	आक्सीडेमेटांन मिथाइल 25 प्रतिशत ई सी- IS : 8259-1976
72.	सी एम/एल-1000005 1981-09-30	81-10-16	82-10-15	सुपरिमेक्स इक्वीपमेन्टस, डी-2 ए, घटकोपार, इंडस्ट्रियल इस्टेट, एल बी. मार्ग, बम्बई-110086	सुवाह्य रासायनिक अग्नि शामक जलीय टाइप के, 9 लीटर क्षमता वाले-- IS : 940-1976
73.	सी एम/एल-1000106 1981-09-30	18-10-16	82-10-15	भारत पेस्टीसाइड्स इंडस्ट्रीज प्रा. लि., 84, जी. बी. एन. सहकारी औद्योगिक वसाहत लि., ऊधंव अहमदाबाद (गुजरात)	मिथाइल पैराथियान डी पी-- IS : 8960-1978
74.	सी एम/एल-1000207 1981-09-30	81-10-16	82-10-15	देवीदयाल (सेल्स) प्रा. लि., 50/ए, जी. आई डी सी इस्टेट, कलोल-389330, जिला पंचमहल (गुजरात)	डाइकाफोल, ई सी-- IS : 5279-1969
75.	सी एम/एल-1000308 1981-09-30	81-10-16	82-10-15	कामरूप इंडस्ट्रियल कार्पोरेशन, मालीगांव, ए. टी. रोड, गौहाटी-781011	पैनाफिन मेम, टाइप 3-- IS : 4654-1975
76.	सी एम/एल-1000409 1981-09-30	81-10-16	82-01-15	माजीजी पेट्रो-केम इंडस्ट्रीज, खड़गपुर इंडस्ट्रियल इस्टेट, पी. एस. खड़गपुर, डाकघर-खड़गपुर, जिला मिदनापुर (प. बंगाल) कार्यालय : 25 स्ट्रांड रोड, तीसरी मंजिल, कलकत्ता-700001)	पैराफिन मोम, टाइप 3-- IS : 4654-1974
77.	सी एम/एल-1000510 1981-09-30	81-10-16	82-10-15	ईस्टर्न केमिकल इंडस्ट्रीज, 77 क्रिस्टोफर रोड, कलकत्ता-700046 (प. बंगाल)	पराफिन मोम, टाइप 3 IS : 4654-1974

1	2	3	4	6	6
78.	सीएम/एल-1000611 1981-09-30	81-10-16	82-10-15	दी ईस्टर्न मन्युफक्चरिंग कं. लि., 1 हैदर अली रोड, टीटागढ़, जिला 24 परगना (पं. बंगाल)	बी-ट्वील के पटसन के बोरे— IS : 2566-1965
79.	सी एम/एल-1000712 1981-09-30	81-10-16	82-10-15	रेलिस इंडिया लि., प्रिमिसिज आफ रामाकृष्णा प्रसाद पेस्टीसाइड्स, कापुराबुरु मामबूर-522508, जिला गुनटूर (आन्ध्र प्रदेश)	फेनिट्रोथियान, ई मी की री-पैकिंग— IS : 5281-1969
80.	सी एम/एल-1000813 1981-09-30	81-10-16	82-10-15	गोयल मेटल इंडस्ट्रीज, हाथरस रोड, आगरा-282006 (उत्तरप्रदेश)	कृषि कार्यों के लिये साफ, ठंडे ताजा पानी के क्षैतिज उपकेन्द्री पम्प आकार-80× 65 मिमी गति-1500 चक्कर प्रति मिनट कार्य बिन्दु-14 मी उठाने पर, निकास 9301 प्रति मिनट कार्यक्षमता 64.5 प्रतिशत एवं पावर निवेश 3.35 किवा IS : 6595-1972
81.	सीएम/एल-1000914 1981-09-30	81-10-16	82-10-15	हलन इंडस्ट्रीज, इलाईयोटम रोड, पीलामेडु, कोएम्बतूर-641004	कृषि कार्यों हेतु साफ, ठंडे, ताजा पानी के क्षैतिज अपकेन्द्री पम्प आकार (मिमी)-65× 50, 65× 50, 75× 65, 75× 65 गति चक्कर प्रति मिनट)-1440, 1440, 1440, 1440 टाइप—एमपी, 1, एमपी 2, एमपी 1, एमपी 2 कार्यबिन्दु उठान (मी)-14, 18, 14, 17 निकास-1/एस-9, 10, 11, 14 कार्यक्षमता प्रतिशत-59, 58, 55, 60 पम्प निवेश किवा-2.2; 3.0, 3.0, 3.7 IS : 6595-1972
82.	सीएम/एल-1001007 1981-09-30	81-10-16	82-10-15	कृष्णा आयरन एण्ड स्टील रोलिंग मिल्स, अमलोह रोड, मंडी गोविन्दगढ़ (पंजाब)	संरचना इस्पात (मानक किस्म) IS : 226-1975

[सं. सी एम डी /13 : 11]

S.O. 1015.—In pursuance of sub-regulation (1) of Regulation 8 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulation, 1955, as amended from time to time, the Indian Standards Institution, hereby, notifies that eighty two licences, particulars of which are given in the following Schedule, have been granted during the month of September 1981 authorising the licensees to use the Standards Marks :

THE SCHEDULE

Sl. No.	Licence No. (CM/L—)	Period of Validity From	To	Name and Address of the licensee	Article/Process covered by the Licensee and the Relevant IS : Designation
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	CM/L-0992976 1981-09-03	81-09-16	82-09-15	Tejpal & Co., Wax Division, 33 Gantz Road, Madras-600012 (Office : 113 Nyniappa Naick Street, Madras)	Paraffin Wax type 3— IS : 4654—1974
2.	CM/L-0993069 1981-09-03	81-09-16	82-09-15	Venkateswara Electrical Industries, Kuntrathur Road, Porur-602104 Madras	3 phase, 100 kv/433 v, 200 kva power transformers— IS : 2026 (Part I)—1977
3.	CM/L-0993170 1981-09-03	81-09-16	82-09-15	Tobu Enterprises P. Ltd., 8/29, Industrial Area, Kirti Nagar, New Delhi-110015	Plastic water closet seat and covers (polystrene solid seat) with type 'A' hinges— IS : 2548-1967

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
4.	CM/L-0993271 1981-09-04	81-09-16	82-09-15	Gem Sanitary Appliances Pvt. Ltd., A-57, Wazirpur Industrial Area, Delhi-110052.	Cast copper alloy fancy bib taps and stop valves for water services 15 mm size— IS : 8931—1978
5.	CM/L-0993372 1981-09-04	81-09-16	82-09-15	Karthikeya Engg. Enterprises, 49-A, Avanashi Road, P.N. Palayam, Coimbatore-641037 (TN)	Three phase induction motors with 3.7 kw power output and class 'A' insulation— IS : 325—1978
6.	CM/L-0993473 1981-09-04	81-09-16	82-09-15	-do-	Three-phase squirrel cage induction motor for centrifugal pumps for agricultural application with 3.7 kw power output and class 'A' insulation— IS : 7538—1975
7.	CM/L-0993574 1981-09-04	81-09-16	82-09-15	Correct-Us G 1-36, G.T. Karnal Road, Azadpur, Delhi-110033	Non automatic electric toasters having 750 watt rated input— IS : 1287—1965
8.	CM/L-0993675 1981-09-04	81-09-16	82-09-15	Gem Sanitary Appliances Pvt. Ltd., A-57, Wazirpur Industrial Area, Delhi-110052	Cast copper alloy fancy pillar taps for water services 15 mm size— IS : 8934—1978
9.	CM/L-0993776 1981-09-07	81-09-16	82-09-15	Shiv Shankar Rolling Mills, P.O. Bhadurpur Central Jail Road, Bhagalpur (Bihar) (Office : D.N. Singh Road, Bhagalpur)	Cold worked steel high strenght deformed bars for concrete reinforcement— IS : 1786—1979
10.	CM/L-0993877 1981-09-07	81-09-16	82-09-15	Sahu Gupta Industries, P.O. Mahilong, Tatisilwai, Ranchi	Structural steel (standard quality)— IS : 226—1975
11.	CM/L-0993978 1981-09-08	81-09-16	82-09-15	Union Presticides, Shri Ram Nagar, Vidisha (M.P.)	Carbaryl WDP Ground spary grade only— IS : 7121—1973
12.	CM/L-0994071 1981-09-09	81-09-16	82-09-15	General Engineering Works, Industrial Area, Bharatpur-321001	Indented wire for prestressed concrete— IS : 6003—1970
13.	CM/L-0994172 1981-09-09	81-09-16	82-09-15	Bharat Industrial Corporation Jhalukbari, Gauhati-781014 (Assam) (Office : B.R. Phookan Road, Bharalumukh, Gauhati-781009)	Paraffin wax, type 3— IS : 4654—1974
14.	CM/L-0994273 1981-09-09	81-09-16	82-09-15	Tranvancore Chemical & Mfg. Co. Ltd. Factory Road, Udyogmandal, Dist. Ernakulam, Eloor, (Kerala) (Office : Post Box No. 19 Kalmassery-683104)	Copper oxychloride 50% WDP— IS : 1507—1977
15.	CM/L-0994374 1981-09-10	81-09-16	82-09-15	Shree Ganesh Forging Co. 2, Haren Mukherjee Road, Belur-711202 (Howrah)	Cold worked steel high strength deformed bars for concrete reinforcement— IS : 1786—1979
16.	CM/L-0994475 1981-09-11	81-10-01	82-09-30	Anu Cables, Village Gagwana, Dist. Ajmer On Ajmer-Jaipur Road, (Rajasthan)	Aluminium stranded conductors and aluminium conductors galvanized steel reinforced for overhead transmission purposes— IS : 398 (Part I & II)—1976
17.	CM/L-0994576 1981-09-12	81-10-01	82-09-30	Shankar Cable Industries, Bank Road (Opp. S.B.I.), Gorakhpur (UP)	PVC insulated sheathed and unsheathed cables with aluminium conductors for working voltages upto and including 1100 V (excluding cables for outdoor use and low temperature applications)— IS : 694—1977

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
18.	CM/L-0994677 1981-09-12	81-10-01	82-09-30	Indian Chemical & Fertilizer Industries P.O. Bahadurpur Sabour Road, Bhagalpur (Bihar)	Aldr in DP 5% only— IS : 1308—1974
19.	CM/L-0994778 1981-09-17	81-10-01	82-09-30	Gujarat Farm Chemicals, 66/9, G.I.D.C. Industrial Estate, Phase I, Vatva, Ahmedabad-382440 (Gujarat)	DDT WDPC— IS : 565—1975
20.	CM/L-0994879 1981-09-17	81-10-01	82-09-30	Gujarat Agro Chemicals Mfg. Co. 151-153/1 Naroda Industrial Estate, Naroda Ahmedabad (Gujarat)	DDT WDPC— IS : 565—1975
21.	CM/L-0994980 1981-09-17	81-10-01	82-09-30	-do-	Methyl parathion DP— IS : 8960—1980
22.	CM/L-0995073 1981-09-17	81-10-01	82-09-30	Chemet Chemicals (P) Ltd. 82/1 G.I.D.C. Estate, Vatva, Ahmedabad, Gujarat)	DDT EC— IS : 633—1975
23.	CM/L-0995174 1981-09-17	81-10-01	82-09-30	All India Medical Corpn. B/15 G.I.D.C. Naroda Industrial Estate, Naroda, Ahmedabad.	Methyl parathion DP— IS : 8960—1980
24.	CM/L-0995275 1981-09-17	81-10-01	82-09-30	Lakshmi Milktesting Machinery Co., A-90, Wazirpur Group Indstrial Area, Wazirpur-110052 (Office : 137, Rajindera Market, Tis Hazari, Delhi-110054)	Lock stopper — IS : 1223 (Part I)—1970
25.	CM/L-0995376 1981-09-17	81-10-01	82-09-30	Raghuraj Industries, A-61/5, G.T. Karnal Road, Industrial Area, Delhi-110033.	Horizontal centrifugal pumps for clear, coldd fresh water for agricultural purposes — Size—80 mm x 65 mm Speed—1500 RPM duty point—At 15 m head, discharge 17.51/sec, efficiency 70% and power input 3.6 kw— IS : 6595—1972
26.	CM/L-0995477 1981-09-17	81-10-01	82-09-30	Northern Minerals P. Ltd., Daulatabad Road, Gurgaon (Haryana)	Monocrotophos WSC— IS : 8074—1976
27.	CM/L-0995578 1981-09-17	81-10-01	82-09-30	Atlas Cable Industries, Petlad Cambay Road, Dharmaj-388430 Distt. Kaira (Gujarat) (Office : Ranchhod Kripa, Dharmaj-388430, Dist. Kaira)	PVC insulated (heavy duty) armoured and unarmoured cables with copper conductors for working voltages upto and including 1100 volts— IS : 1554 (Pt-I)—1976
28.	CM/L-0995679 1981-09-17	81-10-01	82-09-30	Alpha Dynamic Products P. Ltd., Plot No. 5 & 6, Road No. 14, Udyog Nagar, Udhna-394210	Three-phase squirrel cage induction motors for centrifugal pumps for agricultural application 3.7 kw with class 'B' insulation— IS : 7538—1975
29.	CM/L-0995780 1981-09-18	81-09-16	82-09-15	Bharat Barrel & Drum Mfg., Co. Pvt. Ltd. 95, Ganpatrao Kadam Marg, Lower Parel, Bombay-400013 (Maharashtra)	Drums large, fixed ends, grade 'B'— IS : 1783—1974
30.	CM/L-0995881 1981-09-18	81-10-01	82-09-30	Sahara Chemicals, 34, Pashupati Bhattacharjee Road, Calcutta-700041.	Integral cement water proffing compound— IS : 2645—1975
31.	CM/L-0995982 1981-09-18	81-10-01	82-09-30	Kohinoor Plywood Pvt. Ltd., Chotahapjan, P.O. Hapjan, Distt. Dibrugarh (Assam).	Plywood teachests panel— IS : 10 (Part II)—1976

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
32.	CM/L-0996075 1981-09-18	81-10-01	82-09-30	Precision Galvanising Works, 14/4, Mathura Road, Faridabad (Haryana)	Mild steel wires and strips for armouring cables— IS : 3975—1979
33.	CM/L-0996176 1981-09-18	81-10-01	82-09-30	Superior Electric Co., D-35/10, G.T. Karnal Road, Industrial Area, Delhi. (Office : 17 Netaji Subhas Marg, New Delhi-110002).	450 mm, single phase, with class E insulation propeller type ac ventilating fans— IS : 2312—1967
34.	CM/L-0996277 1981-09-81	81-10-01	82-09-30	Hindustan Insulations (P) Ltd., 31-A, N.I.T. Faridabad, (Haryana)	PVC insulated, unsheathed cables and flexible cords with copper conductor only excluding cables for outdoor use and low temperature condition— IS : 694—1977
35.	CM/L-0996378 1981-09-18	81-10-01	82-09-30	Fixopan Engineers Pvt. Ltd., D-174, Okhla Industrial Area, Phase I, New Delhi-110020 (Office : Guru Angad Bhawan, First Floor, 71, Nehru Place, New Delhi-110019)	High density polyethylene pipes for potably water supplies, sewage and industrial effluents class 4 sizes upto 110 mm IS : 4984—1978
36.	CM/L-0996479 1981-09-18	81-10-01	82-09-30	Gujarat Agro Chemicals Mfg. Co., 151–153/1, Naroda Industrial Estate, Naroda, Ahmedabad Dist. (Gujarat)	Carbaryl DP— IS : 7122—1973
37.	CM/L-0996580 1981-09-21	81-10-01	82-09-30	Jai Hind Investment & Industries Ltd., Plot No. 135, Sector-24, Faridabad-121005 Haryana	Prestressed concrete poles for over head power traction and tele communication lines class 7 to class 12— IS : 1678—1978
38.	CM/L-0996681 1981-09-21	81-09-16	82-09-15	Bharat Barrels & Drum Mfg. Co. Pvt. Ltd., 95, Ganpatrao Kadam Marg, Lower Parel, Bombay 400013 (Maharashtra)	Screwed closures for drums flanged and bang) size 50 mm and 20 mm only— IS : 1784—1977
39.	CM/L-0996782 1981-09-21	81-10-01	82-09-30	Emco Esta Capacitors Ltd., Plot No. 11, Kalwa Industrial Area, Thane—Belapur Road, Kalwa, Distt. Thane (Office : 106, Industrial Area, Soin, Bombay-400022)	Shunt capacitor for power systems with ratings upto and including 15 KVAR, 415 and 440 volts— IS : 2834—1964
40.	CM/L-0996883 1981-09-21	81-10-01	82-09-30	Jalgaon Re-rolling Industries Ltd., 18–27, Industrial Estate, Ajentha Road, Jalgaon-425001 (Maharashtra)	Structural steel (standard quality)— IS : 226—1975
41.	CM/L-0996984 1981-09-21	81-10-01	82-09-30	-do-	Structural steel (ordinary quality)— IS : 1977—1975
42.	CM/L-0997077 1981-09-21	81-10-01	82-09-30	Argent Industries, 267, Okhla Indl. Estate, New Delhi-110020	Non-ferrous metal sliding door bolts (Aldrops) for use with pad locks Type 3— IS : 2681—1979
43.	CM/L-0997178 1981-09-21	81-10-01	82-09-30	Indo National Ltd., Tada, Sullur Pet Taluk, Nellor Distt. Andhra Pradesh Pin-524401	Multipurpose dry batteries, designation R 20— IS : 8144—1976
44.	CM/L-0997279 1981-09-21	81-10-01	82-09-30	Shouries Freres, 1-12, DSIDC Industrial Complex, Rohtak Road, Nangloi, Delhi-110041	Correcting fluid— IS : 4175—1967
45.	CM L-0997380 1981-09-21	81-10-01	82-09-30	Oriental Sports, Surajkund Road, Meerut-250001 (U.P.)	Footballs and volleyballs— IS : 417 (Part I & II)—1974

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
46.	CM/L-0997481 1981-09-21	81-10-01	82-09-30	Olympic Sports, Surajkund Road, Meerut-250001 (U.P.)	Footballs and volleyballs— IS : 417 (Part I & II)—1974
47.	CM/L-0997582 1981-09-21	81-10-01	82-09-30	Cannanore Spinning & Weaving Mills, Kakkat, Cannanore-670005 (Kerala)	Grey cotton yarn Grade : B carded Counts : 60s— IS : 171—1973
48.	CM/L-0997683 1981-09-21	81-10-01	82-09-30	Kanoria Chemicals Industries Ltd., Ludlow Jute Mills, Division, Chengail, Dist. Howrah (Office : 16-A, Brabourne Road, Calcutta-700001)	A-twill Jute bag— IS : 1943—1964
49.	CM/L-0997784 1981-09-21	81-10-01	82-09-30	Fine Ink Works, C-94, DDA Shed, Okhla Industrial Area, Phase I, New Delhi-110020 (Office : 0-15, Jangpura Extension, New Delhi-110014)	Ink, duplicating for twin cylinder rotary machines— IS : 1222—1973
50.	CM/L-0997885 1981-09-21	81-10-01	82-09-30	Bharat Steel Tubes Ltd., Ganaur-151101 (Dist. Sonepat Haryana) (Office : 17, Parliament Street, New Delhi-110001)	Electrically welded steel pipe for water gas and sewage type-ERW, grade 320 Size upto and including 200 mm NB— IS : 3589—1966
51.	CM/L-0997986 1981-09-21	81-10-01	82-09-30	Sri Raghavendra Chemicals, Shed No. A, No. 37, Industrial Estate, Kurnool-516003 (A.P.)	Copper sulphate, technical grade— IS : 261—1966
52.	CM/L-0998079 1981-09-21	81-10-01	82-09-30	Kilpest Private Limited, 7-C, Industrial Area, Govindpura, Bhopal-462023 (M.P.)	Malathion EC— IS : 2567—1978
53.	CM/L-0998180 1981-09-24	81-10-01	82-09-30	Jai Enterprises, 18/19, Patel Industrial Estate, Unit No. 3, S.V. Road, Dohinsar (East), Bombay-400068 (Office : 7 Guru Chhaya Building. Opp. Railway Station, Dohisar (East), Bombay-400068]	Domestic gas stoves for use with liquified petroleum gases— IS : 4246—1978
54.	CM/L-0998281 1981-09-24	81-10-01	82-09-30	Glusol Biscuit Co., F-65-66, R.I.M.D.C., Industrial Area, Parbatpur, Ajmer Rajasthan)	Biscuits of the following varieties : (1) Super glucose (2) Glucose saurabh (3) Saurabh sixer— IS : 1011—1968
55.	CM/L-0998382 1981-09-24	81-10-01	82-09-30	Prakash Pulverising Mills, Old Industrial Area, Opposite Railway Godown Shed, Alwar-301001 (Rajasthan)	BHC (HCH) WDP— IS : 562—1978
56.	CM/L-0998483 1981-09-24	81-10-01	82-09-30	The Mahabir Jute Millts Ltd., Sahjanwa, Dist. Gorakhpur (U.P.)	Laminated jute bags manufactured from 380 g/m²; 68 x 39 mm (14 oz 45 in 8 x 10) tarpaulin fabric— IS : 7406 (Part II)—1980
57.	CM/L-0998584 1981-09-24	81-10-01	82-09-30	Moonlight Paint Industries. 11 East Mohan Nagar, Out side Sultanwind Gate, Amritsar (Punjab)	Cement paint, colour as required— IS : 5410—1969
58.	CM L-0998685 1981-09-24	81-10-01	82-09-30	Prakash Tubes Ltd, Prakash Nagar, Sankhol, Bahadurgarh-124507 (Haryana)	Tabuar steel poles for overhead power lines type : sewaged designation : 410 MP a 42 kgf/mm-)— IS : 2713—1980

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
59.	CM/L-0998786 1981-09-24	81-10-01	82-09-30	Agia Ram Khanna & Sons, 308/1 E, Shazada Bagh, Old Rohtak Road, Delhi-110035	Floats for use with 15 mm HP and LP ball valves— IS : 1703—1977
60.	CM/L-0998887 1981-09-24	81-10-01	82-09-30	Atlas Cable Industries, Petlad Cambay Road, Dharmaj-388430 Distt. Kaira, (Gujarat) (Office : Ranchhod Kripa Dharmaj-388430, Distt. Kaira)	PVC insulated sheathed and unsheathed cables having copper and aluminium conductors for working voltages up to and including 1100 volts (excluding cables for out door use and low temperature applications)— IS : 694—1977
61.	CM/L-0998988 1981-09-24	81-10-01	82-09-30	Shri Metal Containers 231-232, New Okhla Industria Complex, Phase I, New Delhi-110020	Steel drums, ungalvanized grade B-2 only— IS : 2552—1979
62.	CM/L-0999081 1981-09-24	81-10-01	82-09-30	Electric Cable Industries, Opp. Panchyat Ghar, Babarpur, Shahdara, Delhi-110032	PVC insulated (heavy duty) (armoured and unarmoured) electric cables with copper and aluminium conductor for working voltages upto and including 1100 volts— IS : 1554 (Part I)—1976
63.	CM/L-0999182 1981-09-24	81-10-01	82-09-30	Prakash Pipes & Industries, Ltd., Block No. 1, Village Mayar, District Hissar, (Haryana) (Office : 109, N. Model Town, Hissar)	Unplasticized PVC pipes for potable water supplies Size 110 mm 2.5 kgf/cm^2 Size 110 mm to 180 mm 4 kgf/cm^2 Size 125 mm to 180 mm 6kgf/cm^2— IS : 4985—1968
64.	CM/L-0999283 1981-09-28	81-10-16	82-10-15	Shambhu Nath Chemical Works, Old Jail Road, Amritsar (Punjab)	Sodium thiosulphate, crystalline, technical and photographic grades— IS : 246—1972
65.	CM/L-0999384 1981-09-30	81-10-01	82-09-30	Punjab Anand Meters Pvt. Ltd., A-9 & 10, Industrial Estate, S.A.S. Nagar, (Mohali) Distt. Ropar (Punjab) Near Chandigarh-160051	Water meters (domestic type) dry dial, inferential type 'A' size 15 mm— IS : 779—1978
66.	CM/L-0999485 1981-09-30	81-10-16	82-10-15	Dhoraji Mechanical Works, 6, Bhaktinagar, Station Plot, Rajkot-360002 (Gujarat)	Vertical, single cylinder, four-stroke, water cooled diesel engines of the following rating : Output—5.88 kw (8 bhp) Speed—850 RPM governing—Class 'B' SFC—309 g/kwh— IS : 1601—1960
67.	CM/L-0999586 1981-09-30	81-10-16	82-10-15	Viking Knitters, 19-B (7), Avanashi Road, Tirupur-638603 (TN)	Plain knitted cotton vests : Type : RN & RNS Size : 75 to 100 cm Gauge : 24— IS : 4964—1980
68.	CM/L-0999687 1981-09-30	81-10-16	82-10-15	Monsanto Chemicals of India Ltd., 50/51, Lonavla Industrial Estate, Nagargaon, Lonavla-410401 Dist. Pune (Maharashtra) (Office : Wakefield House, 11, Sprott Road, Bellard Estate, Bombay-400038)	Butachlor EC— IS : 9356—1980
69.	CM/L-0999788 1981-09-30	81-10-16	82-10-15	Kisan Chemicals, 52, Industrial Area, Chandigarh.	DDT EC— IS : 633—1975
70.	CM/L-0999889 1981-09-30	81-10-16	82-10-15	-do-	Endosulfan EC— IS : 4323—1980
71.	CM/L-0999990 1981-09-30	81-10-16	82-10-15	Annapurna Pulverising Mills, Industrial Estate, Eluru, W.G. Dist. (A.P.)	Oxydemeton methyl 25% EC— IS : 8259—1976

(1)	2)		(3)	(4)
72. CM/L-1000005 1981-09-30	81-10-16	82-10-15	Supremex Equipments, D-2 A, Ghatkopar, Industrial Estate, L.B. Marg, Bombay-110086	Portable chemical fire extinguisher water type 9 litre capacity— IS : 940—1976
73. CM/L-1000106 1981-09-30	81-10-16	82-10-15	Bharat Pesticides Industries Pvt. Ltd., 84, G.V.N. Sah kari Audhogik Vasahat Ltd., Odhav, Ahmedabad (Gujarat)	Methyl paration DP— IS : 8960—1978
74. CM/L-1000207 1981-09-30	81-10-16	82-10-15	Devidayal (Sales) Pvt. Ltd. 50/A, GIDC Estate, Kalol-389330 Dist. Panchmahals (Gujarat)	Dicofol EC— IS : 5279—1969
75. CM/L-1000308 1981-09-30	81-10-16	82-10-15	Kamrup Industrial Corporation, Maligaon, A.T. Road, Gauhati-781011	Paraffin wax, type 3— IS : 4654—1974
76. CM/L-1000409 1981-09-30	81-10-16	82-10-15	Majeji Petro-chem Industries, Kharagpur Industrial Estate, P.S. Kharagpur, P.O. Rakhaljungle, Dist. Midnapur (W.B.) (Office : 25, Strand Road, 3rd Floor, Calcutta-700001)	Paraffin wax, type 3— IS : 4654—1974
77. CM/L-1000510 1981-09-30	81-10-16	82-10-16	Eastern Chemical Industries, 77 Christopher Road, Calcutta-700046 (West Bengal)	Paraffin wax, type 3— IS : 4654—1974
78. CM/L-1000611 1981-09-30	81-10-16	82-10-15	The Eastern Mfg. Co. Ltd., 1 Hyder Ali Road, Titagarh, Dist. 24 Parganas (West Bengal)	B-twill jute bags— IS : 2566—1965
79. CM/L-1000712 1981-09-30	81-10-16	82-10-15	Rallis India Ltd., Premises of Ramakrishna Prasad Pesticides, Koppuravuru, Nambur-522508, Dist. Guntur (A.P.)	Repacking of fenitrothion EC— IS : 5281—1969
80. CM/L-1000813 1981-09-30	81-10-16	82-10-15	Goyal Metal Industries, Hathras Road, Agra-282006 (U.P.)	Horizontal centrifugal pumps for clear, cold, fresh water for agricultural purposes— Size : 80 x 65 mm speed 1500 RPM duty point At 14 m head, discharge 9301/min. efficiency 64.5% & power input 3.35 kw— IS : 6595—1972
81. CM/L-1000914 1981-09-30	81-10-16	82-10-15	Ellen Industries, Ellaithottam Road, Peelamedu, Coimbatore-641001	Horizontal centrifugal pumps for clear, cold, fresh water for agricultural purposes :

Size (mm)	Speed (RPM)	Type
65×50	1440	MP 1
65×50	1440	MP 2
75×65	1440	MP 1
75×65	1440	MP 2

Duty Point

Head (m)	Discharge 1/S	Efficiency %	Pump Input kw
14	9	59	2.2
18	10	58	3.0
14	11	55	3.0
17	14	60	3.7

IS : 6595—1972

82. CM/L-1001007 1981-09-30	81-10-16	82-10-15	Krishna Iron & Steel Rolling Mills, Amloh Road, Mandi Gobindgarh (Punjab)	Structural steel (standard quality)— IS : 226—1975

[No. CMD/13 : 11]

नई दिल्ली, 8 फरवरी, 1985

का.आ. 1016:—समय-समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिन्ह) विनियम, 1955 के विनियम 8 के उपविनियम (1) के अनुसार अधिसूचित किया जाता है कि नीचे अनुसूची में विवरण सहित दिये गये 93 लाइसेंस मास नवम्बर, 1981 में स्वीकृत किये गये और लाइसेंसधारियों को मानक चिन्ह प्रयोग करने का अधिकार दिया गया।

अनुसूची

क्रम संख्या	लाइसेंस संख्या (सीएम/एल-)	वैधता की तिथि से	तक	लाइसेंसधारी का नाम एवं पता	लाइसेंस के अधीन वस्तु/प्रक्रिया एवं तत्संबंधी : पदनाम
1	2	3	4	5	6
1.	सीएम/एल-10057 22 1981-11-02	81-11-01	82-10-31	जनता मैकेनिकल वर्क्स प्रा. लि., रामचन्द्र लेन, एक्सटेंशन, मलाड वेस्ट, बम्बई-400064	ऐसबेस्टॉस के सीमेन्ट दाब पाइपों के लिये ढलवां लोहे के स्पेशल्स— IS : 5531 (भाग 1 से 3)-1977
2.	सीएम/एल-10058 23 1981-11-02	81-11-01	82-10-31	श्री विजयदुर्गा पुल्वराइजिंग मिल्स अवामाभावी, सिरूगुप्पा रोड बेल्लारी-583101 (कर्नाटक)	डी डी टी, डब्ल्यू डी पी सी— IS : 565-1975
3.	सीएम/एल-10059 24 1981-11-02	81-11-16	82-11-15	के टी पेट्रोकेमिकल्स, फोर्ट एरिया, डाकघर एवं जिला गंजम-761026 (उड़ीसा)	पैराफिन मोम, टाइप-3 IS : 4654-1974
4.	सीएम/एल-10060 17 1981-11-02	81-11-16	82-11-15	ए. पी. स्टेट एग्रो इंडस्ट्रीज, डेवलपमेंट कारपोरेशन लि., इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट एरिया, येलान्डु रोड, खामन, जिला खामम (आ.प्र.) (कार्यालय : एग्रो भवन, 10-2-3, ए. सी. गार्ड्स, हैदराबाद-500004)	कार्बोरिल, डी पी- IS : 7122-1973
5.	सीएम/एल-10061 18 1981-11-02	81-11-16	82-11-15	श्री फार्म कैमिकल्स (प्रा.) लि., पेरिचिरला, गुन्टूर (आ. प्र.), (कार्यालय : नं. 18 दूसरी मंजिल, यूनिट हाउस, आबिद रोड, हैदराबाद-500001)	डी डी टी, डब्ल्यू डी पी सी— IS : 565-1975
6.	सीएम/एल-10062 19 1981-11-02	81-11-16	82-11-15	—वही—	एण्डोसल्फान ई सी— IS : 4323-1980
7.	सीएम/एल-10063 20 1981-11-02	81-11-16	82-11-15	अल्का इंडस्ट्रीज (पेन्ट्स) प्रा. लि., जयप्रकाशनगर, आलमबाग, लखनऊ-226005 (कार्यालय : 46, पुराना किला, लखनऊ-226001 (उ.प्र.)	सीमेंट पेन्ट, वांछित रंग का— IS : 5410-1969
8.	सीएम/एल-10064 21 1981-11-02	81-11-16	82-11-15	चन्द्रा रिफाइनरीज, रामपुरा स्ट्रीट, नजिबाबाद-246773, जिला बिजनौर (उ.प्र.)	पैराफिन मोम, टाइप 3- IS : 4654-1974
9.	सीएम/एल-10065 22 1981-11-02	81-11-16	82-11-15	केरला सोप्स एण्ड आयल्स लि., वेस्ट हिल, कालीकट-673005 (केरल)	कपड़ा धोने का साबुन, टाइप, 1(बिल्ट सोप)- IS : 285-1974
10.	सीएम/एल-10066 23 1981-11-05	81-11-16	82-11-15	गुजरात मैन्युफैक्चरर्स गोंडल रोड, वेद वाड़ी, राजकोट-370004 (गुजरात)	निम्नलिखित वर्ग के ऊर्ध्व, एक सिलिंडर, चार स्ट्रोक वाले जल शीतित डीजल इंजन : निर्गत : 5.88 के डब्ल्यू (बी एच पी) गति : 850 चक्कर प्रति मिनट गति नियमन : श्रेणी "बी" एस एफ सी 309 ग्राम किवा घंटा IS : 1601-1960
11.	सीएम/एल-10067 24 1981-11-09	81-11-16	82-11-15	साकेत आफिस स्टेशनरी मैन्युफैक्चरिंग कं. प्रा., लि., 51 राधानाथ चौधरी रोड, कलकत्ता-700015 (प. बंगाल)	टाइप मशीन के रिबन टाइप 1 एवं 2 स्याही की मात्रा : गहरी— IS: 4174-1977

1	2	3	4	5	6
12.	सी एम/एल–10068 25 1981-11-09	81-11-16	82-11-15	स्वास्तिक पेस्ट साइड्स एण्ड केमिकल्स, भोपारोड, मुजफ्फरनगर (उ. प्र.), (कार्यालय : 22–ए, नई मंडी मुजफ्फरनगर–251001 (उ.प्र.)	एंडोसल्फान, ई सी:– IS : 4323–1980
13.	सी एम/एल–10069 26 1981-11-09	81-11-16	82-11-15	वेमको रोलिंग मिल्स, 28–29 वीं, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविन्दपुरा, भोपाल (म.प्र.)	कंक्रीट प्रबलन के लिये ठंडी मुड़ी इस्पात की उच्च शक्ति वाली विकृत सरिया– IS : 1786–1979
14.	सी एम/एल–10070 19 1981-11-09	81-11-16	82-11-15	शांति इलेक्ट्रिक इन्स्ट्रूमेंट्स, प्लाट सं. ए-54, मरोल बस डिपो के सामने, मोरल इंडस्ट्रियल एरिया, एम. आई. डी. सी., अन्धेरी (पूर्व) बम्बई–400093	500 वोल्ट का निर्धारित वोल्टता का रोधन प्रतिरोध परीक्षक– IS : 2992–1965
15.	सी एम/एल–10071 20 1981-11-09	81-08-01	82-07-31	जैम बट्ट वेल्डिड फ़िटिंग्स कं., घोषपुरा, बालटिकुरी, हावड़ा, (प. बंगाल)	समुद्री कार्यों के लिये झलाई योग्य इस्पात की पाइप फिटिंगें टाइप 45° एवं 90° एल्बो आकार : 250 मिमी तक नामिक आकार के पाइप– IS : 4310–1967
16.	सी एम/एल–10072 21 1981-11-09	81-11-16	82-11-15	ईस्ट इंडिया इंडस्ट्रीज, (स्टील डिवीजन), 212 राजारामचन्द घाट रोड, पानीहारी, 24 परगना, (कार्यालय : 161 चितरंजन एवेन्यू, कलकत्ता)	संरचना इस्पात (मानक किस्म)– IS: 4310–1975
17.	सी एम/एल–10073 22 1981-11-09	81-11-16	82-11-15	–वही–	कंक्रीट प्रबलन के लिये ठंडी मुड़ी इस्पात की उच्च शक्ति वाली विकृत सरिया– IS : 1786–1979
18.	सी एम/एल–10074 23 1981-11-09	81-11-16	82-11-15	नेशनल आयरन एण्ड स्टील कं.लि., डाकघर बेलूरमठ, बेलूर जिला हावड़ा (प. बंगाल)	कंक्रीट प्रबलन के लिये ठंडी मुड़ी इस्पात की उच्च शक्ति की विकृत सरिया– IS : 1786–1979
19.	सी एम/एल–10075 24 1981-11-09	81-11-16	82-11-15	भारत इंडस्ट्रियल कार्पोरेशन, डी. आर. फूकन रोड, भरालुमुख, गोहाटी	ट्रान्सफ़ार्मर और स्विचगियर के लिए नया विद्युत रोधी तेल– IS : 335–1973
20.	सी एम/एल–10076 25 1981-11-10	81-11-16	82-11-15	इंडियन पेस्ट कन्ट्रोल कं., प्लाट नं. 1–ए, सेक्टर बी, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविन्दपुरा, भोपाल–462023 (मध्य प्रदेश)	कार्बोरिल, डब्ल्यू डी पी सी की रिपैकिंग– IS : 7121–1973
21.	सी एम/एल–10077 26 1981-11-10	81-11-16	82-11-15	किलपेस्ट प्रा. लि., 7 सी, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविन्दपुरा, भोपाल–462023 (म.प्र.)	कार्बोरिल डब्ल्यू डी पी सी की रिपैकिंग– IS : 7121– 1973
22.	सी एम/एल–10078 27 1981-11-10	82-11-16	82-11-15	विल्डवर्थ लि., जी. एस. रोड, दिसपुर गुवाहाटी– 781009	शिरोपरि विद्युत लाइन के लिए नलिकाकार इस्पात के खम्भे टाइप: लोन्दल, पदनाम: 410 एम पी ए (42 के जी एफ एम एम 2) IS : 2713 (भाग 1 एवं 2)– 1980
23.	सी एम/एल–10079 28 1981-11-13	81-11-16	82-11-15	गौतम प्लास्टिक्स एंड इंडस्ट्रीज, प्लाट सं. 32– वीं, इंडस्ट्रियल एरिया, तिफरा, बिलासपुर (म. प्र.) (कार्यालय: 373, ब्लाक "जी" नलबीपुर, कलकत्ता– 700053)	उच्च घनत्व के पालिएथाइलीन पाइप श्रेणी-2 200 मिमी आकार तक के और श्रेणी-3 180 मिमी आकार तक के– IS : 4984–1978
24.	सी एम/एल–10080 21 1981-11-13	81-11-16	82-11-15	डोर मैक इंडस्ट्रीज, मकान नं. 228–जी, पीरा गढ़ी, नई दिल्ली–110041	डोर क्लोजर (द्रव नियंत्रित) साइज 2– IS : 3564–1975
25.	सी एम/एल–10081 22 1981-11-16	81-11-16	82-11-30	स्वामी मुकुन्दानन्द इंडस्ट्रीज, 424, जी आई डी सी इस्टेट, अंकलेश्वर– 396002 (गुजरात)	बी एच सी, डी पी IS : 561–1978

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
26.	सी एम/एल– 10082 23 1981-11-16	81-12-01	82-11-30	अनिल इंडस्ट्रीज, डाकघर एवं ग्राम जुई, जिला भिवानी (हरियाणा)	पैराफिन मोम, टाइप 3– IS : 4654– 1974
27.	सी एम एल– 10083 24 1981-11-16	81-12-01	82-11-30	निडल इंडट्रीज (इंडिया) लि., निडल इंडस्ट्रीज डाकघर, केटी–643243 दी नीलगिरीज (तमिलनाडु)	सुइयां, अर्धः स्वचीय— IS : 3317–1965
28.	सी एम/एल– 10084 25 1961-11-16	81-12-01	82-11-30	मद्रास एग्रोन्वेट इंडस्ट्रीज, मुस्लिम पुर, निकट पुडूर रेलवे गेट, वनयाम्बदी–635751 (नार्थ अरकाट जिला)	मुर्गी खाना के पूरक रूप में खनिज मिश्रण– IS: 5672–1970
29.	सी एम/एल– 10085 26 1981-11-16	81-12-01	82-11-30	सूर्या मैच वर्क्स, 76, सेटूर रोड, शिवकाशी–626123 (तमिलनाडु)	डिब्बी बन्द माचिस, लकड़ी की तिलियों वाली IS : 2635–1964
30.	सी एम/एल– 10086 27 1981-11-16	81-12-01	82-11-30	स्वामी मैच वर्क्स ए० जे. कालेज के सामने, शिवकाशी– 626124 (तमिलनाडु)	डिब्बी बन्द माचिस, लकड़ी की तिल्लियों वाली IS : 2653–1964
31.	सी एम एल– 10087 28 1981-11-16	81-12-01	82-11-30	मल्होत्रा स्टील कार्पोरेशन, (प्रो. सरहिन्द स्टील प्रा. लि.), मल्होत्रा रोड, ऊँधव अहमदाबाद–382410	संरचना इस्पात (मानक किस्म)– IS : 226–1975
32.	सी एम/एल– 10089 29 1981 11 16	81-12-01	82-11-30	सुन्दरपारा विनीर एंड सॉमिल्स, डागाखार जिला जलपाइगुड़ी	चाय की पेटी की प्लाईवुड की फट्टियां– IS: 10 (भाग 2) – 1973
33.	सी एम/एल– 10089 30 1981-11-16	81-12-01	82-11-30	गुजरात एग्रो इंडस्ट्रीज कार्पोरेशन, लि., करंज बाग, प्रान्ती रोड, निकट चेस्ट डिजीज अस्पताल, एन एच नं. 8, नरोदा, अहमदाबाद–382330 (कार्यालय: खुलुद्योग भवन, हाईकोर्ट के सामने, नवरंगपुरा, अहमदाबाद–380014)	बी एच सी 6.5 प्रतिशत गामा आइसोमर, डब्ल्यू डी पी सी— IS: 562–1978
34.	सी एम/एल– 10090 23 1981-11-16	81-12-01	82-11-30	सारदामोनी इंजीनियरिंग वर्क्स, 311, नेताजी सुभाष रोड, हावड़ा–711101	स्लूस वाल्व, श्रेणी पी एन आई आकार 80 मिमी से 30 मिमी IS : 780–1969
35.	सी एम/एल– 10091 24 1981-11-16	81-12-01	82-11-30	नकोडा कंडक्टर्स (प्रा.) लि., एफ–31/32, रीको इंडस्ट्रियल पुर रोड, भीलवाड़ा (राजस्थान)	शिरोपरि प्रेषण कार्यों के लिए 7 तारों तक के जस्तीकृत इस्पात प्रबलन एलुमिनियम के लड़दार चालक एवं एलुमिनियम चालक– IS : 398(भाग 1 और 2)–1976
36.	सी एम/एल– 10092 25 1981-11-16	18-12-01	82-11-30	एम. एस. लेमिनेटर्स प्रा. लि., जो–13, पंकी इंडस्ट्रियल इस्टेट, पंकी, कानपुर (उ. प्र.) कार्यालय: 118/330 कौशलपुरी, कानपुर	380 मिमी 2, 68×39, 14 और 45 इंच 8×10 तिरपाल के कपड़े से बने हुए खाद भरने पटसन के परतदार बोरे– IS : 7046 (भाग 2)–1980
37.	सी एम/एल 10093 26 1981-11-17	81-12-01	82-11-30	गुजरात एग्रो केमिकल्स मन्यूफक्चरिंग कं., 15–153/1, जी आई. डी. सी. इंडस्ट्रियल इस्टेट, नरोदा, अहमदाबाद–382330 (गुजरात)	बीज पर थिरम लगाने का सूत्र (सूत्रीकरण)– IS : 4783– 1968
38.	सी एम/एल– 10094 27 1981-11-17	81-12-01	82-11-30	गुजरात केमिकल्स मैन्युफक्चरिंग कं. 151–153/1, जी. आई. डी. सी. इंडस्ट्रियल इस्टेट, नरोदा, अहमदाबाद—382330 (गुजरात) म	एंडोसल्फान, ई सी–– IS : 4323–1980
39.	सी एम/एल– 10095 28 1981-11-17	81-12-01	82-11-30	–वही–	एंडोसल्फान डी पी–– IS : 4322–1967
40.	सी एम/एल– 10096 29 1981-11-17	81-12-01	82-11-30	–वही–	कार्बोरिल डब्ल्यू टी पी सी–– (रिपकिंग) IS : 7121–1973
41.	सी एम/एल– 10097 30 1981-11-17	81-12-01	82-11-30	केमेट केमिकल्स प्रा. लि., 82/1, जी. आई. डी. सी. इस्टेट वतवा, अहमदाबाद– 382445 (गुजरात)	मालाथियोन, ई सी–– IS : 2567–1978

1	2	3	4	5	6
42.	सी एम/एल– 1009831 1981-11-17	81-12-01	82-11-30	हिन्दुस्तान वाल्व इंडस्ट्री, एम– 129, इंडस्ट्रियल एरिया, जलधर शहर	जी. एम. द्वारा कपाट श्रेणी 1, आकार 25 एम एम, एवं जी एम ग्लोब कपाट श्रेणी I आकार 25 मिमी-- IS : 778–1971
43.	सी एम/एल– 1009932 1981-11-17	81-12-01	82-11-30	सारु स्मोल्टिन (प्रा. लि., सरधना रोड,) मेरठ–250001 (उत्तर प्रदेश)	रोजिन कोड झलाई का तार, सक्रियत, सभी वर्ग/ सभी आकार के-- IS : 1921–1975
44.	सी एम/एल– 101008 1981-11-17	81-12-01	82-11-30	कन्हिया लमिनेटर्स, सी–71/1, वजीरपुर इंडस्ट्रीयल एरिया, दिल्ली–110052	470 ग्राम मी^{2}, 85× 39, (15 औंस 45 इंच, 10× 10 तिरपाल के कपड़े से बने खाद भरने के पटसन के परतदार बोरे-- IS : 7406 (भाग 1)– 1974
45.	सी एम/एल– 1010109 1981-11-17	81-12-01	82-11-30	–वही–	330 ग्राम मी2, 68× 39, 14 औंस/ 45 इंच, 8× 10 तिरपाल के कपड़े के बने खाद भरने के पटसन के परतदार बोरे IS : 7406(भाग 1)–1980
46.	सीएम/एल-10102 10 1981-11-18	81-12-01	82-11-30	एम-3 इंडस्ट्रीज, मैन्युफैक्चरर्स आफ ट्रांसफार्मर आयल, बर्क-तलचर (उड़ीसा)	स्वीचगियरों एवं ट्रांसफार्मरों के लिये नया विद्युत रोधी IS: 335-1972
47.	सीएम/एल-10103 11 1981-11-18	81-12-01	82-11-30	प्रभुराम मिल्स लि., कोट्टा कराकड, चिंगनूर, एलेप्पी जिला (केरल)	सफेद सूती तागा-- (1) 605 धुना हुआ ताना वर्ग सी, (2) 805 धुना हुआ ताना वर्ग सी, एवं (3) 805 धुना हुआ ताना वर्ग बी IS: 171-1973
48.	सीएम/एल-10104 12 1981-11-18	81-12-01	82-11-30	कोट्टयम टेक्सटाइल्स लि. मेवागिरी, डाकघर कुकमुल्लूर, द्वारा इट्टुमन्नूर (केरल)	सफेद सूती तागा-- (1) 605 एवं 805 धुना हुआ ताना वर्ग बी, एवं (2) 1005 धुना हुआ ताना वर्ग सी IS: 171-1973
49.	सीएम/एल-10105 13 1981-11-18	81-12-01	82-11-30	सोनिया डीजल्स, 10 भक्ति नगर स्टेशन प्लांट, राजकोट-360002 (गुजरात)	निम्नलिखित वर्ग के ऊर्ध्व, एक सिलिंडर चार स्ट्रोक वाले जल शीतित डीजल इंजन: निर्धार: 5.88 के डब्ल्यू गति: 850 चक्कर प्रति मिनट गतिनियमन: श्रेणी बी एस एफ ए सी: 285 ग्राम/किवा घंटा IS: 1601-1960
50.	सीएम/एल-10106 14 1981-11-19	81-12-01	82-11-30	पावरवेल केपेसिटर्स मैन्युफैक्चरिंग कं., लुधियाना--मालियर कोटला रोड मलेर कोटला जिला संगरूर (पंजाब)	5 एवं 10 किवा ए आर, की 500सें ताप के उच्च वर्ग वाले डेल्टा संबंध शंट संधारित्र IS: 2834-1964
51.	सीएम/एल-10107 15 1981-11-19	81-12-01	82-11-30	लोड किंग वायर इंडस्ट्रीज 32/1, ए, बी, ब्लाक, ईस्ट आजाद नगर दिल्ली-110051	पी वी सी रोधित सिंगल कोर/मल्टीकोर वाले-- फायरिंग के केबल-- IS: 5950-1970
52.	सीएम/एल-10108 16 1981-11-19	81-12-01	82-11-30	अलका इंडस्ट्रीज (पेंट्स) प्रा. लि., जयप्रकाश नगर, आलमबाग लखनऊ-226002 (कार्यालय: 46 पुराना किला लखनऊ-226001)	संश्लिष्ट बहिरंग प्रयोग और अधः लेपन के लिये फिनिश देने का मुलम्मा रंग वर्ग सं. 17 केरल राजा क्रीम पेंट-- IS: 2932-1974
53.	सीएम/एल-10109 17 1981-11-19	81-12-01	82-11-30	फोरेस्ट इंडस्ट्रीज एण्ड एलाइड प्रोडक्ट्स, प्लाट सं. 67, इंडस्ट्रियल इस्टेट एस कालामासेरी (कार्यालय: 41/728, चित्तूर रोड, कोचीन-682018)	चाय की पेटी को प्लाईवुड की कड़ियाँ-- IS: 10 (भाग 2)-1976

1	2	3	4	5	6
54.	सीएम/एल-10110 10 1981-11-19	81-13-01	82-11-30	मालवाराम हाम्डा एंड संस, जी. टी. रोड, फगवाड़ा (पंजाब)	कंक्रीट प्रबलन के लिये ठंडी मुड़ी इस्पात की उच्च शक्ति वाली विकृत सरिया— IS: 1786-1979
55.	सीएम/एल-10111 11 1981-11-20	81-12-01	82-11-30	इंडोप्ले, प्लाट सं. 2, उद्योग नगर एस वी रोड, गोरे गाँव पूर्व बम्बई-	मालाथियॉन डब्ल्यू डी पी सी— IS: 2569-1978
56.	सीएम/एल-10112 12 1981-11-20	81-12-01	82-11-30	मानिक्यॉ प्लास्टिकेम प्रा. लि., बोलाघाड़ी इंडस्ट्रियल एरिया, हुनसूर रोड, मैसूर-570005	पानी की सप्लाई, मलजल और औद्योगिक निस्रावियों के लिये उच्च घनत्व के पालिए थाइलीन के पाइप श्रेणी 2 आकार 110 मिमी तक IS: 4984-1978
57.	सीएम/एल-10113 13 1981-11-20	81-12-01	82-11-30	श्री येल्लम्मा काटन वूलन एंड सिल्क मिल्स यूनिट ऑफ एनटीसी (अपकेकम) लि., येल्लम्मा नगर दोलाहास, देवनागेर (कर्नाटक) (कार्यालय: 145/5 कृष्णाराजेंद्र रोड, देवनागेर-577001)	सफेद सूती धागा, ग्रेड ए, 400 धुना हुआ IS: 171-1793
58.	सीएम/एल-10114 14 1981-11-20	81-12-01	82-11-30	हिम केबल्स (इंडिया), 12 इंडस्ट्रियल एरिया, महतपुर, जिला ऊना (हि.प्र.)	1100 वोल्ट तक की कार्यकारी वोल्टता के लिये एलुमिनियम और तांबे के चालक वाले गंधोसो रोधित पीवीसी खोलदार केबल— IS: 694-1977
59.	सीएम/एल-10115 15 1981-11-20	81-12-01	82-11-30	भारत स्टील ट्यूब्स लि., गन्नर-13101, जिला सोनीपत, (हरियाणा) (कार्यालय: 17 पार्लियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली-110001)	प्रोणी आकार के पट्टा वाहकों हेतु आइडलरों के लिये इस्पात ट्यूबों— IS: 9225-1979
60.	सीएम /एल-10116 16 1981-11-20	81 12 01	82-11-30	लुब्रीकेम, खसरा नं. 487/53-54-60, ग्राम पीरागढ़ी तहसील नागलोई, दिल्ली-41 (कार्यालय: 413 अशोका इस्टेट, 25 बाराखंभा रोड, नई दिल्ली-110001)	सेवारत रस्सों पर लगाने के लिये स्नेहक केवल ग्रेड 2— IS: 9182 (भाग 1)—1979
61.	सीएम/एल-10117 1981-11-20	81-12-01	82-11-30	अम्बर बिस्कुट्स (प्रा.) लि. 215/1 एंड 216 कम्पोपट, हैदराबाद पूर्व (आर. आर. जिला) (आ.प्र.)	बिस्कुट किस्म: केवल ग्लूकोज IS: 1011-1968
62.	सीएम/एल-10118 18 1981-11-20	81-12-01	82-11-30	यूनाइटिड माउल्डिंग वर्क्स, कोकर इंडस्ट्रियल इस्टेट, रांची (बिहार) (कार्यालय: 149 हजारीबाग, लालपुर रांची-834001 (बिहार)	सूक्ष्म-कोशिकीय रबड़ के तल्ले एवं एड़ियॉ प्रकार 1 एवं 2— IS: 6664-1972
63.	सीएम/एल-10119 19 1981-11-20	81-12-01	82-11-30	भारत पुल्वराइजिंग मिल्स प्रा. लि., अंधेरी कुर्ला रोड, चकला, अंधेरी (पू.) बम्बई-400093 (कार्यालय: श्री निकेतन, 14 क्वींज रोड, बम्बई 400020)	थिरम, डब्ल्यू डी पी सी— IS: 4766-1960
64.	सीएम/एल-10120 12 1981-11-20	81-12-01	82-11-30	प्रीमियर प्लास्टिक्स पाइप इंडस्ट्रीज, गोल बाजार, डुगरगढ़-491445 (म.प्र.)	उच्च घनत्व के पालिएथाइलीन पाइप श्रेणी 3, 110 मिमी ओडी तक के— IS: 4984-1978
65.	सीएम/एल-10121 13 1981-11-26	81-12-16	82-12-15	प्रिसिजन एक्सट्रूजंस, प्रो: मेसर्ज आनन्द पेपर इंडस्ट्रीज प्रा. लि., 8वीं विश्वेश्वरैया इंड. स्ट्रीज एरिया बंगलोर-560048 (कार्यालय: 45 रेसकोर्स रोड इंडस्ट्री हाउस, बंगलौर-560001)	विद्युतीय संस्थापन के लिये यांत्रिक कठोर तारनालियॉ— IS: 2509-1973
66.	सीएम/एल-10122 14 1981-11-26	81-12-16	82-12-15	जेको इंजिनियर्स (रजिस्टर्ड) लिंक रोड निकट प्रीत प्लेस, लुधियाना-141003 (पंजाब)	हस्त चालित सतत नेपसेक फुहारा 16 लीटर, की क्षमता वाला, पिस्टन टाइप— IS: 3906 (भाग-1) —1974

1	2	3	4	5	6
67.	सीएम/एल-10123 15 1981-11-26	81-12-16	82-12-15	रतन कंडक्टर्स, एच 337 (बी एंड सी), रोड नं. 17, विश्वकर्मा इंडस्ट्रियल एरिया जयपुर-302013	शिरोपरि प्रेषण कार्यों के लिये जस्तीकृत इस्पात प्रबलित सात लड़ों तक के एलुमिनियम के लड़दार चालक और एलुमिनियम चालक— IS: 398 (भाग 1)—1974
68.	सीएम/एल-10124 16 1981-11-26	81-12-16	82-12-15	प्लास्टोमेट, सी-172 रोड नं. 9(जे), विश्वकर्मा इंडस्ट्रियल एरिया जयपुर-302013 (कार्यालय : बाबू जी की कोठी, निर्वाण मार्ग जयपुर-302006)	इस्पात का कवच तार, मध्यम लेपित— IS: 3975-1979
69.	सीएम/एल-10125 17 1981-11-26	81-12-16	82-12-15	प्लांट प्रोटेक्शन कॉन्सनट्रेट्स, हिम्मत नगर, सहारनपुर-247001 (उ.प्र.)	कार्बोरिल 5 प्रतिशत डी पी केवल— IS: 7122-1973
70.	सीएम/एल-10126 18 1981-11-26	81-12-16	82-12-15	सनरे केमिकल इंडस्ट्रीज, पं. मोतीलाल नेहरू रोड, जमना किनारा, आगरा-282004 (उ.प्र.)	एंडोसल्फान, ई सी— IS: 4323-1980
71.	सीएम/एल-10127 19 1981-11-26	81-12-16	82-12-15	कोरोमेंडल इंडस्ट्रीज प्रोडक्ट्स (प्रा.) लि., 28-एलुप्पायप्पु फर्स्ट स्ट्रीट मद्रास-600019 (कार्यालय : 14, व्हाइट्समरोड, सुदर्शन बिल्डिंग, मद्रास-600014)	डायाजिनान, ई सी— IS: 4323-1964
72.	सीएम/एल-10128 20 1981-11-26	81-12-16	82-12-15	मसकाट एग्री केमिकल्स प्रा. लि., 93 पनिया इंडस्ट्रियल एरिया,3 फेज, बंगलौर-560058 (कर्नाटक)	2, 4-डी, सोडियम तकनीकी— IS: 1488-1969
73.	सीएम/एल-10129 21 1981-11-26	81-12-16	82-11-30	किलपेस्ट प्रा. लि. 7 सी, इंडस्ट्रियल इस्टेट, गोविंदपुरा, भोपाल-402023 (म.प्र.)	कार्बोरिल 10 प्रतिशत डी पी केवल— IS: 7122-1973
74.	सीएम/एल-10130 14 1981-11-26	81-12-16	82-12-15	लोट्स पेस्टीसाइड्स, सादरी, जिला पाली-306702 (राजस्थान)	सल्फ्रान 30 प्रतिशत ईसी— IS: 1307-1973
75.	सीएम/एल-10131 15 1981-11-26	82-12-16	82-12-15	—वही—	एंडोसल्फान 35 प्रतिशत ई सी— IS: 4323-1967
76	सी एम/एल-10132 16 1981-11-26	81-12-16	82-12-15	इलेक्ट्रिक कन्ट्रोल गियर प्रा. लि., अखुरा मिल्स लि. के पीछे, रखीयाल रोड, अहमदाबाद-380023 (गुजरात)	निम्नलिखित वर्ग के श्रेणी 3 ए सी, 415वां, एच आर सी कारट्रिज फ्यूज लिंक 32; 50, 63, 80, 100, 125, 160, 200, 225, और 250 ए में डी आई एन 1 आकार 315, 355 एवं 400 ए में डी आई एन 2 आकार 500 एवं 630ए में डी आई एन 3 आकार— IS : 2208—1962
77.	सी एम/एल-10133 17 1981-11-26	81-12-16	82-12-15	कपिल उद्योग, जगताप-की-गोथ, दौलतगंज, ग्वालियर (म.प्र.), (कार्यालय : 7 दौलत गंज, ग्वालियर (म. प्र.)	गहरे बरमें IS: 9301—1979
78.	सी एम/एल-10134 18 1981-11-26	81-12-16	82-12-15	अमृतपाल सिंह एण्ड कं. खजूरी रोड, यमुना नगर	प्लाईवुड की चाय की पेटी की फट्टियां— IS : 10 (भाग 3)—1974
79.	सी एम/एल-10135 19 1981-11-26	81-12-16	82-12-15	ग्वालियर टूल्स लि., महाराजपुरा, इंडस्ट्रियल एरिया, ग्वालियर-474005 (म. प्र.)	धातुकाट आरी के ब्लेड्स (फलक) IS : 2594—1977
80.	सी एम/एल-10136 20 1981-11-26	81-12-16	82-12-15	अम्बिका स्टील एण्ड रोलिंग इंजीनियरिंग वर्क्स, बारिकापुरी, मुजफ्फरनगर-251001 (उ.प्र.)	कंक्रीट प्रबलन के लिए ठंडी मुड़ी इस्पात की उच्च शक्ति की विकृत सरिया— IS : 1786—1979
81.	सी एम/एल-10137 21 1981-11-26	81-12-16	82-12-15	एशियन कलर कं., एल-136 जी आई डी सी इस्टेट, ऊधव, अहमदाबाद-362415 (गुजरात)	कोलतार के रंग की खाद्य निर्मितियां एवं मिश्रण— IS: 5346—1975

(1)	(2)	(3)	(4)	(4)	(6)
82.	सी एम/एल–10138 22 1981-11-27	81-12-16	82-12-15	कमारहट्टी कं. लि., 197, ब्राह्म रोड, कमारहट्टी, कलकत्ता–700058 (कार्यालय : 16–ए ब्राबोर्न रोड, कलकत्ता–700001)	सीमेन्ट भरने के लिए पटसन के बोरे— IS : 2580—1965
83	सी एम/एल–10139 23 1981-11-27	81-12-16	82-12-15	नेशनल ज्यूट मैन्युफैक्चरर्स कार्पोरेशन लि., (यूनिट : किनीसन), टीटागढ़, 24 परगना, (कार्यालय : चारटर्ड बैंक बिल्डिंग, कलकत्ता–700001)	सीमेन्ट भरने के लिए पटसन के बोरे— IS : 2580—1965
84	सी एम/एल–10140 16 1981-11-27	81-12-16	82-12-15	यूनिवर्सल पेन्ट वर्क्स, 293 ईस्ट मोहननगर, अमृतसर (पंजाब)	तैयार मिश्रित पेन्ट, रेड आक्साइड जस्ता क्रोम, पहले लगाने का— IS : 2074—3979
85.	सी एम/एल–10141 17 1981-11-27	81-12-16	82-12-15	अमन इंडस्ट्रीज, 7/225 गुटैया, जी. टी. रोड, कानपुर	जूतों के लिए इस्पात की सुरक्षात्मक पंजा-टोपियां, टाइप 1, आकार 4 से 11— IS : 5852—1977
86.	सी एम/एल–10142 18 1981 11-27	81-12-16	82-12-15	एसोशिएटेड ट्रेडलिंक्स, मिनी इंडस्ट्रियल इस्टेट, कीजहमड, आलवा–683105 (कार्यालय : 8/107 पलेस रोड, आलवाय–683101 (केरल)	मैग्नेशियम सल्फेट (एप्सम लवण) शुद्ध एवं तकनीकी ग्रेड— IS : 2730—1977
87.	सी एम/एल–10143 19 1981-11-28	81-12-16	82-12-15	लेमिना सस्पेंशन प्राडक्ट्स प्रा. लि., 17–19 बाइकमपाडी इंडस्ट्रियल एरिया, इस्टेट 1, न्यू मंगलौर –575010 (कार्यालय महाबलेश्वर, कादरी रोड, मंगलोर–575003)	पृथक कमानी पत्तियां और पत्तीदार कमानी संयोजन— IS : 1135—1973
88.	सी एम/एल–10144 20 1981-11-28	81-12-16	82-12-15	लोटस पेस्टासाइड्स सादरी, जिला पाली, राजस्थान	मिथाइल पैराथियोन, ई सी— IS : 8960—1978
89.	सी एम/एल–10145 21 1981-11-29	81-12-16	82-12-15	लूना निटर्स, 44, कामराज रोड, तिरुपुर–638604 (तमिलनाडु)	सादी बुनी सूती बनियानें— प्रकार : आर एस एवं आर एन एस. आकार : 75 से 100 सी एम. माप : 24— IS : 4964—1980
90.	सी एम/एल–10146 22 1981-11-30	81-12-16	82-12-15	प्रसाद निटिंग मिल्स, 16ए, अप्पाचिनार 1 स्ट्रीट, कोगुनगर, मेन रोड, तिरुपुर–639602 (तमिलनाडु)	सादी बुनी सूती बनियानें — टाइप : आर एस एवं आर एन एस, आकार : 75 से 90 सी एम माप : 24 IS : 4964—1980
91.	सी एम/एल–10147 23 1981-11-30	81-12-16	82-12-15	रावल्स फेलेवर्स एण्ड फ्रग्रेंसिज, बी–37, नंदकिशोर इंडस्ट्रियल इस्टेट, (कार्यालय : महाकाली केव्स रोड, अन्धेरी (ईस्ट), बम्बई–400093)	ठोस खाद्य रंग निर्मितियां केवल— IS : 5346—1975
92.	सी एम/एल–10148 24 1981 11-30	81-12-16	82-12-15	जाल्स इंजीनियरिंग (इंडिया) प्रा. लि., एच ओ सी एनसिलेरी काम्पलेक्स, डाकघर रसायनी, जिला रायगढ़, (महाराष्ट्र) (कार्यालय : 132, रियें रोड, बम्बई–400010)	स्थिर किनारों वाले—बड़े ड्रम, ग्रेड : "बी" IS : 1783—1974
93.	सी एम/एल–10149 25 1981-11-30	81-12-16	82-12-15	चेतना कैपेसिटर्ज, प्लाट सं. 28/10, डी ब्लाक, एम. आई डी. सी., चिंचवाड़, पुणे–411019	विद्युत व्यवस्था के लिए 1 किवा ए आर, 415 वोल्ट्स के शंट संधारित्र— IS 2834—1964

[सं. सी एम डी/13 11]

New Delhi, the 8th February, 1985

S.O. 1016 :—In pursuance of sub-regulation (1) of Regulation 8 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955, as amended fromtime to time, the Indian Standards Institution, hereby, notifies that ninety three licences, particulars of which are given in the following Schedule, have been granted during the month of November 1981 authorising the licensees to use the Standard Marks :

SCHEDULE

Sl. No.	Licence No. CM/L	Period of validity From	To	Name & address of the Licensee	Article/Process Covered by the Licensee and the Relevant IS : Designation
1	2	3	4	5	6
1.	CM/L-10057 22 1981-11-02	81-11-01	82-10-31	Janata Mechanical Works Pvt. Ltd., Ramchandra Lane, Extension, Malad West, Bombay-400064.	Cast iron specials for asbestos cement pressure pipes— IS : 5531 (Part I to III) 1977
2.	CM/L-10058 23 1981-11-02	81-11-16	82-11-15	Sri Vijayadurga Pulverising Mills, Avammabhavi, Sirugguppa Road, Bellary-583101 (Karnataka)	DDT WDP C— IS : 565-1975
3.	CM/L-10059 24 1981-11-02	81-11-16	82-11-15	Kay Tea Petro-Chemicals, Fort Area, P.O. & Dist. Ganjam-761026 (Orissa)	Paraffin wax, type 3— IS : 4654 —1974
4.	CM/L-10060 17 1981-11-02	81-11-16	82-11-15	A. P. State Agro Industries Development Corpn. Ltd., Industrial Development Area, Yellandu Road, Khamman, Dist. Khamman (A.P.) [Office : Agro Bhavan, 10-2-3, A.C. Guards, Hyderabad-500004 (A.P.)].	Carbaryl DP— IS : 7122—1973
5.	CM/L-10061 18 1981-11-02	81-11-16	82-11-15	Shree Farm Chemicals (P) Ltd., 434-A, Perecherla, Guntur (A.P.) (Office : No. 18, 2nd Floor, Unit House, Abid Road, Hyderabad-500001).	DDT WDPC— IS : 565—1975
6.	CM/L-10062 19 1981-11-02	81-11-16	82-11-15	—do—	Endosulfan EC— IS : 4323—1980
7.	CM/L-10063 20 1981-11-02	81-11-16	82-11-15	Alka Industries (Paints) Pvt. Ltd., Jai Prakash Nagar, Alambagh, Lucknow-226005 (U.P.) [Office : 46, Purana Kila, Lucknow-226001 (U.P.)]	Cement paint, colour as required— IS : 5410-1969
8.	CM/L-10064 21 1981-11-02	81-11-16	82-11-15	Chandra Refineries, Rampura Street, Najibabad-246763 Dist. Bijnor (U.P.).	Paraffin wax, type 3— IS : 4654 —1974
9.	CM/L-10065 22 1981-11-02	81-11-16	82-11-15	Kerala Soaps & Oils Ltd., West Hill, Calicut-673005 (Kerala)	Laundry soap, type II (built soap)— IS : 285—1974
10.	CM/L-10066 23 1981-11-05	81-11-16	82-11-15	Gujarat Manufacturers, Gondal Road, Vaid Vadi Rajkot-360004 (Gujarat)	Vertical, single cylinder, four stroke, water cooled, diesel engines of the following rating : Output 5,88 KW (8bhp); Speed 850 RPM; Governing Class 'B'; SFC 309 g/kwh IS : 1601—1960
11.	CM/L-10067 24 1981-11-09	81-11-16	82-11-15	Saket Office, Stationery Manufacturing Co. Pvt Ltd., 51, Radhanath Chowdhary Road, Calcutta-700015 (West Bengal)	Typewriter ribbons, Type I & II, degree of inking : heavy IS : 4174—1977
12.	CM/L-10068 25 1981-11-09	81-11-16	82-11-15	Swastik Pesticides & Chemicals, Bhopa Road, Muzaffarnagar (U.P.) [Office : 22-A, New Mandi, Muzaffarnagar-251001 (U.P.)]	Endosulfan EC— IS : 4323—1980
13.	CM/L-10069 26 1981-11-09	81-11-16	82-11-15	Vamco Rolling Mills, 28-29 B, Industrial Area, Govindpura, Bhopal (M.P.)	Cold worked steel high strength deformed bars for concrete reinforcement— IS : 1786—1979

1	2	3	4	5	6
14.	CM/L-10070 19 1981-11-09	81-11-16	82-11-15	Shanti Electric Instruments, Plot No. A-54. Opp. Marol Bus Depot, Moral Industrial Area, M.I.D.C. Andheri (East),Bombay-400093	Insulation resistance tester of 500 V rated voltage— IS : 2992—1965
15.	CM/L-10071 20 1981-11-09	81-08-01	82-07-31	Jem Butt-Welded Fittings Co., Ghosh-Pura, Balitikuri, Howrah (W.B.)	Weldable steel pipes fittings for marine purposes : Type 45° & 90° elbows sizes : upto and including 250 mm nominal pipes size — IS : 4310—1967
16.	CM/L-10072 21 1981-11-09	81-11-16	82-11-15	East India Industries, (Steel Division) 212, Raja Ramchand Ghat Road, Panihati, 24 Parganas (Office : 161 Chittaranjan Calcutta)	Structural Steel (standard quality)— IS : 226—1975
17.	CM/L-10073 22 1981-11-09	81-11-16	82-11-15	—do—	Cold worked steel high strength deformed bars for concrete reinforcement— IS : 1786—1979
18.	CM/L-10074 23 1981-11-09	81-11-16	82-11-15	National Iron & Steel Co. Ltd., P.O. Belurmath, Belur, Dist. Howrah (West Bengal)	Cold worked steel high strength deformed bars for concrete reinforcement— IS : 786—1979
19.	CM/L-10075 24 1981-11-09	81-11-16	82-11-15	Bharat Industrial Corporation, D.R. Phookan Road, Bharalumukh, Gauhati-9	New Insulating oil for transformers and switchgears— IS : 335—1972
20.	CM/L-10076 25 1981-11-10	81-11-16	82-11-15	Indian Pest Control Co. Plot No. 1-A Sector B, Industrial Area Gobindpura Bhopal-462023 (M.P.)	Repacking of carbaryl WDPC— IS : 7121—1973
21.	CM/L-10077 26 1981-11-10	81-11-16	82-11-15	Kilpest Pvt. Ltd, 7-C, Industrial Area, Gobindpura, hopal-462023 (M.P.)	Repacking of carbaryl WDPC—1 IS : 7121—1973
22.	CM/L-10078 27 1981-11-10	81-11-16	82-11-15	Buildworth Ltd., G. S. Road, Dispur, Gauhati-781009	Tubular Steel poles for overhead power lines type : (Swaged Designation 410 MPa (42 Kg/mm2)— IS : 2713. (Pt—I & II)—1980
23.	CM/L-10079 28 1981-11-13	81-11-16	82-11-15	Gautam Plastics & Industries, Plot No. 32-B, Industrial Area, Tifra, Bilaspur (M.P.) [Office : 375, Block 'G' Navalipur Calcutta-700053]	High density polyethylene pipes Class II upto 200 mm size & class III upto 180mm upto size— IS : 4984—1978
24.	CM/L-10080 21 1981-11-13	81-11-16	82-11-15	Door Mech Industries, House No. 228 -B Peera Garhi, New Delhi-110041	Door closers (hydraulically regulated) size—2— IS : 3564—1975
25.	CM/L-10081 22 1981-11-16	81-12-01	82-11-30	Swami Muktanand Industries, 424, GIDC Estate, Ankleshwar-396002 (Gujarat)	DHC DP— IS : 561—1978
26.	CM/L-10082 23 1981-11-16	81-12-01	82-11-10	Anil Industries, P.O. & Village Jui Dist. Bhiwani (Haryana)	Paraffin wax, type 3— IS : 4654—1974
27.	CM/L-10083 24 1981-11-16	81-12-01	82-11-30	Needle Industries (India) Ltd., Needle Industries Post Office Ketti-643243, The Nilgiris (Tamil Nadu)	Needles, hypodermic— IS : 3317—1965
28.	CM/L-10084 25 1981-11-16	81-12-01	82-11-30	Madras Agro-Vet Industries, Muslimpur, Near Pudur Railway gate, Vanyyambadi-635751 (North Arcot Distt)	Mineral mixtures for supplementing poultry feeds— IS : 5672—1970
29.	CM/L-10085 26 1981-11-16	81-12-01	82-11-30	Murthy Match Works, 76 Sattur Road, Sivakasi-626123 (Tamil Nadu)	Safety matches in Boxes, wooden sticks— IS : 2635—1964.
30.	CM/L-10086 27 1981-11-16	81-12-01	82-11-30	Swamy Match Works, Opposite to A.U. College, Sivakasi-626124 (Tamil Nadu)	Safety matches in boxes, Wooden sticks— IS : 2653—1964.
31.	CM/L-10087 28 1981-11-16	81-12-01	82-11-30	Malhotra Steel Corporation, (Prop : Sirhind Steel Prt. Ltd.,) Malhotra Road, Odhav, Ahmedabad-382410.	Structural steel (Standard quality)— IS : 226-1975.
32.	LM/L-10088 29 1981-11-16	81-12-01	82-11-30	Sundarpara Veneer & Saw Mills, Danguajhar, Dist. Jalpaiguri.	Teachest plywood panels— IS : 10 (Part-II) 1976.

1	2	3	4	5	6
33.	CM/L-10089 30 1981-11-16	81-12-01	82-11-30	Gujarat Agro Industries Corporation Ltd., Karanj Baug, Pranty Road, Near Chest Disease Hospital, N.H. No. 8, Naroda, Ahmedabad-382330 (Office : Khetudyog Bhavan, Opposite High Court Navrang Pura, Ahmedabad-380014).	BHC 6.5 % gama isomer WDPC IS :562—1978.
34.	CM/L-10090 23 1981-11-16	81-12-01	82-11-30	Saradamoni Engineering Works, 311 Netaji Subhash Road, Howrah-711101.	Sluice valve class PNI size 80 mm to 30 mm—IS : 780—1969.
35.	CM/L-10091 24 1981-11-16	81-12-01	82-11-30	Nokoda Conductors (P) Ltd., F-31/82, RIICO Industrial Area, Pur Road, Bhilwara (Rajasthan)	Aluminium stranded conductors and aluminium conductors galvanized steel reinforced upto 7 strands for overhead transmission purposes—IS : 398 (Pt I & II) —1976.
36.	CM/L-10092 25 1981-11-16	81-12-01	82-11-30	M.S. Laminators Pvt. Ltd., G-13, Panki Industrial Estate, Panki, Kanpur (U.P.) (Office : 118/330 Kaushalpuri, Kanpur.	Laminated jute bags for packing fertilizers manufactured from 380 g/m² 68 × 39, 14oz/45 in; 8 × 10 tarpaulin fabric—IS : 7046 (Pt II) —1980.
37.	CM/L-10093 26 1981-11-17	81-12-01	81-11-30	Gujarat Agro Chemicals Mfg. Co., 151—153/1, G.I.D.C. Industrial Estate, Naroda, Ahmedabad-382330 (Gujarat).	Thiram seed dressing formulations—IS : 4783—1968.
38.	CM/L-10094 27 1981-11-17	81-12-01	82-11-30	Gujarat Agro Chemicals Mfg. Co., 151-153/1, G.I.D.C. Industrial Estate Baroda, Ahmedabad-382330 (Gujarat)	Endosulfan EC—IS : 4323—1980
39.	CM/L-10095 28 1981-11-17	81-12-01	82-11-30	—do—	Endosulfan DP—IS : 4322—1967
40.	CM/L-10096 29 1981-11-17	81-12-01	82-11-30	—do—	Garbaryl WDPC—(Repacking)—IS : 7121—1973
41.	CM/L-10097 30 1981-11-17	81-12-01	82-11-30	Chemet Chemicals Pvt. Ltd., 82/1, G.I.D.C. Estate, Vatwa Ahmedabad—382445 (Gujarat)	Malathion EC—IS : 2567—1978
42.	CM/L-10098 31 1981-11-17	81-12-01	82-11-30	Hindustan Valve Industry, S-129, Industrial Area, Jullundur City	G.M. gate valve class I, size 25 mm, and GM glove valve class 1 size 25 mm—IS : 778—1971
43.	CM/L-10099 32 1981-11-17	81-12-01	82-11-30	Saru Smelting (P) Ltd., Sardhana Road, Meerut-250001 (U.P.)	Rosin-cored solder wire, activated, all grades/all sizes—IS : 1921—1975
44.	CM/L-10100 08 1981-11-17	81-12-01	82-11-30	Kanhya Laminators, C-17/1, Wazirpur Industrial Area, Delhi-110052	Laminated jute bags for packing fertilizers manufactured from 407 g/m²; 85×39; (15 oz/45 in; 10 × 10) tarpaulin fabric—IS : 7406 (Pt-I) 1974
45.	CM/L-10101 09 1981-11-17	81-12-01	82-11-30	—do—	Laminated jute bags for packing fertilizers manufactured from 380 g/m²; 68 × 39; 14 oz/45 in; 8 × 10 Tarpaulin fabric—IS : 7406 (Pt-II) 1980
46.	CM/L-10102 10 1981-11-18	81-12-01	82-11-30	M-3 Industries, Manufacturers of Transformer Oil, Work-Talcher (Orissa)	New Insulating oils for transformers and switchgear—IS : 335—1972
47.	CM/L-10103 11 1981-11-81	81-12-01 to	82-11-30	Prabhuram Mills Ltd. Kotta, Karakkad, Chengannur, Alleppey Distt. (Kerala)	Grey cotton yarn—(i) 60s carded warp grade C; (ii) 80s combed warp grade C; and (iii) 80s carded warp grade B IS : 171—1973
48.	CM/L-10104 12 1981-11-18	81-12-01 to	82-11-30	Kottayam Textiles Ltd., Vedagiri, Kurumulloor Post, Via Ettumanoor. (Kerala)	Grey cotton yarn—(i) 60s and 80s carded warp Grade B: and (ii) 100s carded warp grade C IS : 171—1973

1	2	3	4	5	6
49.	CM/L-10105 13 1981-11-18	81-12-01 to	82-11-30	Gotia Diesels, 10, Bhaktinagar station Plot, Rajkot-360002 (Gujarat)	Vertical, single cylinder four stroke, water cooled, diesel engine of the following rating: *Output* 5.88 kW *Speed* 850 RPM *Governing* Class 'B' SFC 285 g/kwh IS : 1601—1960
50.	CM/L-10106 14 1981-11-19	81-12-01 to	82-11-30	Powerwell Capacitors Mfg. Co., Ludhiana-Malerkotla Road, Malerkotla, Distt. Sangrur (Punjab)	5 and 10 KVAR, 440 V delta connected shut capacitors with upper category temperature 50°C— IS : 2834—1964
51.	CM/L-10107 15 1981-11-19	81-12-01 to	82-11-30	Load King Wire Industries, 32/1, A, B, Block, East Azad Nagar, Delhi-110051	PVC insulated sigle shot/multi shot firing Cables—I IS : 5950—1970
52.	CM/L-10108 16 1981-11-19	81-12-01 to	82-11-30	Alka Industries (Paints) Pvt Ltd., Jai Prakash Nagar, Almabagh, Lucknow 226005 (Office : 46, Purana Kila, Lucknow-226001)	Enamel, synthetic, exterior, undercoating and finishing, colour category No. 17, pale cream shade only— IS : 2932—1974
53.	CM/L-10109 17 1981-11-19	81-12-01 to	82-11-30	Forest Industries & Allied Products, Plot No. 67, Industrial Estate, S. Kalamassery (Office : XLI/728, Chittoor Road, Cochin-682018)	Teachest plydwood panels— IS : 10 (Pt-II)—1976
54.	CM/L-10110 10 1981-11-19	81-12-01 to	82-11-30	Malawa Ram Handa & Sons, G.T. Road, Phagwara (Punjab)	Cold worked steel high strengh deformed bars for concrete reinforcement— IS : 1786—1979
55.	CM/L-10111 11 1981-11-20	81-12-01 to	82-11-30	Indiclay, Plot No. 2, Udyognagar, S. V. Road, Goregaon West, Bombay.	Malathion WDPC— IS : 2569—1978
56.	CM/L-10112 12 1981-11-20	81-12-01 to	82-11-30	Manikya Plastichem Pvt Ltd., Plot No. 5, Belavadi Industrial Area, Hansur Road, Mysore—570005	High density polyethylene pipes for water supply, sewage and industrial effluents—class 2 sizes up to 110 mm— IS : 4984—1978
57.	CM/L-10113 13 1981-11-20	81-12-01 to	82-11-30	Sree Yallamma Cotton Woollen & Silk Mills, [Unit of NTC (APKEKAM) Ltd] Yallammanagar, Tolahause, Devanagore (Karnataka) (Office : 145/5, Krishnarajendra Road, Devanagre-577001)	Grey cotton yarn, Grade A, 40s carded— IS : 171—1973
58.	CM/L-10114 14 1981-11-20	81-12-01 to	82-11-30	Him Cables (India), 12, Industrial Area, Mehatpur, Distt. Una (H.P.)	PVC insulated and PVC sheathed cables with aluminium and copper conductor for working voltages up to and including 1100 Volts— IS : 694—1977
59.	CM/L-10115 15 1981-11-20	81-12-01 to	82-11-30	Bharat Steel Tubes Ltd., Ganaur-13101, Distt. Sonepat (Haryana) (Office : 17 Parliament Street, New Delhi-110001)	Steel tubes for idlers for troughed belt conveyers— IS : 9295—1979
60.	CM/L-10116 16 1981-11-20	81-12-01 to	82-11-30	Lubrichem, Khasra No. 487/53-54-60, village Peeragarhi, Tehsil Nangloi, Delhi-41 (Office : 413 Ashoka Estate, 25 Barakhamba Road, New Delhi-110001)	Lubricants for rope dressing in service grade 2 only— IS : 9182 (Pt-III)—1979
61.	CM/L-10117 17 1981-11-20	81-12-01 to	82-11-30	Amber Biscuits (Pvt) Ltd., 215/1, and 216 Champapet, Hyderabad East, (R. R. Distt.) (A.P.)	Biscuits variety : Glucose only— IS : 1011—1968
62.	CM/L-10118 18 1981-11-20	81-12-01 to	82-11-30	United Moulding Works, Kokar Industrial Estate, Ranchi (Bihar) [Office : 149 Hazaribagh Road, Lalpur, Ranchi-834001 (Bihar)]	Micro-celluler rubber soles and heels, Type I & II— IS : 6664—1972
63.	CM/L-10119 19 1981-11-20	81-12-01 to	82-11-30	Bharat Pulverising Mills Pvt. Ltd., Andheri Kurla Road, Chakala, Andheri (E), Bombay-400093 (Office : Shriniketan, 14 Queens Road, Bombay-400020)	Thiram WDPC IS : 4766—1960
64.	CM/L-10120 12 1981-11-20	81-12-01 to	82-11-30	Premier Plastics Pipe Industries, Goal Bazar, Dongargarh-491445 (M.P.)	High density polyethylene pipes class 3 upto 110 mm OD— IS : 4984—1978

1	2	3	4	5	6
65.	CM/L-10121 13 1981-11-26	81-12-16 to	82-12-15	Precision Extrusions, Prop : M/s Anand Paper Indus (P) Ltd, 8 B, Visveswariah Industries Area, Bangalore-560048 (Office : 45 Race Course Road, Industry House Bangalore—560001)	Rigid non-metallic conducts for electrical instalation — IS : 2509 -1973
66.	CM/L-10122 14 1981-11-26	81-12-16 to	82-12-15	Geco Engineers (Regd), Link Road, Near Preet Palace, Ludhiana-141003 (Punjab)	Hand-operated continuous knapsack sprayer, capacity 16 litres, piston type— IS : 3906 (Pt—1) 1974
67.	CM/L-10123 15 1981-11-26	81-12-16 to	82-12-15	Ratan Conductors, H-337 (B & C) Road No. 17, Vishwakarma Industrial Area, Jaipur-302013.	Aluminium stranded conductors and aluminium conductors galvauized steel reinforced upto 7 strands for overhead transmission purposes— IS 398 (Pt I & II)—1976
68.	CM/L-10124 16 1981-11-26	81-12-16 to	82-12-15	Plastomet, C-172, Road, No. 9(J) Vishvakarma Industrial Area, Jaipur-302013 (Office : Babuji Ki Kothi, Nirwan Marg, Jaipur-302006)	Mild Steel armouring wire, medium coated IS : 3975—1979
69.	CM/L-10125 17 1981-11-26	81-12-16 to	82-12-15	Plantcure Concentrates, Hirmmatnagar, Saharanpur-247001 (U.P.)	Carbaryl 5% DP only— IS : 7122—1973
70.	CM/L-10126 18 1981-11-26	81-12-16 to	82-12-15	Sunray Chemical Industries, Pt. Moti Lal Nehru Road, Jamuna Kinara, Agra-282004 (U.P.)	Endosulfan EC— IS : 4323—1980
71.	CM/L-10127 19 1981-11-26	81-12-16 to	82-12-15	Coromandel Indag Products (P) Ltd., 28-Illuppathappu Ist Street, Madras-600019 (Office : 14 Whites Road, Sudarshan Building, Madras-600014)	Diazinon EC— IS : 2861—1964
72.	CM/L-10128 20 1981-11-26	81-12-16 to	82-12-15	Mascot Agro Chemicals Pvt. Ltd., 93, Peenya Industrial Area, III Phase, Bagngalore-560058 (Karnataka)	2,4-D, Sodium technical— IS : 1488—1969
73.	CM/L-10129 21 1981-11-26	81-12-01 to	82-11-30	Kilpest Pvt. Ltd., 7-C, Industrial Estate, Govindpura, Bhopal-462023 (M.P.)	Carbaryl 10% DP only— IS : 7122—1973
74.	CM/L-10130 14 1981-11-26	8-12-16 to	82-12-15	Lotus Pesiticides, Sadri, Distt. Pali-306702 (Rajasthan)	Aldrin 30% EC— IS : 307—1973
75.	CM/L-10131 15 1981-11-26	81-12-16 to	82-12-15	—do—	Endosulfan 35% SC— IS : 4323 --1967
76.	CM/L-10132 16 1981-11-26	81-12-16 to	82-12-15	Electric Control Gear Pvt. Ltd., Behind Arbuda Mills Ltd, Rakhial Road, Ahmedabad-380023 (Gujarat)	Class 3 ac. 415v, HEC cartridge fuse links with following ratings : 32, 50, 63, 80, 100, 125, 160, 200, 225, and 250 A in DIN 1 size 315, 355 and 400 A in DIN 2 size 500 and 630 A in DIN 3 size— IS : 2208—1962
77.	CM/L-10133 17 1981-11-26	81-12-16 to	82-12-15	Kapil Udyog, Jagtap-Ki-Goth, Daulat Ganj, Gwalior (M.P.) [Office : 7 Duaulat Ganj, Gwalior (M.P.)]	Deep well hand pumps— IS : 9301—1979
78.	CM/L-10134 18 1981-11-26	81-12-16 to	82-12-15	Amrit Pal Singh & Co. Khajuri Road, Yamuna Nagar.	Plywood tea-chest battens— IS : 10 (Pt-III)—1974
79.	CM/L-10135 19 1981-11-26	81-12-16 to	82-12-15	Gwalior Tools Ltd., Maharajpura, Industrial Area, Gwalior-474005 (M.P.)	Hacksaw blades— IS : 2590—1977
80.	CM/L-10136 30 1981-11-26	81-12-16 to	83-12-15	Ambika Steel Rolling & Engg. Works Dwarkapuri, Muzaffarnagar-251001 U.P.	Cold worked steel high strength deformed bars for concrete reinforcement— IS : 1786—1979
81.	CM/L-10137 21 1981-11-26	81-12-16 to	82-12-15	Asian Colour Company, L-136, G.I.D.C. Estate, Odhav, Ahmedabad-382415 (Gujarat)	Caoltar Food colour praparations and mixtures— IS : 5346—1975
82.	CM/L-10138 22 1981-11-27	81-12-16 to	82-12-15	Kamarhatty Co. Ltd,. 907, Graham Road, Kamarhatty, Calcutta-700058 (Office : 16 A Brabourne Road, Calcutta-700001)	Jute bags for packing cemnet— IS : 2580—1965
83.	CM/L-10139 23 1981-11-27	81-12-16 to	82-12-15	National Jute Manufacturers Corpn. Ltd., (Unit : Kinnison), Titagarh, 24 parganas (Office : Chartered Bank, Building, Calcutta-700001)	Jute bags for packing cement— IS : 2580—1965

1	2	3	4	5	6
84.	CM/L-10140	16 1981-11-27	81-12-16 to 82-12-15	Universal Paint Works, 293, East Mohan Nagar, Amritsar (Punjab)	Ready mixed paint, red oxidezinc Carome priming— IS : 2074—1979
85.	CM/L-10141	17 1981-11-27	81-12-16 to 82-12-15	Aman Industries, 7/225, Gutaiva, G. T. Road, Kanpur.	Protective steel toe Caps for footwear, type I, sizes 4 to 11— IS : 5852—1977
86.	CM/L-10142	18 1981-11-27	81-12-16 82-12-15	Associated Trade Links, Mini Industrial Estate, Keezhmadu, Alwaye-683105 [Office : VIII/107 Palace Road, Alwaye-683101 (Kerala)	Magnesium sulphate (epsom salts) and Technical grades— IS : 2730—1977
87.	CM/L-10143	19 1981-11-28	81-12-16 to 82-12-15	Lamina Suspension Products Pvt. Ltd., 17-19 Baikampady Industrial Area, State 1, New Mangalore-575010 (Office-Mahabaleshwara Kadri Road, Mangalore-575003)	Individual spring leaves and leaf spring assembly— IS : 1135—1973
88.	CM/L-10144	20 1981-11-28	81-12-16 to 82-12-15	Lotus Pesticides, Sadri, Distt. Pali-306702 (Rajasthan)	Methyl parathion DP— IS : 8960—1978
89.	CM/L-10145	21 1981-11-30	81-12-16 to 82-12-15	Luna Knitters, 44, Kamraj Road, Tirupur-638604 (Tamil Nadu)	Plain knitted cotton vests—Type : RN & RNS Size : 75 to 100 Cms Gauze; 24— IS : 4964—1980
90.	CM/L-10146	22 1981-11-30	81-12-16 to 82-12-15	Prasad Knitting Mills, 16A, Appachinagar II Street, Kongunagar, Main Road, Tirupur—638602 (Tamil Nadu)	Plain knitted cotton vests—Type : RN & RNS Size : 75 to 90 Cms Gauge : 24— IS : 4964—1980
91.	CM/L-10147	23 1981-11-30	81-12-16 to 82-12-15	Rawals Flavours & Fragrances, B-37 Nandkishor Industrial Estate, [Office : Mahakali Caves Road, Andheri (EAST), Bombay-400093]	Solid food colour preparations only— IS : 5346—1975
92.	CM/L-10148	24 1981-11-30	81-12-16 to 82-12-15	Javs Engineering (India) Pvt Ltd., HOC Ancilliary Complex P.O. Rasayani Distt. Raigad (Maharashtra) (Office : 132, Reay Road, Bombay-400010)	Drums, large, fixed ends—Grade : 'B'— IS : 1783—1974
93.	CM/L-10149	25 1981-11-30	81-12-16 to 82-12-15	Chetana Capacitors, Plot No. 28/10, D-11, Block, M.I.D.C. Chinchwad, Pune-411019 (M.S.)	1 KVAR, 415, Volts shunt capacitors for power systems— IS : 2834—1964

]No. CMD/13 :

का०आ० 1017 :—समय समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिन्ह) विनियम 1955 के विनियम 8 के उपविनियम (1) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि जिन 253 लाइसेंसों के ब्यौरे नीचे अनुसूची में दिये गये हैं, उनका जून 1984 में नवीकरण किया गया है ।

अनुसूची

क्रम संख्या	सीएम/एल संख्या	वैध : तक
(1)	(2)	(3)
1.	00296 30	1984-05-15
2.	00300 09	—तथैव—
3.	01121 12	1983-06-30
4.	01252 22	1984-05-31
5.	01269 31	—तथैव—
6.	01384 33	1984-04-30
7.	01438 30	1984-05-15
8.	01821 33	1984-06-15
9.	01825 37	1984-04-15
10.	01848 44	1984-05-31
11.	02149 28	1984-04-15
12.	02297 39	1984-03-31
13.	02304 21	1984-04-15
14.	02434 30	1984-04-30
15.	02430 26	1984-05-15
16.	02527 39	1984-05-15
17.	02599 50	1984-05-31
18	02614 32	1984-03-31
19.	02852 44	1984-04-15
20.	03006 18	1984-03-31
21.	03017 21	—तथैव—
22.	03046 26	1984-04-30

(1)	(2)	(3)
23.	03316 29	1983-12-31
24.	03346 35	1984-04-30
25.	03388 45	—वही—
26.	03389 46	—वही—
27.	03390 39	—वही—
28.	03391 40	—वही—
29.	03417 33	1984-05-31
30.	03435 35	1984-06-15
31.	03526 37	1984-05-31
32.	03698 56	1984-06-30
33.	03754 47	1984-05-31
34.	03755 48	वही—
35.	03756 49	—वही—
36.	03805 41	—वही—
37.	03825 45	1984-04-30
38.	04027 27	1984-05-31
39.	04094 38	1984-06-30
40.	04310 27	1984-04-15
41.	04314 31	—वही—
42.	04364 41	1984-05-15
43.	04392 45	1984-05-31
44.	04397 50	1984-04-30
45.	04431 35	1984-06-15
46.	04726 47	1984-06-15
47.	04912 47	1984-05-15
48.	04944 55	1983-03-15
49.	05039 35	1984-06-15
50.	05091 39	1984-05-31
51.	05093 41	1984-06-15
52.	05094 42	—वही—
53.	05138 37	1984-05-31
54.	05150 33	1984-04-30
55.	05153 36	1984-06-30
56.	05163 38	1984-05-15
57.	05172 39	—वही—
58.	05173 40	—वही—
59.	05182 41	1984-04-30
60.	05192 43	1984-05-15
61.	05193 44	—वही—
62.	05219 37	—वही—
63.	05221 31	1984-03-31
64.	05223 33	—वही—
65.	05241 35	1984-05-31
66.	05264 42	—वही—
67.	05273 43	—वही—
68.	05275 45	1984-06-15
69.	05290 44	1984-06-15
70.	05291 45	1984-06-15
71.	05354 43	1983-08-31
72.	05863 59	1984-03-31
73.	05879 67	1984-04-30
74.	05893 65	1984-06-15
75.	05952 59	1984-03-31
76.	05966 65	1984-05-31
77.	06009 33	1984-03-31
78.	06047 39	1984-05-31
79.	06054 38	1984-03-31
80.	06077 45	1984-05-15
81.	06086 46	—वही—
82.	06091 43	1984-04-30
83.	06092 44	1984-05-15
84.	06093 45	1984-04-30
85.	06128 39	1984-05-15
86.	06142 37	1984-05-31
87.	06273 47	1984-06-15
88.	06316 41	1984-05-31
89.	06397 58	1984-05-15
90.	06431 43	1984-06-15
91.	06450 46	1984-06-30
92.	06512 43	1984-04-30
93.	06546 53	1983-11-30
94.	06558 57	—वही—
95.	06751 56	1984-05-31
96.	06888 72	1984-03-31
97.	06892 68	—वही—
98.	06899 75	—वही—
99.	06900 51	—वही—
100.	06953 64	1984-04-15
101.	06958 69	—वही—
102.	06960 63	1984-06-15
103.	06992 71	1984-05-15
104.	06998 77	—वही—
105.	06999 78	—वही—
106.	07003 31	—वही—
107.	07008 36	1984-05-31
108.	07026 38	—वही—
109.	07073 45	1984-06-30
110.	07115 38	1984-04-15
111.	07147 46	1984-05-31
112.	07149 48	—वही—
113.	07165 48	—वही—
114.	07386 59	1983-11-30
115.	07534 53	1984-02-29
116.	07614 52	1984-04-15
117.	07662 60	1984-03-31
118.	07675 65	1984-04-15

(1)	(2)	(3)
119.	07707 56	1984-04-15
120.	07710 51	—वही—
121.	07711 52	1984-04-30
122.	07713 54	—वही—
123.	07719 60	—वही—
124.	07721 54	—वही—
125.	07737 62	—वही—
126.	07740 57	1984-05-15
127.	07742 59	—वही—
128.	07743 60	—वही—
129.	07745 62	—वही—
130.	07756 65	1984-06-15
131.	07758 67	1984-05-31
132.	07770 63	—वही—
133.	07778 71	—वही—
134.	07779 72	—वही—
135.	07784 69	—वही—
136.	07788 73	1984-06-15
137.	07789 74	—वही—
138.	07800 52	—वही—
139.	07802 54	1984-06-30
140.	08106 41	1983-11-15
141.	08210 40	1983-12-15
142.	08283 57	1984-01-15
143.	08284 58	—वही—
144.	08287 61	—वही—
145.	08288 62	—वही—
146.	08380 57	1984-02-29
147.	08413 49	1984-03-15
148.	08456 60	—वही—
149.	08475 63	1984-03-31
150.	08489 69	—वही—
151.	08544 59	1984-04-15
152.	08549 64	1984-04-15
153.	08557 64	1984-04-15
154.	08566 65	1984-04-15
155.	08567 66	—वही—
156.	08568 67	—वही—
157.	08586 69	—वही—
158.	08591 66	—वही—
159.	08594 69	—वही—
160.	08596 71	—वही—
161.	08604 54	—वही—
162.	08605 55	—वही—
163.	08607 57	1984-06-15
164.	08629 63	1984-04-15
165.	08645 63	1984-04-30
166.	08646 64	1984-04-30
167.	08686 72	1984-05-31
168.	08690 68	—वही—
169.	08710 55	1984-06-15
170.	08736 65	—वही—
171.	08739 68	—वही—
172.	08746 67	—वही—
173.	08753 66	1984-06-30
174.	09155 54	1983-11-30
175.	09213 47	1983-12-15
176.	09279 65	1984-01-15
177.	09415 55	1984-06-30
178.	09430 54	1984-02-29
179.	09508 59	1984-06-15
180.	09525 60	1984-03-31
181.	09586 73	—वही—
182.	09587 74	—वही—
183.	09588 75	—वही—
184.	09591 70	—वही—
185.	09601 55	1984-04-15
186.	09607 61	—वही—
187.	09634 64	1984-04-30
188.	09656 70	—वही—
189.	09664 70	1984-04-30
190.	09665 71	—वही—
191.	09667 73	1984-05-15
192.	09672 70	—वही—
193.	09673 71	—वही—
194.	09695 77	1984-09-15
195.	09698 80	1984-05-31
196.	09699 81	—वही—
197.	09705 62	1984-05-31
198.	09707 64	1984-05-15
199.	09709 66	1984-05-31
200.	09710 59	—वही—
201.	09711 60	—वही—
202.	09712 61	—वही—
203.	09717 66	—वही—
204.	09718 67	—वही—
205.	09721 62	—वही—
206.	09734 67	1984-06-15
207.	09737 70	—वही—
208.	09739 72	1983-06-15
209.	09755 72	1984-06-15
210.	09757 74	—वही—
211.	10506 26	1984-03-15

(1)	(2)	(3)
212.	10507 27	1984-05-31
213.	10548 36	1984-03-31
214.	10550 30	—वही—
215.	10556 36	—वही—
216.	10587 43	—वही—
217.	10592 40	—वही—
218.	10608 31	—वही—
219.	10609 32	—वही—
220.	10637 36	1984-04-15
221.	10654 37	—वही—
222.	10664 39	1984-04-30
223.	10725 35	1984-04-15
224.	10731 33	1984-04-30
225.	10753 39	1984-05-15
226.	10758 44	—वही—
227.	10766 44	—वही—
228.	10769 41	—वही—
229.	10771 41	—वही—
230.	10775 45	—वही—
231.	10779 49	—वही—
232.	10790 44	1984-05-31
233.	10792 46	—वही—
234.	10795 49	—वही—
235.	10798 52	—वही—
236.	10799 53	—वही—
237.	10801 30	—वही—
238.	10802 31	—वही—
239.	10814 35	—वही—
240.	10837 42	—वही—
241.	10839 44	—वही—
242.	10840 37	—वही—
243.	10844 41	1984-10-31
244.	10853 42	1984-09-30
245.	10856 45	1984-04-15
246.	10865 46	1984-05-31
247.	10875 48	1984-06-15
248.	10878 51	—वही—
249.	10881 46	—वही—
250.	10886 51	—वही—
251.	10902 34	1984-05-31
252.	10910 34	1984-06-15
253.	10914 38	1984-06-30

[सं० सी० एम० डी०/13 : 12]

S.O. 1017 .—In pursuance of sub-regulation (1) of Regulation 8 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955, as amended from time to time, the Indian standards Institution, hereby, notifies that 253 licences, particulars of which are given in the following Schedule, have been renewed during the month of June, 1983 :

SCHEDULE

Sl. No.	CM/L No.	Valid upto
(1)	(2)	(3)
1.	00296 30	1984-05-15
2.	00300 09	-do-
3.	01121 12	1983-06-30
4.	01252 22	1984-05-31
5.	01269 31	-do-
6.	01384 33	1984-04-30
7.	01438 30	1984-05-15
8.	01821 33	1984-06-15
9.	01825 37	1984-04-15
10.	01848 44	1984-05-31
11.	02149 28	1984-04-15
12.	02297 39	1984-03-31
13.	02304 21	1984-04-15
14.	02434 30	1984-04-30
15.	02430 26	1984-05-15
16.	02572 39	1984-05-15
17.	02599 50	1984-05-31
18.	02614 32	1984-03-31
19.	02852 44	1984-04-15
20.	03006 19	1984-03-31
21.	03017 21	-do-
22.	03046 26	1984-04-30
23.	03316 29	1983-12-31
24.	03346 35	1984-04-30
25.	03388 45	-do-
26.	03389 46	-do-
27.	03390 39	-do-
28.	03391 40	-do-
29.	03417 33	1984-05-31
30.	03435 35	1984-06-15
31.	03526 37	1984-05-31
32.	03698 56	1984-06-30
33.	03754 47	1984-05-31
34.	03755 48	-do-
35.	03756 49	-do-
36.	03805 41	-do-
37.	03825 45	1984-04-30
38.	04027 27	1984-05-31
39.	04094 38	1984-06-30
40.	04310 27	1984-04-15
41.	04314 31	-do-
42.	04364 41	1984-05-15
43.	04392 45	1984-05-31
44.	04397 50	1984-04-30
45.	04431 35	1984-06-15
46.	04726 47	1984-06-15
47.	04912 47	1984-06-15
48.	04944 55	1983-03-15
49.	05039 35	1984-06-15
50.	05091 39	1984-05-31
51.	05093 41	1984-06-15
52.	05094 42	-do-
53.	05138 37	1984-05-31

(1)	(2)	(3)
54.	05150 33	1984-04-30
55.	05153 36	1984-06-30
56.	05163 38	1984-05-15
57.	05172 39	-do-
58.	05173 40	-do-
59.	05182 41	1984-04-30
60.	05192 43	1984-05-15
61.	05193 44	-do-
62.	05219 37	-do-
63.	05221 31	1984-03-31
64.	05223 33	-do-
65.	05241 35	1984-05-31
66.	05264 42	-do-
67.	05273 43	-do-
68.	05275 45	1984-06-15
69.	05290 44	1984-06-15
70.	05291 45	1984-06-15
71.	05354 43	1983-08-31
72.	05863 59	1984-03-31
73.	05879 67	1984-04-30
74.	05893 65	1984-06-15
75.	05952 59	1984-03-31
76.	05966 65	1984-05-31
77.	06009 33	1984-03-31
78.	06047 39	1984-05-31
79.	06054 38	1984-03-31
80.	06077 45	1984-05-15
81.	06086 46	-do-
82.	06091 43	1984-04-30
83.	06092 44	1984-05-15
84.	06093 45	1984-04-30
85.	06128 39	1984-05-15
86.	06142 37	1984-05-31
87.	06273 47	1984-06-15
88.	06316 41	1984-05-31
89.	06397 58	1984-05-15
90.	06431 43	1984-06-15
91.	06450 46	1984-06-30
92.	06512 43	1984-04-30
93.	06546 53	1983-11-30
94.	06558 57	-do-
95.	06751 56	1984-05-31
96.	06888 72	1984-03-31
97.	06892 68	-do-
98.	06899 75	-do-
99.	06900 51	-do-
100.	06953 64	1984-04-15
101.	06958 69	-do-
102.	06960 63	1984-06-15
103.	06992 71	1984-05-15
104.	06998 77	-do-
105.	06999 78	-do-
106.	07003 31	-do-
107.	07008 36	1984-05-31
108.	07026 38	-do-
109.	07073 45	1984-06-30
110.	07115 38	1984-04-15
111.	07147 46	1984-05-31
112.	07149 48	-do-
113.	07165 48	-do-
114.	07386 59	1983-11-30
115.	07534 53	1984-02-29
116.	07614 52	1984-04-15
117.	07662 60	1984-03-81
118.	07675 65	1984-04-15
119.	07707 56	-do-
120.	07710 51	1984-04-15
121.	07711 52	1984-04-30
122.	07713 54	-do-
123.	07719 60	-do-
124.	07721 54	-do-
125.	07737 62	-do-
126.	07740 57	1984-05-15
127.	07742 59	-do-
128.	07743 60	-do-
129.	07745 62	-do-
130.	07756 65	1984-06-15
131.	07758 67	1984-05-31
132.	07770 63	-do-
133.	07778 71	-do-
134.	07779 72	-do-
135.	07784 69	-do-
136.	07788 73	1984-06-15
137.	07789 74	-do-
138.	07800 52	-do-
139.	07802 54	1984-06-30
140.	08106 41	1983-11-15
141.	08210 40	1983-12-15
142.	08283 57	1984-01-15
143.	08284 58	-do-
144.	08287 61	-do-
145.	08288 62	-do-
146.	08380 57	1984-02-29
147.	08413 49	1984-03-15
148.	08456 60	-do-
149.	08475 63	1984-03-31
150.	08489 69	-do-
151.	08544 59	1984-04-15
152.	08549 64	1984-04-15
153.	08557 64	1984-04-15
154.	08566 65	1984-04-15
155.	08567 66	-do-
156.	08568 67	-do-
157.	08586 69	-do-
158.	08591 66	-do-
159.	08594 69	-do-
160.	08596 71	-do-
161.	08604 54	-do-
162.	08605 55	-do-
163.	08607 57	1984-06-15
164.	08629 63	1984-04-15
165.	08645 63	1984-04-30
166.	08646 64	-do-
167.	08686 72	1984-05-31
168.	08690 68	-do-
169.	08710 55	1984-06-15
170.	08736 65	-do-
171.	08739 68	-do-
172.	08746 67	-do-
173.	08753 66	1984-06-30
174.	09155 54	1983-11-30
175.	09213 47	1983-12-15
176.	09279 65	1984-01-15
177.	09415 55	1984-06-30
178.	09430 54	1984-02-29
179.	09508 59	1984-06-15
180.	09525 60	1984-03-31
181.	09586 73	-do-
182.	09587 74	-do-
183.	09588 75	-do-
184.	09591 70	-do-

(1)	(2)	(3)
185.	09601 55	1984-04-15
186.	09607 61	-do-
187.	09634 64	1984-04-30
188.	09656 70	-do-
189.	09664 70	1984-04-30
190.	09665 71	-do-
191.	09667 73	1984-05-15
192.	09672 70	-do-
193.	09673 71	-do-
194.	09695 77	1984-09-15
195.	09698 80	1984-05-31
196.	09699 81	-do
197.	09705 62	1984-05-31
198.	09707 64	1984-05-15
199.	09709 66	1984-05-31
200.	09710 59	-do-
201.	09711 60	-do-
202.	09712 61	-do-
203.	09717 66	-do-
204.	09718 67	-do-
205.	09721 62	-do-
206.	09734 67	1984-06-15
207.	09737 70	-do-
208.	09739 72	1983-06-15
209.	09755 72	1984-06-15
210.	09757 74	-do-
211.	10506 26	1984-03-15
212.	10507 27	1984-05-31
213.	10548 36	1984-03-31
214.	10550 30	-do-
215.	10556 36	-do-
216.	10587 43	-do-
217.	10592 40	1984-03-31
218.	10608 31	1984-03-31
219.	10609 32	-do-
220.	10637 36	1984-04-15
221.	10654 37	1984-04-15
222.	10664 39	1984-04-30
223.	10725 35	1984-04-15
224.	10731 33	1984-04-30
225.	10753 39	1984-05-15
226.	10758 44	-do-
227.	10766 44	-do-
228.	10769 47	-do-
229.	10771 41	-do-
230.	10775 45	-do-
231.	10779 49	-do-
232.	10790 44	1984-05-31
233.	10792 46	-do-
234.	10795 49	-do-
235.	10798 52	-do-
236.	10799 53	-do-
237.	10801 30	-do-
238.	10802 31	-do-
239.	10814 35	-do-
240.	10837 42	-do-
241.	10839 44	-do-
242.	10840 37	-do-
243.	10844 41	1984-10-31
244.	10853 42	198 -09-30
245.	10856 45	1984-04-15
246.	10865 46	1984-05-31
247.	10875 48	1984-06-15
248.	10878 51	1984-06-15
249.	10881 46	-do--
250.	10886 51	-do-
251.	10902 34	1984-05-31
252.	10910 34	1984-06-15
253.	10914 38	1984-06-30

[No. CMD/13 :12

का. आ. 1018 .—भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिन्ह्) विनियम, 1955 के नियम 3 के उपविनियम (2) तथा विनियम 3 के उपविनियम (2) और (3) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि जिन भारतीय मानकों के नीचे अनुसूची में दिए गए हैं वे तिथि 1981-12-31 को निर्धारित किए गए हैं ।

अनुसूची

क्रम संख्या	निर्धारित भारतीय मानकों की पदसंख्या एवं शीर्षक	नए भारतीय मानक द्वारा अतिक्रमित भारतीय मानक या मानकों, यदि कोई हो, की पदसंख्या एवं शीर्षक	अन्य विवरण
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	*IS : 279—1981 तार एवं दूरभाष कार्यों के लिए जस्तीकृत इस्पात के तार की विशिष्टि (तीसरा पुनरीक्षण)	IS : 279—1972 तार एवं दूरभाष कार्यों के लिए जस्तीकृत इस्पात के तार की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	*भारतीय मानक संस्था के प्रमाणन चिह्न योजना हेतु IS : 279—1981 तिथि 1982-03-31 से लागू होगा ।
2.	IS : 531—1981 उपकरण अंगों के लिए पीतल की सीसा युक्त पत्ती की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	IS : 531—1971 उपकरण अंगों के लिए पीतल की सीसा युक्त पत्ती की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	—
3.	IS : 854—1981 हथ-करघा के सूती तुर्की तौलिए एवं तौलिये के कपड़े की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 854—1956 हथ-करघा के सूती तुर्की तौलियों की विशिष्टि विरंजित, धारीदार, चारखानेदार अथवा रंगीन	—
4.	IS : 858—1981 हथ-करघा के सूती मेजपोश एवं रूमालों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 858—1956 हथ-करघा के सूती मेजपोश की विशिष्टि विरंजित, धारीदार, चारखानेदार, अथवा रंगीन	—

(1)	(2)	(3)	(4)
5.	IS : 1093—1981 हथ-करघा के सूती मद्रासी रूमालों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 1093—1957 हथ-करघा के सूती मद्रासी रूमालों की विशिष्टि	—
6.	*IS : 1110—1981 फैरोसिलिकान की विशिष्टि (तीसरा पुनरीक्षण)	IS : 1110—1969 फेरोसिलिकान की विशिष्ट (दूसरा पुनरीक्षण)	*भारतीय मानक संस्था की प्रमाणन चिह्न योजना हेतु IS : 1110—1981 तिथि 1981-04-30 से लागू होगा ।
7	IS : 1146—1981 सीसा अम्ल संग्राही बट्रियों के लिए रबड़ एवं प्लास्टिक के बक्सों की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	IS : 1146—1972 सीसा अम्ल संग्राही बैट्रियों के लिए रबड़ एवं प्लास्टिक के बक्सों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	—
8.	*IS : 1468—1981 फेरोटाइटेनियम की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	IS : 1468—1968 फेरोटाइटेनियम की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	भारतीय मानक संस्था की प्रमाणन चिह्न योजना हेतु IS : 1468—1981 तिथि 1982-04-30 से लागू होगा ।
9.	IS : 1885 (भाग 52/खण्ड 10)—1980 विद्युत तकनीकी शब्दावली : भाग 52 दत्त प्रक्रमण खण्ड 10 दत्त संचार	—	—
10.	IS : 1885 (भाग 52/खण्ड 12)—1980 विद्युत तकनीकी शब्दावली भाग 52 दत्त प्रक्रमण खण्ड 12 सूचना सिद्धान्त	—	—
11.	IS : 1885 (भाग 52/खण्ड 13)—1980 विद्युत तकनीकी शब्दावली भाग 52 दत्त प्रक्रमण खण्ड 13 तुल्यरूप और मिश्रित संगणना करना	—	—
12.	IS : 2044—1981 सीसा गलाने के लिए टैंक भट्टियों के लिए सिलिमैनाइट ऊष्मासहों की विशिष्टि	IS : 2044—1962 सीसा गलाने के लिए टैंक भट्टियों के लिए सिलिमैनाइट ऊष्मा सहों की विशिष्टि	—
13.	IS : 2134—1981 सामान्य कार्यों के लिए गोल डिब्बों की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	IS : 2134—1972 सामान्य कार्यों के लिए गोल डिब्बों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	—
14.	IS : 2462—1981 व्यायाम में प्रयुक्त सामानान्तर छड़ों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 2462—1963 व्यायाम में प्रयुक्त समानान्तर छड़ों की विशिष्टि	—
15.	IS : 2463—1981 व्यायाम में प्रयुक्त चक्रों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 2463—1963 व्यायाम में प्रयुक्त चक्रों की विशिष्टि	—
16.	IS : 3268—1981 स्टॉक रहित लंगर की विशिष्टि जलपोतों के प्रयोग के लिये (पहला पुनरीक्षण)	IS : 3268—1981 स्टॉक रहित लंगर की विशिष्टि (जहाजों के प्रयोग के लिये)	—
17.	IS : 3403—1981 गांठों के माप (पहला पुनरीक्षण)	IS : 3403—1966 गांठों के माप	—
18.	IS : 3848—1981 इस्पात कठोरण योग्यता के लिये अंतशमन परीक्षण पद्धति (पहला पुनरीक्षण)	IS : 3448—1981 इस्पात कठोरण योग्यता के लिये अंतशमन परीक्षण पद्धति	—
19.	IS : 4377—1981 चुम्बकीय ध्वनि टेप भरने और दुबारा बजाने के तंत्रों की सामान्य अपेक्षाएं (पहला पुनरीक्षण)	IS : 4377—1967 चुम्बकीय ध्वनि टेप भरने और दुबारा बजाने के तंत्रों की सामान्य अपेक्षाएं	—
20.	IS : 4638—1981 मछली को डिब्बा बन्द करने के लिए जोड़ रहित आयताकार डिब्बों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 4638—1967 मछली को डिब्बा बन्द करने के लिये जोड़ रहित आयताकार डिब्बों की विशिष्टि	—
21.	IS : 5000—ओर्डी 30) 1981 अर्धचालक युक्तियों के माप : युक्ति रूपरेखा ओर्डी 30	—	—
22.	IS : 5701 (भाग 10)—1981 प्रयोगशाला प्राणियों के पोषण देख-भाल, प्रबन्ध एवं आवासन की संहिता भाग 10 प्रयोगशाला मच्छर	—	—
23.	IS : 6483—1981 लिन्च पिन संयोजन की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 6483—1972 लिन्च पिन संयोजन की विशिष्टि	—
24.	IS : 7783—1981 नेत्र शल्यचिकित्सा के हैंडल उपकरणों की सामान्य अपेक्षाएं (पहला पुनरीक्षण)	IS : 7783—1975 नेत्र शल्यचिकित्सा के हैंडल उपकरणों की सामान्य अपेक्षाएं	—

(1)	(2)	(3)	(4)
25.	IS : 7785 (भाग-4 खण्ड-1)—1981 के हवाई अड्डे उत्थापित प्रकार की बत्तियों की फिटिंगें भाग 4 आगमन बत्तियों का कोण खण्ड 1 दृश्य आगमन काल संकेतकों की विशिष्टि	—	—
26.	IS : 7809 (भाग 3—खण्ड 2)—1981 विद्युत् कार्यों के लिये दाब संवेदनशील चेपदार टेपों की विशिष्टि भाग 3 अलग-अलग की विशिष्टि खण्ड 2 तापस्थापन चेप वाले पोलिएस्टर फिल्म टेप (पी ईटी पी)	—	—
27.	IS : 1665—1981 प्रापोक्सर, पायसनीय सान्द्र की विशिष्टि	—	—
28.	IS : 9759—1981 निर्माण के दौरान पानी निकालने की मार्गदर्शिका	—	
29.	IS : 9811—1981 डिब्बाबन्द कुल्परी की विशिष्टि	—	—
30.	IS : 9834—1983 आईसो ब्यूटिल एलकोहल की विशिष्टि	—	—
31.	IS : 9848—1981 प्लास्टिक के, सांचे में ढले, क्रेटों की विशिष्टि		
32.	IS : 9866—1981 वाल्वों की मुहरांकन प्रणाली	—	—
33.	IS : 9884—1981 लोह वाल्वों के माप, अभिमुखों और आद्योपांत	—	—
34.	IS : 9885 (भाग 1)—1981 तेल क्षेत्र में कारीगरों के लिए सुरक्षा जूतों की विशिष्टि भाग 1 चमड़े के ऊपरी बूट	—	—
35.	IS : 9886—1981 मच्छरदानियों की विशिष्टि	—	—
36.	IS : 9891 (भाग 2)—1981 2.54 मिमी सम्पर्क अन्तराल वाले तार लगाने के मुद्रित बोर्डों और विद्युत् रोधित बोर्डों के लिये कोर संयोजकों की विशिष्टि भाग 2 अमुद्रित प्लग, टाइप 1981 आई एस-01-11/25/33-यक्यू-ए-0.75	—	—
37.	IS : 9894—1981 कागज के विकापन/खुरदरापन की परीक्षण पद्धतियां	—	—
38.	IS : 9905—1981 ट्रैक्टरों और ट्रेलरों के यांत्रिक युग्मन की विशिष्टि	—	—
39.	IS : 9910—1981 टंगस्टेन कार्बाइड टिप्स वाले कोयला एवं चट्टान काटने के उपकरणों की उच्च ताप टांका सामार्थ्य की परीक्षण पद्धति	—	—
40.	IS : 9911—1981 कैन्युला की विशिष्टि, मस्तिष्कीय	—	—
41.	IS : 9914—1981 कैलिपरों की विशिष्टि, छिमचिमटे, कोन नमूने के		
42.	IS : 9921 (भाग 1)—1981 1000 वो से अधिक की वोल्टता के लिये प्रत्यावर्ती धारा वियोजकों (विलगकों) भू सम्पर्कन स्विचों की विशिष्टि भाग 1 सामान्य एवं परिभाषाएं	—	
43.	IS : 1933—1981 रीट्रैक्टर की विशिष्टि, मस्तिष्कीय, धातवार्ध्य	—	—
44.	IS : 9942-1981 अमुयानों के लिये टी-चिह्न प्लेट की विशिष्टि	—	—
45.	IS : 9943—1981 रेडियो आवृत्ति समक्ष केबलों की लाक्षणिक बाधाएं और माप	—	—
46.	IS : 9947—1981 कठोर परिवेश अवस्थाओं में प्रयुक्त विद्युत्रोधी सामग्रियों की ट्रैकिंग प्रतिरोधिता और क्षय का मूल्यांकन करने की परीक्षण पद्धति	—	—
47.	IS : 9948—1981 स्थिर कैमरे के शटर प्रकाशन काल के अंकन	—	—

(1)	(2)	(3)	(4)
48.	IS : 9952—1981 खण्डसारी उद्योग के अन्तिम राब के लिये बैच टाइप अपकेन्द्री लाइनर की विशिष्टि	—	—
49.	IS : 9962—1981 सूइयों के लिये इस्पात के तार की विशिष्टि	—	—
50.	IS : 9963—1981 लोह अयस्क पिंडों, सिन्टरों एवं पेलेटों का तोड़न सूचकांक ज्ञात करने की पद्धति	—	—
51.	IS : 9965-1981 उच्च ताप प्रयोग के लिये आई एस ओ मीटरी पेंच की बाहरी चूड़ियों की आकार सीमाएं	—	—
52.	IS : 9976—1981 ऊपर से खुले सफाई (ओ टी एस) डिब्बों के नमूने लेने की पद्धति	—	—
53.	IS : 9979-1981 टाइल नाली व्यवस्था के लिये खनिज फ़िल्टर के डिजाइन और बिछाने की संहिता	—	—
54.	IS : 9982-1981 केराटोम चाकू की विशिष्टि, कास्ट्रोविजो नमूने का	—	—
55.	IS 9983; 1981 तार वेक्टिस एवं लेन्स सूचक की विशिष्ट, आंख का	—	—
56.	IS : 9984-1981 कैन्युला की विशिष्टि, एयर इंजेक्शन, आंख का	—	—
57.	IS : 9985—1981 सोडियम एल्किल बेनेजीन सल्फोनेट, तकनीकी की विशिष्टि	—	—
58.	IS : 9987—1981 डिब्बे के नमूने के बहुप्रयोजी शिकंजों की विशिष्टि	—	—
59.	*IS : 10000 (भाग 1)—1980 आन्तरिक दहन इंजनों का परीक्षण पद्धति भाग 1 परीक्षण पद्धतियों सम्बन्धी पारिभाषिक शब्दावली	—	1980-09-30 को स्थापित
60.	*IS : 10000 (भाग 2)—1980 आन्तरिक दहन इंजनों का परीक्षण पद्धति भाग 2 मानक संदर्भ अवस्थाएं	—	1980-10-31 को स्थापित
61.	*IS : 10000 (भाग 3)—1980 आन्तरिक दहन इंजनों का परीक्षण पद्धति भाग 3 इकाई के लिये मापन और परिशुद्धता सीमाएं	—	1980-10-31 को स्थापित
62.	*IS : 10000 (भाग 4)—1980 आन्तरिक दहन इंजनों का परीक्षण पद्धति भाग 4 परीक्षण तैयारी एवं क्षय मापन	—	1981-04-30 को स्थापित
63.	*IS : 10000 (भाग 6)—आन्तरिक दहन इंजनों की परीक्षण पद्धति भाग 6 परीक्षण परिणाम लिखना	—	1980-07-31 को स्थापित
64.	*IS : 10000 (भाग 7)—1980 आन्तरिक दहन इंजनों का परीक्षण पद्धति भाग 7 कार्यकारिता परीक्षण	—	1981-05-31 को स्थापित
65.	*IS : 10000 (भाग 9)—1980 आन्तरिक दहन इंजनों की परीक्षण पद्धति भाग सहन परीक्षले	—	1981-05-31 को स्थापित
66.	*IS : 10000 (भाग 10)—1980 आन्तरिक दहन इंजनों का परीक्षण पद्धति भाग 10 परिवर्ती गति वाले दाब प्रज्वलन इंजनों के शुआं स्तर का परीक्षण	—	1981-11-30 को स्थापित
67.	*IS : 10000 (भाग 12)—1980 आन्तरिक दहन इंजनों की परीक्षण पद्धति भाग 12 नमूना परीक्षण प्रमाण-पत्र	—	1980-12-31 को स्थापित

*भारतीय मानक संस्था प्रमाणन चिह्न योजना हेतु ये भारतीय मानक विशिष्टियां तिथि 1982-07-01 से लागू होंगी ।

इन भारतीय मानकों की प्रतियां भारतीय मानक संस्था, 9 बहादुरशाह ज़फ़र मार्ग, नई दिल्ली -110002 एवं अहमदाबाद, बम्बई, बंगलौर, भोपाल, भुवनेश्वर, कलकत्ता, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, मद्रास, मोहाली, पटना एवं त्रिवेन्द्रम स्थित इसके शाखा कार्यालयों से बिक्री के लिये उपलब्ध हैं ।

[सं. सी एम डी/13 : 2]

S.O.1018—In pursuance of sub-rule (2) of Rule 3 and Sub-regulations (2) and (3) of regulation 3 of Indian Standards Institution (Certification Marks) Rules and Regulations, 1955, the Indian Standards Institution thereby notifies that the Indian Standard(s), particulars of which are given in the schedule hereto annexed, have been established on 1981-12-31 :

SCHEDULE

Sl. No.	No. and Title of the Indian Standards Established	No. and Title of the Indian Standards, or Standards, if any, superseded by the new Standard	Remarks, if any
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	*IS : 279—1981 Specification galvanized steel wire for telegraph and telephone purposes (third revision)	IS: 279—1972 Specification for galvanized steel wire for telegraph and telephone purposes (second revision)	*For purposes of ISI Certification Marks scheme; IS : 279—1981 shall come into force with effect from 1982-03-81
2.	IS : 531—1981 Specification for leaded brass strip for instrument parts (second revision)	IS : 531—1971 Specification for leaded brassstrip for instrument parts (first revision)	—
3.	IS : 854—1981 Specification for handloom cotton turkish towels and towelling cloth (first revision)	IS : 854—1956 Specification for handloom cotton turkish towels, bleached, striped, checked, or dyed	—
4.	IS : 858—1981 Specification for handloom cotton table cloth and napkins (first revision)	IS : 858—1956 Specification for handloom cotton table cloth, bleached, striped, checked, or dyed.	—
5.	IS : 1903—1981 Specfication or hand: loom cotton Madras handkerchiefs (first revision)	IS : 1093—1957 Specification or handloom cotton Madras handkerchiefs	—
6.	*IS : 1110—1981 Specification for ferrosi licon (third revision)	IS : 1110—1969 Specification for ferrosilicon (second revision)	*For porpeses of ISI Certification Marks Scheme IS : 1110—1981 shall come into force with effect from 1982-04-30
7.	IS : 1146—1981 Specificaton for rubber and plastics containers for lead-acid storage batteries (second revision)	IS : 1146—1972 Specification for rubber and plastic containers for lead-acid storage batteries (first revision)	— —
8.	*IS : 1468—1981 Specification for ferrotitanium (second revison)	IS : 1468—1968 Specification for ferrotitanium (first revision)	*For purpoes of ISI Certfication Marks Scheme, IS : 1468—1981 shall come into force with effect from 1982-04-30
9.	IS : 1885 (Part L 11/Sec 10) 1980 Electrotechnical vocabulary Part LII data processing section 10 data communication	—	—
10.	IS : 1885 (Part LII/Sec 12) 1980 Electrotechnical vocabulary Part LII data processing section 12 information theory	—	—
11.	IS : 1885 (Part LII/Sec 13) 1980 Electrotechnical Vocabulary Part LII data processing section 13 analog and hybrid computing	—	—
12.	IS : 2044—1981 Specification for sillimanite refractories for glass melting tank furnaces (first revision)	IS : 2044—1962 Specification for sillimanite refractories for glass malting tank furnances	—
13.	IS : 2134—1981 Specification for round tins for general purposes (second revision)	IS : 2134—1972 Specification for round tins for general purposes (first revision)	—
14.	IS : 2462—1981 Specification for parallel bars used in gymnastics (first revision)	IS : 2462—1963 Specfication for parallel bars used in gymnastics	—
15.	IS 24631—1981 Specification for rings used in gymnastics (first revision)	IS : 2463—1963 Specification for rings used in gymastics	—

(1)	(2)	(3)	(4)
16.	IS : 3268 Specification for stockless anchors (for ships' use) (first revision)	IS : 3268—1965 Specification for stockless anchors (or shpis' use)	—
17	IS : 3403—1981 Dimensions for knurls (first revision)	IS : 3403—1966 Dimensions for knurling	—
18.	IS : 3848—1981 Method for end quench test or hardenability of steel (first revision)	IS : 3848—1966 Method for end quench test or hardenabiliy of steel	— —
19.	IS : 4377—1981 General requirements for magnetic sound tape recording and reproducing systems (first revision)	IS : 4377—1967 General requirements for magnetic sound tape recording and reproducing systems	— —
20	IS : 4538—1981 Specification or seamless rectangular fish cans (first revision)	IS : 4538—1967 Specification for seamless rectangular fish tins	—
21.	IS : 5000 (OD30)—1981 Dimensiont of semiconductor devices device outline OD30	—	—
22.	IS : 5701 (Part X)—1981 Code for breeding, care, management and housing of laboratory animals part for laboratory mosquitoes	—	—
23.	IS : 6483—1981 Specification for linch pin assembly (first revision)	IS : 6483—1972 Specification for linchpin assembly	—
24.	IS : 7783—1981 General requirements for handles, instruments, eye surgery (firs revision)	IS : 7783—1975 General requirements for handles, instruments, eye surgery	—
25.	IS : 7785 (Part IV/Sec 1)—1981 Specification for elevated type aerodrome lighting fitting Part IV angle of approach lights section I visual approach slope indicators	—	—
26.	IS: 7809 (Part II/Sec 2) 1981 Specification for pressure sensitive adhesive tapes for electrical purposes Part III specification for individual materials section 2 polyester film tapes (PETP) with thermosetting adhesive		
27	IS : 9665—1981 Specification for propoxur emulsifiable concentrates	—	—
28.	IS : 9759—1981 Guidelines for dewatering during construction	—	—
29.	IS : 9811—1981 Specification for canned kundri	—	—
30.	IS : 9834—1981 Specifiiction for iso-butyl alcohol	—	—
31.	IS: 9848—1981 Specification for briefcases, plastic mouled	—	—
32.	IS : 9866—1981 Marking system for valves	—	—
33.	IS : 9884—1981 Dimensions for ferrous valves-face-to-face and end-to-end	—	—
34	IS: 9885 (Part I)—1981 Specification for protective boots for oil fields workmen Part I leather upper boots	—	—
35.	IS : 9886—1981 Specification for mosquito nets	—	—
36.	IS : 9891 (Part II)—1981 Specification for edge connectors for printed wiring board and insulated board having contact pitch 2.54 mm Part II non-polarised plug types 9891 IS-01-11/25/33-W-A-0.75	—	—

(1)	(2)	(3)	(4)
37.	IS : 9894—1981 Method of test for smoothness/roughness of paper	—	—
38.	S : 9905—1981 Specification for pneumatic coupling between tractors and trailers	—	—
39.	IS : 9910—1981 Method for braze strength testing of coal and rock cutting tools with laid-on tungsten-carbide tips	—	
40.	IS : 9911—1981 Specification for cannula, brain	—	—
41.	IS : 9914—1981 Specification for calipers, ice tong, cone's pattern	—	—
42.	IS : 9921 (Part I)—1981 Specification for alternating current disconnectors (isolators) and earthing switches for voltages above 1000 V Part I general and definitions	—	—
43.	IS : 9933—1981 Specification for retractor, brain, malleable	—	—
44.	IS : 9942—1981 Specification for T-sign plate for trailers	—	—
45	IS : 9943—1981 Characteristic impedances and dimensions of radio-frequency coaxial cables	—	—
46.	IS : 9947—1981 Test method or evaluating resistance to tracking and erosion of electrical insulating materials used under severe ambient conditions	—	—
47.	IS : 9948—1981 Shutter exposure-time markings, still cameras	—	—
48.	IS : 9952—1981 Specification for batch type centrifugal liner for final massecuite of sugar industry	—	—
49.	IS : 9962—1981 Specification for steel wire for needles	—	—
50.	IS : 9963—1981 Method of determination of shatter index of iron ore lumps sinters and pellets	—	—
51.	IS : 9965—1981 Limits of sizes for 150 metric external screw threads for high temperature applications	—	
52.	IS : 9976—1981 Method of sampling of open top sanitary (ots) cans	—	—
53.	IS : 9979—1981 Code for design and laying of mineral filters for tile drain system	—	—
54.	IS : 9982—1981 Specification for knife, keratome, Castroviejo's pattern	—	—
55.	IS : 9983—1981 Specification for wire vectis and lens expressor, eye	—	—
56.	IS : 9984—1981 Specification for cannula, injection, eye	—	—
57.	IS : 9985—1981 Specification for sodium alkyl benezene sulphonate, technical	—	—
58.	IS : 9987—1981 Specification for clamps, multipurpose, De-bakey's pattern	—	—
59.	*IS : 10000 (Part I)—1980 Method of tests for internal combustion engines Part I Glossary of terms relating to test methods	—	Established on 1980-09-30
60.	*IS : 10000 (Part II)—1980 Method of test for internal combustion engines part II standard reference conditions	—	Established on 1980-10-31

(1)	2)	(3)	(4)
61.	*IS - 10000 (Pt III)—1980 Method of test s for internal combusion engines units and limits of accuracy : Part III Measurements for testing	—	Established on 1980-10-31
62.	*IS : 10000 (Pt IV)—1980 Method of tests for internal combusion engines Part V preparation for test and measurement for wear *For purposes of ISI Certification Marks Scheme, these Indian Standards specifications shall come into force with effect from 1982-07-01	—	Established on 1981-04-30
63.	*IS : 10000 (Pt VI) - 1980 Method of tests for internal combustion engines part VI recording of test results	—	Established on 1981-07-31
64.	*IS : 10000 (Pt. VIII)—1980 Method of tests for internal combustion engines part VIII performance tests	—	Established on 1981-5-31
65.	*Is : 10000 (Pt. IX)—1980 Method of tests for internal combustion engines Part IX endurance tests	—	Established on 1981-05-31
66.	*IS : 10000 (Pt X)—1980 Method of tests for internal combustion engines Part X tests for smoke levels for variable speed compression igintion engines	—	Established on 1981-11-30
67.	*IS : 10000 (Pt XII)—1980 Method of tests for inernal combustion engines Part XII specimen test certificates	—	Established on 1980-12-31

*For pruposes of ISI Certification Marks scheme, these Indian Standards Specifications shall come into force with effect from 1982-07-01

Copies of these Indian Standards are available for sale with the Indian standards Institution, Manak Bhawan, 9 Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110002 and also from its branch offices at Ahmdabad, Bombay, Bangalore, Bhopal, Bhubaneshwar, Calcutta, Hyderabad Jaipur, Kanpur, Madras, Mohali, Patna and Trivandrum.

[No. CMD/13 :2]

खाद्य एवं नागरिक पूर्ति मंत्रालय

नागरिक पूर्ति विभाग

भारतीय मानक संस्था

नई दिल्ली, 18 फरवरी, 1985

का०आ० 1019.—समय-समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिन्ह) विनियम, 1955 के विनियम 4 के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि उक्त विनियमों के विनियम 3 के उपविनियम (1) के अनुसार प्राप्त अधिकारों के अधीन यहां अनुसूची में दिये गये भारतीय मानकों के संशोधन जारी किये गये हैं ।

अनुसूची

क्रम संख्या	संशोधित मानक के पद संख्या और शीर्षक	जिस राजपत्रित अधिसूचना में भारतीय मानक के तैयार होने की सूचना छपी, उसकी संख्या और तारीख	संशोधन की संख्या और तारीख	संशोधन का संक्षिप्त विवरण	संशोधन लागू होने की तारीख
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	IS : 16(भाग 1)-1973 चमड़े की विशिष्ट, भाग 1 हस्तनिर्मित चमड़ा (द्वितीय पुनरीक्षण)	एस०ओ० 2015 1975-06-28	सं० 2 अप्रैल 1981	यह संशोधन उस स्थिति में मात्रा और संख्या की मात्रा निर्धारित करने के लिये जारी किया जा रहा है, जहां खाद्य और औषध निर्माण उद्योगों में चमड़े का प्रयोग अपेक्षित है ।	1981-04-30
2.	IS : 16(भाग 2)-1973 चमड़े की विशिष्ट; भाग 2 मशीन निर्मित चमड़ा (द्वितीय पुनरीक्षण)	एस०ओ० 3069 1975-09-13	*सं० 2 अप्रैल 1981	यह संशोधन उस स्थिति में मात्रा और संख्या की मात्रा निर्धारित करने के लिये जारी किया जा रहा है, जहां खाद्य और औषधि निर्माण उद्योगों में चमड़े का प्रयोग अपेक्षित है ।	1981-04-30

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
3.	IS : 410–1977 रोल्ड पेल्लित पीतल की चद्दर, पट्टी और पन्नी की विशिष्टि (तृतीय पुनरीक्षण)	एस०ओ० 2793 1980-10-18	सं० 1 अगस्त 1981	खंड 8.2 के स्थान पर नया खंड रखा गया है	1981-08-31
4.	IS : 459–1970 एस्बेस्टास सीमेंट की पनालीदार और अर्ध-पनाल दार अप्रबलित चद्दरों की विशिष्टि (द्वितीय पुनरीक्षण)	एस०ओ० 1635 1972-07-08	सं० 1 अगस्त 1981	खंड 2.1 के अन्त में नई वाक्य जोड़े गए हैं	1981-08-31
5.	IS : 625–1966 साइकिल के हैंडल छड़ों की विशिष्टि (संशोधित)	एस०ओ० 675 1964-02-29	सं० 2 अगस्त 1981	खंड 5.1 के स्थान पर नया खंड रखा गया है	1981-08-31
6.	IS : 691–1966 कोयले की खानों में इस्तेमाल के लिये रबड़-रोधित नम्य अनुगामी केबलों की विशिष्टि	एस०ओ० 2417 1967-07-22	**सं० 5 दिसम्बर 1980	(1) खंड 7.1, 10.4.1, 11.3, 11.4.1, 12.3, 12.4.1, 13.3, 14.3, 15.3.1, 15.4, 15.4.2, 15.5(म.) और 16.1 संशोधित किये गये हैं। (2) खंड 7.2, 9.2, 10.1, 11.1, 12.1, 13.1, 14.1 और 15.1 के स्थान पर नये खंड रखे गये हैं। (3) पृष्ठ 9 पर (+" चिन्ह युक्त तथा पृष्ठ 11 और 13 पर "*" चिन्ह युक्त पाद-टिप्पणियों के स्थान पर नई पादटिप्पणियां रखी गयी हैं। (4) खंड 10.2, 11.2, 13.2 और 14.2 हटा दिये गये हैं तथा तदनुसार बाद के खंडों की संख्यायें बदल दी गयी हैं। (5) सारणी 4,5,7,8,9,10,11,13, और 15 से 29 तक संशोधित की गयी हैं। (6) सारणी 6,12 और 14 हटायी गयी हैं।	1980-12-31
7.	IS : 779–1978 पानी के मीटरों (घरेलू प्रकार) की विशिष्टि (पांचवा पुनरीक्षण)	एस०ओ० 2064 1981-08-01	सं० 2 मई 1981	खंड 4.15 संशोधित किया गया है।	1981-05-31
8.	IS : 802(भाग 1)–1977 शिरोपरि प्रेषण लाइन टावरों में संरचना इस्पात के इस्तेमाल की रीति संहिता भाग 1 भार और अनुज्ञेय बल (द्वितीय पुनरीक्षण)	एस०ओ० 2001 1981-07-25	सं० 1 अगस्त 1981	(1) खंड 0.7 और 2.3 संशोधित किये गये हैं (2) खंड 2.1 के स्थान पर नया खंड रखा गया है। (3) पृष्ठ 1 और 5 पर क्रमशः "**" और "§" चिन्हयुक्त पादटिप्पणियों के बाद "+ +" "II II" और "??" चिन्हयुक्त पादटिप्पणियां जोड़ी गयी हैं।	1981-08-31
9.	IS : 1166–1973 संघनित दूध की विशिष्टि (प्रथम पुनरीक्षण)	एस०ओ० 4697 1975-11-01	सं० 1 फरवरी 1981	खंड 4.1 और 4.2 के अन्त में नये वाक्य जोड़े गये हैं।	1981-02-28
10.	IS : 1223(भाग 1)–1970 गर्बर विधि द्वारा दुग्ध वसा के निर्धारण उपकरण की विशिष्टि; भाग 1 मक्खन मापी और डाट (प्रथम पुनरीक्षण)	एस०ओ० 1635 1972-07-08	*सं० 5 जून 1981	(1) पृष्ठ 14 पर आकृति 7 संशोधित की गयी है। (2) खंड 2.5.1 और 2.12.1 के बाद क्रमशः खंड 2.5.1.1 और 2.12.1.1 जोड़े गये हैं।	1981-06-30
	*भारतीय मानक संस्था प्रमाणन चिन्ह योजना के प्रयोजन के लिये यह संशोधन 1982-02-01 से लागू होगा।				
11.	IS : 1528(भाग 4)–1974 उष्मासह पदार्थों के नमूने लेने एवं भौतिक परीक्षण की पद्धतियां भाग 4 शीत दलन सामर्थ्य ज्ञात करना (प्रथम पुनरीक्षण)	एस०ओ० 776 1976-02-21	सं० 1 अगस्त 1981	खंड 3.2.1 के अन्त में एक नया वाक्य जोड़ा गया है।	1981-08-31

*भारतीय मानक संस्था प्रमाणन चिन्ह योजना के प्रयोजनों के लिये, यह संशोधन 1981-12-01 से लागू होगा।

**भारतीय मानक संस्था प्रमाणन चिन्ह योजना के प्रयोजनों के लिये, यह संशोधन 1982-12-16 से लागू होगा।

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
12	IS : 1528(भाग 8)–1974 ऊष्मासह पदार्थों के नमूने लेने एवं भौतिक परीक्षण की पद्धतियां, भाग 8 स्पष्ट छिद्रिलता ज्ञात करना (प्रथम पुनरीक्षण)	एस०ओ० 1597 1976-05-08	सं० 1 अगस्त 1981	खंड 3.1.4 के अन्त में एक नया वाक्य जोड़ा गया है।	1981-08-31
13.	IS : 1547–1968 शिशु दुग्ध आहार की विशिष्टि (प्रथम पुनरीक्षण)	एस०ओ० 4425 1968-12-14	सं० 3 जून 1981	खंड जी-2.1 और जी-2.2 संशोधित किये गये हैं	1981-06-30
14	IS : 2266–1977 सामान्य इंजीनियरी कार्यों के लिये इस्पात के तार रस्सों की विशिष्टि (द्वितीय पुनरीक्षण)	एस०ओ० 2793 1980-10-18	सं० 1 अप्रैल 1981	सारणी 4 और 5 संशोधित की गई हैं।	1981-04-30
15	IS : 2665-1964 तार और टेलीफोन प्रयोजनों के लिये कैडमियम तांबे के तार की विशिष्टि	एस०ओ० 2297 1964-07-04	सं० 2 जुलाई 1981	इस मानक की सारणी 1 इस संशोधन द्वारा इस लिये पुनरीक्षित की गयी है ताकि कैडमियम तांबे के 0.63 और 0.91 मिमी के तार के उन अतिरिक्त साइजों को भी इस में शामिल किया जा सके जो डाकतार विभाग द्वारा अधिकतया इस्तेमाल आते हैं, परन्तु जो पहली सारणी में शामिल नहीं थे।	1981-07-31
16.	IS : 2818(भाग 1)–1971 भारतीय टाट की विशिष्टि; भाग 1 सामान्य (प्रथम पुनरीक्षण)	एस०ओ० 1549 1973-06-02	सं० 1 अगस्त 1981	खंड बी-3.1, बी-3.3, बी-5.1 और बी-5.3 के स्थान पर नये खंड रखे गये हैं।	1981 08-31
17.	IS : 3370(भाग 2)–1965 तरल पदार्थों के संग्रहण के लिए कंक्रीट संरचनाओं की रीति संहिता, भाग 2 प्रबलित कंक्रीट संरचनाएं	एस०ओ० 4023 1966-12-31	सं० 2 अगस्त 1981	खंड 0.3 के स्थान पर नया खंड रखा गया है।	1981-08-31
18.	IS : 3452(भाग 2)–1970 गुर्ल्ली स्विचों की विशिष्टि; भाग 2 गुर्ल्ली स्विच टाइप 1 और टाइप 2	एस०ओ० 3544 1971-09-25	सं० 1 अगस्त 1981	सारणी 3 संशोधित की गयी है।	1981-08-31
19.	IS : 3745–1978 छोटे चिकित्सीय गैस सिलिन्डरों के लिये जुग्रा टाइप वाल्व कनेक्शनों की विशिष्टि। (प्रथम पुनरीक्षण)	एस. ओ. 3171 1980-11-15	सं. 1 जून 1981	खंड 4, 5 और 6 के बाद क्रमशः नयी टिप्पणियां जोड़ी गयी है	1981-06-30
20.	IS : 3957–1966 बर्फ बनाने के लिये पानी की गुणता संबंधी छूटें	ए. ओ. 1972 1967-06-10	सं. 1 अप्रैल 1981	सारणी 2 संशोधित की गयी है	1981-04-30
21.	IS : 4081–1978 छेवों और बाणरों (पाल) की विशिष्टि (प्रथम पुनरीक्षण)	—	सं. 2 अगस्त 1981	(1) सारणी 1, 2 और 3 संशोधित की गयी है (2) खंड 3.2 के बाद खंड 3.3, 3.4 और 3.5 जोड़े गये हैं	1981-08-31
22.	IS : 4357–1974 कांटा लिफ्ट ट्रकों की स्थिरता की जांच करने की पद्धति (प्रथम पुनरीक्षण)	ए.स. ओ. 1597 1976-05-08	सं. 1 अप्रैल 1981	खंड 4.4.1 के स्थान पर नया खंड रखा गया है	1981-04-30
23.	IS : 4381–1967 रोगविज्ञान सूक्ष्मदर्शी की विशिष्टि	एस. ओ. 1719 1968-05-18	*सं. 1 अक्तूबर 1980	(1) खंड 6.1.3, 6.1.6 और 6.2.3 के स्थान पर नये खंड रखे गये है। (2) खंड 6.2.4 संशोधित किया गया है	1930-10-31

*भारतीय मानक संस्था प्रमाणन चिह्न योजना के प्रयोजनों के लिये; यह संशोधन 1981-11-01 से लागू होगा।

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
24.	IS : 4832(भाग 1)–1969 रसायन प्रतिरोधी मसालों की विशिष्टि; भाग 1 सिलिकेट टाइप	एस. ओ. 918 1970-03-07	सं 1 जून 1981	(1) खंड 3.1 के स्थान पर नया खंड रखा गया है (2) खंड 5.1 के अन्त में नयी सामग्री जोड़ी गयी है (3) पृष्ठ 5 पर "*" चिह्नयुक्त पाद-टिप्पणी के बाद "†" चिह्नयुक्त टिप्पणी जोड़ी गयी है	1981-06-30
25.	IS : 5204—1969 खोज सूक्ष्मदर्शी की विशिष्टि	एस. ओ. 4848 1969-12-06	**सं 2 सितम्बर 1980	(1) खंड 4.8.1 (ए) से (डी) तक की सामग्री के स्थान पर नयी सामग्री रखी गयी है (2) खंड 6.1.3 और 6.2.6 के स्थान पर पर नये खंड रखे गये हैं (3) खंड 4.8.2 और 6.1.1 के बाद क्रमश: नयी टिप्पणियां जोड़ी गयी हैं	1980-09-30
26.	IS : 5247–1969 केसों, क्रेटों और हल्के फर्नीचर पैक करने के लिये पर्व्हिनिस टाइमर (शंक्वाकार) की विशिष्टि	एस. ओ. 639 1970-02-21	सं 2 अगस्त 1981	खंड 4.1 के अन्त में नयी सामग्री जोड़ी गयी है	1981-08-31
27.	IS : 5919—1978 मशीन पुल रीमरों की विशिष्टि (प्रथम पुनरीक्षण)	एस. ओ. 2862 1981-10-17	सं 1 अप्रैल 1981	(1) खंड 3.1 संशोधित किया गया है (2) खंड 2 के नीचे की आकृति के स्थान पर दूसरी आकृति रखी गयी है	1981-04-30
28.	IS : 6598—1972 ताप रोधन के लिये कोशिकीय कंक्रीट की विशिष्टि	एस. ओ. 423 1975-02-15	सं. 1 अगस्त 1981	खंड 4.2 और 4.3 के स्थान पर नये खंड रखे गये हैं	1981-08-31
29.	IS : 6938–1973 द्रव-चालित कपाटों के लिये रस्सा ड्रम और जंजीर उत्थापकों के डिजाइन की रीति संहिता।	एस. ओ. 4690 1975-11-01	सं. 1 अगस्त 1981	खंड 3.7.4 (सी) (1) का वर्तमान फार्मूला संशोधित किया गया है	1981-08-31
30.	IS : 6946–1973 बिजली संस्थापनों के लिये नम्य (अनम्य) अधात्विक नार-नालियों की विशिष्टि	एस. ओ. 2557 1975-08-09 1975-08-09	*सं. 1 जून 1981	(1) प्रथम आवरण पृष्ठ, पृष्ठ 1 और 3 पर वर्तमान शीर्षक स्थान पर नया शीर्षक रखा गया है। (2) खंड 1.1, 2.2 और 5.2.2 के स्थान पर नये खंड रखे गये हैं (3) सारणी 1 और 2 के स्थान पर नयी सारणियां रखी गयी हैं।	1981-06-30
31.	IS : 7100–1973 शिरच्छेदन हुक की विशिष्टि; ओर्डाइन नमूने का	—	सं. 2 अगस्त, 1981	(1) वर्तमान शीर्षक के स्थान पर नया शीर्षक रखा गया है। (2) खंड 1 संशोधित किया गया है (3) आकृति 1 के शीर्षक के स्थान पर नया शीर्षक रखा गया है	1981-08-31
32.	IS : 7195–1974 कांच रेशा, से बने कालनार डामर और बिटुमनी नमदों की विशिष्टि	एस. ओ. 776 1976-02-21	सं. 1 मार्च 1981	(1) खंड 1.1 के स्थान पर नया खंड रखा गया है (2) खंड 5.1 संशोधित किया गया है	1981-03-31
33.	IS : 7370–1974 सेफ्टी रेजरों की विशिष्टि	एस. ओ. 3494 1976-10-02	सं 3 मई 1981	(1) खंड 4.1 संशोधित किया गया है (2) खंड 4.4 के स्थान पर नया खंड रखा गया है।	1981-05-31
34.	IS : 7404 (भाग 2)–1974 कागज बने माबे के चालकों की विशिष्टि [भाग 2 आयताकार चालक	एस. ओ. 2858 1976-08-07	सं. 2 जुलाई 1981	सारणी 2 के स्थान पर नयी सारणी रखी गयी है	1981-07-31
35.	IS : 7458–1974 हस्त-चालित फुहारे के लिये छिड़काव लान्स की विशिष्टि	एस. ओ. 1597 1976-05-08	सं. 2 अप्रैल 1981	खंड 6.3 संशोधित किया गया है	1981-04-30

**भारतीय मानक संस्था प्रमाणन चिह्न योजना के प्रयोजनों के लिये; यह संशोधन 1961-11-01 से लागू होगा।

*भारतीय मानक संस्था प्रमाणन चिह्न योजना के प्रयोजनों के लिये; यह संशोधन 1981-12-01 से लागू होगा।

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
36.	IS : 7587(भाग 4)—1975 खानों में वाईडिंग के लिये प्रयुक्त पिंजड़ा निलम्बन गियर की विशिष्टि	एस. ओ. 1892 1977-06-11	सं. 1 अक्तूबर 1980	सारणी 4 और 5 के शीर्षकों के स्थान पर नये शीर्षक रखे गये है	1980-10-31
37.	IS : 7652—1975 रुधिर दाबमापी निद्रव टाइप की विशिष्टि	एस. ओ. 2547 1977-08-13	सं. 3 मार्च 1981	(1) खंड 4.4.2 के स्थान पर नया खंड रखा गया है। (2) खंड 8 के बाद नया खंड 9 जोड़ा गया है।	1981-03-31
38.	IS : 7897-1975 कुट्टी मशीन की परीक्षण संहिता	एस. ओ. 1596 1979-05-19	सं. 1 अगस्त 1981	खंड 9.1.5.1 (बी) और 10(ए) संशोधित किये गये है	1981-08-31
39.	IS : 8074—1976 मोनोक्रोटोफॉस जल विलेय सान्द्रों की विशिष्टि	एस. ओ. 2505 1979-07-21	सं. 2 अगस्त 1981	(1) खंड 2.3.1 के स्थान पर नया खंड रखा गया है (2) खंड 2.3.1.1 और ए-1.1 के बाद क्रमशः खंड 2.3.1.2 और ए-1.2 जोड़े गये हैं	1981-08-31
40	IS : 8473—1977 खानों में प्रयुक्त सम्पर्क छड़ों की विशिष्टि	एस. ओ. 1606 1980-06-14	*सं. 1 अक्तूबर 1980	(1) पृष्ठ 3 पर खंड 9.2.2 हटाया गया है और खंड 9.2.3 एवं 9.2.4 की संख्यायें बदल कर क्रमशः 9.2.2 और 9.2.3 की गयी है (2) खंड 9.2.3 (जिसकी संख्या बदल कर 9.2.2 की गई है) और 9.5.1 के स्थान पर नये खंड रखे गये है (3) सारणी 2 के स्थान पर नयी सारणी रखी गयी है। (4) पृष्ठ 6 पर खंड 9.10 हटाया गया है।	1980-10-31
41.	IS : 8801—1978 तेल-चालित कप्लिगों के लिये बाहरी स्टड कप्लिंग बाडी की विशिष्टि	एस. ओ. 2001 1981-07-25	सं. 1 अगस्त 1981	सारणी 1 संशोधित की गयी है।	1981-08-31
42.	IS : 8805—(भाग 1)—1978 तेल-चालित तंत्रों में प्रयुक्त जोड़ पुश्ती टाइप कप्लिंगो की सामान्य-अपेक्षाएं; भाग 1 सामान्य	एस. ओ. 1728 1981-06-13	सं. 1 अप्रैल 1981	सारणी 5 के नीचे टिप्पणी 2 के बाद एक नयी टिप्पणी जोड़ी गयी है	1981-04-30

*भारतीय मानक संस्था प्रमाणन चिह्न योजना के प्रयोजनों के लिये, यह संशोधन 1981-11-01 से लागू होगा।

इस संशोधनों की प्रतियां भारतीय मानक संस्था, मानक भवन, 9 बहादुरशाह जफर मार्ग, नयी दिल्ली-110002 तथा अहमदाबाद, बम्बई बंगलौर, भोपाल भुवनेश्वर, कलकत्ता, चंडीगढ़, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, मद्रास, पटना और त्रिवेन्द्रम स्थित इसके शाखा कार्यालयों में उपलब्ध है।

[सं. सीएमडी/13 : 5]

New Delhi, the 18th February, 1985

S.O. 1019 :—In pursuance of regulation 4 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955, the Indian Standards Institution, hereby, notifies that amendment(s) to the Indian Standard(s) given in the schedule hereto annexed have been issued under the powers conferred by the sub-regulation (1) of Regulation 3 of the said Regulations.

THE SCHEDULE

Sl. No.	No. and title of the Indian Standard amended	No. and Date of Gazette Notification in which the establishment of the Indian Standard was notified	No. and Date of of the amendment	Brief Particulars of the Amendment	Date from which the amendment shall have effect
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	IS : 16 (Part I)—1973 Specification for shellac Part I Hand-made shellac (second revision)	S.O. 2015 dated 1975-06-28	No. 2 April 1981	This Amendment is being issued to prescribe limit for lead and arsenic where shellac is intended for application to food and pharmaceutical industries.	1981-04-30

1	2	3	4	5	6
2.	IS : 16 (Part II)—1973 Specification for shellac Part II Machine-made shellac (second revision)	S.O. 3069 dated 1975-09-13	*No. 2 April 1981	This Amendment is being issued to prescribe limits for lead and arsenic where shellac is intended for application to food and pharmaceutical industries.	1981-04-30
3.	IS : 410—1977 Specification for cold rolled brass sheet, strip and foil (third revision)	S.O. 2793 dated 1980-10-18	No. 1 August 1981	Clause 8.2 has been substituted by a new one	1981-08-31
4.	IS : 459—1970 Specification for unreinforced corrugated and semi-corrugated asbestos cement sheets (second revision)	S.O. 1635 dated 1972-07-08	No. 1 August 1981	New matter has been added at the end of clause 2.1	1981-08-31
5.	IS : 625—1963 Specification for bicycle handle bars (revised)	S.O. 675 dated 1964-0-2-29	No. 2 August 1981	Clause 5.1 has been substituted by a new one	1981-08-31
6.	IS : 691—1966 Specification for rubber-insulated flexible trailing cables for use in coal mines	S.O. 2417 dated 1967-07-22	**No. 5 Dec. 1980	(i) Clauses 7.1, 10.4.1, 11.3, 11.4.1, 12.3, 12.4.1, 13.3, 14.3, 15.3.1, 15.4, 15.4.2, 15.5(c) and 16.1 have been amended (ii) Clauses 7.2, 9.2, 10.1, 11.1, 12.1, 13.1, 14.1 and 15.1 have been substituted (iii) Foot-notes with '—' (Page 9) with '*' (Pages 11 and 13) marks have been substituted by new ones (iv) Clauses 10.2, 11.2, 12.2, 13.2 and 14.2 have been deleted and the subsequent clauses have been renumbered accordingly. (v) Tables 4,5, 7, 8, 9, 10, 11, 13 and 15 to 29 have been amended (vi) Tables 6, 12 and 14 have been deleted	1980-12-31
7.	IS : 779—1978 Specification for water meters (domestic type) (fifth revision)	S.O. 2064 dated 1981-09-01	No. 2 May 1981	Clause 4.15 has been amended	1981-05-31
8.	IS : 802 (Part I)—1977 Code of practice for use of structural steel in overhead transmission line towers Part I Louds and sand permissible stresses (second revision)	S.O. 2001 dated 1981-07-25	No. 1 Aug. 1981	(i) Clauses 0.7 and 2.3 have been amended (ii) Clause 2.1 has been substituted by a new one. (iii) Foot notes with '††', '‖‖' and '??' mark have been added after foot notes with '**' and '§§' mark at page 4 and 5 respectively.	1981-08-31
9.	IS : 1166—1973 Specification for condensed milk (first revision)	S.O. 4697 dated 1975-11-01	No. 1 Feb. 1881	New matter has been added at the end of Clasues 4.1 and 4.2	1981-02-28
10.	IS : 1223 (Part I)—1970 Specification for apparatus for determination of milk fat by gerber method Part I Butyrometers and stoppers (first revision)	S.O. 1635 dated x972-07-08	*No. 5 June 1981	(i) Fig.7 at page 14 has been amended (ii) Clauses 2.5.1.1 and 2.12.1.1 have been added after clauses 2.5.1 and 2.12.1 respectively.	1981-06-30

*For purposes of ISI Certification Marks Scheme; this amendment shall come into force with effect from 1981-12-01

**For purpose of ISI Certification Marks Scheme; this amendment shall come into force with effect from 1982-02-16.

For purposes of ISI Certification Marks Scheme; this amendment shall come into force with effect from 1982-02-01.

1	2	3	4	5	6
11.	IS : 1528 (Part IV)—1974 Methods of sampling and physical tests for refractory materials Part IV Determination of cold crushing strength (first revision)	S.O. 776 dated 1976-02-21	No. 1 August 1981	A new sentence has been added at the end of clause 3.2.1	1981-08-31
12.	IS : 1528 (Part VIII)—1974 Methods of sampling and physical tests for refractory materials Part VIII determination of apparent porosity (first revision).	S.O. 1597 dated 1976-05-08	No. 1 August 1981	A new sentence has been added at the end of clause 3.1.4.	1981-08-31
13.	IS : 1547—1968 Specification for infant milk foods (first revision)	S.O. 4425 dated 1968-12-14	No. 3 June 1981	Clauses G-2.1 and G.-2.2 have been amended	1981-06-30
14.	IS : 2266—1977 Specification for steel wire ropes for general engineering purposes (second revision)	S.O. 2793 dated 1980-10-18	No. 1 April 1981	Tables 4 and 5 have been amended	1981-04-30
15.	IS : 2665—1964 Specification for cadmium copper wire for telegraph telephone purposes	S.O. 2297 dated 1964-07-04	No. 2 July 1981	Table 1 of this standard has been revised through this Amendment to include the additional sizes of cadmium copper wire of 0.63 and 0.91 mm which are extensiively used by P & T Department and were not included in the earlier table.	1981-07-31
16.	IS : 2818 (Part I)—1971 Specification for Indian hessian Part I General (first revision)	S.O. 1549 dated 1973-06-02	No. 1 August 1981	Clause B-3.1, B.-3.3, B-5.1 and B-5.3 have been substituted by new ones.	1981-08-31
17.	IS : 3370 (Part II)—1965 Code of practice for concrete structures for the storage of liquids Part II Reinforced concrete structures	S.O. 4023 dated 1966-12-31	No. 2 August 1981	Clause 0.3 has been substituted by a new one	1981-08-31
18.	IS : 3452 (Part II)—1970 Specification for toggle switches Part II Toggle switches, Type I and Type II	S.O. 3544 dated 1971-09-25	No. 1 August 1981	Table 3 has been amended	1981-08-31
19.	IS : 3745—1978 Specification for yoke type valve connections for small medical gas cylinders (first revision)	S.O. 3171 dated 1980-11-15	No. 1 June 1981	New notes have been added after clauses 4, 5, and 6 respectively	1981-06-30
20.	IS : 3957—1966 Quality tolerances for water for ice manufacture	S.O. 1972 dated 1967-06-10	No. 1 April 1981	Table 2 has been amended	1981-04-30
21.	IS : 4084—1978 Specification for eyelets and washers (sail) (first revision)	—	No. 2 August 1981	(i) Tables 1, 2 and 3 have been amended (ii) Clauses 3.3, 3.4 and 3.5 have been added after clause 3.2	1981-08-31
22.	IS : 4357—1974 Methods for stability testing of fork lift trucks (first revision)	S.O. 1597 dated 1976-05-08	No. 1 April 1981	Clause 4.4.1 has been substituted by a new one	1981-04-30
23.	IS : 4381—1967 Specification for pathological microscope	S.O. 1719 dated 1968-05-18	*No. 1 Oct. 1980	(i) Clauses 1.3, 6.1.6. and 6.2.3 have been substituted by new ones. (ii) Clause 6.2.4 has been amended	1980-10-31
24.	IS : 4832 (Part I)—1969 Specification for chemical resistant mortars Part I Silicate type.	S.O. 918 dated 1970-03-07	No. 1 June 1981	(i) Clause 3.1 has been substituted by a new one. (ii) New matter has been added at the end of clause 5.1 (iii) Footnote with '*' mark has been added after footnote with '*' mark at page 5.	1981-06-30

*For purposes of ISI Certification Marks Schemes, this amendment shall come into force with effect from 1981-11-01.

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
25.	IS : 5204—1969 Specification for research microscope	S.O. 4848 dated 1969-12-06	*No. 2 September 1980	(i) Existing matter of clause 4.8.1 (a) to (d) has been substiiuted by a new one (ii) Clause 6.1.3 and 6.2.6 have been substiiuted by new ones. (iii) New notes have been added after clauses 4.8.2 and 6.1.1 respectively.	1980-09-30
26.	IS : 5247—1969 Specification for converted timer (coniferous) for packing cases, crates and light furniture.	S.O. 639 dated 1970-02-21	No. 2 August 1981	New matter has been added at the end of clause 4.1	1981-08-31
27.	IS : 5919—1978 Specification for machine bridge reamers (first revision)	S.O. 2862 dated 1981-10-17	No. 1 April 1981	(i) Clause 3.1 has been amended (ii) Existing figure under clause 2 has been substituted by a new one.	1981-04-30
28.	IS : 6598—1972 Specification for cellular concrete for thermal insulation.	S.O. 423 dated 1975-02-15	No. 1 Aug. 1981	Clauses 4.2 and 4.3 have been substituted by new ones.	1981-08-31
29.	IS : 6938—1973 Code of practice for design of rope drum and chain hoists for hydraulic gates.	S.O. 4690 dated 1975-11-01	No. 1 August 1981	Existing formula of clause 3.7.4 (c) (1) has been amended	1981-08-31
30.	IS : 6946—1973 Specification for flexible (pliable) non-metallic conduits for electrical installations.	S.O. 2557 dated 1975-08-09	†No. 1 June 1981	(i) Existing title at first cover page, pages 1 and 3 has been substituted by a new one. (ii) Clauses 1.1, 2.2 and 5.2.2 have been substituted by new ones. (iii) Tables 1 and 2 have been substituted by new ones.	1981-06-30
31.	IS : 7100—1973 Specification for hook, decapitation Jordine's pattern	—	No. 2 August 1981	(i) Existing title has been substituted by a new one. (ii) Clause 1 has been amended. (iii) Caption of Fig. 1 has been substituted by a new one.	1981-08-31
32.	IS : 7193—1974 Specification for glass fibre base coal tar pitch and bitumen felts.	S.O. 776 dated 1976-02-21	No. 1 March 1981	(i) Clause 1.1 has been substituted by a new one. (ii) Clause 5.1 has been amended.	1981-03-31
33.	IS : 7370—1974 Specification for razors, safety	S.O. 3494 dated 1976-10-02	No. 3 May 1981	(i) Clause 4.1 has been amended (ii) Clause 4.4 has been substituted by a new one.	1981-05-31
34.	IS : 7404 (Part II)—1974 Specification for paper covered copper conductors Part II Rectangular conductors.	S.O. 2858 dated 1976-08-07	No. 2 July 1981	Table 2 has been substituted by a new one.	1981-07-31
33.	IS : 7458—1974 Specification for spray lance for manually operated sprayer.	S.O. 1597 dated 1976-05-08	No. 2 April 1981	Clause 6.3 has been amended	1981-04-30
36.	IS : 7587 (Part IV)—1975 Specification for cage suspension gear for winding in mines Part IV Bridle chains.	S.O. 1892 dated 1977-06-11	No. 1 October 1980	Caption of tables 4 and 5 have been substituted by new ones.	1980-10-31

*For purposes of ISI Certification Marks Scheme; this amendment shall come into force with effect from 1981-11-01.

†For purposes of ISI Certification Marks Scheme; this amendments shall come into force with effect from 1981-12-01.

(1) (2)	(3)	(4)	(5)	(6)
37. IS : 7652—1975 Specification for sphygmomanometer, aneroid type.	S.O. 2547 dated 1977-08-13.	No. 3 March 1981	(i) Clause 4.4.2 has been substituted by a new one (ii) New clause 9 has been added after clause 8.	1981-03-31
38. IS : 7897—1975 Test code for chaff cutter.	S.O. 1596 dated 1979-05-19.	No. 1 August 1981	Clauses 9.1.5.1(b) and 10(a) have been amended.	1981-08-31
39. IS : 8074—1976 Specification for monocrotophos water soluble concentrates.	S.O. 2505 dated 1979-07-21	No. 2 August 1981	(i) Clause 2.3.1 has been substituted by a new one (ii) Clauses 2.3.1.2 and A-1.2 have been added after clauses 2.3.1.1 and A-1.1 respectively.	1981-08-31
40. IS : 8473—1977 Specification for link bars used in mines.	S.O. 1606 dated 1980-06-14	*No. 1 October 1980	(i) (Page 3, clause 9.2.2) – Delete and re-number 9.2.3 and 9.2.4 as 9.2.2 and 9.2.3 respectively. (ii) Clauses 9.2.3. (renumered as 9.2.2) and 9.5.1 have been substituted by new ones. (iii) Table 2 has been substituted by a new one (iv) (Page 6, clause 9.10)—Delete.	1980-10-31
41. IS : 8801—1978 Specification for male stud coupling body for oil-hydraulic couplings.	S.O. 2001 dated 1981-07-25	No. 1 August 1981	Table 1 has been amended	191-08-31
42. IS : 8805 (Part I)—1978 General requirements for ferrule type couplings used in oil-hydraulic systems Part I General.	S.O. 1728 dated 1981-06-13	No. 1 April 1981	A new note 3 has been added after note 2 under table 5	1981-04-30

*For purposes of ISI Certification Marks Scheme; this amendment shall come into force with effect from 1981-11-01.

Copies of these Amendments are available for sale with the Indian Standards Institution, Manak Bhawan, 9 Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110002 and also from its branch offices at Ahmedabad, Bombay, Bangalore, Bhopal, Bhubaneswar, Calcutta, Chandigarh, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Madras, Patna and Trivandrum.

[No. CMD/13 : 5]

का. आ. 10.0—भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिन्ह) विनियम विनियमावली 1955 के नियम 3 के उपनियम (2) तथा विनियम 3 के उप-विनियम (2) और (3) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि जिन भारतीय मानकों के ब्यौरे नीचे अनुसूची में दिए गए हैं वे 1982-01-31 को निर्धारित किए गये हैं।

अनुसूची

क्रम संख्या	निर्धारित भारतीय मानक की पद संख्या और शीर्षक	नये भारतीय मानक द्वारा रद्द किए गए भारतीय मानक की पद संख्या और शीर्षक	अन्य विवरण
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	IS : 374—1979 बिजली के छत के पंखों और रेग्युलेटरों की विशिष्टि (तृतीय पुनरीक्षण)	IS 374—1966 बिजली के छत के पंखों और रेगुलेटरों की विशिष्टि (द्वितीय पुनरीक्षण)	1980-03-31 को निर्धारित
2.	IS : 408—1981 ग्रीज संख्या डी, ग्रैफाइटेड, की विशिष्टि (द्वितीय पुनरीक्षण)	IS : 408—1973 ग्रीज "ए" संख्या डी ग्रैफाइटेड की विशिष्टि (प्रथम पुनरीक्षण)	—
3.	IS : 422—1981 बर्तनों के निर्माण के लिए पीतल की चद्दर और पत्तियों की विशिष्टि (द्वितीय पुनरीक्षण)	IS : 422—1967 बर्तनों के निर्माण के लिए पीतल की चद्दर और पत्तियों की विशिष्टि (प्रथम पुनरीक्षण)	*भारतीय मानक संस्था प्रमाणन चिह्न योजना के प्रयोजनों के लिए IS : 422—1981 1982-04-30 से लागू होगा।
4.	*IS : 493(भाग 1)—1981 सामान्य उपयोग के मशीनी एवं नकुआ तेलों का विशिष्टि भाग 1 तेल मशीनी तेल (प्रथम पुनरीक्षण)	IS : 493—1958 मशीनी एवं नकुओं तेलों का विशिष्टि	*भारतीय मानक संस्था प्रमाणन चिन्ह योजना के प्रयोजनों के लिए IS : 493 (भाग 1)—1981 1982-07-01 से लागू होगा

(1)	(2)	(3)	(4)
5.	*IS 493 (भाग 2)—1981 सामान्य उपयोग के मशीनी एवं तकुआ तेलों की विशिष्टि भाग 2 तकुआ तेल (प्रथम पुनरीक्षण)	IS : 493—1958 मशीनी एवं तकुआ तेलों की विशिष्टि	*भारतीय मानक संस्था प्रमाणन चिह्न योजना के प्रयोजनों के लिए IS : 493 (भाग 2)—1981 IS : 1982-07-01 से लागू होगा ।
6.	IS : 508—1981 ग्रीज ग्रैफाइटेड की विशिष्टि (तृतीय पुनरीक्षण)	IS : 508—1973 ग्रीज ग्रैफाइटेड की विशिष्टि (द्वितीय पुनरीक्षण)	—
7.	IS : 594—1981 मछली साफ करने के लिए सामान्य नमक की विशिष्टि (द्वितीय पुनरीक्षण)	IS : 594—1962 मछली साफ करने के लिए सामान्य नमक की विशिष्टि (संशोधित)	—
8.	IS : 937—1981 आग बुझाने के काम के लिए जल फिटिंग के वास्ते वाशरों की विशिष्टि (द्वितीय पुनरीक्षण)	IS : 937—1965 आग बुझाने के काम के लिए जल फिटिंग के वास्ते वाशरों की विशिष्टि (संशोधित)	—
9.	IS : 1101—1981 हैंडलूम के सूती सेल्युलर शर्टिंग की विशिष्टि (पहु. पुन)	IS : 1101—1957 हैंडलूम के सूती सेल्युलर शर्टिंग विरंजित या रंगीन की विशिष्टि	—
10.	IS : 1175—1981 श्वेत अभ्रक के पिडों पतले टुकड़ों और शिल्लियों के गुणता निर्धारण और वर्गीकरण की विधियाँ (पहु. पुन)	IS : 1175—1957 श्वेत अभ्रक के पिडों पतले टुकड़ों और शिल्लियों के गुणता निर्धारण और वर्गीकरण की विधियाँ	1981-10-31 को निर्धारित
11.	IS : 1243—1981 हैंडलूम के सूती कोट के कपड़े की विशिष्टि (पहु. पुन)	IS : 1243—1958 हैंडलूम के सूती कोट के कपड़े विरंजित रंगीन धारीधार या चैक की विशिष्टि	—
12.	IS 1373—1981 कलईदार मृदु इस्पात के दूध के डिब्बों की विशिष्टि (तृतीय पुनरीक्षण)	IS : 1373—1967 कलईदार मृदु इस्पात के दूध के डिब्बों की विशिष्टि (द्वितीय पुनरीक्षण)	—
13.	IS : 1406—1981 तरल पदार्थों के लिए आयसाकार टीनों की विशिष्टि (तृतीय पुनरीक्षण)	IS : 1406—1971 तरल पदार्थों के लिए आयताकार टीनों की विशिष्टि (द्वितीय पुनरीक्षण)	—
14.	IS : 1419—1981 जहाज के पेंदे और ढांचे के लिए दुर्गन्धरोधक पेट ब्रश वाले, की विशिष्टि (पहु. पुन)	IS : 1419—1959 जहाज के पेंदे और पेट के लिए जलकीटरोधक पेंट ब्रुशवाले लाल ऑक्साइड या काले अभीष्ट रंग के की विशिष्टि	—
15.	*IS : 1520—1980 साफ ठंडे ताजा पानी के लिए क्षैतिज उपकेन्द्रीय पम्पों की विशिष्टि (द्वितीय पुन.)	IS : 1520—1972 साफ ठंडे ताजा पानी के लिए क्षैतिज उपकेन्द्रीय पम्पो की विशिष्टि (पहला पुन.)	1980-09-30 को निर्धारित *भारतीय मानक संस्था प्रमाणन चिह्न योजना के प्रयोजनों के लिए IS : 1520—1980 1982-05-16 से लागू होगा ।
16.	IS : 1530—1981 बनात के कपड़े की विशिष्टि (द्वितीय पुनरीक्षण)	IS : 1530—1972 बनात के कपड़े की विशिष्टि (पहला पुन.)	—
17.	IS : 1885 (भाग 2)-(अनुभाग 2)—1981 विद्युत तकनीकी शब्दावली भाग 2 ऑकड़ा सामग्री प्रक्रमण 2 परिचालन तकनीक, और सुविधाएं	—	—
18.	IS : 1885 (भाग 4)—1981 विद्युत तकनीकी शब्दावली भाग 4 बिजली के पंखे		
19.	IS : 2029—1981 छल्ला रिवों (पाना) की विशिष्टि (द्वितीय पुनरीक्षण)	IS : 2029—1971 छल्ला पाना रिवों की विशिष्टि (प्रथम पुन.)	—
20.	IS : 2032 (भाग 25)—1980 विद्युत प्रौद्योगिकी में प्रयुक्त लेखाचित्रीय भाग 25 जहाजों में बिजली लगाना	—	—

(1)	(2)	(3)	(4)
21.	IS : 2121 (भाग I)—1981 शिरोपरि पावर लाइनों के लिए चालकों और भूयोजन तार उपस्करों की विशिष्टि भाग 1 चालकों के लिए कवच छड़ें बाँधने के तार और फीते (प्रथम पुन)	IS : 2121—1962 शिरोपरि पावर लाइनों के लिए एलुमिनियम और इस्पात कोरयुक्त एलुमिनियम चालकों की फिटिंग के लिए विशिष्टि	1981-08-31 को निर्धारित *भारतीय मानक संस्था प्रमाणन चिह्न योजना के प्रयोजनों के लिए IS : 2121 (भाग 1)—1981 1983-01-01 से लागू होगा।
22.	*IS : 2121 (भाग 2)—1981 शिरोपरि पावर लाइनों के लिए चालकों और भूयोजन तार उपस्करों की विशिष्टि भाग 2 चालकों के लिए पाटमध्य जोड़ और मरम्मत पत्तियाँ (प्रथम पुन)	IS : 2121—1962 शिरोपरि पावर लाइनों के एलुमिनियम और इस्पात कोर युक्त एलुमिनियम चालकों की फिटिंग के लिए विशिष्टि	1981-08-31 को निर्धारित *भारतीय मानक संस्था प्रमाणन चिह्न योजना के प्रयोजनों लिए IS: 2121 (भाग 2)—1981 1983-01-01 से लागू होगा।
23.	*IS : 2141—1979 जस्ती रोक लड़ों की विशिष्टि (द्वितीय पुन)	IS : 2141—1966 जस्ती स्थाप वलयक की विशिष्टि (पहला पुन)	1980-06-30 को निर्धारित *भारतीय मानक संस्था प्रमाणन चिह्न योजना के प्रयोजनों के लिए IS : 2141—1979 1982-06-15 से लागू होगा।
24.	IS : 2479—1981 सामान्य इंजीनियरी कार्यों के लिए एल्युमिनियम और एल्युमिनियम मिश्रित धातुओं की पहचान के वास्ते रंग संहिता (द्वितीय पुनरीक्षण)	IS : 2479—1969 सामान्य इंजीनियरी कार्यों के लिए एलुमिनियम और एल्युमिनियम मिश्रित धातुओं की पहचान के वास्ते रंग संहिता	
25.	*IS : 3168—1981 गहरे कर्षण के लिए पीतल की पत्ती और पन्नी की विशिष्टि (प्रथम पुनरीक्षण)	IS : 3168—1965 गहरे आरेखन के लिए पीतल की पत्ती और पन्नी की विशिष्टि	*भारतीय मानक संस्था प्रमाणन चिह्न योजना के प्रयोजनों के लिए IS : 3168—1981 1982-04-30 से लागू होगा।
26.	*IS : 3224—1979 तरलित पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) सिलिन्डरों को छोड़कर सम्पीड़ित गैस सिलिंडरों के लिए वाल्व फिटिंग की विशिष्टि (द्वितीय पुनरीक्षण)	IS : 3224—1971 सम्पीड़ित गैस सिलिंडरों के लिए वाल्व फिटिंग की विशिष्टि (प्रथम पुनरीक्षण)	1980-09-30 को निर्धारित *भारतीय मानक संस्था प्रमाणन चिह्न योजना के प्रयोजनों के लिए IS : 3224—1979 1982-01-01 से लागू होगा।
27.	IS : 3541—1981 23.3 और इससे भी कम कैरट के सोना मिश्रित धातुओं के निर्माण के लिए रीति संहिता (प्रथम पुनरीक्षण)	IS : 3541—1966, 14 और इससे भी कम कैरट के सोना मिश्रित धातुओं के निर्माण के लिए व्यवहार संहिता	—
28.	IS : 3965—1981 पिटेवा एलुमिनियम और एलुमिनियम मिश्रित धातुओं के छड़ सरीया और सेक्शन के परिमाप (पहला पुन)	IS : 3965—1969 पिटे एलुमिनियम और एलुमिनियम मिश्रित धातुओं, छड़, शलाख और टुकड़े का परिमाप	1981-10-31 को निर्धारित
29.	IS : 4167—1980 वायुप्रदूषण संबंधी तकनीकी शब्दावली (प्रथम पुनरीक्षण)	IS : 4167—1966 वायु प्रदूषण संबंधी तकनीकी शब्दावली	—
30.	IS : 4227—1981 ऐरोस्पेस उपयोग के लिए नाइलोन के गुथे हुए रस्सों की विशिष्टि (प्रथम पुनरीक्षण)	IS : 4227—1967 वैमानिक कार्यों के लिए गुथे हुए नाइलोन के रस्से की विशिष्टि	—
31.	IS : 4918—1981 सख्त धातु (कार्बाइड) के तार, छड़ और नली खींचने की डाइयों की विशिष्टि (पह. पुन)	IS : 4918—1968 सख्त धातु के तार खींचने की डाइयों की विशिष्टि	
32.	IS : 5000 (ओड़ी 31) 1981 अर्ध चालक युक्तियों के परिमाप, युक्ति रूपरेखा ओड़ी 31		—
33.	IS : 5546—1981 स्वचल गाड़ियों के लिए विवरण टोपियों और घूर्णक भुजाओं की विशिष्टि (प्रथम पुन)	IS : 5546—1970 स्वचल गाड़ियों के लिए विवरण टोपियों की विशिष्टि	—

(1)	(2)	(3)	(4)
34.	IS 5771—1981 मध्य प्रहार करने वाले, टंग्स्टन कार्बाइड के नोकवाले कोयला काटने के औजारों के विशिष्टि (प्रथम पुनरीक्षण)	IS : 5771—1970 मध्य प्रहार करने वाले, टंग्स्टन कार्बाइड के नोकवाले कोयला काटने के औजारों की विशिष्टि	—
35.	IS : 5815 (भाग 6)—1981 मछली पकड़ने के साजसामान की जांच विधियां, भाग 6 पानी में डूबने के बाद जाल के धागों की लम्बाई में परिवर्तन का निर्धारण	—	—
36.	IS*: 5977—1981 स्वचल गाड़ी डी. सी. जेनरेटरों (डायनेमो) के लिए रेग्युलेटरों की विशिष्टि (प्रथम पुनरीक्षण)	IS : 5977—1971 स्वचल गाड़ी डी सी जेनरेटरों (डायनेमो) के लिए रेग्युलेटरों की विशिष्टि	1981-12-31 को निर्धारित *भारतीय मानक संस्था प्रमाणन चिह्न योजना के प्रयोजनों के लिए IS : 5977—1981 1982-08-01 से लागू होगा
37.	IS*: 6135—1981 सोडा एश, संगलित तकनीकी की विशिष्टि (प्रथम पुनरीक्षण)	IS : 6135—1971 सोडा एश, संगलित, तकनीकी की विशिष्टि	*भारतीय मानक संस्था प्रमाणन चिह्न योजना के प्रयोजनों के लिए IS : 6135—1981 1982-07-01 से लागू होगा
38.	IS : 6349—1981 एरो स्पेस में उपयोग के लिए नाइलोन के नालिकाकार फीते की विशिष्टि (प्रथम पुनरीक्षण)	IS : 6349—1971 नलिकाकार बुने नाइलोन के फीते की विशिष्टि	—
39.	IS : 6694—1981 पुनः पिघलाने के लिए मैगनीशियम पिंडों की विशिष्टि	IS : 6694—1972 पुनः पिघलाने के लिए मैगनीशियम पिंडों (99.9 प्रतिशत) की विशिष्टि	—
40.	IS : 7016 (भाग 10) 1981 लेपित और उपचारित वस्त्रों की जांच विधि भाग 10 स्थूल तापमान मोड़ विधि	—	—
41.	IS : 7096—1981 धात्विक पदार्थों की कठोरता वीक्षण यंत्र द्वारा कठोरता की जांच विधि (प्रथम पुनरीक्षण)	IS : 7096—1973 धात्विक पदार्थों के लिए टेक कठोरता जांच विधि	1981-10-31 को निर्धारित
42.	IS : 8122 (भाग 2)—1981 संयुक्त हार्वेस्टर थ्रेशर के लिए जांच संहिता भाग 2 निष्पादन जांच	—	—
43.	IS : 8156—1981 कीलकों, हुक और लूप टेप, कृत्रिम की विशिष्टि (प्रथम पुनरीक्षण)	IS : 8156—1976 कीलक हुक और लूप टेप, कृत्रिम की विशिष्टि	—
44.	IS : 9178 (भाग 3)—1980 प्रभूत पदार्थों के भंडारण के लिए इस्पात की धानियों के डिजाइन के निकष भाग 3 प्रवाह द्रव्यमान और कोष प्रवाह के लिए अभिकल्पित धानियां	—	—
45.	IS : 9729—1981 डिस्क रिकार्ड बजाने वाले उपकरण पर मापन की विधि	—	—
46.	IS : 9825—1981 क्लोरीन की गोलियों की विशिष्टि	—	1981-09-30 को निर्धारित
47.	IS : 9843—1981 बंडल बनाने के लिए आसंजकों के इस्तेमाल के वास्ते रीति संहिता	—	—
48.	IS : 9846—1981 बिना कटे भारतीय मेस्टाका श्रेणीकरण	—	—
49.	IS : 9850—1981 मिथायल आइसो ब्यूटिल कीटोन की विशिष्टि	—	—
50.	IS : 9851—1981 आइसो प्रोपिल ईथर की विशिष्टि	—	—
51.	IS : 9852—1981 केप्स्टन की सामान्य अपेक्षाएं और जांच	—	—
52.	IS : 9873 (भाग 3)—1981 खिलौने की सुरक्षा अपेक्षाएं भाग 3, ज्वलनशीलता संबंधी अपेक्षाएं	—	—

(1)	(2)	(3)	(4)
53.	IS : 9887—1981 अविशिष्ठ श्रवण जांच के लिए मार्गदर्शन	—	—
54.	IS : 9891 (भाग 3)—1981 मुद्रित तार बोर्ड और रोधित बोर्ड के लिए किनारा योजनो (254 मिमी सम्पर्क डाल की विशिष्टि भाग 3 अधुवित प्लग टाइप 9891 : IS : 20-11/25/33-1-1 ए-0.75	—	—
55.	IS : 9891 (भाग 4)—1981 मुद्रित तार बोर्ड और रोधित बोर्ड के लिए किनारा योजकों (2.54 मिमी सम्पर्क डाल) की विशिष्टि, भाग 4 अधुवित सर्किट टाइप 9891 : 03-11/25/33 डब्ल्यू/ए/बी-0.75	--	--
56.	IS : 9896—1981 पोलीओलेफिन रेशों तथा अन्य रेशों के मिश्रणों के मात्रात्मक रासायनिक विश्लेषण की विधियां	—	—
57.	IS : 9929—1981 ग्रेफाइट भूपाओं के ज.वन निर्धारण की विधियां	—	--
58.	IS : 9930—1981 कांच की भट्टी में उपयोग के लिए जर्कन वर्तक	—	—
59.	IS : 9937—1981 उठाऊ मेग्नेमोमीटर वैद्युत प्रकार की विशिष्टि	—	—
60.	IS : 9940—1981 दांतों के माडलों के लिए विद्युतचालित कर्तको की विशिष्टि	--	—
61.	IS : 9949—1981 कोयला और तत्सम्बद्ध खनिजों के अपघर्षण गुणों की जांच विधियां	—	—
62.	IS : 9951—1981 नेलसन प्रतिरूप के कुन्द नाकेवाले के पिन्नों की विशिष्टि	—	—
63.	IS : 9959—1981 धमन भट्टियों में लोहा बनाने के लिए लौह अयस्क सिन्टरों के वास्ते मार्गदर्शन	—	—
64.	IS : 9969—1981 एल्युमिन स्को की पारिभाषिक शब्दावली	—	—
65.	IS : 9970—1981 डाइकेल्सियम फास्फेट, खाद्य ग्रेड की विशिष्टि	—	—
66.	IS : 9980—1981 पावर चालित कर्षकों के क्षेत्र निष्पादन मूल्यांकन के लिए मार्गदर्शन	—	—
67	IS : 9981—1981 कृषि उपज परिष्करण उपकरण संबंधी शब्दावली	—	—
68.	IS : 9986—1981 बेन्जालकोनियम क्लोराइड, तकनीकी की विशिष्टि	—	—
69.	IS : 9990—1981 टेरी टेक्नोलाजी में रखरखाव सम्बन्धी शब्दावली	—	—
70.	IS : 9997—1981 बिजली के कामों के लिए एलुमिनियम मिश्रधातु का पुनःकर्षण छड़ें	—	—
71.	IS : 10009—1981 भेदक और धारक रेजर ब्लेड बैराकर नमें की विशिष्टि		
72.	IS : 10015 (भाग 2)—1981 वस्त्रों के साइजों का अभिधान भाग 2 पुरुषों और लड़कों के बाह्य परिधान	—	—

इन भारतीय मानकों की प्रतियां भारतीय मानक संस्था, मानक भवन, 9 बहादुरशाह जफर मार्ग, नई दिल्ली 110002 में तथा अहमदाबाद, बम्बई, बंगलौर, भोपाल, भुवनेश्वर, कलकत्ता चंडीगढ़, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, मद्रास, पटना, तिरुअनन्तपुरम स्थित उनके शाखा कार्यालयों में बिक्रयार्थ उपलब्ध है।

[सं० सी एम डी/13 :2]

S.O. 1020—In pursuance of sub-rule (2) of Rule 3 and Sub-regulations (2) and (3) of regulation 3 of Indian Stnadards Institution (Certification Marks) Rules and Regulations, 1955, the Indian Standards Institution hereby notifies that the Indian Standard(s), particulars of which are given in the Schedule hereto annexed, have been established on 1982-01-31.

SCHEDULE

Sl. No.	No. and Title of the Indian Standards Established	No. and Title of the Indian Standard or Standards, if any, superseded by the new Indian Standard	Remarks, if any
1	2	3	4
1.	IS:374—1979 Specification for electric ceiling type fans and regulators (third revision)	IS:374—1966 Specification for electric ceiling type fans and regulators (second revision)	Established on 1980-03-31.
2.	IS:408—1981 Specification for grease No. 0, graphited (second revision)	IS:408—1973 Specification for grease A No. 0, graphited (first revision)	—
3.	*IS:422—1981 Specification for brass sheet and strip for the manufacture of utensils (second revision)	IS:422—1967 Specification for brass sheet and strip for the manufacture of utensils (first revision)	*For purposes of ISI Certification Marks Scheme IS:422—1981 shall come into force with effect from 1982-04-30
4.	*IS:493 (Part I)—1981 Specification for general purpose machinery and spindle oils part I machinery oils (first revision)	IS:493—1958 Specification for machinery and spindle oils	*For purposes of ISI Certification Marks Scheme, IS:493 (Part I)—1981 shall come into force with effect from 1982-07-01.
5.	* IS:493 (Part II)—1981 Specification for general purpose machinery and spindle oils : Part II Spindle oils (first revision)	IS:493—1958 Specification for machinery and spindle oils	*For purposes of ISI Certification Marks Scheme; IS:493 (Part II) 1981 shall come into force with effect from 1982-07-01.
6.	IS:508—1981 Specification for grease, graphited (third revision)	IS:508—1973 Specification for grease, graphited (second revision)	—
7.	IS:594—1981 Specification for common salt for fish curing (second revision)	IS:594—1962 Specification for common salt for fish curing (revised)	— —
8.	IS:937—1981 Specification for washers for water fittings for fire fighting purposes (second revision)	IS:937—1965 Specification for washers for water fittings for fire fighting purposes (revised)	—
9.	IS : 1101—1981 Specification for handloom cotton cellular shirting (first revision)	IS:1101—1957 Specification for handloom cotton cellular shirting, bleached or dyed	—
10.	IS:1175—1981 Methods for grading and classification of muscovite mica blocks, thins and films (first revision)	IS : 1175—1957 Methods for grading and classification of muscovite mica blocks, thin and films	Established on 1981-10-31.
11.	IS:1243—1981 Specification for handloom cotton coating (first revision)	IS : 1243—1958 Specification for handloom cotton coating, bleached, dyed, striped or checked	—
12.	IS:1373—1981 Specification for tinned mild steel milk cans (third revision)	IS:1373—1967 Specification for tinned mild steel milk cans (second revision)	—
13.	IS:1406—1981 Specification for rectangular tins for liquids (third revision)	IS:1406—1971 Specification for rectangular tins for liquids (second revision)	—
14.	IS:1419—1981 Specification for antifouling paint, brushing, for ship's bottom and hulls (first revision)	IS:1419—1959 Specification for anti-fouling paint, brushing, for ships bottoms and hulls, red, chocolate or black, as required.	—
15.	*IS:1520—1980 Specification for horizontal centrifugal pumps for clear, cold, fresh water (second revision)	IS:1520—1972 Specification for horizontal centrifugal pumps for clear, cold, fresh water (first revision)	Established on 1980-09-30 *For purposes of ISI Certification Marks Scheme; IS:1520—1980 shall come into force with effect from 1982-05-16
16.	IS:1530—1981 Specification for baize cloth (second revision)	IS:1530—1972 Specification for cloth, baize (first revision)	—

1	2	3	
17.	IS:1885 (Part LII/Sec II)—1981 Electrotechnical vocabulary Part LII data processing Section 11 Operating Techniques and facilities	—	—
18.	IS:1885 (Part LV)—1981 Electrotechnical vocabulary Part LV electric fans	—	—
19.	IS:2029—1981 Specification for ring wrenches (spanners) (second revision)	IS:2029—1971 Specification for ring spanners (first revision)	—
20.	IS:2032 (Part XXV)—1980 Graphical symbols used in electrotechnology Part XXV electrical installations in ships	—	—
21.	*IS:2121 (Part I)—1981 Specification for conductors and earth wire accessories for overhead power lines Part I armour rods, binding wires and tapes for conductors (first revision)	IS:2121—1962 Specification for fittings for aluminium and steel cored aluminium conductors for overhead power lines	Established on 1981-08-31 *For purposes of ISI Certification Marks Scheme, IS:2121 (Part I)—1981 shall come into force with effect from 1983-01-01
22.	*IS:2121 (Part II)—1981 Specification for conductors and earth wire accessories for overhead power lines Part II mid-span joints and repair sleeves for conductors (first revision)	IS:2121—1962 Specification for fittings for aluminium and steel cored aluminium conductors for overhead power lines	Established on 1981-08-31 *For purposes of ISI Certification Mark Scheme, IS:2121 (Part II)—1981 shall come into force with effect from 1983-01-01
23.	*IS:2141—1979 Specification for galvanized stay strand (second revision)	IS:2141—1968 Specification for galvanized stay strand (revision)	Established on 1980-06-30 *For purposes of ISI Certification Marks Scheme, IS:2141—1979 shall come into force with effect from 1982-06-16
24.	IS:2479—1981 Colour code for identification of aluminium and aluminium alloys for general engineering purposes (second revision)	IS:2479—1969 Colour code for identifications of aluminium and aluminium alloys for general engineering purposes (first revision)	
25.	*IS:3168—1981 Specification for brass strip and foil for deep drawing (first revision)	IS:3168—1965 Specification for brass strip and foil for deep drawing	*For purposes of ISI Certification Marks Scheme, IS:3168—1981 shall come into force with effect from 1982-04-30
26.	*IS:3224—1979 Specification for valve fittings for compressed gas cylinders excluding liquified petroleum gas (LPG) cylinders (second revision)	IS:3224—1971 Specification for valve fittings for compressed gas cylinders (first revision)	Established on 1980-09-30 *For purposes of ISI Certification Marks Scheme IS : 3224-1979 shall come into force with effect from 1982-01-01
27.	IS:3541—1981 Code of practice for manufacture of 23.3 and lower carat gold alloys (first revision)	IS:3541—1966 Code of practice for manufacture of 14 and lower carat gold alloys	—
28.	IS:3965—1981 Dimensions for wrought aluminium and aluminium alloys, bar, rod, and section (first revision)	IS:3965—1969 Dimensions for wrought aluminium and aluminium alloys, bar, rod and section	Established on 1981-10-31
29.	IS : 4167—1980 Glossary of terms relating to air pollution (first revision)	IS : 4167—1966 Glossary of terms relating to air pollution	Established on 1981-10-31
30.	IS:4227—1981 Specification for cord, nylon, braided for aerospace applications (first revision)	IS:4227—1967 Specification for braided nylon cord for aeronautical purposes	—
31.	IS:4918—1981 Specification for hard metal (carbide) wire, bar and tube drawing dies (first revision)	IS:4918—1968 Specification for hard metal wire drawing dies	—
32.	IS:5000(OD31)—1981 Dimensions of semiconductor devices device outline OD31	—	—
33.	IS:5546—1981 Specification for distribution caps and rotor arms for automobiles (first revision)	IS:5546—1970 1970 Specification for distributor caps for automobiles	—
34.	IS:5771—1981 Specification for coal cutting tools, point attack, tungsten carbide tipped (first revision)	IS:5771—1970 Specification for coal cutting tools, point attack, tungsten carbide tipped	—

1	2	3	4
35.	IS:5815—(Part VI)—1981 Methods of test for fishing gear materials Part VI determination of change in length of netting yarns after immersion in water	—	—
36.	*IS:5977—1981 Specification for regulators for automobile dc generators (Dynamos) (first revision)	IS:5977—1971 Specification for regulator for automobile dc generators (dynamos)	Established on 1981-12-31. *For purposes of ISI Certification Marks Scheme, IS : 5977—1981 shall come into force with effect from 1982-08-01.
37.	*IS:6135—1981 Specification for soda ash, fused, technical (first revision)	IS:6135—1971 Specification for soda ash, fused, technical	*For purposes of ISI Certification Marks Scheme IS:6135 - -1981 shall come into force with effect from 1982-07-01.
38.	IS:6349—1981 Specification for tape, nylon , tubular for aerospace applications (first revision)	IS:6349—1971 Specification for tubular woven nylon tape	—
39	IS : 6694—1981 Specification for magnesium ingots for remelting (first revision)	IS : 6694—1972 Specification for magnisium ingot (99.9 per cent) for remelting	—
40.	IS:7016 (Part X)—1981 Methods of test for coated and treated fabrics Part X low temperature bend test	—	—
41.	IS:7096—1981 Method for scleroscope hardness testing of metallic materials (first revision)	IS:7096—1973 Method for shore hardness test for metallic materials	Established on 1981-10-31.
42.	IS:8122 (Part II)—1981 Test code for combine-harvester-thresher Part II performance test	—	—
43.	IS:8156—1981 Specification for fasteners, hook and loop tape, synthetic (first revision)	IS:8156—1976 Specification for fastener, hook and loop tape, synthetic.	—
44.	IS:9178 (Part III)—1980 Criteria for design of steel bins for storage of bulk materials Part III bins designed for mass flow and funnel flow	—	—
45.	IS:9729—1981 Methods of measurement on disk record playing equipment	—	—
46.	IS:9825—1981 Specification for chlorine tablets		Established on 1981-09-30.
47.	IS:9843—1981 Code of practice for use of adhesives for packaging		—
48.	IS:9846—1981 Grading of uncut Indian mesta	—	—
49.	IS:9850—1981 Specification for methyl *iso*-butyl ketone	—	—
50.	IS:9851—1981 Specification for *iso*-propy lether	—	—
51.	IS:9852—1981 General requirements and testing of capstans	—	—
52.	IS:9873 (Part III)—1981 Safety requirements for toys Part III Flammability requirements	—	—
53.	IS:9887—1981 Guidance on subjective listening tests	—	—
54.	IS:9891 (Part III)—1981 Specification for edge connectors for printed wiring board and insulated board having contact pitch 2.54 mm Part III Non-polarised plug types 9891 IS:20-11/25/33-I-A-D. 75	—	—
55.	IS:9891 (Part IV)—1981 Specification for edge connectors for printed wiring board and insulated board having contact pitch 2.54 mm Part IV Non-polarised socket types 9891 IS-03-11/25/33-W/I-A/B-0.75		—
56.	IS:9896—1981 Methods for quantitative chemical analysis of mixtures of polyolefin fibres and other fibres	—	—

1	2	3	4
57.	IS:9929—1981 Methods for determining life or graphite crucibles	—	—
58.	IS:9930—1981 Specification for zircon refractories for glass furnace application	—	—
59.	IS:9937—1981 Specification for portable methanometer (electrical type)	—	—
60.	IS:9940—1981 Specification for trimmers, electrically operated, for dental models	—	—
61.	IS:9949—1981 Methods of test for abrasive properties of coal and associated minerals	—	—
62.	IS:9951—1981 Specification for scissors, blunt end, nelson pattern	—	—
63.	IS:9959—1981 Guidelines for iron ore sinters for iron making in blast furnaces	—	—
64.	IS:9969—1981 Alpine ski terminology	—	—
65.	IS:9970—1981 Specification for dicalcium phosphate, food grade	—	—
66.	IS:9980—1981 Guidelines for field performance evaluation of power tiller	—	—
67.	IS:9981—1981 Glossary of terms relating to agricultural produce processing equipment	—	—
68.	IS:9986—1981 Specification for benzaldehyde technical	—	—
69.	IS:9990—1981 Glossary of maintenance terms in terotechnology	—	—
70.	IS:9997—1981 Specification for aluminium alloy redraw rods for electrical purposes	—	—
71.	IS:10009—1981 Specification for breaker and holder, razor blade, Barraquers' pattern	—	—
72.	IS : 10015 (Part II)—1981 Size designation of clothes Part II men's and boy's outerwear garments	—	—

Copies of these Indian Standards are available for sale with the Indian Standards Institution, Manak Bhavan, 9 Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi 110002 and also from its branch offices at—Ahmedabad, Bombay, Bangalore, Bhopal, Bhubaneswar, Calcutta, Chandigarh, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Madras, Patna, Trivandrum.

[No. CMD/13 : 2]

का.आ. 1021 :—समय-समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम, 1955 के विनियम 8 के उपविनियम (1) के अनुसार अधिसूचित किया जाता है कि नीचे अनुसूची में विवरण सहित दिये गये 106 लाइसेंस मास दिसम्बर, 1981 में स्वीकृत किये गये और लाइसेंसधारियों को मानक चिह्न प्रयोग करने का अधिकार दिया गया :

अनुसूची

क्रम संख्या	लाइसेंस संख्या (सीएम एल–)	वैधता की तिथि से	वैधता की तिथि तक	लाइसेंसधारी का नाम एवं पता	लाइसेंस के अधीन वस्तु/प्रक्रिया एवं एवं तत्सम्बन्धी आई एस : पदनाम
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	सीएम/एल–10150 18 1981-12-02	81-12-01	82-11-30	गुड ल्क पाइप कं., दौलत सिंहवाला, जीरकपुर (जिला रोपड़)	आरसीसी पाइप, श्रेणी एन पी 2, आकार 225, 300 एवं 400 मिमी– IS : 458—1979
2.	सीएम/एल–10151 19 1981-12-02	81-12-16	82-12-15	जनता इंडस्ट्रीज, 187-3 एण्ड 4/10, पहली मंजिल कर्बला, मैदान, एम.जी. रोड, सिकन्दराबाद-500 003 (आं. प्र.)	गहरे कूपों में 100 मिमी और उससे अधिक (बोर साइज)— IS : 9301—1979
3	सीएम/एल–10152 20 1981-12-02	81-12-16	82-12-15	कपूर इलेक्ट्रानिक्स, सी-144, नारायणा इंडस्ट्रियल एरिया, फेज I नई दिल्ली-110 028.	शौचकुण्ड के लिये प्लास्टिक की सीट और ढक्कन, टाइप "ए"— IS : 2548—1967

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
4.	सीएम/एल-10153 21 1981-12-02	81-12-16	82-12-15	टेलर रबड़ इंडस्ट्रीज, 10 लेटिसब्रिज रोड, चिरुवनमियुर, मद्रास-600 041 (कार्यालय : 41 आर्मेनियन स्ट्रीट, मद्रास-600 001)	प्रेशर कुकर के लिए रबड़ के छल्ले—... IS: 7466—1974
5.	सीएम/एल-10154 22 1981-12-03	81-12-16	82-12-15	थी जवाहर मिल्स लि., 4, नेहरू नगरम्, सेलम-636005 (तमिलनाडु)	होजरी के लिये भूरे रंग का सूती धागा, IS: 834—1975
6.	सीएम/एल-10155 23 1981-12-03	81-12-16	82-12-15	पियरलाइट वायर प्रोडक्ट्स लि., पथिरापल्ली, एल्लेपी (केरल) (कार्यालय : XXXV/360-1 एम.जी. रोड कोचीन-682 016 (केरल)	कर्षण कार्यों के लिये खड़ों वाले इस्पात के गोल तार के रस्से— IS: 1856—1977.
7.	सीएम/एल-10156 24 1981-12-03	81-12-01	82-11-30	सहोता सीमेन्ट पाइप वर्क्स, ग्राम एवं डाकघर सेला खुर्द, (होशियारपुर)	आर सी सी पाइप श्रेणी एन पी 2, आकार 150, 255 एवं 300 मिमी IS : 458-1971
8.	सीएम/एल-10157 25 1981-12-03	81-12-16	82-12-16	रेडियो एण्ड इलैक्ट्रिकल्स लि., नं. 11, विक्टोरिया क्रिसेन्ट रोड, मद्रास-600 008 (कार्यालय : नं. 96, बेसिल रोड, विरुवोट्टियुर, मद्रास-6000 19)	11 किवा/433 वी, 100 एवं 250 किवाए तीन-फेजी विद्युत ट्रांसफार्मर, IS: 2026-(भाग-1)-1977
9.	सीएम/एल-10158 26 1981-12-03	81-12-16	82-12-15	पी बी एस इंडस्ट्रीज, 457-ए, अमरावती, हास्पेट-583 201 (कर्नाटक) (कार्यालय : 3/1, के आर रोड, अमरावती हास्पेट-583 201)	मोनोक्रोटोफॉस डब्ल्यू एस पी—. IS: 8074-1976
10.	सीएम/एल-10159 27 1981-12-03	81-12-16	82-12-15	इंडियन सर्जिकल मैन्युफैक्चरिंग कं., एस. बी. चन्दुरकर का बंगला, बान्द्रा रोड, अमरावती (महाराष्ट्र) (कार्यालय : कमरा नं. 2, पहली मंजिल, महाराष्ट्र लाज बिल्डिंग, बापत चौक, अमरावती)	हथकरघा पर बनी सूती जाली, अवशोषक— IS : 758—1975
11.	सीएम/एल-10160 20 1981-12-04	81-12-16	82-12-15	बेक्स एण्ड बेक्स, डाकघर जयनगर, जिला मधुबनी (बिहार)	पैराफिन मोम, टाइप 3— IS:- 4654—1974
12.	सीएम/एल-10161 21 1981-12-04	81-12-16	82-12-15	सुपर इंडस्ट्रीज, सी-1/289, जी आई डी सी इस्टेट, नरोदा-382330 अहमदाबाद (गुजरात)	एण्डोसल्फान, ईसी— IS : 4323—1967
13.	सीएम/एल-10162 22 1981-12-09	81-12-16	82-12-15	ए.पी. स्टेट एग्रो इंडस्ट्रीज डेवलपमेंट कार्पोरेशन लि., पेस्टीसाइड्स फार्मुलेशन यूनिट, स्टेशन रोड, ज्ञान्यानगर, डाकघर के सामने कर्नूल (आ.प्र.) कार्यालय : एग्रो भवन, 10-2-3, ए.सी. गार्डेस, हैदराबाद-500 004)	कार्बोरिल, डी पी— IS : 7122—1973
14.	सीएम/एल-10163 23 1981-12-09	81-12-01	82-11-30	मोरवाटर पाइप्स लि., ए-68, सिकन्दराबाद इंडस्ट्रियल एरिया, सिकन्दराबाद (उ.प्र.)	4 किग्राम बल/सेमी² और 6 किग्राम बल/सेमी² के पेयजल पूर्ति के लिये अनम्यकृत पी वी सी पाइप आकार 110 मिमी से 180 मिमी श्रेणी— IS : 4985—1968

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
15.	सीएम/एल—10164 24 1981-12-09	81-12-16	82-12-15	भारत पल्वराइजिंग मिल्स प्रा. लि., रुवापाड़ी रोड, भावनगर (गुजरात)— (गुजरात)—364 001	एण्डोसल्फान, डी पी IS : 4322—1967
16	सीएम/एल—10165 25 1981-11-10	81-12-16	82-12-30	कील पेस्टीसाइड्स (प्रा.) लि., साउथ वझाकुलम डाकघर, द्वारा मालवई एर्नाकुलम जिला, (कार्यालय : टावर हाउस, एम.जी. रोड, एर्नाकुलम, कोचीन-682 011)	बी एच सी (एच सी एच) डी पी— IS : 563—1978
17.	सीएम/एल—10166 26 1981-12-10	81-04-01	82-03-31,	साठे बिस्कुट एण्ड चाकलेट कं. लि., एस. नं. 44/45, धनोरी, पुना आलन्दी पूणे-411 105 (महाराष्ट्र) (कार्यालय : 820, भवानी पीठ पुणे-422 002)	पेय चाकलेट— IS : 6762—1979
18.	सीएम/एल—10167 27 1981-12-10	81-12-16	82-12-15	ईस्टर्न ट्रेडर्स, 19ए/39, सील लेन, कलकत्ता-700 015 (पश्चिमी बंगाल) (कार्यालय : 44 एजरा स्ट्रीट, कलकत्ता-700 001)	रंग से बनी फाउंटेन पेन की स्याही केवल रायल नीली— IS : 1221—1971
19.	सीएम/एल—10168 28 1981-12-10	81-12-16	82-12-15	ईस्टर्न बिस्कुट कं. प्रा. लि. लेनिन सरनी, दुर्गापुर-713 210 (पं. बंगाल)	बिस्कुट किस्म : केवल ग्लुकोज IS : 1011—1968
20.	सीएम/एल-10169 29 1981-12-10	81-12-16	82-12-15	नेशनल जूट मैन्युफैक्चरिंग कार्पोरेशन लि. (यूनिट : एलेक्जेण्डर) जगतदल, 24 परगना (पं. बंगाल) (कार्यालय : चार्टर्ड बैंक बिल्डिंग, कलकत्ता)	ए-ट्वील पटसन के बोरे— IS : 1011—1968
21.	सीएम/एल—10170 22 1981-12-10	81-12-16	82-12-15	डेम्पो डेरी इंडस्ट्रीज लि., आसंगी, जमखण्डी तालुक, बीजापुर जिला (कर्नाटक) (कार्यालय : 20 साँके रोड, पैलेस लोअर आंकार्ड बंगलोर-560 003 (कर्नाटक)	शिशु दुग्ध, आहार— IS : 1547—3968
22.	सीएम/एल—10171 23 1981-12-10	81—12—16	82—12—15	श्री हनुमान जूट मिल प्रा. लि., 76, जे.एम. मुखर्जी रोड, घुसुरी, हावड़ा—711107, (कार्यालय : 36 चौरंगी रोड, कलकत्ता—700071)	भारतीय हेसियन टाइप : 2 (229 ग्राम/मी²)— IS : 2818(भाग 2)—1971
23.	सीएम/एल-10172 24 1981-12-10	81—12—16	82—12—15	जीतेन्द्र इंजन मैन्युफैक्चरिंग, मणी इस्टेट, 2 मावदी प्लाट, राजकोट —360 004 (गुजरात)	निम्न गति के ऊर्ध्व, एक सिलिंडर, चार स्ट्रोक वाले जल-शीतित डीजल इंजन) निर्गत— 5.88 किवा (8 बीएचपी) गति—850 चक्कर प्रति मिनट गति नियमन—श्रेणी "बी" एस एफ सी—280 किग्रा/किवा घंटा IS : 1601—1960
24.	सीएम/एल—10173 25 1981-12-10	81—12—16	82—12—15	प्लांट प्रोटैक्शन प्राडक्ट्स (प्रा.) लि., कोंडाअलूर, कोवुर तालुक, नेल्लोर जिला (आं प्र.) (कार्यालय : 4/90ए नवाबपेट, नेल्लोर)	डी डी टी ई सी IS : 633—1975
25.	सीएम/एल—10174 26 1981-12-10	81—12—16	82—12—15	गुप्ता आयरन एण्ड स्टील कं., 42, गोशाला रोड, लिलुआ, हावड़ा (कार्यालय : 2 दिगम्बर जैन मान्दिर मार्ग, कलकत्ता-700 007)	ढालू ढले लोहे के स्पीगाट एवं साकेट मल, गन्दे पानी और संवाती पाइप— IS : 1729—1979

1 2	3	4	5	6
26. सीएम/एल–10175 27 1981-12-10	81–12–16	82-12-15	नेशनल इंजिनियरिंग कं. लि., डा. हरिकृष्ण मायड्ड स्ट्रीट (एण्ड) अम्बातूर, मद्रास-600 053 (कार्यालय: 67, सेम्बुदास स्ट्रीट, मद्रास–600 001)	कंक्रीट प्रबलन के लिये ठंडी मरोड़ी उच्च शक्ति वाली इस्पात की विकृत सरिया— IS: 1786–1979
27. सीएम/एल–10176 28 1981-12-10	81–12–16	82–12–15	इम्पोर स्टील एन्टरप्राइजिज लि. 593/1, तिरुवोट्टियुर हाई रोड, मद्रास–600 057	संरचना इस्पात (साधारण किस्म)— IS: 1977–1975
28. सीएम/एल–10177 29 1981-12-10	81–12–16	82–12–15	अशोक टिन वर्क्स मनसा रोड, भटिण्डा–151 001 (पंजाब)	18 लीटर के वर्गाकार टीन– IS: 916–1975
29. सी म/एल–10178 30 1981-12-10	81–12–16	82–12–15	लूल्स प्रा. लि., 33 बी. एन. आई. टी., फरीदाबाद (हरियाणा)	संरचना इस्पात (मानक किस्म)— IS: 226–1975
30. सीएम/एल-30179 31 1981-12-11	81–12–16	82–12–15	नेशनल आयरन एण्ड स्टील कं. बेलूर, डाकघर बेलूरमठ, हावड़ा (पं. बंगाल)	गढ़ाई के लिये कार्बन इस्पात छड़ें और सरिया— IS: 1875–1975
31. सीएम/एल–10180 24 1981-12-11	81–12–16	82–12–15	सुपर स्पिनिंग मिल्स लि. किलकेरा-515 211, हिन्दुपुर तालुक, अनन्तपुर जिला (आं.प्र.)	मोजा–बनयान के लिये सूती धागा, सफेद- IS: 834–1975
32. सीएम/एल–10181 25 1981-12-11	82–12–16	82-12-16	प्लान्ट प्रोटैक्शन प्राडक्ट्स (प्रा.) लि., कोडावलूर, कोव्वयुर तालुक, नेल्लोर जिला (आ.प्र.) (कार्यालय . 4/90 ए, नवाबपेट नेल्लोर)	बी एच सी (एचसीएच) डब्ल्यू डी पी सी– IS: 562–1978
33. सीएम/एल–10182 26 1981-12-10	81–12–16	82–12–15	डेको ग्ला.स इंडस्ट्रीज, प्रणीलाल डोशी कम्पाउंड, आनन्द–388 001 जिला केरा (गुजरात)	मक्खन–स्नेहमापी, स्केल: 10 प्रतिशत— IS: 1223 (भाग 1)—1970
34. सीएम/एल–10183 27 1981-12-11	81–12–16	82–12–15	राणा स्टील्ज, ग्राम कुम्हार हेड़ा, देहरादून रोड, सहारनपुर (उ.प्र.)	संरचना इस्पात (मानक किस्म)— IS: 226–1975
35. सीएम/एल–10184 28 19–12–11	81–12–16	82–12–15	–वही–	कंक्रीट प्रबलन के लिए ठंडी मुड़ी इस्पात की उच्च शक्ति वाली विकृत सरिया— IS: 1786–1979
36. सीएम/एल-10185 29 1981-12-11	81–12–16	82–12–15	इलेक्ट्रिक केबल इंडस्ट्रीज, पंचायत के घर के सामने बाबरपुर, शाहदरा, दिल्ली-110 032	1100 वोल्ट तक की कार्यकारी वोल्टता के लिए एलुमिनियम चालकों वाले पालिएथाइलीन रोधित और पालिएथाइलीन के खोल चढ़े केबल— IS: 1596–1977
37. सीएम/एल–10186 30 1981-12-11	81–12–16	82–12–15	मिकी वायर वर्क्स ग्राम मार्डूलोंग, (टटीसिलवाई) रांची	चमकीले बनाये फिनिश तारों के इंजीनियरी कार्यों हेतु मृदु इस्पात के तार– IS: 280–1978
38. सीएम/एल–10187 31 1981-12-11	81–12–16	82–12–15	लोड किंग वायर इंडस्ट्रीज, 32/1 ए, बी ब्लॉक, ईस्ट आजाद नगर, दिल्ली-110 051	1100 वोल्ट तक की कार्यकारी वोल्टता के लिए अकवचित एलुमिनियम एवं ताम्बे के चालकों वाले पीवीसी रोधित (भारी कार्य) के बिजली के केबल— IS: 1554(भाग 1)—1976
39. सीएम/एल–10188 32 1981-12-14	81–12–16	82–12–15	मीना में केमिकल्ज, प्लाट सं. 16, 50 फीट रोड, सिडको इंडस्ट्रियल इस्टेट, पन्नाकापुडुपट्टी, तिरुमंगलम तालुक, मदुराई जिला (कार्यालय: 6, बेसमेन्ट रोड, मदुराई-625 002)	कोलतार रंग की बाह्य निर्मितियाँ एवं मिश्रण, ठोस निर्मितियां और मिश्रण, IS: 5346—1975

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
40.	सीएम/एल—10189 33 1981-12-11	82-01-01	82-12-31	विशाखा वायर रोप्स लि., डी-15 एवं डी-16 ई.ई.आई. इस्टेट निकट बीएच बी पी लि., विशाखापटनम—5300 12 (आ.प्र.)	कर्षण कार्यों के लिये इस्पात तार के रस्से गोल व रेशा कोड के लड़वार IS : 1856—1977
41.	सीएम/एल—10190 26 1981-12-11	81-01-01	82-12-31	हिन्द कन्टेनर्ज मान पाड़ा चितलसर, एस.वी. रोड, थाणे—400 607 (महाराष्ट्र)	स्थिर छोर वाले बड़े ड्रम, ग्रेड "बी"— IS : 1783—1974
42.	सीएम/एल—10191 27 1981-12-11	81-01-01	82-12-31	ओमेगा इंजीनियरिंग वर्क्स, 33-36 मक्केजर इंडस्ट्रियल इस्टेट, महाकाली केव्स रोड, अंधेरी (ईस्ट), बम्बई—400 093 (कार्यालय : 43, आर.एस. नीमकर मार्ग, बगदाद कम्पाउंड बम्बई-400 008)	निम्नलिखित रेटिंग की सर्वप्रयोजन गियर-रहित खींचने एवं उठाने की हस्त-चालित मशीनें 3.2 टन उठाने की क्षमता एवं 5.3 टन खींचने की क्षमता वाली— IS : 5604—1970
43.	सीएम/एल—10192 28 1981-12-14	81-01-01	82-12-31	फौण्ड्रम आटो (इंडिया) प्रा. लि., 38ए, इंडस्ट्रियल एरिया, फरीदाबाद (हरियाणा)	मोटर ससपेंशन के लिये पत्तीदार कमानी-केवल पत्तियां— IS : 1135—1973
44.	सीएम/एल—10193 29 1981-12-15	82-01-01	82-12-31	जे.के. टिम्बर इंडस्ट्रीज, खजूरी रोड, यमुना नगर	प्लाईवुड की चाय की पेटी की पट्टियां— IS : (भाग 3)—1974
45.	सीएम/एल—10194 30 1981-12-14	81-01-01	82-12-31	बंगाल आयरन कार्पोरेशन, आशुतोष घोष रोड, जागाचा, हावड़ा (कार्यालय : 2 बी ताराचन्द दत्त स्ट्रीट, कलकत्ता—700 073)	ढालू ढले लोहे के स्पीगाट एवं साकेट मल, गन्दे पानी और संवाती पाइप के IS : 1739—1979
46.	सीएम/एल—10195 31 1981-12-15	81-01-01	82-12-31	प्रीमियर इंडस्ट्रीज, बी-70, नारायण इंडस्ट्रियल एरिया, फेज 2, नई दिल्ली-110 028	शौचकुण्ड के लिये प्लास्टिक की सीट और ढक्कन, पोलिप्रापलीन के कब्जा वाले टाइप-ए— IS : 2548—1967
47	सीएम/एल—10196 32 1981-12-15	82-01-01	82-12-31	सैफटी सेल्स एण्ड सर्विसिज 3, बांसटोला घाट रोड, रामकृष्णपुरम, (कार्यालय : 14/2, पुराना चीनी बाजार स्ट्रीट, तीसरी मंजिल कमरा सं. 196 कलकत्ता-700001)	पी.वी.सी. रोधित (1) एक कोर वाले हल्के कार्यों के केबल ; और (2) मोटर वाहनों में प्रयोग के लिये प्रज्वलन केबल— IS : 2465—1969
48	सीएम/एल-10197 33 1981-12-16	82-01-01	82-12-31	भारत लमिनेटिंग कार्पोरेशन, बी-5, इंडस्ट्रियल इस्टेट, डाकघर लक्ष्मीपुर, गोरखपुर (उ.प्र.)	407 ग्राम/मी०² 85×39, 15 औंस 45 इंच, 10×10 तिरपाल के कपड़े से बने पटसन के परतदार बोरे IS : 7406 (भाग 1)—1974
49	सीएम/एल-10198 34 1981-12-16	82-01-01	82-12-31	—वही—	380 ग्राम/मी०² 168×39 140 औंस/45 इंच, 8×10 तिरपाल के कपड़े बने खाद भरने के लिये पटसन के परतदार बोरे IS : 7406 (भाग 2)—1980
50.	सीएम/एल-10198 35 1981-12-16	82-01-01	82-12-31	अलबिटास इलेक्ट्रीकल्स प्रा. लि., मोदी हाउस 33 कस्तूरी रंगा, आयंगर रोड, अलवरपेट, मद्रास-600018 (कार्यालय : ए-6, इंडस्ट्रियल इस्टेट अम्बात्तुर, मद्रास-600058	शिरोपरि प्रेषण कार्यों के लिये जस्तीकृत इस्पात प्रबलित एलुमिनियम चालक की कोर के लिये इस्पात के तार IS : 398 (भाग 2) 1976
51.	सीएम/एल—10200 11 1981-12-16	82-01-01	82-12-31	वेंकटेश्वर केबल्स प्रा. लि., एफ-1, (ए एण्ड बी) आई. डी. ए., उप्पल मल्लापुर, हैदराबाद-500858	शिरोपरि प्रेषण कार्यों के लिये जस्तीकृत इस्पात प्रबलित एलुमिनियम चालक IS : 398 (भाग 2)—1976
52.	सीएम/एल-10201 12 1981-12-16	82-01-01	82-12-31	वोर्टेक्स इंडस्ट्रीज प्लाट नं 31, जी. आई. डी. सी. इस्टेट, मेहसाना-384002 (गुजरात)	अलग-अलग पावर रेटिंग वाले तीन फेजी, 415 वो के पार्श्व वायु सधारित : 16 के.वी.ए०आर० . तक के IS : 2834-1964

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
53. सी एम/एल-10202	13 1981-12-17	82-01-01	82-12-31	बंगलौर पेट्रोलियम एण्ड केमिकल्ज प्रा. लि. 5 ए विश्वेश्वरैया इंडस्ट्रियल एरिया, माधवपुरा डाकघर, बंगलौर-560048 (कार्यालय : 157, आठवीं मेन रोड, बसवनगर, बंगलौर) ।	स्वचल आन्तरिक दहन इंजनों के लिये पुनः परिशोधित स्नेहक तेल, टाइप एच डी । विस्कासिता ग्रेड एस ए ई-30 केवल IS : 9048—1979
54. सी एम/एल-10203	14	82-12-16	81-12-15	स्वदेशी मेटल्स प्रा. लि., (यूनिट सं० 2) 64 इंडस्ट्रियल एरिया, फेज 2, चंडीगढ़-160002	शिरोपरि प्रेषण कार्यों के लिये एलुमिनियम के लड़दार चालक— IS : 398 (भाग 2)—1976
55. सी एम/एल-10204	15 1981-12-17	82-01-01	82-12-31	सोमानी स्टील्स लि., सोनिक, जिला ऊना (कार्यालय : सोमानी भवन, नायागंज, कानपुर)	स्वचल निलम्बन हेतु कुण्डलीदार एवं परतदार कमानियों के उत्पादन के लिये इस्पात की इंगटें और सिल्लियाँ IS : 8051-1976
56. सी एम/एल-10205	16 1981-12-17	82-01-01	82-12-31	आंध्र स्टील कारपोरेशन लि०, मलिका पुरम, विशाखापटनम-530001 (आं.प्र.)	गढ़ाई के लिये कार्बन इस्पात के बिलेट ब्लूम स्लैब और सरिया— IS : 1875-1978
57. सी एम/एल-10206	17 1981-12-17	82-01-01	82-12-31	श्री सत्या इंडस्ट्रीज, कोठरिया कालोनी के सामने 2/3, सौरठिया-वाडी, राजकोट-360002	निम्नलिखित वर्ग के ऊर्ध्व, एक सिलिण्डर, जल-शीत चार स्ट्रोक वाले डीजल इंजन— निर्गत : 5.88 कि वा (8 बी एच पी) गति : 850 चक्र प्रति मिनट यतिनियमन श्रेणी "बी" एस एफ सी : 309 किग्रा घंटा IS: 1601-1960
58. सी एम/एल-10207	18 1981-12-17	82-01-01	82-12-31	एस. के० इंजिनियरिंग कं., मुरादाबाद रोड, चन्दौसी-202412	डबल साकेट 1/4 बैन्ड— IS : 1538 (भाग 1 एवं 10)—1976
59. सी एम/एल-1028	19 1981-12-17	82-12-16	82-12-15	इंडियन टेलिफोन इंडस्ट्रीज, दूरवाणी नगर, बंगलौर-16	ध्वनि शक्तियुक्त औद्योगिक ग्रेड के टेलिफोन सहित आंतरिक रूप से सुरक्षित बिजली केउपस्कर और परिपथ वर्ग 1 ए, ताप श्रेणी टी-6 (5500 सें०) ग्रुप 1 गैस (मीथेन) वायुमण्डल में प्रयोग के लिये— IS : 5780-1980
60. सी एम/एल-10209	20 1981-12-21	82-01-01	82-12-31	बंगाल पेपर पैकिंग इंडस्ट्री 15/बेलूर रोड, डाकघर लिलुहा, जिला हावड़ा (प. बंगाल)	तैराफिन मोम टाइप-3— IS : 4654-1974
61. सी एम/एल-10210	13 1981-12-21	82-01-01	82-12-31	न्यूएज होज मैन्युफैक्चरिंग कं. अम्बा-वाड़ी इंडस्ट्रियल इस्टेट, सुरेन्द्र नगर	आग बुझाने के लिये रबड़ का नियमित, खाली नल— IS : 8423-1977
62. सी एम/एल-10211	14 1981-12-21	82-01-01	82-12-31	गोदावरी प्लाईवुड्स लिमिटेड, रामप्पा-चोडावरम-533288 जिला ईस्ट गोदावरी	सामान्य कार्यों के लिये प्लाईवुड IS : 303-1975
63. सी एम/एल-10212	15 1981-12-22	82-01-01	82-12-31	साउथ इंडिया रबड़ वर्क्स, बीच रोड, एल्लेप्पी-688001	बिजली प्रयोग के लिए रबड़ की चटाइयाँ IS : 5424-1969
64. सी एम/एल-10213	16	82-01-01	82-12-31	यूनिकोर केबल्स प्लाट सं. 264 रोड सं. 13 के, विश्वकर्मा इंडस्ट्रियल एरिया, जयपुर-302013 (कार्यालय सी-20, भगवानदास रोड, जयपुर-302001	1100 वोल्ट तक की कार्यकारी वोल्टता के लिए एलुमिनियम चालकों वाले पी. वी. सी. रोधित एवं खोल चढ़े केबल (अल्प ताप एवं बाहरी प्रयोग के केबलों के अतिरिक्त) IS : 674-1977

1	2	3	4	5	6
65. सी एम/एल-10214 1981-12-22	17	82-01-01	82-12-31	प्रीमियर पेस्टीसाइड्स (प्रा.) लि., प्लाट सं. 76 इंडस्ट्रियल इस्टेट, कालामासेरी अलवाई (कार्यालय : एम.जी. रोड, एर्नाकुलम, कोचीन-(682011)	कारबरिल 50 प्रतिशत डब्ल्यू डी० पी.सी. (भूमि पर छिड़कने वाला ग्रेड) IS: 7121–1973
66. सी एम/एल-10215 1981-12-22	18	82-01-01	82-12-31	प्रकाश पल्वराईजिंग मिल्स, इंडस्ट्रियल एरिया (रेलवे गुड्स शेड के सामने अलवर-301001 (राजस्थान)	मालाथियॉन, डब्ल्यू डी.पी.सी. 25 प्रतिशत–– IS: 2569–1978
67. सी एम/एल-10216 1981-12-22	19	82-01-01	82-12-31	वेंकटेश्वरा केबल्स प्रा. लि., एफ-1 (ए एण्ड बी) आई.डी.ए. जीदुमेटला हैदराबाद-5000854 (कार्यालय : 118 कबरा कम्पलेक्स, 61 एम. जी. रोड, सिकन्दराबाद-500003)	शिरोपरि प्रेषण कार्यों के लिए एलुमिनियम के लड़दार चालक–– IS: 398 (भाग 1) ––1976
68 सी एम/एल-10217 1981-12-23	20	82-01-01	82-12-31	एन शेंकम सेनेटरी सिस्टर्म कं., मिल रोड, पुरैया	सी. आई. फलश टंकियाँ ऊपर लगने वाली घंटीनुमा, 2.5 ली. क्षमता वाली–– IS: 774-1971
69. सी एम/एल-10218 1981-12-24	21	82-01-01	82-12-31	गुजरात स्टेट को-आपरेटिव मार्केटिंग फेडरेशन लि., नरोल वटवा रोड, नरोल, अहमदाबाद	डी.डी.टी., ई. सी. 25 प्रतिशत IS: 633-1975
70. सी एम/एल-10219 1981-12-24	22	82-01-01	82-12-31	पारो फूड प्राडक्टस मीर आलम टैंक रोड, हैदराबाद-500252 (आन्ध्र प्रदेश)	बिस्कुट किस्म ग्लूकोस केवल IS: 1011-1969
71. सी एम/एल-10220 1981-12-24	15	82-01-01	82-12-31	भारत मिनरल्स एण्ड कैमीकल इंडस्ट्रीज, 1 ओल्ड इंडस्ट्रियल एरिया, अलवर (राजस्थान)	मालाथियान डब्ल्यू डी. पी.सी. 25 प्रतिशत IS: 2569-1978
72. सी एम/एल-10221 1981-12-24	16	82-01-01	82-12-31	केरला लक्ष्मी मिल्स, यूनिट आफ नेशनल टैक्सटाइल कार्पोरेशन, (ए.पी.केके एण्ड एम) लि० पुलाचि, त्रिचूर-680012 (केरल)	सफेद सूती तागा (1) 80 एस, 160 एस एवं 2/80 एस ग्रेड की सभी धुले हुए (2) 120 एस एवं 2/120 एस धुला ग्रेड की–– IS 171–1973
73 सी एम/एल-10222 1981-12-24	17	82-01-01	82-12-31	मोदी आयल एण्ड जनरल मिल्स, मंडी गोबिन्द गढ़–147301 जिला पटियाला	कंक्रीट प्रबलन हेतु ठंडी मुड़ी इस्पात, की उच्च शक्ति की विकृत सरिया–– IS : 1786–1979
74. सी एम/एल-10223 1981-12-24	18	82-01-01	82-12-31	श्री बालाजी पैस्टीसाइड्स, पोनेपाडी आर एस सिवयम; चित्तलपेट जिला-631213	बी.एच.सी. (एच.सी.एस) डी.पी–– IS: 561-1978
75. सी एम/एल–10224 1981-12-24	19	82-01-01	82-12-31	नेशनल पेस्टीसाइड्स एण्ड केमिकल्स, 30 वैभव इंडस्ट्रियल इस्टेट सायन ट्राम्बे रोड, देवनार, बम्बई-400088	डी डी टी ई सी 25 प्रतिशत IS : 633––1975
76. सी एम/एल–10225 1981-12-24	20	82-01-01	82-12-31	इन्डोफील, प्लाट सं. 2 उद्योग नगर, एम. जी. रोड, गोरे गांव, बम्बई-400062	डाइमेथाएट ई सी 30 प्रतिशत–– IS : 3903––1975
77. सी एम/एल–10226 1981-12-24	21	82-01-01	82-12-31	एस. के. प्रोडक्ट्स, 5 इंडस्ट्रियल एरिया, 1 उल्लहास नगर-421004 (महाराष्ट्र)	बिस्कुट किस्म : ग्लूकोस केवल–– IS : 1011––1968
78. सी एम/एल–10227 1981-12-24	22	82-01-01	82-12-31	नेशनल पेस्टीसाइड्स एण्ड कैमिकल्स; 30 वैभव इंडस्ट्रियल इस्टेट, सायन, ट्राम्बे रोड, देवनगर, बम्बई-400010	मालाथियॉन ई सी 50 प्रतिशत– IS : 2567––1978
79. सी एम/एल–10228 1981-12-24	23	82-01-01	82-12-31	देवदयाल (सेल्स) प्रा० लि०, तुलसी राम गुप्ता मिल्स, इस्टेट, रिये रोड, बम्बई-400010	डिक्लोरवास, ई सी 76 प्रतिशत–– IS : 5277––1978
80. सी एम/एल–10229 1981-12-29	24	82-01-15	83-01-15	धिजन क्राइंग बोर्ड, कं०, जगाधरी रोड, यमुनानगर	प्लाईवुड की चाय की पेटी की फट्टियां–– IS : 10 (भाग 3)––1974

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
81. सी एम/एल--10230 1981-12-29	17	82-01-16	83-01-15	कौशल टिम्बर ट्रेडर्स, जगाधरी रोड, यमुनानगर	प्लाईवुड की चाय की पेटी की पट्टियां-- IS : 10 (भाग 3)--1974
82. सी एम/एल--10231 1981-12-29	18	82-01-01	82-12-31	श्री गायत्री फ्लोर मिल्स क., प्लाट सं. 21, सेक्टर 24, फरीदाबाद (हरियाणा) (कार्यालय : 3990 नया बाजार, दिल्ली-110006)	12.5 लीटर की क्षमता वाली फ्लश टंकियां-- IS : 774--1971
83. सी एम/एल--10232 1981-12-29	19	82-01-16	83-01-15	स्मार्ट मशीन टूल्स कं., 233 बेलिलियस रोड, हावड़ा-711101	12.5 लीटर की क्षमता वाली फ्लश टंकियां-- IS : 774--1971
84. सी एम/एल--20233 1481-12-29	20	82-01-16	83-01-15	श्रीवेंकटेश्वर (सेल्स) प्रा. लि., 5 ए, जी. आई. डी. सी. इंडस्ट्रियल इस्टेट, कलोल-389330 जिला पंचमहल (गुजरात)	डी. डी. टी. (डब्ल्यू डी पी सी) 50 प्रतिशत IS : 565--1975
85. सी एम/एल--10234 1981-12-29	21	82-01-01	82-12-31	अमर दाल मिल, सी-42, लारेन्स रोड, इंडस्ट्रियल एरिया, दिल्ली-35 (कार्यालय 2647 नया बाजार, दिल्ली-110006)	बेसन-- IS : 2400--1976
86. सी एम/एल--10235 1981-12-29	22	82-01-16	83-01-15	गोवा स्टील रोलिंग मिल्स एण्ड एलाइड इंडस्ट्री, राधाकृष्ण इंडस्ट्रियल इस्टेट, बिचोलिम, गोवा-403504	कंक्रीट प्रबलन के लिये ठंडे मुड़े इस्पात की उच्च शक्ति वाली विरूप सरिया-- IS : 1786--1979
87. सी एम/एल--10236 1981-12-29	23	82-01-16	83-01-15	हिन्दुस्तान साइंटिफिक कं., सवाई का महावत का रास्ता, निकट छोटा महादेव जी का मन्दिर, रामगंज बाजार, जयपुर (कार्यालय : फिल्म कालोनी, जयपुर)	खंड 8.4.2.1 एवं 9.3.2 के अनुसार ढालित मयूर के सांचे 50.0 मिमी 2× 70.0 मिमी-- IS : 4531--1968
88. सी एम/एल--10237 1981-12-29	24	82-01-16	83-01-15	प्राईमवल इंडस्ट्रियल्स प्रा., 4 अवनाशी रोड, पीलामेडु, कोएम्बतूर-641004 (कार्यालय : 604 फिल्म चेम्बर बिल्डिंग, दूसरी मंजिल, अन्ना सलाई मद्रास-600006 (तमिलनाडु)	पांच लीटर अथवा इससे अधिक के एल पी जी सिलिंडरों की वाल्व फिटिंग में-- IS : 8737 (भाग 2)--1978
89. सी एम/एल--10238 1981-12-29	25	82-01-16	83-10-15	कुशल मैटल एण्ड पेन्ट इंडस्ट्रीज, ए-78, ओखला इंडस्ट्रियल एरिया, फेज 7, नई दिल्ली-110020	डिस्टेम्पर, तेल इमलशन वांछित रंग का IS : 428--1969
90. सी एम/एल--10239 1981-12-29	26	82-12-16	82-12-15	क्रिमोलेक्स पाइप्स प्रा. लि., 10 एण्ड 10 पार्ट, पिम्परी चिंचवाड़ इंडस्ट्रियल एरिया, चिंचवाड़, पुणे-411019 (कार्यालय : 26/27 बम्बई पूना रोड, पिम्परी, पुणे-411018)	पेय जल पूर्ति के लिये असम्पीडित पी वी सी पाइप्स 2.5, 4 एवं 6 कि.ग्रा बल/सेमी² की दाब रेटिंग वाले आकार 125 मिमी से 315 मिमी-- IS : 4985--1968
91. सी एम/एल--10240 1981-12-30	19	82-01-16	83-01-15	मेटाकों इण्डिया, 16 माडल टेम्पल लेन, कलकत्ता-700053	एलुमिनियम मिश्रधातु के सरकवा किवाड़ की चटखनियां टाइप 3-- IS : 2681--1979
92. सी एम/एल--10341 1981-12-30	20	82-01-16	83-01-15	जैन फार्म एजेन्सीज, शिरसोली-खुर्द, जलगांव धूलिया रोड, जलगांव-425001	पेय जल पूर्ति के लिये असम्पीडित पी वी सी पाइप 4 कि ग्राम बल/सेमी² ग्रुप 1 एवं 2.6 कि ग्राम बल/सेमी ग्रुप 1-- IS : 4985--1968
93. सी एम/एल--10243 1981-12-30	21	82-01-16	83-01-15	जयश्री केबल्स एण्ड इंजीनियरिंग वर्क्स, कुंजनविलर मेटूर, डम-636404, सलेम जिला तमिलनाडु	1100 वोल्ट तक की कार्यकारी वोल्टता के लिये एलुमिनियम चालकों वाले पी वी सी रोधित कोच रहित केबल-- IS : 694--1977
94. सी एम/एल--10244 1981-12-30	22	82-01-16	83-01-15	बजरंगबली आयरन एण्ड स्टील कं०, 100-ए, बसीम रोड, तिरुवत्तुर, मद्रास-600019	संरचना इस्पात (मानक किस्म)-- IS : 226--1975

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
95.	सी.एम/एल–10244 23. 1981-12-30	82-01-16	83-01-15	मेट्रो स्टील रोलिंग मिल्स प्रा. लि., 88 (एन पी) डिवलप्ड प्लाट, इंडस्ट्रियल इस्टेट, मद्रास-600098	कंक्रीट प्रबलन के लिये ठंडी मुड़ी इस्पात की उच्च शक्ति वाली विकृत छड़ियां— IS : 1786—1979
96.	सी.एम/एल–10245 24 1981-12-30	82-01-16	83-01-15	स्टीलक्रिट प्रा. लि., 3 इंडस्ट्रियल डेवलपमेन्ट एरिया, मिधि, विशाखापटनम-530042	संरचना इस्पात (मानक किस्म) के रूप बेल्लन के लिये ढलवां बिलेट, इंगट और सतत ढलवां बिलेट— IS : 6914—1978
97.	सी.एम/एल–10246 25 1981-12-30	82-01-16	83-01-15	एन०बी० इनुवेस्टमेंन्ट कं०प्रा०लि० 15 धर्मतल्ला रोड, बेलुरमठ हावड़ा (पं.बंगाल)	धातुकाट आरी/दोनों हस्त-चालित और मशीन-चालित धातुकाट आरी की ब्लेड टाईप "ए" ग्रेड एल ए— IS : 2594—1977
98.	सीएम/एल–10247 26 1981-12-30	82-01-16	83-01-15	पी. एन. एम. के. एस. एफ. सं. 300/1 पलनवराई रोड, इरोड-638009 (कार्यालय : 60-टी एम, एम. केसी. रोड, एरोड-638009)	बी एम सी (एच सी एच) डब्ल्यू डी पी सी— IS: 562—1978
99.	सी.एम/एल–10248 27 1981-12-30	82-01-16	83-01-15	—वही—	डी डी टी डब्ल्यू डी पी सी IS : 565—1975
100.	सी.एम/एल–10249 28 1981-12-30	82-01-16	83-01-15	रमेश प्लास्टिक प्रोडक्ट्स, 83 सी, गवर्नमेन्ट इंडस्ट्रियल इस्टेट, कंडीवली (वेस्ट), बम्बई-400067	पी वी सी के कठोर पाइप 4 किग्रा बल/सेमी² की दाब रेटिंग वाले आकार 110 मिमी तक के— IS : 4985—1968
101.	सी.एम/एल–10250 21 1981-12-31	82-01-16	83-10-15	नविन इंडिया लि., जी-2, एम. आई. डी. सी. इंडस्ट्रियल एरिया, नागपुर-440016	पेय जल पूर्ति के लिये विलायक सीमेंट जोड़ों वाली इंजेक्शन ढालित पी वी सी लाकेट की फिटिंगें भाग 4 डी 40 मिमी एवं 90 मिमी— IS : 7834—1975
102.	सी.एम/एल–10251 22 1981-12-31	82-01-16	83-01-15	मुकेश मेटल इंडस्ट्रीज, ए-12, पाटिल इंडस्ट्रियल इस्टेट, बलगाम पाटिल रोड, भायन्दर (ईस्ट), जिला-थाना	जल पूर्ति कार्यों के लिये पॉलिएथाइलीन के गोले— IS : 1703—1977
103.	सी.एम/एल–10252 23 1981-12-31	82-01-16	83-01-15	अमरदेव प्लास्टिक इंडस्ट्रीज, 7—9 सतगरु नानक इंडस्ट्रियल इस्टेट, वेस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे, गोरेगांव (ईस्ट), बम्बई-400063	पेयजल पूर्ति के लिये अनम्यकृत पी वी सी पाइप 4 किग्राम बल/सेमी² के 110 मिमी तक के— IS : 4985—1968
104.	सी.एम/एल–10253 24 1981-12-31	82-01-16	83-01-15	ईस्टर्न कैमिकल इंडस्ट्रीज, जेसोर रोड, डाकघर मध्यमग्राम, 24 परगना-743275	एलिकृत, ई सी— IS : 1307—1973
105.	सी.एम/एल–10254 25 1981-12-31	82-01-16	83-01-15	एलडन जेके नगर इंडस्ट्रियल अन्डरटेकिंग डाकघर जेके नगर, जिला बर्दवान (प. बंगाल)	शिरोपरि प्रेषण कार्यों के लिये 37 लड़ों तक के एलमिनियम के लड़दार चालक— IS : 398 (भाग 1 एवं 2)—1976
106.	सी.एम/एल–10255 26 1981-12-31	83-01-16	83-01-15	श्री जी पैट्रो प्राडक्ट्स सनकपुरा रोड, डाकघर बाराकर, जिला बर्दवान (प. बंगाल)	सेवा रत रस्से पर लगाने के लिये स्नेहक, केवल ग्रेड 2— IS : 9182 (भाग 3)—1979

[सं. सी एम डी/13 :11]

ए. एस. चीमा, अपर महानिदेशक

S.O. 1021.—In pursuance of sub-regulation (1) of Regulation 8 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955, as amended from time to time, the Indian Standards Institution, hereby notifies that one hundred and six licences, particulars of which are given in the following Schedule, have been granted during the month of December 1981 authorising the licences to use the Standard Marks:

SCHEDULE

Sl No.	Licence No. (CM/L-	Period of Validity From	To	Name & Address of the Licensee	Article/Process Covered by the Licences and the Relevant IS : Designation
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	CM/L-10150 18 1981-12-02	81-12-01	82-11-30	Good Spun Pipe Co., Daulat Singhwala, Zirkapur (Distt Ropar)	RCC pipe class NP 2, sizes 225, 300 & 400 mm— IS : 458—1971
2.	CM/L-10151 19 1981-12-02	81-12-16	82-12-15	Janata Industries, 187-3 & 4/10, 1st Floor, Karbala Maidan, M.G. Road, Secundrabad-500003 (A.P.)	Deep well hand pumps, 100 mm and above (bore size)— IS : 9301—1979
3.	CM/L-10152 20 1981-12-02	81-12-16	82-12-15	Kapoor Electronics, C-144, Naraina Indl. Area, Phase I, New Delhi-110028	Plastic water closet seat and cover type 'A'— IS : 2548—1967
4.	CM/L-10153 21 1981-12-02	81-12-16	82-12-15	Taylor Rubber Industries, 10, Lattice Bridge Road, Thiruvanmiyur, Madras-600041 (Office : 41 Armenian Street, Madras-600001)	Rubber gaskets for pressure cookers— IS : 7466—1974
5.	CM/L-10154 22 1981-12-03	81-12-16	82-12-15	The Jawahar Mills Ltd., 4, Nehru Nagaram, Salem-636005 (Tamil Nadu)	Cotton yarn, grey for hosiery— IS : 834—1975
6.	CM/L-10155 23 1981-12-03	81-12-16	82-12-15	Pearlite WireProducts Ltd., Pathirappally, Alleppey (Kerala) (Office : XXXV/360-1, M.G. Road, Cochin-682016) (Kerala)	Steel wire ropes for haulage purposes type round stranded— IS : 1856-1977
7.	CM/L-10156 24 1981-12-03	81-12-01	82-11-30	Sahota Cement Pipe Works, Village & P.O. Saila Khurd (Hoshiarpur)	RCC pipes class NP 2, sizes 150, 225 & 300 mm— IS : 458—1971
8.	CM/L-10157 25 1981-12-03	81-12-16	82-12-15	Radio & Electricals Ltd, No. 11, Victoria Crescent Road, Madras-600008 (Office : No. 96, Basin Road, Tiruvottiyur, Madras-600019)	11 KV/433 V, 100 and 250 KVA, three-phase power transformers— IS : 2026 (Part-I)—1977
9.	CM/L-10158 26 1981-12-03	81-12-16	82-12-15	P.V.S. Industries, 457/A, Amaravathy, Hospet-583201 (Karnataka) (Office : 3/1, K. R. Road, Amaravathy, Hospet-583201)	Monocrotophos WSC— IS : 8074—1976
10.	CM/L-10159 27 1981-12-03	81-12-16	82-12-15	Indian Surgical Mfg. Co., S.B. Chandurkar's Banglow, Bandera Road, Amravati (M.S.) Office : Room No. 2, 1st Floor, Maharashtra Lodge Building, Bapat, Chowk, (Amravati)	Handloom cotton gauge, absorbent— IS : 758—1975
11.	CM/L-10160 20 1981-12-04	81-12-16	82-12-15	Wax & Wax, P.D. Jayanagar, Distt Madhubani (Bihar)	Paraffin wax, type 3,— IS : 4654—1974
12.	CM/L-10161 21 1981-12-04	81-12-16	82-12-15	Super Industries, C-1/289, GIDC Estate, Naroda-382330 Ahmedabad (Gujarat)	Endosulfan EC— IS : 4323—1967
13.	CM/L-10162 22 1981-12-09	81-12-16	82-12-15	A.P. State Agro Industries Development Corpn. Ltd., Pesticides Formulation Unit, Station Road, Opposite Bhagyanagar Post Office, Kurnool (A.P.) (Office: Agro Bhavan, 10-2-3, A.C. Guards, Hyderabad-500004)	Carbaryl DP— IS : 7122—1973
14.	CM/L-10163 23 1981-12-09	81-12-01	82-11-30	Morewater Pipes Ltd, A-68, Sikandrabad Indl. Area, Sikandrabad (UP)	Unplasticised PVC pipes for potable water supplies 4 kgf/cm² and 6 kgf/cm² sizes 110 mm to 180 mm OD— IS : 4985—1968
15.	CM/L-10164 24 1981-12-09	81-12-16	82-12-15	Bharat Pulverising Mills Pvt. Ltd., Ruvapari Road, Bhavnagar -364001 (Gujarat)	Endosulfan DP— IS : 4322—1967
16.	CM/L-10165 25 1981-12-09	81-12-01	82-11-30	Keen Pesticides (P) Ltd., South Vazhakulam P.O. Via Alwaye, Ernakulam Distt. (Office : Tower House, M.G. Road, Ernakulam, Cochin-682011)	BHC (HCH) DP— IS : 561—1978

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
17.	CM/L-10166 26 1981-12-10	82-04-01	83-03-31	Sathe Biscuit & Chocolate Co. Ltd. S. No., 44/45, Dhanori. Poona-Alandi Road, Pune-411105 (Maharashtra) (Office : 820, Bhavani Peth, Pune-411002)	Drinking Chocolate— IS : 6762—1979
18.	CM/L-10167 27 1981-12-10	81-12-16	82-12-15	Eastern Traders, 19 A/39 Seal Lane, Calcutta-700015 (W.B.) (Office : 44 Ezra Street, Calcutta-700001)	Dye based fountain pen inks royal blue only— IS : 1221—1971
19.	CM/L-10168 28 1981-12-10	81-12-16	82-12-15	Eastern Biscuit Co. Pvt. Ltd., Lenin Sarani, Durgapur-713210 (West Bengal)	Biscuits Variety : Glucose only— IS : 1011—1968
20.	CM/L-10169 29 1981-12-10	81-12-16	82-12-15	National Jute Mfrs. Corpn. Ltd., (Unit : Alexandra) Jagatdal, 24 Parganas (W.B.) (Office : Chartered Bank Building, Calcutta)	A-twill jute bags— IS : 1943—1964
21.	CM/L-10170 22 1981-12-10	81-12-16	82-12-15	Dempo Dairy Industries Ltd., Asangi, Jamkhandi Taluk, Bijapur Distt (Karnataka) (Office : 20 Sankey Road, Palace Lower Orchard, Bangalore-560003 (Karnataka)	Infant milk food— IS : 1547—1968
22.	CM/L-10171 23 1918-12-10	81-12-16	82-12-15	Shree Hanuman Jute Mill Pvt. Ltd., 76, J.M. Mukherjee Road, Ghusuri, Howrah-711107 (Office : 36, Chowringhee Road, Calcutta-700071)	Indian hessian Type : II (229 g/m²)— IS : 2818 (Pt. II)—1971
23.	CM/L-10172 24 1981-12-10	81-12-16	82-12-15	Jitendra Engine Mfrs., Mani Estate, 2 M.v.li Plot, Rajkot-360004 (Gujarat)	Vertical, single cylinder, four stroke, water cooled, diesel engine of the following rating: Output—5.88 kw (8bhp) Speed—850 RPM Governing—Class 'B' SFC—280 g/kwh— IS : 1601—1960
24.	CM/L-10173 25 1981-12-10	81-12-16	82-12-15	Plant Protection Products (P) Ltd., Kodavalur, Kowur Talaq, Nellore Distt. (A.P.) (Office : 4/90 A, Nawabpet Nellore)	DDT EC— IS : 633—1975
25.	CM/L-10174 26 1981-12-10	81-12-16	82-12-15	Gupta Iron & Steel Co., 42, Gaushala Road, Lilluah, Howrah (Office : 2 Digamber Jain Temple Road, Calcutta-700007)	Sand cast iron spigot and socket, soil, waste and ventilating pipe All sizes— IS : 1729—1979
26.	CM/L-10175 27 1981-12-10	81-12-16	82-12-15	National Engg. Co Ltd., Dr. Harikrishna Naidu Street (End), Ambattur, Madras-600053 (Office : 67 Sembudoss Street, Madras—600001)	Cold worked steel high strength deformed bars for concrete reinforcement— IS : 1786—1979
27.	CM/L-10176 28 1981-12-10	81-12-16	82-12-15	Ennore Steel Enterprises Ltd., 593/1, Tiruvottiyur, High Road, Madras-600057	Structural steel (ordinary quality)— IS : 1977—1975
28.	CM/L-10177 29 1981-12-10	81-12-16	82-12-15	Ashoka Tin Works, Mensa Road, Bhatinda-151001 (Punjab)	18-Litre square tins— IS : 916—1975
29.	CM/L-10178 30 1981-12-10	81-12-16	82-12-15	Lauls Pvt. Ltd., 33 B, N.I.T. Faridabad (Haryana)	Structural steel (standard quality)— IS : 226—1975
30.	CM/L-10179 31 1981-12-11	81-12-16	82-12-15	National Iron & Steel Co., Belur, P.O. Belurmath, Howrah (West Bengal)	Carbon steel billets and bars for forgings— IS : 1875—1971
31.	CM/L-10180 24 1981-12-11	81-12-16	82-12-15	Super Spinning Mills Ltd, Kirilkera-515211, Hindupur Taluk. Anantapur Distt. (Andhra Pradesh)	Cotton yarn, grey for hosiery— IS : 834—1975
32.	CM/L-10181 25 1981-12-11	81-12-16	82-12-15	Plant Protection Products (P) Ltd., Kodavalur, Kovvur Taluq Nellore Distt. (A.P.) (Office : 4/90 A, Nawabpet, Nellore)	BHC (HCH) WDPC— IS : 562—1978
33.	CM/L-10182 26 1981-12-10	81-12-16	82-12-15	Deco Glass Industries, Manilal Doshi Compound, Anand-388001 Distt. Kaira (Gujarat)	Butyrometers, Scale: 10%— IS : 1223 (Pt. I)—1970
34.	CM/L-10183 27 1981-12-11	81-12-16	82-12-15	Rana Steels, Village Kumhar Hera, Dehradun Road, Saharanpur (UP)	Structural steel (standard quality)— IS : 226—1975

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
35.	CM/L-10184 28 1981-12-11	81-12-16	82-12-15	Rana Steels, Village Kumhar Hera, Dehradun Road, Saharanpur (UP)	Cold worked steel high strength deformed bars for concrete reinforcement— IS : 1786—1979
36.	CM/L-10185 29 1981-12-11	81-12-16	82-12-15	Electric Cable Industries, Opp. Panchayat Ghar, Babarpur, Shahdara, Delhi-110032	Polythylene insulated and polythylene sheathed cables with aluminium conductors for working voltages upto and including 1100 volts— IS : 1596—1977
37.	CM/L-10186 30 1981-12-11	81-12-16	82-12-15	Miki Wire Works, Village Mahilong, (Tatisilwai) Ranchi	Mild steel wire for general engineering purposes for bright drawn finish wires— IS : 280—1978
38.	CM/L-10187 31 1981-12-11	81-12-16	82-12-15	Load King Wire Industries, 32/1A,B Block East Azad Nagar, Delhi-110051	PVC insulated (heavy duty) electric cables, armoured and unarmoured with aluminium and copper conductors for working voltages upto and including 1100 volts— IS : 1554 (Pt. I)—1976
39.	CM/L-10188 32 1981-12-14	81-12-16	82-12-15	Meename Chemicals, Plot No. 16, 50 Feet Road, SIDCO Indl. Estate, Palakapudupatti, Tirumangalam Taluk, Madurai Distt. (Office : 6 Besant Road, Madurai-625002)	Coaltar Food Colour preparations and mixtures solid preparation and mixture— IS : 5346—1975
40.	CM/L-10189 33 1981-12-11	82-01-01	82-12-31	Visakha Wire Ropes Ltd., D-15 & D-16, E.E.I. Estate, Near BHPV Ltd., Visakhapatnam-530012 (A.P.)	Steel wire ropes for haulage purposes type round stranded with fibre core— IS : 1856—1977
41.	CM/L-10190 26 1981-12-11	82-01-01	82-12-31	Hind Containers, Manpada, Chitalsar, S.V. Road, Thane-400607 (Maharashtra)	Drums, Large, fixed ends Grade 'B'— IS : 1783—1974
42.	CM/L-10191 27 1981-12-11	82-01-01	82-12-31	Omega Engg. Works, 33-36, Navketan Indl. Estate, Mahakali Caves Road, Andheri (E), Bombay-400093 (Office: 43, R.S. Nimkar Marg, Baghdad Compound, Bombay-400008)	Universal gearless hand operated pulling and lifting machines of the following rating- : 3.2 tonnes lifting capacity and 5.2 tonnes pulling capacity— IS : 5604—1970
43.	CM/L-10192 28 1981-12-14	82-01-01	82-12-31	Friends Auto (India) Pvt Ltd., 38-A, Indl. Area, Faridabad (Haryana)	Leaf spring for automobile suspension Leaves only— IS : 1135—1973
44.	CM/L-10193 28 1981-12-15	82-01-01	82-12-31	J.K. Timber Industries, Khajuri Road, Yamunanagar	Plywood teachest battens— IS : 10 (Pt. III)—1974
45.	CM/L-10194 30 1981-12-14	82-01-01	82-12-31	Bengal Iron Corpn., Ashutosh Ghosh Road, Jagacha, Howrah (Office:2-B,Tarachand Dutt Street, Calcutta-700073)	Sand cast iron spigot and socket soil, waste and ventilating pipes All sizes— IS : 1729—1979
46.	CM/L-10195 31 1981-12-15	82-01-01	82-12-31	Premier Industries, B-70, Naraina Indl. Area, Phase II, New Delhi-110028	Plastic water-closet seats and covers polypropylene with hinging device Type A— IS : 2548—1967
47.	CM/L-10196 32 1982-12-15	82-01-01	82-12-31	Safety Sales & Services, 3, Banstolla Ghat Road, Ramakrishnapura (Office: 14/2, Old China BazarStreet, 3rd Floor, Room No. 196, Calcutta-700001)	PVC insulated: (i) single core, light duty cable; and (ii) ignition cable for use in motor vehicles— IS : 2465—1969
48.	CM/L-10197 33 1981-12-16	82-01-01	82-12-31	Bharat Laminating Corpn., B-5, Indl. Estate, P.O. Lachhipur, Gorakhpur (UP)	Liminating jute bags manufactured from 407 g/m², 85 × 39, (150 z/45 in; 10 × 10 Turpaulin fabric— IS : 7406 (Pt. I) —1974
49.	CM/L-10198 34 1981-12-16	82-01-01	82-12-31	-do-	Laminating jute bags for packing fertilizer manufactured from 380 g/m², 68 × 39 140 z/45 in; 8 x 10 Tarpaulin fabric IS : 7406 (Pt. II)—1980
50.	CM/L-10199 35 1981-12-16	82-01-01	82-12-31	Alvittas Electricals Pvt Ltd., Modi House, 33, Kasturi Ranga Iyengar Road, Alwarpet, Madras-600018 (Office: A-6. Indl. Estate, Ambattur, Madras-600058)	Steel wire for the core of galvanized steel reinforced for overhead transmission purposes— IS : 398 (Pt. II)—1976

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
51.	CM/L-10200 11 1981-12-16	82-01-01	82-12-31	Venkateshwara Cables Pvt Ltd., F-1 (A & B) I.D.A. Jeedimetla, Hyderabad-500854	Aluminium conductors galvanized steel reinforced for overhead transmission purposes— IS : 398 (Pt. II)—1976
52.	CM/L-10201 12 1981-12-16	82-01-01	82-12-31	Voltex Industries, Plot No. 31, G.I.D.C. Estate, Mehsana-384002 (Gujarat)	3 phase, 415 V shunt capacitors for power/ rating of individual shunt capacitors: upto and including 16 KVAR— IS : 2834—1964
53.	CM/L-10202 13 1981-12-17	82-01-01	82-12-31	Bangalore Petroleum and Chemicals Pvt. Ltd., 5-A, Visvesvaraya Indl. Area, Mahadevpura P.O., Bangalore-560048 (Office: 157, 8th Main Road, Vasantnagar, Bangalore)	Re-refined automotive internal combustion engine lubricating oils, type HD I viscosity grade, SAE-30 only— IS : 9048—1979
54.	CM/L-10203 14 1981-12-17	81-12-16	82-12-15	Swadeshi Metals Pvt Ltd., (Unit No. II), 64, Indl. Area, Phase II, Chandigarh-160002	Aluminium stranded conductors for overhead transmission purposes— IS : 398 (Pt. II)—1976
55.	CM/L-10204 15 1981-12-17	82-01-01	82-12-31	Somani Steels Ltd., Sonik Dist. Unnao (Office Somani Bhawan, Nayaganj, Kanpur)	Steel ingots and billets for the production of volute helical and laminated springs for automotive suspension— IS : 8051—1976
56.	CM/L-10205 16 1981-12-17	82-01-01	82-12-31	Andhra Steel Corpn. Ltd., Malkapuram, Visakhapatnam-530011 (A.P.)	Carbon steel billets, blooms, slabs and bars for forgings— IS : 1875—1978
57.	CM/L-10206 17 1981-12-17	82-01-01	82-12-31	Shree Satya Industries, Opp. Kotharia Colony, 2/8, Sorathia Wadi, Rajkot-360002	Vertical, single cylinder, water cooled, four stroke, diesel engines of the following rating: Output—5.88 kw (8 bhp) Speed—850 RPM Governing-Class 'B' SFC-309/kwh— IS : 1601—1960
58.	CM/L-10207 18 1981-12-17	82-01-01	82-12-31	M.K. Engg. Co., Moradabad Road, Chandausi-202412	Double socket 1/4 bend— IS : 1528 (Pt I & X)—1976
59.	CM/L-10208 19 1981-12-17	81-12-16	82-12-15	Indian Telephone Industries, Doorvaninagar, Bangalore-16	Intsinsically safe electrical apparatus and circuits, comprising sound powered industrial grade telephone, category ia, temperature class T6 (55°C) for use in Group I gas (Mathane) atmosphere— IS : 5780—1980
60.	CM/L-10209 20 1981-12-21	82-01-01	82-12-31	Bengal Paper Packing Ind. 15/1 Belur Road, P.O. Liluah, Distt. Howrah (West Bengal)	Paraffin wax, type 3— IS : 4654—1974
61.	CM/L-10210 13 1981-12-21	82-01-01	82-12-31	Newage Hose Mfg. Company, Ambawadi Industrial Estate, Surrendranagar	Controlled persolating hose for fire fighting— IS : 8423—1977
62.	CM/L-10211 14 1981-12-21	82-01-01	82-12-31	Godavari Plywoods Limited, Ramapachodavaram-533288 East Godavari District	Plywood for general purposes— IS : 303—1975
63.	CM/L-10212 15 1981-12-22	82-01-01	82-12-31	South India Rubber Works, Beach Road, Alleppey-688001	Rubber mats for electrical purposes— IS : 5424—1969
64.	CM/L-10213 16 1981-12-24	82-01-01	82-12-31	Unidor Cables, Plot No. 264, Road No. 13 K, Vishwakarma Industrial Area, Jaipur-302013 (Office: C-20, Bhagwan Dass Road, Jaipur-302001)	PVC insulated and sheathed cables with aluminium conductors for working voltages upto and including 1100 V (excluding cables for low temperature and outdoor applications— IS : 694—1977
65.	CM/L-10214 17 1981-12-22	82-01-01	82-12-31	Premier Pesticides (P) Ltd, Plot No. 76-A, Industrial Estate, Kalmassery, Alwaye (Office: M.G. Road, Ernakulam, Cochin-682011)	Carbaryl 50% WDPC (Ground spray grade— IS : 7121—1973
66.	CM/L-10215 18 1981-12-22	82-01-01	82-12-31	Prakash Pulverizing Mills, I Industrial Area (Opp. Railway Goods Shed), Alwar-301001 (Rajasthan)	Malathion WDPC 25% IS : 2569—1978

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
67.	CM/L-10216 19 1981-12-22	82-01-01	82-12-31	Venkateshwara Cables Pvt Limited, F-1 (A & B) I.D.A. Jeedimetla Hyderabad-500854 (Office: 118 Kabra Complex, 61 M.G. Road, Secundrabad-500003)	Aluminium stranded conductors for overhead transmission purposes— IS : 398 (Part I)—1976
68.	CM/L-10217 20 1981-12-23	82-01-01	82-12-31	M. Shanks Sanitary Cistern Co., Mill Road, Goraya	C.I. Flushing cistern ,High level bell type 12.5 litre capacity— IS : 774—1971
69.	CM/L-10218 21 1981-12-24	82-01-01	82-12-31	Gujarat State Co-op. Marketing Federation Ltd.. Narol Vatva Road, Narol Ahmedabad.	DDTFC 25%— IS : 633—1975.
70.	CML/10219 22 1981-12-24	82-01-01	82-12-31	Paro Food Products, Mir Alam Tank Road Hyderabad-500252. (Andhra Pradesh).	Biscuits Variety : Glucose only— IS : 1011—1968
71.	CM/L-10220 15 1981-12-24	82-01-01	82-12-31	Bharat Minerals Chemical Industries, 1 Old Industrial Area, Alwar— (Rajasthan)	Malathion WDPC 25%— IS : 2569—1978
72.	CM/L-10221 16 1981-12-24	82-01-01	82-12-31	Kerala Lakshmi Mills, Unit of National Textile Corporation (AP-KK & M) Ltd. Pullazhy, Trichur-680012 Kerala.	Grey cotton yarn : (1) 80s, 2/60s & 2/80s Grade B, all carded; (2) 120s & 2/120s combed Grade B— IS : 171—1973.
73.	CM/L-10222 17 198.-12-24	82-01-01	82-12-31	Modi oil & General Mills, Mandi Gobindgarh-147301 Distt. Patiala.	Cold worked steel high strength deformed bars for concrete reinforcement— IS : 1786—1979.
74.	CM/L-10223 18 1981-12-24	82-01-01	82-12-31	Sri Balaji Pesticides, Ponpadi R.S. Thirutham, Chingelpet, Dist.-631213 (Office : 95 Saint xavier Street, Madras-600001)	BHC (HCH) DP— IS : 561—1978
75.	CM/L-10224 19 1981-12-24	82-01-01	82-12-31	National Pesticides & Chemicals, 30 Vaibhav Industrial Estate, Sion-Trombby, Road, Deonar, Bombay-400088	DDT EC 25%— IS : 633—1975
76.	CM/L-10225 20 1981-12-24	82-01-10	82-12-31	Indiclay, Plot No. 2, Udyognagar, S.V. Road, Goregaon, Bombay-400062.	Diamethoate EC 30%— IS : 3903 : —1975.
77.	CM/L-10226 21 1981-12-24	82-01-01	82-12-31	S.K. Products, 5 Industrial Area, Ulhasnagar-421004 (Maharashtra)	Biscuits Variety : Glucose only — IS : 1011—1968.
78.	CM/L-10227 22 1981-12-24	82-01-01	82-12-31	National Pesticides & Chemicals, 30 Vaibhav Industrial Estate, Sion-Trombay Road, Deonar, Bombay-400088.	Malathion EC 50%— IS : 2567—1978
79.	CM/L-10228 23 1981-12-24	82-01-01	82-12-31	Devidayal(Sales) Pvt. Ltd, Tulsiram Gupta Mills, Estate Reay Road, Bombay-400010.	Dichlorvos EC 76%— IS : 5277—1978.
80.	CM/L-10229 24 1981-12-29	82-01-16	83-01-15	Dhinjal Drawing Board Co., Khajuri Road, Yamunanagar.	Plywood teachest battens— IS : 10 (Part III)—1974
81.	CM/L-10230 17 1981-12-29	82-01-16	82-01-15	Kaushal Timber Traders, Khajuri Road. Yamunanagar.	Plywood teachest battens— IS : 10 (Part III)— 1974
82.	CM/L-10231 18 1981-12-29	82-01-01	82-12-31	Shree Gayatri Flour Mills Co., Plot No. 21, Sector, 24, Faridabad (Haryana) (Office : 3990 Naya Bazar, Delhi-110006)	Flushing cistern 12.5 litre capacity— IS : 774—1971
83.	CM/L-10232 19 1981-12-29	82-01-16	83-01-15	Small Machine Tools Co., 233 Belilious Road, Howarah-711101	Flushing cistern 12.5 litre capacity— IS : 774—1971
84.	CM/L-10233 20 1981-12-29	82-01-16	83-01-15	Devidyal (Sales) Pvt. Ltd., 50/A, G.I.D.C. Industrial Estate, Kalol-389330 Distt Panchmahals (Gujarat).	DDT (WDPC) 50%— IS : 565—1975
85.	CM/L-10234 21 1981-12-29	82-01-01	82-12-31	Amar Dal Mill, C-42, Lawrance Road, Industrial Area, Delhi -35 (Office : 2647 Naya Bazar, Delhi-110006)	Besan— IS : 2400—1976
86.	CM/L-101235 22 1981-12-29	82-01-16	83-01-15	Goa Steel Rolling Mills & Allied Industry, Radhakrishna Industrial Estate, Bicholim Goa-403504	Cold worked steel high strength deformed bars for concrete reinforcement— IS : 1786—1979
87.	CM/L10236 23 1981-12-29	82-01-16	83-01-15	Hindustan Scientific Co., Nawal Ka Mahautka Raste, Near Onda Mahardeoji Ka Mandir, Ramganj Bazar, Jaipur (Office : Film Colony, Jaipur).	Cube moulds in accordance with clause 8.4.2.1 and clause 9.3.2 50.0 mm³ x 70.6 mm— IS : 4031—1968

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
88.	CM/L-10237 24 1981-12-29	82-01-16	83-01-15	Primeval Industrial Pvt. 4 Avanashi Road, Peelamedu, Coimbatore 641004 Office : 604 Film Chamber Building (IInd Floor) ANNA Salai, Madras-600006 (Tamil Nadu)	Valves fittings for LPG cylinders of 5 litres or more— IS : 8737 (Part II)—1978
89.	CM/L-10238 25 1981-12-29	82-01-16	83-01-15	Kushal Metal & Paint Industries, A-78, Okhla Industrial Area, Phase II, New Delhi-110020	Distemper, oil emulsion colour as required IS : 428—1969.
90.	CM/L-10239 26 1981-12-29	81-12-16	82-12-15	Finolex Pipes Pvt. Limited, 10 & 10 Part, Pimpri Chinchwad Industrial Area, Chinchwad, Pune-411019 (Office : 26/27 Bombay Poona Road, Pimpri, Pune-411018)	Unplasticized PVC pipes for potable water supplies Pressure rating 2.5, 4 and 6 kgf/cm² sizes 125mm to 315 mm— IS : 4985—1968
91.	CM/L-10240 19 1981-12-30	82-01-16	83-01-15	METACD Indi , 16 Mondal Temple Lane, Calcutta-700053	Aluminium alloy sliding door bolts Type 3— IS : 2681—1979
92.	CM/L-10241 20 1981-12-30	82-01-16	83-01-15	Jain Farm Agencies, Nimkhedi-Khurd, Jalgaon Dhulia Road, Jalgaon-425001	Unplasticized PVC pipes for potable water supplies 4 kgf/cm² —Group I & Group III 6kgf/cm² —Group I— IS : 4985—1968
93.	CM/L-10242 21 1981-12-30	82-01-16	83-01-15	Jayshree Cables & Engg. Works Kunjandiyur Mettur, Dum-636403 Salem Distt. Tamil Nadu	PVC insulated, unsheathed cables with aluminium conductors for working voltages upto and including 1100 Volts— IS : 694—1977
94.	CM/L-10243 22 1981-12-30	82-01-16	83-01-15	Bajrangabali Iron & Steel Company, 100-A, Basin Road, Tiruvottiyur, Madras-600109	Structural steel (Standard Quality) IS : 226—1975
95.	CM/L-10244 23 1981-12-30	82-01-16	83-01-15	Metro Steel Rolling Mills Pvt. Ltd., 88 (NP) Developed Plot, Industrial Estate, Madras-600098	Gold worked steel high strength deformed bars for concrete reinforcement— IS : 1786—1979
96.	CM/L-10245 24 1981-12-30	82-01-16	83-01-15	Steelcrete Private Limited, 3, Industrial Development Area, Mindhi, Visakhapatnam-530042	Cast billet ingots and continuously cast billets for rolling into structural steel (Standard Quality)— IS : 6914—1978
97.	CM/L-10246 25 1981-12-30	82-01-16	83-01-15	N.V. Investment Co. Pvt. Ltd., 15 Dharamtala Road, Balurmath, Howrah (W.B.)	Hacksaw blades (Both hadn and Machine Hacksaw) Type 'A', Grade—IA— IS : 2594—1977
98.	CM/L10247 26 1981-12-30	82-01-16	83-01-15	P.N.M. Company, SF No. 300/I, Parundurai Road, Erode-638009 (Office : 60T.S., S.K.C. Road, Erode-638009)	BHC (HCH) WDPC— IS : 562—1978
99.	CM/L-10248 27 1981-12-30	82-01-16	83-01-15	-do-	DDT (WDPC)— IS : 565—1975
100.	CM/L-10249 28 1981-12-30	82-01-16	83-01-15	Ramesh Plastic Products, 83/C Govt. Industrial Estate, Kandivili (West), Bomba-400067	PVC rigid pipe Pressure rating 4kgf/cm² Size upto 110mm— IS : 4985—1968
101.	CM/L-10250 21 1981-12-31	82-01-16	83-01-15	Wavin India Limited, G-2, M.I.D.C. Industrial Area Nagpur-440016	Injection moulded PVC socket fittings with solvent cement joints for water supplies Part IV Tee 40 mm & 90 mm— IS : 7834—1975
102.	CM/L-10251 22 1918-12-31	82-01-16	83-01-15	Mukesh Metal Industries, A-12, Patil Industrial Estate, Balram Patil Road, Bhyandar (E), Distt. Thana	Polythylene floats for water supply purposes— IS : 1703—1977
103.	CM/L-10252 23 1981-12-31	82-01-16	83-01-15	Amar Deo Plastic Industries, 7—9 Satguru Nanik Industrial Estate, Western Express Highway, Goregaon (East), Bombay 400063	Unplasticized PVC pipes for potable water supplies 4 kgf/cm² upto 110 mm IS : 4985—1968
104.	CM/L-10253 24 1981-12-31	82-10-16	83-01-15	Eastern Chemical Industries, Jessore Road, P.O. Madhyamagram 24 Parganas-743275	Aldrin EC— IS : 1307—1973
105.	CM/L-10254 25 1981-12-31	82-01-16	83-01-15	Alucoin Jayakayanagar Industrial Undert king, P.D. Jayakaynagar, Distt. Burdwan, West Bengal.	Aluminium stranded conductors upto 37 strands for overhead transmission purposes— IS : 398(Part I & II)—1976
106.	CM/L-10255 26 1981-12-31	82-01-16	83-01-15	Sreeji Petro Products, & Jhanakpura Road, P.O. Barakar, Distt. Burdwan, (West Bengal)	Lubricants for rope dressing in service, grade 2 only— IS : 9182 (Part III)—1979

[No. CMD/13 : 11]

A.S. CHEEMA, Addl. Director General

इस्पात खान और कोयला मंत्रालय

(कोयला विभाग)

नई दिल्ली, 19 फरवरी, 1985

का. आ. 1022.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में उल्लिखित भूमि में कोयला अभिप्राप्त किए जाने की संभावना है;

अतः, केन्द्रीय सरकार, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 4 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उस क्षेत्र में कोयले का पूर्वेक्षण करने के अपने आशय की सूचना देती है;

इस अधिसूचना के अधीन आने वाले क्षेत्र के रेखांक सं. राजस्व/02/84, दिनांक 4 जून, 1984 का निरीक्षण सेन्ट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (राजस्व अनुभाग), दरभंगा हाउस, रांची के कार्यालय में या उपायुक्त, गिरिडीह (बिहार) के कार्यालय में अथवा कोयला नियंत्रक, 1-काउंसिल हाउस स्ट्रीट, कलकत्ता के कार्यालय में किया जा सकता है;

इस अधिसूचना के अधीन आने वाली भूमि में हितबद्ध सभी व्यक्ति उक्त अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (7) में निर्दिष्ट सभी नक्शों, चार्टों और अन्य दस्तावेजों को, इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से नब्बे दिन के भीतर, राजस्व अधिकारी, सेन्ट्रल कोलफील्ड्स लि., दरभंगा हाउस, रांची को भेजेगा।

अनुसूची

पश्चिम धोरी—विस्तारण-1

पूर्वी बोकारो कोयला क्षेत्र

पूर्वेक्षण के लिए अधिसूचित भूमि

क्रम. सं.	ग्राम	थाना	थाना संख्यांक	जिला	क्षेत्र (एकड़ में)	टिप्पणियां
1.	एमलो	बर्मो	64	गिरीडीह	90.00	भाग
			कुल क्षेत्र : 90.00 एकड़ (लगभग) या 36.42 हेक्टेयर (लगभग)			

सीमा वर्णन :

क–ख रेखा ग्राम एमलो की पश्चिमी सीमा के भाग के साथ-साथ जाती है।

ख–ग रेखा एमलो ग्राम में कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9(1) के अधीन अर्जित क्षेत्र के भाग के साथ-साथ जाती है।

ग–घ–क रेखा ग्राम एमलो से होकर जाती है और आरंभिक बिन्दु "क" पर मिलती है।

[फा०सं० 43019/14/84-सी ए)]

MINISTRY OF STEEL, MINES AND COAL

(Department of Coal)

New Delhi, the 19th February, 1985

S.O. 1022 :—Whereas it appears to the Central Government that coal is likely to be obtained from the lands mentioned in the Schedule hereto annexed;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 4 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government hereby gives notice of its intention to prospect for coal therein;

The Plan No. Rev/02/84 dated the 4th June, 1984 of the area covered by this notification can be inspected at the Office of the Central Coalfields Limited, (Revenue Section), Darbhanga House, Ranchi, or at the Office of the Deputy Commissioner, Giridih Bihar) or at the Office of the Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta;

All persons interested in the land covered by this notification shall deliver all maps, charts and other documents referred to in sub section (7) of section 13 of the said Act to the Revenue Officer, Central Coalfields Limited, Darbhanga House, Ranchi within 90 days from the date of the publication of this notification in the Official Gazette.

SCHEDULE

West Dhori—Extension I

East Bokaro Coalfield

Lands notified for prospecting:

Serial Number	Village	Thana	Thana Number	District	Area in acres	Remarks
1.	Emlo	Bermo	64	Giridih	90.00	Part
				Total area : 90.00 acres (approximately) or 36.42 hectares (approximately)		

Boundary description —

A-B line passes along the part of Western boundary of village Emlo.

B-C line passes along the part of the area acquired under section 9(1) of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957) in village Emlo.

C-D-A lines pass through village Emlo and meet at starting point 'A'.

[No. 43019/14/84-CA]

का. आ. 1923:—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में उल्लिखित भूमि में कोयला अभिप्राप्त किए जाने की संभावना है; अतः, केन्द्रीय सरकार, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उस क्षेत्र में कोयले का पूर्वेक्षण करने के अपने आशय को सूचना देती है ;

इस अधिसूचना के अधीन आने वाले क्षेत्र के रेखांक राजस्व सं. 106/84, तारीख 19 जुलाई, 1984 का निरीक्षण सेन्ट्रल कोलफील्ड्स लि., राजस्व अनुभाग, दरभंगा हाउस, रांची-834001 (बिहार) के कार्यालय में या कलक्टर, सिधी (मध्य प्रदेश) के कार्यालय में अथवा कोयला नियंत्रक, 1, काउंसिल हाउस स्ट्रीट, कलकत्ता-700001 के कार्यालय में किया जा सकता है ;

इस अधिसूचना के अधीन आने वाली भूमि में हितबद्ध सभी व्यक्ति उक्त अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (7) में निर्दिष्ट सभी नक्शों, चार्टों और अन्य दस्तावेजों को, इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से नब्बे दिन के भीतर, राजस्व अधिकारी, सेन्ट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड, दरभंगा हाउस, रांची 834001, बिहार को भेजेंगे।

अनुसूची

(मेघोली और पिडरवाली ब्लाक)

सिंगरौली कोयला क्षेत्र

जिला : सिधी (मध्य प्रदेश)

पूर्वेक्षण के लिए अधिसूचित भूमि

मेघोली ब्लाक

क्रम सं.	ग्राम	तहसील	परगना	परगान संख्यांक	थाना	जिला	क्षेत्र	टिप्पणियां
1.	गोरबी	देवसर	सिंगरौली	—	—	सिधी	3790.70	भाग
2.	कथास	"	"	—	—	"	324.95	सम्पूर्ण
3.	मौराहिया	"	"	—	—	"	1029.00	भाग
4.	फूलझर	"	"	—	—	"	27.69	सम्पूर्ण
5.	इंगुरा	"	"	—	—	"	328.38	सम्पूर्ण
6.	महदैया	"	"	—	—	"	800.42	सम्पूर्ण
7.	मेघोली	सिंगरौली	"	—	—	"	362.33	भाग
8.	निगही	"	"	—	—	"	9.00	भाग
9.	मुहर	"	"	—	—	"	4891.03	भाग
10.	सोलांग	"	"	—	—	"	1071.98	सम्पूर्ण
11	राजाखंड	"	"	—	—	"	224.15	सम्पूर्ण
12.	धुरवा	"	"	—	—	"	104.57	सम्पूर्ण
13.	चकवार	"	"	—	—	"	402.80	सम्पूर्ण
14.	पवारी	"	"	—	—	"	4639.00	भाग
15.	चिनाजीटोला	"	"	—	—	"	1825.00	भाग
16.	हरैया	"	"	—	—	"	590.00	भाग
17.	सिंगही	"	"	—	—	"	214.16	सम्पूर्ण
18.	राजासराय	"	"	—	—	"	243.00	भाग
					कुल क्षेत्र :		20,878.16 एकड़ (लगभग)	
							8,448.97 हैक्टर (लगभग)	

सीमा वर्णन :

क–ख रेखा रामपुरवा और पवारी ग्रामों की सम्मिलित सीमा के साथ-साथ जाती है (यह देवसर और सिंगरौली तहसील की भागत: सम्मिलित सीमा बनाती है)।

ख–ग रेखा चिनाजीटोला ग्राम से होकर और गेदरिया और चिनाजीटोला की सम्मिलित सीमा के भाग के साथ-साथ जाती है और उसके बाद नाले से होकर जाती है।

ग–घ रेखा चिनाजीटोला और मेल्डाराज सराय और टेलड़ा (नाले की केन्द्रीय रेखा) ग्रामों की सम्मिलित सीमा के साथ-साथ जाती है और आगे राजसराय और हरैया ग्रामों के साथ-साथ (नाले की केन्द्रीय रेखा के साथ-साथ) जाती है।

घ–ङ–च–च/1 रेखाएं हरैया, चिनाजीटोला, पवारी और मुहर ग्रामों (जो मुहर ब्लाक के साथ सम्मिलित सीमा बनाती है) से होकर जाती हैं।

च/2–च/2 रेखा मुहर ग्राम से होकर (जो आमलोरी ब्लाक के साथ सम्मिलित सीमा बनाती हैं) जाती है ।

च/2–छ रेखा मुहर और निगही ग्रामों (जो निगही ब्लाक के साथ सम्मिलित सीमा बनाती हैं) से होकर जाती है।

छ–ज–झ रेखाएं निगही और मेघोली ग्रामों से होकर जाती है और तब कथास और मेघाली, कथास और कुसवाई ग्रामों की सम्मिलित सीमा के साथ-साथ जाती हैं।

झ–क रेखा कथास, गोरबीम, इंगरा ग्रामों की उत्तरी सीमा के साथ-साथ और महुदेया और सोलंग ग्रामों की उत्तरी और पश्चिमी सीमा के साथ-साथ पदारी ग्राम की उत्तरी सीमा के भाग के साथ-साथ जाती है और प्रारंभिक बिन्दु "क" पर मिलती है।

टिप्पण : मेधोली ब्लाक में 1, 2, 3 और 4 रेखाओं से सीमाबद्ध गोरबी ब्लाक का क्षेत्र और गोरबी ब्लाक विस्तारण जो रेखा 5, 6, 7 और 8 द्वारा सीमाबद्ध है वह क्षेत्र सम्मिलित नहीं है जिसका अर्जन कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 (1) के अधीन किया जा चुका है।

पिंडरताली ब्लाक

क्रम. सं.	ग्राम	तहसील	परगना	परगना संख्यांक	थाना	जिला	क्षेत्र	टिप्पणी
1.	पिंडरताली	सिंगरौली	सिंगरौली	—	—	सिधी	1180.58	भाग
2.	पंजरेह	"	"	—	—	"	622.50	भाग
3.	चटका	"	"	—	—	"	494.43	भाग
4.	चुरिदह	"	"	—	—	"	380.00	भाग
5.	झिंगुरदह	"	"	—	—	"	2164.00	भाग
6.	चुरकी	"	"	—	—	"	500.00	भाग

कुल क्षेत्र 5341.51 एकड़ (लगभग)
या 2161.60 हेक्टर (लगभग)

सीमावर्णन

अ–ट–ठ–ड रेखाएं कसबई और पिंडरताली ग्रामों, पिंडरताली और मेधौली पिंडरताली और पंजरेह ग्रामों की सम्मिलित सीमा के भाग के साथ-साथ जाती है, इसके आगे ग्राम पंजरेह से होकर जाती है (यह खान और खनिज) (विनियमन और विकास) अधिनियम, 1957 (1947 का 67) की धारा 17 के अधीन अधिसूचित ब्लाक की सम्मिलित सीमा का भाग बनाती है)।

ड–ढ रेखा पंजरेह, मेधौली, चटका और मेधौली ग्रामों की सम्मिलित सीमा के भाग के साथ-साथ जाती है।

ढ–ण रेखा चटका और करवारी-करवारी और झिंगुरदाह ग्रामों की सम्मिलित सीमा के भाग के साथ-साथ जाती है इसके आगे चुरीदह ग्राम से होकर जाती है (जो दुधिचुआ ब्लाक) जो कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 (1) के अधीन अर्जित है) की सम्मिलित सीमा बनाती है।

ण–त रेखा उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश की अन्तर राज्यिक सीमा के भाग के साथ-साथ जाती है।

त–थ–द–ध–न– रेखाएं झिंगुरदह, चटका, पंजरेह और पिंडरताली ग्रामों से होकर जाती है (यह झिंगुरदह ब्लाक, जो कोयला धारक

प–फ–ब क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 [1957 की धारा 9 (1)] के अधीन अर्जित है, की सम्मिलित सीमा बनाती है।

ब–भ रेखा सिंगरौली तहसील के झिंगुरदह ग्राम और देवसर तहसील के चुरकी ग्राम से होकर जाती है इसके आगे झिंगुरदह और चुटकी ग्रामों की सम्मिलित सीमा के साथ-साथ जाती है (जो झिंगुरदह ब्लाक विस्तारण की सम्मिलित सीमा का भाग बनाती है)

भ–म रेखा उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश की अन्तरराज्यिक सीमा के भाग के साथ-साथ जाती है।

म–अ रेखा देवसर तहसील के चुरकी ग्राम से होकर जाती है और सिंगरौली तहसील के झिंगुरदह और पिंडरताली ग्रामों की उत्तरी सीमा के भाग से होकर जाती है और प्रारंभिक बिन्दु "अ" पर मिलती है।

[सं. 43019/38/84-सी. ए.]
समय सिंह, अवर सचिव

S. C. 1023.—Whereas it appears to the Central Government that coal is likely to be obtained from the land mentioned in the Schedule hereto annexed;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 4 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act 1957 (20 of 1957) the Central Government hereby gives notice of its intention to prospect for coal therein;

The plan No.Rev./106/84 dated the 19th July 1984 of the area covered by this notification may be inspected in the Office of th Central Coalfields Limited Revenue Section Darbhanga House Ranchi-834001 (Bihar) or in the Office of the Collector Sidhi, Madhya Pradesh or in the Office of the Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta-700001.

All persons interested in the land covered by this notification shall deliver all maps, charts and other documents referred to in sub-section (7) of section 13 of the said Act to the Revenue Officer Central Coalfields Limited, Darbhanga House, Ranchi-834001 Bihar) within ninety days from the date of the publication of this notification.

SCHEDULE

MEDHAULI AND PINDERTALI BLOCKS

SINGRAULI COALFIELD

DISTRICT SIDHI (MADHYA PRADESH)

Lands notified for prospecting:

Medhauli Block

Serial number	Village	Tahsil	Pargana	Pargana number	Thana	District	Area	Remarks
1.	Gorbi	Deosar	Singrauli	—	—	Sidhi	3790.70	Part
2.	Kathas	,,	,,	—	—	,,	324.95	Full
3.	Naurhiya	,,	,,	—	—	,,	1029.00	Part
4.	Phuljhar	,,	,,	—	—	,,	27.69	Full
5.	Ingura	,,	,,	—	—	,,	328.38	Full
6.	Mahadaiya	,,	,,	—	—	,,	800.42	Full
7.	Medhauli	Singrauli	,,	—	—	,,	362.33	Part
8.	Nigahi	,,	,,	—	—	,,	9.00	Part
9.	Muher	,,	,,	—	—	,,	4891.03	Part
10.	Solang	,,	,,	—	—	,,	1071.98	Full
11.	Rajakhad	,,	,,	—	—	,,	224.15	Full
12.	Thurwa	,,	,,	—	—	,,	104.57	Full
13.	Chakawar	,,	,,	—	—	,,	402.80	Full
14.	Padari	,,	,,	—	—	,,	4639.00	Part
15.	Chinagitola	,,	,,	—	—	,,	1825.00	Part
16.	Harraiya	,,	,,	—	—	,,	590.00	Part
17.	Singahi	,,	,,	—	—	,,	214.16	Full
18.	Rajsarai	,,	,,	—	—	,,	243.00	Part

Total Area :—20,878.16 acres (approximately)
or 8,448.97 hectares (approximately)

Boundary Description :—

A-B line passes along the common boundary of villages Rampura and Padari (which forms part common boundary between Deosar and Singrauli Tahsil).

B-C line passes through village Chinagitola and also along the part common boundary of villages Gedaria and Chinagitola and then through Nalla.

C-D line passes along the common boundary of villages Chinagitola and Teldah Rajsarai and Teldah (central line of the Nala) then passes through villages Rajsarai and Haraiya (along central line of the Nalla).

D-E-F-F/1 lines pass through villages Haraiya Chinagitola Padari and Muher (which forms common boundary with Muher Block).

F/2-F/2 line passes through village Muher (which forms common boundary with Amlori Block).

F/2-G line passes through villages Muher and Nigahi (which forms common boundary with Nigahi Block).

G-H-I lines pass through villages Nigahi and Medhauli and then pass along common boundary of villages Kathas and Medhauli, Kathas and Kusbai.

I-A line passes along the northern boundary of villages Kathas, Gorbi, Ingura and along the northern and western boundary of villages Mahdaiya and Solang and along part northern boundary of village Padari and meets at starting point 'A'.

N.B: Medhauli Block excludes the area of Gorbi Block bounded by lines 1 2 3 and 4 and Gorbi Block Extension bounded by lines 5, 6, 7 and 8 already acquired under section 9 (1) of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development Act, 1957 (20 of 1957).]

Pindertali Block:

Serial number	Village	Tahsil	Pargana	Pargana number	Thana	District	Area	Remarks
1.	Pindertali	Singrauli	Singrauli	—	—	Sidhi	1180.59	Part
2.	Panjreh	,,	,,	—	—	,,	622.50	,,
3.	Chatka	,,	,,	—	—	,,	494.43	,,
4.	Churidah	,,	,,	—	—	,,	380.00	,,
5.	Jhingurdah	,,	,,	—	—	,,	2164.00	,,
6.	Churki	,,	,,	—	—	,,	500.00	,,

Total area :—5341.51 acres (approximate)
or 2161.60 hectares (approximate)

Boundary description —

J-K-L-M	lines pass along the part common boundary of villages Kusbai and Pindertali, Pindertali and Medhauli, Pindertali and Panj reh, then through village Panjreh (which forms part common boundary of block notified under section 17 of the Mines and Minerals (Regulation and Development) Act, 1957 (67 of 1957).
M-N	line passes along the part common boundary of villages Panjreh, Medhauli, Chatka and Medhauli.
N-O	line passes along the part common boundary of villages Chatka and Karwari, Karwari and Jhingurdah, then through village Churidah (which forms part common boundary of Dudhichuwa Block acquired under section 9 (1) of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957).
O-P	line passes along the part Inter State boundary of Uttar Pradesh and Madhya Pradesh.
P-Q-R-S-T-U-V-W	lines pass through villages Jhingurdah, Chatka, Panjreh and Pindertali (which forms common boundary of Jhingurdah Block acquired under section 9 (1) of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957).
W-X	line passes through village Jhingurdah of Tahsil Singrauli and Churki of Tahsil Deosar, then along the part common boundary of villages Jhingurdah and Churki (which forms part common boundary of Jhingurdah Block Extension).
X-Y	line passes along the part Inter State boundary of Uttar Pradesh and Madhya Pradesh.
Y-J	line passes through village Churki of Tahsil Deosar and along part northern boundary of villages Jhingurdah and Pindertali of Tahsil Singrauli and meets at starting point 'J'.

[No. 43019/38/84-CA]
SAMAY SINGH, Under Secy.

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

नई दिल्ली, 25 फरवरी, 1985

का. आ. 1024.—चलचित्र अधिनियम 1952 (1952 का 37) की धारा 9 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा केन्द्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड द्वारा प्रमाणित फिल्मों (वीडियो फिल्मों को छोड़कर) के संबंध में फिल्म की एक प्रिंट/वीडियो कापी को जमा करने से संबंधित चलचित्र (प्रमाणन) नियम 1983 के नियम 28 के उप नियम (1) के उपबन्धों से 1-4-85 से 30-9-85 तक की अवधि के लिए इस शर्त पर छूट देती है कि आवेदक फिल्म की शूटिंग स्क्रिप्ट को केन्द्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड के पास जमा करेगा।

[फाइल संख्या 806/21/83-एफ(सी)]
के. एस. वेंकटरामन, अवर सचिव

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING

New Delhi, the 25th February, 1985

S.O. 1024.—In exercise of the powers conferred by section 9 of the Cinematograph Act 1952 (37 of 1952), the Central Government hereby grants exemption from the provisions of sub-rule (1) of rule 28 of the Cinematograph (Certification) Rules 1983 relating to deposit of a print/video copy of the film in respect of films (excluding video films) certified by the Central Board of Film Certification for the period 1-4-85 to 30-9-85 subject to the condition that the applicant shall deposit a shooting script of the film to the Central Board of Film Certification.

[F. No. 806/21/83-F(C)]
K. S. VENKATARAMAN, Under Secy.

नौवहन और परिवहन मंत्रालय

(नौवहन महानिदेशालय)

आदेश

बम्बई, 23 फरवरी, 1985

(वाणिज्य पोत परिवहन)

का. आ. 1025.—वाणिज्य पोत परिवहन अधिनियम, 1958 (1958 का 44) की धारा 7 की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार, नौवहन और परिवहन मंत्रालय (नौवहन महानिदेशालय) की अधिसूचना सं. का. आ. 3893, तारीख 14 नवम्बर, 1979 को अधिक्रान्त करते हुए नौवहन महानिदेशक, केन्द्रीय सरकार के पूर्वानुमोदन से एतद्द्वारा निदेश देते हैं कि निम्नांकित सारणी के स्तंभ (1) में विनिर्दिष्ट उक्त अधिनियम के उपबंधों के द्वारा या अधीन जो उन्हें प्राधिकार की शक्ति प्रदत्त है या उनका प्रत्यायोजन किया है है या उन पर कर्तव्य का अधिरोपण किया है, उसका प्रयोग या निर्वहन जैसा मामला हो, नीचे दी सारणी के स्तम्भ (1) में विनिर्दिष्ट अधिकारियों द्वारा उस सारणी के स्तम्भ (3) में उसके सामने विनिर्दिष्ट शर्तों के अध्यधीन, किया जाएगा, अर्थात्:—

सारणी

वाणिज्य पोत परिवहन अधिनियम 1958 (1958 का 44)	अधिकारी	शर्तें
1	2	3
41 79(2) 121 145 (2) 157 (1) 158 158 161 (7) 165 176 191 (2) 197 206 210 316 (2) 066 (3) 388 406 407 408 411 426 431 456 (1)	नौवहन और परिवहन सचिव के पूर्वानुमोदन से महानिदेशक द्वारा उनकी अनुपस्थिति के दौरान उनके कार्य देखने के लिए नामित किया अधिकारी	(1) यह शक्ति केवल तभी लागू होगी, जब महानिदेशक के पद के पदाधिकारी कार्यालय में उपलब्ध न हों। (2) किसी भारतीय पोत जलयान के हस्तान्तरण को पूर्ववर्ति अनुमोदन देने की शक्ति लागू नहीं होगी। जिन मामलों में हस्तान्तरी भारत का नागरिक न हो या कोई कम्पनी उक्त अधिनियम की धारा 21 के खण्ड (ख) की अपेक्षाओं का समाधान न करती हो।

[फाइल सं. 3-एसएल(1)/85]
एन० चक्रवर्ती, नौवहन महानिदेशक

MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT

(Directorate General of Shipping)

ORDER

Bombay, the 23rd February, 1985

(MERCHANT SHIPPING)

S.O. 1025.—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of section 7 of the Merchant Shipping Act, 1958 (44 of 1958) and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Shipping & Transport (Directorate General of Shipping) No. S.O. 3893, dated the 14th November 1979, the Director General with the previous approval of the Central Government, hereby directs that the power or authority conferred upon or delegated to, and any duty imposed upon him, by or under the provisions of the said Act specified in Column (1) of the Table below shall be exercised, or as the case may be, discharged by the Officer specified in column (2) of the said Table subject to the conditions and restrictions specified in column (3) of the Table, namely :—

TABLE

Provisions of the Merchant Shipping Act, 1958 (44 of 1958)	Officer	Conditions
1	2	3
41 79(2) 121 145(2) 157(1) 158 161(7) 165 176 191(2) 197 206 210 316(2) 366(3) 388 406 407 408 411 426 431 456(1)	The Officer nominated by the Director General after obtaining the approval of Secretary Shipping and Transport, to look after his duties during his absence.	(1) Power shall be exerciseable only when the incumbent of the post of the Director General is not available in the Station. (2) The power to give prior approval to the transfer of any Indian sailing vessel shall not be exercisesable in cases where the transferee is not a citizen of India or acompany satisfying the requirements of clause (b) of Section 21 of the said Act.

[File No. 3-SL(1)/85]

N. CHAKRABARTY,
Director General of Thipping

संचार मंत्रालय

(डाक तार बोर्ड)

नई दिल्ली, 19 फरवरी, 1985

का. आ. 1026.—स्थायी आदेश संख्या 627, दिनांक 8 मार्च, 1960 द्वारा लागू किये गये भारतीय तार नियम, 1951 के नियम 434 के खण्ड III के पैरा (क) के अनुसार डाक-तार महानिदेशक ने कोषिन्जामपारा आर वी पुदूर टेलीफोन केन्द्र में दिनांक 16-3-1985 से प्रमाणित दर प्रणाली लागू करने का निश्चय किया है।

[सं० 5-9 85 पी एच बी]

MINISTRY OF COMMUNICATIONS

(P&T BOARD)

New Delhi, the 19th February, 1985

S.O. 1026.—In pursuance of para (a) of Section III of Rule 434 of Indian Telegraph Rules, 1951, as introduced by S. O. No. 627 dated 8th March, 1960, the Director General, Posts and Telegraphs, herebye specified 16-3-1985 as the date on which the Measured Rate System will be introduced in Kozhinjampara/R. V. Pudur Telephone Exchange Kerala Circle.

[No. 5-9/85-PHB]

नई दिल्ली, 23 फरवरी, 1985

का. आ. 1027.—स्थायी आदेश संख्या 627, दिनांक 8 मार्च, 1980 द्वारा लागू किये गये भारतीय तार नियम, 1951 के नियम 434 के खण्ड (III) के पैरा (क) के अनुसार डाक-तार महानिदेशक ने चिक्खली टेलीफोन केन्द्र में दिनांक 16-3-1985 से प्रमाणित दर प्रणाली लागू करने का निश्चय किया है।

[सं० 5-11/84-पी०एच०बी०]

New Delhi, the 23rd February, 1985

S.O. 1027.—In pursuance of para (a) of Section III of Rule 434 of Indian Telegraph Rules, 1951, as introduced by S.O. No. 627 dated 8th March, 1960, the Director General, Posts and Telegraphs, hereby specified 16-3-1985 as the date on which the Measured Rate System will be introduced in Chikhli Telephone Exchange Gujarat Circle.

[No. 5-11/84-PHB]

का. आ. 1028.—स्थायी आदेश संख्या 627, दिनांक 8 मार्च, 1980 द्वारा लागू किये गये भारतीय तार नियम, 1951 के नियम 434 के खण्ड (III) के पैरा (क) के अनुसार डाक तार महानिदेशक ने शीरपुर टेलीफोन केन्द्र में दिनांक 16-3-85 से प्रमाणित दर प्रणाली लागू करने का निश्चय किया है।

[सं. 5-10/85-पी. एच. बी]

S.O. 1028.—In pursuance of para (a) of Section III of Rule 434 of Indian Telegraph Rules, 1951, as introduced by S.O. No. 627 dated 8th March, 1960, the Director General, Posts and Telegraphs, hereby specified 16-3-1985 as the date on which the Measured Rate System will be introduced in Shirpur Telephone Exchange Maharashtra Circle.

[No. 5-10/85-PHB]

नई दिल्ली, 1 मार्च, 1985

का. आ. 1029.—स्थायी आदेश संख्या 627, दिनांक 8 मार्च, 1960 द्वारा लागू किये गये भारतीय तार नियम, 1951 के नियम 434 के खण्ड III के पैरा (क) के अनुसार डाक-तार महानिदेशक ने मुडिगरे टेलीफोन केन्द्र में दिनांक 16-3-1985 से प्रमाणित दर प्रणाली लागू करने का निश्चय किया है।

[संख्या 5-11-/85-पी एच बी]

ब्रज राम सिंह,
सहायक महानिदेशक (पी. एच. बी.)

New Delhi, the 1st March, 1985

S.O. 1029.—In pursuance of para (a) of Section III of Rule 434 of Indian Telegraph Rules, 1951, as introduced by S.O. No. 627 dated 8th March, 1960, the Director General, Posts and Telegraphs, hereby specified 16-3-1985 as the date on which the Measured Rate System will be introduced in Mudigere Telephone Exchange Karnataka Circle.

[No. 5-11/85-PHB]

B. R. SINGH, Asstt. Director General (PHB)

श्रम मंत्रालय

नई दिल्ली, 20 फरवरी, 1985

का. आ. 1030 :—मैसर्स किरलोस्कर ब्रादर्स लिमिटेड, देवास, मध्य प्रदेश-45001 (एम पी/953), (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उप-धारा (2-क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है ;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथक अभिदाय या प्रीमियम का संदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा नियम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुज्ञेय हैं ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को तीन वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम के सभी उपबंधों के प्रवर्तन से छूट देती है ।

अनुसूची

1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, मध्य प्रदेश को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय समय पर निर्दिष्ट करे ।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खंड (क) के अधीन समय समय पर निर्दिष्ट करे ।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना विवरणियों का पस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभारों संदाय आदि भी हैं, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा ।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, संस्थान के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा ।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है, तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा ।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाए जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं ।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होती, जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निर्देशिती को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अन्तर के बराबर रकम का संदाय करेगा ।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त मध्य प्रदेश के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की सम्भावना हो, वहां प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा ।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है अधीन नहीं रह जाते हैं, या उस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह रद्द की जा सकती है ।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक उस नियत तारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है, और पालिसी को व्ययगत हो जाने दिया जाता है तो, छूट रद्द की जा सकती है ।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यतिक्रम की दशा में, उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितियों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा फायदों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा ।

12. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक, इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्देशितियों/विधिक वारिसों को बीमाकृत रकम का संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत रकम प्राप्त होने के सात दिन के भीतर सुनिश्चित करेगा ।

[सं. एस-35014(49) 81-पी एफ-2 एस एस-4]

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 20th February, 1985

S.O. 1030.—Whereas Messrs. Kirloskar Brothers Limited, Dewas, Madhya Pradesh-455001 (MP/953) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject

to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Madhya Pradesh and maintain such accounts and provide such facilities for inspection as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Madhya Pradesh and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium and responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/Legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. S. 35014(49)/81-PF-2(SS-IV)]

1604 GI/84—21

का. आ. 1031 :—मैसर्स श्री सिंथेटिक्स लिमिटेड, पो. बाक्स नं. 6, उज्जैन-456001, मध्य प्रदेश (एमपी/2070), (जिसे इसमें पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उप-धारा (2-क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है ;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथक अभिदाय या प्रीमियम का संदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुज्ञेय है ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को तीन वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम के सभी उपबंधों के प्रवर्तन से छूट देती है ।

अनुसूची

1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, मध्य प्रदेश को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय समय पर निर्दिष्ट करे ।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खंड (क) के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करे ।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभारों संदाय आदि भी हैं, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा ।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, संस्थान के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा ।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है, तो नियोजक, सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा ।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाए जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं ।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होती, जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निर्देशिती को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अन्तर के बराबर रकम का संदाय करेगा ।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, मध्य प्रदेश के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की सम्भावना हो, वहां प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा ।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है अधीन नहीं रह जाते हैं, या उस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह रद्द की जा सकती है ।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक उस नियत तारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है, और पालिसी को व्यपगत हो जाने दिया जाता है तो, छूट रद्द की जा सकती है ।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यतिक्रम की दशा में, उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितियों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा फायदों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा ।

12. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक, इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्देशितियों/विधिक वारिसों को बीमाकृत रकम का संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत रकम प्राप्त होने के सात दिन के भीतर सुनिश्चित करेगा ।

[सं. एस-35014 (61)/81-पी एफ. 2 (एस. एस. 4)]

S.O. 1031.—Whereas Messrs Shri Synthetics Limited Post Box No. 6, Ujjain-456001, Madhya Pradesh (MP/2070) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Madhya Pradesh and maintain such accounts and provide such facilities for inspection as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc., shall be borne by the employer.

4 The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him, to the Life Insurance Corporation of India.

6 The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Madhya Pradesh and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give areasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium and responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/Legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. S. 35014(61)/81-PF-II(SS-IV)]

का. आ. 1032 :—मैसर्स नेशनल मैटल इण्डस्ट्रीज, पी. बी. नं. 84, भागीरथ पुरा, इन्दौर-452003, मध्य प्रदेश (एम. पी/1325), (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19), (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उप-धारा (2-क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है ;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथक अभिदाय या प्रीमियम का संदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुज्ञेय है ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को तीन वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम के सभी उपबंधों के प्रवर्तन से छूट देती है ।

अनुसूची

1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, मध्य प्रदेश को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय समय पर निर्दिष्ट करे ।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खंड (क) के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करे ।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभारों का संदाय आदि भी हैं, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा ।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, संस्थान के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा ।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है, तो नियोजक, सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा ।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाए जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं ।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होती, जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निर्देशिती को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अन्तर के बराबर रकम का संदाय करेगा ।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, मध्य प्रदेश के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की सम्भावना हो, वहां प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा ।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उक्त सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है अधीन नहीं रह जाते हैं, या उस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह रद्द की जा सकती है ।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक उस नियत तारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है, और पालिसी को व्यपगत हो जाने दिया जाता है तो, छूट रद्द की जा सकती है ।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यतिक्रम की दशा में, उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितियों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा फायदों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा ।

12. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक, इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्देशितियों/विधिक वारिसों को बीमाकृत रकम का संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत रकम प्राप्त होने के सात दिन के भीतर सुनिश्चित करेगा ।

[सं. एस-35014 (39)/81-पी एफ. 2 (एस. एस. 4)]

S.O. 1032.—Whereas Messrs National Metal Industries, P.B. No. 84, Bhagirathpura, Indore-452003, Madhya Pradesh (MP/1325) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 framed under the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto,

the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Madhya Pradesh and maintain such accounts and provide such facilities for inspection as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Madhya Pradesh and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium and responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/Legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. S. 35014(39)/81-PF. II(SS-IV)]

का. आ. 1033 :—मैसर्स श्री इशहार एल्लोम स्टील्स प्राइवेट लिमिटेड, न्यू इण्डस्ट्रीयल इस्टेट, सैक्टर डी, , सुखालीजा, इन्दौर-452003 (एम पी/1960), (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 की 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उप-धारा (2-क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है ;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथक अभिदाय या प्रीमियम का संदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुज्ञेय है;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को तीन वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम के सभी उपबंधों के प्रवर्तन से छूट देती है ।

अनुसूची

1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, मध्य प्रदेश को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय समय पर निर्दिष्ट करे ।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3की) के खंड (क) के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करे ।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभारों का संदाय आदि भी हैं, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा ।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, संस्थान की सूचना-पट्ट पर प्रदर्शित करेगा ।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है, तो नियोजक, सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा ।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाए जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक

बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं ।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होती, जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निर्देशिती को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अन्तर के बराबर रकम का संदाय करेगा ।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त मध्य प्रदेश के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की सम्भावना हो, वहां प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा ।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है अधीन नहीं रह जाते हैं, या उस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह रद्द की जा सकती है ।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक उस नियत तारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है, और पालिसी को व्ययगत हो जाने दिया जाता है तो, छूट रद्द की जा सकती है ।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यतिक्रम की दशा में, उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितियों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा फायदों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा ।

12. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक, इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्देशितियों/विधिक वारिसों को बीमाकृत रकम का संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत रकम प्राप्त होने के सात दिन के भीतर सुनिश्चित करेगा ।

[सं. एस-35014(41)/81-पीएफ. 2 (एस. एस. 4)]

S.O. 1033.—Whereas Messrs Shri Ishar Alloy Steels Private Limited, New Industrial Estate, Sector D, Sukhalia, Indore-452003 (MP/1960), (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Madhya Pradesh and maintain such accounts and provide such facilities for inspection as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Madhya Pradesh and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium and responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/Legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects

[No. S-35014(41)/81-PF-II(SS-IV)]

का. आ. 1034 :— मैसर्स कम्प्यूटर मेंटेनेंस कारपोरेशन लि., 115, एस. डी. रोड, सिकन्दराबाद-500003 (ए. पी./5951) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19), (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उप-धारा (2-क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है ;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथक् अभिदाय या प्रीमियम का संदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुज्ञेय है ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को तीन वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम के सभी उपबंधों के प्रवर्तन से छूट देती है ।

अनुसूची

1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, मध्य प्रदेश को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय समय पर निर्दिष्ट करे ।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खंड (क) के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करे ।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभारों का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा ।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, संस्थान की सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा ।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है, तो नियोजक, सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा ।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाए जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं ।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होती, जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निर्देशिती को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अन्तर के बराबर रकम का संदाय करेगा ।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, आन्ध्र प्रदेश की पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की सम्भावना हो, वहां प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा ।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है अधीन नहीं रह जाते हैं, या उस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह रद्द की जा सकती है ।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक उस नियत तारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है, और पालिसी को व्यपगत हो जाने दिया जाता है तो, छूट रद्द की जा सकती है ।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यतिक्रम की दशा में, उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितियों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा फायदों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा ।

12. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक, इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्देशितियों/विधिक वारिसों को बीमाकृत रकम का संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत रकम प्राप्त होने के सात दिन के भीतर सुनिश्चित करेगा ।

[सं. एस-35014/93/81-पी. एफ. 2 (एस. एस. 4)]

S.O. 1034.—Whereas Messrs Computer Maintenance Corporation Limited, 115, S. D. Road, Secunderabad-500003 (AP/5954), (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Andhra Pradesh and maintain such accounts and provide such facilities for inspection as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Andhra Pradesh and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium and responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/Legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. S. 35014/93/81-PF-II(SS-IV)]

का. आ. 1035 :—मैसर्स एलटेक्स इंजीनियरिंग कारपोरेशन (प्राइवेट) लि., पो. बाक्स नं 2009, गणपति पोस्ट, कोयम्बटूर-641006 (टी. एन./3479), (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उप-धारा (2-क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है ;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथक अभिदाय या प्रीमियम का संदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुज्ञेय है ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को तीन वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम के सभी उपबंधों के प्रवर्तन से छूट देती है ।

अनुसूची

1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, तमिल नाडु को ऐसी विवरणियां और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय समय पर निर्दिष्ट करे ।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खंड (क) के अधीन समय समय पर निर्दिष्ट करे ।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभारों संदाय आदि भी हैं, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा ।

4 नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, संस्थान के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा ।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है, तो नियोजक, सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा ।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाए जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक

बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं ।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होती, जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी के विविध वारिस/नाम निर्देशिती को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अन्तर के बराबर रकम का संदाय करेगा ।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, तमिल नाडु के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की सम्भावना हो, वहां प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा ।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है अधीन नहीं रह जाते हैं, या उस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते है, तो यह रद्द की जा सकती है ।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक उस नियत तारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है, और पालिसी को व्यपगत हो जाने दिया जाता है तो, छूट रद्द की जा सकती है ।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यतिक्रम की दशा में, उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितियों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा फायदों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा ।

12. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक, इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्देशितियों/विधिक वारिसों को बीमाकृत रकम का संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम में बीमाकृत रकम प्राप्त होने के सात दिन के भीतर सुनिश्चित करेगा ।

[सं. एस-35014 (42)/85-(एस. एस. 4)]

S.O. 1035.—Whereas Messrs Eltex Engineering Corporation Private Limited, Post Box No. 2069, Ganapathy Post Coimbatore-641006 (TN|3479) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Tamil Nadu and maintain such accounts and provide such facilities for inspection as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (5A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges, etc., shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Tamil Nadu and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium and responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/Legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. S. 35014(42)/85-SS-IV]

का. आ. 1036.—मैसर्स एस्कोर्ट्स लिमिटेड, मोटर साइकिल एण्ड स्कूटर डिवीजन, 19/6, मथुरा रोड, फरीदाबाद, (हरियाणा), (पी. एन./1750-ए), (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19), (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उप-धारा (2-क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है ;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथक अभिदाय या प्रीमियम का संदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुज्ञेय हैं ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को तीन वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम के सभी उपबंधों के प्रवर्तन से छूट देती है ।

अनुसूची

1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, मध्य प्रदेश को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय समय पर निर्दिष्ट करे ।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खंड (क) के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करे ।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभारों संदाय आदि भी हैं, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा ।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, संस्थान की सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा ।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है, तो नियोजक, सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा ।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाए जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं ।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होती, जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निर्देशिती को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अन्तर के बराबर रकम का संदाय करेगा ।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, हरियाणा के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की सम्भावना हो, वहां प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा ।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है अधीन नहीं रह जाते हैं, या उस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह रद्द की जा सकती है ।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक उस नियत तारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है, और पालिसी को व्यपगत हो जाने दिया जाता है तो, छूट रद्द की जा सकती है ।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम की संदाय में किए गए किसी व्यतिक्रम की दशा में, उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितियों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा फायदों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा ।

12. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक, इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्देशितियों/विधिक वारिसों को बीमाकृत रकम का संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत रकम प्राप्त होने के सात दिन के भीतर सुनिश्चित करेगा ।

[सं. एस-35014/44/85 (एस. एस.-4)]

S.O. 1036.—Whereas Messrs Escorts Limited, Motor Cycle and Scooter Division, 19/6, Mathura Road, Faridabad, Haryana (PN/1750-A) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years,

SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Haryana, maintain such accounts and provide such facilities for inspection as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4 The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Haryana and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium and responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12 Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/Legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. S 35014(44)/85-SS-IV]

का. आ. 1037 :—मैसर्स गुजरात स्टेट को-आपरेटिव कॉटन फैडरेशन लि. पोस्ट बैग नं. 8, अहमदाबाद (जी. जे./7290) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है :

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथक अभिदाय या प्रीमियम का संदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुज्ञेय हैं ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को तीन वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम के सभी उपबंधों के प्रवर्तन से छूट देती है ।

अनुसूची

1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, गुजरात को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निर्दिष्ट करे ।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खंड (क) के अधीन समय समय पर निर्दिष्ट करे ।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभारों संदाय आदि भी हैं, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा ।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, संस्थान के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा ।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है, तो नियोजक, सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा ।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाए जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं ।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होती, जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निर्देशिती को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अन्तर के बराबर रकम का संदाय करेगा ।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त गुजरात के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की सम्भावना हो, वहां प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा ।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है अधीन नहीं रह जाते हैं, या उस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते है, तो यह रद्द की जा सकती है ।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक उस नियत तारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है, और पालिसी को व्यपगत हो जाने दिया जाता है तो, छूट रद्द की जा सकती है ।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यतिक्रम की दशा में, उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितियों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा फायदों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा ।

12. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक, इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्देशितियों/विधिक वारिसों को बीमाकृत रकम का संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत रकम प्राप्त होने के सात दिन के भीतर सुनिश्चित करेगा ।

[सं. एस-35014/43/85-एस एस-4]

S.O. 1037.—Whereas Messrs Gujarat State Cooperative Cotton Federation Limited, Post Bag No. 8, Ahmedabad (GJ/7296) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Gujarat and maintain such accounts and provide such facilities for inspection as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Gujarat and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium and responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12 Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/Legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. S. 35014(43)/85-SS-IV]

का. आ. 1038 :—मैसर्स इन्गरसोल रेन्ड (इंडिया) लिमिटेड, फेज-1, पीनया इंडस्ट्रियल एरिया, बेंगलौर-58 (केएन/6519) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है :

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथक अभिदाय या प्रीमियम का संदाए किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा नियम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुज्ञेय हैं ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का. आ. 1236 तारीख 4 मार्च, 1982 के अनुसरण में और इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को 20 मार्च 1985 से तीन वर्ष की अवधि के लिए जिससे 19 मार्च, 1988 भी सम्मिलित है उक्त स्कीम के सभी उपबंधों के प्रवर्तन से छूट देती है ।

अनुसूची

1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, कर्नाटक को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निर्दिष्ट करें ।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खंड (क) के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करें ।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभारों का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा ।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, संस्थान के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा ।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है, तो नियोजक, सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा ।

6. यदि सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाए जाते हैं तो नियोजक उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं ।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होती है, जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निर्देशिती को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अन्तर के बराबर रकम का संदाय करेगा ।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त कर्नाटक के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की सम्भावना हो, वहां प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा ।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है अधीन नहीं रह जाते हैं, या उस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह रद्द की जा सकती है ।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक उस नियत तारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है, और पालिसी को व्यपगत हो जाने दिया जाता है तो, छूट रद्द की जा सकती है ।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यतिक्रम की दशा में, उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितियों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा फायदों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा ।

12. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक, इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्देशितियों/विधिक वारिसों को बीमाकृत रकम का संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत रकम प्राप्त होने के सात दिन के भीतर सुनिश्चित करेगा ।

[सं. एस-35014/60/81-पी एफ 2(एसएम-4)]

S.O. 1038.—Whereas Messrs Ingersoll Rang (India) Limited, Phase-I, Peenya Industrial Area, Bangalore-58 (KN/6519), (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of the India in the nature of life insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and in continuation of the notification of the Government of India in the late Ministry of Labour S.O. 1236 dated the 4th March, 1982 and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of three years with effect from 20th March, 1985 upto and inclusive of the 19th March, 1988.

SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Karnataka and maintain such accounts and provide such facilities for inspection as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Karnataka and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium and responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/Legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. S. 35014/60/81-PF-II(SS-IV)]

का. आ. 1039 :—मैसर्स पानयाम सिमेंट एंड मिनरल इंडस्ट्रीज लिमिटेड, बायर डिवीजन, पी. बी. नं. 6901, बोम्मानहल्ली, माडिवाला, पो., बंगलौर-68 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है ;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथक अभिदाय या प्रीमियम का संदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा नियम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुज्ञेय हैं ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को 20 मार्च 1985 से तीन वर्ष की अवधि के लिए जिसमें 1988 भी सम्मिलित है उक्त स्कीम के सभी उपबंधों के प्रवर्तन से छूट देती है ।

अनुसूची

1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, कर्नाटक को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निर्दिष्ट करे ।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खंड (क) के अधीन समय समय पर निर्दिष्ट करे ।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभारों का संदाय आदि भी हैं, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा ।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, संस्थान के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा ।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है, तो नियोजक, सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा ।

6. यदि सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाए जाते हैं तो नियोजक उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं ।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होती, जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निर्देशिती को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अन्तर के बराबर रकम का संदाय करेगा ।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त कर्नाटक के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की सम्भावना हो, वहां प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा ।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम को उक्त सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है अधीन नहीं रह जाते हैं, या उस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह रद्द की जा सकती है ।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक उस नियत तारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है, और पालिसी को व्यपगत हो जाने दिया जाता है तो, छूट रद्द की जा सकती है ।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यतिक्रम की दशा में, उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितियों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा फायदों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा ।

12. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक, इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्देशितियों/विधिक वारिसों को बीमाकृत रकम का संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत रकम प्राप्त होने के सात दिन के भीतर सुनिश्चित करेगा ।

[सं. एस.-35014/106/81-पी. एफ. 2 (एस.एस. 4)]

S.O. 2039.—Whereas Messrs Panyam Cements and Mineral Industries Limited, Wire Division, P.B. No. 6901, Bommanahalli, Madwala Post, Bangalore-68, (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and in continuation of the notification of the Government of India in the late Ministry of Labour S.O. 1224 dated the 20th March, 1982 and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of three years with effect from 20th March, 1985 upto and inclusive of the 19th March, 1988.

SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Karnataka and maintain such accounts and provide such facilities for inspection as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4 The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Karnataka and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium and responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/Legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. S 35014/106/81-PF-II(SS-IV)]

का. आ. 1040.—मैसर्स महाराष्ट्र स्टेट इलेक्ट्रीसीटी बोर्ड, एस्ट्रेला बेटरीज, एक्सप्रेस बिल्डिंग ग्राउण्ड फ्लोर, धारावी रोड, माटुंगा, बम्बई-400019 (एमएच/1251) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है ;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथक अभिदाय या प्रीमियम का संदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं और वे ऐसे कर्मचारियों को उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो उन्हें कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुज्ञेय हैं ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का. आ. 912 तारीख 8 फरवरी, 82 के अनुसरण में और इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को 27 फरवरी, 85 से तीन वर्ष की अवधि के लिए जिसमें 26 फरवरी, 1988 भी सम्मिलित है, उक्त स्कीम के सभी उपबंधों के प्रवर्तन से छूट देती है ।

अनुसूची

1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, महाराष्ट्र को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निर्दिष्ट करे ।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खंड (क) के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करे ।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभारों का संदाय आदि भी हैं, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा ।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, संस्थान के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा ।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है, तो नियोजक, सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा ।

6. यदि सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाए जाते हैं तो नियोजक उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं ।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होती है, जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निर्देशिती को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अन्तर के बराबर रकम का संदाय करेगा ।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, महाराष्ट्र के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की सम्भावना हो, वहां, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा ।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है अधीन नहीं रह जाते हैं, या उस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह रद्द की जा सकती है ।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक उस नियत तारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है, और पालिसी को व्यपगत हो जाने दिया जाता है तो, छूट रद्द की जा सकती है ।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यतिक्रम की दशा में, उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितियों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा फायदों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा ।

12. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक, इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्देशितियों/विधिक वारिसों को बीमाकृत रकम का संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत रकम प्राप्त होने के सात दिन के भीतर सुनिश्चित करेगा ।

[सं. एस. 35014/32/81-पीएफ.-2 (एसएस-4)/

S.O. 1040.—Whereas Messrs Maharashtra State Electricity Board, Estrella Batteries, Express Building, Ground Floor, Dharavi Road, Matunga, Bombay-400019 (MH/1251), (hereinafter, referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of life insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and in continuation of the notification of the Government of India in the late Ministry of Labour S.O. 912 dated the 8th February, 1982 and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of

three years with effect from 27th February, 1985 upto and inclusive of the 26th February, 1988.

SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtra and maintain such accounts and provide such facilities for inspection as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this Scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation

8. No amendment of the provisions of the Group Insurances Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtra and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India, as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium and responsibility for payment of assurance benefits to the nominees of the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respect".

[No. S-35014/32/81-PF-II (SS-IV)]

का. आ. 1041.—मैसर्स रिलायन्स टैक्सटाइल इंडस्ट्रीज लिमिटेड, 103/106, नारोड़ा इंडस्ट्रीयल एस्टेट, नारोड़ा, अहमदाबाद (जी जे/4147) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है ;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथक अभिदाय या प्रीमियम का संदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुज्ञेय हैं ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का. आ. 910 तारीख 8 फरवरी, 82 के अनुसरण में और इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को 27 फरवरी, 85 से तीन वर्ष की अवधि के लिए जिसमें 26 फरवरी, 1988 भी सम्मिलित है, उक्त स्कीम के सभी उपबंधों के प्रवर्तन से छूट देती है ।

अनुसूची

1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, गुजरात को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निर्दिष्ट करे ।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खंड (क) के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करे ।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभारों का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा ।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, संस्थान के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा ।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है, तो नियोजक, सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा ।

6. यदि सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाए जाते हैं तो नियोजक उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं ।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होती है, जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निर्देशिती को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अन्तर के बराबर रकम का संदाय करेगा ।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त गुजरात के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की सम्भावना हो, वहां प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा ।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है अधीन नहीं रह जाते हैं, या उस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह रद्द की जा सकती है ।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक उस नियत तारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है, और पालिसी को व्यपगत हो जाने दिया जाता है तो, छूट रद्द की जा सकती है ।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यतिक्रम की दशा में, उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितियों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा फायदों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा ।

12. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक, इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्देशितियों/विधिक वारिसों को बीमाकृत रकम का संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत रकम प्राप्त होने के सात दिन के भीतर सुनिश्चित करेगा ।

[सं. एस-35014/65/80-पीएफ 2 (एस एस 4)]

S.O. 1041.—Whereas Messrs Reliance Textile Industries Limited, 105/106, Naroda Industries Estate, Naroda Ahmedabad (GJ/4147), (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of life insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and in continuation of the notification of the Government of India in the late Ministry of Labour S.O. 910 dated the 8th February, 1982 and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of three years with effect from 27th February, 1985 upto and inclusive of the 26th February, 1988.

SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Gujarat and maintain such accounts and provide such facilities for inspection as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corpoartion of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this Scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Gujarat and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium and responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased

members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/Legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respects".

[No. S 35014/65/80-PF-II(SS-IV)]

का. आ. 1042.—मैसर्स दी प्रिन्टर (मैसूर) लिमिटेड, 16, एम. जी. रोड, पी. बी. नं. 5331, बैंगलौर-1 (के. एन/233) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है ।

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी किसी पृथक् अभिदाय या प्रीमियम का संदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की जीवन बीमा स्कीम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में जो फायदा उठा रहे हैं वे ऐसे कर्मचारियों को उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो उन्हें कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन अनुज्ञेय है ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का. आ. 1238 तारीख 4 मार्च, 1982 के अनुसरण में और इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को 28 मार्च, 1985 से तीन वर्ष की अवधि के लिए जिसमें 27 मार्च, 1988 भी सम्मिलित है, उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देती है ।

अनुसूची

1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, कर्नाटक को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार समय-समय पर निर्दिष्ट करे ।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खंड (क) के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करें ।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभारों का संदाय आदि भी हैं, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा ।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापन के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा ।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है, तो नियोजक, सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा ।

6. यदि सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाए जाते हैं तो नियोजक उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं ।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होती, जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निर्देशिती को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अन्तर के बराबर रकम का संदाय करेगा ।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, कर्नाटक के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की सम्भावना हो वहां, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा ।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है अधीन नहीं रह जाते हैं, या उस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते है, तो यह रद्द की जा सकती है ।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक उस नियत तारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है, और पालिसी को व्ययगत हो जाने दिया जाता है तो, छूट रद्द की जा सकती है ।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यतिक्रम की दशा में, उन मृत सदस्यों के नाम-निर्देशितियों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा फायदों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा ।

12. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक, इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्देशितियों/विधिक वारिसों को बीमाकृत रकम का संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत रकम प्राप्त होने के सात दिन के भीतर सुनिश्चित करेगा ।

[सं. एस.-35014/89/81-पी.एफ-2 (एसएस-4)]

S.O. 1042.—Whereas Messrs The Printer (Mysore) Limited, 16, M. G. Road, Post Box No. 5331, Bangalore-1 (KN/233) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of

India in the nature of life insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and in continuation of the notification of the Government of India in the late Ministry of Labour S.O. 1238 dated the 4th March, 1982 and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of three years with effect from 28th March, 1985 upto and inclusive of the 27th March, 1988.

SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Karnataka and maintain such accounts and provide such facilities for inspection as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this Scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Karnataka and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium and responsibility for payment of assumerance benefits to the nominees of the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/Legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects".

[No. S. 35014/89/81-PF-II(SS-IV)]

का. आ. 1043.—मैसर्स दर्शक लिमिटेड, रजिस्टर्ड आफिस, बैंक आफ इंडिया, बिल्डिंग, 11, केम्पगौडा रोड, बेंगलौर-9 (के एन/4636) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है ।

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथक अभिदाय या प्रीमियम का संदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की जीवन बीमा स्कीम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में जो फायदा उठा रहे हैं वे ऐसे कर्मचारियों को उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो उन्हें कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन अनुज्ञेय है ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का. आ. 919 तारीख 8 फरवरी, 82 के अनुसरण में और इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को 27 फरवरी, 1985 से तीन वर्ष की अवधि के लिए जिसमें 26 फरवरी, 1988 भी सम्मिलित है, उक्त स्कीम के सभी उपबंधों के प्रवर्तन से छूट देती है ।

अनुसूची

1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, कर्नाटक को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार समय-समय पर निर्दिष्ट करे ।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खंड (क) के अधीन समय समय पर निर्दिष्ट करे ।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभारों का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा ।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापन के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा ।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन को भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है, तो नियोजक, सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा ।

6. यदि सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाए जाते हैं तो नियोजक उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं ।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होती, जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता है, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निर्देशिती को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अन्तर के बराबर रकम का संदाय करेगा ।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, कर्नाटक की पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की सम्भावना हो वहां, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा ।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है, अधीन नहीं रह जाते हैं, या उस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह रद्द की जा सकती है ।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक उस नियत तारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है, और पालिसी को व्ययगत हो जाने दिया जाता है तो, छूट रद्द की जा सकती है ।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यतिक्रम की दशा में, उन मृत सदस्यों के नाम-निर्देशितियों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा फायदों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा ।

12. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक, इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम-निर्देशितियों/विधिक वारिसों को बीमाकृत रकम का संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत रकम प्राप्त होने के सात दिन के भीतर सुनिश्चित करेगा ।

[सं. एस.-35014/78/81-पीएफ-2 (एसएस 4)]

S.O. 1043.—Whereas Messrs Darshak Limited, Registered Office, Bank of India Building, 11 Kempegowda Road, Bangalore-9 (KN/4636), (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Shceme of the Life Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of life insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and in continuation of the notification of the Government of India in the late Ministry of Labour S.O 919 dated the 8th February, 1982 and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of three years with effect from 27th February, 1985 upto and inclusive of the 26th February, 1988.

SCHEDULE

1. The empolyer in relation to the said estabilshment shall submit such reutrns to the Regional Provident Fund Commissioner, Karnataka and maintain such accounts and provide such facilities for inspection as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act within 15 days from the colse of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corpoartion of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this Scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Karnataka and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner the exemption shall be liable to be cancelled.

10. where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium and responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/Legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects".

[No. S. 35014/78/81-PF-II(SS-IV)]

का. आ. 1044.—मैसर्स इलेक्ट्रोनिक कारपोरेशन आफ इंडिया लिमिटेड, चेरालापल्ली, हैदराबाद (ए. पी./3260) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करें ।

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथक अभिदाय या प्रीमियम का संदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की जीवन बीमा स्कीम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में जो फायदा उठा रहे हैं वे ऐसे कर्मचारियों को उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो उन्हें कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन अनुज्ञेय है :

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का. आ. 1240 तारीख 4 मार्च, 1982 के अनुसरण में और इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को 20 मार्च, 1985 से तीन वर्ष की अवधि के लिए जिसमें 19 मार्च, 1988 भी सम्मिलित है, उक्त स्कीम के सभी उपबंधों के प्रवर्तन से छूट देती है ।

अनुसूची

1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त आन्ध्र प्रदेश को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार समय-समय पर निर्दिष्ट करे ।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खंड (क) के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करे ।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभारों का संदाय आदि भी हैं, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा ।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापन के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा ।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन का भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक, सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा ।

6. यदि सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाए जाते हैं तो नियोजक उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं ।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होती, जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निर्देशिती को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अन्तर के बराबर रकम का संदाय करेगा ।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, आन्ध्र प्रदेश के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की सम्भावना हो वहां, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा ।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है अधीन नहीं रह जाते हैं, या उस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते है, तो यह रद्द की जा सकती है ।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक उस नियत तारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है, और पालिसी को व्ययगत हो जाने दिया जाता है तो, छूट रद्द की जा सकती है ।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यतिक्रम की दशा में, उन मृत सदस्यों के नाम-निर्देशितियों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा फायदों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा ।

12. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक, इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम-निर्देशितियों/विधिक वारिसों को बीमाकृत रकम का संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत रकम प्राप्त होने के सात दिन के भीतर सुनिश्चित करेगा ।

[सं. एस-35014/105/81-पीएफ 2(एसएस-4)]

S.O. 1044.—Whereas Messrs Electronic Corporation of India Limited, Cherlapalli, Hyderabad (AP/3260) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of the India in the nature of life insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and in continuation of the notification of the Government of India in the late Ministry of Labour S.O 1240 dated the 4th March, 1982 and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of three years with effect from 20th March, 1985 upto and inclusive of the 19th March, 1988.

SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Andhra Pradesh and maintain such accounts and provide such facilties for inspection as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in rsepect of him to the Life Insurance Corpoartion of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwtihstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this Scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Andhra Pradesh and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corproation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner the exemption shall be liable to be cancelled.

10. where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium and responsibility for payment of assurance benefits to the nominees of the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/Legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. S. 35014/105/81-PF-II(SS-IV)]

का. आ. 1045.—मैसर्स दी सन्दूर मैंगनीज एंड आयरन ओरस लिमिटेड, यशवंत नगर, पो. आ. बाया सन्दूर बेल्लारी, डिस्ट्रिक्ट (के एन/893) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है ;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथक अभिदाय या प्रीमियम का संदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की जीवन बीमा स्कीम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में जो फायदा उठा रहे हैं वे ऐसे कर्मचारियों को उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो उन्हें कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन अनुज्ञेय है ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का. आ. 1222 तारीख 3 मार्च, 1982 के अनुसरण में और इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को 20 मार्च, 1985 से तीन वर्ष की अवधि के लिए जिसमें 19 मार्च, 1988 भी सम्मिलित है, उक्त स्कीम के सभी उपबंधों के प्रवर्तन से छूट देती है ।

अनुसूची

1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, कर्नाटक को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार समय-समय पर निर्दिष्ट करे ।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खंड (क) के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करे ।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभारों का

का संदाय आदि भी हैं, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा ।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, संस्थान की सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा ।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन का भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है, तो नियोजक, सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा ।

6. यदि सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाए जाते हैं तो नियोजक उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं ।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होती है, जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निर्देशिती को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अन्तर के बराबर रकम का संदाय करेगा ।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त कर्नाटक के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की सम्भावना हो, वहां प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा ।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसमें स्थापन पहले अपना चुका है अधीन नहीं रह जाते हैं, या उस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह रद्द की जा सकती है ।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक उस नियत तारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है, और पालिसी को व्यपगत हो जाने दिया जाता है तो, छूट रद्द की जा सकती है ।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यतिक्रम की दशा में, उन मृत सदस्यों के नाम-निर्देशितियों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा फायदों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा ।

12. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक, इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्देशितियों/विधिक वारिसों को बीमाकृत रकम का संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत रकम प्राप्त होने के सात दिन के भीतर सुनिश्चित करेगा ।

[संख्या एम-35014/93/81-पीएफ-2 (एसएस 4)]

S.O. 1045.—Whereas Messrs The Sandur Manganese and Iron Ore Limited, Yeshwanthnagar P.O. Via Sandur Bellary District (KN/893) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of the India in the nautre of life insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and in continuation of the notification of the Government of India in the late Ministry of Labour S.O 1222 dated the 3rd March, 1982 and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of three years with effect from 20th March, 1985 upto and inclusive of the 19th March, 1988.

SCHEDULE

1. The empolyer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Karnataka and maintain such accounts and provide such facilities for inspection as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc, shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this Scheme be less than the amount that

would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Karnataka and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner the exemption shall be liable to be cancelled.

10. where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium and responsibility for payment of assurance benefits to the nominees of the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/Legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects".

[No. S. 35014/93/81-PF-II(SS-IV)]

नई दिल्ली, 21 फरवरी, 1985

का०आ० 1046.—यतः मै० मदुरई कारपोरेशन इलैक्ट्रीकल अंडरटेकिंग, मदुराई (टी०एन०/3057) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उप-धारा (1-क) के अंतर्गत कर्मचारी कुटुम्ब पेंशन स्कीम, 1971 से छूट प्राप्ति के लिए आवेदन किया है ;

और यतः केन्द्रीय सरकार की राय से केन्द्रीय सरकार कुटुम्ब पेंशन स्कीम, 1964 के अन्तर्गत कुटुम्ब पेंशन के रूप में देय लाभ उपरोक्त स्थापन के कर्मचारियों पर लागू होते हैं और वे लाभ कर्मचारी कुटुम्ब पेंशन स्कीम, 1971 के अन्तर्गत देय लाभों से किसी भी रूप में कम नहीं हैं ;

अतः अब:, उपरोक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1-क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और निम्नलिखित विनिर्दिष्ट शर्तों के आधार पर केन्द्रीय सरकार उपरोक्त स्थापना को कर्मचारी कुटुम्ब पेंशन स्कीम, 1971 के सभी उपबंधों के प्रवर्तन से 3 वर्ष की अवधि के लिए छूट प्रदान करती है ।

शर्तें

(1) स्थापनाओं के कुटुम्ब पेंशन स्कीम में किसी भी बात के होते हुए भी यदि किसी सदस्य की मृत्यु होने पर देय पेंशन राशि को कर्मचारी कुटुम्ब पेंशन स्कीम, 1971 के अन्तर्गत देय पेंशन राशि से कम होती है तो नियोक्ता को कर्मचारी कुटुम्ब पेंशन स्कीम, 1971 के अंतर्गत देय कुटुम्ब पेंशन की दर से पेंशन मंजूर करेगा ।

(2) नियोक्ता को केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए निदेशानुसार लेखे तैयार करने होंगे, विवरणियां जमा करानी होंगी तथा निरीक्षण के लिए आवश्यक सुविधाएं प्रदान करनी होंगी ।

(3) उपरोक्त स्थापना के कुटुम्ब पेंशन स्कीम से संबंधित सभी खर्चों को नियोक्ता को वहन करना होगा जिसमें लेखे तैयार करना, लेखे और विवरणियां जमा करना, लेखों का अंतरण करना आदि भी शामिल होंगे ।

(4) उपरोक्त स्थापना के लिए केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित कर्मचारी कुटुम्ब पेंशन स्कीम तथा उसमें किए किए संशोधन, यदि कोई हो, तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या द्वारा समझी जाने वाली भाषा में उसकी महत्वपूर्ण बातों के अनुवाद की एक प्रति नियोक्ता को सूचना पट्ट पर लगानी होगी ।

(5) स्थापना की कुटुम्ब पेंशन स्कीम के नियमों में कोई भी ऐसा संशोधन जो कर्मचारियों के हितों को बुरी तरह प्रभावित करता हो केन्द्रीय सरकार के श्रम मंत्रालय तथा केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त की पूर्व अनुमति के बिना नहीं किया जाएगा । केन्द्रीय सरकार तथा केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपनी अनुमति देने से पूर्व कर्मचारियों को अपने विचार प्रकट करने के लिए समुचित अवसर प्रदान करेंगे ।

[फाइल सं० एस-35012/2/85-एस एस-IV]

New Delhi, the 21st February, 1985

1046.—Whereas the M/s. Madurai Corporation Electrical Undertaking, Madurai (TN/3057) has applied for exemption from Employees' Family Pension, 1971, under sub-section (1A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952).

And whereas, in the opinion of the Central Government the benefits in the nature of Family Pension under the Central Government Family Pension Scheme, 1964 and applicable to the employees of the said establishment are not less favourable than the benefits provided under the said Act, and the Employees' Family Pension Scheme, 1971.

Now, therefore in exercise of the powers conferred by sub-section (1A) of section 17 of the said Act, and subject to the conditions specified hereunder, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all provisions of the Employees' Family Pension Scheme, 1971 for a period of three years.

CONDITIONS

(1) Notwithstanding anything contained in the Family Pension Scheme of the establishment if the amount of pension payable in respect of any member upon his death is less than the amount of family pension payable if he were a member of the Employees' Family Pension Scheme, 1971 the Employer shall sanction the Family Pension which is admissible under the Employees' Family Pension Scheme, 1971.

(2) The employer shall maintain such accounts, submit such returns and provide for such facility for inspection as the Central Government may, from time to time, direct.

(3) All expenses involved in the administration of the Family Pension Scheme, of the said establishment including maintenance of accounts, submission of accounts and return, transfer of accounts, shall be borne by the employer.

(4) The employer shall display on the notice board of the establishment a copy of the rules incorporating therein all amendments, if any of the Family Pension Scheme of the said establishment as approved by the Central Government alongwith a translation of the salient features thereof in language understood by the majority of the employees.

(5) No amendment of the rules of the Family Pension Scheme of the establishment adversely affecting the interests of the employees shall be made without the prior approval of the Central Government in the Ministry of Labour and the Central Provident Fund Commissioner. The Central Government and the Central Provident Fund Commissioner will, before giving therein approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

[F. No. S-35012/2/85-SS-IV]

का. आ. 1047.—मैसर्स गोदरेज एंड बोयस, मैन्यूफैक्चरिंग कम्पनी प्रा. लि., पिरोजशा नगर, विक्रोली, बम्बई-400079 (एम एच/26) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है ;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथक अभिदाय या प्रीमियम का संदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुज्ञेय हैं ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का. आ. 909 तारीख 8 फरवरी, 1982 के अनुसरण में और इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को 28 फरवरी, 1985 से तीन वर्ष की अवधि के लिए जिसमें 27 फरवरी, 1988 भी सम्मिलित है, उक्त स्कीम के सभी उपबंधों के प्रवर्तन से छूट देती है ।

अनुसूची

1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, महाराष्ट्र को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निर्दिष्ट करे ।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खंड (क) के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करे ।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभारों का संदाय आदि भी हैं, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा ।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापन के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा ।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है, तो नियोजक, सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा ।

6. यदि सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाए जाते हैं तो नियोजक उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं ।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होती है, जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निर्देशिती को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अन्तर के बराबर रकम का संदाय करेगा ।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, महाराष्ट्र के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की सम्भावना हो, वहां प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा ।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है अधीन नहीं रह जाते हैं, या उस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह रद्द की जा सकती है ।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक उस नियत तारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है, और पालिसी को व्यपगत हो जाने दिया जाता है तो, छूट रद्द की जा सकती है ।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यतिक्रम की दशा में, उन मृत सदस्यों के नाम-निर्देशितियों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा फायदों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा ।

12. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक, इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्देशितियों/विधिक वारिसों को बीमाकृत रकम का संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत रकम प्राप्त होने के सात दिन के भीतर सुनिश्चित करेगा ।

[सं. एस-35014/56/80-पीएफ-2 (एसएस-4)]

S.O. 1047.—Whereas Messrs Godrej & Boyce Manufacturing Company Private Limited, Pirojsha Nagar, Vikhroli, Bombay-400079 (MH, 26) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of life insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour S.O. 909 dated the 8th February, 1982 and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of three years with effect from 27th February, 1985 upto and inclusive of the 26th February, 1988.

SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtra and maintain such accounts and provide such facilties for insnection as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such Inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act within 15 days from the close of every month

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme including maintainance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishments, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits vailable to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisoins of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtra and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Commissioner shall before giving his approval, give a reasonble opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall prompt, payment of the sum assured to the nominee or the legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. S-35014/56/80-PF-II(SS-IV)]

का०आ० 1048.—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 91-क के साथ पठित धारा 87 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्यांक का०आ० 1434, तारीख 17 अप्रैल, 1984 के क्रम में, मैसर्स हिन्दुस्तान ऐरोनोटिक्स लिमिटेड (कानपुर डिवीजन) कानपुर, जो रक्षा मंत्रालय के अधीन एक पब्लिक सेक्टर उपक्रम है, को उक्त अधिनियम के प्रवर्तन से 1 जुलाई, 1984 से 30 जून 1985 तक की, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, एक वर्ष की और अवधि के लिए छूट देती है।

2. पूर्वोक्त छूट की शर्तें निम्नलिखित हैं, अर्थात्:—

(1) उक्त कारखाने का नियोजक उस अवधि की बाबत जिसके दौरान उस कारखाने पर उक्त अधिनियम प्रवर्तमान था (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अवधि कहा गया है), ऐसी विवरणियां, ऐसे प्ररूप में और ऐसी विशिष्टियों सहित देगा जो कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 के अधीन उसे उक्त अवधि की बाबत देनी थी ;

(2) निगम द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 45 की उपधारा (1) के अधीन नियुक्त किया गया कोई निरीक्षक या निगम का इस निमित्त प्राधिकृत कोई अन्य पदधारी—

(1) धारा 44 की उपधारा (1) के अधीन, उक्त अवधि की बाबत दी गई किसी विवरणी की विशिष्टियों को सत्यापित करने के प्रयोजनार्थ या

(2) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनार्थ कि कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 द्वारा अपेक्षित रजिस्टर और अभिलेख, उक्त अवधि के लिए रखे गए थे या नहीं ; या

(3) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनार्थ कि कर्मचारी नियोजक द्वारा दिए गए उन फायदों को, जिसके प्रतिफलस्वरूप इस अधिसूचना के अधीन छूट दी जा रही है, नकद में और वस्तु रूप में पाने का हकदार बना हुआ है, या नहीं; या

(4) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनार्थ कि उस अवधि के दौरान जब उक्त कारखाने के संबंध में उक्त अधिनियम के उपबंध प्रवृत्त थे, ऐसे किन्हीं उपबंधों का अनुपालन किया गया था या नहीं ;

निम्नलिखित कार्य करने के लिए सशक्त होगा :—

(क) प्रधान या अव्यवहित नियोजक से अपेक्षा करना कि वह उसे ऐसी जानकारी दे जिसे उपरोक्त निरीक्षक या अन्य पदधारी आवश्यक समझता है ; या

(ख) ऐसे प्रधान या अव्यवहित नियोजक के अधिभोगाधीन किसी कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में किसी भी उचित समय पर प्रवेश करना और उसके प्रभारी से यह अपेक्षा करना कि वह व्यक्तियों के नियोजन और मजदूरी के संदाय से संबंधित ऐसे लेखे, बहियां, और अन्य दस्तावेज, ऐसे निरीक्षक या अन्य पदधारी के समक्ष प्रस्तुत करें और उनकी परीक्षा करने दें, या उन्हें ऐसी जानकारी दें जिसे वे आवश्यक समझते हैं ; या

(ग) प्रधान या अव्यवहित नियोजक को, उसके अभिकर्ता या सेवक की, ऐसे किसी व्यक्ति की जो ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर, में पाया जाए, या ऐसे किसी व्यक्ति की जिसके बारे में उक्त निरीक्षक या अन्य पदधारी के पास यह विश्वास करने का युक्तियुक्त कारण है कि कर्मचारी है, परीक्षा करना ;

(घ) ऐसे कारखाने, स्थापन कार्यालय या अन्य परिसर में रखे गए किसी रजिस्टर, लेखाबही या अन्य दस्तावेज की नकल तैयार करना या उसे उद्धरण लेना।

[संख्या एस-38014/38/84-एच०आई०]

स्पष्टीकारक ज्ञापन

इस मामले में छूट को भूतलक्षी प्रभाव देना आवश्यक हो गया है क्योंकि छूट के आवेदन संबंध प्रक्रिया में समय लग गया था। किंतु यह प्रमाणित किया जाता है कि छूट को भूतलक्षी प्रभाव देने से किसी भी व्यक्ति के हित पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

S.O. 1048.—In exercise of the powers conferred by section 87 read with section 91A of the Employees State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 1434 dated the 17th April, 1984, the Central Government hereby exempts Messrs Hindustan Aeronautics Limited (Kanpur Division) Kanpur, a public sector undertaking under the Ministry of Defence from the operation of the said Act for a further period of one year with effect from the 1st July, 1984 upto and inclusive of the 30th June, 1985.

2. The above exemption is subject to the following conditions, namely :—

(1) The employer of the said factory shall submit in respect of the period during which that factory was subject to the operation of the said Act (hereinafter referred to as the said period), such returns in such form and containing such particulars as were due from it in respect of the said period under the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950;

(2) Any Inspector appointed by the Corporation under sub-section (1) of section 45 of the said Act or other official of the Corporation authorised in this behalf shall, for the purposes of—

(i) Verifying the particulars contained in any return submitted under sub-section (1) of section 44 for the said period; or

(ii) ascertaining whether registers and records were maintained as required by the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950 for the said period; or

(iii) ascertaining whether the employees continue to be entitled to benefits provided by the employer in cash and kind being benefits in consideration of which exemption is being granted under this notification; or

(iv) ascertaining whether any of the provisions of the said Act has been complied with during the period when such provisions were in force in relation to the said factory; be empowered to—

(a) require the principal or immediate employer to furnish to him such information as he may consider necessary; or

(b) enter any factory, establishment, office or other premises occupied by such principal or immediate employer at any reasonable time and require any person found incharge thereof to produce to such Inspector or other official and allow him to examine such accounts, books and other documents relating to the employment of persons and payment of wages or to furnish to him such information as he may consider necessary; or

(c) examine the principal or immediate employer, his agent or servant or any person found in such factory, establishment, office or other premises or any person whom the said Inspector or other official has reasonable cause to believe to have been an employee; or

(d) make copies of or take extracts from any register, account book or other document maintained in such factory, establishment, office or other permises.

[No. S-38014/38/84-HI]

EXPLANATORY MEMORANDUM

It has become necessary to give retrospective effect to the exemption in this case as the processing of the application for exemption took time. However, it is certified that the grant of exemption with retrospective effect will not affect the interest of anybody adversely.

का० आ० 1049.—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 91-क के साथ पठित धारा 87 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का० आ० 1442 तारीख 17 अप्रैल, 1984 के क्रम में नेशनल इन्स्ट्रूमेंट्स लिमिटेड, कलकत्ता को उक्त अधिनियम के प्रवर्तन से 1 जुलाई, 1984 से 3 जून, 1985 तक की, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है एक वर्ष की और अवधि के लिए छूट देती है ।

2. पूर्वोक्त छूट की शर्तें निम्नलिखित हैं, अर्थात् :—

(1) उक्त कारखाने का नियोजक, उस अवधि की बाबत जिसके दौरान उस कारखाने पर उक्त अधिनियम प्रवर्तन था (जिसे इसमें उसके पश्चात् उक्त अवधि कहा गया है) ऐसी विवरणियां, ऐसे प्ररूप में और ऐसी विशिष्टियों सहित देगा जो कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 के अधीन उसे उक्त अवधि की बाबत देनी थी ;

(2) निगम द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 45 की उपधारा (1) के अधीन नियुक्त किया गया कोई निरीक्षक, या निगम का इस निमित्त प्राधिकृत कोई अन्य पदधारी—

(1) धारा 44 की उपधारा (1) के अधीन, उ अवधि की बाबत दी गई किसी विवरणी की विशिष्टियों को सत्यापित करने के प्रयोजनार्थ; या

(2) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनार्थ कि कर्मचारी राज्य बीमा साधारण (विनियम 1950 द्वारा अपेक्षित रजिस्टर और अभिलेख, उक्त अवधि के लिए रखे गए थे या नहीं ; या

(3) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनार्थ कि कर्मचारी नियोजक द्वारा दिए गए उन फायदों को, जिसके प्रतिफलस्वरूप इस अधिसूचना के अधीन छूट दी जा रही है, नकद में और वस्तु रूप में पाने का हकदार बना हुआ है, या नहीं ; या

(4) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनार्थ कि उस अवधि के दौरान जब उक्त कारखाने के संबंध में उक्त अधिनियम के उपबंध प्रवृत्त थे, ऐसे किन्हीं उपबंधों का अनुपालन किया गया था या नहीं ;

निम्नलिखित कार्य करने के लिए सशक्त होगा :—

(क) प्रधान या अव्यवहित नियोजक से अपेक्षा करना कि वह उसे ऐसी जानकारी दे जिसे उपरोक्त निरीक्षक या अन्य पदधारी आवश्यक समझता है ; या

(ख) ऐसे प्रधान या अव्यवहित नियोजक के अधिभोगाधीन किसी कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में किसी भी उचित समय पर प्रवेश करना और उसके प्रभारी से यह अपेक्षा करना कि वह व्यक्तियों के नियोजन और मजदूरी के संदाय से संबंधित ऐसे लेखे, बहियां और अन्य दस्तावेज, ऐसे निरीक्षक या अन्य पदधारी के समक्ष प्रस्तुत करे और उनकी परीक्षा करने दें, या उन्हें ऐसी जानकारी दे जिसे वे आवश्यक समझते हैं; या

(ग) प्रधान या अव्यवहित नियोजक को, उसके अभिकर्ता या सेवक की, ऐसे किसी व्यक्ति की जो ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर, में पाया जाए या ऐसे किसी व्यक्ति को जिसके बारे में उक्त निरीक्षक या अन्य पदधारी के पास यह विश्वास करने का युक्तियुक्त कारण है कि कर्मचारी है, परीक्षा करना;

(घ) ऐसे कारखाने, स्थापन कार्यालय या अन्य परिसर में रखे गए किसी रजिस्टर, लेखाबही या अन्य दस्तावेज की नकल तैयार करना या उससे उद्धरण लेना ।

[संख्या एस-38014/22/84-एच०आई०].

स्पष्टीकारक ज्ञापन

इस मामले में छूट को भूतलक्षी प्रभाव देना आवश्यक हो गया है क्योंकि छूट के आवेदन संबंधी प्रक्रिया में समय लग गया था । किंतु, यह प्रमाणित किया जाता है कि छूट को भूतलक्षी प्रभाव देने से किसी भी व्यक्ति के हित पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा ।

S.O. 1049.—In exercise of the powers conferred by section 87 read with section 91A of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 1442 dated the 17th April, 1984, the Central Government hereby exempts the National Instruments Limited, Calcutta from the operation of the said Act, for a further period of one year with effect from 1st July, 1984 upto and inclusive of the 30th June, 1985.

2. The above exemption is subject to the following conditions, namely :—

(1) The employer of the said factory shall submit in respect of the period during which that factory was subject to the operation of the said Act (hereinafter referred to as the said period), such returns in such form and containing such particulars as were due from it in respect of the said period under the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950;

(2) Any Inspector appointed by the Corporation under sub-section (1) of section 45 of the said Act or other official of the Corporation authorised in this behalf shall, for the purposes of—

(i) verifying the particulars contained in any return submitted under sub-section (1) of section 44 for the said period; or

(ii) ascertaining whether registers and records were maintained as required by the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950 for the said period; or

(iii) ascertaining whether the employees continue to be entitled to benefits provided by the employer in cash and kind being benefits in consideration of which exemption is being granted under this notification; or

(iv) ascertaining whether any of the provisions of the said Act has been complied with during the period when such provisions were in force in relation to the said factory;

be empowered to —

(a) require the principal or immediate employer to furnish to him such information as he may consider necessary; or

(b) enter any factory, establishment, office or other premises occupied by such principal or immediate employer at any reasonable time and require any person found incharge thereof to produce to such Inspector or other official and allow him to examine such accounts, books and other documents relating to the employment of persons and payment of wages or to furnish to him such information as he may consider necessary; or

(c) examine the principal or immediate employer, his agent or servant or any person found in such factory, establishment, office or other premises or any person whom the said Inspector or other official has reasonable cause to believe to have been an employee; or

(d) make copies of or take extracts from any register, account book or other document maintained in such factory, establishment, office or other premises.

[No. S-38014/22/84-HI]

EXPLANATORY MEMORANDUM

It has become necessary to give retrospective effect to the exemption in this case as the processing of the application for exemption took time. However, it is certified that the grant of exemption with retrospective effect will not affect the interest of anybody adversely.

का० आ० 1050—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 91क के साथ पठित धारा 87 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का०आ० 1436 तारीख 17 अप्रैल, 1984 के क्रम में मैसर्स भारत हैवी प्लेट एण्ड वेसेल्स लिमिटेड, विशाखापत्तनम को, उक्त अधिनियम के प्रवर्तन से 1 जुलाई, 1984 से 30 जून, 1985 तक की, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलत है, एक वर्ष की और अवधि के लिए छूट देती है।

2. पूर्वोक्त छूट की शर्तें निम्नलिखित हैं, अर्थात्:—

(1) उक्त कारखाने का नियोजक, उस अवधि की बाबत जिसके दौरान उस कारखाने पर उक्त अधिनियम प्रवर्तमान था (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अवधि कहा गया है), ऐसी विवरणियां, ऐसे प्ररूप में और ऐसी विशिष्टियों सहित देगा जो कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 के अधीन उसे उक्त अवधि की बाबत देनी थी ;

(2) निगम द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 45 की उपधारा (1) के अधीन नियुक्त किया गया कोई निरीक्षक, या निगम का इस निमित्त प्राधिकृत कोई अन्य पदधारी—

(1) धारा 44 की उपधारा (1) के अधीन, उक्त अवधि की बाबत दी गई किसी विवरणी की विशिष्टियों को सत्यापित करने के प्रयोजनार्थ; या

(2) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनार्थ कि कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950, द्वारा अपेक्षित रजिस्टर और अभिलेख, उक्त अवधि के लिए रखे गए थे या नहीं; या

(3) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनार्थ कि कर्मचारी नियोजक द्वारा किए गए उन फायदों को, जिसके प्रतिफलस्वरूप इस अवधि सूचना के अधीन छूट दी जा रही है, नकद में और वस्तु रूप में पाने का हकदार बना हुआ है, या नहीं; या

(4) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनार्थ कि उस अवधि के दौरान, जब उक्त कारखाने के संबंध में उक्त अधिनियम के उपबंध प्रवृत्त थे, ऐसे किन्हीं उपबंधों का अनुपालन किया गया था या नहीं ;

निम्नलिखित कार्य करने के लिए सशक्त होगा :—

(क) प्रधान या अव्यवहित नियोजक से अपेक्षा करना कि वह उसे ऐसी जानकारी दे जिसे उपरोक्त निरीक्षक या अन्य पदधारी आवश्यक समझता है ; या

(ख) ऐसे प्रधान या अव्यवहित नियोजक के अधिभोगाधीन किसी कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में किसी भी उचित समय पर प्रवेश करना और उसके प्रभारी से यह अपेक्षा करना कि वह व्यक्तियों के नियोजन और मजदूरी के संदाय से संबंधित ऐसे लेखे, बहियां और अन्य दस्तावेज, ऐसे निरीक्षक या अन्य पदधारी के समक्ष प्रस्तुत करे और उनकी परीक्षा करने दें, या उन्हें ऐसी जानकारी दे जिसे वे आवश्यक समझते हैं; या

(ग) प्रधान या अव्यवहित नियोजक को, उसके अभिकर्ता या सेवक की, ऐसे किसी व्यक्ति की जो ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर, में पाया जाए, या ऐसे किसी व्यक्ति की जिसके बारे में उक्त निरीक्षक या अन्य पदधारी के पास यह विश्वास करने का युक्तियुक्त कारण है कि कर्मचारी है परीक्षा करना;

(घ) ऐसे कारखाने, स्थापन कार्यालय या अन्य परिसर में रखे गए किसी रजिस्टर, लेखाबही या अन्य

दस्तावेज को नकल तैयार करना या उससे उद्धरण लेना ।

[संख्या एस-38014/20/84-एच०आई०]

स्पष्टीकरण ज्ञापन

इस मामले में छूट का भूतलक्षी प्रभाव देना आवश्यक हो गया है क्योंकि छूट के आवेदन संबंधी प्रक्रिया में समय लग गया था । किन्तु यह प्रमाणित किया जाता है कि छूट को भूतलक्षी प्रभाव देने से किसी व्यक्ति के हित पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा ।

S.O. 1050.—In exercise of the powers conferred by section 87 read with section 91A of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 1436 dated the 17th April, 1984 the Central Government hereby exempts Messrs Bharat Heavy Plate and Vessels Limited, Visakhapatnam from the operation of the said Act for a further period of one year with effect from 1st July, 1984 upto and inclusive of the 30th June, 1985.

2. The above exemption is subject to the following conditions, namely :—

(1) The employer of the said factory shall submit in respect of the period during which that factory was subject to the operation of the said Act (hereinafter referred to as the said period), such returns in such form and containing such particulars as were due from it in respect of the said period under the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950;

(2) Any Inspector appointed by the Corporation under sub-section (1) of section 45 of the said Act or other official of the Corporation authorised in his behalf shall, for the purposes of—

(i) verifying the particulars contained in any return submitted under sub-section (1) of section 44 for for the said period; or

(ii) ascertaining whether registers and records were maintained as required by the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950 for the said period; or

(iii) ascertaining whether the employees continue to be entitled to benefits provided by the employer in cash and kind being benefits in consideration of which exemption is being granted under this notification; or

(iv) ascertaining whether any of the provisions of the said Act has been complied with during the period when such provisions were in force in relation to the said factory; be empowered to—

(a) require the principal or immediate employer to furnish to him such information as he may consider necessary; or

(b) enter any factory, establishment, office or other premises occupied by such principal or immediate employer at any reasonable time and require any person found incharge thereof to produce to such Inspector or other official and allow him to examine such accounts, books and other documents relating to the employment of persons and payment of wages or to furnish to him such information as he may consider necessary; or

(c) examine the principal or immediate employer, his agent or servant or any person found in such factory, establishment, office or other premises or any person whom the said Inspector or other official has reasonable cause to believe to have been an employee; or

(d) make copies of or take extracts from any register, account book or other document maintained in such factory, establishment, office or other premises.

[No. S-38014/20/84-HI]

EXPLANATORY MEMORANDUM

It has become necessary to give retrospective effect to the exemption in this case as the processing of the application for exemption took time. However, it is certified that the grant of exemption with retrospective effect will not affect the interest of anybody adversely.

का. आ. 1051.—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 91 क के साथ पठित धारा 87 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का. आ. 1446 तारीख 17 अप्रैल, 1984 के क्रम में, कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड, कोचीन को, जो नौवहन और परिवहन मंत्रालय के अधीन एक पब्लिक सेक्टर उपक्रम उक्त अधिनियम के प्रवर्तन से 1 जुलाई, 1984 से 30 जून 1985 तक की, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, एक वर्ष की और अवधि के लिए छूट देती है ।

2. पूर्वोक्त छूट की शर्तें निम्नलिखित हैं, अर्थात् :—

(1) उक्त कारखाने का नियोजक, उस अवधि की बाबत जिसके दौरान उस कारखाने पर उक्त अधिनियम प्रवर्तमान था (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अवधि कहा गया है) ऐसी विवरणियां, ऐसे प्ररूप में और ऐसी विशिष्टियों सहित देगा जो कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 के अधीन उसे उक्त अवधि की बाबत देनी थी;

(2) निगम द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 45 की उपधारा (1) के अधीन नियुक्त किया गया कोई निरीक्षक, या निगम का इस निमित्त प्राधिकृत कोई अन्य पदधारी—

(1) धारा 44 की उपधारा (1) के अधीन, उक्त अवधि की बाबत दी गई किसी विवरणी की विशिष्टियों को सत्यापित करने के प्रयोजनार्थ ; या

(2) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनार्थ कि कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 द्वारा अपेक्षित रजिस्टर और अभिलेख, उक्त अवधि के लिए रखे गए थे या नहीं; या

(3) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनार्थ कि कर्मचारी नियोजक द्वारा दिए गए उन फायदों को, जिसके प्रतिफलस्वरूप इस अधिसूचना के अधीन छूट दी जा रही है,

नकद में और वस्तु रूप में पाने का हकदार बना हुआ है, या नहीं; या

(4) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनार्थ कि उस अवधि के दौरान, जब उक्त कारखाने के संबंध में उक्त अधिनियम के उपबन्ध प्रवृत्त थे, ऐसे किन्ही उपबन्धों का अनुपालन किया गया था या नहीं;

निम्नलिखित कार्य करने के लिए सशक्त होगा —

(क) प्रधान या अव्यवहित नियोजक से अपेक्षा करना कि वह उसे ऐसी जानकारी दे जिसे उपरोक्त निरीक्षक या अन्य पदधारी आवश्यक समझता है; या

(ख) ऐसे प्रधान या अव्यवहित नियोजक के अधिभोगाधीन किसी कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में किसी भी उचित समय पर प्रवेश करना और उसके प्रभारी से यह अपेक्षा करना कि वह व्यक्तियों के नियोजन और मजदूरी के संदाय से संबंधित ऐसे लेखे, बहियां और अन्य दस्तावेज, ऐसे निरीक्षक या अन्य पदधारी के समक्ष प्रस्तुत करें और उनकी परीक्षा करने दें, या उन्हें ऐसी जानकारी दें जिसे वे आवश्यक समझते हैं; या

(ग) प्रधान या अव्यवहित नियोजक को, उसके अभिकर्ता या सेवक की, ऐसे किसी व्यक्ति की जो ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर, में पाया जाए, या ऐसे किसी व्यक्ति की जिसके बारे में उक्त निरीक्षक या अन्य पदधारी के पास यह विश्वास करने का युक्तियुक्त कारण है कि कर्मचारी है, परीक्षा करना;

(घ) ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में रखे गए किसी रजिस्टर, लेखाबही या अन्य दस्तावेज की नकल तैयार करना या उससे उद्धरण लेना ।

[संख्या एस-38014/24/84-एच.आई.]

स्पष्टीकारक ज्ञापन

इस मामले में छूट को भूतलक्षी प्रभाव देना आवश्यक हो गया है क्योंकि छूट के आवेदन संबंधी प्रक्रिया में समय लग गया था । किन्तु यह प्रमाणित किया जाता है कि छूट को भूतलक्षी प्रभाव देने से किसी व्यक्ति के हित पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा ।

S.O. 1051.—In exercise of the powers conferred by section 87 read with section 91A of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 1446 dated the 17th April, 1984 the Central Government hereby exempts the Cochin Shipyard Limited, Cochin, a Public Sector Undertaking under the Ministry of Shipping and Transport from the operation of the said Act for a further period of one year with effect from 1st July, 1984 upto and inclusive of the 30th June, 1985.

2. The above exemption is subject to the following conditions, namely :—

(1) The employer of the said factory shall submit in respect of the period during which that factory was subject to the operation of the said Act (hereinafter referred to as the said period), such returns in such form and containing such particulars as were due from it in respect of the said period under the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950;

(2) Any Inspector appointed by the Corporation under sub-section (1) of secton 45 of the said Act or other official of the Corporation authorised in this behalf shall, for the purposes of—

(i) verifying the particulars contained in any return submitted under sub-section (1) of section 44 for the said period; or

(ii) ascertaining whether registers and records were maintained as required by the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950 for the said period; or

(iii) ascertaining whether the employees continue to be entitled to benefits provided by the employer in cash and kind being benefits in consideration of which exemption is being granted under this notification; or

(iv) ascertaining whether any of the provisions of the said Act has been complied with during the period when such provisions were in force in relation to the said factory; be empowered to—

(a) require the principal or immediate employer to furnish to him such information as he may consider necessary; or

(b) enter any factory, establishment, office or other premises occupied by such principal or immediate employer at any reasonable time and require any person found incharge thereof to produce to such Inspector or other official and allow him to examine such accounts, books and other documents relating to the employment of persons and payment of wages or to furnish to him such information as he may consider necessary; or

(c) examine the principal or immediate employer, his agent or servant or any person found in such factory, establishment, office or other premises or any person whom the said Inspector or other official has reasonable cause to believe to have been an employee; or

(d) make copies of the take extracts from any register, account book or other document maintained in such factory, establishment, office or other premises.

[No. S-38014/24/84-HI]

EXPLANATORY MEMORANDUM

It has become necessary to give retrospective effect to the exemption in this case as the processing of the application for exemption took time. However it is certified that the grant of exemption with retrospective effect will not affect the interest of anybody adversely.

का. आ. 1052 :—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 91क के साथ पठित धारा 88 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के श्रम मन्त्रालय की अधिसूचना संख्या का. आ. 1448 तारीख 16 अप्रैल, 1984 के क्रम में, नेशनल टैक्सटाईल कारपोरेशन (मध्य प्रदेश) लिमिटेड इन्दौर, के रजिस्ट्रीकृत कार्यालय के, नियमित कर्मचारियों को उक्त अधिनियम के प्रवर्तन से 1 अक्तूबर, 1984 से

30 सितम्बर, 1985 तक की जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, अवधि के लिए छूट देती है ।

उक्त छूट निम्नलिखित शर्तों के अधीन है, अर्थात् :—

(1) पूर्वोक्त कारखाना, जिसमें कर्मचारी नियोजित हैं, एक रजिस्टर रखेगा, जिसमें छूट प्राप्त कर्मचारियों के नाम और पदाभिधान दर्शित किए जाएंगे;

(2) इस छूट के होते हुए भी, कर्मचारी उक्त अधिनियम के अधीन ऐसी प्रसुविधाएं प्राप्त करते रहेंगे, जिनको पाने के लिए वे इस अधिसूचना द्वारा दी गई छूट के प्रवृत्त होने की तारीख से पूर्व संदत्त अभिदायों के आधार पर हकदार हो जाते;

(3) छूट प्राप्त अवधि के लिए यदि कोई अभिदाय पहले ही संदत्त किए जा चुके हैं तो वे वापस नहीं किए जायेंगे;

(4) उक्त कारखाने का नियोजक उस अवधि की बाबत जिसके दौरान उस कारखाने पर उक्त अधिनियम प्रवृत्त था (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अवधि कहा गया है) ऐसी विवरणियां ऐसे प्ररूप में और ऐसी विशिष्टियों सहित देगा जो कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 के अधीन उसे उक्त अवधि की बाबत देनी थी;

(5) निगम द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 45 की उपधारा (1) के अधीन नियुक्त किया गया कोई निरीक्षक या इस निमित्त प्राधिकृत निगम का कोई अन्य पदधारी,—

(i) धारा 44 की उपधारा (1) के अधीन, उक्त अवधि की बाबत दी गई किसी विवरणी की विशिष्टियों को सत्यापित करने के प्रयोजनों के लिए, या

(ii) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनों के लिए कि कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 द्वारा यथा अपेक्षित रजिस्टर और अभिलेख उक्त अवधि के लिए रखे गए थे या नहीं, या

(iii) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनों के लिए कि कर्मचारी, नियोजक द्वारा दी गई उन प्रसुविधाओं को, जो ऐसी प्रसुविधाएं हैं जिनके प्रतिफलस्वरूप इस अधिसूचना के अधीन छूट दी जा रही है, नकद और वस्तु रूप में पाने का हकदार बना हुआ है या नहीं ; या

(iv) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनों के लिए कि उस अवधि के दौरान, जब उक्त कारखाने के संबंध में अधिनियम के उपबंध प्रवृत्त थे, ऐसे किन्हीं उपबन्धों का अनुपालन किया गया था या नहीं,

निम्नलिखित कार्य करने के लिए सशक्त होगा,—

(क) प्रधान नियोजक या अव्यवहित नियोजक से यह अपेक्षा करना कि वह उसे ऐसी जानकारी दे जो वह आवश्यक समझे; या

(ख) ऐसे प्रधान नियोजक या अव्यवहित नियोजक के अधिभोग में के कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में किसी भी उचित समय पर प्रवेश करना और उसके भारसाधक व्यक्ति से यह अपेक्षा करना कि वह व्यक्तियों के नियोजन और मजदूरी के संदाय से संबंधित ऐसी लेखाबहियां और अन्य दस्तावेजें, ऐसे निरीक्षक या अन्य पदधारी के समक्ष प्रस्तुत करें और उनकी परीक्षा करने दे या वह उसे ऐसी जानकारी दे जो वह आवश्यक समझे; या

(ग) प्रधान नियोजक या अव्यवहित नियोजक की उसके अभिकर्ता या सेवक को या ऐसे किसी व्यक्ति को ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में पाया जाए, या ऐसे किसी व्यक्ति को जिसके बारे में उक्त निरीक्षक या अन्य पदधारी के पास यह विश्वास करने का युक्तियुक्त कारण है कि वह कर्मचारी है, परीक्षा करना; या

(घ) ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में रखे गए किसी रजिस्टर, लेखाबही या अन्य दस्तावेज की नकल करना या उससे उद्धरण लेना ।

[संख्या. एस-38014/36/84-एच. आई.]

स्पष्टीकारक ज्ञापन

इस मामले में छूट को भूतलक्षी प्रभाव देना आवश्यक हो गया है क्योंकि छूट के लिए आवेदन देर से प्राप्त हुआ था । किन्तु, यह प्रमाणित किया जाता है कि छूट को भूतलक्षी प्रभाव देने से किसी भी व्यक्ति के हित पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा ।

S.O. 1052.—In exercise of the powers conferred by section 88 read with section 91A of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 1448 dated the 16th April, 1984 the Central Government hereby exempts the regular employees of the registered office of the National Textile Corporation (Madhya Pradesh) Limited Indore, from the operation of the said Act, for the period from 1st October, 1984 upto and inclusive of the 30th September, 1985.

2. The above exemption is subject to the following conditions, namely :—

(1) The aforesaid factory wherein the employees are employed shall maintain a register showing the names and designations of the exempted employees;

(2) Notwithstanding this exemption, the employees shall continue to receive such benefits under the said Act to which they might have become entitled to on the basis of the contributions paid prior to the date

from which exemption granted by this notification operates;

(3) The contribution for the exempted period, if already paid, shall not be refunded;

(4) The employer of the said factory shall submit in respect of the period during which that factory was subject to the operation of the said Act (hereinafter referred to as the said period), such returns in such form and containing such particulars as were due from it in respect of the said period under the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950;

(5) Any Inspector appointed by the Corporation under sub-section (1) of section 45 of the said Act, or other official of the Corporation authorised in this behalf shall, for the purposes of—

(i) verifying the particulars contained in any return submitted under sub-section (1) of section 44 for the said period; or

(ii) ascertaining whether registers and records were maintained as required by the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950 for the said period; or

(iii) ascertaining whether the employees continue to be entitled to benefits provided by the employer in cash and kind being benefits in consideration of which exemption is being granted under this notification; or

(iv) ascertaining whether any of the provisions of the Act had been complied with during the period when such provisions were in force in relation to the said factory.

be empowered to :—

(a) require the principal or immediate employer to furnish to him such information as he may consider necessary; or

(b) enter any factory, establishment, office or other premises occupied by such principal or immediate employer at any reasonable time and require any person found incharge thereof to produce to such Inspector or other official and allow him to examine such accounts, books and other documents relating to the employment of persons and payment of wages or to furnish to him such information as he may consider necessary; or

(c) examine the principal or immediate employer, his agent or servant, or any person found in such factory, establishment, office or other premises or any person whom the said Inspector or other official has reasonable cause to believe to have been an employee; or

(d) make copies of or take extracts from, any register, account book or other document maintained in such factory, establishment, office or other premises.

[No. S-38014/36/84-HI]

EXPLANATORY MEMORANDUM

It has become necessary to give retrospective effect to the exemption in this case as the application for exemption was received late. However, it is certified that the grant of exemption with retrospective effect will not affect the interest of anybody adversely.

का. आ 1053 :—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 3) की धारा 91-क के साथ पठित धारा 87 द्वारा प्रदत्तशक्तियों का प्रयोग करते हुए और अधिसूचना संख्या का. आ 1422 तारीख 16 अप्रैल, 1984 के क्रम में हिन्दुस्तान एण्टी बायटिक्स लिमिटेड, पिम्परी, पुणे को, उक्त अधिनियम के प्रवर्तन से 1 जुलाई, 1984 से 30 जून, 1985 तक जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, एक वर्ष की और अवधि के लिए छूट देती है ।

2. पूर्वोक्त छूट की शर्तें निम्नलिखित हैं, अर्थात् :—

(1) उक्त कारखाने का नियोजक, उस अवधि की बाबत जिसके दौरान उस कारखाने पर उक्त अधिनियम प्रवर्तमान था (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अवधि कहा गया है), ऐसी विवरणियां, ऐसे प्ररूप में और ऐसे विशिष्टियों सहित देगा जो कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण विनियम, 1950 के अधीन उसे उक्त अवधि की बाबत देनी थी;

(2) निगम द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 45 की उपधारा (1) के अधीन नियुक्त किया गया कोई निरीक्षक, या निगम का इस निमित्त प्राधिकृत कोई अन्य पदधारी—

(1) धारा 44 की उपधारा (1) के अधीन, उक्त अवधि की बाबत दी गई किसी विवरणी की विशिष्टियों को सत्यापित करने के प्रयोजनार्थ; या

(2) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनार्थ कि कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 द्वारा अपेक्षित रजिस्टर और अभिलेख, उक्त अवधि के लिए रखे गए थे या नहीं; या

(3) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनार्थ कि कर्मचारी नियोजक द्वारा दिए गए उन फ़ायदों को, जिसके प्रतिफलस्वरूप इस अधिसूचना के अधीन छूट दी जा रही है, नकद में और वस्तु रूप में पाने का हकदार बना हुआ है, या नहीं; या

(4) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनार्थ कि उस अवधि के दौरान, जब उक्त कारखाने के संबंध में उक्त अधिनियम के उपबन्ध प्रवृत्त थे, ऐसे किन्हीं उपबन्धों का अनुपालन किया गया था या नहीं;

निम्नलिखित कार्य करने के लिए सशक्त होगा :—

(क) प्रधान या अव्यवहित नियोजक से अपेक्षा करना कि वह उसे ऐसी जानकारी दे जिसे उपरोक्त निरीक्षक या अन्य पदधारी आवश्यक समझता है; या

(ख) ऐसे प्रधान या अव्यवहित नियोजक के अधिभोगा धीन किसी कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में किसी भी उचित समय पर प्रवेश करना और उसके

प्रभारी से यह अपेक्षा करना कि वह व्यक्तियों के नियोजन और मजदूरी के संदाय से संबंधित ऐसे लेखे, बहियां और अन्य दस्तावेज, ऐसे निरीक्षक या अन्य पदधारी के समक्ष प्रस्तुत करें और उनकी परीक्षा करने दें, या उन्हें ऐसी जानकारी दें जिसे वे आवश्यक समझते हैं; या

(ग) प्रधान या अव्यवहित नियोजक को, उसके अभिकर्ता या सेवक को, ऐसा किसी व्यक्ति को जो ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर, में पाया जाए, या ऐसे किसी व्यक्ति का जिसके बारे में उक्त निरीक्षक या अन्य पदधारी के पास यह विश्वास करने का युक्तियुक्त कारण है कि कर्मचारी है, परीक्षा करना;

(घ) ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में रखे गए किसी रजिस्टर, लेखाबही या अन्य दस्तावेज की नकल तैयार करना या उसमें उद्धरण लेना ।

[संख्या एस-38014/2/84-एच. आई.]

स्पष्टीकारक ज्ञापन

इस मामले में छूट को भूतलक्षी प्रभाव देना आवश्यक हो गया है क्योंकि छूट के आवेदन संबंधी प्रक्रिया में समय लग गया था। किन्तु, यह प्रमाणित किया जाता है कि छूट को भूतलक्षी प्रभाव देने से किसी भी व्यक्ति के हित पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा ।

New Delhi, the 21st February, 1985

S.O. 1053.—In exercise of the powers conferred by section 87 read with section 91A of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) and in continuation of the notification No. S.O. 1422 dated the 16th April, 1984, the Central Government hereby exempts the Hindustan Antibiotics Limited, Pimpri, Pune, from the operation of the said Act for a further period of one year from 1st July, 1984 upto and inclusive of the 30th June, 1985.

2. The above exemption is subject to the following conditions, namely :—

(1) The employer of the said factory shall submit in respect of the period during which the factory was subject to the operation of the said Act (hereinafter referred to as the said period), such returns in such form and containing such particulars as were due from it in respect of the said period under the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950 ;

(2) Any Inspector appointed by the Corporation under sub-section (1) of section 45 of the said Act or other official of the Corporation authorised in this behalf shall, for the purposes of—

(i) verifying the particulars contained in any return submitted under sub-section (1) of section 44 for the said period ; or

(ii) ascertaining whether registers and records were maintained as required by the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950 for the said period ; or

(iii) ascertaining whether the employees continue to be entitled to benefits provided by the employer in cash and kind being benefits in consideration of which exemption is being granted under this notification ; or

(iv) ascertaining whether any of the proivsions of the said Act has been complied with during the period when such provisions were in force in relation to the said factory ;

be empowered to—

(a) require the principal or immediate employer to furnish to him such information as he may consider necessary ; or

(b) under any factory, establishment, office or other premises occupied by such principal or immediate employer at any reasonable time and require any person found incharge thereof to produce to such Inspector or other official and allow him to examine such accounts, books and other documents relating to the employment of persons and payment of wages or to furnish to him such information as he may consider necessary ; or

(c) examine the principal or immediate employer, his agent or servant or any person found in such factory, establishment, office or other premises or any person whom the said Inspector or other official has reasonable cause to believe to have been an employee ; or

(d) make copies of or take extracts from any register, account book or other document maintained in such factory, establishment, office or other premises.

[No. S-38014/2/84-HI]

EXPLANATORY MEMORANDUM

It has become necessary to give retrosepective effect to the exemption in this case as the processing of the application for exemption took time. However, it is certified that the grant of exemption with retrospective effect will not affect the interest of anybody adversely.

का. आ. 1054 :—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स आफिस आफ़ दी चीफ़ इगजेक्टीव आफ़िसर, फ़िस फ़ार्मर्स डीवलोपमेंट एजन्सी, मीदनापुर डाक बंगला रोड', जिला मिदिनापुर (वैस्ट बंगाल) नामक स्थापन के सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ।

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

[सं. एस-35017(2)/85-एस.एस-2)]

S.O. 1054.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employee in relation to the establishment known as Messrs Office c the Chief Executive Officer, Fish Farmer's Developmer Agency, Midnapore Dak Bunglow Road, District Midnapor (West Bengal) have agreed that the provision of the Em ployees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Ac 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the sai establishment ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred b sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Centr Government hereby applies the provisions of the said A to the said establishment.

[No. S-35017(2)/85-SS.

शुद्धिपत्र

का. आ. 1055 :—भारत सरकार के तत्कालीन श्रम और पुनर्वास मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का. आ. 3385, तारीख 10 अक्तूबर, 1984, जो भारत के राजपत्र, भाग 2, खण्ड 3, उप-खण्ड (ii) में 27 अक्तूबर 1984 को प्रकाशित हुई थी, की पंक्ति 4 में "शाखाएं" के बाद "ग्वालियर, इटारसी और होसंगाबाद (मध्य प्रदेश)" के स्थान पर "(1) कार्यकारी इंजीनियर कार्यालय, मध्य प्रदेश, आर. बी. बी. एन. ग्वालियर, (2) इटारसी, (3) क्षेत्रीय कार्यालय मध्य प्रदेश, आर. बी. बी. एन. होसंगाबाद और (4) ग्वालियर (मध्य प्रदेश)" पढ़ें ।

[सं. एस-35019(353)/84-पी. एफ-II]

CORRIGENDUM

S.O. 1055.—In the notification of the Government of India in the late Ministry of Labour and Rehabilitation, No. S.O. 3385 dated the 10th October, 1984 published in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (ii) dated the 27th October, 1984, in line 5, for "including" read "including its branches at (1) Executive-Engineer's Office M.P., R.B.V.N. Gwalior".

[No. S-35019(353)/84-PF. II]

शुद्धि-पत्र

का.आ. 1056 :—भारत के राजपत्र, भाग 2, खण्ड 3, उप-खण्ड (ii) में दिनांक 24 दिसम्बर, 1983 को प्रकाशित, भारत सरकार के श्रम और पुनर्वास मंत्रालय (श्रम विभाग) की अधिसूचना संख्या का.आ. 4706, दिनांक 7 दिसम्बर, 1983 की,—

(i) पंक्ति 2 में "साउथ इण्डिया प्राजेक्ट्स लि." के स्थान पर "साउथ इण्डिया प्राजेक्ट्स लिमिटेड" पढ़ें;

(i) पंक्ति 3 में "फैक्ट्री निमता रोड" के स्थान पर "फेक्ट्री पुरानी निमता रोड" पढ़ें।

[संख्या एस-35017/129/83-पी.एफ. 2]

ए.के. भट्टराई, अवर सचिव,

CORRIGENDUM

S.O. 1056.—In the notification of the Government of India in the late Ministry of Labour and Rehabilitation (Department of Labour) No. S.O. 4706 dated the 7th December, 1983, published in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (ii), dated the 24th December, 1983—

(i) in line 3 for "South India Projects", read "South India Projects Limited" ;

(ii) in line 4 and 5 for "factory at Nimta Road", read "factory at old Nimta Road".

[No. S-35017(129)/83-PF. II]

A. K. BHATTARAI, Under Secy.

नई दिल्ली, 22 फरवरी, 1985

का. आ 1057.— औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, विशाखापट्टनम पत्तन न्यास, विशाखापट्टनम के प्रबन्ध तन्त्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबन्ध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण, हैदराबाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 12 फरवरी, 1985 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 22nd February, 1985

S.O. 1057.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of Industrial Tribunal, Hyderabad as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Visakhapatnam Port Trust, Visakhapatnam and their workmen, which was received by the Central Government on the 12th February, 1985.

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL, (CENTRAL) AT HYDERABAD

PRESENT :

Sri J. Venugopala Rao, Industrial Tribunal.

Industrial Dispute No. 28 of 1982

BETWEEN

The Workmen of Visakhapatnam Port Trust, Visakhapatnam.

AND

The Management of Visakhapatnam Port Trust, Visakhapatnam.

APPEARANCES :

Sri G. Bikshapathi, Advocate for the workmen.

Sri K. Srinivasa Murthy, Advocate for the Management.

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour by its Order No. L-3401(2)/82-DIV (A) dated July, 1982 referred the following dispute under Sections 7A and 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the Management of Visakhapatnam Port Trust and their workmen, to this Tribunal for adjudication :

"Whether the action of the management of Visakhapatnam Port Trust in denying the benefit of two increments to the Operator of the Ore Handling Complex who were promoted from Grade III to Grade II during the period from 1-1-74 to 14-7-77 vis-a-vis the provisions of Clause 2(m) of the settlement dated 14-7-77 with the Federations is justified ? If not, to what relief are the concerned workmen entitled ?"

This reference was registered as Industrial Dispute No. 28 of 1982 and noticed were issued to both the parties.

2. The workmen filed their claim statement stating that the dispute related to fixation of scales of pay in respect of Operators Grade III and Grade II of Ore Handling Complex. According to them, originally there were two separate scales for Grade II and Grade III Operators and Grade III Operators who were in the scale of Rs. 170—290 while Grade II Operators were in the scale of Rs. 150—253. The Wage Revision Committee recommended many other things a common scale for both the Grades in the scale of Rs. 450—700 and they were asked to be designated as Grade II Operators. It is mentioned that a settlement was arrived at on 14-7-1977 and the Revised Wage Scale was to be implemented with effect from 1-1-1974. Clause 2(m) of the Settlement reads as follows :—

"Merely as a consequence of implementation of the recommendations of the Wage Revision Committee any facility, privilege, aminity, benefit, monetary or otherwise or concession to which an employee might be entitled by way of practice or usage shall not be withdrawn reduced or curtailed except to the extent and manner as provided for in this agreement."

The Workers mentioned that Operator Grade II is a promotion post from Grade III Operators and whenever any operator is promoted to Grade II, his pay will be fixed in the Grade II scale after giving two increments as provided in F.R. 22(c) which are made applicable to the employees of the Respondent-Management. It is also pointed-out that during the period from 1-1-1974 to 14-7-1977 number of Grade III Operators were promoted to Grade II Operator and they enjoy the benefit of two increments as stated supra. According to them the Government liberalised the scales by increasing the rate of increments by an Order dated 22-1-1979 and this grade 450-11-461-EB-15-611-EB-18-701 from 1.7.1977 was given and the same was again revised as Rs. 480—760 on account of parity of scale between the skilled and administrative staff. It is asserted that such scale was implemented with effect from 1-1-1974 and the Management paid arrears of difference of revised pay scales of Rs. 450—700 in the year 1977 which was further revised to Rs. 480—760 in the year 1979 by giving only one increment instead of two. According to them the Management had given credit to Grade II and Grade III posts by giving one increment from the date when the Grade III Operator was promoted as Grade II Operator in the revised scales of pay whereas two increments are to be given under F.R. 22(c).

The Management having partly implemented the revised scales of Rs. 450—700 from 1-1-1974 to 31-7-1977 and parity scales of Rs. 480—760 from 1-1-1977 giving retrospective effect from 1-1-1974 has started in 1981 refixing the scales of pay of the Grade II Operators who were promoted between the period from 1-1-1974 to 14-7-1977 by ignoring the two increments which the employees were entitled to under the pre-revised scales. The Management is changing the date of increment to the appointment date of Grade III Operator instead of the date of promotion as Grade II Operator. According to the workmen this has cumulative effect throughout the service of the employee. According to them due weightage ought to be given to the Grade III and Grade II posts either in the pre-revised scales or revised scales. Otherwise it is mentioned that the same would result in the serious anomalies in the wage. As per Clause 2(m) of the Settlement, the benefits or privilege etc., shall not be reduced, withdrawn or curtailed on account of the implementaiotn of the revised pay scales. Therefore it is requested that the benefit of two increments when an employee is promoted to Grade II post cannot be denied by the Management under the pretext that the benefit has been nullified under the terms of Settlement dated 14-7-1977. Accoding to the workers, the said Settlement protected the pre-existing benefits.

4. The Petitioner-Union made representations to the Chairman on 11-4-1981 and as there was no response the union moved the Conciliation machinery which culminated the present reference. According to the Union there are above 100 employees who were effected by the arbitrary action of the management and the Management had no right to deny the earlier benefits unless there is a specific agreement to that effect. It is therefore mentioned that the action of the Management in denying two increments in he new scales of 450—700 and 480—760 to Grade II Operators who were promoted to Grade II between 1-1-1974 and 14-7-1977 is absolutely illegal and violative of the terms of agreement dated 14-7-1977 and that the same is contravened under Section 9A of the I. D. Act.

5. The Management filed a counter contending that the claim petition is not maintainable as the same is not filed as a proper party. According to them the revised scales were implemented in the year 1977 when the petitioner raised this issue only on 6-5-1981 for the first time and hence the claims have become time barred and liable to be rejected. It is mentioned that the Petitioner-Association is purely sectional Association and is not a recognised Union and it has no locus standii to raise a dispute. It is admitted by the Management that there were Operators Grade II and Grade III on two different and separate pay scales, and that Grade II Operators were on a scale of Rs. 170—290 and Operators Grade III on a scale of Rs. 150—253. The Management mentioned that the Wage Revised Committee recommended for Grade III and Grade II Operators should be on a single grade of Rs. 450—700 and the same should come into effect from 1-1-1974 and the recommendations were accepted and unified scales was implemented. The retrospective effect from 1-1-1974 as recommended. The Management contended that the promotion that were made from Operator Grade III to Operator Grade II during the period from 1-1-1974 to 14-7-1977 prior to the implementation of the combined scales when separate scales were in existence were required to be suitably revised and refix in the new combined scales. This fixation was solely made in pursuance of the implementation of the unified single scale for Operator Grade III to Grade II with retrospective effect from 1-1-1974 as recommended by Wage Revision Committee and hence either the question of promotion from Grade III to Grade II Operator or invoking the provision of F.R. 22(c) will not arise as there was only one single scale for these two grades with effect from 1-1-1974. It is the case of the Management after the implementation of the Wage Revision Scales in September 1977 which were given retrospective effect from 1-1-1974 the posts of Operator Grade II and Grade III have been merged and uniform single scale of Rs. 450—700 was prescribed for them. Thus after merge there is no separate Grade III posts and hence the question of promotion from Grade III to Grade II or invoking the provisions of F.R. 22(c) did not arise. According to them, the applicability of F.R. 22(c) will arise only when there is promotion involving the assumption of higher duties and responsibilities and not otherwise. The allegations in para 3 of the claims statement are not true and correct and the same are denied. It is also mentioned that clause 2(m) of the Settlement dated 14-7-977 has no relevance to the present case. In view of the fact that pay fixation has been done in accordance with the rules and specific clause of the Settlement relating to pay fixation. It is mentioned that the provisions of this clause will apply only to the concession and facilities enjoyed by the employee at the time of the implementation of the new scales and the same has nothing to do with pay fixation. The example cited in the claims statement has no relevance. The other allegations in the claims statement are denied.

6. Two witnesses were examined on behalf of the workmen as WW-1 and WW-2 and Exs. W-1 to W-5 were marked. On behalf of the Management, two witnesses examined as MW-1 and MW-2 and Exs. M-1 to M-4 were marked.

7. The summon substance of the workers evidence is as follows : WW-1 is the General Secretary of the Port and Dock Employees Association. According to him the reference is made at the instance of their Union Prior to the implementation of the Wage Revision Committee pay scales of Grade III Operators when promoted to Grade II a pay fixation was made under F.R. 22(c) by granting two additional increments. He filed Ex. W-1 as Settlement between the Federation and the Government protecting the previous benefits which they were getting earlier. He relied upon Clause 2(m) of the Settlement for the same protection. According to him the Wage Revision Committee recommendation reached in 1977 with effect from 1-1-1974. By the time this agreement dated 14-7-1977 was concluded, nearly 60 Grade III Operators were already promoted between the period from 1-1-1974 to 14-7-1977. By fixing in the scale of Rs. 450—700 increments were given under F.R. 22(c) on the date of promotion from Grade III and arrears were paid. He deposed further that the Grades of increments were changed in 1979 and at that time also similar fixation was done and arrears were paid. It is pointed out that while fixing the pay in the scale of 480-760 the increment eligible for pay fixation under F.R. 22(c) was not given. According to him the privilege of two increments at the time of promotion from Grade III to Grade II Operate which is conferred on the employee prior to the agreement Ex. W-1 is protected under Clause 2(m) of the Agreement. He quoted that the categories of Junior Drivers and Senior Drivers were similarly merged and they were given two increments in the revised scale from the date of their promotion by the Port Trust itself. He also quoted the instance with reference to minimum rent collected for quarters to the Port Trust Employees at Bombay and Port Trust Employees in Paradeep. To substantiate his contention he marked Ex. W-2 as the copy of their representation and Ex. W-3 another representation addressed to the Assistant Labour Commissioner (Central) Visakhapatnam and Ex. W-4 is the minutes of the Conciliation Officer and Ex. W-5 is the failure report. In the cross examination he admitted that the revision was effected in 1977 and the present dispute was raised in the year 1981 as per Ex. W-2. He denied that Clause 2(m) of Ex. W-1 has no application to the pay fixation.

8. WW-2 is one Sri K. V. Subba Rao who is working as Grade I Operator in the Ore Handling Complex. He

deposed that he was appointed on 3-6-1969 as Grade III Operator and he was promoted on 31-8-1975 as Grade II Operator. According to him he was given two increments in the old scales which were prevailing then. He also deposed that after the merger of scale of Rs. 450—700 he was given two increments from 31-8-1975 also. It is his case that when the scale was further revised in 1980 he was not given two increments similarly as was given at the time of first merged scale. According to him the new revised wage scale was given in fixing the pay. One increment was given as weightage for three years service. He requested for giving two increments in the revised scales of pay and also consequential benefits. He mentioned that in 1977 his pay was refixed in Grade II Operator retrospectively from 1-1-1974 and again corrected himself and stated that retrospective operation was given from the date of promotion in 1975. The higher scale of pay was implemented with retrospective effect from 1-1-1974.

9. MW-1 is one K. N. Rao, Senior Deputy Financial Advisor and Chief Accounts Officer in Visakhapatnam Port Trust. He deposed that he is dealing with pay fixation. Accoording to him when the general revision took place from 1-1-1974 these two grades were merged into one category and scale was fixed at Rs. 450—700 and subsequently it was altered to Rs. 480—760. According to him the Revision Committee gave a firmula to bring the old scale into new scale from the relevant date. It is his case that no increment need be given as two grades were unified into one grade with effect from 1-1-1974. According to him there is no question of promotion involving the assumption of higher duties and responsibilities in view of unifying grade known as Operator Grade II by the merged of Grade II and Grade III into one category. He deposed that F.R. 22(c) has no application. He also deposed that the new Operator Grade II cannot claim any benefits under Clause 2(m) of the Settlement with regard to the fixation of pay. According to him though the Pay Revision Committee did not provide for over time allowance in view of the prevailing practice. That allowance was allowed to certain categories of Supervisors. The nominal outstanding allowance and dust allowance giving in Paradeep Port and Bombay Port were not taken into consideration by the Pay Revision Committee as such allowance come under the category of concession and not under pay fixation.

10. He also deposed that the analogy of drivers case is not eligible for this case. According to him the Drivers case was considered separately as a whole in para 10.29 at page 174 of the Pay Revision Committee report. The pay fixation of these Operators were made on the recommendations of the Wage Committee. He deposed that the demand for two increments is not tenable. He admitted when a person is promoted to higher post of higher grade the pay is fixed under Rule 22(a)(i) or Section 22(c) of the Fundamental Rules. He also admitted that an Operator is promoted from Grade III to Grade II then his pay in Grade II is fixed under F.R. 22(c). According to him the settlement agreed to under Pay Revision Committee report which was ended on 14-4-1977 was given effect from 1-1-1974 retrospectively. He deposed that parity scale of Rs. 480—760 was introduced subsequent to the agreement Ex. W-1. Prior to parity scale the scale of Rs. 450—700 was given to all the Operators who were in Grade II and Grade III prior to the revision of scales. From 1-1-1974 to 14-4-1977 several Grade III Operators were promoted to Grade II in the pre-revised scales. According to him in those pre-revised scales i.e. pre-wage board scales when promotion was given for the scale of Grade III to Grade II it was fixed as per F.R. 22(c) till 14-7-1977. He denied that when the revised grade of Rs. 450—700 was applied to erstwhile Grade III Operators who were merged into Grade II category that their pay was fixed under F.R. 22(c). He also contended that in fixing Rs 480—760 scale also F.R. 22(c) benefit was not given. According to him after the pay revision report, two grades of drivers were continued but their scales were made uniform. Prior to the introduction of Wage Revision Report there was promotion from Junior drivers to Senior drivers. After the Wage Revision Committee Report though identical scale was given to both the categories of drivers they were not merging into one category. According to him, the drivers of two categories are having two separate scales were maintained for the drivers with Rs. 425—655 and Rs. 450—700. According to him F.R. 22(c) was adopted for fixing the grade of drivers for promotion from lower scales to higher scale. He denied that for giving scale of Rs. 480—760 to the Ore Handling Complex also the Operators F.R. 22(c) should be followed.

11. MW-2 is the Personnel Officer of the Visakhapatnam Port Trust. He deposed that he is dealing with all personal and industrial relations. It is his case that the scales were fixed as per the Wage Revision Committee Report and F.R. 22(c) can be involved only when there is higher post and lower post with two different scales of pay with two different sets of duties and responsibilities. According to him after the implementation of Wage Revision Committee scales invoking F.R. 22(c) did not arise. He marked Ex. M-1 the pay structures fixing as per W.R.C. The statement filed by him fixing the scales is marked as Ex. M-2. According to him the statement filed by the workmen regarding fixation from 1-3-1977 onwards is not correct. The letter received from the Shipping and Transport is marked as Ex. M-3. According to him Ex. M-2 statement being prepared by him correctly. He explained the anomaly with reference to Suryanarayana Rao and filed Ex. M-4 statement to show how the salaries were fixed along with the increments and other benefits. According to him F.R. 22(c) one increment in the lower scale will be given and then fixing him at appropriate scale in the higher grade. He denied that F.R. 22(c) is applied to Suryanarayana Rao will get Rs. 608 as on 1-3-1981.

12. The points for consideration is whether the action of the management of Visakhatpatnam Port Trust in denying the benefit of two increments to the Operators of Ore Handling Complex who were promoted from Grade III to Grade II during the period from 1-1-1974 to 14-7-1977 vis-a-vis the provisions of clause 2(m) of the settlement dated 14-7-1977 with the Federations is justified and to what relief ?

13. This reference depends upon the interpretation of Clause 2(m) of the Settlement dated 14-7-1977 which is marked as Ex. W-1. The said clause reads as follows :

> "Merely as a consequence of implementation of the recommendations of the W.R.C. any facility, privilege, amenity, benefit monetary or otherwise, or concessions to which an employee might be entitled by way of practice or usage shall not be withdrawn, reduced or curtailed except to the extent and manner as provided for in this agreement."

Admittedly the Visakhapatnam Port Trust authorities were having two types of Operators i.e. Grade III and Grade II. In Ore handling Complex with two scales of pay i.e. Grade III Rs. 150—253 and Grade II with Rs. 170—290 at the time of general revision. As per the agreement these two grades were merged into one category and the scale was fixed at Rs. 450—700. Wage Revision Committee (WRC) recommended a unified scale of Rs. 450—700 for both Operators for Grade III and Grade II with retrospective effect from 1-1-1974. The management implemented W.R.C. from 1-9-1977 with retrospective effect from 1-1-1974. In fact the W.R.C. gave a formula to give old scales into new scales from the relevant dates as mentioned in the Settlement. The liberalised incremental scales were implemented from February 1979 with retrospective effect from 1-8-1977. The uniform scale or the merged scale for Grade III and Grade II Operators recommended by W.R.C. is Rs. 450-8-490-EB-12-610-EB-15-700. The liberalised incremental scale given to Grade II Operators from February 1979 is Rs. 450-11-461-EB-15-611-EB-18-701. The said W.R.C. scales for skilled categories have been further modified and implemented in November 1979 with retrospective effect from 1-1-1974. The modified W.R.C scales for Operators Grade II of Ore Handling Complex is Rs. 480-10-530-15-680-20-760. These particulars are furnished in Ex. M-1.

14. According to Workmen the evidence of WW-1 and WW-2 on the basis of Clause 2(m) of the Settlement dated 14-7-1977 the benefit enjoyed by the workmen should not be curtailed. According to them as per that Clause all the Operators of Grade II were paid arrears on the Wage Revision Scale of Rs. 450—700 in the year 1977 and later this scale was revised to Rs 480—760 from 1-8-1977 and the Management also paid the arrears in 1979 and now the Management proposed to reduce the pay of said Operators Grade II by removing the two advance increments given as a promotion from Operator Grade III to Grade II. It is their case that this is against the interpretation of Clause 2(m) of the Settlement. To substantiate their case they filed their statement showing the pay fixation in respect of S. Suryanarayana as part of claims statement to elicit the said anomaly. According to the employees case the said Suryanarayana entered

as Grade III Operator on 15-9-1975 and promoted as Grade II from 1-3-1977. He became eligible for two increments and in view of the liberalised incremental scales he should be drawing Rs. 608.00 instead of Rs. 540.00. On the other hand the Management took up the said case of Suryanarayana and filed Ex. M-2 statement to show that by implementating the said Settlement with retrospective effect from 1-1-1974 as well as implementing W.R.C. scales as modified and revised from November 1979 with retrospective effect from 1-1-1974. He would be drawing only Rs. 589.00 as on 1-3-1981. To appreciate these evidence it is very clear that pay fixation statement of S. Suryanarayana as per W.R.C. scales prepared and is also marked as Ex. M-4. Before going further it is necessary to see the relevant clauses of the Settlement deed arrived at between the Government of India and Federation of Port and Dock Workers to be from 1-1-1974. It is mentioned under Clause 2(g) that where a worker gets fitted in the revised scales at a notional stage beyond the maximum, the excess though treated as personal Pay would not be adjusted against future increments. Under Clause 2(i) employees stagnating at or beyond the maximum of the revised scale would be entitled to one stagnation increment once in two years subject to a maximum of three such increments. Under Clause 2(h) the pay of an employee who within the period from the 2nd January, 1974 to the 15th August, 1977 moves into the next higher slab of fixed Dearness Allowance under the Wage Board formula, will be refixed from such date in the revised scale in such a manner that his pay in the revised scale on that date is the same as would be allowed on 1-1-74 to another employee drawing the same pay in the existing scale on 1-1-1974. He will also be allowed to draw arrears on the basis of the pay in the revised scale fixed as on 1-1-1974 till the date of refixation. The managements contention is that these two original scales for Operators Grade II and Grade III were merged and a uniform single higher scale has been given with retrospective effect from 1-1-1974. It is true that before the said agreement dated 14-7-1977 (Ex. M-1) the scale of Grade III Operator promoted to Garde II prior to that date have been fixed under F.R. 22(c) giving two increments as if an employee has been promoted from a lower scale to higher scale consequent on the implementation of the recommendations approved on 14-7-1977 with retrospective effect from 1-1-1974. These fixation have begn recasted taking a single scale of Rs. 450—700 for Operators Grade III also. Thus it is higher privilege i.e. higher scale given to Grade III Operators with effect from back date dated 1-1-1974. Thus question of Grade III Operator being promoted as Grade II Operators did not arise. Clause 2(m) of the Settlement dated 14-7-1977 infact did not attract to the cases of fixation of pay in the revised Wage Revision Committee pay scale as pay fixation is to be regulated in accordance with the rules and specific clauses of Settlement relating to pay fixation. Evidently Clause 2(m) which is harped upon by the workers will apply only to the facilities and concessions available to any employee other than drawal of pay in his pay scale. A careful perusal of Clause 2(1)(n) and 2(o) would show that there is retrospective effect from 1-1-1974 and any increments were allowed on the first of month they fall due and if there is difference in the rate of increment by promotion it would be treated as pay at the rate of increment if the promotion post became equal and the amoluments of the employees as recommended to an employee as on 1-7-1977 if they are less than the amolument drawn by him. According to the previous wage structure including the interim relief ,the differene would be treated as personal pay. Thus if Grade III Operators are permitted as Grade II Operator during the period from 1-1-1974 to 14-7-1977 and fixation of pay on these promotions in terms of F.R. 22(c) is done previously the same is nullified by implementation of the Wage Revision Committee by a unified pay scale of both the categories of Operators with retrospective effect from 1-1-1974. So the question of giving the Benefit under F.R. 22(c) while recasting the pay fixation as aforesaid did not arise. Infact by virtue of these refixation if a particular Grade III Operator had drawn more wages than due to him under the Agreement dated 14-4-77, it is to be protected; such protection is given to Grade III Operators. In the said clause now mentioned supra treating the same as personal pay and the same has been protected. The recoveries sought to be made at best will be to the extent of the amount he might have got by means of promotion from Grade III to Grade II subsequent to 1-1-1974 and prior to 14-7-1977. Since the same has been nullified under the agreement dated 14-7-1977 this cannot be construed withdrawing the facility given already. The facility contemplated under Clause 2(m) of the Settlement relates to any other type of facility or benefit given to an employee by any other means except the pay scales. There is no deprivation of the benefits already given to the employee in the matter of pay fixation. The pay fixation statement Ex. M-4 and the evidence of MW-2 with reference to Exs. M-1 and M-2 would show that the statement given along with the claims statement with reference to S. Suryanarayana is not correct and the pay fixation that Clause 2(m) of the agreement had nothing to do with the pay fixation, the evidence under Ex. M-4 as well as Ex. M-2 and the evidence of MW-1 and WW-2 and MW-1 and MW-2 read with Clause 2(m) would show that the workers are entitled for two increments which they were drawing when they were having two scales of pay for two different grades of Operators stands protected and it cannot be curtailed is not correct. In fact the basic pay is fixed at higher scale with effect from back date from 1-1-1974 and the merger of two categories has been done from 1-1-1974 and their scales of pay were recasted though the settlement was arrived at on 14-7-77 and further the liberarised incremental scales were implemented in November 1979 with retrospective effect from 1-8-1977 and the case of the Grade II Operator Sri S. Suryanarayana Rao or the evidence of WW-2 that he was given two increments from 31-8-1975 and when the scales was revised in 1980 that he was entitled to two increments similarly in the new revised scales is not correct. In 1975 when there were two grades when he got promotion he was given two increments. But the merger is effected with retrospective effect from 1-1-1974 with higher basic pay and he was fixed in Grade II at higher basic pay on 1-1-1974 by recasting his pay and further even this liberalised increment scales was implemented with regard to Grade II Operator from November 1979 and the evidence of MW-2 and MW-1 would show that the date of annual increments changes from time to time in view of the wage recommendations and fresh fixation of pay. A careful persual of the evidenec of MW-1 and MW-2 would show that the pay of S. Suryanarayana was properly fixed as per the Wage Revision Scales, and that F.R. 22(c) had no application. I am in full agreement with the evidence of the Management as mentioned by MW-1 and MW-2 that F.R. 22(c) has no application to the present case and that Clause 2(m) of the Settlement had no relavance and it did not creat any anomaly in case of these Operators when a unified new scale of Grade II Operator came into effect from 1-1-1974, the Oeprators who were in two grades original cannot claim any benefit under Clause 2(m) of the Settlement with regard to the fixation of pay. If there are any allowance such allowance come under the category of concession and not under pay fixation.

15. The anology of Drivers case is not applicable to the present facts. As their case was considered separately in para 10.29 at page 174 of Pay Revision Committee report and the same was made in accordance with the report of the Wage Revision Committee and two separate grades of drivers were maintained. Clause 2(m) of the Agreement can be construed as a privilege with reference to allowances, if any, but the same cannot be treated as prevailing practice and it cannot effect the pay fixation.

16. Counsel for the Management further mentions that this application was made on 11-4-1981 under Ex. W-2 and W-3 and that it is belated and in the light of the judgement reported in Vazir Tobacco Co. Ltd. V. State of Andhra Pradesh (1964 (I) LLJ, page 622) cannot be entertained and in this case this request was made by way of raising a dispute with a belated after a lapse of five years. Sri G. Bikshapathi on the other hand contended that the question of belate claim did not arise as the procedure consumed most of the time and even the liberalised incremental scales were tried to be implemented from November 1979 with retrospective operation. I find some force in this contention and I do not accept that there is any delay in filing the application as contended by the Management.

17. The Management relied upon the decision reported in Workmen, Cochin Port Trust V Board of Trustees (1978 (2) LLJ, page 1111) contended that the Tribunal is constituted for a specific jurisdiction under Section 10(4) of the Industrial Disputes Act and it has no general or inherent Civil Jurisdiction as the Civil Court. According to the Management the reference is made to decide whether the action of the Management of Visakhapatnam Port Trust in "denying the benefit of two increments" to the Oepartions of Ore Handling Complex who were promoted during the

period 1-1-1974 to 14-7-1977 in the light of Clause 2(m) of the Settlement is justified. According to the learned counsel for the Workmen Sri Bikshapathi the very reference is outside the scope of Section 10(4) of the I. D. Act and to substantiate the same, he relied upon the decision report in 1978(2) LLJ. page 111, the workmen of Cochin Port Trust Vs. Board of Trustees, Cochin Port Trust and in 1978 (Lab. I.C., Page 1416) Bengal River Transport Association V. Calcutta Port Shramik Union. In fact those cases have no application to the present facts. Those were cases where the Tribunal was trying to exercise jurisdiction when it is not conferred. In the present dispute there is a provision under Clause 2(m) on the Settlement arrived at by both parties which required interpretation and it is rightly referred as a dispute is raised by the Workers thinking that their emoluments are going to be affected while holding that question of denying the two increments to the Operators did not arise as per the Settlement dated 14-7-1977 and that Clause 2(m) of the Settlement had no application to the merged unified scale which is fixed from 1-1-1974. It is necessary to point out that the reference is quite within the jurisdiction of this Tribunal.

18. In other words I hold that the Settlement is valid and the Wage Revision Committee recommendations were implemented with effect from 1-1-1974 with higher scale within the merged scale that was existing to Grade III Operators with two increments on the date of promotion in between 1-1-1974 and 14-7-1977. Therefore the reference is held against the workmen.

Award passed accordingly.

Dictated to the Stenographer, transcribed by him, corrected by me and given under my hand and the seal of this Tribunal, this the 16th day of January, 1985.

Industrial Tribunal

APPENDIX OF EVIDENCE

Witnesses Examined for the Workmen :
WW-1 A. Rehman
WW-2 K. V. Subba Rao

Witnesses Examined for the Management :
MW-1 K. N. Rao
MW-2 Y. Bhadrachalam.

Documents marked for the Workmen :

Ex. W-1—True copy of the Settlement dated 14-7-1977 between the Government of India and Federation of Port and Dock Workers on the implementation of the Report of the Wage Revision Committee.

Ex. W-2—Representation dated 11-4-1981 made by A. Rahman General Secretary Port and Dock Employees' Association, to the Chairman, Visakhapatnam Port Trust, Visakhapatnam regarding the fixation of Pay of Operator Grade II at ore handling complex.

Ex. W-3—Representation dated 6-5-81 made by A. Rahman General Secretary Port and Dock Employees' Association to the Assistant Labour Commissioner (C) Visakhapatnam regarding not to proceed with the refixation of Scales for Operator Grade II's at O.H.C.

Ex. W-4—Minutes of the Conciliation Proceedings held on 24-7-1981 before the Assistant Labour Commissioner (C), Visakhapatnam between the Management of Visakhapatnam Port Trust and their workmen represented by the Port and Dock Employees Association over fixation of Scales for operator Grade II at the OHC and Payment of one day wage for working on 19-6-80 for Sri P. Sanyasi Domullu.

Ex. W-5—Failure Report No. 16/13/81-ALC dated 12-2-82 submitted by Assistant Labour Commissioner (C) Visakhapatnam to the Secretary to the Government of India, Ministry of Labour, New Delhi

Documents marked for the Management.

Ex. M-1—Pay scales of Grade III and Grade II Operators of OHC in Visakhapatnam Port Trust.

Ex. M-2—Pay fixation Statement of Sri S. Suryanarayana Rao, Operator Grade II in Visakhapatnam Port Trust.

Ex. M-3—Letter No. LDV/16/82-II, dated 31-7-82 addressed by Desk Officer, Ministry of Shipping and Transport (Labour Division) to the Chairman, Visakhapatnam Port Trust, Visakhapatnam regarding the Industrial Disputes between the Management of Visakhapatnam Port Trust and Port and Dock Employees Association over fixation of pay of Operators Grade II at Ore Handling Complex.

Ex. M-4—Pay fixation Statement (Wage Revision Committee Scales) of S. Suryanarayana Rao.

J. VENUGOPALA RAO, Industrial Tribunal

[No. L-34011(2)/82-D.IV (A)]

नई दिल्ली, 26 फरवरी, 1985

का. आ. 1058.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार, सिटी बैंक एन. ए. नई दिल्ली के प्रबंधतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, नई दिल्ली के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 14 फरवरी 1985 को प्राप्त हुआ था ।

New Delhi, the 26th February, 1985

S.O. 1058.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, New Delhi, as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the Citi Bank N.A., New Delhi and their workmen, which was received by the Central Government on the 14th February, 1985.

BEFORE SHRI O. P. SINGLA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL, NEW DELHI

I.D. No. 7/79

In the matter of dispute between :

Workmen through Filst National Citi Bank Staff Association, 3, Sansad Marg, New Delhi.

Versus

Manager, Citi Bany,

N.A. Jiwan Vihar Building,
3, Sansad Marg, New Delhi.

APPEARANCES :

Shri J. K. Mehra for the Management.
Shri S. K. Bisaria Advocate for the workmen.

AWARD

Central Government, Ministry of Labour on 3-2-79 vide order No. L-12011/118/78-D. II. A made reference of the following dispute to this Tribunal for adjudication :

"Whether the action of the management of the Citi Bank N.A. New Delhi in unilaterally increasing the rate of interest on personal loans given by them to the workmen, with effect from July 23, 1974 is justified ? If not, to what relief are the workmen entitled" ?

2. Mr. P. Balasubramaniam General Secretary of the Citi Bank Staff Association filed a statement of claim in March, 1979. It was pleased that on the basis of mutual agreement between the Management and the workman, the workmen were entitled to personal loans with interest at 4 per cent per annum. This rate of interest was settled after discussion/negotiations in January, 1971 but the Management suddenly and unilaterally enhanced the rate of interest to 5 per cent and 7 per cent per annum, on personal loans retrospectively

w.e.f. 23-7-74. The increase is said to be contrary to the agreement between the parties made in 1971 and the workmen pleaded that the rate of interest on personal loans beheld to be 4 per cent and Management's decision dated 23-7-74 unilaterally increasing the rate of interest be struck down as illegal and unjustified.

3. The Management of Citi Bank Contested the claim and asserted that the dispute does not amount to 'Industrial Dispute' and does not relate to any term of employment or condition of the service of the employees of the bank.

4. On merits, it is pleaded that there was no right or entitlement of any workmen to get personal loan and it was as a gesture of goodwill that the Bank Management charge much lower rate of interest than what it does in the case of normal customer. The grant or refusal of loan in each individual case was in absolute discretion of Bank. In April 74 the rate of interest payable on Saving Bank Deposit was increased to 5 per cent by Reserve Bank of India and the Management increased the staff deposit rate to 6 per cent from July, 74 and raised the rate of interest on new personal loan to 5 per cent per annum w.e.f. December, 1975. The bank raised the rate on staff member deposits 1 per cent higher and raised the personal loan interest also 1 per cent higher. However, when the Reserve Bank of India revised the interest rates on deposits in Saving Bank Account, the Bank also reduced the rate of interest chargeable to its staff members to 4 per cent per annum, effective from 1-7-77.

5. The rate of 7 per cent per annum was on a special category of loan which was being granted by the bank as a very special case to staff members who would register their names with the D.D.A. (Delhi Development Authority) for allotment of flats on onwarship basis. The D.D.A. give the depositors interest @ 7 per cent P.A. on the amount of deposit and it was for that reason that 7 per per cent interest was ordered on such loan as would earn 7 per cent interest from DDA and factually the employees had to pay no interest on the amount of loans other than the interest They get on deposit from D.D.A. thereby enjoying the deposit facility free of any interest. The Bank at the request of the employees themselves granted such loans without in any way retaining any charge on the amounts deposited with DDA.

6. The Matter has been tried. The workmen filed affidavits of Shri S. K. Maini and Shri K. L. Malhotra. The Management examined Shri B. K. Malhotra and Sh. Rajeshwar Kumar. I have perused written arguments filed by the parties.

7. The preliminary objection by the Management is that charging interest on personal loan is not a condition of service and dispute relating there to does not amount to an 'Industrial Dispute'. There is no provision concerning this matter in the letters of appointment. It does not figure in the Bipartite Settlements and there is no question of settlement or signing agreement between the parties in dispute with regard to this matter more negotiations or talks between the Management and the workmen representatives on such matters do not mean a settlement between the parties.

8. I am of the clear opinion that the matter relating to rate of interest on personal loans given by the Management to its workmen is one the conditions of service and the workmen in the Citi Bank, for the simple reason that granting of personal loans to the employees is a matter which relates to the manner in which the workmen meet the obligation while in service, and the personal loans are granted by the Management Institution to the employees, in a general regulated manner, and it is not a case of occasional grant of personal loan to anyone in the Bank without any guidelines and on caprice or whim of the employer.

9. The fact that negotiations took place between the management and the workmen representatives on this matter, including the rate of interest on personal loans, is significant, in the Minutes of the Management Meeting with All India Federation and Citi Bank Staff Federation held at Calcutta on January 15 to 16, 1971. In para 3, it was agreed to reduce interest rates on housing loan to 2 per cent and other personal staff loans to 4 per cent and, at that meeting, Sh. Devindson Presided and a number of other officials of the bank and a large number of employees' representatives including Kanji Lal were present. This points to the mater being accepted by the Management as one of the conditions of service of the employees, which keeps the employees contended and help them to meet their obligations while they continue to be employees of the Management. The two conditions which determine the nature of Industrial Dispute are fulfilled.

10. The contestants raise definite dispute of substance in which both the parties are directly interested and the grievance faced by the workmen is one which the employer is in a position and to remedy. The Management based rate of interest on its notice dated 22-3-68, and there was agreement entered into on 16-3-70 and later on 16|17 January, 71 at Calcutta in the Federation|Management meeting where by the interest was agreed to be reduced to 4 per cent on personal loans.

11. It is, thus, explicit that the personal loans allowed by the Management of Citi Bank to its employees is a matter relating to the conditions of service of the employees and the rate of interest there on is a subject which raises an 'Industrial Dispute' to be decided by this Tribunal.

12. In so far as the justifiably on an agreement action is concerned, it is said to rest on the action of the Reserve Bank of India in raising the rate of interest. It is to be seen that the rate of interest was raised by the Reserve Bank of India on the profits in April, 74 while the Management raised the personal loans interest in December,75. Further, the interest rate was lower w.e.f. 1-7-77 and remained 5 per cent only during the short period December, 75 to 30-6-77.

13. The further fact is that, during conciliation, the settlement of the matter between the parties was insight, but it failed on account of certain obstructions showing there by that the Management did not have financial difficulty in meeting the demand of the workmen.

14. The number of personal loans is not large and the amount charged by way of interest, by increasing the rate, is also small and not of significance in so far as this Management of the Bank is concerned. From the point of view of the workman the rate of interest is very important and appears burdensome when it is increase.

15. In so far as the rate of interest of 7 per cent on loans granted for purchasing DDA flats is concerned, the Management action of putting it 7 per cent appears to be justified. But the Management action in raising the rate of interest on other personal loans from 4 per cent to 5 per cent in December,75 is vulnerable and appears to be improper and imposition of burdon on the workmen without jusification. The loans taken by the employees during the period December, 75 to June 77 was charged at 5 per cent not only during the period December, 75 to July, 77 but also for the period subsequent to that when interest rate had been reduced to 4 per cent for loan taken subsequent to June 77. Also, the Management did not raise rate of interest 5 per cent in case of loans granted earlier to December, 75, even for the period subsequent to December, 75, creating differential and inequitable conditions for the employees in respect of personal loans.

16. In view of what have been said in the foregoing, it is ruled that the action of the Management of Citi Bank in raising the rate of interest on personal loans from December, 75 from 4 per cent to 5 per cent is unjustified but its action in fixing higher rate of interest in respect of personal loans to seek DDA flats ownership by applying for them is justified. The terms of settlement before the Assistant Labour Commissioner (Central) appear to be both fair and proper and the Award is made interms proposed before the Conciliation Officer as under :-

> "The rate of interest to be charge by the Management on personal loans (including existing loans granted by it to the members of its staff to enable them to meet certain exigencies will be 4 per cent effective March 21, 1978 (it is not dispute that it will be within the discretion of the Management to decide about the fitness of any particular application for being accorded the aforesaid loan. No claim will be made by the workmen for back dated adjustment for the difference of interest rates of 4 and 5 per cent

2. Personal loans granted to members of the staff to enable them to register themselves for allotment of flats by the D.D.A. shall carry interest at 7 per cent or at such rate which D.D.A. will pay on the deposit received by it for such registrations, subject to the minimum of 4 per cent. (In the event of D.D.A. certifying that no interest on such deposits is payable, the Management will, upon such certificate being produced to it in original, agree to reduce the rate of interest chargeable in such cases also to 4 per cent).

3. The staff member who wish to avail of reduction in rate of interest under term of settlement No. 2 above shall have to produce the required certificate from D.D.A. Authorities about its paying interest. on the deposits at the rate lower than 7 per cent or no interest as the case may be, within two years from the date the loan is granted to the particular staff member or within the duration of the loans if that happens to be less than two years."

17. In respect of the Management plea of application for approval made in 1981 in I.D. 7/79 before this Tribunal and the Tribunal holding that the right to change rate of interest was in the discretion of the bank and did not amount to change of condition of service it is to be pointed out that there is no such order of the Predecessor of this Tribunal on record of this case. Award is made accordingly.

Further it is ordered that the requisite number of copies of this Award may be forwarded to the Central Government for necessary action at their end.

February 5, 1985

O. P. SINGLA, Presiding Officer

[No L-12011 (118)/78-D. II (A)/D. IV (A)]

का. आ. 1059.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार, सिटी बैंक एन. ए., नई दिल्ली के प्रबंधतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, नई दिल्ली के पंचाट को प्रकाशित करती है जो केन्द्रीय सरकार के को 14 फरवरी 1985 को प्राप्त हुआ था ।

S.O. 1059.—In pursuance of section 17 of the Industrial Dispute Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, New Delhi, as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation the Citi Bank N. A. New Delhi and their workmen, which was received by the Central Government on the 14th February, 1985.

BEFORE SHRI O. P. SINGLA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL, NEW DELHI

I. D. No. 58/80

In the matter of dispute between Workmen through First National Citi Bank Staff Association.

3, Sansad Marg, New Delhi.

Versus

Manger, Citi Bank, N. A. New Delhi.

APPEARANCES

Shri S. K. Maini for the workmen.
Shri J. K. Mehra Advocate for the Management.

AWARD

Central Government, Ministry of Labour on 30-6-80 vide Order No. L-12012/105/80-D.II.A made reference of the following dispute to this Tribunal for adjudication :

"Whether the action of the management of Citi Bank N. A., New Delhi in calling upon the tellers employed in their Branch at Parliament Street, New Delhi to visit the premises of their customers to collect cash and cheques from them is justified ? If not, to what relief are the workmen concerned entitled?"

2. The management of the Citi Bank requested the tellers employed in the branch at Parliament Street to visit the premises of their customers namely Saudi Arabian Airlines to collect cash/cheues. The workmen felt that this was not job of Teller in the cash department and it involved them in unnecessary risk and was new duty imposed on them and was against the provisions of Bank Awards and Settlements under which the depositers/customers had to present themselves at the business premises, of the bank itself for making deposits of cash/cheques etc. This new practice was said to have been started since February,78 contrary to Bank rules and regulations.

3. The Management contested the claim and asserted that this was a normal banking service and carrying cash instrument is one of the legitimate duties which the management can ask the member of the staff to perform and there is nothing foreign to the duties performed by the persons concerned in carrying cash or instruments.

4. In view of the fact that at the time of reference was made there was only one party to which the workmen were sent for collecting cash/cheques but later more such parties have been added but the evidence relates only to the period before the reference made in 1980.

5. The workmen felt that a better case could be set up to challenge the new practice by being able to show that the matter was not occasional or unique but was becoming a regular one, and it was felt that a new dispute may be raised with the management on the subsequent facts after adding the subsequent facts after 1978 and for that reason they requested that the dispute may be deemed withdrawn and they would raise a new dispute in view of the practice becoming common and not remaining single or unique in relation to Saudi Arabian Airlines.

6. Under the circumstances aforesaid a 'No Dispute' Award is made in respect of the dispute referred for adjudication in this Tribunal.

Further it is ordered that the requisite number of copies of this Award may be forwarded to the Central Government for necessary action at their end.

February 5, 1985.

O. P. SINGLA, Presiding Officer

[No-L-12012 (105)/80-D. II (A)/D. IV (A)]

नई दिल्ली, 1 मार्च, 1985

का. आ. 1060.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, बनारस स्टेट बैंक लि., वाराणसि के प्रबंधतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 15 फरवरी, 1985 को प्राप्त हुआ था ।

New Delhi, the 1st March, 1985

S.O. 1060.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Kanpur as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Banaras State Bank Limited, Luxa Road, Varanasi and their workmen, which was received by the Central Government on the 15th February, 1985.

BEFORE SHRI R. B. SRIVASTAVA, PRESIDING OFFICER CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL KANPUR.

I.D. No. 221 of 1983

In the matter of dispute between—

1. Shri Rishi Muni, C|o Shri V. K. Gupta, 2|363 Namnair, Agra.

AND

Banaras State Bank Limited, Luxa Road Varanasi.

AWARD

The Central Government, Ministry of Labour vide order No. L-12012|254|82-D. IV(A) dated 25th August 1983, made the reference of the following dispute to this tribunal for Adjudication:—

"Whether the action of the management of Banaras State Bank in relation to their Agra Branch is not absorbing Shri Rishi Muni temporary peon in the Bank's services and terminating his services with effect from 20-7-82 is justified? If not, to what relief is the workman concerned is entitled".

1. The workman was appointed as peon with effect from 1st December, 1981 against the regular permanent vacancy and was allowed to work till 6-2-82. On 7-2-82 when the workmen reached the bank he was not allowed to work and the Branch Manager appointed some other man. The workman made a written representation on 13-2-82 which the Branch Manager with his recommendation forwarded to the Bank's Head Office. The Bank reinstated the workman on 12-6-82 and he was allowed to work till 20th July, 1982 with some artificial breaks. The Branch Manager again terminated the services of the workman without any notice or written order on 20th July, 1982 and paid salary only upto 17th July, 1982. After terminating the workman the Branch Manager appointed new hand at his place. Thus the action of the Management's arbitrary, malafide illegal and amounts to unfair labour practice and should be quashed by this Hon'ble court on that account. It is further prayed that the workman be deemed to be in the regular employment of the bank with full back wages and other benefits.

2. The case of the Management Bank is that workman Rishi Muni was employed from time to time only to meet the exigencies of the requirements as temporary peon and it would be incorrect to say that he was appointed against the regular and permanent vacancy, hence his absorption in the banks service can not be claimed as a matter of right which is only prerogative function of the management. The management admits that in span December, 1981 to July, 1982 the workman worked only for 89 days with 4 temporary breaks.

3. In the rejoinder filed by the workman he has asserted that in fact he was appointed against regular permanent vacancy created due to transfer of a permanent peon elsewhere.

4. The proceedings initially started in the Industrial Tribunal Delhi, which was transferred to newly created CGIT Kanpur. On the first date in the Kanpur Tribunal one Shri N. K. Bhargawa, appeared for the Management. Thereafter on all subsequent dates none appeared for the Management. It was the duty of the management to have found out as to what dates have fixed for after the first hearing on transfer at Kanpur. However, by way of abandon caution registered notice was issued to the management twice but none appeared. hence the case was ordered to proceed exparte against the Management. Workman filed affidavit in support of his contention and verified the same before the court.

5. In his affidavit he ascerted that he was appointed against the regular and permanent vacancy on 1st December, 1981 and continuously worked till 6th February, 1982. He was not allowed to work on 7th February, 1982 and one Mahesh Kumar Shyama was appointed in his place on which he made representation in writing which he has filed and is Annexure 'A' on the record. It was on this representation that he was reinstated with effect from 12-6-1982 and allowed to work till 20th July, 1982. His services were terminated without any notice and without any written order on said 20th July, 1982. The Branch Manager again appointed some new hands namely Gurbachan Singh, Bankey Behari, Suresh Goel, etc., He again representated to the Management but when he failed he raised Industrial Dispute.

6. It is common ground that neither appointment letter was issued nor any termination order was given further there is no denial on oath of the fact that the workman was appointed on a permanent nature of job in the vacancy created by transfer of one of the workman of the branch. The Management has failed to show that he was appointed for a limited period for work which was essentially of a temporary nature or employed temporarily as an additional workman in connection with the temporary increase in work of a permanent nature. It is also not the case of the management that he was appointed temporarily in the absence of a particular permanent workman. The Management had been creating temporary breaks so that the workman may not acquire any legal rights which is evident from the report of the bank appended to the application of the workman filed as Annexure 'A' in which it is specifically written that if the workman is re-employed he will not be allowed to complete 240 days in a year. Further if the work was there and after his termination it was necessary to appoint another man he should have been given a chance and compliance of provision of section 25 G and H should have been complied with. The Management should have maintained a register of such temporary workers and applied the principles of last come first go. As the management did not observed any of these provisions of the I.D. Act nor provisions of Bi-partite nor of Shastri's Award. The termination of the services of the workman after taking work from him for 89 days was illegal unjust and malafide and temporary breaks were shown with that malafide intention so that he may not acquire the status of the permanent employee. I accordingly believing the affidavit of the workman hold that the action of the Management of the Benaras State Bank Limited in relation to their Agra Branch in not absorbing Shri Rishi Muni Temporary Peon in the Bank's services and terminating his services with effect from 20-7-1982 is not justified. The result is that he is entitled to be re-instated with full back wages and continuity of service and all benefits.

7. I, therefore, give my award accordingly.

R. B. SRIVASTAVA, Presiding Officer

[No. L-12012|254|82-D.II(A)|D.IV(A)]

K. J. DYVA PRASAD, Desk Officer

नई दिल्ली, 22 फरवरी, 1985

का.आ. 1061.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार साऊथ मालाबार ग्रामीण बैंक के प्रबन्धतन्त्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबन्ध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण, मद्रास के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 16-2-85 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 22nd February, 1985

S.O. 1061.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Madras as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the South Malabar Gramin Bank and their workmen, which was received by the Central Government on the 16th February, 1985.

BEFORE THIRU K. S. GURUMURTHY, B.A., B.L., PRESIDING OFFICER, INDUSTRIAL TRIBUNAL, TAMIL NADU, MADRAS

(Constituted by the Central Government)

Tuesday, the 29th day of January, 1985

Industrial Dispute No. 49 of 1983

(In the matter of the dispute for adjudication under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the workman and the Management of South Malabar Gramin Bank, Head Office, Kavumgal, Malappuram.).

BETWEEN

Shri E. Vijayarajan,
"Vijayapuri" East Hill Road,
Calicut-673 006.

AND

The Chairman, South Malabar Gramin Bank,
Head Office, Kavumgal, Malappuram.

REFERENCE :

Order No. L-12012/125/83-D.II(A), Ministry of Labour & Rehabilitation, dated 1-8-1983, Government of India, New Delhi.

This dispute coming on for final hearing on Friday, the 11th day of January, 1985 upon perusing the reference, claim and counter statements and all other material papers on record and upon hearing the arguments of Thiru K. Chandru, Advocate appearing for the workman and of Thiruvaiargal T. S. Gopalan, P. Raghunathan and S. Ravindran, Advocates appearing for the Management and this dispute having stood over till this day for consideration, this Tribunal made the following.

AWARD

The Government of India by its Order No. L-12012/125/83-D.II(A), Ministry of Labour and Rehabilitation, dated 1-8-1983 has referred the following dispute under Section 7A and Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 for adjudication to this Tribunal.

2. The dispute is :

"Whether the action of the management of South Malabar Gramin Bank, Head Office, Malappuram (Kerala) in relation to their Calicut Branch in terminating the services of Shri E. Vijayarajan, Junior Clerk with effect from 8-2-82 is justified ? If not, to what relief is the workman concerned entitled ?".

3. On receipt of notice issued by this Tribunal, the parties appeared.

4. The Petitioner filed the claim statement raising the following grounds to sustain his case . The Petitioner joined the services of the Respondent-Bank as a junior clerk with effect from 10-11-1979. The Petitioner applied for leave from 1-2-1982 to 6-2-1982 and the same was sanctioned by the Respondent. The Petitioner as he fell ill sent a leave letter supported by a medical certificate through his brother Vinod Kumar on 8-2-1982 and the same was handed over to the Branch Manager. The leave was for a period of 30 days. The Respondent did not send any reply. The Petitioner had to leave for Delhi as his sister was very seriously ill. His brother-in-law met with an accident at Dubai and he had to rush to that country in March, 1982. The Petitioner's brother-in-law succumbed to his injuries and the petitioner had to stay back. All these developments were intimated to the Branch Manager orally by the relatives of the Petitioner.

5. The Petitioner when he returned to Calicut he received the order dated 12-4-1982 of the Respondent terminating his services with effect from 8-2-1982 on the ground of abandoning his employment. The Petitioner protested against the illegal termination and requested the Respondent to reinstate him in service. The order dated 12-4-1982 terminating the services of the Petitioner is illegal.

6. The South Malabar Gramin Bank (Staff) Service Regulations, 1980 will apply to the Petitioner. The Respondent have not followed the provisions of these regulations. The termination is arbitrary and illegal. The Respondent have not complied with the conditions prescribed under Regulation 10(2). The Respondent have no powers to terminate the services of any employee automatically on the alleged ground of abandonment. The Respondent ought to have taken disciplinary action against the Petitioner as contemplated under Regulation 22(2). The Respondent failed to follow the procedure laid down under Regulation 30(2). The Respondent have not provided any opportunity to the Petitioner to produce satisfactory explanation regarding his leave. The impugned order of termination is violative of the principles of natural justice. The Respondent has failed to comply with the mandatory conditions prescribed under Section 25-F of the Industrial Disputes Act. This Hon'ble Tribunal may be pleased to pass an award setting aside the order of termination dated 12-4-1982 and direct the reinstatement of the Petitioner with continuation of service and all other attendant benefits, award costs and render justice.

7. The Management filed counter statement resisting the claim of the Petitioner on the following grounds : The Petitioner should have joined duty on 8-2-1982. He did not do so nor did he make any application for leave. On 19-3-1982 a medical certificate was delivered through a messenger needing absence from duty for 30 days from 8-2-1982. Since there was no leave application, the medical certificate was not taken cognizance of. The Petitioner had left India. On 23-3-1982, a letter was sent to the Petitioner pointing out his absence without leave from 8-2-1982, granting him time till 31-3-1982 to report for work cautioning him that if he failed to report for duty on or before 31-3-1982 his name would be removed. The Petitioner did not report for work by 31-3-1982. The Respondent treated the Petitioner as having abandoned his job with effect from 8-2-1982. The Petitioner even collected his earned wages and addressed a letter dated 17-7-1982 for payment of bonus dues. The bonus was also paid to him. Subsequent to April, 1982, the Petitioner accepted his non-employment and corresponded with the Management for payment of his dues with no intention of resuming his job. The cessation of employment of the Petitioner was brought about by reason of his continuous absence and it was by way of abandonment of job. There was no termination of employment by the Respondent. It was the Petitioner who terminated the employment.

8. It is denied that the Petitioner sent leave letter for his absence after 6-3-1982. Unless the leave is granted one cannot presume that leave has been sanctioned. At no time prior to 31-10-1982, the Petitioner protested against the cessation of his employment. The order dated 12-4-1982 is not really an order of termination. It is a case of abandonment of job and the reference to termination of servcie and superfluous. Since the cessation of employment of the Petitioner was brought about by his own conduct, there was no question of applying the provisions of service regulations. The Petitioner had accepted the cessation of employment. The Petitioner did not respond to the Management's letter dated 23-3-1982, directing the Petitioner to report for work on or before 31-3-1982. There was no option left to the Bank than to treat him as having abandoned his employment. As he had already abandoned his job, there was a termination of his employment. Since there was no leave letter, the Management Bank was not obliged to consider the medical certificate. This Honourable Court may be pleased to make an award rejecting the claim of the Petitioner.

9. M. Ws .1 and 2 and W.W.1 were examined. Exs. M-1 to M-21 were marked. I have heard the learned counsel for the Petitioner and the learned counsel for the Management.

10. The point for consideration is whether the termination of the services of the Petitioner Sri E. Vijayarajan from 8-2-1982 is justified.

11. The agreement between the Respondent-Bank and the Petitioner-Employee at the time of initial appointment is Ex. M-1. The most relevant terms in this agreement Ex. M-1 will be only Terms 17, 18 and 19. Under these terms the employee is entitled to the leave that may be available to his under the provisions of the Service Code. He shall

be liable to disciplinary action in respect of any misconduct on his part and the employee may retire or be required to retire, or may resign or may leave the services of the Bank or have his services terminated in accordance with the provisions of the Service Code. Therefore the various modes by which the services of the employee can come to an end are indicated in term 19 of the agreement Ex. M-1. But that in turn should be in accordance with the provisions of the Service Code. The Service Code of this Respondent-Bank is marked as Ex. M-12. It is captioned as South Malabar Gramin Bank (Staff) Service Regulations, 1980. The regulations which are relevant for consideration in this case will be 10, 22 and 30. Before dealing with the real meaning and the applicability of the above mentioned regulations it becomes necessary to go into the facts and the evidence in this case.

12. It is not disputed that initially this Petitioner applied for leave from 1-2-1982 to 6-2-1982 and the leave was sanctioned. 7-21982 happened to be holiday and therefore the employee was bound to report for duty on 8-2-1982. However, on 8-2-1982, the employee did not report for duty. But instead he sent a medical certificate through his brother. Because the medical certificate was not accompanied by a leave application in the prescribed form the Branch Manager M. W. 1 informed the individual who brought the medical certificate that it should be accompanied by an application. Later, he sent that medical certificate to the Head Office on 19-3-1982. He has also written the letter Ex. M-13 to the Head Office, under which he has indicated that the medical certificate sent by the employee had been submitted to the Head Office. He has made it clear that no separate leave application has been submitted by the employee. The Head Office has written a letter Ex. M-14 according to the evidence of M.W. 2 directing the employee to report for duty on or before 31-3-1982 and the Bank has indicated in Ex. M-14 that the employee had been absent from duty without leave and he should report for duty on or before 31-3-1982, failing which he would be deemed to have abandoned the job and his name will be removed from the rolls. According to the evidence of the employee, there is an application prescribed for applying for leave. He submitted the medical certificate Ex. M-3 with his letter through his brother and later due to unavoidable and compelling circumstances he had to go to Delhi where his sister was ill and later he had to go to Dubai where his brother-in-law met with an accident and ultimately died. After coming back to the place where was working in the Bank he approached the Bank and orally asked for reinstatement. These are the facts and evidence. The Bank had issued the order Ex. M-13 dated 12-4-1982, in which the Bank has narrated the absence of the employee from duty without permission of the authority and the failure of the employee to report for duty on or before 31-3-1982 pursuant to the letter Ex. M-14 and under the circumstances, the Bank was compelled to terminate the services of the employee with effect from 8-2-1982. Of course, the Bank has indicated that it was on account of abandonment of job by him.

13. It is true the employee denied the receipt of the letter Ex. M-14. This is proved to be false by the documents. Ex. M-14 is dated 23-3-1982. In Ex. M-8, dated 31-10-1982, a letter written by the employee to the Bank, there is an express reference to the letter of the Bank dated 23-3-1982. That letter dated 23-3-1982 should only refer to Ex. M-14. It is in that letter the employee's absence from duty without leave or permission had been mentioned and he had been directed to report for duty on or before 31-3-1982 and it has also been noted that if he failed to report for duty he will be deemed to have abandoned the service and his name will be removed. Therefore the claim of the employee that he did not receive the letter Ex M-14 is falsified by his own letter Ex. M-8.

14. Accepting all the above facts and the evidence it becomes necessary to examine whether the employee has abandoned and thereby brought about a cessation of service. Even if it is so, an ancillary aspect will be whether such a situation will be in accordance with the Service Regulations Ex. M-12. As has been already indicated Regulation 10 contemplates termination of service by issue of notice and the notice must be in writting addressed to the Chairman of the Bank and it is one month's notice. Under sub-clause (2) of the Regulation 10, the Bank may terminate the service of an employee by giving one month's notice or pay in lieu thereof. None of these things had been done either by the employee or by the Bank. In spite of my very careful reading of the various regulations in Ex. M-12, I do not find any regulation under which the services of an employee can be brought to an end by voluntary abandonment of the job. In fact, M.W.2 in his evidence admitted that they treated the Petitioner as having abandoned his job and recorded it accordingly. But he cannot refer to any regulation under which the abandonment of the job by the employee was recorded. Therefore, as per the terms of the agreement between the parties Ex. M-1, the services of employee can be terminated only in accordance with the provisions of the Service Code. But the Service Regulations Ex. M-12 do not contemplate the termination of the services of the employee by the employer for abandoning the job. It is pertinent to point out that Ex. M-4, dated 12-4-1982 uses the terminology that the services of the employee are terminated with effect from 8-2-1982 Inter alia it refers to the letter of the Bank dated 23-3-1982 which is Ex. M-14. Ex. M-14 i sdated 23-3-1982 and it gives a direction to the employee that he should report for duty on or before 31-3-1982 with a threat that if he failed to report for duty he would be deemed to have abandoned the services. Therefore, even if Ex. M-14 is treated as notice by the Bank it gives only 8 days, It is not in accordance with Regulation 10 sub-clause (2) or Regulation 10 sub-clause 1(b).

15. It is true that the evidence clinches the fact that this employee after he left for Delhi and later for Dubai, did not write to the Bank at all. In evidence he admitted that under Ex. M-8, dated 31-10-1982, for the first time he wrote to the Bank asking for reinstatement. Prior to that, he claimed that he made oral representations, but this was denied by M.W.2 and M.W.1. When the Regulations governing the services of the employee do not contemplate cessation of service by the abandonment of the job it is futile for the Management to rely upon the circumstances of the employee remaining absent from duty without leave or permission, and the employee not reporting for duty in spite of the letter Ex. M-14 and the employee making arrangement for starting a business. It is indisputable and the evidence clinches the fact that the employee had made application for loan to the Small Scale Industries Directorate under Ex. M-16 and he had obtained the certificate from the Small Scale Industries Directorate under Ex. M-15. Ex. M-17 indicates that the loan applied for by this employee had been sanctioned. The Petitioner as W.W.1 admitted that he had a plan to start business. Under Ex. M-5 he has asked the Bank to pay him the bonus. He admittedly collected all his dues from the Bank. In spite of all these suggesting that the employee was trying to find out an alternate avocation and did everything suggesting that he was arranging to leave the job under the Respondent-Bank, it is impossible to conclude that he abandoned the job. If I may repeat the abandonment of job is not one of the modes contemplated by the Regulations to snap up the relationship of employee and employer between the Petitioner and the Respondent.

16. The order Ex. M-13 dated 12-4-1982 is not a more recording of the abandonment of the job by the employee. Apart from the fact that the Bank has failed to bring out the existence of an intention of the employee to abandon the job the order Ex. M-18 expressly mentioned that the services were terminated. This termination is not in accordance with the Regulations Ex. M-12. Therefore it has got to be declared as null and void.

17. It will be aiding the completeness of the discussion on this aspect of the matter if I refer to the Regulations 22 and 30 of Ex. M-12. Regulation 22 prohibits an officer or employee from remaining absent from duty without permission of the competent authority. It also indicates that the employee cannot absent himself in case of sickness or accident without submitting a proper medical certificate. In this case, M.W.1 admitted that on 8-2-1982, the brother of the employee handed over the medical certificate Ex. M-3. Therefore the employee should be deemed to have satisfied the direction contained in the Regulation 22 sub-clause (1) Under sub-clause (2) of Regulation 22, if the employee absents himself from duty without leave or overstays his

leave, he must tender a satisfactory explanation, otherwise he shall not be entitled to draw any pay and allowances for the period of such absence or overstayal and he is also made liable for disciplinary action. Therefore the Regulation indicates the action that is to be taken against the employee who absents himself from duty without leave or permission to whom overstays his leave. The Management has admittedly not taken any disciplinary action and there was no enquiry at all. Regulation 30 contemplates the awarding of penalties to an employee who commits a breach of these regulations or is guilty of any other act of misconduct. Regulation 30 sub-clause (2) makes it very clear that the removal of the employee from service or the dismissal of the employee from service shall not be made unless a charge had been formulated in writing and the employees had been given the charge to enable him to answer the same in writing. This has not been done by the Respondent-Bank. The order though it used the phraseology "abadoned the job" it in effect terminated the services of the employee. It has got to be taken as an order of dismissal or removal of the employee from service. That order not being in accordance with the Regulations Ex. M-12 has got to be declared as null and void.

18. When the services of the employee are governed by the Regulations Ex. M-12, whose applicability is expressly attracted by the terms of the agreement Ex. M-1, the employer cannot rely upon the common law to draw an inference that th employee has abandoned or relinquished his service from the length of absence or other surrounding circumstances. The question of abandonment or relinquishment of service having a hearing on the intention of the employee, the intention cannot be attributed to the employee without adequate evidence in this behalf. As has already been observed, the Management has not placed clinching evidence to accept the theory that the employee had shown the intention to abandon his service under the Bank. That apart while the parties have agreed that the services of the employee shall be governed by the Regulations the common law doctrine or consideration of equity will become irrelevant. At the pain of repetition I may say that the Regulations Ex. M-12 do not contemplate the abandonment of the job as one of the modes to bring about the cessation of services.

19. The controversy can be looked at from another angle. The letter Ex. M-14 read with the order Ex. M-18 clearly suggests that the services of the employee had been terminated. There being no scope under the Regulations for an employee to bring about a voluntary termination of his services under the Bank the cessation of service had been brought about only by the order of termination Ex. M-18. Such a termination will amount to retrenchment within the meaning of Section 2(oo) of the Industrial Disputes Act, 1947.

20. The Supreme Court in the case reported in 1982-I-L.L.J. Page 330 (L. Robert D'Souza vs. Executive Engineer, Southern Railway and another) has made it clear that if termination of service of an employee is brought about for any reason whatsoever, it would be retrenchment as per Section 2(oo) of the Industrial Disputes Act unless the case falls within any of the excepted categories. The present case of termination is not by way of punishment, nor a case of voluntary retirement of the employee, nor a case of retirement on superannuation nor termination on the ground of continued ill-health. It is clear from the records and from the evidence that this Respondent-Bank has not given notice and has not conducted an enquiry on the absence of the employee without leave which is forbidden by the Regulation and therefore would constitute an act of misconduct. The order of termination without any such enquiry will be non-complinance of the minimum principles of natural justice. Such a termination in the view of the Supreme Court is void and invalid.

21. In fact, the Supreme Court in the case reported in 1978-I-L.L.J. Page 1 (Delhi Cloth and General Mills Limited vs. Shambhu Nath Mukherjee and others) has observed that the striking off the name of the workman from the rolls by the Management will amount to termination of his service and such termination will amount to retrenchment within the meaning of Section 2(oo) of the Industrial Disputes Act. The order of retrenchment without compliance of the requirements of Section 25F of the Industrial Disputes Act will make the order violative of the mandatory provisions of Section 25F and the order will be invalid.

22. There is evidence in this case that the employee was not given any compensation after his services were terminated. Therefore the order of termination passed by the Management against the employee looked at from any angle is patently illegal and invalid and has got to be declared so. It may be that the conduct of the employee had not been satisfactory. He had not communicated to the employer his absence at Delhi and at Dubai. Even after his return to the place of work, he had not written to the Bank seeking re-employment, until he wrote Ex. M-8. He had collected all the amounts including the bonus. In spite of that, in law by reason of the failure of the Bank to adopt the procedure prescribed by the regulations to terminate the services of the employee the order of termination has got to be set aside.

23. In the result, there will be an award declaring that the order of termination is null and void and the employee will be entitled for reinstatement. There will however be no order as costs.

Dated, this 29th day of January, 1985

(Sd)

K. S. GURUMURTHY, Industrial Tribunal

WITNESSES EXAMINED

For workman

W.W.1—Thiru Vijayaraj.

For Management

M.W.1—Thiru M. Mohan.

M.W.2—Thiru N. Kanthakumar.

EXHIBITS MARKED

For workman : Nil.

For Management :

M-1/4-9-80.—Agreement between the workman and the Management.

M-2/16-2-82—Copy of Leave Proceedings of the Chairman.

M-3/7-2-82—Medical Certificate of the workman.

M-4/12-4-82—Proceedings of the Chairman. (Xerox copy).

M-5/17-7-82—Letter from the workman to the Management.

M-16/9-9-82.—Copy of letter from the Management to the workman.

M-7—Stamped acknowledgement for the receipt of Rs.504-36 for the payment of bonus.

M-8/31-10-82—Letter from the workman to the Management.

M-9/15-11-82—Copy of letter from the Chairman to the workman.

M-10/25-8-82—Letter from the workman to the Management.

M-11/18-3-83—Copy of conciliation failure report of the Regional Labour Commissioner.

M-12—Service Regulations of the Bank.

M-13—Intercommunication memo of the Management.

M-14/23-3-82—Copy of letter from the Management to Thiru E. Vijayarajan-workman.

M-15/25-7-83—Xerox copy of provisional registration certificate issued by the Industries and Commerce Department, Government of Kerala.

M-16—Xerox copy of application maigin money loan submitted by workman.

M-17/4-8-84—Xerox copy of recommendation of the Financial Institution.

M-18/12-4-82—Proceedings of the Chairman issued to Thiru E. Vijayarajan, workman regarding his abandonment of job.

M-19—Opened postal cover addressed to the workman E. Vijayarajan from Malappuram Branch

M-20/2-6-83—Copy of letter from the Chairman to the Ministry of Finance, Banking Division, New Delhi.

M-21/15-3-82—Memo from the Manager of Calicut to Staff Section abour the absence of the workman.

K. S. GURUMURTHY, Industrial Tribunal
[No. L-12012/125/83-D. II(A)]

नई दिल्ली 23 फरवरी, 1985

का.आ. 1062.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, स्टेट बैंक आफ बीकानेर एण्ड जयपुर के प्रबन्धतन्त्र से सम्बन्द्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबन्ध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, कानपुर के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 15-2-85 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 23rd February, 1985

S.O. 1062.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes award of the Central Government Industrial Tribunal, Kanpur as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the State Bank of Bikaner and Jaipur and their workmen, which was received by the Central Government on the 15th February, 1985.

BEFORE SHRI R. B. SRIVASTAVA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL CUM LABOUR COURT, KANPUR

I.D No. 135 of 1980

In the dispute between Shri Prabhu Dayal

AND

The management of State Bank of Bikaner and Jaipur,

AND

I.D. No. 11 of 1981

In the dispute between Shri Ramendra Pratap Singh

AND

The Management of State Bank of Bikaner and Jaipur.

The Central Government vide its order dt. 18-12-80 and 20-1-80 referred the following disputes for adjudication :—

(a) Whether the action of the management of State Bank of Bikaner and Jaipur, in terminating the services of Shri Prabhu Dayal from 24-4-76 is just and legal ? If not, to what relief the concerned workman is entitled ?

(b) Whether the action of the management of State Bank of Bikaner and Jaipur, in terminating the services of Shri Ramendra Pratap Singh from 2-8-75 is just and legal ? If not, to what relief the concerned workman is entitled ?

AWARD

The above cases were consolidated on 25-4-'984; and I.D. No. 135 of 1980 was made the leading case.

Both the parties contested the case upto the evidence stage and therefore, filed a settlement and verified the same requesting that the award be given in terms of the same.

The terms of the agreement are as follows :

(a) That the workman petitioner S/Shri Prabhu Dayal and Shri Ramendra Pratap Singh have completed 270 days between 1-7-72 to 31-3-80. The non petitioner bank has considered their case for reinstatement vide banks' letter no. P/40/BW/15103 dt. 30-11-84 addressed to Shri Prabhu Dayal and letter no. P/40/BW/15095 dt. 31-11-84 addressed to Shri Ramendra Pratap Singh, photostate copy of which are enclosed.

It is, therefore, prayed that the Hon'ble Tribunal may be pleased to pass the Award as in the terms of Settlement.

The award is given accordingly
Dt.

R. B. SRIVASTAVA, Presiding Officer

Let a copy of this award be placed on the record of I.D. No. 11/81 Ramendra Pratap Singh Versus State Bank of Bikaner and Jaipur.

R. B. SRIVASTAVA, Presiding Officer
[No. L-12012/204/79-D. II(A)]

नई दिल्ली, 25 फरवरी, 1985

का.आ. 1063.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, इंडियन बैंक, मद्रास, के प्रबन्धतन्त्र से सम्बन्द्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबन्ध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण नं. 2, बम्बई, के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 14-2-85 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 25th February, 1985

S.O. 1063.—In pursuance of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Bombay as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the Indian Bank, Madras and their workmen which was received by the Central Government on the 14th February, 1985.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 2, BOMBAY

Reference No. CGIT-2/7 of 1984

PARTIES :

Employers in Relation to the Management of Indian Bank, Madras

AND

Their Workman

APPEARANCES :

For the Employers—Shri Narayan Shetty, Advocate.
For the Workman—Shri S. M. Dharap, Advocate.

STATE : Maharashtra INDUSTRY : Banking

Bombay, the 31st January, 1985

AWARD

(Dictated in the Open Court)

An order of discharge passed against a peon serving in the Indian Bank has given rise to the present reference under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act and the

schedule of reference bearing Order No. L-12012/199/83 D.II(A) dated 6-2-1984 reads thus :—

"Whether the action of the management of Indian Bank, Madras in relation to their Ahmednagar Branch in dismissing from service Shri P. R. Deshpande, with effect fom 23-8-82 is disproportionate to the offence committed by him is justified ? If so, to what relief is the workman concerned entiled ?"

Subsequently, the order of reference stood revised as follows :—

"Whether the action of the management of Indian Bank, Madras in relation to Ahmednagar Branch in dismissing from service Shri P. R. Deshpande is justified or not ?"

2. In pudsuance of the application for the post of Sub-staff in Indian Bank, nationalised Bank, preferred sometime in December, 1976 by the workman who has failed in the S.S.C. examination but he stated to his credit extra curricular activities like acting in Marathi Drama and knowledge of English Typing, an appointment order was issued on 15-12-1976 appointing him as a peon in the service of the Bank. It seems he was posted at Ahmedanagar and was helping the Cashier. On 27-1-1978 an incident occured which ultimately led to the order of discharge and the present reference. At the relevant time one Shri D. C. Gokhale was the Cashier who had entrusted certain 100 rupees and 50 rupees bundles of currency notes for the purpose of stitching to the workman concerned, as those notes were to be sent to the State Bank of India. When these bundles were again returned to Shri Gokhale by the Peon and when the notes were counted, one bundle was minus seven currency notes of Rs. 100 denomination. Shri Gokhale reported the matter not to the Manager but to the Accountant who advised him to check the cash which was later on done but there was shortage of Rs. 700 as a result of which the Manager was appraised of the situation who took a search of the employees in the Bank including the Peon but there was no recovery of the missing notes. Because it was found that the Peon had visited his residence sometime during the day. his room was also searched but it was of no avail. Sometime in the evening the Peon is alleged to have shouted that the currency notes were found lying by the side of the Cashier's cabin near the pillar and he produced the same before the Manager. A report of these facts was submitted on 28-1-1978 and then on 31-1-1978 the statement of the Peon was recorded first in Marathi and then in English translated by Shri Gokhale and Shri Kairatkar another emplovee of the Bank wherein it was admitted by the peon that he had removed seven currency notes of Rs. 100 from the bundles given for stitching and praved for mercy and promised not to commit the same mistake again This so-called repetance proved to be of no use and therefore on 26-4-1978 a show cause was issued to the Peon, it was replied on 4-5-1978 and later on he was served with the chargesheet on 17-5-1978, on the strength of which there was an enquiry and the order of discharge, all the findings having gone against the workman but in appeal it was found that no opportunity was given to the workman to show cause why the pronsed punishment of dismisayl should not be imposed, so by order dated 30-7-1979 the enquiry was quashed and a fresh enquiry was ordered which went on from 14-2-1980 to 9-9-1980 and on this second occassion also the findings went against the workman as a result of which notice to show cause was issued and ultimately he was ordered to be discharged.

3. The workmen having challenged the said order in the present industrial dispute the matter has to be probed under Section 11A of the Industrial Disputes Act. In short the contention of the workman by the claim statement is that the principles of natural justices were not followed during the enquiry, the workman having been denied representation through an Advocate or a Union Leader Shri Jog despite attempt having been made at the initial stage. It is then urged that even if all the facts are accepted they do not constitute a misconduct as contemplated by the Bipartite Settlement and therefore there could not have been any order of discharge or dismissal. It is also stated that in the absence of an Advocate or proper representative his defence was hamstrung considerably and therefore if the findings went against the workman they deserve to be quashed. Lastly, relying upon Section 11A of the Industrial Disputes Act it is urged that considering the events leading to the alleged incident, considering the subsequent development like writing obtained from the workman and further having regard to his age etc. the punishment awarded is highly disproportionate and harash and the entire order passed despite the repentance obtained from him needs be quashed. Therefore there is a prayer either to quash the order of punishment or atleast to tune it down considerably.

4. All these contentions were refuted by the written statement of the Bank. The enquiry is stated to be fair and proper and the findings arrived at also just and proper and supported by the evidence on record and lastly it is urged that having regard to the fact that it is the Banking institution where such thefts cannot be tolerated, the order of discharge also is fully warranted.

5. On the above pleadings the following issues arise for determination and my findings thereon are :—

ISSUES	FINDINGS
1. Whether the enquiry held by the Enquiry Officer was fair and proper ?	Yes
2. Whether the findings noted by him were just, proper or perverse?	Just and proper. Not perverse.
3. Whether the punishment awarded was disproportionate and harsh ?	Yes
4. To what relief or reliefs, if any, the workman is entitled ?	As per order.
5. What order ?	As per Order.

REASONS

6. It is contended on behalf of the workman that the charge as it stands is vague in the sense that it does not refer to any misconduct stipulated in para 19.5 of the First Bipartite Settlement which binds both the parties and therefore if the very charge which is the foundation of the enquiry falls, the resultant enquiry also must give way. Before the chargesheet it seems a notice was issued to the workman as seen from Ex. B-annexed to the statement of claim where the incident as is alleged to have occured is narrated namely that one of the bundles which were entrusted to the workman for stitching when examined was found to be minus seven currency notes of Rs. 100 denomination. This was followed by chargesheet Ex. D dated 17-5-1978 which also is nothing but the repetition of the notice. While examining the charges we cannot forget one thing that it was not issued by a judicial authority and therefore the test laid down for judicial action would be of no avail for determining the validity or otherwise of the same. What is expected is whether the charges gives the complete idea to the workman who is to face it about the allegation levelled against him which allegation the management ultimately is expected to establish so that if necessary the workman has an opportunity to meet the same. It is not therefore the form, it is not therefore the letter but the spirit and substance which is to govern the legality and propriety of the charge and when viewed accordingly the contention that while stitching the notes there was a shortage of seven currency notes of Rs. 100 and that it was the workman who was instrumental in removing the same, finds in the charge in no way the same can be said to be vague on the contrary specific details are to be noticed.

7. To strike at the root of the whole thin it was tried to be urged that the facts as indicated do not fall within the four corners of the misconduct as described in para. 19.5 of the First Bipartite Settlement and if the act does not amount to misconduct there cannot be any order of discharge or any order of punishment much less the order of dischare. As the facts stand the allegation is that the workman removed seven currency notes of Rs. 100 denimination from the bundles which was entrusted to him for stitching. It was therefore an allegation of loss of Bank property caused wilfully by the workman and therefore if we peruse para. 19.5 at clause (d) we do come across the misconduct described as wilful demage or attempt to cause damage to the property of the Bank or any of its customers. The property may include movable and immovable and therefore when the allegation is that there was a theft of Rs. 700

committed by the Peon, the allegation was of wilful damage to the property of the Bank and as such the contention that the act even if established cannot constitute a misconduct as contemplated by the First Bipartite Settlement can carry no force.

8. During the enquiry when it commenced the record shows that a request was made by the workman to appoint Shri D. V. Yardi, as his Advocate, otherwise atleast allow him to be represented by Shri R. D. Jog, Leader of the Union of Bank of Maharashtra. Both these request were turned down by the Mangement and this has given rise to the plea that having regard to the gravity of the charge if the defence was required to be conducted by the workman himself without any aid there is violation of the principles of natural justice. If at all the discretion which vested with the management, it is urged, was to be exercised it should have been exercised in favour of the workman and defence aid if not by an Advocate at least of Shri Jog should have been provided for. In this connection the Bipartite Settlement clause 19.12 reads that an employee shall be permitted to be defended by a representative of a registered trade union of bank employees of which he is a member, where the employee is not a member of any trade union of bank employees, by a representative of the registered trade union of the Bank in which he is employed or with the Bank's permission by a lawyer or at the request of the Union by a representative of the state federation or all India Organisation to which such union is affiliated. Neither there is request by union nor Shri R. D. Jog falls in any of the category and therefore this leaves us with the question of appointment of an Advocate. The Bipartite Settlement which is binding, as already stated, on both the parties contemplates appointment of a Lawyer but that must be with the Bank's permission. What is contended is that if at all there is a discretion they should have used in favour of the workman for appointment of an Advocate but in my view when the parties have entered into a settlement and when the Bank's permission is a condition precedent, mere refusal of such permission cannot invalidate the action of the Bank. Certainly in recent case namely in the case between the Board of Trustees of Port of Bombay Vs. Dilipkumar R. Nadkarni reported in 1983 (I) LLJ, page 1 their Lordship of the Supreme Court, held when it was found that the employers' representative was duly qualified, it was incumbent on the management to permit the workman also to be defended by an Advocate. One fact however, is to be borne in mind that the rules of the Port Trust were silent and did not inhibit the defence by a legal practitioner though there was some modification subsequently. If there was no bar and when there was no question of user of discretion certainly the circumstance may compel the user in a particular manner allowing the legal aid of an Advocate to the delinquent workman. In the instant proceeding, as already pointed out, the parties by their Bipartite Settlement have conferred powers on the management either to permit or not the appointment of a Lawyer. Therefore merely because the discretion was used against the employee, no malafides can be attributed to the Bank nor by such refusal there would be violation of the principles of natural justice.

9. But even then the question still remains whether the absence of an Advocate caused any preindice to the workman hamstrung the defence and ultimately led to the vitiation of the enquiry. It is ultimately proof of prejudice which may tilt one way or other the balance in the matter and unless the absence of Advocate caused prejudice to the workman, we cannot draw any inference against the enquiry. with this view when we peruse the enquiry papers, we find no doubt the cross-examination to be very creptic, still the facts were such that even the detailed cross-examination would not have altered the overall view of the matter. The fact that the bundles were entrusted to the Peon was admitted, the fact that one of the bundle was found short of Rs. 700 was also not denied, the fact that the notes ultimately were detected by the Peon and produced also was not denied and then there was his written admission. About the written admission the plea of the workman is that initially he had given it in Marathi but was translated by the employees of the Bank and he was made to sign. In this connection it is pertinent to note that there is total absence of evidence suggesting that the other employees of the Bank were against the workman concerned in the past or that their relations were strained or the Manager or his subordinates were trying to drive away the workman. If therefore inclusive of workman all of them formed one group and if therefore there was no reason to act prejudically against the workman, there is absolutely no reason to hold that anybody would have concocted some story and obtained a writing from the workman either through coercion or through mis-representation, I am convinced that it must be a voluntary statement signed by the workman after reading it and English language is not foreign to him as seen from his application for appointment and therefore plea against Sarvashri Gokhale and Kairatkar or somebody else must fail.

10. I am therefore convinced that the facts as stated are duly established and at one stage there must have been removal of the notes by the workman from the bundles handed over to him for stitching. This establishes the charge against him and needs no further discussions.

11. This therefore immediately brings us to the question of punishment. In this regard the writing also assumes some importance. The facts as narrated by the witnesses are that even though the shortage was noticed and even though immediately search of employees and the room of the workman was taken the currency notes eluded detection. Till the time the notes were recovered, even though there may be suspicion if that may or may not be true still it was a suspicion not proved. At this stage the workman shouted the detection of the notes near the pillar. Now having found that searches were fultile, the search of delinquent's room also was of no use, if the workman would have kept silent and did not produce the notes, detection or seeing that they were lying at a particular place would have led still to a suspicion but without proof. Production therefore, assuming the act of initial removal, speaks of the change of mind and also may speak the immediate repentance, otherwise it was such a stage that the Manager's action had failed to detect the notes and the silence on the part of the workman would have been a factor even if not exonerating him completely, sort of favourable factor. In this connection it is tried to be stated by the Manager during the enquiry that on 27th January, 1978 itself the workman admitted to have caused he loss and the removal of the notes but this statement does not appear to be true. Had the admission been on 27-1-1978, confessing the guilt, on 28-1-1978 when the Manager sent a letter addressed to the workman Ex. A annexed to the claim statement he would not have merely stated that the Cashier and other staff memebers suspected his hand in the case. The admission of removal would have fixed the guilt and no question of suspicion would have remained. The fact that even on 28-1-1978 i.e. the next day of the incident, the Manager spoke of merely of suspicion indicates that this statement about the admission of the removal of the notes on 27-1-1978 was not true.

12. The writing was given by the workman wherein he confessed his guilt, expressed regrets and gave guarantee that in future he would be careful. Here again had this writing been not before the enquiry Officer or before me, nobody having noticed actual removal of the notes, the case still would have been of suspicion, may be strong, but it is the writing which has clinched the whole issue. There was an attempt by the workman to blame Shri Gokhale or somebody else for this writing but there is no force in the same. Something was given in Marathi and what these employees must have done was to translate it into English and obtain signature of the workman. I am therefore convinced that this was a voluntary writing given by the workman, admitting the guilt.

13. When the Bank is placing reliance on this writing they cannot just rely on the admission part and ignore the latter part whereby the workman has expressed apology and guaranteed good conduct in future. On reading all the papers of enquiry, I am convinced that somebody from the Bank must have been instrumental in pursuading the workman to give the writing to avoid serious consequences. Otherwise there was no reason for the workman to admit the guilt knowing that when such admission is there the chances of his defence succeeding may be bleak. Therefore when this writing is to be read for the purpose of clinching the issue, the entire contents must be read and connected with the ultimate issue regarding the adequacy or alleged disproportionateness of the punishment.

14. In a proceeding under Section 11A of the Industrial Disputes Act the management cannot plead that absolute right is vested with them to award punishment but it is subjects to judicial scrutiny and therefore it it is found that the punishment is disproportionate, then it may be lowered down. In this connection it is true that the employee is found to be removing notes from the bundles entrusted to him, yet it is an admitted case that within a short time the money was restored to the Bank and no loss was suffered by anybody in the matter. Even then the act has to be taken serious note of but this does not mean that the employee must be sent home for the said purpose. Here is a young man who had joined the service some two years back, belonging to the poor strata of society, record shows that his father was a Municipal Driver while the mother is a nurse. If therefore such a person due to temptation or otherwise acted in a foolish manner, some credit will have to be given to the immediate restoration of the currency notes and the writing dated 31-1-1978 expressing regret and guaranteeing good conduct. What punishment should be awarded would depend upon the facts of each case. My attention was drawn to the Bombay High Court judgement where mere refusal by a Stenographer to obey the order of the superior led to the order of dismissal and the High Court put the seal upon it. In the case Ved Prakash Gupta Vs. M/s. Delton Cable India (P) Ltd. reported in (1984) 2 SSC page 560 their Lordships of the Supreme Court held that the use of abusive language against co-worker should not result in dismissal. In another case between Bhagat Ram Vs. State of Himachal Pradesh reported in (1983) 2 SSC page 44B their Lordship of the Supereme Court held that when no loss was caused the order of dismissal deserves to be set aside. In the case between Gujarat State Road Transport Corporation, Ahmedabad Vs. Jamnadas Becharbhai reported in 1983 LAB.I.C. page 1349 their Lordships of Gujarat High Court when the Bus Conductor was found pocketing the entire collection without issuing ticket observed that the Labour Court can depending upon facts and circumstances of the case and the offence, direct that he should be absorbed in the workshop section or some other similar post which does not involve daily handling of money. I have quoted these instances which justifies my conclusion that what would be a proper punishment would depend upon the facts of each case and there would be no yard-stick or universal rule for the same. In this connection without repeating the facts as stated above, upon the writing was obtained for the purpose of proof of theft, the latter part of such writing would have to be given due weight and therefore if the workman guaranteed good conduct, there is no reason for not giving that importance. Even criminal jurisprudence recognises the probation of offenders and does not like a culprit committing a single misconduct becoming a hardened criminal Considering all these facts, considering no loss was caused, and having regard to the young age of the workman I am convinced that it is not the order of dismissal but something lesser would be a proper order.

15. There are various cases wherein with continuity of service reinstatement in such circumstances were ordered but back wages withheld. Similarly in Jaswant Singh Vs. PEPSU Roadways Transport Corporation (1984) I SSC, page 25 their Lordships of the Supreme Court when the misconduct was found to be grave namely the Driver was found driving the passenger Bus under the influence of liquor, the just punishment award was withholding of three increments for the next three years in the time scale. Applying this ratio I order that the order of discharge shall be set aside. the workman shall be reinstated in service but there shall be no back wages and the period from the date of discharge till the date of reinstatement shall be treated as extra ordinary leave without wages but with continuity of service and on the date of joining the workman shall draw the same salary which he was drawing on the date of discharge without any increment for the intervening period but if the wages stand revised and therefore there is any addition that benefits shall be given to the workman. At the same time it is further directed that the workman shall be given such post where he shall not come in contact with Bank's money. This inhibition shall remain for five years and during this period if the superior finds his conduct good the Bank in its discretion may remove the restraint. This order, however, shall not come in the way of the workman from his applying for higher post and aspiring to become a clerk. Reinstatement shall be effected within 15 days from the date of publication of the Award.

No order as to costs.

M. A. DESHPANDE, *Presiding Officer*

[No.L-12012/199/83-D.II(A)]

का.आ. 1064.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार, स्टेट बैंक ऑफ हैदराबाद के प्रबन्धतन्त्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबन्ध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण, हैदराबाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 12-2-85 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 1064.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Industrial Tribunal, Hyderabad as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the State Bank of Hyderabad and their workmen, which was received by the Central Government on the 12th February, 1985.

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL (CENTRAL) AT HYDERABAD

PRESENT :

Sri J. Venugopala Rao, Industrial Tribunal.

Industrial Dispute No. 1 of 1983

BETWEEN

Workmen of State Bank of Hyderabad, Hyderabad.

AND

The Management of State Bank of Hyderabad, Hyderabad.

APPEARANCES :

Sarvashri M. V. Bharathi and Revindra Bharathi, Advocates—for the Workmen.

Sarvashri V. Rajagopala Reddy, R. Omsurya Prakash and A. Narayana Reddy, Advocates—for the Management.

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour by its Order No. L-12012/161/79-D. II (A) dated 15-1-1981 referred the following dispute under Section 7A and 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the employers in relation to the State Bank of Hyderabad and their workmen to this Tribunal for adjudication :

"Whether the action of the management of State Bank of Hyderabad, Hyderabad in relation to their Kanakagiri Branch, District Raichur in terminating the service of Shri P. R. Pyati, Head Cashier by way of premature retirement with effect from 1-10-77 is justified ? If not, to what relief is the workmen concerned entitled ?"

This reference was registered as Industrial Dispute No. 1 of 1983 and notices were issued to both the parties.

2. Claims statement was filed by the workmen-petitioner. The Petitioner states that his date of first appointment is 1-10-1946 in the erstwhile Hyderabad State Bank as Assistant Cashier and from 1960 he continued to work as Head Cashier at various branches of State Bank of Hyderabad. It is his case that he performed his duty as Head Cashier without any complaint. It is his case that his efficiency was recognised when he was Head Cashier of the Sindhnur

Branch. According to him the Regional Manager, Region-8, State Bank of Hydarabad issued a notice dated 23-7-1977, informing him that he was due to retirement from Banks services from 1-10-1977 under Clause 18.1 Chapter XVIII of the Bipartite Settlement as efficiency has been impaired and the said notice is illegal and unwarranted. According to him inspite of the Medical Fitness Certificate issued by the Civil Surgeon, Raichur, the Management kept quite for three months and then ultimately issued notice under Clause 18.1 (Chapter XVIII) of Bi-partite Settlement and forced him to retire. According to him, the Petitioner finally after exploring all the possible avenues opened to him initiated conciliation meeting before the Labour Officer and the Conciliation Officer sent failure report to the Government of Karnataka State and finally the matter was referred to the Central Government. The Petitioner initiated the proceedings under Section 2-A of the I. D. Act before the Assistant Labour Commissioner (Central), Bellary and he in his turn reported to the Government of India, Ministry of Labour about the failure of conciliation proceedings. According to him when he filed Writ Petition No. 7538/81 in despair for no action taken by any authority. It is brought to his notice that the matter is already referred to the Tribunal. According to him the para 18.1 of the bi-partite settlement there should be a finding by the employer about the impaired efficiency by the time he reached the age of 57 years and then only two months notice is to be given. The Petitioner contends that he cannot be retired till he reached the age of 60 years i.e., upto 1-10-1980 according to Clause 18. of the bi-partite settlement and that he is entitled for salary from 1-10-1977 to 10-10-1980. It is also contended that he cannot be prematuredly retired from the Banks service before he completed 60 years of age.

3. On the other hand the Management filed counter stating that it was a fact that the Petitioner was working from 1960 as Head Cashier at various places such as Gangavathi, Sindhnoor, Kanakagiri branches. But it is denied that he managed the Sindhnoor branch office from 1963 to 1976 without any complaint as stated in para 3 of the claims statement. Even if for the purpose of argument even if it is he was efficient in 1966 he did not mean that he continued to have the same efficiency at the time of his retirement from Banks service, as his efficiency was found impaired, he was retired from Banks service under para 18.1 of the bi-partite settlement. A direction that the should have medical check-up and such employees are directed to get medically examined to find out their physical fitness is not by itself sufficient to determine the efficiency and Bank had taken over appraisal of all the circumstances and retired him under the provisions of Para 18.1 of the bi-partite settlement. All other allegations are denied. The Writ Petition No. 7538/81 filed by the Petitioner on the file of the High Court was dismissed as the matter was referred to the Industrial Tribunal. The Bank has every right to exercise its power under the terms of Para 18.1 of the bi-partite settlement and there is no irregularity or invalidity involved thereunder. No malafides can be attributed. All the allegations made therein are irrelevant and not true. The Petitioner is also paid arrears of pension on 14-7-1983 and he was advised to collect the monthly pension. If there is any delay in payment to the proceedings initiated by him. The Respondent Bank as employer entitled to review the efficiency of the employee at the age of 57 years for the purpose of finding out whether such employee's service can be extended upto the age of 60 years. The Bi-partite Settlement or any service rules are applied to the petitioner service do not contemplate the issue of such notices. It is sufficient for the Respondent-Bank if it issued two months' notice under para 18.1 of the Bi-partite settlement. He is retired from service after issuing two months notice as per the letter dated 23-7-1977. So long the Bank exercises its rights bonafide basing upon the consideration of the facts and circumstances it is not open for being questioned on the ground that no adequate reasons were there.

4 The relevant question to decide is whether the action of the Respondent-Management in terminating the services of P. R. Pvati. Head Cashier by way of premature retire with effect from 1-10-1977 is justified.

5. On behalf of the Petitioner WW-1 was examined and Exs. W-1 to W-15 were marked and on behalf of the Management MW-1 to MW-3 were examined and Exs. M-1 to M-23 were marked.

6. The evidence of WW-1 Sri P R. Pvati would show that he was promoted as Head Cashier in 1960 and in 1977 he came to work in Kanakagiri Branch, Raichur District. According to him when he worked in Sindhnoor Branch there was a Government account also with currency chest of Reseve Bank and that the chest, maintained Rs. 5 crores involving in daily transactions of three to five lakhs of rupees. It is his case that he dealt with the said Branch independently without the assistance of the Assistant Cashier, and that he never received any remark that his efficiency was impaired. It is his case that he received notice dated 18-4-1977 under Ex. W-1 originally to have medical check up and he appeared for the medical check up and that certificate issued was Ex. W-2 and that the Doctor did not find any infirmity. According to him Ex. W-3 is the notice issued to him by the Regional Manager stating that he would be retired from 1-10-1977 and its dated 23-7-1977 and he asserted that there is no complaint about his health. According to him he sent three applications to retain him in service for three more years, and marked Exs. W-4 to W-6 copies of such applications. It is his case that he was received from service by letter dated 13-7-1977 by the Branch Manager and Ex. W-7 is the said letter and Exs. W-8 and W-9 are replies sent by the Management for his applications, and he filed Exs. W-10 and W-11 are the letters received from the Management regarding pension and Exs. W-12 is the copy of the Pension Rules. He mentioned that the Writ Petition in Karnataka High Court was dismissed on the point of jurisdiction and then approached the Assistant Commissioner of Labour, Central, Bellary and he sent a failure report as per Ex. W-13 and thereafter the matter was referred to this Tribunal. It is his case that without knowing about the reference he filed Writ in the High Court of Andhra Pradesh and thus having known that his Dispute was referred as Industrial Dispute No. 1 of 1983 he approached the Tribunal for necessary relief. It is his case that he is 64 years of age on the date of deposition on 28-11-1983 and he was having eight children ranging from 18 years to 25 years and that he was living in a hut in the out-skirt of Sindhnoor. He admitted that there was a complaint made against him on 2-11-1964 by M/s. Misri Lal Suraj Mal Jain Commission Agent and Geneal Merchant when he was working at Sindhnoor. He admitted that Gururaj who was the Manager reported against him to the Head Office on 9-4-1974. He also admitted that Sri B G. Kathi, Branch Manager in 1975 issued a Memo on him on 24-10-1975 calling for his explanation regarding certain allegations. He also mentioned that he was under suspension during the year 1960 and 1961 at some other stations and there was stoppage of increments for three years by way of punishment to him and it is denied by him that he was fighting and quarrelling with the Bank officials and customers throughout his service.

7. On the other hand MW-1 Sri H. G. Sanabal who was working as Accountant in the State Bank of Hyderabad in Raichur District and identified the Petitioner and he mentioned that he worked as Branch Manager at Kanakagiri Branch when he was Head Cashier, and that the Petitioner retired when he was the Branch Manager. According to him normally after completion of 60 years the Bank Employee would retire. According to him under Clause 18.1 of the Bi-partite an employee can be retired when he reaches 57 years and that the Petitioner worked under him for 11 months and during that period he found him be of quarrelsome nature and whenever any work is conrusted to him he was picking up quarrels with him or with the staff and clients to get rid of that work. It is also deposed by him that whenever the work is allotted to him he used to start arguing with him using mallesh words against the Management and Branch Manager. It is his case that the Petitioner was not respectful towards the Manager. According to him whenever he asked to accept gold ornaments for giving loan he used to say that the Officers and Manager are "bachas". He filed Exs. M-1 as the Annual Report for the year 1976-77 against the employees and their remark mentioned against him reflected his correct estimation about him. According to him the efficiency was not proper and it was impaired. He also asserted that whenever party approached for loan against gold ornaments he was unable to assess the purity of the gold ornaments and he was not able to give their weight correctly. According to him on two or three occasions he accepted the rolled gold bangles. He further mentioned that whenever he received currency notes to be credited in the Bank he was accepting the cut notes and the Chest Branches detected this and he was also slow in his out turn of work. He also mentioned that there was Assistant Cashier and Clerk working in his

Branch and the turn over was between Rs. 6,000 to Rs. 12,000 per day. He admitted that the adverse remarks Ex. M-1 was not committed by the employee and they should normally communicated through him.

8. MW-2 is one Sri N Aruna Raja Rao. He identified the Petitioner and mentioned that when he worked as Branch Manager at Sindhnoor in 1971-74, the Petitioner worked as Head Cashier for three years under him. According to him the working and behaviour of the Petitioner with the customer and staff was not satisfactory, and he was not accepting remittances if the amounts are heavy and there was argumentive type and most of the customers complained against his behaviour. He mentioned that he sent a detailed report to the Staff Department of the incident when he quarreled with Accountant with regard to the examination of cash remittances under Ex. M-2 original. It is his case that his efficiency was impaired. He asserted that these were Assistant Cashiers working under him and Kanakagiri Branch is smaller than Sindhnoor Branch. He mentioned that Kanakagiri Branch had five staff members while Sindhnoor Branch had 15 members. In the cross-examination he mentioned that he had no personal enmity between him and the petitioner. According to him the Petitioner did not attend to the inspections and submission of periodical reports on the customers when he has directed him to do so.

9. MW-3 is Sri H. V. Harnoor who was Regional Manager, Region 8 who controls the staff working in the regions of Gulbarga, Raichur and other branches of Kanakagiri. According to him he knew the petitioner as Regional Manager and he put up a note to the Managing Director based on his personal file. He marked Ex. M-3 as a note by him and the same was approved by the Management. The confidential report was also considered by him. He marked Ex. M-4 to M-23, and on a consideration of the documents he came to the conclusion that the retirement is in the best interest of the institution. He admitted that he was not aware whether the remarks or the report and documents Ex. M-1 to M-23 were communicated to him or not. According to him there is a Board or Executive Committee for the Administaring Pension Fund. He admitted the retirement case of this petitioner was not put up before the Board as required by Rule 12 of Ex. W-12. According to him the medical report regarding his physical fitness was received from the Civil Surgeon, and he did not call for any report for the purpose of claim after seeing Ex. W-3 notice after retirement and that he did not refer to the Administrative Department as it was not necessary. He could not deny that the Petitioner's pension was delayed for about six years as suggested.

10. Now the main point to be seen is whether under Clause 18.1 of the Bi-partite Settlement where an industrial dispute between the Bank Companies and their workmen with reference to the age of retirement is properly applied on the ground that the Petitioner's efficiency was impaired by the employer when the employee reached the age of 57 years or not ? This is the crucial point and it is only the point to be decided. It is admitted by MWs-1 to 3 that none of the documents which are filed by them and especially Exs. M-4 to M-24 were brought to the notice of the Petitioner. They were never served upon him, no copies of those documents were supplied to him till his retirement was effected. Ex. W-7 on the basis of the notice under Ex. W-3. Even the Civil Surgeon certificate under Ex. W-2 as per the notice under Ex W-1 indicated that his physical fitness was otherwise normal and there is no physical impairment for his being continued in service. The Management's case is that the person is quarrelsome and not able to handle the customers properly and that MW-1 and MW-2 sent up reports as shown under Exs. M-1 to M-3. But it is admittedly by MW-1 and MW-2 that these report copies were not given to the employee. Normally as admitted by MW-1 an employee is entitled to continue in service till the competition of 50 years of his age . The Hyderabad State Bank before its reconstitution was known as State Bank of Hyderabad. Even under the Award popularly known as Justice Kantilal T. Desai Award published on 30-6-1962 under Bi-partite Settlement between the certain Banking Companies and their workmen. there was no reduction of age as a matter of course proposed. Under Rule 12 of the State Bank of Hyderabad Pension Rules as marked under Ex. W-12 no employee shall be retired without the sanction of the Board or its Executive Committee. In the instant case, MW-3 admitted that he was not aware of the said termination was approved by the Board or its Executive Committee of the State Bank of Hyderabad. In other words whether the Managing Director by approving the note under Ex. M-3 has applied his mind to the relevant Rule position before holding that his efficiency was impaired on the basis of the confidential report of the Branch Manager is not indicated. First of all the entire procedure adopted is secretive effecting the service conditions of the Petitioner concerned and except Ex. W-1 wherein he was asked to appear for the Medical Check up which the petitioner complied under Ex. W-2, there was no indication or opportunity for the Petitioner that his efficiency with reference to mental and physical capacity were being decided on the basis of confidential reports of his superiors till he received the notice Ex. W-3 dated 23-7-1977. It is no doubt true that he admitted the complaint was made against him on 2-11-1964 by M/s. Misrilal Suraj Mal Jain but the report sent by him to Gururaj Rao who was then Manager were not given to him even the said Gururaj Rao who is examined as MW-2 did not admit that he served the said copy to him. Regional Manager also admitted that he did not serve them. It might be a fact that he was under suspension from 1960-61 in some other Station and that there was stoppage of increment by way of punishment. If any disciplinary action is being taken on them then the procedure is quite different. Clause 18.1 of the Bipartite settlement had no application to such cases of disciplinary action. Now the Manogement relies solely on Clause 18.1 of the Bi-partite settlement for retiring the petitioner on the ground of impairment of efficiency. The Management tried to assert that on an over all appraisol of all the circumstances including efficiency of the Petitioner he was retired as per Clause 18.1 of the Bi-partite settlement. Absolutely no record is placed before this Tribunal to say that there was any iota of material to show that his efficiency was found to be impaired. Exs. M-4 to M-23 cannot be looked into as they were brought before the Tribunal surprisingly beyond the back of the Petitioner without giving him an opportunity. Even Exs. M-1 and M-2 and M-3 which are said to be reports of the staff sent by MW-1, MW-2 and MW-3, were no copies atleast given as copies along with the notice of retirement under Ex. W-3. A perusal of Exs. M-1 to M-3 merely mentions that he is quarrelsome nature with public and staff members and there is nothing about the impairment of his efficiency i.e. either mentally or physically to show that his efficiency as contemplated under Clause 18.1 of the Bi-partite settlement can be touched for taking necessary action. In fact Ex. M-1 indicated that his behaviour in the office is not satisfactory but his handwriting and attendance was regular and the knowledge of English is good and that he is capable of drafting in English. It is mentioned that he is not useful for deposit mobilisation and he is not taking any interest also. The duties of Cashier who sits at the Cash counter cannot be tagged with the mobilisation of deposits, and moreover Ex. M-1 is not served by him. Coming to Ex. M-2 it is mentioned that the Head-Cashier was not behaving properly with the costaff and that he was causing embrassment to maintain dignity and prestige of the Bank. In the said Ex. M-2 he wanted that somebody who is senior to him be posted for extracting better work from Head Cashier or he wanted somebody junior to him to be posted as Head Cashier so that he could expect better cooperation. Thus there is no whisper about the impairement of efficiency in so many words or that showing on instance where the memory or capacity to deal with the problems was dealt with in a haphazard manner or that he was committing mistakes and blunders which could not be rectified causing financial loss to the Institution while discharging his duties. There is nothing like that anywhere mentioned. Even Ex. M-3 which is a note put up by MW-3 for applying the Clause 18.1 Chapter XVIII of Bi-partite Settlement which is said to be accepted by the General Manager, it is said that the Petitioner's behaviour in the office had been consistently bad with marked deficiencies to the Branch Manager and thus it was a fit case for retirement. The Managing Director while agreeing with the said note mentioned that the retirement of all employees of the Bank is subject to the sanction of the Board or its Executive Committee and there is no indication under Ex. M-3 after noting the said Rule position that such sanction of Board or its Executive Committee was obtained. So the counsel for the Management contended that Exs. M-1 to M-3 as well as the admission of previous bad conduct of the Petitioner about the suspension and

punishment of stoppage of increments were all taken "as over all circumstances" for deciding the efficiency of the Petitioner and he was rightly retired applying Clause 18.1 of the Bi-partite settlement. I am not able to agree with the said contention of the Management. The competent and appropriate authority did not exercise its power when it issued notice under Ex. W-3 so as to indicate that the overall appraisal of all the circumstances which are alleged to be taken as now asserted were brought in the said statutory notice Ex. W-3. In fact even Clause 18.1 of the Bipartite settlement mentioned a workman cannot be compelled to retire before he attains 60 years of age unless a notice of two months is given in writing showing his efficiency found by the employer to have been inpaired. So the notice should contain the material that "his efficiency is found by the employer to have been impaired" by concrete instances or material. By merely saying notice of retirement stating that they are applying Clause 18.1 of the Bi-partite settlement without supplying the required material that "his efficiency is found by the employer to have been impaired" with necessary data, the said notice given under Clause 18.1 cannot be held to be proper and that the same is also legally not valid and that the same is held illegal. The mere reports Exs. M-1 and M-2 which were taken to be granted by the Regional Manager without proper verification and the Managing Director and the General Manager acting upon it without applying their mind with reference to Rule 12 and further not mentioning these facts how and so as to show that there is case for having that the Management was satisfied that his efficiency was impaired by such and such tangible material which is found to be valid, it cannot be said that Clause 18.1 of the Bi-partite Settlement is properly applied to the case of petitioner employee. Infact the Petitioner was writing to the Management under his letters Exs. W-4, W-5 and W-6 seeking for opportunity and he was being ignored and Exs. W-7, W-8 and W-9 are the replies said to be given so as to indicate that his efficiency was impaired without mentioning the reasons is due to such and such instance to the allegation of two Officers that he was quarrelsome with public and staff cannot be taken as a case for terminating the services of the petitioner by way of retirement applying Clause 18.1 of the Bi-partite Settlement. It is used as a weapon against the official who was discharging his duties as Head Cashier. Evidently MW-1 deposed that he was called 'bacha' and he was motivated in sending such reports being hurt. MW-2 who was junior to him in service on promotion as Branch Manager must have worried that he was not able to extract proper work from the petitioner who was senior to him as indicated in his own letter. Therefore there is a clear indication that Exs. M-1 and M-2 are motivated and the Regional Manager atleast should have verified these reports in a proper dispassionate manner and the higher authorities also should have seen in the matter in the proper prospective before applying Clause 18.1 of the Bi-partite settlement as a democle sword on service an employee stating that his efficiency was impaired without giving any instances to indicate that the same was found to be impaired by instances or giving him an opportunity to know the said instances wherever his efficiency and inefficiency were found as the case may be. If quarrelsome nature reports of two officers is going to be taken into consideration for applying 18.1 of the bi-partite settlement for retiring an employee I think that it is easy to take this as a clue to remove any one and every one on the pretext of one or two reports of quarrelsome nature by the Branch Manager. The actual litigent public with whom the said person quarreled was not quoted and not examined. It is not shown how the efficiency of the mobilisation of the Bank deposits was reduced on account of quarrelsome nature of the cashier with the staff, and the socalled public with him he quarreled were not mentioned in their reports and no opportunities were given to the petitioner to rebut the same. Thus the principles of natural justice are fully involved and Clause 18.1 is not applicable to this case as it seems to be a disciplinary action taken by the Respondent Bank and Clause 18.1 of the bipartite settlement even if applied for the purpose of argument as contended by the management I have no hesitation to hold that the same is motivated and that the allegation are flimay and did not satisfy the requirement of Clause 18.1 of the Bipartite settlement. Since the said notice in writing did not indicate that the Management namely the employer found the petitioner's efficiency was impaired indicating the material instances or data. Thus it is clearly indicated that the Management was sent upon retiring the petitioner by way of punishment on the ground of old age having failed after medical check up report and they tried to fell back upon Clause 18.1 of the Bi-partite settlement and issued a notice indicating that he would be retire after two months. It is also found that the gratuity and Pension was delayed for more than four years and the person who was having eight children and who had service of more than 30 years, was put to great hardship. I have no hesitation to hold that the principles of natural justice are violated in this case and there is no impairment of efficiency and the Management could not resort to the earlier portion of Clause 18.1 of the Bi-partite settlement. Moreover any past records, suspension and stoppage of increment cannot be relied upon for the purpose of retirement after a gap of 10 to 12 years to take shelter under Clause 18.1 of the Bi-partite Settlement. The learned counsel for the Management relied upon the decision reported in Kishan Chand Mathur v. State of Rajasthan (1977 (I) Service Law Reports, page 609) and contended that compulsory retirement of a public servant on the basis of the opinion of the State Government that the efficiency of the petitioner was impaired and the petitioner seems to be efficient if it is based upon the entire service record the Court should not interfare with the decision of the Government. But the fact therein would show that inspect of the adverse entries made against the Petitioner, copies of those entries were made available to him and all those annual confidential rolls containing the adverse entries were served upon him and the petitioner therein was given opportunity to represent to show that the same are not proper. In the instance case everything is done behind the back of the Petitioner, and Exs. M-1 and M-3 are not served upon him suchless Exs. M-4 to M-23. The adverse entries in question referred to under Ex. M-1 and M-2 cannot be said to be final after the rejection of the representation of the Petitioner and thus the application of Clause 18.1 of the Settlement would not come into play. So the decision has no application. Sri M. V. barathi for the Petitioner relied upon the decision reported in State of Mysore v. Manche Gowda (AIR 1964 S.C. page 560) contended that the failure to give Government servant or employee a reasonable opportunity to note that particular adverse fact was there in consideration so as to meet the same should be given if the grounds are not given in the notice. It is held that it was impossible for the Government servant or employee to predicate what is operating upon the mind of the authority concerned in proposing a particular punishment. Infact it is clearly laid down in the said judgement that the Government servant is entitled to those facts which will be taken into consideration by the Government in inflicting punishment on him. It was pointed out if the fact was brought to the notice of the employee he had explained that he had no knowledge of the superior officer and he had adequate explanation to offer for the alleged remarks or that his conduct subsequent to the remarks had been exemplary whether his explanation would be acceptable or not. The question to be seen was whether the employee is given reasonable opportunity to give explanation. The Court cannot accept the doctrine of "presumptive knowledge" or that of "purposeless enquiry" as their acceptance will be subversive of the principles of reasonable opportunity. I respectively follow the said judgement and I fail to understand that the Management did not bestow their attention to these principles of giving reasonable opporunity by serving these adverse notes Ex. M-1 and M-2 on which Ex. M-3 was prepared to the Petitioner for being explained. In State of Orissa v. DR (Miss) Binarani Dei (AIR 1967 S.C. page 1269) it was laid down that the order of compulsory retirement based on certain disputed of date of birth on the basis of the report of the Enquiry Officer who conducted the enquiry. The correct date of birth would voilate the principles of natural justice though it is an administrative order as the same involves Civil consequences. This would also show that in the instant case that no opportunity was given much less reasonable opportunity is given to him to explain and his letters Exs. W-4 to W-7 were simply negatived without serving Exs. M-1 to M-3 copies so as to make him understand that he was being punished by way of retirement on the ground of impaired efficiency to bring him under Clause 18.1 of the Bi-partite Settlement. In State of Punjab v. K. R. Krry (1973 LIC page 440) Sri Bharathi for the Petitioner contended that the order of

retirement applying Clause 18.1 of the Settlement had to be set aside because Mr. Pyati was not afforded any opportunity to defend himself though the statute itself did not require any such opportunity being given relying upon the principles of natural justice laid down in the said case in Para 19 basing upon the case of Ridge v. Baldwin (1964 A. C. 40) which is discussed in the said para of the judgement.

11. Moreover having regard to the relevant circumstances of the case I am of the strong opinion that the order of retirement applying Clause 18.1 of the Bi-partite settlement by the Management amounted to misuse of the provisions without any material indicating that the employees efficiency is impaired after reaching the age of 57 years as mentioned in Chapter XVIII of the Settlement. It is not a case of the Management that they have taken disciplinary action as contemplated under Chapter XIX of the Bi-partite settlement for any gross misconduct, wilful insubordination or slowing down in performance of work or indecent behaviour on the promises of the Bank or dis-obedience of any lawful and reasonable order of the Management or on his superiors as mentioned therein.

12. Thus the action of the Management of the State Bank of Hyderabad, Hyderabad in relation to their Kanakagiri Branch, District Raichur in terminating the services of Sri P R. Pyati, Head Cashier by way of premature retirement with effect from 1-10-1977 is not justified and the Management is directed to calculate his pension since he had already attained the age of 60 years (as the petitioner deposed that he is aged 64 years at the date of deposition) with three years back wages of full salary as well as the pensionary benefits including the monetary beliefs appropriate to him by restructuring his pension fixing the age of retirement at 60 years should be calculated and the existing pension, if any, should be revised as per the usual established rules and practice of the Bank and paid to him.

Award is passed accordingly allowing the employees case and rejecting the managements orders.

Dictated to the Stenographer, transcribed by him, corrected by me and given under my hand and the seal of this Tribunal, this the 19th day of January, 1985.

INDUSTRIAL TRIBUNAL

Appendix of Evidence

Witnessees Examined for the Workmen :
WW-1—P. R. Pyati
Witnesses Examined for the Management :
MW-1—H. G. Sonabal
MW-2—N. Guru Raja Rao
MW-3—H. V. Harbour

Documents marked for the Workmen :

Ex. W-1—True copy of the letter No. KKC/F-3/113, dated 18-4-77 addressed by Branch Manager, State Bank of Hyderabad Kanakagiri, to P. R. Pyati, Head Cashier, State Bank of Hyderabad regarding Medical checkup by Civil Surgeon and produced the Medical Report.

Ex. W-2—Medical Certificate dated 13-6-77 issued by Eye Department, Government of Karnataka ophthalmic Hospital to P. R. Pyati.

Ex. W-3—True copy of the Telegram dated 23-7-77 issued by Regional Manager, State Bank of Hyderabad Kanakagiri to P. R. Pyati regarding his retirement from 1-10-77 under Clause 18.1 (Chapter XVIII) of Bi-partite Settlement.

Ex. W-4—True copy of the Representation dated 17-8-1977 made by P. R. Pyati to the Regional Manager, Region VIII Head Office, Hyderabad requesting to retain him in service, till the completion of 60 years.

Ex. W-5—True copy of the representation dated 19-9-77 made by P. R. Pyati, Head Cashier, State Bank of Hyderabad, Kanakagiri Branch to the Managing Director, State Bank of Hyderabad Gunfoundry. Hyderabad requesting to retain him in service till the completion of 60 years.

Ex. W-6—True copy of the notice dated 31-10-77 issued by P. R. Pyati, to the Managing Director, State Bank of Hyderabad, Hyderabad and the Regional Manager, Region VIII, State Bank of Hyderabad, Hyderabad regarding illegal retirement at the age of 57 years.

Ex. W-7—Letter No. KKG/585 dated 30-9-77 addressed by Branch Manager, Kanakagiri to P. R. Pyati, Head Cashier, State Bank of Hyderabad, Kanakagiri Branch, intimating that the relieved from the Banks' services with effect from 30-9-77.

Ex. W-8—Letter No. R/8/Gr. II/13283, dated 29-7-77 addressed by Regional Manager, State Bank of Hyderabad Region VIII, to P. R. Pyati Head Cashier State Bank of Hyderabad, Kanakagiri in view of the representation dated 19-9-1977.

Ex. W-9—Letter No. R. M. 8/883, dated 31-1-1978 addressed by Regional Manager, State Bank of Hyderabad, Region VIII to P. R. Pyati regarding the retirement at the age of 57 years.

Ex. W-10—Letter No. 223 dated 12-3-82 addressed by Branch Manager, State Bank of Hyderabad Sindhnur to P. R. Pyati regarding payment of pension.

Ex. W-11—True Copy of the Letter No. F&A/PPF/2273, dated 6-3-82 addressed by Officer-In-charge, Finance and Accounts Department (P.P.F.) Section to the Manager, Sindhnur Branch regarding the payment of pension to P. R. Pyati.

Ex. W-12—Copy of the State of Hyderabad Employees' pension fund rules.

Ex. W-13—Report dated 18-10-79 on failure of conciliation with regard to Industrial Dispute between the Management of State Bank of Hyderabad and P. R. Pyati.

Ex. W-14—Promissory note regarding gold ornaments.

Ex. W-15—Memo No. PF/502, dated 19-5-1967 issued by Manager Sindhnoor Branch to P. R. Pyati, with regard to the agreement of the duties of Head Cashier.

Documents marked for the Management :

Ex. M-1—Annual Report on staff of State Bank of Hyderabad, pertaining to Kanakagiri Branch.

Ex. M-2—True copy of the report dated 9-4-74 sent by N. Gururaj Rao to U. V. Sharma, Supdt., Staff Department, Head Office.

Ex. M-3—True Copy of the note dated 18-7-77 put up by Regional Manager, Region VIII with regard to approve the retirement of P. R. Pyati from Bank's Service.

Ex. M-4—True Copy of the letter dated 16-4-1951 addressed by T. S. R. Naidu, to the Manager, Hyderabad State Bank, Mahbubnagar requesting to arrange early transfer of P. R. Pyati.

Ex. M-5—Letter No. M.M.P. & C No. 5/17, dated 17-4-1951 addressed by Manager, Hyderabad State Bank, Mehbubnagar to the Secretary, Branch Administration, Hyderabad State Bank, Hyderabad regarding the confidential report of P. R. Pyati.

Ex. M-6—Warning letter No. PF/4577, dated 19-4-1951 addressed by the Secretary to P. R. Pyati.

Ex. M-7—Complaint dated 28-4-54 made by Sharaph Ramu, Gold Merchant, to the Director Hyderabad, State Bank Hyderabad against P. R. Pyati.

Ex. M-8—Memo dated 26-11-54 issued by Manager, Hyderabad State Bank, Mahbubnagar to P. R. Pyati.

Ex. M-9 -Letter of Apology dated 28-12-54 by P. R. Pyati Cashier, to the Secretary, Hyderabad State Bank Hyderabad.

Ex. M-10—Memo No. PE/P-1/7480 issued by the Secretary to P. R. Pyati.

Ex. M-11—True copy of the Memo No. P&C/13896, dated 18-8-61 issued by the Secretary to P. R. Pyati.

Ex. M-12—Copy of the complaint dated 2-1-64 made by M/s. Misrilal Surajmal against P. R. Pyati.

Ex. M-13—True copy of the Memo dated 27-1-1965 issued by the Manager, State Bank of Hyderabad, Sindhnoor Branch, to P. R. Pyati in view of the complaint made by M/s. Misrilal Surajmal Jain.

Ex. M-14—Memo issued by B. G. Katti, Manager to P. R. Pyati.

Ex. M-15—Letter dated 29-10-75 addressed by Manager, State Bank of Hyderabad Sindhnoor to Staff Department, Hyderabad with regard to forwarding of Confidential Reports pertaining to P. R. Pyati.

Ex. M-16—True Copy of the Letter dated 11-3-76 addressed by the Manager, Sindhnoor Branch to the Branch Department, Distt. IV Head Office with regard to immediate action against P. R. Pyati.

Ex. M-17—Annual Report on Staff pertaining to State Bank of Hyderabad, Nanded Branch.

Ex. M-18—Annual Report on staff pertaining to State Bank of Hyderabad, Gangavati Branch.

Ex. M-19—Annual Report on staff pertaining to State Bank of Hyderabad, Raichur Branch.

Ex. M-20—Annual Report on staff pertaining to State Bank of Hyderabad, Sindhnoor Branch.

Ex. M-21—Annual Report on Staff pertaining to State Bank of Hyderabad, Sindhnur Branch.

Ex. M-22—Annual Report on staff pertaining to State Bank of Hyderabad, Sindhnur Branch.

Ex. M-23—Show cause notice dated 15-2-1977 issued by Regional Manager and Disciplinary action authority, Region-VIII Head Office Gunfoundry State Bank of Hyderabad to P. R. Pyati.

J. VENUGOPALA, RAO
INDUSTRIAL TRIBUNAL
[No. L-12012/161/79-D.II (A)]

का.आ. 1065.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, स्टेट बैंक आफ बीकानेर एण्ड जयपुर के प्रबन्धतन्त्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबन्ध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, जबलपुर के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 12 फरवरी, 1985 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 1065.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby pubilshes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the State Bank of Bikaner and Jaipur and their workmen, which was received by the Central Government on the 12th February, 1985.

ANNEXURE

BEFORE JUSTICE SHRI K. K. DUBE, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

Case No. CGIT/LC(R)(18)/1983

PARTIES :

Employers in relation to the management of State Bank of Bikaner and Jaipur, Gwalior and their workman, Shri Ram Babu Singh, Sub-staff, represented through the M.P. Bank Employees' Association, Gwalior Unit, Singhal Bhawan 2nd Floor, Jayendraganj, Gwalior (M.P.)

APPEARANCES :

For Union—Shri Vinod Kumar Bahel.

For Management—Shri U. C. Pathak, Officer.

INDUSTRY : Banking DISTRICT : Gwalior (M.P.)

AWARD

Dated, the February 5, 1985

The Central Government, in exercise of its powers conferred under Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, referred the following dispute, for adjudication, vide Notification No. L-12012/177/82-D.II(A) dated 30-5-1983 :—

"Whether the action of the management of State Bank of Bikaner and Jaipur in relation to their Gwalior Branch in withdrawing the Daftry allowance paid to Shri Ram Babu Singh, Sub-staff with effect from 28-8-1980 is justified? If not, to what relief is the workman concerned entitled?"

2. After notices to both the parties it transpires that the workman is continuing to function as a Daftry on officiating basis uninterruptedly since 1st October, 1982. In view of his long services the parties have amicably settled the dispute and the workman does not press his claim. It would be seen that there has been some give and take between the parties and in the right spirit a compromise has been arrived at. Since the Daftry has to serve the Bank it is no use pressing the issue any further. I, therefore, order that this reference has become infructuous in view of the above settlement. The bank is directed to pay all the dues in accordance with the settlement arrived at and the agreement reached. This may be done expeditiously within two months from today. There shall be no order as to costs.

K. K. DUBE, Presdinig Officer
[No. L-12012/177/82-D.II(A)]

का. आ. 1066 :—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, स्टेट बैंक आफ इंडिया के प्रबंधतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, जबलपुर के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 12-2-85 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 1066.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby pubilshes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure in the indusrtial dispute between the employers in relation to the State Bank of India and their workmen, which was rereceived by the Central Government on the 12th February, 1985.

ANNEXURE

BEFORE JUSTICE SHRI K. K. DUBE, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, 1417, WRIGHT TOWN, JABALPUR (M.P.)

Case No. CGIT/LC(R)(36)/1983

PARTIES :

Employers in relation to the management of State Bank of India, Bhopal and their workman, Shri Ram Pyare, Sweeper represented through the State Bank of India Employees Union, 9, Vasundhara Housing Colony, Jehagirabad, Bhopal (M.P.).

APPEARANCES :

For Union—Shri P. S. Nair, Advocate.

For Bank—Shri V. S. Shrotri, Advocate.

INDUSTRY : Banking DISTRICT : Bhopal (M.P.)

AWARD

Dated : January 31, 1985

The Central Government in exercise of its powers under Section 10 of the Industrial Disputes Act referred the following dispute vide Notification No. L. 12012(214)/82-D.II(A) dated 28th June, 1983 :—

"Whether the action of the managmeent of the State Bank of India Region I, L.H.O. Bhopal, in terminating the services of Shri Ram Pyare, Sweeper with effect from 26-8-81 is justified? If not, to what relief is the workman concerned entitled?"

2. Ram Piyare had been serving in the Bhopal Main Branch of the State Bank of India (hereinafter called the Bank) between 15-8-1980 and 24-11-1980 as a part-time Sweeper in the Bank. He started working in the Maharana Pratap Nagar Branch of the Bank from 25-11-1980 and continued serving the Branch upto 25-8-1981 as a part-time Sweeper. In the Maharana Pratap Nagar Branch, he did part time work for 219 days.

3. The Bank has about 6000 branches in the country and is constituted under the State Bank of India Act, 1955. Each Branch is under the direct control and supervision of the Branch Manager who is answerable to the Regional Office. The administrative work of each of the Branch is independent of the other. There are Regions and Zones for administrative purpose in the Bank which keep supervision and control respectively under the jurisdiction under them. The Branches inter se have no admiinstrative or supervisory control over the other. The Branch Manager is normally empowered to engage employees such as Messenger, Sweeper and such casual workers for a period not exceeding 90 days at a time. Ram Pyare was appointed on hourly basis, depending on the requirement, for two hours in a day to six hours in a day. The part-time workers could be appointed by the Manager or anybody entrusted with the administration of the Bank. For all other appointments the recruitment was regulated by rules in this behalf.

4. The workman claimed that he had worked for more than 240 days in the State Bank of India and was accordingly entitled to be regularised. His employment could not be terminated and such termination would be retrenchment which in the present circumstances would be void as not in accordance with the provisions of Section 25-F of the Industrial Disputes Act. Therefore he claimed reinstatement with back wages.

5. The Management of the Bank contends that Ram Payare was merely a part-time worker engaged to work on hourly basis in the day. He could not be even called a casual worker. Moreover, he had not completed 240 days of work within 12 months at any time. Therefore the provisions of Section 25F ibid would not be attracted. It is further contended that the employment in one branch of the Bank of such a workman is not such as would count for total services in the Bank when employed in the other branch. The two branches are separate establishments and the service rendered in one branch would not enure him to his benfit in computing the 240 days of services in 12 months while continuing service in another Branch. If he had worked in the Bhopal Main Branch, the period of service could be not added to service in another Branch for the purpose of Section 25B of the Industrial Disputes Act.

6. There is no doubt that Ram Pyare worked in the Bhopal Main Branch for 95 days as part-time worker and in the Maharana Pratap Nagar Branch as a part-time sweeper for 219 days on hourly basis. The Bank has filed a complete list of the number of hours he worked on each day and from Ex. M/2 it is clear that sometimes he worked for two hours in the day to 6 hours in a day and on one occasion he worked for even 11 hours. He was paid according to the number of hours he had worked. It is also interesting to note form the list of the working days of Ram Pyare in both the offices that on about 11 days he had worked both in the Bhopal Main Branch and the Maharana Pratap Nagar Branch simultaneously. It appears that on these days, in the morning he worked in the Maharana Pratap Nagar Branch and at other part of the day in the Bhopal Main Branch. There are not fixed hours of work for a Sweeper. What he is required to do is to clean the premises before the business hours, therefore, it was possible to finish the work in the evening of the succeeding day and thus to manage working simultaneously at two different places. The main question is whether the working days in one branch in such part-time manner would be added to the number of days served by him in another Branch in a similar part-time manner for purpose of computing the length of service envisaged in Section 25B of the Industrial Disputes Act. I am of the view that he cannot be given this benefit for the purpose of Section 25B of the Industrial Disputes Act. To begin with, he was a part-time worker and it is difficult to compute the number of working days of such a part-time employee. Section 25B of the Industrial Disputes Act envisages 240 days of actual work within 12 months and when this done it would be deemed to be continuous employment for an year so as to give the benefit contemplated in the chapter to the workman. An hour or two hours' work in a day cannot be equated with a day's work. It is also difficult to regularise such a person for he cannot be said to be regularised as a Sweeper working two hours a day. There are no permanent posts of part-time Sweepers in the Bank of the description where the number of working hours cuold vary in each day. This would be wholly incompatible with any systematic employment in a statutory body.

7. It would be seen that Section 25B(ii)(a) of the Industrial Disputes Act envisages that the workman ought to have actually worked under the employer for not less than 240 days. It is, therefore, necessary that the workman must estabilsh that he had worked actually 240 days within 12 months before the relevant date. A part-time worker of the nature in question cannot be said to have actually worked for a single day in the Bank. It is the days work that is contemplated. The worker in the instant case is not even a part-time worker of the Bank as the length of the hours of work was not fixed. He was engaged each day to do the work for the number of hours the employer wanted him and his wages were calculated on the basis of hours. In his case it has already been shown that sometimes he worked for two hours a day and on another occasions he worked for more than two hours. In my opinion, Section 25B is not attracted for a workman of the category in question.

8. There is another difficulty in his case as the workman cannot be said to be under the same employer when he worked in two different branches. The recruitment in the Bank is governed by certain set of rules. Appointments of temporary nature are contemplated in paragraph 20.7 of the Sastri Award. But here he would not come in the category of the appointments contemplated by the Sastri Award. The power given to appointment for such a worker was given to the Manager or the Office-in-Charge of the Branch. Therefore the workman was employed by one branch he cannot be said to be the servant of another branch. That being the case, in his case when he worked in Maharana Pratap Nagar Branch the estabilshment would not be the State Bank of India as such, but the Maharana Pratap Nagar Branch of the State Bank of India. Therefore he could not claim that the services renedered in Bhopal Main Branch should be added to the Maharana Pratap Nagar Branch. The anomaly is clear that for 11 days he worked in both the Branches without the knowledge of the respective Managers. There is no irregularity in such cases being a part-time worker he could take up employment in any other estabilshment in his spare hours and accordingly if he had worked on the same day in another Branch of the State Bank of India he had worked under a separate establishment and not the same estabilshment for the purpose of Section 25B of the Industrial Disputes Act.

9. I am accordingly of the view that the workman has no claim to be regularised in any of the Branches and his termination with effect from 26-8-1981 was wholly justified.

ORDER.—In view of the reasons given above, the State Bank of India, Regions I, L.H.O. Bhopal, in terminating the services of Shri Ram Pyare, Sweeper, with effect from 26-8-1981 is justified. He is not entitled to any relief. In the peculiar circumstances of the case there shall be no order as to costs.

K. K. DUBE, Presiding Officer

[No.L-12012/214/82-D.II(A)]

का.आ. 1067.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, बैंक आफ महाराष्ट्र के प्रबन्धतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबन्ध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, नई दिल्ली के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 14-2-85 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 1067.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby pubilshes the award of the Central Government, Industrial Tribunal, New Delhi as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Bank of Maharashtra and their workmen, which was received by the Central Government on the 14th February, 1985.

BEFORE SHRI O. P. SINGLA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL, NEW DELHI

I.D. No. 23/84

In the matter of dispute between :

Shri Bhaira Ram S/o Shri Amrit Lal, through Union of of the Maharashtra Bank Employees' Delhi.

Versus

Bank of Maharashtra through the Asstt. General Manager, North Zone-I, New Delhi.

APPEARANCES :

Shri R. K. Kadam—for the workman.

Shri J. Amodekar—for the Management.

AWARD

Central Government, Ministry of Labour on 28th February, 1984 vide Order No. L-12011/59/83-D.II(A) made reference of the following dispute to this Tribunal for adjudication :—

"Whether the action of the management of Bank of Maharashtra, New Delhi in relation to their Jodhpur Branch in not taking into account of the period of temporary service of Shri Bhaira Ram, Sub-staff from 26-12-80 to 13-3-81 as part of his probationary period is justified? If not, to what relief is the workman concerned entitled?"

2. The Management of Bank of Maharashtra utilised the services of Shri Bhaira Ram Sub-Staff at Jodhpur Branch during the period 26-12-80 to 25-2-81 and from 26-2-81 to 13-3-81 and again appointed him w.e.f. 16-3-1981. 14th and 15th March, 81 were Saturday and Sunday.

3. The workman was treated as on probation w.e.f. 16-3-81 by orders made on 17-7-81 and he has been confirmed by the bank management thereafter.

4. The workman's case is that he was appointed against permanent sanctioned vacancy and he was eventually selected in the said vacancy and under para 20.7 of the Bipartite Settlement dated 19-10-66 temporary employment could only be appointment for a limited period when work is of essentially temporary nature. He relies upon para 20.8 of the same Settlement under which he claims period of temporary employment to be taken into account as part of his probationary period in view of his eventual selection for filling up the vacancy.

5. The Management contested the claims and asserted that Jodhpur Branch opened on 26-12-80 was intended to be actually opened in Jodhpur instead of Basani Industrial Area, Jodhpur and temporary staff was appointed from a Local Employement Exchange and the appointments from 26-12-80 to 13-3-81 were temporary for two months and for 15 days respectively with stipulation that the appointments were temporary he will automatically come to an end on the expiry of the period stipulated therein. However, when the branch continued at the same place and could not be shifted in near future, this workman was selected for permanent absorption and by order dated 17-7-81 he was deemed to be on probation from 16-3-81 to count his last temporary appointment within the period of probation under 20.8 of the Bipartite Settlement.

6. The matter has been tried. The workman gave his own affidavit and Mr. R. K. Trivedi, Officer, Bank of Maharrashtra filed affiadvit for the bank. Both have been cross-examined.

7. I have perused written arguments filed by the parties.

8. The relevant para 20.8 of the settlement dated 19-10-66 is in the following terms :

"Para 20.8 of Settlement dated 19-10-1966:—

'A temporary workman may also be appointed to fill a permanent vacancy provided that such appointment shall not exceed a period of three months during which the bank shall make arrangements for filling up the vacancy permanently. If such a temporary workman is eventually selected for filling up the vacancy, the period of such temporary employment will be taken into account as part of his probationary period."

9. The workman relies upon its interpretation by the Industrial Tribunal at Jaipur in case No. CIT-8 of 1975 between Punjab National Bank Jaipur Region and its workman Shri N. K. Soni published in Gazette of India Part II Section 3(ii) dated 25-2-78 pages 601 to 603 and the following extract therefrom is relied upon :—

".....As a general rule, the temporary employment is not counted and is not taken into account as part of the probationary period. The provisions conatined in Para 20.8 makes a departure from this general rule. This para introduces a legal fiction that if a temporary workman is eventually sleected for filling up the permanent vacancy, the period of temporary employment will be taken into account as part of probationery period. Shri N. K. Soni was selected to fill up the permanent vacancy in a competitive test held on 11-6-68. Before that he was a temporary employee since 2-12-66. By virtue of provisions contained in Para 20.8 Shri N. K. Soni is entitled to contain that the period of his temporary employment since 2-12-1966 should be taken into account as part of his probationary period....."

10. In contrast the Management relies upon the interpretation of the same para of the Bipartite Settlement by the Central Government Industrial Tribunal at Jabalpur in its Award dated 17-9-84 in the matter of dispute between the same employer Bank of Maharashtra and Shri A. S. Nerkar and his Union and the following extract from that Award of the C.G.I.T. is quoted :

"5. It would appear that paragraph 20.8 is not exhaustive of all the situation nor could it be said that the restrictions mentioned in paragraph 20.8 are so stringent that when no appointment could be made by the Bank within a period of 3 months, it losses its power to make any temporary appointment on that post. If the Bank is unable to appoint a permanent incumbent on a permanent post within 3 months, it is not devoid of power to appoint a man temporarily on that post to carry on the work of the Bank. These clauses of the settlement have to be reasonably construed to subserve the intention of the parties. We cannot lose sight of the fact that we are not construcing an enactment but the apply here. I am, therefore, of the opinion that paragraph 20.8 reasonably construed is not exhaustive nor it places a ban on the Bank to appoint a temporary hand once the period of 3 months is over. Such appointmen, when

made would not be in violation of the settlement. There may be cases which fall outside the clauses. This is not to say that the provisions of settlement under paragraph 20.8 could be circumvented by deliberately not appointing a person within 3 months on the permanent post. In such cases we have to see whether the Bank was trying to overreach the provisions of paragraph 20.8 whether it was faced with the difficulty in that it was not setting a suitable person within a period of 3 months, it could in the interest of the Bank, so that the work may go on, make such ad hoc appointment as was deemed expedient.

6. "The word" the bank shall make arrangement for filling the vacancy in paragraph 20.8 are instructive and imperative and expect that the Bank would make an appointment within 3 months. But as I pointed out above, it may be no fault of the Bank that such appointment could not be made within 3 months and for the exigencies of the work another adhoc appointment has to be made. Now if the ad hoc appointee is the same who was earlier temporarily appointed, the question arises whether the total period of service under more than one appointments by such an employee has to be taken into account as part of his probationary period or any lesser period. Paragraph 20.8 lays emphasis that the temporary appointments cannot be made for more than 3 months and secondly the Bank must appoint the permanent incumbent within this period. Therefore, in computing the total period of employment of a temporary employe serving for the second time in such a situation would be wholly repugnment to the intention of paragraph 20.8. What would count towards his probationary period in such a situation would be the period of service rendered by him in the first instances which should not in any case exceed 3 months. The second employment was made in a situation which could not be covered by paragraph 20.8 but was contractual and will be governed by the terms of contract made in this regard such a contract not being in consistent with paragraph 20.8 I am, therefore, of the view that though it may be permissible to count the period of first employment of such temporary workman towards the part of his probationary period it may not be permissible to count the period of employment of the temporary employee made subsequently during which pieriod the vacancy on the permanent post remained unfilled when the total period exceeded three months. Since paragraph 20.8 permits appointments of a temporary employee for a maximum period of 3 months, this could be fixed as the limit for the period of employment which can be taken into account in the probationary period. Therefore, where there is an employee who has served for two terms or more as temporary employee on a permanent vacancy, the maximum period of service that could count towards probationary period would be 3 months. We may proceed to determine the rights of the parties in this case."

11. There is a break of two days in the service of Mr. Bhaira Ram on 14 and 15-3-81 and the last temporary employment started on 16-3-81 and the Management has counted his probationary service from 16-3-81 by order dated 17-7-81. I prefer the interpretation placed by the Central Government Industrial Tribunal at Jabalpur in the award dated 17-9-84 for the reasons mentioned threin and accept that the action of the Management of the Bank in circumstances disclosed is justified and does not call for interference. The Award is made accordingly.

February 6, 1985.

Further it is ordered that the requisite number of copies of this Award may be forwarded to the Central Government for necessary action at their end.

O. P. SINGLA, Presiding Officer

[No. L-12011/59/83-D.II(A)]

का.आ. 1068.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, यूनाइटेड बैंक ऑफ इण्डिया के प्रबन्धतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबन्ध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, कानपुर के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 15-2-85 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 1068.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Kanpur, as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the United Bank of India and their workmen, which was received by the Central Government on the 15th February, 1985.

BEFORE SHRI R. B. SRIVASTAVA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL cum-LABOUR COURT, KANPUR

I.D. No. 17/83

Ram Chandra Yadav,
Through Regional Secretary,
United Bank of India Shramik Karamchari Samiti—Workmen.

Versus

United Bank of India.....Management

APPEARANCES :

1. Shri S. C. Mitra,
2. Shri V. N. Shekheri.

AWARD

Order No. I-12012 (241)/84-D.II (A) dated 21-8-82 referred to following dispute for adjudication.

"Whether the action of the management of United Bank of India, Allahabad branch in not confirming Shri Ram Chandra Yadav, sub-staff with effect from 14-5-76 is justified ? If not, to what relief he is entitled ?"

The case of the applicant is that the workman Shri Ram Chandra Yadav entered in the service of the management of United Bank of India, Allahabad on 14-5-76 as member of sub-staff and worked in temporary capacity till 29th Dec., 1976; that his service were wrongfully and unjustifiably terminated on 29-12-76. Later the workman was appointed as member or sub-staff on 18-12-78. The termination of the workman from 29-12-76 was unjust and wrongful and on that account he lost seniority and benefits, connected with it. In the end he has prayed that he be ordered to confirmed w.e.f. 14-5-76.

The management Bank has contested the case on several other grounds besides one priliminary objection that the reference order is bad in law. The work 'workman' has been used in the order of reference and as such the union could no have filed the case.The singular includes plural and thus the dispute between the management of the Bank and the workman are in that capacity. The Union was competent for raising the dispute. The priliminary objection is, therefore, rejected. Accordingly to the workman, he worked in temporary appointment in the year 1976-77 for few days in a month only, for instance in May, 76 for 90 days in two spance in two different branches and then for 6 days in July, 31 days in August, 17 days in December and 26 days in January. It is averred that that workman Shri R. C. Yadav was engaged as temporary sub-staff on 14-5-76 on the basis of empanellement being the son of a retired Bank Employee during the period from 1976-77 and the said workman worked in leave vacancy.

On another occassion he worked as sub-staff on purely temporary basis for about 75 days without any objection. Thereafter Bank circular dated 2-8-76 had come asking the Bank managements to discontinued paractices with regards to the employees who were engaged or impanelled as sub-staff, and to terminate their services. he workman was however, reconsidered for appointment and appointed as sub-staff from

18-12-78. The workman accepted such fresh appointment without any reservation or protest. The workman had worked only temporarily to fill up leave vacancy and not filling a permanent vacancy, hence the question of his permanency from 14-5-76 did not arise. In the rejoinder, filed by the workman, he had averred that in the year 1976, he worked about 134 days and not only 75 days as alleged by the management. The circular in question dated 21-8-76 does not command termination of services of those who had already entered in services of the bank. It was simply to modify the scheme of preferential recruitment to suit future, recruitments and not permanent employees already in the employment in year 1977-78 and thus violated the provisions of section 25G and H of I.D. Act, 1947.

The management revised scheme of preferential recruitment in the year 1978 and amongst others gave employment to the workman in question from 18-12-78. The services of the workman were unreasonably and unjustifiably terminated on 29-12-76 when he was given few days employment in 1977 and again given regular appointment in 1979 where the colleagues namely Shri Jayan Bhattacharya and others were given the benefits of past services. This is quite discriminatory and uniust. Both the parties filed the circular No. PD|2027|79 dated 21st August, 1976. Supreme Court and Delhi High Court have treated preference to relatives of the employee and recruitment as unconstitutional and it was in that light that the practice has to be discontinued and no such preference was to be given to the sons and daughters in future recruitment test of any category.

Bank gave its affidavit and stated in cross-examination that from list in which the name of workman figured, it was formulated some times in February, 1976 and the circular that the employees' sons & daughters are not to be given any preference came after year, 1976.

The workman in his affidavit has averred that in April, 1976 his name was put up on the panel of sub-staff for permanent absorption and amongst others were Shri Prem Dayal Shukla, who was absorbed w.e.f. 19-9-76, Shri Bahru Ram who was absorbed w.e.f. 17-9-76 and Shri Jayan Bhattacharya who was absorbed from 14-5-77 due he was absorbed from 22-11-82 where as two juniors Radhey Shyam and Ashok Kumar both were absorbed on 22-4-80 when their temporary assignment commenced from 8-11-76 and 28-12-70 respectively. He goes on to depose that panel contained only departmental candidates and he was a departmental candidate not a preferential candidate and that preferential candidates were not denied from applying as a departmental candidate.

He has however averred that although he was appointed as sub-staff on 14-5-76 which continued till 29th January, 1977, his services were unjustifiably terminated on wrong interpretation of circular. Workman was given appointment as sub-staff on 18-12-78 when other panel was drawn up in December, 1978. It was on account of his regular termination that he was not granted credit for his earlier services and that he had 153 days work at his credit in span of 14-5-76 to 29-1-77. In cross-examination he had denied that he was appointed for the first time on account of his father though he admitted that his father was in employment when he was taken up in service. He goes on to depose that the management did not give him work, though he used to visit the Bank regularly and in this way for full two years management did not give him any work. He however, stated that he had worked in Tagore Town Branch, Allahabad in July, 1976 and as a matter of fact, he used to work in certain branches and had worked in two different other branches also. In this way on one date he has worked at two places of the Bank.

As regards the preliminary objection I have already mentioned above. In reference order the union raised the dispute under Sec. 2-A of Industrial Dispute Act though the case is sponsored by the union on account of dispute between workman and the management. Even singular dispute can be raised by the union. This objection has been answered in negative. The bank circular dated 21st August, 1976 was the effect that after 19th April, 1976, the temporary sub-staff who have entered in the services as preferential candidate were to be terminated and no such preference was to be given in future recruitments. This simply meant, if the temporary sub-staff is working in their right and has to be continued, they have to be discontinued till temporary period in terms of employment and that in future no such special category should be carved out or employed. Thus the workman was not given leave vacancy appointment after 29th January, 1977 and when in his own right, he was taken in service on 18-12-78 he was later confirm w.e.f. 22-12-82. In the rejoinder the workman did not specifically deny that his name was not in the such panel of reserve category on the basis of being son of retired bank employee.. Thus it cannot be said that he was not given employment on account of his name being in general category. The appointments of sons and daughters of Bank employees on preference, being violated articles 14 and 16 of the constitution had to be stopped and it was on this account that the management did not give him work on he basis of that such reserve category. If the workman claimed that his name was in the general category and not in the special category of sons and daughters of bank employees were empanelled, he should have summoned the same from the management. Besides, that he should have specifically denied the averments and their rejoinders. It was asserted that the workman was in the special category of sons and daughters of bank employees. His appointment was not in the leave vacancy where from he was terminated in January, 1977 and that he was employed on permanent vacancy, he should have summoned the documents to show that he was entitled to benefit under 2.8 of the Bipartite Settlement. In the absence of all this, the workman is not entitled to action of preferential claim or better claim. In what circumstances Shri Ram Dayal, Shri Radhey Shyam and Shri Ashok Kumar were absorbed in permanent assignment can be not be decided in the absence of specific averment, in statement of claim and summoning documents to prove the same. In these circumstances I hold that there has been no discrimination and even if he worked for 143 days at the least and has proved by Annexure of his affidavit. He will not be entitled to confirmation w.e.f. 19-4-76, the date of his previous appointment. The reference is, therefore, answered in negative and the award is given that the action of the management of United Bank of India, Allahabad Branch in terminating Shri Ram Chander Yadav, sub-staff from 14-5-76 is justified.

Dated 8-2-85

R. B. SRIVASTAVA, Presiding Office

[No. L-12012(241)/81-D.II(A)]

का.आ. 1069.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के प्रबन्धतन्त्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच अनुबन्ध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, कानपुर के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 15-2-85 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 1069.—In pursuance of section 17 of the Industri Disputes Act, 1947(14 of 1947), the Central Governme hereby publishes the award of the Central Governme Industrial Tribunal, Kanpur as shown in the Annexure in t industrial dispute between the employers in relation to t management of Union Bank of India, Lucknow and the workmen, which was received by the Central Government c the 15th February, 1985.

BEFORE SHRI R.B. SRIVASTAVA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL, KANPUR

I.D. No. 173 of 1983

In the matter of dispute between :

Antu Singh Yadav, C|o The Secretary, U.P. Bank Employees Union, C|o Allahabad Bank, Ghazipur

AND

The Asstt. General Manager, Union Bank of India, He Clarks Awadh, 8, M.G. Road, Lucknow.

AWARD

The Central Government Ministry of Labour vide order 31-3-83 No. 12012|137|82-D-XI(I) made the reference the following dispute to this tribunal for adjudication :

"Whether the action of the management of Union Bank of India Lucknow, in relation to their Gangauli Branch in Distt. Ghazipur in terminating the services of Shri Antu Singh Yadav Peon effect from 23-4-81 is justified ? If not, to what relief is the workman concerned is entitled ? "

2. The case of the workman Antu Singh is that he was appointed in the permanent vacancy of the Branch of Union Bank of India at Gangauli Branch in the subordinate cadre as peon w.e.f. 22-7-80 and the continued to work till 22-1-81 to the satisfaction of his officer but he was not paid full wages despite request. Later he was given full wages upto 23rd January, 81. He was allowed to work till 23-4-81 when his services was terminated without any specific order or payment of retrenchment compensation. Thus according to him he worked in the bank for 276 days. He has also relied on paras 595, 516 and 522(4) of Shastri's Award which have been violated. After terminating the workman another person was appointed at his place. He has consequently prayed for reinstatement and consequential benefits.

3. The management contested the case on the ground that the workman was appointed at Gangauli Branch as part time sweeper from 22-7-80 and continued part time work upto 22-1-81 and was paid according to schedule rate. It is contended that w.e.f. 23-1-81, the workman was appointed on purely temporary basis against the post of full time substaff, when the permanent had Mr. Indrasen Ram was transfered to Ghazipur Branch. The said post was filled on the regular basis when Mr. Uma Shankar was teransferred from Ghazipur (M) Branch and joined Gangauli Branch on 6-4-1981. thereafter the workman concerned was relieved on 20-4-81 and for the period he was employed full time he has been paid wages full. The workman was not entitled to any retrenchment compensation as he has worked only for 89 days. In the end it is submitted that the claim being false and frivolous be dismissed.

4. After transfer of this case from CGIT, Delhi to this Tribunal the management representative appeared but the workman or his representative did not appear despite sending registered notices thrice.

5. As there was no one to substantiate the case of the workman it was ordered that let there be no claim award for want of prosecution.

6. I accordingly make the award in the negative for want of evidence holding that the action of the management in terminating the services of Sri Antu Singh peon from 23 4 81 is justified.

R. B. SRIVASTAVA, Presiding Officer

[No. L-12012/137/82-D. II(A)]

का. आ. 1070.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, स्टेट बैंक आफ इंडिया के प्रबंधतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण मद्रास के पंचाट प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 19-2-85 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 1070.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal Madras, as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the State Bank of India and their workmen which was received by the Central Government on the 19th February, 1985.

BEFORE THIRU K. S. GURUMURTHY, B.A., B.L.
PRESIDING OFFICER
INDUSTRIAL TRIBUNAL, TAMILNADU
MADRAS

(Constituted by the Central Government)

Friday, the 4th day of February, 1985

Industrial Dispute No. 51 of 1983

(In the matter of the dispute for adjudication under section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the workmen and the Management of State Bank of India, Madras-1).

BETWEEN

The workman represented by

The President, Tamilnadu Banks Deposit Collectors' Union, 31, Moore Street,
Madras-1.

AND

The Personnel Manager,

State Bank of India, Local Head Office.

21, Rajaji Salai,

Madras-600001.

Reference Order No. L-12012|318|82-II(A), Ministry of Labour and Rehabilitation, dated July, 1985, Government of India, New Delhi.

This dispute coming on for final hearing on Saturday the 2nd day of February, 1985 upon persuing the reference, claim and counter statements and all other material papers on record and upon hearing the arguments of Tiruvalargal Row and Reddy and R. Rajaram Advocates, appearing for the workmen and of Thiruvalargal T. S. Gopalan, S. Ravindran and P. Raghunathan, Advocates appearing for the Management, and this dispute having stood over till, this day for consideration, this Tribunal made the following:—

AWARD

The Government of India by its Order No. L-12012|318|82-D.II(A), Ministry of Labour and Rehabilitation, dated— July, 1983 has referred the following dispute under Section 7A and Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 for adjudication to this Tribunal.

The dispute is:

"Whether the action of the Management of the State Bank of India in relation to its Chidambram Branch in terminating the services of Shri G. Selvaraj, Janata Deposit Collector with effect from 24-10-1981 is justified ? If not, to what relief is the workman concerned entitled ?"

(2) The parties on receipt of notice from this Tribunal appeared and the Union filed the claim statement raising the following grounds to sustain the case of the workman: The Petitioner-Union represents the Deposit Collectors employed by the various Banks in Tamil Nadu. Shri G. Selvaraj was appointed by the Respondent Bank as a Janata Deposit Collector at Chidambram Branch on 28-10-1974.

The Manager, State Bank of India, Chidambaram served a letter on Shri G. Selvaraj, on 9-3-1981 that on several occasions remittances had not been made into the Bank promptly and there were delays of several days. The Manager further restrained Shri Selvaraj from making collection of moneys from the Janata Deposit Collectors. In fact, the delay if any, was condoned by the Bank Manager.

(3) During the seven years of service of Sri G. Selvaraj, there was no occasion for the Bank to withhold 50 per cent of the commission or entire commission and|or forefeiture of the Security Deposit for the alleged delays in depositing moneys collected from the Janata Depositors of the Bank. Sri G. Selvaraj submitted an explanation to the letter of the Bank Manager (Annexure No. 2) on 13-3-1981. The explanation has been accepted by the Respondent Bank. They did not state that the explanation was not satisfactory. The Branch Manager in his letter dated 24-10-1981 terminated the service of Shri G. Selvaraj without assigning any reasons.

(4) Sri G. Selvaraj is a workman as defined under Section 2(s) of the Industrial Disputes Act. The Respondent Bank did not hold any equiry to establish the charges levelled against Sri G. Selvaraj. The termination order is illegal, arbitrary and clearly an act of unfair labour practice. Section 25F of the Industrial Disputes Act, 1947 was not complied with and the termination has to be treated as retrenchment. Sri G. Selvaraj had rendered 7 years of

unblemished service to the Bank. This Hon'ble Court may be pleased to pass an Award holding that the termination of the services of Sri G. Selvaraj by the order dated 24-10-1981 is illegal and unjust.

(5) The Management filed a counter statement resisting the claim of the Union on the following grounds : The order of reference is incompetent in law. The dispute lacks representative character. The Management in a Banking Company goverened by the provisions of the Banking Regulation Act. As per Section 10(1)(b), the Management is a Banking Company governed by the provisions of the Banking Regulation Act. As per Section 10(1)(b), the Bank is forbidden from employing any person on commission basis. The Bank introduced in selected branches a scheme called as Janatha Deposit Scheme and it cannot be treated as part of the regular activities of the Bank. The agents are appointed for collecting the deposits. The agent has to remit the amount with the branch to which he is attached together with a statement giving the details of previous day's collections. Sri G. Selvaraj was one such Janatha Deposit Collection Agent. He was not employed in the services of the bank. The bank does not exercise any direct control or supervision over the work of the agent nor does the Bank give him any orders in the course of discharge of his work. The agent acts independently and as per the authority vested in him and in the discharge of his obligation to his principal. He is free to work at any time convenient to him. He has no fixed hours of work nor has he to work under the direct control and supervision of the official of bank. He can accept any assignment or carry on any business or trade or occupation except the job of deposit collections for any other bank or institution. By no stretch of imagination he can be called a workman. The present dispute is not sustainable in law and no relief can be given to Sr G. Selvaraj.

(6) Any delay in remittance of the money into the Bank is grave dereliction of the terms of the agency agreement when Sri G. Selvaraj persisted in such delayed remittances the Branch Manager of the Chidambaram Branch was constrained to put an end to the agency agreement. As the relationship between the bank and Sri G Selvaraj is that of a principal and an agent, the bank was not obliged to hold any enquiry for terminating the agency. This Honourable Court may be pleased to hold that Sri G. Selvaraj is not entitled to any relief.

(7) By consent of both sides, Exs M-1 to M-10 and W-1 to W-4 were marked. I heard the learned counsel for the Union and the learned counsel for the management.

(8) From the pleadings and from the submission made by the counsel on either side, two questions arise for consideration and they are: (1) Whether the Petitioner Sri G. Selvaraj is a 'workman' within the meaning of Section 2(s) of the Industrial Disputes Act; and (2) Whether the relationship of master and servant between the Respondent-Management and the Petitioner is proved to have existed.

(9) The documents produced by the parties, particularly, the copy of the agreement between the Bank and the Petitioner Ex. M-7 would show that the Petitioner was only a Deposit Collection Agent under the Bank. Ex. M-7 states that this Petitioner was appointed as Deposit Colfector. He should act as the Bank's publicity-cum-collection representative to inculcate in the people the habit of thrift and saving and he should mobilise deposit. This Deposit Collector Sri G. Selvaraj has furnished a cash security deposit of Rs. 1,000 to the Bank. So far as remuneration to be paid to the Deposit Collector is concerned, Ex. M-7 says that the Bank should pay by way of commission, the remuneration to the Deposit Collector and he would not be entitled to any other remuneration or allowances Clause (4) of this agreement Ex. M-7 states that the Bank may without notice terminate the agency at any time of the Deposit Collector for the reasons mentioned under clause (4) sub-clauses (i) to (v). Therefore the Deposit Collector under the terms of agreement Ex. M-7 is not considered to be a regular employee of the Bank. It emphasises the relationship as that of the agent and principal between the petitioner and the respondent-bank. The Petitioner has not let in evidence to show that on par with the regular employees he had to attend the Bank regularly and put in work for a specified number of hours each day. There is no evidence to suggest that there is regular attendance for this Deposit Collector at the Bank. In fact, the Management has taken the stand thta the Management has no control over the activities of this Deposit Collector when they do not relate to the collection of deposits. The only restrictions is that this Deposit Collector shall not collect deposits for any other Bank. That would show that this Deposit Collector had the freedom of having any other business or any other activities if they did not run counter to the interest of this Bank regarding the deposit collections. When the payment is dependent upon the collections made by this Deposit Collector and the remittance made by him into the Bank it is impossible to say that there is any fixity in the matter of remuneration or there is any regularity in the matter of payment of remuneration. There may be occasions when the Deposit Collector might fail to collect deposits or the Depositors themselves might fail to pay deposits. The Deposit Collector might fall sick. Under those circumstances, the remuneration to be earned by the Deposit Collector will dwindle down or it may even be nil. Therefore on the earnings of this Deposit Collector, the Respondent-Bank cannot be said to have a control.

(10) The agreement does not suggest that this Deposit Collector will have the right of leave like casual leave or leave on medical grounds or that he will have the earned leave. This will make a very vital distinction between this Deposit Collector and the regular employees of the Bank. There is nothing to suggest that this Deposit Collector who had put in seven years of service according to the claim statement had subscribed to any provident fund as the regular employees of the Bank do. Ex. M-7 which is the only agreement governing the appointment of this Deposit Collector does not suggest that this Deposit Collector will have any allowance like City Compensatory Allowance or House Rent Allowance or Dearness Allowance which are normally paid to the regular employees. These are other vital circumstances bringing about a vital difference between the regular employees of the Bank and the Deposit Collector.

(11) The terms of agreement Ex. M-7 do not suggest that the Bank has got any right to initiate disciplinary action The only power that is given to the Bank under Ex. M-7 is to terminate the agency of the Deposit Collector without notice for any of the reasons enumerated in clause (4) of Ex. M-7. In fact, this agreement under clause (3) contemplate that the Deposit Collector may bring a termination to his agency by giving three months' notice to the Bank. From the above circumstances, having a bearing on the nature of the services rendered by the Deposit Collector-Petitioner to the Respondent-Bank and considering the nature of the service rendered by the Deposit Collector-the Deposit Collector and the absence of any control over the earnings of the Deposit Collector by the Bank it becomes irresistible to conclude that this Petitioner-Deposit Collector cannot be equated to the position of regular employees of the Bank and therefore he cannot be considered to be a workman within the meaning of Section 2(s) of the Industrial Disputes Act, 1947.

(12) Coming to the decision referred to and relied on by the learned counsel appearing for the Union, after a very careful study of the decisions I opine that these decisions will not apply to the facts of this case. The case reported in 1964—II, L.L.J. Page 633 (D. C. Dewan Mohideen Sahib & Sons and another vs. United Bidi Workers' Union, Salem, and another) is a case, where on facts, the Supreme Court held that the employer had the right to direct what was to be done and also had the right to direct the manner in which it was to be done. In that case, it was held that the so-called independent contractors were mere agents or branch managers of the proprietor . Those intermediaries were found to be impecunious persons who could hardly afford to have their own factories. The contract in that case was held to be practically one-sided because the proprietor could at his choice supply the raw materials or refuse to do so and the so-called contractors had no right to insist upon the supply of raw materials to them. In that context, the real proprietor was considered to be the master or the very employer. Therefore, in my view, the facts in that case are entirely different and that authority will not help the Union in this case.

(13) The case reported in 1970—II, L.L.J. Page 397 (Hussainbhai, Calicut vs. Alath Factory Thozilali Union,

Calicut and others) also stands on entirely different facts. The employer in that case was found to have economic control over the workers' subsistence, skill and continued employment. The presence of intermediate contractors with whom alone the workers have immediate or direct relationship ex contactu is of no consequence when, on lifting the veil or looking at the conspectus of factors govering employment, the naked truth was discovered though drapped in different paper arrangement, that the real employer was the Management and not the immediate contractor.

(14) In the case reported in 1983—II, LLJ. Page 415 (Shri Shambunath Goyal vs. Bank of Baroda and others) the Supreme Court found that the worker though he was paid at piece rate, he was under the control of the employer who had the right to reject the work and who had the scope to refuse to give work and that particular aspect proved the existence of relationship of master and servant. I am of the view that the facts in this decision are different and therefore that decision will not apply to the fact of this case. On that view of the matter, I have no hesitation to reject the contention of the learned counsel appearing for the Union that this Petitioner-Deposit Collector Sri G. Selvaraj was a workman or employee of the Respondent-Bank.

(15) It is also relevant to refer to an argument advanced by the learned counsel appearing for the Bank based upon Section 10 of the Banking Regulation Act, 1949. Section 10 prohibits the Banking Company from employing any person whose remuneration or part of whose remuneration takes the form of commission or of a share in the pofits of the Company. But however, the Bank is permitted to appoint a person on payment of commission under a contract otherwise than as a regular member of the staff of the Company. This Section suggests that the Deposit Collector who is only paid commission on the basis of the collections made by him and remitted into the Bank cannot become a member of the staff of the Company at all. It is an accepted maxim that the Bank and the aggrieved party should be deemed to know the law of the land. They cannot plead ignorance of law. It is impossible to conceive that the Bank had either the intention or the authority to appoint the Deposit Collector as an employee of the Bank in the face of the taboo provided by Section 10 of the Banking Regulation Act. I have no hesitation to conclude that there is no relationship of master and servant between the Respondent-Bank and the aggrieved party. The order of termination Ex. W-1 merely states that the agency of the Petitioner as Deposit Collector stands terminated with immediate effect. Ex. M-7 under clause (4) contemplates the termination of the agency in case the Deposit Collector commits breach of any of the terms or conditions of the agreement or he commits any act which the Bank considers as prejudicial to its interest or he is found defaulting habitually in observing the Rules and Regulations or directions. The Management-Bank has produced Ex. M-1, the letter of the Deposit Collector Petitioner to prove that the Deposit Collector-Petitioner had not been remitting the collections promptly and the Petitioner had appealed to the Bank to excuse him for the delays in the matter of remittances of the amounts collected from the depositors. Therefore the termination of the agency is in accordance with the terms of the agreement Ex. M-7. Even if the termination of the agency is not in accordance with the terms, that is a matter to be agitated in some other forum and not by industrial litigation. I answer the points against the Union.

(16) In the result, I hold that the Union espousing the cause of the Petitioner Sri G. Selvaraj, Deposit Collector is not entitled to get any relief in this dispute from the Respondent-Management. Therefore, an award is passed rejecting the claim of the Union. However, there will be no order as to costs.

Dated, this 4th day of February, 1985.

K. S. GURUMURTHY, Industrial Tribunal

WITNESSES EXAMINED

For both sides : None.

EXHIBITS MARKED

For workman

W-1/24-10-81—True copy of termination order issued by the Management to the employee Sri G. Selvaraj.

W-2/30-10-81—True copy of letter from the employee to the Regional Labour Commissioner (Central) Madras-6.

W-3/30-10-81—True copy of letter from the employe Sri G. Selvaraj to the Management.

W-4/10-11-82—True copy of letter from the Tamilnadu Banks' Deposit Collectors Union to the Assistant Labour Commissioner (Central) Madras.

For Management

M-1|13-3-81 & 11-8-81—True copy of letter from the workman|employee to the Management.

M-2|3-10-81—True copy of letter from the Union to the Regional Labour Commissioner (Central) Madras-6.

M-3|4-1-82—Xerox copy of the letter from the Management to Ex. M-2.

M-4|30-8-82—True copy of letter from the A.L.C. (Central) with written submission of Union.

M-5—Xerox copy of Management's remarks on the written submission of the Union.

M-6/25-11-82—Xerox copy of conciliation failure report of the Regional Labour Commissioner's Office Madras-6.

M-7—Specimen copy of agreement form (Annexure-12) between Deposit Collectors and the Bank.

M-8—Xerox copy of statement of Janatha Deposit A|c. for Rs. 1001.00.

M-9—Identity card-cum-pass books issued and maintained by Selvaraj. (5 Nos.)

M-10/1-10-80—Janatha Deposit Receipt issued by the workman Sri G. Selvaraj.

K. S. GURUMURTHY, Industrial Tribunal

[No. L-12012(318)/82 D.II(A)]

का. आ. 1071.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार रिजर्व बैंक आफ इंडिया के प्रबंधतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण नं० 2, बम्बई के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 20-2-85 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 1071.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1047 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal No. 2 Bombay, as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the Reserve Bank of India and their workmen, which was received by the Central Government on the 20th February, 1985.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 2, BOMBAY

PRESENT :

Shri M. A. Deshpande, Presiding Officer.

Reference No. CGIT-2/32 of 1984

PARTIES :

Employers in relation to the management of Reserve Bank of India, Bombay.

AND

Their Workmen

APPEARANCES :

For the Employers :

(1) Shri P. K. Mathur Legal Officer.

(2) Shri H. Sreerama Murthy. Dy. Legal Adviser

(3) Shri P. S. Bindra, Asstt. Legal Adviser.

For the Workmen :

(1) Shri L. K. Pande, President

(2) Shri J. Y. Bhave, General Secretary, Reserve Bank Workers' Organisation.

INDUSTRY : Banking. STATE : Maharashtra

Bombay, the 5th February, 1985

AWARD

(Dictated in the open Court)

By their order No. L-12011/69/83-D.II(A) dated 9th November, 1984 the following dispute has been referred for adjudication under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947, on receipt of the failure of conciliation report from the Assistant Labour Commissioner (C).

"Whether the action of the management of Reserve Bank of India, Bombay in relation to their New Central Office Building, Bombay in taking the work of filing papers from Telephone Operators is justified ? If not, to what relief are the workmen concerned entitled ?"

2. It seems that the Reserve Bank of India has got two office buildings in the Fort area that is the old building known as Main Office Building and the other what is known as New Central Office Building, which was commissioned sometime in November, 1980. The present dispute relates to the Telephone Operators serving in the New Central Office Building. Now the contention of the Union which is espousing the cause of those Telephone Operators is that the management has no right to assign clerical duties to these Telephone Operators which they have started doing from the year 1970 onwards by including suitable condition in the appointment order which condition was non-existent in the past. On this way it is urged that these Telephone Operators who belong to non-clerical staff are being required to perform clerical duties but at the same time they are denied promotional avenues which are available to the members of clerical staff In this way it is complained that there is two fold disadvantage in the first instance additional duties are expected from these Telephone Operators and secondly no promotional avenues are made available, the Telephone Operators being required to remain in the same cadre and capacity till the time of their retirement. It is urged that in this manner there is a change in the condition of service effected by the management that too without following the procedure laid down under Section 9A of the Industrial Disputes Act and therefore the same is bad and illegal and therefore requires to be struck down.

3. The contention is opposed on two grounds firstly that the individual dispute has never achieved the character of an industrial dispute, the Union who is espousing the cause having no substantial backing and not a recognised union. Secondly it is urged that what duties are to be assigned to the Telephone Operators is a part of Managerial Function and therefore if certain additional duties are allotted by virtue of Reserve Bank of India (Staff) Regulation, 1948 these workmen are expected to carry out those duties without any murmur and since the item did not form part of the Fourth Schedule Section 9A can never be attracted and as such no grievance can be raised against the said assignment of duties.

4. On these pleadings the following issues arise for determination and my findings are reasons are :—

	ISSUES	FINDINGS
1.	Is the present dispute an individual dispute or an industrial dispute ?	An industrial dispute
2.	If it is an individual dispute has it assumed the character of an industrial dispute ?	Does not arise
3.	Has the Union espousing the cause of the Telephone Operators substantial following among the said class ?	Not proved.
4.	Can the Telephone Operators refuse to undertake the work of filing of papers ?	No
5.	Has it become a condition of their service ?	Not under Schedule IV
6.	If yes whether the Bank has discretion to entrust the said work to this class of workmen ?	Yes
7.	Can the question of Telephone Operators serving elsewhere besides those serving in the New Central Office Building, Bombay can be considered in the instant reference ?	
8.	Whether any order passed finally in the matter would govern those Telephone Operators not serving in the New Central Office Building, Bombay ?	Does not arise
9.	Is the action of the management part of managerial function ?	Yes
10.	Is the action justified and legal ?	Yes
11.	If not to what relief the workmen namely the Telephone Operators serving in the New Central Office Building, Bombay would be entitled ?	Does not arise.

REASONS

5. As already seen the claim of the Telephone Operators is contested on two grounds namely it is an individual dispute which has never assumed the character of an industrial dispute and cannot be decided in a reference under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act and secondly as we have already seen the contention is that provisions of Section 9A are not attracted and therefore no relief is permissible.

6. It is not a disputed fact that there is a category of workmen in the service of the Reserve Bank of India known as Telephone Operators those operators are posted on duty in the Main Building or in the New Central Office Building or in their office situated at Byculla If we have a glance at the order of reference, it is evident that the dispute as it stands and is raised relates to the Telephone Operators as a class although the same is restricted to those operators who are serving in the New Central Office Building. It is therefore not a individual dispute as such, no Telephone Operator individually is raising any dispute but as member of a class or category they have raised the voice against the allotment of the so-called additional work namely filing of papers expected of them sometime during the office hours. The contention therefore that it is an individual dispute and not an industrial dispute, in my view can carry no force. It remains to be an industrial dispute between the Telephone Operators as a class and the management of Reserve Bank of India on the other hand and therefore when we turn to the definition of Section 2(k) of the Act there would be no difficulty to hold that it is an industrial dispute. There the definition speaks that any dispute or difference between employers and workmen which is connected with the employment or non-employment or the terms of employment or with the conditions of labour of any person shall mean an industrial dispute. As already indicated no individual workman is contesting the claim but as a class there is opposition. When we speak of a class merely because the number of Telephone Operators serving in the Reserve Bank of India as compared to the number of clerical staff is much

less, it would not be a test for coming to one conclusion or the other. It is not the number as compared to the number of other workmen in a institution but its charactership of a class or category that is going to determine the real nature of the dispute and when viewed accordingly no other conclusion is possible than to hold that it is an industrial dispute.

7. Once we come to this conclusion whether the Union which is espousing the cause of Telephone Operators is recognised or un-recognised, whether it has a substantial following or not all these questions would be pale into insignificance. Even if it is found that the Union has no substantial backing and therefore would not have espoused the cause of these Telephone Operators still by virtue of the character namely the character of an industrial dispute no conversion from individual dispute into an industrial dispute is necessary and therefore the failure on the part of the Union to produce certificate of membership which they could not produce till today would be not a factor going against the Union. The witness on behalf of the Organisation had promised, so also the representative of the Organisation that they would produce the certificate obtained from the concerned authority showing the strength of their membership which they have failed to do with the result there is no reliable evidence on record, yet for the reasons already stated in my view it does not derogate in any way the real issue namely the character of the dispute which in my view is an industrial dispute and therefore that factor should not detain us.

8. Even then it would mean only one hitch is crossed but before any relief can be granted, the Union must be in a position to prove that the management has effected change in the condition of service, that condition of service is appearing in Fourth Schedule of the Industrial Disputes Act and therefore attracts the operation of Section 9A. It is evident from the Fourth Schedule read with Section 9A, it is only when the condition of service falls within the four corners of the Fourth Schedule the notice is required to be given for effecting the change, not otherwise. Even the heading of the Fourth Schedule read "conditions of service for change of which notice is to be given". Section 9A lays down that no employer, who proposes to effect any change in the conditions of service applicable to any workman in respect of any matter specified in the Fourth Schedule shall effect such change without giving notice and without waiting for 21 days. The condition precedent therefore before these relevant provisions are attracted is whether the conditions of service from part of the Fourth Schedule. Otherwise normally what work is to be expected from the employees and what work is to be assigned and allotted, would be part of managerial function only restriction being in the case of condition which finds a place in Fourth Schedule thereby attracting the provisions of Section 9A of the Industrial Disputes Act. In the case of those conditions which do not find place in the Fourth Schedule the management is at liberty to assign any duty unless there is any settlement/agreement prohibiting them to do so, to allot or assign any work as they may chase

9. It seems that before 1970 when the orders of appointments were being issued to the Telephone Operators there was no clause but it started appearing from 1970 whereby the Telephone Operators are now required to attend to routine clerical duties whenever called upon to do so and it was also expressed that the fact that he/she is required to attend to the clerical duties will not confer on him/her any right for automatic transfer to the clerical grade. It is not disputed that this clause was inserted some time in 1970 and till then it never appeared in any of the appointment orders. Relying therefore on the absence of suitable clause in the earlier orders it was urged that this change is a change in the condition of service and may be that certain employees finding themselves unemployed might have accepted the adverse conditions, still whether such action is legal, has to be considered for the class whether some have accepted the condition of service or not, and shall be struck down if it is bad and hit by the provisions of Section 9A. Acceptance or otherwise of such conditions at the time of appointment would make no difference. There is force in this argument but even then everything would depend upon whether Section 9A is attracted and we shall have to fall back on Fourth Schedule to see whether this condition in any way finds place in the relevant Schedule.

10. It seems that the hours of duties of these Telephone Operators are fixed and further it seems that when the hours of work were decided to be extended the Organisation had lodged complaint under Section 33A of the Industrial Disputes Act but for one reason or other the complaint was not pursued. Be it as it may the fact remains that the hours of duties are fixed. In the New Central Office Building the hours of duties for the first batch for week days are from 10.15 A.M. to 5.30 P.M. and late duty batch from 11.00 A.M. to 6.15 P.M. with 45 minutes lunch break. At the same time the normal duty hours are from 10.45 A.M. to 6.00 P.M. On Saturdays because it is half-day working the duty hours for the first batch are from 10.15 A.M. to 1.45 P.M., for late duty batch from 11.00 A.M. to 2.30 P.M. and normal duty from 10.45 A.M. to 2.15 P.M. without lunch break, for any of the batches. It is then stated by the witness for the management that because of strenuous duties performed by the Telephone Operators, a rest interval of half an hour is granted after about two hours to the Telephone Operators. However, it seems to be a concession granted by the management on their own accord and till now neither in the complaint under Section 33A nor in the statement of claim this grant of half-an hour interval has figures anywhere. Furthermore we have to bear in mind that the half an hour is only when it is preceded by two hours work at the Board Finding therefore that the work at the Board is strenuous if the management of their own accord has made provision of half an hour interval that cannot be further extended to the period of work during the day and when the work is not at the Board but some other work is being performed.

11. Therefore ultimately what is required to be determined is whether the assignment of filing work to these Telephone Operators is hit by any item appearing in the Fourth Schedule. We have already seen and no repetition is necessary, that the management in the present dispute had not altered the hours of work or hours of intervals. As I have observed that no rest interval of half an hour exists unless they work on the Board and the work on other type would not carry any right for interval. Item 4 of the Fourth Schedule speaks of hours of work and rest intervals. We need not cover the whole ground again and since there is no change in hours of work nor any change in the rest interval item 4 would be of no help. It was then urged that there is withdrawal of the customary concession or privilege or change in usage and therefore this case is hit by item 8 of the relevant Schedule. In the first place no such case has been made out nor there appears any issue, so also, in my view this contention can carry no force at all. Under para. 32 of the Reserve Bank of India (Staff) Regulations, 1948 every employee of the Bank shall conform to and abide by those regulations and shall observe, comply with and obey all orders and directions which may from time to time be given to him by any person or persons other while jurisdiction, superintendence or control he may for the time being be placed. It is not the version of the Organisation that the relevant order is by an authority not competent to do so. Therefore if the employees are expected to perform duties as assigned to them and obey those orders merely because in the past certain duties were not assigned would not create privilege and concession so as to attract item 8 of the Fourth Schedule.

12. Once it is found that the case does not fall under any of the items of Fourth Schedule, Section 9A cannot be relied upon and if Section 9A does not come to the rescue of the Telephone Operators no question of following the procedure would arise. If therefore no notice was given before the change was introduced sometime in 1970 whereby the Telephone Operators were asked to perform filing duties that would not invalidate the action of the management. It is not that the management is asking the Telephone Operators to work on Board and also simultaneously do filing work, otherwise it would mean saddling with double work. During the course of the day, the witness of the management Shri Abdul Karim Ibrahim Chowgule says, when there is no work at the Board and when the Telephone Operators are sitting idle these duties of filing are entrusted to them. If therefore, they are not serving at the Board and at the same time expected to perform certain duties as assigned under the Staff Regulations the entrustment of some other type of work would not amount to change of service condition that too under item 4 of the Fourth Schedule.

13. The result is that although it is an industrial dispute since Section 9A cannot be ushered into service the absence of notice does not in any way invalidate the action of the

management, who have got every right in the managerial capacity to expect a particular work from these employees. There seems some hardship is caused to these Telephone Operators in the matter, on one hand they are being saddled with clerical work at the same time they remain as Telephone Operators till the end. However since the action is not hit by any of the provisions of the Act no relief on this count alone is permissible.

14. Shri Pandey, the President of the Organisation has appeared in this proceeding to represent the workmen and pleaded the cause of the Telephone Operators and therefore there was a request that any time spent for conducting the proceeding should be treated as period of duty. In this connection it is certainly a noticeable fact that the Officers of the Reserve Bank of India when they represent the Bank they are treated as on duty and the period spent by them is never treated as leave. Against this when the Union representative though in the service of the same Bank is expected to perform similar type of work neither any concession nor the time spent is treated on duty but he has to avail of whatever leave is permissible to him. In my view some injustice is caused and certainly I would have come to the help of the Union but because of the observations of their Lordships of Supreme Court in Rohtas Sugar Limited Vs. Mazdoor Seva Sangh, 1960 (I) LLJ page 567 where the order of the Tribunal allowing Travelling Allowance and Halt Allowance and special leave to workmen attending proceedings of necessity was set aside, I cannot do so. Even then the Reserve Bank of India as a prudent employer should consider this point and for industrial harmony's sake when remedy like industrial adjudication has been prescribed, and when the President or the General Secretary of the Union attends such proceeding, they should sympathetically consider why his absence cannot be treated as on duty, particularly when no Advocate as representative of the workmen, is pleading the case.

M. A. DESHPANDE, Presiding Officer
[No. L-12011(69)/83-D. II(A)]

का. आ. 1072—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, बैंक आफ महाराष्ट्र के प्रबंधतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण नं० 2, बम्बई के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 20-2-85 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 1072.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Bombay as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the Bank of Maharashtra and their workmen, which was received on the 20th February, 1985.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 2, BOMBAY

PRESENT :

Shri M. A Deshpande, Presiding Officer

Reference No. CGIT-2/34 of 1984

PARTIES :

Employers in relation to the Management of Bank of Maharashtra, Bombay.

AND

Their Workmen.

APPEARANCES :

For the Employers—Shri R. M. Nijampurker, Officer, Staff Division.

For the Workmen—Shri R. D. Jog, President, Bank of Maharashtra Karamchari Sangh.

INDUSTRY : Banking STATE : Maharashtra

Bombay the 8th February, 1985

AWARD

(Dictated in the open Court)

By their Order No. L-12012/28/83-D.II (A) dated 6-12-1984 the following dispute has been referred for adjudication under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act :—

"Whether the action of the management of Bank of Maharashtra in relation to their Bombay Branch in terminating the service of Shri S. K. Kodilkar, sub-staff, w.e.f. 14-1-83 is justified ? If not, to what relief is the workman concerned entitled ?"

2. Although the orders of reference speaks of termination of service of Shri S. K. Kodilkar and does not refer it as dismissal though in fact he has been dismissed, because larger includes the smaller, the failure to mention dismissal and user of the word termination as held by order dated 29-1-1985 would not in any way prove derogatory to the order of Reference, and we have to see the validity or otherwise of the dismissal which ultimately severed the relationship between the parties. In this connection it is also pertinent to note that on page 145 in paragraph 522 of the Sastri Award dismissal by way of disciplinary action is treated as one of the methods of termination and therefore although the final order is of dismissal while the order of reference speaks of termination I have proceeded with the matter further.

3. Before we turn to the contentions raised by the respective parties reference to certain events would be necessary. The workman concerned Shri S. K. Kodilkar was a member of Sub-staff and the charge against him was in the absence of a Depositor behind his back he was withdrawing money from his Bank account. Ultimately when it was decided to hold an enquiry by order dated 22-12-1977 passed by the Joint General Manager, Administration and Industrial Relations. Shri S. S. Therabe, Officer Bombay Suburban Division was appointed as Enquiry Officer, Shri M. B. Baldawa, Divisional Manager, Staff and Industrial Relations was appointed as Disciplinary authority while Shri C. G. Pradhan, Zonal Manager, Western Zone, Bombay was appointed as Appellate Authority. As already stated this was on 22-12-1977.

4 On the strength of the chargesheet and the order of appointment, the Enquiry commenced and ultimately the Enquiry Officer submitted his report on 29-12-1983 noting the findings against the delinquent workman and holding him guilty on the strength of which on 13-1-1983 an order of dismissal was passed by Shri S. A. Joshi who had by then succeeded as Divisional Manager, Staff and Industrial Relations, Shri Baldawa who was initially appointed as Disciplinary authority. It may be mentioned that subsequent to order dated 22-12-1977 there was no fresh order issued by the Joint General Manager appointing Shri S. A. Joshi as Disciplinary Authority in the matter.

5. The Union who is espousing the cause of the workman now therefore contends that since the order of dismissal is not by Shri M. R Baldawa but by Shri S. A. Joshi, the said order is invalid, not being passed by the competent authority and therefore the action of the Bank is not at all justified and the workman is entitled to suitable relief.

6. To this Bank's reply is that the appointment of Shri Baldawa was not in his personal capacity but it is the capacity of Divisional Manager, Staff and Industrial Relations and therefore on his transfer when Shri S. A. Joshi succeeded him, by virtue of the post held by Shri S. A. Joshi namely the post of Divisional Manager, Staff and Industrial Relations he was entitled to proceed in the matter, no fresh order appointing him as Disciplinary Authority being necessary in the matter. It is further urged that the Divisional Manager, Staff and Industrial Relations, being the appointing authority in the case of Sub-Staff by virtue of his being appointing authority, he has every power to act as the Disciplinary authority under General Law and therefore the order passed by Shri S. A Joshi, does not suffer from any infirmity.

7. On the strength of the above pleadings the following issues arise for determination and my findings are :—

ISSUES	FINDING
(i) Was the Divisional Manager, Mr. S. A. Joshi (Staff and I. R.) competent to pass the order of dismissal ?	No
(ii) If not, whether the order of dismissal is justified ?	Order of dismissal is justified.
(iii) If not to what relief the workman is entitled ?	As per order.

REASONS

8. It was urged on behalf of the Bank by Shri Nijampurkar that under the General Law the appointing Authority is also conferred with the powers of Disciplinary authority and therefore Shri S. A. Joshi in his capacity as Divisional Manager, Staff and IR had every right and power to pass the order of dismissal. No doubt under General Law this proposition is very sound but then either by suitable regulation or either by settlement or award the parties may bring about a change and may curtail or augment the powers to be exercised certain authorities. Here the first change was effected by the Award what is known as Sastri Award and then again there was a confirmation of the said change by Bipartite Settlement of the year 1966. Consequently if the parties by their own action have restricted the powers of the authorities and laid down certain specific procedure, it is not the General Law but the law as contemplated by the parties which would govern the right of the employers and the employees. We therefore cannot fall back on General Law to hold that the Appointing Authority is also by virtue of his post becomes the Disciplinary Authority empowered to take suitable disciplinary action like the action of dismissal.

9. As already stated the departure from the General Law was effected by the Sastri Award which on page 145 paragraph 521(12) stated "it also seems to us necessary that a bank should decide which officer shall be empowered to take disciplinary action in the case of each office or establishment and that it should also make provision for appeals against orders passed in disciplinary matters to an officer or a body not lower in status than the manager who shall if the employee concerned so desirous in a case of dismissal hear him or his representative before disposing of the appeal. We direct accordingly and further direct that the names of the officers or the body who were empowered to pass the original orders or hear the appeal shall from time to time be published on the Bank's notice board. that an appeal shall be deposed of as early as possible, and that the period within which an appeal can be preferred shall be forty-five days from the date on which the original order has been communicated in writing to the employee concerned". Although such was the Award the parties have applied the General Law at the time of their Bipartite Settlement but here again by clause 19.14 of the Bipartite Settlement of the year 1966 certain procedures were laid down and the relevant procedure is thus :—

> "The Chief Executive Officer or the principal Officer in India, of a bank or an alternate officer at the Head Office or principal office appointed by him for the purpose, shall decide which officer(s) shall be empowered to hold enquiry and take disciplinary action in the case of each office or establishment. He shall also decide which officer or a body higher in status than the officer authorised to take disciplinary action shall be empowered to deal with and dispose of any appeals against orders passed in disciplinary matters. The names of such officers or the body who are empowered to pass the original orders or hear and dispose of the appeal shall from time to itme, be published on the bank's notice board. Such appellate authority shall, if the employees concerned is so desirous, in a case of dismissal, hear him or his representatives before disposing of the appeal. In cases where hearings are not required, and appeal shall be disposed of within two months from the date of receipt thereof. In cases where hearing are required to be given and are requested for, such hearings shall commence within one month hearings are not required, and appeal shall be from the date of receipt of the appeal and shall be disposed of within one month from the date of conclusion of such hearings. The period within which an appeal can be preferred shall be 45 days from the date on which the original order has been communicated in writing to the employees concerned."

10. Even a cursory glance to these two provisions would reveal that the Chief Executive Officer or the principal officer in India of a bank, or an alternative officer at the Head Office or principal office appointed by him has power to decide which officer shall be empowered to hold enquiry and take disciplinary action in the case of each office or establishment. Nothing therefore is left to any imagination but specific power has been conferred and duty cast on the Chief Executive Officer to name these officers namely the Enquiry Officer and the Disciliary authority. This is in pursuance of the understanding or settlement between the Banks on one hand, Bank of Maharashtra being one of them and their employees on the other and therefore when the question about the authority of a particular officer arises, we shalll have to go through these provisions and can never rely upon the General Law of procedure. It seems that subsequently a third Bipartite Settlement was arrived at. Certain difficulties which might have been experienced were tried to be removed and provision was made whereby these authorities were to be nominated by designation. We have already seen that the order in the instant case was passed on 22-12-1977 i.e. much before the Third Bipartite Settlement was entered into and even the order was based under the Bipartite Settlement of 1966. On 22-12-1977 no appointment could have been made by designation because the third Bipartite Settlement was not signed consequently as the provisions then stood the appointment was by name and even the order speaks in the same manner.

11. The order dated 22-12-1977 was passed regarding the enquiry to be conducted against Shri Kodilkar. It was therefore not a general order. I can understand the general order specifying the general procedure and appointing various authorities in which case the question may arise whether the appointment was by name or by designation but when the order was passed in specific enquiry and therefore applicable to the said enquiry and none else, there was no question of appointment my designation but necessarily the appointment must be held to be by name and even the order reads accordingly. Had the authority's designation been named, there was no question in the first place stating the name much less the question of sending the notices to those authorities in their names. When therefore we read the order from the beginning no other conclusion is possible than to hold that the appointment of the disciplinary authority was of Shri M. R. Baldewa and none else. If therefore on transfer of Shri Baldewa the Divisional Manager, Staff and IR proceeded with the enquiry since it was the appointment of Shri Baldewa as Disciplinary Authority, another order by the Joint General Manager conferring the very power on other office was necessary which as records stand was never passed and merely because at later stage Shri S. A. Joshi, succeeded in his place as Divisional Manager, Staff and I.R., his assumption of office of the Divisional Manager, Staff and I.R. though might have conferred other powers, he could not have assumed the powers of Shri Baldewa as Disciplinary authority in the case of Shri Kodilkar. There was therefore great force in the contention that the order passed by Shri S. A. Joshi was without any authority and since he had no such authority the order becomes invalid.

12. It was tried to be urged that the workman did not raise the dispute regarding the authority of Shri S. A. Joshi during conciliation proceedings. It was not the objection or consent of the workman concerned which would confer or take away the powers of the Disciplinary Authority but it was the Joint General Manager's order who was to grant or withdraw the same and therefore even if the delinquent employee did not raise any objection, that would not cure the defect which subsisted.

13. It was urged that no appeal was filed against the order of dismissal and hence the present order of Reference becomes premature. Here the very order is defective because it is passed by an authority having no power to pass the order of dismissal, so merely because no appeal was preferred the Reference cannot be rejected. The defect remains as it is and when it goes to the very root of the relevant order the

14. Once we arrive at this conclusion the effect would be that the order passed against Shri Kodilkar had to be held to be invalid having been passed by the Divisional Manager not appointed to do and the declaration will have to be given.

15. Even then as the reference stands what is referred is the justifiability of the action, not legality. If therefore from the circumstances of the case I am convinced that the employee does not deserve to continue in service by virtue of the misconduct as proved then although the order as it stands is found to have been passed by an authority having no power, still it may render the action invalid but at the same time shall remain justified if the circumstances warranted it. I have already stated that the charge against the employee was that he was surreptitiously withdrawing the money from the Bank Account of an absentee depositor. This conduct is most blame-worthy and if the employee of such type whether he belongs to clerical or sub-taff is allowed to continue in the Bank, the Bank Depositors' money would not be safe. Despite my other findings therefore I hold that action ultimately taken is justified and therefore no relief is admissible. The only effect would be that the order of Shri Joshi shall be substituted by the Award of this Tribunal in which case till this date the employee shall be entitled to the remuneration as per the provisions of the Bank namely one half of wages which normally he would have drawn had he continued under suspension. Wages in case during this period are revised, the employee shall also get the benefits thereof.

16. As in the case when the enquiry is found to be defective opportunity has to be given to the employer to prove the charge similarly when there is no challenge to the enquiry but only to the last order passed by the authority, when such an order is found to be without authority, opportunity will have to be given to justify the order and having regard to the circumstances as revealed in the enquiry which are not challenged, the order of dismissal is the only order but the only effect would be that the same shall take effect from the date of this Award.

M. A. DESHPANDE, Presiding Officer.

[No. L-12012(281)83-D.II (A)]

का. आ. 1073.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, यूनियन बैंक आफ इंडिया के प्रबंधतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण अहमदाबाद के पंचाट को प्रकाशित करती है जो केन्द्रीय सरकार को 19-2-85 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 1073.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Ahmedabad, as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the Union Bank of India and their workmen, which was received by the Central Government on the 19th February, 1985.

BEFORE SHRI G. S. BAROT, INDUSTRIAL TRIBUNAL, (CENTRAL) AT AHMEDABAD

Reference (ITC) No. 14 of 1981

ADJUDICATION

BETWEEN

Union Bank of India, Ahmedabad — First Party

AND

The workmen employed under it. — Second Party.

In the matter of withdrawal of payment of special allowance for operating Telex Machine to Shri R. D. Parmar.

AWARD

This is a reference made by the Government of India under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947, vide the Government of India, Ministry of Labour, Order No. S.O. dated 30th July, 1981 in respect of Bank's desire to withdraw the payment of special allowance for operating Telex Machine to Shri R. D. Parmar.

2. Before this reference can be heard and finally disposed of Shri P. S. Chari, the learned Advocate for the second party has given the pursish Ex. 4 to the effect that the second party i.e. the Union may be permitted to withdraw the demand. The reference is, therefore, disposd of as withdrawn. No order as to costs.

Ahmedabad,

4th February, 1985.

G. S. BAROT, Presiding Officer

[No. L-12012(216) 80-D. II(A)]

N. K. VERMA, Desk Officer.

नई दिल्ली, 22 फरवरी, 1985

का. आ. 1074.—केन्द्रीय सरकार ने यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना अपेक्षित था औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खण्ड (ढ) के उपखण्ड (vi) के उपबन्धों के अनुसरण में भारत सरकार के श्रम और पुनर्वास मंत्रालय श्रम विभाग की अधिसूचना संख्या का. आ. 2922 दिनांक 27 अगस्त 1984 द्वारा मैगनेसाइट खनन उद्योग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए 7 सितम्बर, 1984 से छ: मास की कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित किया था।

और केन्द्रीय सरकार की राय है कि लोकहित में उक्त कालावधि को छ: मास की और कालावधि के लिए बढ़ाया जाना अपेक्षित है,

अतः अब औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खण्ड (ढ) के उपखण्ड (vi) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त उद्योग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए 7 मार्च, 1985 से छ: मास की और कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित करती है।

[सं० एस०-11017/3/81-डी 1(ए)]

एस० एच० एस० अय्यर, अवर सचिव

New Delhi, the 22nd February, 1985

S.O. 1074.—Whereas the Central Government having been satisfied that the public interest so required had, in pursuance of the provision of sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), declared by the notification of the Government of India in the Ministry of Labour & Rehabilitation S.O. No. 2922 dated the 27th August, 1984 the Magnesite Mining Industry to be a public utility service for the purposes of the said Act, for a period of six months, from the 7th September, 1984;

And whereas, the Central Government is of opinion that public interest requires the extension of the said period by a further period of six months;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby declares the said industry to be a public utility service for the purpose of the said Act, for a further period of six months from the 7th March, 1985.

[No. S-11017/3/81-D. I(A)]

S .H. S. IYER, Under Secy.

नई दिल्ली, 23 फरवरी, 1985

शुद्धि पत्र

का. आ. 1075.—इस मंत्रालय के आदेश संख्या एल-41012/64/83-डी-2 (बी) दिनांक 21 जुलाई, 1984 की अनुसूची में "11-6-83" के स्थान पर "11-6-73" पढ़िए।

[संख्या एल-41012/64/83-डी-2 (बी)]

हरी सिंह, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 23rd February, 1985

CORRIGENDUM

S.O. 1075.—In Schedule to this Ministry's Order No. L-41012(64)/83-D.II(B) dated the 21st July, 1984 for the figures "11-6-83" read the figures "11-6-73".

[No. L-41012(64)/83-D. II(B)]
HARI SINGH, Desk Officer

New Delhi, the 25th February, 1985

S.O. 1076.—In terms of reference, appended as a schedule to the Ministry of Labour's order No. L-31013/1/84|4.IV(A) dated 24-2-84 the word "Cook" may be added after the work "General Attendant".

[No. L-31013/1/84-D. IV(A)]
K. J. DYVA PRASAD, Desk Officer.

नई दिल्ली, 25 फरवरी, 1985

का.आ. 1077.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, डिपार्टमेंटल केन्टीन डा. राम मनोहर लोहिया हस्पताल नई दिल्ली के प्रबन्धतन्त्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबन्ध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, नई दिल्ली के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 15 फरवरी, 1985 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 25th February, 1975

S.O. 1077.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Goverment Industrial Tribunal, New Delhi, as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employer in relation to the Management of Departmental Canteen, Dr. Ram Manohar Lohia Hospital, New Delhi and their workmen, which was received by the Central Government on the 15th February, 1985.

BEFORE SHRI O. P. SINGLA, PRESIDING OFFICER : CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL : NEW DELHI

I. D. No. 71|81

In the matter of dispute between :

Shri Banwari Lal S|o Shri Narain Singh,
R|o-C|o 48 A, D.D.A. Quarters,
Mata Sundri Road, New Delhi.

2. Shri Khushal Singh S|o Shri Dhyan Singh.
C|o 48 A, D.D.A. Quarters, Mata Sundri Road.
New Delhi

Versus

The Management of Departmental Canteen.
Dr. Ram Manohar Lohia Hospital.
New Delhi.

APPEARANCES :

Shri H. K. Pathak for the workmen.

Shri V. K. Khanna for the management.

AWARD

Central Government, Ministry of Labour vide Order No. 42012(13)|81-D. II(B) dated 10-6-81 made reference of the following dispute to this Tribunal for adjudication :

"Whether the action of the employer of Departmental Canteen of Dr. Ram Manohar Lohia, Hospital, New Delhi, in terminating the services of Shri Banwari Lal, Halwai w.e.f. 16-10-80 and Shri Khushal Singh, Bearer with effect from 27-9-80 is legal and justified - If not, to what relief are the concerned workmen entitled ? "

2. Shri Banwari Lal Halwai and Khushal Singh Bearer were engaged by Management of Departmental Canteen in Dr. Ram Manohar Lohia, Hospital, New Delhi in 1976 in scale 77—192|- with allowance. There case is that the secetary of the Cantten Committee was rude and threatened the workmen to get them beaten by the police and to implead them in some false cases. The workers raised demand for reinstatement but were turned out by the Management without enquiry on 16-10-80 and 27-9-80 respectively. The Management did not attend Conciliation Proceedings and the reference was made to this Tribunal. It is trade union activities of the two workmen that were said to have made the management inimical to them and the Management wanted to run the canteen with greedy and selfish motives. They claimed reinstatement in service with full back wages and continuity of service.

3. The Management contested the claim and the Hospital was said to be not an 'industry' under section 2(j) of Industrial Disputes Act, 47. Mr. Khushal Singh bearer is said to have the order of termination of service revoked on 26-11-80 and to have joined back and the reference in respect to him was said to be liable to rejection.

4. In respect of Banwari Lal, it was pleaded that he had once earlier been warned on 6-8-80 for similar conduct on 30-7-80 and on 15-10-80 when he worked as Halwai he prepared 140 Pakoras from 2 kg. potatos and gave only 120 Pakoras to Counter Clerk and kept back 20 Pakoras for separate selling. He admitted his guilt before the Departmental Canteen Commitee and his services were terminated for his grave misconduct.

5. The following issues were framed :

1. As in terms of reference.

2. Whether the reference is bad in law as pleaded by the Management.

6. I have heard detailed arguments of the parties representatives after recording the evidence of MW-1 Zile Singh, Secretary Canteen Committee, Madan Lal MW-2 and Dr. Raizada, MW-3 the then Chairman, Departmental Canteen Committee in the Hospital. The workmen gave their own affidavits and have been cross-examined.

7. In relation to Khushal Singh the order of revocation of his dismissal order dated 27-9-80 is on record and that order was issued on 26-11-80 in the following terms :

"Reg : Termination of Shri Khushal Singh, Bearer.

The comments are as under .

Shri Khushal Singh son of Shri Dhyan Singh, Bearer made an appeal and case was reopened and an inquiry was made. He was reinstated after that.

Sd|-
(DR. K. RAIZADA)
Chairman
Departmental Canteen, Dr. R.M.L. Hosp.
New Delhi."

8. It is asserted by the workmen that this order is late and forged one but that does not seem to be the case because the workman Khushal Singh admits that he made an appeal against termination of his service and he further admits that Ext. M-2 is signed by him and this is the pay bill of the Departmental Canteen for December, 80 in which Rs. 267|- are shown as payable to him. The fact whether Khushal Singh got the payment or not is not in question but the fact of his working in the Canteen in December, 80 is admitted by him and this can only be related to his services having been continued and the same can only relate to an order of revocation of the previous order of September, 1980 and, therefore, this Tribunal does not have the termination to by Dr. K. Raizada. It is believed that the termination of services of Khushal Singh was revoked by the Management on 26-11-80 and he was allowed to work in December, 80 and, therefore, this Tribunal does not have the termination of services for disciplinary action as a matter in issue to be decided by it the Management contention on that point is correct.

9. In so far as the case of Banwari Lal is concerned, there is, admission made by him on record in regard to

his alleged guilt in the matter and that is Ex.-H produced by the Management. It is in Hindi. Its English Translation is in the following terms :

"I, Banwari Lal who am working as Halwai here today on 15-10-80 made 140 Pakoras from 2 kg. Potatoes and I gave 120 Pakoras on the Counter and got 120 Pakoras recorded there and kept 20 Pakoras seperately for being sold and this is my first mistake. I will not again do so and I may be forgiven."

10. Before this Tribunal Madan Lal has pleaded that he was threatened that he would be sent to Tihar Jail and threat was given to him by Zile Singh and the Chairman and that the police have been phoned and under threat of police torture he signed this statement and that a large number of employees of the Departmental Canteen on 31-7-80 had complained to the Medical Superintendent for taking strong action against Zile Singh, Secretary, Cantten Committee who demanded eatable goods from them and not to take the coupen. Both Zile Singh and Dr. K. Raizada Chairman, Departmental Canteen Committee have been examined and I have no doubt that Dr. K.Raizada who is now serving I have no doubt that Dr. K. Raizada who is now serving Dr. Ram Manohar Lohia Hospital is a trustworthy person and his denial of any threat of pressure on Banwari Lal is credible and correct. He has categorically stated that there was no threat at all to anyone of them and that there was such a strong Union and the question of threat did not arise at all and there was an emergency meeting when there was a complaint of misappropriation of Pakoras and selling it without coupons and earlier also Banwari Lal has been warned for similar act and that action has been taken in the interest of the reputation of the Canteen.

11. No enquiry need be held if facts alleged are admitted by the workman. If the written document filed by the workman and signed by him was in fact voluntary made by Banwari Lal, no departmental enquiry was called for. I am satisfied from the evidence of Dr. K. Raizada that the writing produced before the Departmental Canteen Committee was got verified from Banwari Lal and Banwari Lal admitted it to be voluntary and correct and that Banwari Lal was not threatened with any police torture and that he made the confession on his own.

12. Banwari Lal seems to have turned round and alleged torture threat only because his hope of being forgiven did not materialise and the Management took stern action of his dismissal. Banwari Lal is not believed.

13. So far as Madan Lal MW-2 is concerned, he filed an affidavit even before this Tribunal but in cross-examination went over to the other side and made statement in support of the workmen. He seems to be a person of uncertain character and incredibility and his evidence is ignored.

14. I am satisfied that the Confession made by Banwari Lal in writing and submitted to the Departmental Canteen Committee was in order and was voluntary and could be acted upon and no further enquiry was needed.

15. As regards the question of calling the manager in evidence is concerned the management could not call him because he has also been dismissed.

16. On the question of punishment a detrent punishment to Banwari Lal was in order when he cheated not only the hospital but also the customers who included patients and other staff and action of the Management does not call for any interferences.

17. In the light of the foregoing discussion, the action of the Management of Dr. Ram Manohar Lohia Hospital Canteen Committee is held to be justified in the case of Banwari Lal and is found to have been revoked and reinstatement ordered in the case of Khushal Singh ad Award is made accordingly.

FEBRUARY 11,1985.

O. P. SINGLA, Presiding Officer
Central Govt. Industrial Tribunal New Delhi

Further it is ordered that the requisite number of copies of this Award may be forwarded to the Central Government for necessary action at their end.

O. P. SINGLA Presiding Officer
[No.L-42012|13|81-D. II(B)]

February 11, 1985.

का.आ. 1078.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, जनरल मैनेजर (टेलीकम्यूनिकेशन्स) भोपाल के प्रबन्धतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबन्ध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय औद्योगिक अधिकरण, जबलपुर के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 12 फरवरी, 1985 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-40012/9/83-डी II (बी)]

S.O. 1078.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur (M.P.), as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of General Manager (Telecommunications), Bhopal and their workmen, which was received by the Central Government on the 12th February, 1985.

BEFORE JUSTICE SHRI K. K. DUBE, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

Case No. CGIT/LC(R)(45)/1984

PARTIES :

Employers in relation to the management of General Manager (Tele-communications), Bhopal and their workmen, Shri Sunil Sen and seven other workmen named in the Schedule to the order of reference, represented through Shri B. L. Tiwari Circle Secretary, Bhartiya Telecom Technicians Employees Union, M.P. Circle, Bhopal (M.P.)

APPEARANCES :

For Workmen—Shri B. L. Tiwari.
For Management—Shri K. C. Sharma.

INDUSTRY : Telecommunication. DISTRICT : Bhopal (M.P.)

AWARD

Dated, January 31, 1985

The Central Government in exercise of its powers conferred under Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, referred the following matter for adjudication vide Notification No. L-40012(9)83-D.II(B) dated 13th June, 1984:—

"Whether the action of the management of General Manager (Telecommunications) Bhopal in terminating the services of S/Shri Sunil Sen, Abdul Rafiq, Abdul Naim, Shantaram Radke, Nathoo Atkar, Ram Sahay Sharma, M.S. Pandey, R. Vinod w.e.f. 31-5-83 without payment of retrenchment compensation etc. and instead employing new persons sponsored by the local Employment Exchange is justified ? If not, to what relief the workmen concerned are entitled ?"

2. The facts in this case lie in a very brief compass. Eight workmen were all casual employees of the Telecommunications. P&T Department. For a regular recruitment in the Postal services as labour they have to be sponsored by the Employment Exchange. However, these workmen being casual workers were employed by the Postal Department though they had not been sponsored by the Employment Exchange. It is undisputed that all the eight workmen have completed more than 240 days before the last date they were employed by the Post and Telegraph Department. Some of them have worked for nearly four days. Practically everyone had been

employed by the Postal Department for about two years. As stated by the workmen and as would be clear from the order of reference they were not given employment after 31-5-1983 and instead some other persons were employed in their place. The question, therefore, that arises is whether the department was justified in doing so, the above workmen having completed 240 days within a period of 12 months before 31-5-1983. The answer is not difficult to seek. Since the postal department is an industry it is governed by the provisions of the Industrial Disputes Act. Section 25F lays down that no workman employed in any industry who has been in continuous service for not less than one year under an employer shall be retrenched by the employer until certain conditions provided in the section have been fulfilled. Section 25B of the Act provides that for the purpose of this Chapter and for the purposes of the Section a workman shall be said to be in continuous service for a period of 12 months if he is in the uninterrupted service including service which may be interrupted on account of sickness or authorised leave or an accident or a strike which is not illegal or a lockout or cessation of work which was not due to any fault on the part of the workmen. The workmen concerned here being casual labourers were only called for work when necessary. Naturally, they would not come within the definition of continuous service as provided in Subsection (1) of Section 25B. However, Section 25B(ii) lays down that where a workman is not in continuous service within the meaning of Clause (i) for a period of one year or six months he shall be deemed to be in continuous service under an employer—

(a) for a period of one year, if the workman during a period of twelve calendar months preceding the date with reference to which calculation is to be made, has actually worked under the employer for not less than—

(i) one hundred and ninety days in the case of a workman employed below ground in a mine; and

(ii) two hundred and forty days in any other case.

The workmen concerned here have worked for more than 240 days. Therefore they will be deemed to be in continuous service for more than a year. That being so, Section 25F is clearly attracted. Since the mandatory provisions as provided in Section 25F were not observed their termination from services is void. The effect of the continuous service rendered by the workmen concerned would be that they were entitled to be continued in the work and if the management wanted to dispense with their services they have to be retrenched according to the provisions of the Industrial Disputes Act and particularly Section 25F, Section 25G and 25H. I would, therefore, direct that the above workmen are entitled to be continued in work.

3. The question then would arise about their back wages. The workmen have stated before me that if they are regularised they would not make any claim for back wages. The management here pointed out that the instructions are that they should not recruit any one who had not been sponsored through the Employment Exchange. It would be seen that the instructions given to them cannot over ride the provisions of the Indusrtial Disputes Act. I would direct that the above applicants be absorbed in the department according to their seniority as and when vacancies arise. They are certainly entitled to be employed in preference to those casual labourers who have been recruited subsequently. As regards back wages I direct that if the department absorbs the above eight applicants within a period of two months they will not get any back wages. However, if such order is not made within two months from today the applicants would get half the back wages and would be entitled to re-employed as stated earlier. There shall, however, be no order as to costs in the peculiar circumstances of the case.

K. K. DUBE, Presiding Officer

[No. L-40012/9/83-D.II(B)]

नई दिल्ली, 26 फरवरी 1985

का. आ. 1079.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार गार्ड ईस्टर्न रेलवे गोरखपुर के प्रबंधतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण कानपुर के पंचाट को प्रकाशित करती है जो केन्द्रीय सरकार को 15 फरवरी 1985 को प्राप्त हुआ था ।

New Delhi, the 26th February, 1985

S.O. 1079.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Kanpur as shown in the Annexure, in the Industrial dispute between the employers in relation to the management of North Eastern Railway, Gorakhpur and their workmen, which was received by the Central Government on the 15th February, 1985.

ANNEXURE

BEFORE SHRI R. B. SRIVASTAVA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL, KANPUR

I.D. No. 223 of 1983

In the matter of dispute between,
Shri Mohibulla Driver workman,

2. Sri Nabi Husain, Loco Instructor, Gorakhpur.

AND

The General Manager North Eastern Railway, Gorakhpur.

AWARD

1. The Central Government, Ministry of Labour, vide order no. L-41012(18)/82-D. II(B) dt. 25 August, 1983, made the reference of the following disputes to this Tribunal for adjudication :—

"Whether the action of the management of North Eastern Railway, Gorakhpur, in retiring S/Shri Nabiulla, Driver, Grade B Mailani and Sri Nabi Husain Loco Instructor Locoshed, Gorakhpur, w.e.f. 4-8-75 & 2-5-76 is justified ? If not, to what relief they are entitled ?".

2. The case of the workmen is that Shri Mohibulla was initially recruited in the management railway on 10.12.36 and the other workman Sri Nabi Husain was recruited on 11.9.40. After the change of management railway at the various stages they were lastly working with the north eastern railway at the time of premature retirement. Workman Sri Mohibulla was working as a driver with Head Quarter at Mailani Distt. Lakhimpurkhiri, when he was premature retired from 4-8-75. The other workman Sri Nabi Husain was working as a driver instructor when he was prematurely retired on 2-5-76 Shri Mohibulla was retired by senior D.M.E./NE Railway Lucknow and Sri Nabi Husain was retired by General Manager NE Rly Corakhpur. Both employees went in appeal against their premature retirement but to no avail. Shri Nabi Hasan also filed a writ in the Hon'ble High Court at Allahabad, which was turned down with instruction for exhausting departmental remedies first through review petition etc. Both the employees filed review petitions but Shri Nabi Hasan received no reply.

3. The Railway administration lateron considered the review petition of Sri Mohibulla and it was decided on 21-5-82 that the period of premature retirement should be treated as leave without pay upto 30-6-76, the date of his due supperanuation. Thus in proprietory of premature retirement was accepted by the Administration side. Premature retirement in case of Mohibulla was ordered by Sr. D.M.E. whereas the management had itself admitted in para 20 of Annexure G a copy of the written statement filed in civil suit before Civil Judge, Gorakhpur, that the appointing authority in the case of Shri Nabi Hasan was the General Manager of North Eastern Railway. In the absence of any application by the workman Mohibulla to treat his period from the date of premature retirement to the date of

superannuation i.e. 30-6-76 was not just and proper. Further no reason was recorded for with-holding his salary of the intervening period.

4. The management in their w.s. have averred in para 2 that the compulsory retirement of Sayed Nabi Hasan by the General Manager was in public interest rather than as a measure of punishment or casting any stigma on him.

5. In the case of Mohibulla the stand of the management is that he too was retired in the public interest the same would not amount to punishment.

6. Sri Nabi Hasan was originally retired by D.S., N.E.R. Lucknow on 21-7-75 and on review was retired by the General Manager on 2-3-76, when he was due to retire on superannuation on 30-6-79, his appeal to the Railway Board, was not forwarded by the GM.N.E.R.

7. Both the workmen have filed affidavits in support of their case set out in the claim statement. But the respondents despite information did not appear to cross examine them and the case proceeded exparte against the management.

8. The stand of the management in the written statement is that the workman had been retired prematurely under rule 2046 (J) of the Railway Establishment Code Volume II and rule 620(2) of the Pension Rules in the public interest after giving three months pay in lieu of notice. It is well settled preposition of law that dismissal, removal and compulsory retirement cannot be made by an authority lower in rank than the appointing authority. In the absence of consent of Mahibulla treating him leave without pay he should have been treated on duty from 4-8-75 to the age of his superannuation. Under rule 2042 of the Railway Establishment Code Vol. II it is laid down that authority competent to reinstate a railway servant after his compulsory retirement should record a ruling as to how intervening period was going to be treated. In case the salary of the remaining period is proposed to be withhold the competent authority has to serve a show cause notice on the workman and after obtaining workman explanation there on and after recording reasons in writing thereafter the pay of intervening period could be withhold. In the instant case no such notice was served on Mohibulla nor any reason was recorded by the officer ordering premature retiement why the intervening period was held to be leave without pay. The order is liable to be set aside on that ground also.

9. On the point whether the retirement of the two workman was in the public interest. The retirement order does not speak as it is not a speaking order. In Baldeo Raj Chedda Vs. Union of India 1981 S.C. Cases (Labour and services) Page 1 it was held.

> "Wherein an order is challenged and its validity depends its being supported by public interest the state must disclosed the material so that the court may be satisfied that the order is not bad for want of any material whatever which, to a reasonable man resonably interested in law is sufficient to sustain the grounds of public interest justifying forged retirement of the public servants. Judges cannot substitute their judgement for that of the Administrator but they are no absolved from the minimal review well settled in the administrative law and founded on constitutional obligations. This limitations on judicial power in this area are well known and the court is confined to an examination of the material merely to see whether a rational mind may conceivably be satisfied that the compulsory retirement of the officer concerned is unnecessarily in public interest."

10. There is nothing on record from the side of the management where from the fairness that it was in public interest he could be adiudged rather annexure F shows that the manage ment stand their was of unsatisfactory working of the workman

11. In view of the reasons and law discussed above the order of premature retirement by the management was not justified.

12. I, therefore, give my award that the action of the management of North Eastern Railway Gorakhpur, in retiring S/Shri Mahibulla Driver Gr. B Mailani and Sri Nabi Hasan Instructor Loco Shed Gorakhpur, w.e.f. 4-3-75 and 2-5-76 is not justified Shri Mohibulla is entitled to full pay and allowances in the date of superannuation from 4-8-75, similarly Sri Nabi Hasan will get his ful pay and allowances from 2-5-76 to the date of his superannuation.

R. B. SRIVASTAVA, Presiding Officer
[No. L-41012(18)/82-D. II(B)]

का. आ. 1080.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार डिविजनल रेलवे मैनेजर नार्दर्न रेलवे लखनऊ के प्रबंधतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण कानपुर के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 15 फरवरी 1985 को प्राप्त हुआ था ।

S.O. 1080.—In pursuance of section 17 of the Industial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Kanpur as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Divisional Railway Manager, Northern Railway, Lucknow and their workmen, which was received by the Central Government on the 15th February, 1985.

BEFORE SHRI R. B. SRIVASTAVA, PRESIDING OFFICER CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL, KANPUR

I.D. No. 222 of 1983

In the matter of dispute between

Shri Bhanu Pratap and 4 others

AND

The Divisional Railway Manager, Northern Railway, Lucknow.

AWARD

The Central Government, Ministry of Labour vide order No. L-41012(23)/82-D. II(B) dt. 25th August 83 made the reference of the following dispute to this Tribunal for adjudication :—

> "Whether the action of the Rly Administration, Northern Railway, Lucknow in terminating the services of the following workmen of Loco Shed Faizabad w.e.f. 4-5-82 is justified ? If not, to what relief the concerned workmen are entitled ?"

1. Shri Bhanu Pratap
2. ,, Sant Ram II
3. ,, Ashok Kumar II
4. ,, Ram Nath
5. ,, Ram Kishan.

2. In their claim statement it is averred that all the five workmen were working as substitute labour (Khalasi) in Loco Running Shed Northern Railway, Faizabad, since the following dates shown against them below :

1. Shri Ashok Kumar—20-7-78 other deptt. of Rly 16-12-78, locoshed Faizabad.
2. Shri Bhanu Pratap—28-1-1979.
3. Shri Ram Nath—22-6-78 other department of Rly 7-4-79 Loco shed Faizabad.
4. Shri Ram Kishan—16-8-78 other department of Rly. 21-1-79 Loco shed—Faizabad.

Thus the above workmen had been working continuously since their date of appointment and had completed more than 240 days in a completed one year but were retrenched w.e.f. 4-5-82 without giving any notice, notice pay or retrenchment commensation and without assigning any reason. It is further averred that they were in receipt of authorised

scales of pay and their emoluments came to Rs. 450 per month, thus in view of non compliance mandatory provisions of law the workmen are entitled for reinstatement with full back wages and all benefits computed interms of money.

4. After transfer of this case from CGIT, New Delhi, to Kanpur CGIT, none appeared for the management, hence notices were issued to them twice but none appeared for the management the case was ordered to proceed exparte against the mangement.

5. All the four workmen except Shri Sant Ram II, have filed their affidavits and substantiated their case. According to their averments they all completed more than 240 days in a year. Under the I.D. Act even if they were temporary workmen they should have been given retrenchment compensation and notice pay u/s. 25-F of the I.D. Act.

6. In Mohan Lal Vs. Management of Bharat Electronics Limited 1981 Supreme Court Cases (L & S) 478. It was held

> "Termination simplicitor of services of the temporary workman, not falling within the accepted or excluded categories mentioned in sec. 2(OO) would amount in retrenchment. If immediately preceding the date of termination of sevice such workman actually worked for not less than 240 days within a period of 12 months he will be deemed to be in continuous service and would be entitled to compensation for retrenchment u/s 25-F".

7. In L. Robert Desuza Vs. Executive Engineer Southern Railway and another 1982 (i) S. C. Cases 645. It was held :

> "Casual labour or temporary servant working in the railway under rules 2501, 2505, 2301 and 2305 Railway Establishment Manual and rendering services more than six months in continuous service as peon/lascor or gangman in the construction division and not in any project of the railway's and subjected to transfer for several occasion is a temporary workmen and not a casual labour. Hence termination of the service merely on his absence without leave and without complying to the requirements of rule 2302 would be illegal and void. It was further held that Railway Establishment Manual Rule 2505 should be read subject to sec. 25-F of the I.D. Act 1947 where a casual Labour rendering continuous service for a period of one year or more is sought to be retrenched. It was further held that even a casual or seasonal workman who rendered continuous service for a one year or more can not be retrenched on such ground without complying requisite sub-sec. of 25-F".

8. In the instant case the workmen in the mangement Railway and subjected to transfer was retrenched without complying provision of sec. 25-F of the I.D. Act, 1947 and and giving notice pay and retrenchment compensation the retrenchment illegal will be deemed to be in continuous service from the date of termination and entitled to full benefits and reinstatement.

9. I accordingly relying on the affidavits of the four workmen hold that all of them except Sant Ram II who has not filed the affidavit to support his case will be deemed to be in continuous service and entitled to full benefits.

10. I therefore, give my award accordingly holding that termination of Shri Sant Ram w.e.f. 4-5-82 is justified for want of evidence, but hold and give my award that the action of the railway administration northern railway Lucknow, in terminating the services of Bhanu Pratap, Ashok Kumar, Ram Nath and Ram Kishan from Locoshed Faizabad w.e.f. 4-5-82 is not justified. the effect is that they will be deemed to be in continuous service and shall be reinstate with full back wages and benefits accruing to them during the entire span.

R. B. SRIVASTAVA, Presiding Officer
[No. L-41012/22/82-D.II(B)]
HARI SINGH, Desk Officer.

नई दिल्ली, 23 फरवरी, 1985

का. आ. 1081.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार कुस्तौर क्षेत्र में भारत कोकिंग कोल लि. के प्रबंधतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण नं 2 धनबाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्र सरकार को 18-2-1985 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 23rd February, 1985

S.O. .—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal No. 2 Dhanbad as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Bharat Coking Coal Limited in Kustore Area and their workmen, which was received by the Central Government on the 18th February, 1985.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (No. 2) AT DHANBAD

PRESENT :

Shri I. N. Sinha,
Presiding Officer.

Reference No. 64 of 1984

In the matter of Industrial Disputes under Section 10(1)(d) of the I.D. Act., 1947.

PARTIES :

Employers in relation to the management of Bharat Coking Coal Limited in Kustore Area and their workmen.

APPEARANCES :

On behalf of the employers.—Shri G. Prasad, Advocate.
On behalf of the workmen—Shri S. Bose, Secretary, R. C. M. S. Union.

STATE : Bihar. INDUSTRY : Coal.

Dated, Dhanbad, the 12th February, 1985

AWARD

The Government of India in the Ministry of Labour & Rehabilitation in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1)(d) of the I.D. Act., 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication under Order No. L-20012(218)/84-D. III(A), dated, the 22-9-84.

SCHEDULE

> "Whether the demand of Rashtriya Colliery Mazdoor Sangh for restoration of Shri Kali Charan Singh to the time-rated job of Night Guard in Kustore Area of Messrs. Bharat Coking Coal Limited is justified ? If so, to what relief is the workman entitled ?".

The case of the workmen is that the concerned workman Shri Kalicharan Singh is a permanent employee of Kustore Central Hospital of the management in the capacity of Night Guard in a permanent post. The management forced him to leave his post of Night Guard and to go in the job of Miner/Loader outside Kustore. The job of Night Guard is a job of time rate basis and the post of Miner/loader is a job on a piece rate basis. Thus there was a complete change of service condition of the concerned workman from time rated job to piece rated job for which no notice under section 9(A) of the Industrial Disputes Act was ever issued to the concerned workman. The change of service conditions without notice was illegal and void. It is submitted on behalf of the workmen that the management should be directed to allow the concerned workman to resume his post as Night Guard at Kustore Central Hospital with consequential effects

The case of the management is that neither the Area Office of M/s. B.C.C. Ltd., nor Kustore Central Hospital is a mine within the meaning of Section 2(1b) and as such Night Guard employed in Central Hospital is not a person employed in a mine. The concerned workman was

appointed as Badli worker on 11-11-74 and he was asked to work temporarily as Night Guard as a 'badli' workman in the leave vacancy caused due to sickness of Shri Chandra Bahadur a permanent Night Guard posted in the Kustore Hospital who was suffering from T. B. The concerned workman worked as Night Guard as a badli workman from 11-11-74 to 27-7-75. He did not complete 240 days attendance as Night Guard in the same post and in the same category. Shri Chandra Bahadur did not vacate the post of Night Guard and he joined on 28-7-75 as Night Guard at Kustore Central Hospital. The concerned workman was not even appointed provisionally as a probationer to fill in a permanent post. The concerned workman thereafter worked as casual wagon loader for 5 years up to 25-7-80 and thereafter he was regularised and made permanent miner/loader in Hurriladih Colliery. The concerned workman or his union did not raise any industrial dispute till before 21-2-84. In view of the fact that the concerned workman was only a badli workman, his services automatically stood terminated on 27-7-75 within 8 months and 11 days and as he had not completed 240 days attendance, he did not cease to be a badli workman. He had not fulfilled the conditions laid down in th Model Standing Orders in respect of badli workman and therefore notice under Section 9(A) was not attracted. The concerned workman did not protest when he was first transferred to Kustore Colliery and lastly to Hurriladih Colliery and as such he had relinquished his right, if any, to challenge the transfer by accepting higher wages. There is now no vacancy of Night Guard in Kustore Central Hospital and vacancy cannot be created by unsettling the settled position or by transfer of Night Guard from the Kustore Central Hospital to another unit for the convenience of a badli workman. The demand has been made 9 years after the concerned workman ceased to be a badli workman. On the above plea the management submits that the reference to answered against the workmen.

The only point for decision is whether the concerned workman can be restored to the time rated job of Night Guard in Kustore Area of M/s. B.C.C. Ltd.

The workmen have examined the concerned workman as WW-1. The management have examined two witnesses in support of their case. The management have exhibited some documents which have been marked as Exhibits on their behalf. The workmen did not adduce any documentary evidence.

It is the admitted case of the parties that the concerned workman Shri Kalicharan Singh was appointed as Night Guard in Kustore Central Hospital of M/s. B. C. C. Ltd. Ext. M-1 is the photo copy of Identity Card Register. It will appear from Sl. No. 118997 that Kalicharan Singh was appointed as casual Night Guard since 11-11-74. It will also appear from the entries in the remark column that he was transferred to Kustore Colliery in last July, 1975. The concerned workman has put his signature in the relevant column to show that the entries in Ext. M-1 are correct. It will thus appear from Ext. M-1 that the concerned workman had worked as casual Night Guard from 11-11-74 to July, 1975. The concerned workman WW-1 has stated that since 1971 to 1974 he had worked as Night Guard in the Kustore Central Hospital of B.C.C. Ltd. Admittedly, the year 1974 stated by him is a mistake for the year 1975 because admittedly he had worked as Night Guard till July, 1975. So far his statement that he is working since 1971 is supported neither by any oral nor documentary evidence. Ext. M-2 is Form B Register. Entry No. 118 in Ext. M-2 will show that the date of commencement of employment of the concerned workman as casual Night Guard was 11-11-74. The concerned workman has signed in Col. No. 10 of Ext. M-2 to show the correctness of the entries made against his name. Thus this Form B Register Ext. M-2 which is a statutory register will also show that the concerned workman had worked as casual Night Guard from 11-11-74 and that he was transferred to Kustore in last July, 1975. WW-1 has stated that he has got identity card from the management in which his designation is sown as Night Guard but the said identity card has not been produced by him to show that he was working as Night Guard from the year 1971. The management has filed the attendance register of Kustore Central Hospital and the same has been marked as Ext. M-3. It will appear from Ext. M-3 that the concerned workman Shri Kalicharan Singh's name was entered as badli worker and his attendance was shown from 11-11-74. Thus the concerned workman does not appear to have worked as Night Guard in Kustore Central Hospital prior to 11-11-74. The attendance Register for the month of December, 1974 to July, 1975 shows the attendance of the concerned workman in Kustore Central Hospital till 27-7-75. It will thus appear from the attendance register that the concerned workman had worked as Night Guard from 11-11-74 to 27-7-75 and that he had not worked as Night Guard prior to 11-11-74 and after 27-7-75.

The case of the management is that the concerned workman was appointed to work as badli worker and was asked to work temporarily as Night Guard in the leave vacancy caused due to the sickness of Chandra Bahadur who was a permanent Night Guard posted in Kustore Central Hospital and that the concerned workman worked as a badli workman from 11-11-74 to 27-7-75. Ext. M-1 and M-2 show that the concerned workman was appointed as a casual Night Guard. The attendance Register Ext. M-3 is again relevant for the purpose of showing that the concerned worwan had worked in place of Shri Chandra Bahadur, Night Guard. The attendance Register of November, 1974 in Ext. M-3 will show that Chandra Bahadur Night Guard was on leave from 10-11-74 and had joined on 28-7-75. In the last column there is a note against his name to show that he joined after his treatment of T. B. at Ranchi Sanitarium. It is significant to note that the attendance of the concerned workman was shown from 11-11-74 just a day after Chandra Bahadur went on leave and that the concerned workman was shown absent from 28-7-75 the day on which Shri Chandra Bahadur joined after his illness. The other remarkable entry in the attendance register is that the concerned workman was shown as badli casual Night Guard. Ext. M-5 is office order dated 8-11-77 issued by the Personnel Manager which shows that the concerned workman who was a badli worker was allowed to work as a casual wagon loader as he had put 206 days of work from November, 1974 to July, 1975. Ext. M-4 is the Office order dated 11/13-3-78 which shows that the concerned workman along with others who were junior most casual wagon loaders of Kustore Colliery were transferred to Burragarh Colliery in their existing service conditions. Ext M-5/2 is an Office order dated 5-3-79 which shows that the concerned workman and others name in this office orders who were casual wagon loaders were trained as underground miners/loaders of Burragarh Colliery were transferred to Hurriladih Project to work as badli miner on temporary basis for a period 6 days. It will appear that the concerned workman did not ever protest in the past when he was removed from Night Guard from Kustore Central Hospital and was transferred from one place to the other and he had raised the present dispute only sometime in 1984 when he was made permanent as miner/loader in September, 1980. The delay in raising the dispute shows that the concerned workman was only a badli Night Guard in Kustore Central Hospital and therefore he had not raised any dispute when he was asked to work as casual wagon loader.

The case of the workman is that he was a permanent employee of Kustore Central Hospital as Night Guard and that the action of the management in forcing him to leave his post as Night Guard for the job of Miner/loader was unjustified. The question is whether the concerned workman was a permanent employee. According to the management the concerned workman had worked as badli workman in Kustore Central Hospital as Night Guard in the sick vacancy of Chandra Bahadur. It will appear from the management's W.S. that the service conditions of the workmen are governed by the Model Standing Orders and the same is not disputed. The Model Standing Orders for industrial establishment in Coal Mines defines a "Padli" and "Permanent" workmen. Clause 3(d) of the said Model Standing Orders defines a badli workman. A "Badli" or substitute is one who is appointed in the post of a permanent workman or a probationer who is temporarily absent but he would cease to be a badli on completition of a continuous period of service of one year in the same post or other post or posts in the same category or earlier if the post is

vacated by the permanent workman or probationer. It further states that a "Badli" working in place of Probationer would be deemed to be a permanent after completion of the probationery period. Under Clause 3(b) a permanent workman is defined. A permanent workman is one who is appointed for an unlimited period or who has satisfactorily put in 3 months continuous service in a permanent post as Probationer. From the evidence discussed above it will appear that the concerned workman had been appointed in the leave vacancy of Chandra Bahadur as a Night Guard and he had worked as such from 11-11-74 to 27-7-75. In all relevant documents the concerned workman has been shown as casual Night Guard and working in place of Night Guard. Admittedly, the concerned workman had not completed attendance of 240 days as casual Night Guard in Kustore Central Hospital and as such only a badli workman working in place of Chandra Bahadur in the sick vacancy. The concerned workman has not filed any paper to show that he was appointed as Night Guard for an unlimited period or that he has worked in a permanent post at Probation. The concerned workman had worked only as a substitute of Shri Chandra Bahadur as Night Guard and as Chandra Bahadur was on sick leave there was no permanent vacancy caused and as such the concerned workman cannot be said to be a permanent workman. He was only working in the post of a permanent workman and as such he cannot be said to be himself a permanent workman. In the above view of the matter I hold that the concerned workman was only a badli workman working as Night Guard during the sick vacancy of Chandra Bahadur. A person working in a temporary vacancy caused by the absence of a permanent workman cannot be said to be a permanent workman as actually no permanent vacancy is caused in as much as the workman who has gone on leave is actually on the permanent post.

In view of the fact that the concerned workman was only a badli casual worker working as Night Guard, there was no need to give notice to him under Section 9A of the I.D. Act as the temporary vacancy in which he was working was no more after Chandra Bahadur joined on 28-7-75 as Night Guard in Kustore Central Hospital. The services of the concerned workman as Badli workman terminated on the date Sh. Chandra Bahadur joined as Night Guard and automatically there was no post of Night Guard to employ the concerned workman.

Taking the entire facts, evidence and circumstances of the case into consideration, I hold that the demand of Rashtriya Colliery Mazdoor Sangh for restoration of Shri Kali Charan Singh to the time-rated job of Night Guard in Kustore Area of Messrs. Bharat Coking Coal Limited is not justified and that the concerned workman is not entled to any relief.

This is my Award.

I. N. SINHA, Presiding Officer.
[No. L-20012(218)/84-D. III(A)]

नई दिल्ली, 25 फरवरी, 1985

का. आ. 1082—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार भारत कोकिंग कोल लि० मुरुलिदीह कोलियरी के प्रबंधतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण नं. 2 धनबाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 19-2-1985 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 25th February, 1985

S.O. 1082.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal No. 2, Dhanbad, as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the mangement of Muruljdih Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited and their workmen, which was received by the Central Government on 19th February, 1985.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) AT DHANBAD

Reference No. 66 of 1984

In the matter of Industrial Disputes under Section 10(1)(d o)f the I.D. Act, 1947.

PARTIES :

Employers in relation to the management of Murulidih Colliery of Messrs. Bharat Coking Coal Ltd. and their workmen.

APPEARANCES :

On behalf of the employes—Shri G. Prasad, Advocate.
On behalf of the workmen—Shri J. D. Lall, Advocate.

STATE : Bihar INDUSTRY : Coal.

AWARD

Dated, Dhanbad, the 13th February, 1985

The Government of India in the Ministry of Labour and Rehabilitation in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1)(d) of the I.D. Act., 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication under Order No. L-20012(239)/84-D.III(A), dated, the 25th September, 1984.

SCHEDULE

"Whether the action of the management of Murulidih Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited in retiring from service Shri Rambali Singh on 29-9-1982 is justified ? If not, to what relief the workman is entitled ?"

The case of the workman is that the concerned workman Shri Ramoan Singh has been working in Murulidih Colliery of M/s. B.C.C. Ltd. as Night Guard continuously since his appointment in the year 1947. The name of the concerned workman was entered in Form B Register as per Mines Act and rules made thereunder. All the relevant particulars, namely, father's name, home address, date of appointment, age etc. were noted in the Form B Register. The date of birth of the concerned workman was entered as 22-6-1924 in the said Form B Register. In Form A of C.M.F. also the age of the concerned workman was entered as 22-6-24 when he had become the member of C.M.P.F. After nationalisation of Murulidih Colliery with effect from 1-5-72 the management of B.C.C. Ltd., prepared identity card register and issued identity card to all the employees including the concerned workman. The age of the concerned workman in the identity card register and the identity card was recorded as 22-6-24. The superannuating age of the workman has been fixed at 60 years under the terms and conditions of service. According to the circular, management based on JBCCI recommendation, the age as recorded in the colliery records such as Form B Register identity card register and other records should be accepted as final unless there is discrepancy in the age in the different colliery records. As the date of birth of the concerned workman was recorded as 22-6-24 in the different colliery records the same should have been accepted as final by the management. The management disregarded the said circular and retired illegally the concerned workman on 29-9-82. The concerned workman was sent for medical examination by the management. The concerned workman appeared before the medical board without knowing the purpose thereof and after sometime he was retired on the basis of assessment of age by the medical board which had assessed his age as 59 years on 29-9-81. As there was no discrepancy in the age of the concerned workman recorded in the different records of the management, the management had no authority to get the age of the concerned workman assessed by the medical board. The said assessment of age by the medical board is not binding on the concerned workman. The age as assessed by the medical board was only an approximate assessment and as there was not much of difference in the age recorded in the colliery records and the age assessed by the medical board, the management should have accepted the age as recorded

in the records of the management. The concerned workman filed an application after his retirement to get his age correctly assessed by the medical board but his prayer was rejected by the management. The action of the management in retiring him with effect from 29-9-82 was illegal arbitrary and unjustified. The union took up the case of the concerned workman at the higher level of the management and during the discussion a view point of the union was accepted and a letter dated 6/8-8-83 was issued by the Dy. Chief Personnel Manager(O) West to the General Manager, Mohuda Area for reinstating the concerned workman but inspite of the said direction the concerned workman was not reinstated. Thereafter the dispute was raised before the ALC(C) Dhanbad. On the above facts it is submitted that the action of the management in retiring the concerned workman on 29-9-82 was illegal and unjustified and that the management should be directed to reinstate the concerned workman, to his original job of Night Guard with continuity of service and full back wages till the date of his superannuation.

The case of the management is that the concerned workman was employed in Murulidih Colliery belonging to Kalyanji and Mavji & Co. long before the nationalisation of Murulidih Colliery which is a coking coal mines. It appears from the Form B Register being maintained by the erstwhile management of Murulidih Colliery that the concerned workman was appointed in 1947 and his age was recorded as 40 years in 1947. The date and month of his birth or appointment was not recorded in the said Form B Register. The date of birth of the concerned workman was incorrectly recorded as 22-6-24 in the identity card register which prepared after the nationalisation of the said mines. The management tried to get the confirm his date of birth from the C.M.P.F. records but the Commissioner, C.M.P.F. Dhanbad refused to supply the date of birth of the concerned workman noted in the C.M.P.F. records. The concerned workman was sent to the Medical Board on 29-9-81 for assessment of his age. The concerned workman had declared his age as 50 years before the Medical Board but the Medical Board assessed his age as 59 years on 29-9-81. As there was conflicting record of age of the concerned workman the management accepted his age as 59 years on 29-9-81 which was assessed by the Medical Board on scientific basis and accordingly he was retired from service on 28-9-82 vide letter dated 21-9-82. The date of birth recorded by the erstwhile management long before the nationalisation of the Coal Mines was binding on the management. The action of the management in retiring the concerned workman with effect from 28-9-82 was fully justified.

The only point to be considered in this case is whether the retirement of the concerned workman with effect from 29-9-82 was correct and justified. The management examined two witnesses and the workman examined three witnesses in support of their respective cases The management has further exhibited Ext. M-1 to M-5 and the workmen have exhibited Ext. W-1 to W-8.

There are two documents before the management in respect of the age of the concerned workman, Ext. M-4 is the identity card register which was admittedly prepared by the management after the nationalisation of Murlidih Colliery. It is stated in para 4 of the W.S. of the management that the identity card was issued by the concerned workman after the nationalisation and that the date of birth was incorrectly recorded as 22-6-24 in it. It is thus admitted that the date of birth of the concerned workman was noted as 22-6-24 in the identity card issued to the concerned workman by the management. MW-2 has proved the identity card register Ext. M-4. The relevant entry in respect of the concerned workman is in Sl. No. 110 of Ext. M-4. MW-2 was unable to say the basis on which B.C.C. Ltd. prepared the identity card register Ext. M-4. He has stated that the particulars entered in the identity card issued to the workman are made on the basis of the particulars entered in the identity card register. The management thus does not say how the mistake had occured in the age of the concerned workman recorded in Ext. M-4. From the particulars entered in Sl. No. 110 of Ext. M-4 it will appear that his date of birth was noted as 22-6-24 and he was employed in the year 1947. Ext. W-3 is the identity card issued in the name of the concerned workman in which also his date of birth is recorded as 29-6-24. It will thus appear that in the record of the management the date of birth of the concerned workman was noted as 22-6-24.

The management has harped much on the entry in the Form B Register which has been marked as Ext. M-3. In Ext. M-3 the relevant entry is in Sl. No. 47 which shows that in the col. age against the name of Ramban Singh 40 years or something was written. There is overwriting on the previous age recorded in this column. The date or commencement of his employment is shown as 1947. On the basis of this entry it has been submitted on behalf of the management that the concerned workman was aged 40 years in 1947 when he was appointed. MW-2 who is also working as Clerk in Murulidih Colliery since 1962 has proved Ext. M-3. He has stated that he cannot say as to when Ext. M-3 was prepared. He has stated that he was aged about 17 years at the time of his first appointment. Ext. W-2 is an entry in Sl. No. 735 which shows that this MW-2 Bellal Uddin Ansari was appointed on 2-9-62 and his age was first recorded as 32 years which was subsequently penned through and 25 was entered in the age column and the date of his birth was subsequently noted as 27-8-45. He himself has stated that originally his age was recorded as 32 years which was subsequently corrected to 25 years on the basis of certificate produced by him. He has clearly stated that he was not aged 25 years at the time of his appointment. If 25 or 32 was not the age of this witness at the time of his appointment in 1962 how could the mangement say that 40 years was the age of the concerned workman on the date of his employment in 1947. A question was put to MW-2 if Form B Register was changed every year during the erstwhile management to which he had no knowledge. He has stated that the age of retirement of the employees in B.C.C. Ltd. is 60 years. On perusal of Form B Register it will appear that the age of some workman have been recorded as 60 years or 55 years or so. If the contention of the mangement is correct that the age recorded in the Form B Register Ext. M-3 was on the date of employment, it is not at all believable that the employees were appointed at the age of 60 years only to retire him. MW-2 has stated that Chhotanuno Shaw at Sl. No. 74, Ganga Dusadh at Sl. No. 75 Habib Khan at Sl. No. 76 of Form B Register are still working. On perusal it appears that their age was recorded as 50 years and they had joined their services in 1947. If they were aged 50 years in 1947 they would be about 87 years now and they are still working. This shows the absurdity of the stand taken by the management and one cannot expect such a stand by a public sector company. WW-2 is the concerned workman has stated that he was aged about 21 years at the time of his appointment and that his name was noted in Form B Register in 1967-68. In my opinion the statement of WM-2 is more realistic and nearer the truth. In my opinion the age recorded in Ext. M-3 was not the age at the time of appointment of the concerned workman but it was the age when Form B Register was prepared.

The stand which has now been taken on behalf of the management was not even supported by their own Dy. Chief Personnel Manger. Ext. W-7 is a confidential letter dated 6/8-8-83 written by Shri K. C. Nandkeolyar, Dy. Chief Perso. Manager (O) West to the General Manager, Mohuda Area. It will appear from this letter that the case of the concerned workman was taken up by the General Secretary Sri Ramdas Singh MLA, Koyla Mazdoor Union and therafter the matter was examined. It is further stated that the date of birth of the concerned workman was recorded as 22-6-24 in the identity card register which is the same to his knowledge as in the Form B Register. It is further stated that it has been decided that the concerned workman may be taken in the job in the same capacity and on the same basic which he was drawing at the time of his retirement. It appears, therefore, that the said management official was convinced of the fact that the date of birth of the concerned workman as 22-6-24 was correct.

Ext. W-6 contains the procedure for determination/verification of the age of the employees as discussed and finalised in the 19th meeting of the JBCCI held on 16-1-81 at Coal Bhawan, Calcutta. Clause B relates to the review/determination of date of birth in respect of existing employees. It will appear from it that wherever there is no variation in the records such cases will not be reopened unless there is a very glaring and apparent wrong entry brought to the notice of the management and that in such cases the management after being satisfied on the merits of the case will take appropriate action for correction through

age determination committee/medical board. The other clause provides that whenever there are variations a suitable provision for age determination committe/medical board would be made. It will appear that there was the entry of date of birth of the concerned workman in the identity card register as 22-6-24. The Form B Register Ext. M-3 as I have discussed above did not record the date of birth of the concerned workman and the age of the workmen recorded in it was of a subsequent period when Ext. M-3 was prepared. It is admitted that the Commissioner, C.M.P.F. did not furnish the date of birth of the concerned workman to the management. As such there was only one record before the management showing the date of birth of the concerned workman and that was the identity card registar. It cannot, therefore be said that there was variation in the different records of the management regarding the date of birth of the concerned workman and as such the case of the concerned workman could not have referred to the Medical Board fo verification of his age. It is clear from the reading of Ext. W-6 that the management was not justified in referring the concerned workman for verification determination of the age of the concened workman. The management was quite conscious of the fact that there was not variation in the age of the concerned workman in the different registers of the management. Ext. M-5 dated 17-1-83 is the reply sent by Shri K. Kumar, Personnel Manager of Mohuda Area to the concerned workman in respect of the representation of the concerned workman dated 13-10-82. In item No. 1 is stated "that there had been a glaring difference between your age accorded and your appearance and thus you were advised to appear before the Medical Board for assessment of your age". Thus it will appear that the concerned workman was not sent to the Medical Board for assessment of his age because of variation in the date of his birth recorded in different registers of the management but it was on account of the fact that there was glaring differences between his recorded age and his appearance. Thus the concerned workman was sent to the Medical Board as there was difference between his recorded age and his appearance which cannot be a ground for referring a person to a medical board under the procedure for determination of age of the employees as stated in Ext. W-6. The management has given reason as to why the concerned workman was sent to the Medical Board for assessment of his age and the said ground is not a ground on which a workman could be sent for verification of age by the Medical Board.

MW-1 is Doctor S. Singh who was one of the member of the Medical Board which had examined the concerned workman for the assessment of his age. Ext. M-1 is a report of the Medical Board which shows that the age of Rambali Singh was approximately assessed by the board as 59 years on 29-9-81. MW-1 has stated that the board had determined the age of the concerned workman on physical appearance only and that the age estimated by the board was an approximate age. In his cross-examination he has stated that the medical report does not include the specific findings relating to the examination of the concerned workman and that the estimate of age was given on physical appearance of the workmen. He has reiterated that only physical test was made in determining the age and that no scientific test for determination of age was made by them. He has further stated that the exact age of a person cannot be estimated from more physical appearance. It will thus appear that the age of the concerned workman assessed by the Medical Board was not based on any scientific test and it was assessed just on physical appearance. Determination of age on physi al appearance cannot be said to be a determination on scientific test. Even from the evidence of doctor it will appear that the age assessed by them was an approximate age. The difference of age given by the concerned workman as 22-6-24 and the age approximately estimated by the Medical Board was not great difference. The approximate age assessed by the Medical Board on physical appearance could be even the date which has been given by the concerned workman and as such the difference being not much there was no reason not to accept the age of the concerned workman which was recorded in the management's own identity card register which has not been shown to be incorrectly prepared.

In view of the facts evidence and circumstances of the case discussed above I hold that the date of birth of the concerned workman recorded in the identity card register as 22-6-24 was correct and the action of the management of Murulidih Colliery of M/s. B.C.C. Ltd. in retiring the concerned workman from service on 29-9-82 was not justified. The concerned workman is therefore reinstated in service from 29-9-82 with all the consequential benefits as regular employee until the date of his superannuation on 22-6-84.

I. N. SINHA, Presiding Officer.

[No. L-20012(239)/84-D.III(A)]

का. आ. 1083.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार भारत कोकिंग कोल लि. के प्रबंधतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण नं० 2, धनबाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को, 21-2-1985 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 1083.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal No. 2, Dhanbad, as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Dhanbad and their workmen, which was received by the Central Government on the 21st Feb., 1985.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) AT DHANBAD

PRESENT :

Shri I. N. Sinha, Presiding Officer.

Reference No. 56 of 1983

In the matter of Industrial Disputes under Section 10-(1)(d) of the I.D. Act, 1947.

PARTIES :

Employers in relation to the management of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Dhanbad, and their workmen.

APPEARANCES :

On behalf of the employers—Shri G. Prasad, Advocate.

On behalf of the workmen—Shri R. Prasad, General Secretary, Bharat Coking Coal Staff Co-ordination.

STATE : Bihar. INDUSTRY : Coal.

Dated, Dhanbad, the 16th Feb., 1985

AWARD

The Government of India in the Ministry of Labour and Rehabilitation in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication under Order No. L-20012(120)/83-D.III(A) dated the 19th/20th December, 1983.

SCHEDULE

"Whether the action of the management of Messrs. Bharat Coking Coal Limited, Dhanbad in discontinuing increments after 12 months from the pay of S/Shri Chanchal Kumar Banerjee, S. K. Chakraborty, P. K. Chakraborty, Rohit Kumar Chawra and M. A. Raja, ganted in terms of their Office order No. 1/67/1067(H) dated 17th January, 1977, when in other cases such special increments granted have been merged in the pay, is justified and reasonable? If not, to what relief are the said workmen entitled ?"

The case of the workmen is that the management of BCCL issued a circular dated 17-1-77 for encouraging the use of Hindi in the working of the management. The said circular provided incentives to the employees. It was provided as incentive to the employees that non-Hindi speaking employees passing Hindi typing test held by the management would be given two increments as incentives. The management of BCCL were conducting typing and shorthand test in Hindi and special increments were awarded to the employees in accordance with the above circular from 1977 to 1979 and the

increments granted to them was permanent in nature and it was never withddawn. The management of BCCL conducted Hindi shorthand and typing test on 3-6-80 under the provision of the above circular in which the concerned workman appeared in the test and were declared successful by the management. The management by an Office Order dated 17-6-81 issued an order granting two special increments to the concerned workmen for 12 months only. It is submitted on behalf of the workmen that the above order was violating the provisions of the circular dated 17-1-77 as no modification and supersession was made in the said circular. There was no justification for the management for granting increments to the concerned workmen for 12 months only and they should have got the increments permanently as other workmen who had passed the examination previously were getting. The management has discriminated by way of granting increments of 12 months only to the concerned workmen. The workmen passing Hindi typing and short hand test previously are still enjoying the benefit of circular. The workmen represented before the authorities for removal of the discrimination but their grievances were not considered. Thereafter they approached the union and the union took up their case. When the union failed to settle the dispute under code of discipline and joint discussion, an industral dispute was raised before the ALC(C). The conciliation before the ALC(C) failed and thereafter the Government of India referred this dispute for adjudication.

The case of the management is that the reference is not maintainable. The Head Office of M/s. B.C.C. Ltd. where the concerned workmen were working is not a mine and as such the reference is bad. The management in order to popularise Office wok in Hindi gave an incentive to learn Hindi typing/Hindi shorthand and the management on its own discretion decided to grant some advance increments for a limited period to such employees who passed Hindi shorthand/Hindi type writing and issued an Office Order dated 17-1-77. The said office order is not a settlement within the meaning of Clause (P) of Section 2 of the I.D. Act, the said circular was purely voluntary and discretionary and its non-implementation cannot form the subject matter of industrial dispute as the same is not binding either on the employers or on the workmen. The grant of advance increments as mentioned in the circular was confined only to one or two advance increments but it was not meant to be allowed throughout the tenure of employment of the employees concerned on permanent basis. Any demand for continuation of the said advance increment on permanent basis is not justified and reasonable. Due to wrong interpretation by some officers of the management some employees were allowed to continue the advance increments beyond two years for which necessary legal action is taken for recovery. On the above plea it was submitted that the action of the management for discontinuing increments after 12 months to the concerned workmen was fully justified.

The simple question to be decided in this case is whether the discontinuing of the increments after 12 months to the concerned workmen was justified.

The management have examined one witness and the workmen examined two witnesses in support of their cases. Besides that the workmen have exhibited seven documents and the management have exhibited 12 documents.

In nutshell the entire case hinges on the interpretation of Ext. W-1 which is the Office order dated 17-1-77. The management has also exhibited the said circular dated 17-1-77 which is marked Ext. M-12. Ext. W-1 and M-12 are the same. The said circular dated 17-1-77 shows that the management had issued the said circular in order to spread the use of Hindi in the office for which incentives were given to the employees working with the management. We are here concerned with the non-Hindi speaking employees who have passed the Hindi typing examination held by the management and the incentive for the same is provided in para 2(a) of the said circular. It provides that non Hindi speaking employees passing Hindi typing test will get two increments in their pay as special pay. There is no time limit provided in the said circular and it appears that this incentive in the increment of the pay was not for a limited period of 12 months or of any other specified period. On further analysis of this circular it will give an impression that the increments granted was permanent in nature. This appears to be clear if we refer to clause 2(b) of the said circular where it is provided that Hindi speaking employees passing short hand test will be promoted to the higher grade. This promotion to a higher grade cannot be limited for a limited period nor there is any such limit regarding the period of the said promotion of the employee. If this promotion in the higher grade was to be given permanently, it is clear that the increments which was to be given under Clause 2(a) to the non-Hindi speaking employees was of a permanent nature. In my opinion the circular gave the increments permanently as special pay to the employees who passed the said test.

Ext. W-2 dated 30-1-79 is an Office order by which increments were given to the employees who had passed the test in Hindi typing and Hindi shorthand. The said Office order has not limited the period of increments which was given to the 33 employees who had passed the said test. Ext. W-3 is the Office order dated 7-2-81 which shows that two persons passed the test and that one Tarun Kumar Mitra was given two increments in his salary but no limit of this increment was stated in the office order. Ext. W-5 dated 5-5-81 is the Office order which shows that the concerned five workmen who were non Hindi speaking employees had passed Hindi typing examination but it was ordered that they would get the increments only for 12 months on furnishing certificates that they are non-Hindi speaking. Ext. W-6 dated 17-6-81 is the Office order which shows that the concerned workmen furnished their certificates that they were non-Hindi speaking employees and that they were to get two increments for 12 months only. The management has not produced any circular to show that the circular dated 17-1-77 was modified. Ext. W-7 is a letter dated 17-1-84 which shows that the circular dated 17-1-77 has not been superceded by any Office order. The management has not filed any office order to show that there has been any modification or suspercession in the circular dated 17-1-77. MW-1 has stated that there is no mention in Ext. M-12 that incentive was to be paid only for 12 months. It will also appear from his evidence and the circular Ext. M-12 itself that this circular was passed by the Board of Directors of the management. MW-1 has stated that the General Manager cannot supercede the order of the Directors. Thus the order passed in Ext. W-5 by Upkarmik Prabandhak is not in accordance with the circular Ext. M-12. He was not authorised to make any modification in the circular which was passed by the Managing Director of the Company. On this account also the order in Ext. W-5 for payment of two increments only for 12 months cannot be sustained.

Ext. W-4 dated 21-3-80 shows that in accordance with the circular dated 17-1-77 employees passing the Hindi shorthand and Hindi typing examination were given increment but there was some confusion in fixing the salary of those employees after the implementation of NCWA-II Hence it provided that at the time of fixing the pay of such employees who have passed such examination the new scale should be fixed on the basis of their pay as on December, 1978 without including the increments which were allowed on ground of passing the test and after the fixation in new pay scale two further increments be paid to them in the new pay scales. It appears therefore that the increments granted were permanent because here also there is no mention of the fact that such increments granted were to be granted only for a limited period of 12 months.

In view of the discussion made above I hold that the two increments which were granted to the concerned workmen were of a permanent nature and that the increments could not be limited for a period of 12 months only.

It has been submitted on behalf of the management that the concerned workmen are not working in the Mines and as such the reference is bad. It will appear that the concerned workmen are working in Materials Management division which is a section of the Headquarters Office under the control and administration of M/s. B.C.C. Ltd. The said materials management division deals with purchase of materials required for use in the production of coal and as such the concerned workmen are engaged in the work which is incidental or connecetion with mining operations. The coal is mind with the materials which are purchased and are supplied in the production of coal and the concerned workmen are employed for the said purpose and as such in my opinion their work is connected with mining operations and the Tribunal has jurisdiction to adjudicate this case.

In view of the above discussion I hold that the action of the management of B.C.C. Ltd. in discontinuing increments after 12 months from the pay of the concerned workman granted in terms of the circular dated 17-1-77 is not justified and reasonable. The concerned workmen are entitled to the said increment permanently from the date of the said increment has been discontinued and the management is directed to pay the same to the concerned workman.

This is my Award.

I. N. SINHA, Presiding Officer.

[No. L-20012(120)/83-D-III(A)]

A. V. S. SARMA, Desk Officer

नई दिल्ली, 25 फरवरी, 1985

का. आ. 1084.— औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, भारतीय खाद्य निगम, नागपुर के प्रबन्धतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबन्ध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण, नागपुर के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 21 फरवरी, 1985 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 25th February, 1985

S.O. 1084.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal Nagpur, as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Food Corporation of India, Nagpur and their workmen, which was received by the Central Government on the 21st February, 1985.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL, NAGPUR PRESIDED BY SHRI A. W. PENDHARKAR, B.A., LL.B.

Reference (CGIT) No. 1 of 1984

Adjudication Between

The Food Corporation of India,
Nagpur —Party No. 1

AND

Their Workmen
Represnted by Food Corporation of India Employees Association,
Nagpur. —Party No. 2

In the matter of Reference under section 10(1)(d) read with Section 7A of the Industrial Disputes Act, 1947

APPEARANCES :

Shri N. Sundaram, District Manager, for Party No. 1.
Shri L. S. Ahuja, Additional General Secretary of the representative Association, for Party No. 2.

AWARD

(Made on 1st February, 1985)

This is a reference under Section 10(1)(d) read with Section 7A of the Industrial Disputes Act, 1947.

2. The dispute which is referred to for adjudication as per schedule is as under :—

"Whether the action of the management of Food Corporation of India, Nagpur in reverting Shri S. S. Badole from the post of Dusting Operator to Watchman w.e.f. 10-2-1974 after satisfactory completion of probationary period of one year is justified? If not, to what relief the workman is entitled."

3. The workman (Party No. 2) Shri S. S. Badole filed a statement of claim in support of the demand. His case is that he was appointed in the Central Food Department/ Food Corporation of India(which shall hereafter be referred to as the Corporation) with effect from 27-3-1959 as a Watchman and was posted at Central Storage Depot, Amravati. That on closer of Amravati Depot, he was posted to Nagpur and joined duty on 11-2-1960. He was then transferred from Nagpur to Bamni Banzar (Madhya Pradesh) under emergency vide Office Order No. SRO/BPL/Admn/65 dated 23-3-1965 and he was relieved from Nagpur on 31-5-1965. He was promoted as Dusting Operator vide Bhopal Office Order No. A/8(6) dated 31-12-1970 and was posted to Jabalpur and he joined duty in the promoted post on 20-1-1971. Subsequently, he was transferred to Nagpur vide Bombay Office Order No. A/8/8/72/WZ.PF-I dated 19-10-1972 and accordingly he joined his duty at Nagpur on 9-11-1972 as a Dusting Operator. However, he was illegally reverted to the post of a Watchman with effect from 10-2-1974 as per office Order No. A/8(18)/74-RM(M) dated 2-2-1974. This reversion of the workman is illegal and violatory of the F.C.I. Staff Regulation which inter alia provides that the employee can only be retained under probation for a period of one year and after expiry of such period the employee is liable to be confirmed in the post. Thus, the workman Shri S. S. Badole was a confirmed employee and could not be reverted. Therefore, the reversion is illegal and liable to be set aside and he is entitled to full back wages of the post and all consequential benefits.

4. The Food Corporation of India, Nagpur (Party No. 1) filed its written statement denying the claim of the workman. The main defence raised by the Corporation is that when the workman was transferred to Maharashtra from Madhya Pradesh as a Dusting Operator, it was noticed that many of his seniors in the grade of Watchmen were continuing to work as Watchmen in Maharashtra Region and therefore, he could not be allowed to continue as a Dusting Operator. Since the workman declined to accept the reversion as a Watchman, orders dated 14-3-1974 and 21-3-1974 were issued transferring him back to the Madhya Pradesh Region in the capacity of Dusting Operator. As the workman was not interested in his transfer to the Madhya Pradesh Region, he gave an option dated 5-4-1974 opting for continuation at Nagpur itself and reversion as Watchman. He was, therefore, allowed to continue as a Watchman at Nagpur at his own request/option. Since the reversion was at his own request the reference is not maintainable.

5. The workman did not adduce any oral evidence in this case. Party No. 1 (Corporation) examined two witnesses in support of the defence raised in the written statement. Heard Shri N. Sundaram, District Manager of Party No. 1 Corporation and Shri L. S. Ahuja, Additional General Secretary of the representative Association, for party No. 2 workman.

6. The documents placed on record by both the parties are admitted by the parties. It is an admitted fact that originally the workman Shri S. S. Badole was appointed as a Watchman in Maharashtra Region and was transferred in the same capacity to M.P. region and got promotion as a Dusting Operator in Madhya Pradesh region. The Corporation has issued circulars in respect of transfer policy and Exh. C-1 dated 18-12-1971 is such a circular. Clause (X) of this circular reads as under :—

"Requests for posting to a nearer native place may be entertained in case of category IV employees."

As per this provision in the transfer policy, the workman vide his letter (Exh. U-2) dated 18-9-1972 requested for his transfer to Nagpur from Madhya Pradesh as all along his family was residing in Nagpur. The request of the workman was accepted and vide Office Order (annexure-A) dated 19-10-1972, the workman Shri Badole and one Shri S. G. Rawat (both Dusting Operators) were transferred from Madhya Pradesh region to Maharashtra region and both were posted to Nagpur against existing vacancies. They were refused T.A. and joining time as the transfer was as per their own request. However, the Office Order directed :—

"Their seniority in the grade of Dusting Operator will be fixed by Joint Manager (P&S) from the date of their joining in Maharashtra Region and/or as may be decided by Head Office."

From this transfer order (annexure-A) it is clear that the workman Shri Badole was transferred in the same capacity as a Dusting Operator in Maharashtra Region and his seniority was to be fixed in the same grade. In spite of this clear direction in the order, the Corporation issued a memo Exh. C-8 dated 16-8-1973 to the workman Shri Badole and two others (Shri K. G. Shende and Shri S. G. Rawat) which runs as under :—

"It has been observed that many officials who are senior to him in the grade of Watchman/Shifter/Sweeper are still working in the same grade in this Region whereas he has been promoted as Dusting Operator in M.P. Region and transferred to Nagpur at his own willingness. This has denied the promotional opportunities to his seniors in Maharashtra Region.

He is, therefore, informed that he cannot be allowed to continue as Dusting Operator in Maharashtra Region as the seniority of Catgory-IV employees is maintained region-wise and promotions are also effected within the Region. He is therefore, directed to give his consent whether he is prepared for reversion to his lower grade in which case his seniority will be fixed from the date he reported in Maharashtra Region. In case he is not willing for reversion, he will be posted back to M.P. as Dusting Operator.

His reply should reach the Asstt. Manager (Admn.) Regional Office, latest by 30-8-1973 failing which it will be presumed that he is willing for reversion and to accept the seniority that may be assigned to him in Maharashtra Region and the senior-most eligible person will be promoted in his place."

Whether any reply was given by the workman to this memo or not is not clear from the record. But, one thing is clear that vide order Exh. U-3 dated 2-2-1974 the workman Shri Badole and some others were reverted to the post of Watchman with effect from 10-2-1974 A.N., on the ground of their own request. The Corporation could not place on record any document to show that workman Shri Badole has given his consent/option for reversion as a Watchman prior to issue of the order Exh. U-3. On the contrary, from annexure-I dated 5-4-1974 filed alongwith the written statement, the workman Shri Badole wrote as under :—

"Kindly refer to the above cited orders. Due to my family troubles I am not now in a position to go to M.P. *I may therefore please be allowed to continue at* Nagpur as Watchman as done in case of my colleague, Shri K. G. Shende."

This letter appears to have been written by the workman Shri Badole in reference to transfer orders dated 14-3-1974 and 21-3-1974 transferring the workmen back to Madhya Pradesh from Maharashtra. Hence, as rightly contended on behalf of the workman it is clear that this letter, annexure-I dated 5-4-1974 must have been got by the Corporation from the workman under undue coercion and could not be a willing letter as this letter is subsequent to the order of reversion Exh. U-3 and does not precede this order. That means, the Corporation first issued an order of reversion and to justify that order, got a letter from the workman Shri Badole on 5-4-1974, which is annexure-I. Therefore, by no stretch of imagination, the reversion order Exh. U-3 can be termed as an order of reversion at the request of workman Shri Badole.

7. Eventhough in the letter Exh. C-8 dated 16-8-1973 it is alleged that many officials who are senior to the workman in the grade of watchman are still working in the same grade in Maharashtra Region, the Corporation could not name any of those persons nor filed any document to show their gradation. There is nothing on record to show that there was any representation by any of the colleagues of the workman with regard to the posting of the workman as a Dusting Operator in Maharashtra Region. As per transfer order, annexure-A there was a clear direction to fix the seniority of the workman in the grade of Dusting Operator and still, the workman was not allowed to continue as a Dusting Operator and he was threatened to be transferred to Madhya Pradesh and ultimately, so called consent letter (annexure-I) dated 5-4-1974 appears to have been got from the workman. Hence, letter annexure-I cannot be called a voluntary consent/option from the workman Shri Badole.

8. It has come in the evidence that one Shri K. P. Bhokte was also transferred from Madhya Pradesh to Maharashtra Region vide office order (annexure-B) dated 8-3-1983. He was also working as Dusting Operator in Madhya Pradesh and continued to work in the same post till his death. He was not reverted as a Watchman. This clearly shows that a discrimination was made by the Corporation in the case of 2 workmen. There is no valid explanation from the Corporation about this act.

9. Even otherwise, the consent/option given by the workman canot override the provisions of Staff Regulations, 1971. Regulation 15(1) states that every person regularly appointed to any post in the Corporation under sub-clause(a) of clause (1) of Regulation 7 shall be required to be on probation for a period of one year from the date of appointment. Regulation 15(4) states that an employee who was satisfactorily completed his probation in any post shall thereafter be confirmed. Admittedly, the workman Shri Badole worked in the promoted post of a Dusting Operator for more than three years i.e. from 20-1-1971 to 10-2-1974. Witness No. 1 Shri V. Ramkrishna Sharma, examined by the Corporation, stated in his cross-examination :—

"I do not know if there is any provision under which a confirmed employee can be reverted on his transfer on his own request. It is true that as per order dated 8-3-1983 (ann.-B) Shri K. P. Bopte, Dusting Operator was transferred from Jabalpur to Nagpur and he continued to work as Dusting Operator and was not reverted as Watchman."

Thus, this witness could not show any provision under which a confirmed employee can be reverted on his transfer on his own request. On the other hand, in his examination-in-chief as well as in his cross-examination, he admitted that when an employee is transferred at his request, he becomes the juniormost in the cadre at the place of his transfer. Thus, according to him, Shri Badole became junior-most in the cadre of Dusting Operator when he was transferred to Nagpur from Madhya Pradesh in 1972. In the face of this voluminous documentary evidence on record and in the face of the admissions given by the same witness, it is clear that workman Shri Badole was not willing to accept the reversion as Watchman and hence, he was issued transfer orders dated 14-3-1974 and 21-3-1974 and he was forced or coerced to give a writing (annexure-I) dated 5-4-1974 showing his willingness for reversion to the post of Watchman. Thus, the action of the Coporation in reverting the workman Shri Badole under order Exh. U-3 dated 2-2-1974 is wrongful, illegal, inindicious and against the provisions of Staff Regulations, 1971. Hence, accepting the contention of the workman Shri Badole and rejecting the defence of the Corporation, I find that the action of the Corporation in reverting Shri S. S. Badole from the post of Dusting Operator to the post of Watchman with effect from 10-2-1974 is unjustified.

10. The next question would be to what relief the workman Shri Badole is entitled to. Witness No. 2 Shri Areakkat Sukumaram, examined by the Corporation, admitted in his cross-examination that the post of a Dusting Operator is higher in grade than that of a Watchman and normal pay of Dusting Operator is higher than that of a Watchman. Not only this, the total gross salary of Dusting Opertor is more than that of a Watchman. Once the order of reversion Exh. U-3 is set aside, the natural consequence would be that the workman Shri Badole would be deemed to be continued in service as a Dusting Operator and he shall get all the emoluments and benefits attached to that post right from 10-2-1974 till date. However, the pay and allowance already received by him during this period shall have to be adjusted as against the dues of the workman from the Corporation. Hence, I find that the workman Shri Badole is entitled to full back wages of the post of Dusting Opertor with effect from 10-2-1974 till date, subject to adjustment of the pay and allowances already drawn by him of the post of a Watchman.

11. In the result, the reference is accepted. It is hereby declared that the action of the Corporation in reverting Shri S. S. Badole from the post of Dusting Operator to Watchman with effect from 10-2-1974 is unjustified. Hence, the order of reversion Exh. U-3 dated 2-2-1974 is hereby set aside. Shri S. S. Badole is deemed to have continued as a Dusting Operator right from 10-2-1974 till date. By way of affirmative action, the Corporation is directed to pay to the

workman Shri S. S. Badole full back wages of the post of Dusting Operator with effect from 10-2-1974 till this award is given effect to, subject to the adjustment of pay and allowances drawn by him as a Watchman during the said relevant period. Under the circumstances of the case, the Corporation is directed to bear its own costs and pay Rs. 250 as costs to the party No. 2. The reference is thus disposed of in terms of the above award.

Nagpur :

Dated : 1st February, 1985.

Sd/-

A. W. PENDHARKAR, Presiding Officer.

[No. L-42012/46/83-D. II(13)/D. IV(B)/D. VI

का. आ. 1085—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, मैसर्ज भारत कोकिंग कोल लि. की लोहापाती कोलियरी के प्रबन्धतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच अनुबन्ध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, नं. 2, धनबाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 20-2-1985 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 1085.—In pursuance of secton 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal No. 2, Post Office Jagjivan Nagar, Dhanbad, as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Lohapati Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited and their workmen, which was received by the Central Government on the 20th February, 1985.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) AT DHANBAD

PRESENT :

Shri I. N. Sinha, Presiding Officer.

Reference No. 77 of 1984

In the matter of Industrial Disputes under Section 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947

PARTIES :

Employers in relation to the management of Lohapatti Colliery of Messrs. Bharat Coking Coal Ltd. and their workmen.

APPEARANCES :

On behalf of the employers—Shri G. Prasad, Advocate.

On behalf of the workmen—Shri D. Mukherjee, Secretary, Bihar Colliery Kamgar Union.

STATE : Bihar. INDUSTRY : Coal.

Dated, Dhanbad, the 14th February, 1985

AWARD

The Government of India in the Ministry of Labour and Rehabilitation in exercise of the powers conferred on them under Section 10 (1) (d) of the I. D. Act, 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication under Order No. L-24012(50/84-D. IV(B). dated the 27th October, 1984.

SCHEDULE

"Whether the action of the management of Lohapatti Colliery of M|s. Bharat Coking Coal Limited in terminating the services of Sri Jitu Mahato is justified? If not, to what relief the workman is entitled?"

The case of the workmen is that the concerned workman Shri Jitu Mehato was a permanent workman of Mandal Kenduadih Section of Barara Colliery since 1969. He along with others was stopped from duty and on industrial dispute being raised it was ultimately referred to the Central Government Industrial Tribunal No. 1, Dhanbad for adjudication and the said case was numbered as Ref. No. 22 of 1977. An award dated 22-4-80 was passed in Ref. No. 22/77 in favour of the workman with a direction that they be resinstated with full back wages. The management of M|s. B. C. C. Ltd. delayed in the implementation of the said Award and after lapse of several months from the passing of the Award reinstated the concerned workman in Reference No. 22 of 1977 only when the management forced the workman to enter into a settlement against the direction of of the Award. The workman concerned in Ref. No. 22 of 1977 were allowed to resume their duties without any back wages. The concerned workman Jitu Mahato was also reinstated and he was transferred by the management of Barora area to Lohapatti Colliery. The concerned workman resuumed his duties at Lohapatti Colliery. As soon as the concerned workman started demanding back wages as per direction of the Award the management stopped him from duty by an office order dated 13-8-82 without assiging any reason. The concerned workman was a permanent workman and the management terminated his services without issuing any chargesheet and withou conducting any enquiry. The management did not give any opportunity to the concerned workman to explain any allegation against him. The management terminated his services without complying the mandatory provision of Section 25F of the I.D. Act. The concerned workman represented before the managemnt against his illegal and arbitrary termination of services but to no effect. Thereafter the case of the workman was taken up by the union and an industrial dispute was raised before the ALC(C) Dhanbad. On failure of conciliation before the ALC(C), Dhanbad this case was referred for adjudication to this Tribunal by the Government of India. The action of the management of Lohapatti Colliery in terminating the services of the concerned workman was illegal arbitrary, unjustified and against the principles of natural justice.

The case of the management is that the concerned workman was transferred from Barora area to Mohuda area vide letter dated 24-12-80|3-1-81 issued by the Personnel Manager, Barora Area. After the transfer the concerned workman reported for duty at Mohuda and was posted at Lohapatti Colliery vide letter dated 8-1-81. The General Manager, Mohuda area was informed by the personnel Manager, Barora Area that the concerned workman Shri Jitu Mehato was an imposter and was not the genuine workman and that he had entered into the employment fradulently by giving fales name and address at Barora Area. Thereafter the services of the concerned workman was discontinued. He was again allowed to work temporarily and was asked to establish his identity but as he failed to establish his identity, he was again discontinued with effect from 13-1-82. The case of the management further is that some of the workman employed in Mandal Kenduadih Colliery were stopped by the erstwhile employer before the Colliery was nationalised i. e. before 1-5-1973. The workman raised an industrial dispute and finally they were reinstated by an Award dated 23-4-80 passed in Reference No. 22 of 1977 by the Central Government Industrial Tribunal No. 1, Dhanbad. The name of Jitu Mahato appeared at Sl. No. 185 of Mandal Kenduadih Colliery whose address was Jitu Mehato son of Bihari Mahato village Tursabad, P. O. Kharlo, P. S. Topchanchi, Dist. Dhanbad but on verification from Kamaldih Police Station it was found that the concerned workman Jitu Mahato as also known as Shambhu Mahato and his son of Kedar Mehato alias Bipan Mahato, village Chuatand, P. S. Kamaldih, Dist. Dhanbad and this address fully corroborated from the particulars mentioned in the Pleader's notice which was recived by the management on behalf of Piyasi Devi widow of Jitu Dhoba. It was found by the management that the concerned workman of the present reference was not the real Jitu Mahato who was employed in Mandal's Kenduadih Colliery although the name of one Shri Jitu Mahato appear in Reference No. 22 of 1977. Shri S. N. Mukherjee, Advocate served a pleader's notice dated 14-6-82 to the Chariman-cum-Managing Director with copies to other on behalf of his client Smt. Piyasi Devi wife of late Jitu Dhoba of village Tursabad alleging that her hus-

band Jitu Dhoba son of Bipan Dhoba of Tursabad died in December, 1975. It was further stated the late Jitu Dhoba was an employee as Miner/loader in Mandal's Kenduadih Colliery and was the real person who was reinstated by the Award passed in Reference No. 22 of 1977. It was further stated that Shri Shambhu Mahato son of Kedar Manato of village Chuatand fradulently and by forging some documents dishonestly pretending himself to be Jitu Dhoba had taken the employment on 12-1-81. It is stated on behalf of the management that after passing of the Award in Ref. No. 22 of 1977 there as a settlement between the parties to the said reference on 26-8-80 and one of the condition of the settlement was that any information furnished by the workmen if found to be not genuine would be removed from employment and legal action will be taken against such workmen. Giving of false name and address at the time of employment or reinstatement is a misconduct under the Model Standing Orders para 171((b). It is admitted by the management that no chargesheet was issued for the same and as such a prayer was made that an opportunity be given to him to lead evidence to the effect that Jitu Mahato is not the real person who was earlier employed in Mandal's Kenduadih Colliery. On the above plea it has been submitted on behalf of the management that the action of the employer in terminating the services of the concerned workman is justified.

The main point to be determined in this case is whether the concerned workman had impersonated some other persons.

As prayed for by the management they were given full opportunity to dear evidence on the point whether the concerned workman was the real Jitu Mahato who had been employed in Mandal's Kenduadih Colliery and was the concerned workman in Reference No. 22 of 1977. The management examined as many as 14 witnesses and the workmen examined 6 witnesses to prove their respective cases. The management also exhibited 19 documents and the workmen exhibited five documents.

The evidence of MW-1, MW-2 and MW-3 belonging to village Chuatand itself establishes that the concerned workman Jitu Mahato son of Bipan Mahato belongs to their village. MW-14 had stated that Dwarka Prasad Saw is the Mukhiya of Tursbad and the said Dwarka Prasad Saw has been examined as WW-1. WW-1 has stated that he had granted the certificate Ext. W-1 to Shri Jitu Manato as he had seen Jitu Mahato residing in village Tursabad since 1969. He has also stated that Jitu Mahato was residing with his brother-in-law in Tursabad and from there he was attending his work at Mandal's Kenduadih Colliery. This witness had attended the Court on the summons issued to him on the prayer of the management and as such his evidence carries weight. WW-2, WW-4 are brothers-in-law of the concerned workman. WW-2 has stated that he was married to the sister of Jitu Mahato in village Chuatand in 1969 and he had got Jitu Mahato appointed in the colliery and that Jitu Mahato used to reside with him at Tursabad and used to attend the colliery from his house. MW-4 has also stated that Jitu Mahato was residing in village Tursabad with Nakul Mahato WW-2 since before his marriage to the sister of Jitu Mahato. WW-3 of village Tursabad has stated that he was working in Mandal's Kenduadih Colliery during the erstwhile management as Line Mistry and that the concerned workman also used to work in the said colliery as Miner/ loader. He has further stated that when Jitu Mahato was working in the mines he used to attend his work from the residence of Nakul Mahato. WW-6 Shri Manpuran Goswami was an Attendance Clerk in Mandal's Kenduadih Colliery and he was one of the concerned workman in Reference No. 22 of 1977 and he had raised the dispute in respect of the concerned workman also in Reference No. 22 of 1977. From the above evidence it will appear that the concerned workman is Jitu Mahato son of Bipan Mahato of village Chuatand and this identity is now well established.

The next question to be determined is whether the concerned workman was the workman who had worked in Mandal's Kenduadih Colliery Ext. M-19 is Form B Register of Mandal's Kenduadih Colliery from 1970 to 1971. From Sl. No. 185 of this Register it will appear that Jitu Mahato son of Bipan Mahato was in employment since 2-1-69 as Coal cutter in Kenduadih Colliery. The address given in Col. No. 6 against his name is village Tursabad. On the basis of this entry in Form B Register it is submitted on behalf of the management that the concerned workman was not the said Jitu Manato whose name was entered in Form B Register as the said Jitu Manato belongs to Tursabad whereas the concerned workman belongs to village Chuatand. There is no evidence on the record to show that there was any Jitu Mahato son of Bipan Mahato belonging to village Tursabad. The case of the concerned workman is that he actually belonged to village Chuatand but as he was residing at Tursabad with his brother-in-law he had given the said address at the time of his appointment in Mandal's Kenduadih Colliery. The concerned workman has led evidence to show that he was residing with his brother-in-law Nakul Mahato at village Tursabad and that he was attending the colliery from there. The said fact is supported by the evidence of the Mukhiya Kharao Gram Panchayat who has been examined as WW-1. It is stated in Ext. W-1 that the concerned workman is a resident of village Chuatand and that in 1968 the concerned workman was residing in the house of Rohan Mahato (father of Nakul Mahato) and was attending his work in Mandal's Kenduadih Colliery. He has also stated that presently the concerned workman is residing in his village home Chuatand. The evidence of WW-1 supported by the Management witness to the effect that the sister of the concerned workman are married at village Tursabad. Ext. W-2 is a certificate dated 7-9-70 issued by the Manager of Mandal's Kenduadih Colliery which shown that Jitu Mahato son of Bipan Mahato worked in the said colliery from 26-6-69 to 6-9-70 as a miner. The said certificate has been produced by the concerned workman. The certificate Ext. W-2 contains the entries in the Form B Register in Ext. M-19 and as such there is no reason to disbelieve Ext. W-2. The fact that this certificate has been produced by the concerned workman will show that he was the person to whom this certificate was granted. MW-1 has stated that the concerned workman is generally residing outside the village. He has heard that Jitu Manato is working in the colliery. He has further stated that his sister's sasural is at Tursabad. MW-2 has stated that Jitu Mahato is also Known as Shambhu Mahato. He has also stated about the marriage of the sister of Jitu Mahato in village Tursabad. MW-2 and MW-3 have stated that the concerned workman generally resides outside the village. MW-4 has stated that Nakul Mahato, Charku Mahato and Bhagirath Mahato are married to the sisters of Jitu Mahato. He was unable to say if Jitu Mahato was residing in the house of his sister. MW-8 has stated the names of the wives of Nakul Mahato, Charku Mahato and Bhagirath Mahato. He has stated that he had seen the concerned workman in village Tursabad. MW-13 has stated that Nakul Mahato, Charku Manato and Bhagirath Mahato are married in village Chuatand WW-5 Jitu Mahato himself stated that he was residing with his brother-in-law in Tursabad and from there he was attending his work to Mandal's Kenduadih Colliery. Ext. M-14 is a letter from the Personnel department of the management to the Office-in-Charge, Kumaldih Police Station for verification of the address of the concerned workman and a photo of the concerned workman was also sent along with the said letter. On the back of the said letter there is a report of the Police Officer dated 31-5-83. The Police Officer reported that the concerned workman was Jitu Mahato alias Shambhu Mahato S/o Bipan Mahato of village Chuatand. The report further shows that the sisters of the concerned workman is married in village Tursabad and that the concerned workman was residing there. From all these evidence it will appear that the concerned workman was residing in village Tursabad with his sister. It appears that he the concerned workman was residing with his brother-in-law in village Tursabad at the time of his appointment in Mandal's Kenduadih Colliery he has given his village address as Tursabad. As there was no other person of village Tursabad named Jitu Mahato son of Bipan Mahato, it is clear that the concerned workman had given His address as village Tursabad in Ext. M-19.

Ext. M-8 is the photo copy of the Award passed in Ref. No. 22 of 1977 and Ext. M-12 is the settlement dated 26-6-80 between the management and the union From the schedule attached to Ext. M-12 it will appear that Jitu Mahato in Sl. No. 81 was one of the person concerned in the Reference No. 22 of 1977. Admittedly father's name village address is not stated in it but it is clear that there was one Jitu Mahato as one of the concerned workmen of Reference No. 22 of 1977. This Jitu Mahato could not be other than Jitu Mahato whose name is entered in Form B Register

as there was nobody's case that there was any other workman working in Mandal's Kenduadih Colliery named Jitu Manato son of Bipan Manato. Thus Jitu Mahato concerned in Reference No. 22 of 1977 was the same person whose name was mentioned in Form B Register Ext. M-19. I hold therefore that the concerned workman was one of the concerned workman in Ref. No. 22 of 1977. MW-4 is an employee of the management. He has stated that the concerned workman alongwith two others were stopped from work on the ground of being imposter. He was unable to say if the concerned workman and Beni Mahato were stopped from work on the ground of being imposter in 1981. He has further stated that they were allowed to work after they submitted Mukhiya's certificate and there was police verification. He has further stated that one year after they were again stopped from work and no ground was stated as to why their work was stopped. MW-5 is a Senior Personnel Officer of the management. Ext. M-11 dated 24-12-80 is the letter of appointment which has been proved by MW-5. He has stated that the concerned workman was appointed on the basis of the Award and subsequent settlement. He has stated that the concerned workman had submitted certificate Ext. M-13 at the time of his appointment and had also filed affidavit at that time. In his cross-examination he has stated that only those who fulfilled the terms of settlement were appointed. It will thus be clear that he concerned workman had fulfilled the terms of the settlement Ext. M-12 and as such he was appointed in accordance with Ext. M-11. He has further stated that the concerned workman was stopped from work on the basis of the Police verification report (on the back of Ext. M-14). He has further stated that there was no other materials except the Police report on the basis of which he was stopped from work. In my opinion the Police report does not falsify the case of identification of the concerned workman. MW-6 has further stated that he cannot say the reason of the stoppage of the work of the concerned workman. MW-1 is Shri J. D. Lall who was representing the workman and had signed the settlement Ext. M-12 on behalf of the workmen. He has stated that he had raised the industrial dispute in respect of termination of service of several workmen and on the basis of the said dispute in Reference No. 22 of 1977 was referred by the Government of India to the Central Govt. Industrial Tribunal No. 1, Dhanbad. He has also conducted the case on behalf of the workmen in Reference No. 22 of 1977 in which the Award was passed in favour of the workmen. He has given the reason as to why he agreed to the settlement by forging the back wages. He has stated that those workmen who fulfilled the conditions of the settlement were reinstated and accordingly it appears that the concerned workman fulfilled the terms of the settlmenet and as such he was reinstated.

It will appear from the W.S. of the management that a Lawyer's notice was given on behalf of Piyasi Devi widow of Jitu Dhoba before the management alleging that the concerned workman had fraduleuly got reinstatement in place of Jitu Dhoba. From the Form B Register Ext. M-19 it will appear that there was no workmen named Jitu Dhoba in it. In the Award and the settlement Ext. M-8 and M-12 also there was no mention of the name of Jitu Dhoba. Thus there does not appear to be any evidence that the concerned workman had got reinstatement by falsely representing himself as Jitu Dhoba. The management's own document shows that there was one Jitu Mahato son of Bipan Mahato named in Form B Register and there was no question for the concerned workman to get his reinstatement by falsely representing himself as Jitu Dhoba. In my opinion the said allegation that the concerned workman got reinstatement in place of Jitu Dhoba is a complete myth and is not at all supported by any evidence on record.

On the consideration of the above facts it will be clear that the concerned workman was a workman of Mandal's Kenduadih Colliery who was one of the concerned workman of Reference No. 22 of 1977 and had got reinstatement and was subsequently stopped work.

The concerned workman was stopped work without assigning any reason. Admittedly no chargesheet was framed against him. It has not been established that the concerned workman had got reinstatement by impersonating some other person. It has been submitted on behalf of the concerned workman that his termination was uniustified as his termination without complying of Section 25F of the I.D. Act was quite illegal. The case reported in 1984-Lab-I-C-1651 has been relied upon on behalf of the concerned workman. Section 2(oo) definies retrenchment which means the termination by the employer of the services of a workman for any reason whatsoever otherwise than a punishment inflicted by way of disciplinary action but does not include voluntary retirement, retirement on superannuation and termination on the ground of continued ill health. In the above decision it has been held that whether the termination of service is brought about by voluntary or involuntary action, whether that result is produced by overtact or by operation of the provision of the Standing Orders the termination would be retrenchment within the meaning of Section 2(oo) of the I.D. Act since the fact of termination is only relevant, howsoever produced is irrelevant for applicability of Section 25F. It was further held that once the termination does not fall in one of the excepted categories enumerated in Section 2(oo), the termination of service even it be according to automatic discharge from service under an agreement or by default of the workmen it would be retrenchment attracting the compliance of Section 25F of the I.D. Act, Admittedly, the provision of Section 25F was not complied in terminating the services of the concerned workman and on this score alone termination of the services of the concerned workman cannot be sustained. I have already discussed above that in substance the concerned workman had given address correctly as he was residing in village Tursabad with his brother-in-law. It has not been established that the concerned workman had impersonated any other person in getting his reinstatement. As such the concerned workman cannot be dismissed from service on a mere technical ground that he had not given the correct village address at the time of his appointment or when he had filed a certificate for being reinstated in the job. The concerned workman had given his address of village Tursabad for being reinstated as his original address was noted as Tursabad at the time of his appointment by the erstwhile management. In my opinion the concerned workman cannot be held to have committed any misconduct.

In view of the facts, evidence and circumstances of the case discussed above I hold that the action of the management of Lohapatti Colliery of M/s. Bharat Coking Coal Ltd. in terminating the services of the concerned workman is not justified. The concerned workman is therefore reinstated from the date of his termination from service with all consequential benefits.

This is my Award.

I. N. SINHA, Presiding Officer,

[No. L-24012(50)/84-D. IV(B)]

का.आ. 1086.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, मैसर्स सैन्ट्रल कोल फील्ड्स लि. स्थान व डाकखाना डेरा कोलियरी, जिला धनकनाल, उड़िसा राज्य के प्रबन्धतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण, भुवनेश्वर के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 19-2-85 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 1986.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Indusrial Tribunal, Bhubaneswar, as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Central Coalfields Limited, At Post Office Dera Colliery, District Dhenkanal, Orissa State and their workman, which was received by the Central Government on the 19th February 1985.

ANNEXURE

INDUSTRIAL TRIBUNAL, BHUBANESWAR

PRESENT :

Shri K. C. Rath, B.L., Presiding Officer, Industrial Tribunal, Bhubaneswar.

Industrial Dispute Case No. 6 of 1981 (Central)
Dated Bhubaneswar, the 12th February, 1985.

BETWEEN

The employers in relation to the management of Central Coalfields Limited, At/P.O. Dera Colliery, Dist. Dhenkanal, Orissa State.

.....First party

AND

Their workmen .....Second party

APPEARANCES :

Shri P. B. K. Rao, Personnel Manager (O), Central Coalfields Ltd., Dera Colliery. For the first party

Shri K. C. Patro, Executive Member, C.C.L. Worker's Association. For the second party

Shri G. C. Sarangi, General Secretary, C.C.L. Workers' Association.

AWARD

Dispute referred to by the Central Government for adjudication under Section 7-A and Clause (d) of Sub-section (1) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, vide Notification No. L-24012(1)/81.D.IV (B) dated 24-7-1981 of the Ministry of Labour runs thus :

"Whether the refusal by the management of South Balanda Colliery of Central Coalfields Limited, P.O. Balanda, Distt. Dhenkanal, Orissa, to record 20-1-1929 in the Service Sheets of Shri A. P. Jena, Driver as the date of his birth, is justified ? If not, to what relief is the workman concerned entitled?"

2. It is not in dispute and is admitted by both the parties that the second-party workman was the driver of the first-party management till 21-2-1981 when he was superannuated on his attaining the 60 years of age, his date of birth being 21-2-1920, as noted in his Service Book. It is also admitted that the second-party workman challenged the entry in his service book with regard to his date of birth as incorrect for the first time on 5-1-1980 asserting that his date of birth is 20-1-1929 as per entry in the School Admission Register of Baladiabandha U.P. School and not 21-2-1921 as noted in his Service Book. It is further admitted that the first-party management having refused to act on the basis of the certificate produced by the second-party workman, there was a conciliation proceeding started at the instance of the second-party, and the conciliation having failed, the present reference has come up for adjudication.

3. The substantial question that arises for consideration in this case is whether the date of birth of the second-party workman as noted in the School Admission Register is or is not acceptable.

4. Three witnesses were examind for the second-party workman and none for the first-party management. Witness No. 3 for the second-party workman is the workman himself. He asserts that he was reading in Baladiabandha L.P. School and that his date of birth as noted in the admission register of the said School is 20-1-1929. Witness No. 2 for the second-party is the Headmaster of Baladiabandha U.P. School. He has produced the admission register, Ext. 1, of Baladiabandha P.P. School and theirin mention is made against the name of the second-party that his date of birth was 20-1-1929. On a persual of Ext. 1 it appears that it is not a bound book as it consists of some loose papers being stitched in the middle. The cover page is also not there and consequently it is very difficult to know to which school it relates and to which year. There is also no page-mark or seal or any signature of any authority vouchsafing the correctness of the entries made in the register. The headmaster of the school who made the disputed entry in the register is admittedly alive, but he is not examined to prove the said entry on the pretext of his old age. Had the second-party approached the headmaster to come as a witness to prove the entry in question and had he denied on the ground of his old age, the matter would have been different. But I find from the evidence of the second-party himself that no such approach was ever made by him to the headmaster to come and depose that the disputed entry was made by him. Further I find from his statement that when he approached the headmaster in 1979 for a certificate, the headmaster refused to comply with his request. No headmaster would be have in such a fashion if an approach is made by any body, for the issue of certificate in his favour. The fact that the headmaster refused to issue any certificate when approached by the second-party for the said purpose clearly establishes that there is something wrong in it and that is why the headmaster refused to comply with the request of the second-party in the matter of issuance of school certificate in his favour. To add to it, Baladiabandha U.P. School was upgraded in 1942 as would be evident from the statement of witness No. 2 for the second-party. If that be so, it is not understood how the name of the second-party appeared in the admission register of Baladiabandha U.P. School if the second-party took his admission in the Baladiabandha L.P. School in 1934 as stated by him. This is another circumstance which militates against the case of the second-party. Further I find from the school admission register that not only the age of the second-party but also the age of some others who took admission on the same day of admission of the second-party is noted as 20-1-1929 and for all of them a single man has signed the register as their guardian. There are also blanks here and there besides overwritings. In view of all these, and taking into consideration the fact that at the time of entry into service no such copy of the school admission register was produced by the second-party in proof of his age, I am of the view that the school admission register is created subsequently to suit the purpose. This view of mine finds support from one more circumstance and that is that the second-party having failed to produce any documentary evidence in support of his age, his medical examination was done and his date of birth was noted as 21-2-1921 on the basis of the results of the medical examination. At the time of his medical examination, he asserted his age to be 34 years but by appearance he appeared to be 40 years of age and that is how his age was recorded as 21-2-1921 in the Service Book. The second-party has also signed in English in the Service Book against the said entry showing his date of birth as 21-2-1921. Of course it is stated by the second-party that he was not aware as to what was the date of birth noted in his Service Book as she does not know English. But one thing apparent from his evidence is that he knew the date of birth as noted in the Service Book in 1967 when identity card was issued to him. If something wrong was noted therein, he should have protested then and there. But instead of so doing, he kept quiet till 1980. Witness No. 1 for the workman has stated that the second-party approched him in 1975 for correction of his date of birth and that he approached the authorities concerned from time to time but no effect. Had there been any correspondence in this regard there would have been some truth in what the witness No. 1 for the workman has said. But no such correspondence is forthcoming on the ground that the request was made orally. Therefore, witness No. 1 for the workman cannot be believed on the point deposed to by him. Non-action of the second-party for a pretty long time is also a circumstance which goes against him. Entry in the Service Book with regard to the date of birth is prima-facie correct unless contrary is shown by some authentic document. Since the document produced is not proved to be an authentic one, I have no other way but to hold that the first-party management was justified in refusing to act on the basis of the entry in the said register, changing the date of birth of the second-party from 21-2-1921 to 20-1-1929. Such being my finding, the reference is to be answered in the affirmative.

5. In the result, the refusal by the management of South Balanda Colliery of Central Coalfields Limited P.O. Balanda, Distt. Dhenkanal, Orissa, to record 20-1-1929 in the Service Sheets of Shri A. P. Jena, Driver as the date of his birth is justified.

6. The award is passed accordingly.

[No. L-24012(1)/81-D. IV (B)]

K. C. RATH, Presiding Officer
S. S. MEHTA, Desk Officer.

नई दिल्ली, 26 फरवरी, 1985

का. आ. 1087.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार, तुलसी क्वारी मोती रावल के प्रबंधतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण अहमदाबाद के पंचाट को प्रकाशित करती है जो केन्द्रीय सरकार को 18 फरवरी 1985 को प्राप्त हुआ था ।

New Delhi, the 26th February, 1985

S.O. 1087.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Ahmedabad, as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Tulsi Quarry, Moti Rawal and their workmen, which was received by the Central Government on the 18th February, 1985.

BEFORE SHRI G. S. BAROT, INDUSTRIAL TRIBUNAL (CENTRAL) AT AHMEDABAD

Reference (ITC) No. 36 of 1984

ADJUDICATION

BETWEEN

The Management of Tulsi Quarry,

Moti Rawal. First Party.

AND

The workmen employed under it. Second Party.

In the matter of termination of services of Sarvashri Bachubhai Valjibhai Tadvi and Himatbhai Mafatbhai Tadvi, Stone Breakers.

AWARD

This is a reference made by the Government of India under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947, vide the Government of India, Ministry of Labour & Rehabilitation Order No. S.O. dated 21-8-1984 regarding termination of services of Sarvashri Bachubhai Valjibhai Tadvi and Himatbhai Mafatbhai Tadvi, Stone Breakers with effect from 5-10-1983.

Before this reference can be heard and finally disposed of, the General Secretary of Mahagujarat Khan Udhvog Kamdar Sangh, Surat has filed a purshis Ex. 3 to the effect that as the workman concerned have not remained present and they refuse to come to court, the Union does not want to proceed with the reference. The reference is, therefore, dismissed for want of prosecution. No order as to costs.

Ahmedabad, 31st January, 1985.

G. S. BAROT, Industrial Tribunal.

[No. L-29012(25)/84-D-III(B)]

M. L. MEHTA, Under Secy.

नई दिल्ली, 26 फरवरी, 1985

का. आ. 1088.—बीड़ी कर्मकार कल्याण निधि नियम, 1978, के नियम 3 के उप-नियम (2) और नियम 16 के साथ पठित बीड़ी कर्मकार कल्याण निधि अधिनियम, 1976 (1976 का 62) की धारा 5 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, 15 जनवरी, 1983 के भारत के राजपत्र के भाग 2 खंड 3 उपखंड (ii) में पृष्ठ 358 पर प्रकाशित अधिसूचना संख्या का. आ. 373 तारीख 22 जनवरी 1982 में निम्नलिखित संशोधन करती है ।

उक्त अधिसूचना में क्रम संख्या 8 के सामने निम्नलिखित रखा जाएगा अर्थात् :—

"8 श्री बाबू खान,
जनरल सेक्रेटरी,
राष्ट्रीय बीड़ी श्रमिक संघ (इंटक)
मार्फत श्री इन्द्र राज शर्मा,
ज्वाइंट सेक्रेटरी इंटक,
सवाई माधोपुर ।"

[संख्या यू-23018/1/82-डब्ल्यू.-2]

आर. डी. मिश्र, अवर सचिव

New Delhi, the 26th February, 1985

S.O. 1088.—In exercise of the powers conferred by Section 5 of the Beedi Workers Welfare Fund Act, 1976 (62 of 1976) read with sub-rule (2) of rule 3 and rule 16 of Beedi Workers Welfare Fund Rules, 1978, the Central Government hereby makes the following amendment in the notification number S.O. 373 dated 22nd January, 1982 published at page 358 of part II Section 3 sub-section (ii) of the Gazette of India dated 15th January, 1983.

In the said notification, against Sl. No. 4 Dist: Aj may be read as Ajmer and against serial number 8, the following shall be substituted, namely :—

"8. Shri Babu Khan,
General Secretary,
Rashtriya Beedi Shramik Sangh (INTUC),
C/o Shri Indra Raj Sharma,
Joint Secretary, INTUC,
Sawaimadhopur."

[No. U-23018/1/82-W.II]

R. D. MISHRA, Under Secy.

PRINTED BY THE MANAGER, GOVT. OF INDIA PRESS, RING ROAD, NEW DELHI-110064
AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI-110054, 1985